

यूहन्ना का पत्र
मत्ती का सुसमाचार
मरकुस का सुसमाचार
यूहन्ना का सुसमाचार
उत्पत्ति
निर्गमन
गिनती
व्यवस्थाविवरण
यहोशू

अवलोकन

यह प्राचीन यूनानी ग्रंथों का एक सावधानीपूर्वक चयनित संग्रह है जिसका उद्देश्य यीशु की शिक्षाओं को, प्रत्यक्ष रूप से और उनके शिष्यों के माध्यम से, तथा उनकी शिक्षा की नींव: ईश्वर की व्यवस्था को सर्वोत्तम तरीके से प्रस्तुत करना है। इसके बाद, अन्य भविष्यवक्ताओं की पुस्तकें (भजन संहिता, यशायाह, यिर्मयाह, दानिय्येल, योना, होशे, आदि) पढ़ने पर विचार करें।

अस्वीकरण

यह अनुवाद मूल ग्रीक सेप्टुआजिंट और बीजान्टिन ग्रंथों से बड़े भाषा मॉडलों के साथ बनाया गया था। इस कारण से इसमें मूल भाषा की संस्कृति और व्याकरण की कई कलाकृतियाँ हैं, लेकिन इसमें त्रुटियाँ भी हो सकती हैं। यदि कुछ अजीब लगता है, तो कृपया मूल ग्रीक की जाँच करें। यदि आपको कोई त्रुटि मिलती है, तो कृपया इसे jesusislord@joshuabible.com पर ईमेल करें।

लाइसेंसिंग

आपको इस अनुवाद को पूर्ण या आंशिक रूप से पुनरुत्पादित और वितरित करने की अनुमति है। आपको इसे संशोधित या बेचने की अनुमति नहीं है। यदि आपको कोई त्रुटि मिलती है, तो कृपया jesusislord@joshuabible.com पर एक ईमेल भेजें ताकि हम इसे सुधार सकें और आपको एक अद्यतन संस्करण प्रदान कर सकें।

यूहन्ना का पत्र

1 2 3 4 5

मती का सुसमाचार

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25
26 27 28

मरकुस का सुसमाचार

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16

यूहन्ना का सुसमाचार

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21

उत्पत्ति

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46
47 48 49 50

निर्गमन

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40

गिनती

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36

व्यवस्थाविवरण

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31 32 33 34

यहोशू

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24

यूहन्ना का पत्र

1

जो आरंभ से था, जिसे हमने सुना है, जिसे हमने अपनी आँखों से देखा है, जिसे हमने निहारा है और जिसे हमारे हाथों ने छुआ है, जीवन के वचन के विषय में, और जीवन प्रकट किया गया, और हमने देखा है और हम गवाही देते हैं और हम तुम्हें उस अनन्त जीवन की घोषणा करते हैं, जो पिता के पास था और हमें प्रकट किया गया। जो हमने देखा है और सुना है, हम तुम्हें घोषणा करते हैं, ताकि तुम भी हमारे साथ संबंध रख सको, और हमारा संबंध पिता के साथ और उनके पुत्र यीशु मसीह के साथ है। और हम ये बातें तुम्हें इसलिए लिखते हैं, ताकि हमारा आनंद पूर्ण हो जाए।

और यह वह संदेश है जो हमने उससे सुना है और हम आपको घोषणा करते हैं, कि परमेश्वर प्रकाश है और उसमें कोई अंधकार नहीं है। यदि हम कहें कि हमारी उसके साथ संगति है और हम अंधकार में चलें, तो हम झूठ बोलते हैं और सत्य पर नहीं चलते हैं। यदि हम प्रकाश में चलें, जैसे वह प्रकाश में है, तो हम एक दूसरे के साथ संगति रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु मसीह का रक्त हमें सब पाप से शुद्ध करता है। यदि हम कहें कि हमारे पास पाप नहीं है, तो हम स्वयं को धोखा देते हैं और सत्य हम में नहीं है। यदि हम अपने पापों को स्वीकार करें, तो वह विश्वासयोग्य और धर्मी है, ताकि वह हमारे पापों को क्षमा करे और हमें सब अधर्म से शुद्ध करे। यदि हम कहें कि हमने पाप नहीं किया है, तो हम उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हममें नहीं है।

2

मेरे छोटे बच्चों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ ताकि तुम पाप न करो, और यदि कोई पाप करे, तो हमारे पास पिता के सामने एक वकील है, यीशु मसीह जो धर्मी है, और वह हमारे पापों के लिए प्रायश्चित है, न केवल हमारे लिए, बल्कि संपूर्ण संसार के लिए भी। और इससे हम जानते हैं कि हम उसे जान चुके हैं, यदि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। जो कहता है, मैं उसे जानता हूँ, और उसकी आज्ञाओं को नहीं मानता, वह झूठा है, और उसमें सत्य नहीं है। जो उसके वचन को रखता है, सच में उसमें परमेश्वर का प्रेम पूर्ण किया

गया है। इससे हम जानते हैं कि हम उसमें हैं। जो कहता है कि उसमें रहना चाहिए, उसे वैसे ही चलना चाहिए जैसे वह चला, और वह स्वयं भी इस प्रकार चले।

भाइयों, मैं तुम्हें कोई नई आज्ञा नहीं लिख रहा हूँ, बल्कि वह प्राचीन आज्ञा जो तुम्हारे पास आरंभ से थी। यह प्राचीन आज्ञा वह वचन है जो तुमने आरंभ से सुना था। फिर मैं तुम्हें एक नई आज्ञा लिखता हूँ, जो उसमें और तुममें सत्य है, क्योंकि अंधकार दूर हो रहा है और सच्चा प्रकाश पहले से ही चमक रहा है। वह जो कहता है कि प्रकाश में है, और अपने भाई से घृणा करता है, वह अंधकार में है अभी तक। जो अपने भाई से प्रेम करता है वह प्रकाश में रहता है, और उसमें कोई ठोकर नहीं है, जो अपने भाई से घृणा करता है वह अंधकार में है और अंधकार में चलता है, और नहीं जानता कि कहाँ जा रहा है, क्योंकि अंधकार ने उसकी आँखों को अंधा कर दिया है।

मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे छोटे बच्चों, क्योंकि तुम्हारे पाप उसके नाम के कारण क्षमा किए गए हैं। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे पिताओ, क्योंकि तुमने उसे जाना है जो आरंभ से है। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे युवाओ, क्योंकि तुमने उस दुष्ट को जीत लिया है। मैंने तुम्हें लिखा है, हे बच्चों, क्योंकि तुमने पिता को जान लिया है। मैंने तुम्हें लिखा है, हे पिताओं, क्योंकि तुमने उसे जान लिया है जो आरंभ से है। मैंने तुम्हें लिखा है, हे युवाओं, क्योंकि तुम बलवान हो और परमेश्वर का वचन तुममें बना रहता है और तुमने दुष्ट को जीत लिया है।

संसार से प्रेम मत करो और न ही संसार की चीजों से। यदि कोई संसार से प्रेम करता है, तो पिता का प्रेम उसमें नहीं है, क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की इच्छा और आँखों की इच्छा और जीवन का घमंड, वह पिता से नहीं है, बल्कि संसार से है। और संसार गुजर रहा है और उसकी इच्छा भी, लेकिन जो परमेश्वर की इच्छा को करता है वह युगानुयुग रहता है।

बच्चों, यह अंतिम घड़ी है, और जैसा तुमने सुना था कि मसीह-विरोधी आने वाला है, और अब अनेक मसीह-विरोधी हो गए हैं, इसी से हम जानते हैं कि यह अंतिम घड़ी है। वे हमारे बीच से निकल गए, लेकिन वे हमारे नहीं थे, क्योंकि यदि वे हमारे होते, तो हमारे साथ बने रहते, लेकिन यह इसलिए हुआ ताकि यह प्रकट हो जाए कि वे सब हमारे नहीं हैं। और तुम्हारे पास पवित्र से अभिषेक है, और तुम सब कुछ जानते हो। मैंने तुम्हें इसलिए नहीं लिखा कि तुम सत्य को नहीं जानते, बल्कि इसलिए कि तुम इसे जानते हो, और यह कि कोई भी झूठ सत्य से नहीं है। झूठा कौन है, यदि वह नहीं जो इनकार करता है कि यीशु

मसीह है? यही मसीह-विरोधी है, जो पिता और पुत्र का इनकार करता है। जो कोई भी पुत्र का इनकार करता है, वह पिता को भी नहीं रखता है। इसलिए जो तुमने आरंभ से सुना है, वह तुममें रहने दो। यदि जो तुमने आरंभ से सुना है वह तुममें रहता है, तो तुम भी पुत्र में और पिता में रहोगे। और यह वह प्रतिज्ञा है जो उसने स्वयं हमसे की, वह अनन्त जीवन। ये बातें मैंने तुम्हें उनके बारे में लिखीं जो तुम्हें धोखा दे रहे हैं। और तुम, वह अभिषेक जो तुमने उससे प्राप्त किया, तुममें बना रहता है, और तुम्हें कोई आवश्यकता नहीं है कि कोई तुम्हें सिखाए, बल्कि जैसे वही अभिषेक तुम्हें सब बातों के विषय में सिखाता है, और वह सत्य है और झूठ नहीं है, और जैसे उसने तुम्हें सिखाया है, तुम उसमें बने रहोगे। और अब, हे छोटे बच्चों, उसमें बने रहो, ताकि जब वह प्रकट हो तो हमें साहस मिले और हम उसकी उपस्थिति में उससे शर्मिन्दा न हों। यदि तुम जानते हो कि वह धर्मी है, तो यह भी जानो कि जो कोई धार्मिकता करता है, वह उससे जन्मा है।

3

देखो पिता ने हमें कैसा प्रेम दिया है ताकि हम परमेश्वर की संतान कहलाएं। इसलिए संसार तुम्हें नहीं जानता, क्योंकि उसने उसे नहीं जाना। प्रियजनों, अब हम परमेश्वर के बच्चे हैं, और अभी तक यह प्रकट नहीं हुआ कि हम क्या होंगे। लेकिन हम जानते हैं कि यदि वह प्रकट हो, तो हम उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को शुद्ध करता है, जैसे वह शुद्ध है।

हर वह जो पाप करता है, वह अधर्म भी करता है, और पाप ही अधर्म है। और तुम जानते हो कि वह प्रकट हुआ ताकि हमारे पापों को उठा ले, और उसमें पाप नहीं है। हर वह जो उसमें रहता है, पाप नहीं करता है; हर वह जो पाप करता है, उसने उसे नहीं देखा है और न ही उसे जाना है। छोटे बच्चों, कोई तुम्हें धोखा न दे, जो धार्मिकता करता है वह धर्मी है, जैसे वह धर्मी है, जो पाप करता है वह शैतान से है, क्योंकि शैतान आरंभ से पाप करता है। परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रकट हुआ, ताकि वह शैतान के कार्यों को नष्ट करे। जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता, क्योंकि उसका बीज उसमें रहता है, और वह पाप नहीं कर सकता, क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। इसमें परमेश्वर के बच्चे और शैतान के बच्चे प्रकट हैं। हर वह जो धार्मिकता नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं है, और वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं करता। क्योंकि यह वह संदेश है जो तुमने आरंभ से सुना, ताकि हम एक दूसरे से प्रेम करें, नहीं, जैसा कैन से दुष्ट था और उसने अपने भाई का वध किया, और किस कारण से उसने उसका वध किया? क्योंकि उसके कर्म दुष्ट थे, लेकिन उसके भाई के धर्मी थे। आश्चर्य

मत करो, मेरे भाइयो, यदि संसार तुमसे घृणा करता है। हम जानते हैं कि हम मृत्यु से जीवन में पार हो चुके हैं, क्योंकि हम भाइयों से प्रेम करते हैं। जो भाई से प्रेम नहीं करता, वह मृत्यु में बना रहता है। हर वह जो अपने भाई से घृणा करता है, हत्यारा है, और तुम जानते हो कि किसी भी हत्यारे के पास शाश्वत जीवन नहीं है जो उसमें बना रहता है। इसमें हमने प्रेम को जाना, क्योंकि उसने हमारे लिए अपनी आत्मा रखी, और हमें भाइयों के लिए अपनी आत्माएँ रखनी चाहिए। जो संसार का जीवन रखता है और अपने भाई को आवश्यकता में देखता है और उससे अपना हृदय बंद कर लेता है, तो परमेश्वर का प्रेम उसमें कैसे रह सकता है? मेरे बच्चों, हम शब्दों में और न ही जीभ से प्रेम करें, बल्कि कर्म और सत्य में प्रेम करें। और इसमें हम जानते हैं कि हम सत्य से हैं, और उसके सामने हम अपने हृदयों को मनाएंगे। कि यदि हमारा हृदय हमें निंदा करता है, तो परमेश्वर हमारे हृदय से अधिक महान है और सब कुछ जानता है। प्रिय भाइयो, यदि हमारा हृदय हमें दोष नहीं देता, तो हमें परमेश्वर के सामने साहस प्राप्त है। और जो कुछ हम माँगते हैं, वह हमें उससे प्राप्त होता है, क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं और जो बातें उसे प्रसन्न करती हैं, वे करते हैं। और यह उसकी आज्ञा है कि हम उसके पुत्र यीशु मसीह के नाम पर विश्वास करें और एक दूसरे से प्रेम करें, जैसा उसने आज्ञा दी। और जो उसकी आज्ञाओं को मानता है, वह उसमें रहता है और वह स्वयं उसमें रहता है। और इसी से हम जानते हैं कि वह हममें रहता है, उस आत्मा से जो उसने हमें दिया है।

4

हे प्रियजनों, हर आत्मा पर विश्वास मत करो, बल्कि आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर से हैं या नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यवक्ता संसार में निकल आए हैं। इससे तुम परमेश्वर की आत्मा को जानते हो, हर आत्मा जो यीशु मसीह को देह में आया हुआ स्वीकार करती है, वह परमेश्वर से है। और हर वह आत्मा जो यीशु मसीह को देह में आया हुआ स्वीकार नहीं करती, वह परमेश्वर से नहीं है, और यह मसीह विरोधी की आत्मा है जिसके बारे में तुमने सुना है कि वह आने वाली है, और अब वह संसार में पहले से ही मौजूद है। हे छोटे बच्चों, तुम परमेश्वर से हो, और तुमने उन्हें जीत लिया है, क्योंकि जो तुममें है वह उससे बड़ा है जो संसार में है। वे स्वयं संसार से हैं, इसलिए संसार की बातें बोलते हैं और संसार उन्हें सुनता है। हम परमेश्वर से हैं, जो परमेश्वर को जानता है वह हमारी सुनता है। जो परमेश्वर से नहीं है वह हमारी नहीं सुनता है। इससे हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को जानते हैं।

प्रिय भाइयो, हम एक दूसरे से प्रेम करें, क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है, और हर एक जो प्रेम करता है वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है। जो प्रेम नहीं करता, उसने परमेश्वर को नहीं जाना, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है। इस में परमेश्वर का प्रेम हम में प्रकट हुआ, कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को संसार में भेजा ताकि हम उसके द्वारा जीवित रहें। इसमें प्रेम है, यह नहीं कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया, बल्कि यह कि उसने स्वयं हमसे प्रेम किया और अपने पुत्र को हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए भेजा। प्रिय, यदि परमेश्वर ने हमसे इस प्रकार प्रेम किया, तो हमें भी एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा है; यदि हम एक दूसरे से प्रेम करें, तो परमेश्वर हम में रहता है और उसका प्रेम हम में सिद्ध है। इससे हम जानते हैं कि हम उसमें रहते हैं और वह हममें रहता है, क्योंकि उसने अपनी आत्मा में से हमें दिया है। और हमने देखा है और हम गवाही देते हैं कि पिता ने पुत्र को संसार के उद्धारकर्ता के रूप में भेजा है। जो कोई स्वीकार करे कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, परमेश्वर उसमें रहता है और वह परमेश्वर में रहता है। और हमने जाना है और विश्वास किया है उस प्रेम को जो परमेश्वर हम में रखता है। परमेश्वर प्रेम है, और जो प्रेम में रहता है वह परमेश्वर में रहता है और परमेश्वर उसमें रहता है। इसमें हमारे साथ प्रेम पूर्ण किया गया है, ताकि हम न्याय के दिन में साहस रखें, क्योंकि जैसे वह है, वैसे ही हम भी इस संसार में हैं। प्रेम में भय नहीं है, बल्कि पूर्ण प्रेम भय को बाहर निकाल देता है, क्योंकि भय में डंड का भाव है, और जो डरता है वह प्रेम में पूर्ण नहीं हुआ है। हम उससे प्रेम करते हैं, क्योंकि उसने पहले हमसे प्रेम किया। यदि कोई कहे कि मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूँ, और अपने भाई से घृणा करे, तो वह झूठा है, क्योंकि जो अपने भाई से प्रेम नहीं करता जिसे उसने देखा है, वह परमेश्वर से जिसे उसने नहीं देखा है, कैसे प्रेम कर सकता है? और यह आज्ञा हमें उससे मिली है, कि जो परमेश्वर से प्रेम करता है, वह अपने भाई से भी प्रेम करे।

5

हर वह जो विश्वास करता है कि यीशु मसीह है, परमेश्वर से जन्मा है, और हर वह जो जन्म देने वाले से प्रेम करता है, उससे जन्मे हुए से भी प्रेम करता है। इससे हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के बच्चों से प्रेम करते हैं, जब हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। यह परमेश्वर का प्रेम है कि हम उसकी आज्ञाओं को पालन करें, और उसकी आज्ञाएं भारी नहीं हैं। क्योंकि जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह संसार को जीतता है, और यह विजय है जिसने संसार को जीता है, अर्थात् हमारा विश्वास। संसार पर विजय पाने वाला कौन है, यदि वह नहीं जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है? यह वह है जो जल और रक्त के द्वारा आया, यीशु मसीह, केवल जल में नहीं, बल्कि जल और रक्त में,

और आत्मा गवाही देता है, क्योंकि आत्मा सत्य है। क्योंकि तीन हैं जो स्वर्ग में गवाही देते हैं: पिता, वचन और पवित्र आत्मा, और ये तीनों एक हैं, और तीन हैं जो पृथ्वी पर गवाही देते हैं, आत्मा और जल और रक्त, और ये तीनों एक में हैं। यदि हम मनुष्यों की गवाही स्वीकार करते हैं, तो परमेश्वर की गवाही अधिक बड़ी है, क्योंकि यह परमेश्वर की वह गवाही है जो उसने अपने पुत्र के विषय में दी है। जो परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता है, उसके पास अपने भीतर गवाही है; जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता, उसने उसे झूठा ठहराया है, क्योंकि उसने उस गवाही पर विश्वास नहीं किया जो परमेश्वर ने अपने पुत्र के विषय में दी है। और यह वह गवाही है कि परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है। जो पुत्र को रखता है, वह जीवन को रखता है; जो परमेश्वर के पुत्र को नहीं रखता है, वह जीवन को नहीं रखता है।

ये बातें मैंने तुम्हें लिखीं जो परमेश्वर के पुत्र के नाम में विश्वास करते हो, ताकि तुम जान सको कि तुम्हारे पास अनन्त जीवन है, और ताकि तुम परमेश्वर के पुत्र के नाम में विश्वास करो। और यह है वह स्पष्टवादिता जो हम रखते हैं की ओर उस और यदि हम जानते हैं कि वह हमारी सुनता है, जो कुछ भी हम मांगते हैं, तो हम जानते हैं कि हमारे पास वे निवेदन हैं जो हमने उससे मांगे हैं। यदि कोई अपने भाई को ऐसा पाप करते हुए देखे जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता, तो वह मांगेगा, और वह उसे जीवन देगा, उन्हें जो ऐसा पाप करते हैं जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता। एक पाप है जो मृत्यु की ओर ले जाता है, उसके विषय में मैं यह नहीं कहता कि वह मांगे। सब अन्याय पाप है, और ऐसा पाप है जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता। हम जानते हैं कि जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता, लेकिन जो परमेश्वर से जन्मा है वह अपने आप को सुरक्षित रखता है, और वह दुष्ट उसे छू नहीं सकता। हम जानते हैं कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार दुष्ट के वश में पड़ा है। हम जानते हैं कि परमेश्वर का पुत्र आया है और उसने हमें बुद्धि दी है ताकि हम सच्चे को जान सकें, और हम सच्चे में हैं, उसके पुत्र यीशु मसीह में। यही सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन है।

छोटे बच्चों, अपने आप को मूर्तियों से बचाओ, आमीन।

मत्ती का सुसमाचार

1

यीशु मसीह की वंशावली की पुस्तक, जो दाऊद के पुत्र और अब्राहम के पुत्र हैं।
अब्राहम ने इसहाक को जन्म दिया, और इसहाक ने याकूब को जन्म दिया, और याकूब ने
यहूदा और उसके भाइयों को जन्म दिया। यहूदा ने तामार से फारेस और ज़ारा को जन्म दिया,
फारेस ने हेस्त्रोन को जन्म दिया, हेस्त्रोन ने अराम को जन्म दिया। अराम ने अमीनादाब को
जन्म दिया, अमीनादाब ने नहशोन को जन्म दिया, नहशोन ने सलमोन को जन्म दिया,
सलमोन ने राहब से बोअज को जन्म दिया, बोअज ने रूथ से ओबेद को जन्म दिया, ओबेद ने
यिशै को जन्म दिया, यिशै ने राजा दाऊद को जन्म दिया। राजा दाऊद ने सुलैमान को
उरिय्याह की पत्नी से जन्म दिया, सोलोमन ने रहबाम को जन्म दिया, रहबाम ने अबिय्याह
को जन्म दिया, अबिय्याह ने आसा को जन्म दिया, आसा ने यहोशापात को जन्म दिया,
यहोशापात ने योराम को जन्म दिया, योराम ने उज्जियाह को जन्म दिया, उज्जियाह ने
योताम को जन्म दिया, योताम ने आहाज को जन्म दिया, आहाज ने हिजकिय्याह को जन्म
दिया। हिजकिय्याह ने मनश्शे को जन्म दिया, मनश्शे ने आमोन को जन्म दिया, और आमोन
ने योशिय्याह को जन्म दिया। योशियाह ने यिकुन्याह और उसके भाइयों को बाबुल के
निर्वासन के समय जन्म दिया।

बेबीलोन के निर्वासन के बाद यिकुन्याह ने शालतीएल को जन्म दिया, और
शालतीएल ने जरुब्बाबेल को जन्म दिया, जरुब्बाबेल ने अबीहूद को जन्म दिया, अबीहूद ने
एल्याकीम को जन्म दिया, एल्याकीम ने अजोर को जन्म दिया, अजोर ने सादोक को जन्म
दिया, सादोक ने अखीम को जन्म दिया, अखीम ने इलियूद को जन्म दिया, Eliud ने
Eleazar को जन्म दिया, Eleazar ने Matthan को जन्म दिया, Matthan ने Jacob
को जन्म दिया, याकोब ने यूसुफ को जन्म दिया, जो मरियम का पति था, जिससे यीशु का
जन्म हुआ जो ख्रिस्त कहलाता है। इसलिए अब्राहम से दाऊद तक सब पीढ़ियाँ चौदह हैं,
और दाऊद से बेबीलोन के निर्वासन तक चौदह पीढ़ियाँ हैं, और बेबीलोन के निर्वासन से
मसीह तक चौदह पीढ़ियाँ हैं।

यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार हुआ था। क्योंकि उसकी माँ मरियम की सगाई यूसुफ
से हो चुकी थी, परन्तु उनके साथ आने से पहले वह पवित्र आत्मा से गर्भवती पाई गई।

Joseph, जो उसके पति थे, धर्मी होते हुए और उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं करना चाहते हुए, गुप्त रूप से उसे तलाक देना चाहा। ये बातें सोचते हुए, देखो, प्रभु का दूत स्वप्न में उसके सामने प्रकट हुआ और कहा, यूसुफ, दाऊद के पुत्र, अपनी पत्नी मरियम को लेने से मत डरो, क्योंकि जो इसमें जन्मा है वह पवित्र आत्मा से है। वह एक पुत्र को जन्म देगी, और तुम उसका नाम यीशु रखोगे, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा। यह सब इसलिए हुआ ताकि वह वचन पूरा हो जो प्रभु द्वारा भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, देखो, वह कुंवारी गर्भ में धारण करेगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसका नाम इममानुएल रखेंगे, जिसका अनुवाद है हमारे साथ परमेश्वर।

जागृत होने पर यूसुफ ने नींद से उठकर वैसा ही किया जैसा प्रभु के दूत ने उसे आदेश दिया था, और उसने अपनी पत्नी को ले लिया। और उसने उसे तब तक नहीं जाना जब तक उसने अपने पहलौठे पुत्र को जन्म नहीं दिया, और उसने उसका नाम यीशु रखा।

2

और यीशु के बेथलेहेम यहूदिया में राजा हेरोदेस के दिनों में जन्म लेने पर, देखो, पूर्व से जादूगर यरूशलेम में आए। कहते हुए, कहाँ है वह जन्मा हुआ यहूदियों का राजा? क्योंकि हमने उसका तारा पूर्व में देखा और हम उसकी पूजा करने आए हैं। लेकिन राजा हेरोदेस यह सुनकर परेशान हुआ, और उसके साथ पूरा यरूशलेम। और सब मुख्य पुजारियों और लोगों के शास्त्रियों को इकट्ठा करके, उसने उनसे पूछा कि मसीह कहाँ जन्म लेता है। उन्होंने उससे कहा, यहूदिया के बेथलेहेम में, क्योंकि भविष्यवक्ता द्वारा इस प्रकार लिखा गया है, और तू बैतलहम, यहूदा की भूमि, यहूदा के नेताओं में किसी भी तरह से सबसे छोटा नहीं है, क्योंकि तुझ से एक नेता निकलेगा, जो मेरे लोगों इस्त्राएल की चरवाही करेगा।

तब हेरोदेस ने गुप्त रूप से जादूगरों को बुलाया और उनसे प्रकट हुए तारे के समय को निश्चित रूप से जान लिया। और उन्हें बैतलहम भेजकर कहा, जाकर उस बच्चे के बारे में सटीक रूप से पूछताछ करो, और जब तुम उसे पा लो, तो मुझे सूचना दो, ताकि मैं भी आकर उसकी पूजा करूं। उन्होंने राजा की बात सुनकर प्रस्थान किया, और देखो, वह तारा जो उन्होंने पूर्व में देखा था, उनके आगे-आगे चल रहा था, जब तक कि आकर वह उस स्थान के ऊपर ठहर गया जहाँ बालक था। तारे को देखकर वे अत्यधिक महान आनंद से प्रसन्न हुए। और घर में आकर उन्होंने बच्चे को उसकी माता मरियम के साथ देखा, और गिरकर उसकी पूजा की, और अपने खजाने खोलकर उसको उपहार लाए, सोना और लोबान और

गंधरस। और स्वप्न में चेतावनी दिए जाने के बाद हेरोदेस के पास न लौटने के लिए, वे दूसरे मार्ग से अपने देश लौट गए।

उनके वापस चले जाने के बाद, देखो, प्रभु का दूत स्वप्न में यूसुफ को प्रकट होता है और कहता है, उठो, बच्चे को और उसकी माता को लेकर मिस्र भाग जाओ, और वहाँ तब तक रहो जब तक मैं तुमसे न कहूँ, क्योंकि हेरोदेस बच्चे को नष्ट करने के लिए ढूँढ़ने वाला है। वह उठकर बच्चे और उसकी माता को रात में लेकर मिस्र चला गया। और वह हेरोदेस की मृत्यु तक वहाँ रहा, ताकि वह पूरा हो जो प्रभु द्वारा भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, मिस्र से मैंने अपने पुत्र को बुलाया।

तब हेरोदेस ने यह देखकर कि वह जादूगरों द्वारा मजाक बनाया गया था, बहुत क्रोधित हुआ, और भेजकर बेथलेहेम और उसकी सभी सीमाओं में दो वर्ष और उससे कम उम्र के सभी बच्चों को मार डाला, उस समय के अनुसार जो उसने जादूगरों से निश्चित रूप से जान लिया था। तब यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा कहा गया वचन पूरा हुआ, जो कहता है, रामाह में एक आवाज़ सुनी गई, विलाप और रोना और बहुत शोक, राहेल अपने बच्चों के लिए रोती हुई, और वह सांत्वना पाना नहीं चाहती थी, क्योंकि वे नहीं हैं।

हेरोदेस के मृत हो जाने पर, देखो, प्रभु का दूत स्वप्न में यूसुफ को मिस्र में प्रकट होता है। कहते हुए, उठकर बच्चे और उसकी माता को ले लो और इस्राएल की भूमि में जाओ, क्योंकि जो बच्चे की आत्मा को खोज रहे थे वे मर गए हैं। लेकिन वह उठकर बच्चे और उसकी माता को लेकर इस्राएल की भूमि में आया।

लेकिन यह सुनकर कि अरखिलाउस अपने पिता हेरोदेस के स्थान पर यहूदिया पर राज्य करता है, वह वहाँ जाने से डरा, लेकिन स्वप्न में चेतावनी दिए जाने के बाद गलील के प्रदेशों में चला गया, और वह आकर नासरत नामक शहर में बस गया, ताकि वह पूरा हो जो भविष्यवक्ताओं के द्वारा कहा गया था कि वह नासरी कहलाएगा।

3

उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यहूदिया के जंगल में प्रचार करता हुआ आता है। और कहता हुआ, पश्चात्ताप करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य पास आ गया है। क्योंकि यह

वही है जो यशायाह भविष्यवक्ता द्वारा कहा गया था, जंगल में पुकारने वाले की आवाज़: प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसके पथ सीधे करो।

स्वयं यूहन्ना के पास उसका वस्त्र ऊँट के बालों से बना था और उसकी कमर पर चमड़े की पेटी थी, और उसका भोजन टिड्डियाँ और जंगली शहद था। तब यरूशलेम और सारा यहूदिया और यर्दन के आसपास का सारा क्षेत्र उसके पास जा रहा था। और वे यर्दन में उसके द्वारा बपतिस्मा दिए जा रहे थे, अपने पापों को स्वीकार करते हुए।

लेकिन फरीसियों और सदूकियों में से बहुतों को अपने बपतिस्मे के लिए आते हुए देखकर, उसने उनसे कहा, सांपों की संतान, तुम्हें किसने दिखाया कि आने वाले क्रोध से भागो? इसलिए पश्चाताप के योग्य फल उत्पन्न करो। और अपने मन में यह मत सोचो कि हमारे पिता अब्राहम हैं। क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न करने में सक्षम है। पहले से ही कुल्हाड़ी पेड़ों की जड़ पर रखी हुई है, इसलिए हर वह पेड़ जो अच्छा फल नहीं उत्पन्न करता, काटा जाता है और आग में फेंका जाता है।

मैं वास्तव में तुम्हें पानी में पश्चाताप के लिए बपतिस्मा देता हूँ, लेकिन जो मेरे बाद आने वाला है वह मुझसे अधिक शक्तिशाली है, मैं उसके जूते उठाने के योग्य भी नहीं हूँ, वह स्वयं तुम्हें पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा देगा। जिसका सूप उसके हाथ में है और वह अपने खलिहान को अच्छी तरह से साफ करेगा, और अपने अनाज को भंडार में इकट्ठा करेगा, लेकिन भूसे को अनबुझाई आग में जलाएगा।

तब यीशु गलील से यर्दन नदी पर यूहन्ना के पास आते हैं, उनसे बपतिस्मा लेने के लिए। परन्तु यूहन्ना उसे रोकते हुए कह रहे थे, मुझे आपके द्वारा बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और आप मेरे पास आ रहे हैं? उत्तर देते हुए यीशु ने उससे कहा, अभी छोड़ दो, क्योंकि इस प्रकार हमारे लिए सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है। तब उसने उसे छोड़ दिया। और बपतिस्मा लेने के बाद यीशु तुरंत पानी से ऊपर आए, और देखो, उनके लिए आकाश खोल दिए गए, और उन्होंने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की तरह उतरते हुए और उन पर आते हुए देखा। और देखो, स्वर्ग से एक आवाज़ आई जो कह रही थी, यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।

तब यीशु को आत्मा द्वारा जंगल में ले जाया गया ताकि शैतान द्वारा परीक्षा ली जाए। और चालीस दिन और चालीस रातें उपवास करने के बाद, वह भूखा हुआ। और परीक्षक उसके पास आकर बोला, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह कि ये पत्थर रोटियाँ बन जाएँ। उसने उत्तर देते हुए कहा, लिखा गया है, मनुष्य केवल रोटि पर ही नहीं, बल्कि परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर शब्द पर जीएगा। तब शैतान उसे पवित्र नगर में ले गया, और उसे मंदिर के कोने पर खड़ा किया। और वह उससे कहता है, यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो अपने आप को नीचे फेंक दो, क्योंकि लिखा गया है कि वह अपने दूतों को तुम्हारे विषय में आज्ञा देगा, और वे तुम्हें हाथों पर उठा लेंगे, कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारा पैर पत्थर से टकरा जाए।

यीशु ने उससे कहा, फिर लिखा है, तू अपने परमेश्वर प्रभु की परीक्षा नहीं लेगा।

फिर शैतान उसे एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर ले गया, और उसे संसार के सब राज्य और उनकी महिमा दिखाई। और उसने उससे कहा, ये सब कुछ मैं तुझे दे दूंगा, अगर तू गिरकर मेरी पूजा करे। तब यीशु उससे कहते हैं, हे शैतान, मेरे पीछे चला जा, क्योंकि लिखा है, तू अपने प्रभु परमेश्वर की आराधना करेगा और केवल उसी की सेवा करेगा। तब शैतान ने उसे छोड़ दिया, और देखो, दूत आए और उसकी सेवा करने लगे।

यीशु ने सुना कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया, तो वह गलील को चला गया। और नाज़रेथ को छोड़कर, वह आया और कफ़रनहूम में बस गया, जो समुद्र के किनारे था, ज़बूलून और नप्ताली की सीमाओं में। ताकि वह पूरा हो जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, जबूलून की भूमि और नप्ताली की भूमि, समुद्र का मार्ग, यर्दन के पार, अन्यजातियों का गलील, वे लोग जो अंधकार में बैठे थे, उन्होंने महान प्रकाश देखा, और जो मृत्यु की भूमि और छाया में बैठे थे, उनके लिए प्रकाश उदय हुआ।

उस समय से यीशु ने घोषणा करना और कहना आरंभ किया, पश्चाताप करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।

गलील के समुद्र के पास चलते हुए उसने दो भाइयों को देखा, शमौन जो पतरस कहलाता था और उसका भाई अन्द्रियास, जो समुद्र में जाल डाल रहे थे, क्योंकि वे मछुआरे थे। और वह उनसे कहता है, मेरे पीछे आओ और मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊँगा। लेकिन वे तुरंत जाल छोड़कर उसके पीछे चल पड़े। और वहाँ से आगे बढ़ते हुए उसने दो

अन्य भाइयों को देखा, जबदी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को, जो अपने पिता जबदी के साथ नाव में अपने जालों की मरम्मत कर रहे थे, और उसने उन्हें बुलाया। लेकिन उन्होंने तुरंत नाव और अपने पिता को छोड़कर उसका अनुसरण किया।

और यीशु संपूर्ण गलील में घूमते हुए उनकी सभाओं में सिखाते थे और राज्य के सुसमाचार की घोषणा करते थे और लोगों में सब रोग और सब बीमारी को दूर करते थे। और उसकी ख्याति पूरे सीरिया में फैल गई, और लोग उसके पास सभी बीमारों को लाए जो विभिन्न रोगों और यातनाओं से पीड़ित थे, और दुष्टात्मा-ग्रस्त और मिर्गों के रोगी और लकवाग्रस्त को लाए, और उसने उन्हें चंगा किया। और बहुत सी भीड़ें उसके पीछे गलील, दिकापुलिस, यरूशलेम, यहूदिया और यर्दन के पार से चलीं।

5

भीड़ों को देखकर वह पहाड़ पर चढ़ गया, और जब वह बैठ गया तो उसके शिष्य उसके पास आए। और अपना मुँह खोलकर वह उन्हें यह कहते हुए सिखा रहा था, धन्य हैं वे जो आत्मा में गरीब हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उनका है। धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना दी जाएगी। धन्य हैं वे नम्र, क्योंकि वे भूमि को विरासत में पाएंगे। धन्य हैं वे जो न्याय के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे। धन्य हैं वे दयालु, क्योंकि वे दया प्राप्त करेंगे। धन्य हैं वे जो हृदय से शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। धन्य हैं वे शांतिनिर्माता, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे। धन्य हैं वे जो न्याय के कारण सताए गए हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उनका है। धन्य हो तुम जब वे तुम्हें निन्दा करें और सताएं, और मेरे कारण झूठ बोलते हुए तुम्हारे विरुद्ध हर बुरा शब्द कहें। आनंदित हो और खुशी मनाओ, क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा प्रतिफल महान है, क्योंकि इसी प्रकार उन्होंने तुमसे पहले के भविष्यवक्ताओं को सताया था।

तुम पृथ्वी के नमक हो, लेकिन यदि नमक बेस्वाद हो जाए, तो इसे किस चीज़ से नमकीन बनाया जाएगा? यह अब किसी काम का नहीं रहता, सिवाय इसके कि बाहर फेंक दिया जाए और मनुष्यों द्वारा रौंदा जाए। तुम संसार की ज्योति हो। पहाड़ पर स्थित नगर छिपाया नहीं जा सकता। न ही वे दीपक जलाकर उसे टोकरी के नीचे रखते हैं, बल्कि दीपाधार पर रखते हैं, और वह घर में सब को प्रकाश देता है। इस प्रकार तुम्हारा प्रकाश मनुष्यों के सामने चमकने दो, ताकि वे तुम्हारे अच्छे कार्य देखें और तुम्हारे पिता की महिमा करें जो स्वर्ग में हैं।

मत सोचो कि मैं कानून या भविष्यवक्ताओं को नष्ट करने आया हूँ, मैं नष्ट करने नहीं आया, बल्कि पूरा करने आया हूँ। मैं तुमसे सच कहता हूँ, जब तक आकाश और पृथ्वी बीत न जाएँ, व्यवस्था से एक इओटा या एक सेरिफ़ भी नहीं बीतेगा, जब तक सब कुछ पूरा न हो जाए। जो कोई इन सबसे छोटी आज्ञाओं में से एक को नष्ट करे और लोगों को इस प्रकार सिखाए, वह स्वर्ग के राज्य में सबसे छोटा कहलाएगा, लेकिन जो कोई इनका पालन करे और सिखाए, वह स्वर्ग के राज्य में महान कहलाएगा। मैं तुमसे कहता हूँ कि यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों से अधिक नहीं बढ़ती, तो तुम स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करोगे। तुमने सुना है कि प्राचीनों को कहा गया था, तुम हत्या नहीं करोगे, लेकिन जो कोई हत्या करे, वह न्याय के लिए दोषी होगा। मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपने भाई पर व्यर्थ क्रोधित होता है, वह न्याय का दोषी होगा; जो कोई अपने भाई से रका कहे, वह महासभा का दोषी होगा; और जो कोई मूर्ख कहे, वह आग के गेहन्ना का दोषी होगा। यदि इसलिए तुम अपना उपहार वेदी पर चढ़ाओ और वहाँ याद करो कि तुम्हारे भाई के पास तुम्हारे विरुद्ध कुछ है। अपना उपहार वहाँ वेदी के सामने छोड़ दो, और पहले जाकर अपने भाई से सुलह करो, और तब आकर अपना उपहार चढ़ाओ। अपने विरोधी के साथ शीघ्र सुलह कर लो जब तक तुम उसके साथ रास्ते में हो, कहीं ऐसा न हो कि विरोधी तुम्हें न्यायाधीश को सौंप दे और न्यायाधीश तुम्हें सिपाही को सौंप दे, और तुम कारागार में डाल दिए जाओ। सत्य मैं तुझसे कहता हूँ, तू वहाँ से बाहर नहीं जाएगा जब तक तू अंतिम कौड़ी नहीं लौटा दे।

तुमने सुना है कि प्राचीनों से कहा गया था, तुम व्यभिचार नहीं करोगे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई भी किसी स्त्री को उसकी इच्छा करने के लिए देखता है, उसने अपने हृदय में पहले ही उसके साथ व्यभिचार कर लिया है। यदि तुम्हारी दाहिनी आँख तुम्हें पाप करवाती है, तो उसे निकाल लो और अपने से फेंक दो, क्योंकि तुम्हारे लिए यह लाभदायक है कि तुम्हारे अंगों में से एक नष्ट हो जाए और तुम्हारा सम्पूर्ण शरीर नरक में न डाला जाए। और यदि तुम्हारा दाहिना हाथ तुम्हें ठोकर खिलाता है, तो उसे काट दो और अपने से फेंक दो, क्योंकि तुम्हारे लिए यह लाभदायक है कि तुम्हारे अंगों में से एक नष्ट हो जाए और तुम्हारा पूरा शरीर गेहन्ना में न फेंका जाए।

यह कहा गया था कि जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है, वह उसे तलाक का प्रमाणपत्र दे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के अतिरिक्त किसी अन्य कारण से तलाक देता है, वह उसे व्यभिचारिणी बनाता है, और जो कोई तलाकशुदा स्त्री से विवाह करता है, वह व्यभिचार करता है।

फिर तुमने सुना कि प्राचीनों से कहा गया था, तुम झूठी शपथ नहीं लोगे, लेकिन प्रभु को अपनी शपथें पूरी करोगे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि बिल्कुल शपथ मत लो, न ही स्वर्ग की, क्योंकि वह परमेश्वर का सिंहासन है, न तो भूमि की सौगंध खाओ, क्योंकि वह उसके पैरों की पाद-पीठ है, न तो यरूशलेम की, क्योंकि वह महान राजा का नगर है, न ही अपने सिर की शपथ लो, क्योंकि तुम एक बाल को सफेद या काला नहीं बना सकते। तुम्हारा वचन हाँ हाँ, नहीं नहीं हो, लेकिन इनसे अधिक जो है वह बुराई से है।

तुमने सुना है कि कहा गया था, आँख के बदले आँख और दाँत के बदले दाँत, मैं लेकिन तुमसे कहता हूँ कि दुष्ट का विरोध मत करो, बल्कि जो कोई तुम्हें दाहिने गाल पर मारे, उसकी ओर दूसरा गाल भी फेर दो। और जो तुम्हारे साथ मुकदमा करके तुम्हारा कुर्ता लेना चाहता है, उसे अपना चोगा भी दे दो। और जो कोई तुझे एक मील जाने के लिए बाध्य करेगा, उसके साथ दो मील जा, जो तुझसे माँगे उसे दे, और जो तुझसे उधार लेना चाहे उससे मुँह मत फेर।

तुमने सुना है कि यह कहा गया था, तुम अपने पड़ोसी से प्रेम करोगे और अपने शत्रु से घृणा करोगे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, अपने शत्रुओं से प्रेम करो, तुम्हें श्राप देने वालों को आशीर्वाद दो, तुमसे घृणा करने वालों के साथ अच्छा करो और तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार करने वालों और तुम्हें सताने वालों के लिए प्रार्थना करो। ताकि तुम अपने पिता के पुत्र बन जाओ जो स्वर्ग में है, क्योंकि वह अपना सूरज दुष्टों और भलों पर उगाता है और धर्मियों और अधर्मियों पर वर्षा करता है। यदि तुम उन्हें प्रेम करो जो तुम्हें प्रेम करते हैं, तो तुम्हें क्या प्रतिफल मिलेगा? क्या कर संग्रहकर्ता भी यही नहीं करते हैं? और यदि तुम केवल अपने मित्रों को ही नमस्कार करते हो, तो तुम कौन सी असाधारण बात करते हो? क्या कर वसूलने वाले भी ऐसा नहीं करते हैं? इसलिए तुम पूर्ण होगे, जैसे कि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, पूर्ण है।

6

सावधान रहो कि तुम अपना दान मनुष्यों के सामने उनके द्वारा देखे जाने के लिए न करो, नहीं तो तुम्हें अपने पिता से जो स्वर्ग में है, कोई प्रतिफल नहीं मिलेगा। जब इसलिए तुम दान करो, तो अपने आगे तुरही मत बजाओ, जैसे कि पाखंडी सभाओं में और गलियों में करते हैं, ताकि वे लोगों द्वारा महिमामंडित किए जाएं। सच कहता हूँ तुम से, वे अपना प्रतिफल प्राप्त कर चुके हैं। लेकिन जब तुम दान करो, तो तुम्हारा बायाँ हाथ न जाने कि

तुम्हारा दायाँ हाथ क्या करता है ताकि तुम्हारा दान गुप्त में हो, और तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, तुम्हें खुले में प्रतिफल देगा।

और जब तुम प्रार्थना करो, तो उन पाखंडियों के समान मत बनो, क्योंकि वे सभाओं में और गलियों के कोनों पर खड़े होकर प्रार्थना करना पसंद करते हैं, ताकि लोगों को दिखाई दें। सच मैं तुम से कहता हूँ कि वे अपना पुरस्कार पा चुके हैं। लेकिन तू जब प्रार्थना करे, तो अपने भीतरी कमरे में प्रवेश कर, और अपना दरवाजा बंद करके अपने पिता से जो गुप्त में है प्रार्थना कर, और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे सार्वजनिक रूप से प्रतिफल देगा।

प्रार्थना करते समय अन्यजातियों की तरह बकवास मत करो, क्योंकि वे सोचते हैं कि अपने बहुत बोलने से वे सुने जाएंगे। इसलिए उनके समान मत बनो, क्योंकि तुम्हारा पिता जानता है कि तुम्हें किसकी आवश्यकता है, इससे पहले कि तुम उससे माँगो। इस प्रकार इसलिए तुम प्रार्थना करो, हे हमारे पिता जो स्वर्ग में हो, तुम्हारा नाम पवित्र माना जाए, आपका राज्य आए, आपकी इच्छा पूरी हो, जैसे स्वर्ग में, वैसे पृथ्वी पर भी, हमारी दैनिक रोटी आज हमें दीजिए। और हमारे ऋणों को हमें क्षमा करो, जैसे हम भी अपने ऋणियों को क्षमा करते हैं, और हमें प्रलोभन में मत ले जाओ, बल्कि हमें बुराई से छुड़ाओ। क्योंकि राज्य और शक्ति और महिमा सदा-सर्वदा तुम्हारी है, आमीन।

यदि तुम लोगों के अपराधों को क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। यदि तुम लोगों के अपराध क्षमा नहीं करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा नहीं करेगा।

जब भी तुम उपवास करो, तो उन पाखंडियों की तरह उदास मत बनो, क्योंकि वे अपने चेहरों को विकृत कर लेते हैं ताकि लोगों को उपवास करते हुए दिखाई दें। सच मैं तुम से कहता हूँ कि वे अपना प्रतिफल पा चुके हैं। लेकिन तू उपवास करते हुए अपने सिर का अभिषेक कर और अपना चेहरा धो। ताकि तुम लोगों को उपवास करते हुए दिखाई न दो, लेकिन अपने पिता को जो गुप्त में है, और तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, तुम्हें खुले में प्रतिफल देगा।

पृथ्वी पर अपने लिए खजाने संचय मत करो, जहाँ कीड़ा और जंग नष्ट करता है, और जहाँ चोर सेंध लगाते हैं और चुराते हैं। लेकिन तुम अपने लिए स्वर्ग में खजाने संचय करो,

जहाँ न कीड़ा और न जंग नष्ट करता है, और जहाँ चोर न सेंध लगाते हैं और न चोरी करते हैं। जहाँ तुम्हारा खजाना है, वहाँ तुम्हारा दिल भी होगा।

शरीर का दीपक आँख है, यदि इसलिए तुम्हारी आँख सरल है, तो तुम्हारा सम्पूर्ण शरीर प्रकाशमय होगा। परन्तु यदि तुम्हारी आँख दुष्ट हो, तो तुम्हारा सम्पूर्ण शरीर अंधकारमय होगा। इसलिए यदि तुममें जो प्रकाश है वह अंधकार है, तो वह अंधकार कितना बड़ा होगा!

कोई भी दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से नफरत करेगा और दूसरे से प्रेम करेगा, या एक के प्रति समर्पित होगा और दूसरे का तिरस्कार करेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।

इस कारण मैं तुमसे कहता हूँ, अपनी आत्मा के लिए चिंता मत करो कि क्या खाओगे और क्या पीओगे, और न ही अपने शरीर के लिए कि क्या पहनोगे। क्या आत्मा भोजन से अधिक नहीं है और शरीर वस्त्र से? आकाश के पक्षियों को देखो, क्योंकि वे न बोते हैं, न काटते हैं, न भंडार में इकट्ठा करते हैं, और तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें पोषण देता है। क्या तुम उनसे अधिक मूल्यवान नहीं हो? तुममें से कौन चिंता करके अपनी आयु में एक हाथ जोड़ सकता है? और वस्त्र के बारे में क्या चिंता करते हो? खेत की लिली पर विचार करो कि कैसे बढ़ती है, न परिश्रम करती है और न कातती है, मैं तुमसे कहता हूँ कि सुलैमान भी अपनी सारी महिमा में इनमें से एक के समान नहीं पहने हुए थे। यदि परमेश्वर खेत की घास को, जो आज है और कल भट्टी में डाल दी जाती है, इस प्रकार पहनाता है, तो हे अल्पविश्वासियों, क्या वह तुम्हें कहीं अधिक नहीं पहनाएगा? इसलिए चिंता मत करो यह कहते हुए, हम क्या खाएं या क्या पिएं या क्या पहनें? क्योंकि ये सब चीजें अन्यजाति खोजते हैं, परन्तु तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब की आवश्यकता है। लेकिन तुम पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता को खोजो, और ये सब चीजें तुम्हें दी जाएंगी। इसलिए कल के लिए चिंतित मत हो, क्योंकि कल अपनी चिंता स्वयं करेगा, दिन के लिए उसकी अपनी बुराई पर्याप्त है।

7

निर्णय मत करो, ताकि तुम्हारा निर्णय न किया जाए। क्योंकि जिस निर्णय से तुम न्याय करते हो, उसी से तुम्हारा न्याय किया जाएगा, और जिस माप से तुम नापते हो, उसी से

तुम्हारे लिए नापा जाएगा। लेकिन तुम अपने भाई की आँख में तिनका क्यों देखते हो, और अपनी आँख में पड़ा शहतीर नहीं समझते? या तुम अपने भाई से कैसे कहोगे, मुझे अपनी आँख से तिनका निकालने दो, और देखो, तुम्हारी आँख में शहतीर है? हे पाखंडी, पहले अपनी आँख से शहतीर निकाल, और तब तू अपने भाई की आँख से कांटा निकालने के लिए स्पष्ट रूप से देख सकेगा।

पवित्र वस्तु कुत्तों को मत दो और न ही अपने मोती सूअरों के सामने फेंको, कहीं ऐसा न हो कि वे उन्हें अपने पैरों से रौंद दें और मुड़कर तुम्हें फाड़ डालें।

मांगो, और तुम्हें दिया जाएगा; खोजो, और तुम पाओगे; खटखटाओ, और तुम्हारे लिए खोला जाएगा। क्योंकि हर माँगने वाला पाता है और खोजने वाला पाता है और दस्तक देने वाले के लिए खोला जाएगा। या तुममें से कौन सा आदमी है, जिससे यदि उसका पुत्र रोटी मांगे, तो क्या वह उसे पत्थर देगा? और यदि वह मछली मांगे, तो क्या वह उसे सर्प नहीं देगा? यदि तुम दुष्ट होते हुए भी अपने बच्चों को अच्छे उपहार देना जानते हो, तो कितना अधिक तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, उनको अच्छी चीजें देगा जो उससे माँगते हैं?

इसलिए जो कुछ भी तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे लिए करें, वैसा ही तुम भी उनके लिए करो, क्योंकि यही व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं का सार है।

संकीर्ण द्वार के माध्यम से प्रवेश करो, क्योंकि चौड़ा है द्वार और विस्तृत है वह मार्ग जो विनाश की ओर ले जाता है, और बहुत से लोग हैं जो उसके माध्यम से प्रवेश करते हैं। कितना संकीर्ण है द्वार और कष्टपूर्ण है वह मार्ग जो जीवन की ओर ले जाता है, और थोड़े हैं जो उसे पाते हैं।

सावधान रहो झूठे भविष्यवक्ताओं से, जो तुम्हारे पास भेड़ों के वस्त्रों में आते हैं, लेकिन भीतर से वे लूटने वाले भेड़िये हैं। उनके फलों से तुम उन्हें जानोगे। क्या कांटों से अंगूर या कंदीली झाड़ियों से अंजीर इकट्ठा करते हैं? इस प्रकार हर अच्छा पेड़ अच्छे फल देता है, लेकिन सड़ा हुआ पेड़ बुरे फल देता है। अच्छा पेड़ बुरे फल नहीं दे सकता, और न ही सड़ा पेड़ अच्छे फल दे सकता है। हर पेड़ जो अच्छा फल नहीं देता, काट दिया जाता है और आग में फेंक दिया जाता है। इसलिए उनके फलों से तुम उन्हें जानोगे।

हर वह व्यक्ति जो मुझसे प्रभु, प्रभु कहता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, बल्कि वही जो मेरे पिता की इच्छा को पूरा करता है जो स्वर्ग में हैं। बहुत से लोग उस दिन मुझसे कहेंगे, हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत सी शक्तियाँ नहीं दिखाई? और तब मैं उनसे स्पष्ट कह दूँगा कि मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना, मुझसे दूर हो जाओ, तुम जो अधर्म करते हो।

इसलिए हर एक जो मेरे इन शब्दों को सुनता है और उन्हें करता है, मैं उसकी तुलना एक बुद्धिमान आदमी से करूँगा, जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया, और बारिश आई और नदियाँ आई और हवाएँ चलीं और उस घर से टकराई, और वह नहीं गिरा, क्योंकि वह चट्टान पर स्थापित किया गया था। और जो कोई मेरे इन शब्दों को सुनता है और उन्हें नहीं करता, उसकी तुलना एक मूर्ख मनुष्य से की जाएगी, जिसने अपना घर रेत पर बनाया। और बारिश नीचे आई और नदियाँ आई और हवाएँ चलीं और उस घर से टकराई, और वह गिर गया, और उसका पतन महान था।

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने ये शब्द पूरे किए, तो भीड़ें उसकी शिक्षा पर चकित थीं। क्योंकि वह उन्हें अधिकार रखते हुए सिखाता था, और शास्त्रियों जैसे नहीं।

8

जब वह पहाड़ से नीचे आया, तो बहुत सी भीड़ें उसके पीछे चलीं। और देखो, एक कोढ़ी आया और उसे दण्डवत् करके कहने लगा, प्रभु, यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। और यीशु ने हाथ फैलाकर उसे छुआ और कहा, मैं चाहता हूँ, शुद्ध हो जाओ। और तुरंत उसका कोढ़ शुद्ध हो गया। और यीशु उससे कहता है, देख, किसी को मत कहना, लेकिन जा और अपने आप को पुजारी को दिखा और वह भेंट चढ़ा जो मूसा ने आज्ञा दी थी, उनके लिए गवाही के रूप में।

लेकिन जब वह कफरनहूम में आया, तो एक शतपति उसके पास आया और उससे विनती करता हुआ कहने लगा, प्रभु, मेरा सेवक घर में लकवाग्रस्त पड़ा है, भयंकर रूप से पीड़ित हो रहा है। और यीशु उससे कहते हैं, मैं आकर उसे ठीक करूँगा। और उत्तर देते हुए शतपति ने कहा, प्रभु, मैं योग्य नहीं हूँ कि आप मेरी छत के नीचे प्रवेश करें, लेकिन केवल शब्द से कहें, और मेरा सेवक चंगा हो जाएगा। और क्योंकि मैं भी एक ऐसा आदमी हूँ जो

अधिकार के अधीन है, मेरे अधीन सैनिक हैं, और मैं इसको कहता हूँ, जाओ, और वह जाता है, और दूसरे को कहता हूँ, आओ, और वह आता है, और अपने दास को कहता हूँ, यह करो, और वह करता है। यह सुनकर यीशु आश्चर्यचकित हुए और अनुसरण करने वालों से कहा, सच कहता हूँ तुमसे, इस्राएल में भी मैंने इतना बड़ा विश्वास नहीं पाया। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि बहुत से लोग पूर्व और पश्चिम से आएँगे और अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे। परन्तु राज्य के पुत्रों को बाहरी अन्धकार में फँक दिया जाएगा, वहाँ रोना और दाँतों का पीसना होगा। और यीशु ने शतपति से कहा, जाओ, और जैसा तुमने विश्वास किया है, वैसा ही तुम्हारे लिए हो। और उसी घड़ी उसका सेवक चंगा हो गया।

और यीशु पतरस के घर आए और उन्होंने उसकी सास को लेते हुए और बुखार से पीड़ित देखा। और उसने उसके हाथ को छुआ, और बुखार ने उसे छोड़ दिया, और वह उठी और उसकी सेवा करने लगी। शाम हुई तो उसके पास बहुत से दुष्टात्मा-ग्रस्त लोगों को लाए, और उसने वचन से आत्माओं को निकाला और सब बीमारों को चंगा किया। ताकि वह पूरा हो जाए जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, उसने स्वयं हमारी कमजोरियों को लिया और हमारी बीमारियों को उठाया।

यीशु ने अपने चारों ओर बहुत भीड़ देखकर पार जाने का आदेश दिया। और एक शास्त्री पास आकर उससे बोला, गुरु, मैं आपका अनुसरण करूँगा जहाँ कहीं भी आप जाएँ। और यीशु उससे कहते हैं, लोमड़ियों के पास माँदें होती हैं और आकाश के पक्षियों के पास घोंसले होते हैं, लेकिन मनुष्य के पुत्र के पास सिर रखने के लिए कोई जगह नहीं है। उसके शिष्यों में से एक अन्य ने उससे कहा, हे प्रभु, मुझे पहले जाने और अपने पिता को दफनाने की अनुमति दो। लेकिन यीशु ने उससे कहा, मेरे पीछे चलो, और मरे हुएों को अपने मरे हुएों को दफनाने दो।

और जब वह नाव में चढ़ा, तो उसके शिष्यों ने उसका अनुसरण किया। और देखो, समुद्र में एक बड़ा तूफान आया, इतना कि नाव लहरों से ढकने लगी, लेकिन वह सो रहा था। और पास आकर उसके शिष्यों ने उसे उठाया और कहा, हे प्रभु, हमें बचाओ, हम नाश हो रहे हैं। और वह उनसे कहता है, तुम क्यों डरते हो, हे अल्प-विश्वासियों? तब उठकर उसने हवाओं और समुद्र को डाँटा, और एक महान शांति छा गई। लेकिन लोग आश्चर्यचकित हो गए और कहने लगे, यह कैसा व्यक्ति है, कि हवाएँ और समुद्र भी इसकी आज्ञा मानते हैं?

और जब वह पार गेरगेसेनों के प्रदेश में आया, तो उसे दो भूत-ग्रस्त मिले जो कब्रों से निकल रहे थे, जो अत्यंत भयंकर थे, इतना कि कोई भी उस मार्ग से होकर नहीं जा सकता था। और देखो, वे चिल्लाए और कहने लगे, हे यीशु, परमेश्वर के पुत्र! हमारा और तुम्हारा क्या लेना-देना? क्या तुम समय से पहले हमें पीड़ा देने यहाँ आए हो? उनसे दूर सूअरों का एक बड़ा झुंड चर रहा था। और दुष्टात्माएँ उससे विनती कर रहे थे और कह रहे थे, यदि तू हमें निकालता है, तो हमें सूअरों के झुंड में जाने की अनुमति दे। और उसने उनसे कहा, जाओ। और वे बाहर निकलकर सूअरों के झुंड में चले गए, और देखो, सूअरों का सारा झुंड चट्टान से समुद्र में दौड़ गया और पानी में मर गए। वे चरवाहे भाग गए, और शहर में जाकर उन्होंने सब कुछ और भूत-ग्रस्त लोगों की बातें बताईं। और देखो, सारा शहर यीशु से मिलने के लिए बाहर गया, और उन्हें देखकर उन्होंने विनती की कि वह उनकी सीमाओं से प्रस्थान कर दें।

9

और नाव में चढ़कर वह पार गया और अपने शहर में आया। और देखो, वे उसके पास एक लकवाग्रस्त को बिस्तर पर पड़ा हुआ ला रहे थे, और यीशु ने उनका विश्वास देखकर लकवाग्रस्त से कहा, साहस रखो, बच्चे, तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं। और देखो, शास्त्रियों में से कुछ ने अपने मन में कहा, यह निन्दा करता है। और यीशु ने उनके विचार देखकर कहा, तुम अपने हृदयों में बुरा क्यों सोचते हो? क्या आसान है - यह कहना कि तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं, या यह कहना कि उठो और चलो? ताकि तुम जान सको कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पापों को क्षमा करने का अधिकार है, तब वह उस लकवाग्रस्त से कहता है, उठ, अपना बिस्तर उठा और अपने घर जा। और उठकर वह अपने घर चला गया। परन्तु भीड़ों ने देखकर आश्चर्य किया और परमेश्वर की महिमा की जिसने मनुष्यों को ऐसा अधिकार दिया था।

और यीशु वहाँ से गुजरते हुए एक आदमी को कर चौकी पर बैठे देखा, जो मत्ती कहलाता था, और उससे कहा, मेरे पीछे चलो। और वह उठकर उसके पीछे चल पड़ा। और ऐसा हुआ कि जब वह घर में भोजन के लिए लेटा हुआ था, तो देखो, बहुत से कर संग्रहकर्ता और पापी आकर यीशु और उसके शिष्यों के साथ भोजन के लिए लेटे हुए थे। और फरीसियों ने देखकर उसके शिष्यों से कहा, तुम्हारा शिक्षक कर वसूलने वालों और पापियों के साथ क्यों खाता है? और यीशु ने सुनकर उनसे कहा, स्वस्थ लोगों को वैद्य की आवश्यकता नहीं है, परन्तु बीमार लोगों की है। जाकर सीखो कि दया क्या है, मैं चाहता हूँ

और बलिदान नहीं। क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं, बल्कि पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने आया हूँ।

तब यूहन्ना के शिष्य उसके पास आकर कहते हैं, क्यों हम और फरीसी बहुत उपवास करते हैं, लेकिन तेरे शिष्य उपवास नहीं करते हैं? और यीशु ने उनसे कहा, क्या विवाह कक्ष के पुत्र शोक कर सकते हैं जब तक दूल्हा उनके साथ है? लेकिन वे दिन आएंगे जब दूल्हा उनसे ले लिया जाएगा, और तब वे उपवास करेंगे। कोई भी पुराने वस्त्र पर बिना सिकुड़े कपड़े का पैबंद नहीं लगाता, क्योंकि वह भराव वस्त्र से निकल जाता है, और फाड़ और भी बुरा हो जाता है। न ही वे नई शराब को पुरानी मशकों में डालते हैं, नहीं तो मशकें फट जाती हैं, और शराब बह जाती है और मशकें नष्ट हो जाती हैं, बल्कि वे नई शराब को नई मशकों में डालते हैं, और दोनों सुरक्षित रहते हैं।

जब वह उनसे ये बातें बोल रहा था, देखो, एक शासक पास आया और उसे प्रणाम करके कहने लगा कि मेरी बेटी अभी मर गई है, लेकिन आप आकर अपना हाथ उस पर रखें और वह जीवित हो जाएगी। और यीशु उठकर उसके पीछे चला और उसके शिष्य भी। और देखो, एक स्त्री जो बारह वर्षों से रक्तस्राव से पीड़ित थी, पीछे से आकर उसके वस्त्र के किनारे को छुआ। वह अपने मन में कह रही थी, यदि मैं केवल उसके वस्त्र को छू लूं, तो मैं बच जाऊंगी। लेकिन यीशु ने मुड़कर और उसे देखकर कहा, हिम्मत रखो, बेटी, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। और वह स्त्री उसी घड़ी से बच गई। और यीशु शासक के घर में आया और बांसुरी बजाने वालों और शोर मचाती हुई भीड़ को देखकर, उनसे कहता है, हटो, क्योंकि लड़की नहीं मरी, बल्कि सो रही है। और वे उस पर हँसे। जब भीड़ को निकाल दिया गया, तो प्रवेश करके उसने उसका हाथ पकड़ा, और लड़की उठ गई। और यह अफवाह उस पूरे भूमि में फैल गई।

और जब यीशु वहाँ से गुजर रहे थे, तो दो अंधे उनके पीछे चिल्लाते हुए चले और कहने लगे, हे दाऊद के पुत्र, हम पर दया करो। घर में आने पर अंधे उसके पास आए, और यीशु उनसे कहते हैं, क्या तुम विश्वास करते हो कि मैं यह कर सकता हूँ? वे उससे कहते हैं, हाँ, प्रभु। तब उसने उनकी आँखें छूते हुए कहा, तुम्हारे विश्वास के अनुसार तुम्हारे लिए हो जाए। और उनकी आँखें खोली गईं, और यीशु ने उन्हें कठोर चेतावनी देते हुए कहा, देखो, कोई न जाने। लेकिन वे बाहर जाने के बाद उस पूरे प्रदेश में उसके बारे में समाचार फैलाया।

जब वे जा रहे थे, तो देखो, लोग उसके पास एक गूंगे भूत-ग्रस्त आदमी को लाए। और जब दुष्टात्मा को निकाल दिया गया, तो वह गूंगा बोलने लगा, और भीड़ आश्चर्यचकित हो गई और कहने लगी कि इस्राएल में ऐसा कभी नहीं देखा गया। परन्तु फरीसी कह रहे थे, वह दुष्टात्माओं के शासक के द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता है।

और यीशु सभी शहरों और गाँवों में घूमते हुए उनकी सभाओं में सिखाते थे और राज्य के सुसमाचार का प्रचार करते थे और लोगों में सभी रोग और सभी बीमारी को दूर करते थे।

भीड़ों को देखकर उन पर दया आई, क्योंकि वे थके हुए और बिखरे हुए थे, जैसे भेड़ें जिनका कोई चरवाहा नहीं। तब वह अपने शिष्यों से कहता है, फसल तो बहुत है, लेकिन मजदूर थोड़े हैं। इसलिए फसल के प्रभु से प्रार्थना करो ताकि वह अपनी फसल में मजदूरों को भेज दे।

10

और उसने अपने बारह शिष्यों को बुलाकर उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, ताकि वे उन्हें निकाल सकें और सब रोग और सब बीमारी को चंगा कर सकें। लेकिन बारह प्रेरितों के नाम ये हैं: पहला शमौन जो पतरस कहलाता है और उसका भाई अन्द्रियास, जबदी का पुत्र याकूब और उसका भाई यूहन्ना, फिलिप्पुस और बर्थोलोमाइओस, थोमास और मत्थाइओस चुंगी लेनेवाला, अल्फाइओस का पुत्र याकोबोस और लेब्बाइओस जो थद्दाइओस कहलाता था, शमौन कनानी और यहूदा इस्करियोती, जिसने उसे पकड़वाया।

इन बारह को यीशु ने भेजा और उन्हें आदेश देते हुए कहा, अन्यजातियों के रास्ते मत जाओ और सामरियों के किसी शहर में प्रवेश मत करो, परन्तु तुम इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों के पास अधिक जाओ। जाते हुए घोषणा करो, यह कहते हुए कि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। बीमारों को चंगा करो, कोढ़ियों को शुद्ध करो, मृतकों को जिलाओ, दुष्टात्माओं को निकालो; तुमने मुफ्त में पाया है, मुफ्त में दो। अपनी पेटियों में सोना, चांदी या कांसा अर्जित मत करो। न बैग रास्ते में, न दो कुर्ते, न जूते, न छड़ी, क्योंकि मजदूर अपने भोजन का योग्य है। जिस भी नगर या गाँव में तुम प्रवेश करो, पता लगाओ कि उसमें कौन योग्य है, और वहाँ तब तक ठहरो जब तक तुम प्रस्थान न कर दो। घर में प्रवेश करते हुए इसे यह कहते हुए अभिवादन करो, इस घर को शांति मिले। और यदि वह घर वास्तव में योग्य हो, तो तुम्हारी शांति उस पर आए, लेकिन यदि योग्य न हो, तो तुम्हारी शांति तुम्हारे पास

लौट आए। और जो तुम्हें ग्रहण नहीं करता है और न ही तुम्हारे शब्दों को सुनता है, उस घर से या उस नगर से बाहर जाते हुए अपने पैरों की धूल झाड़ दो। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, न्याय के दिन सदोम और अमोरा की भूमि के लिए उस नगर की अपेक्षा अधिक सहनीय होगा।

देखो, मैं तुम्हें भेड़ियों के बीच भेड़ों की तरह भेज रहा हूँ, इसलिए साँपों की तरह बुद्धिमान और कबूतरों की तरह निर्दोष बनो। लेकिन मनुष्यों से सावधान रहो, क्योंकि वे तुम्हें सभाओं में सौंप देंगे और अपने आराधनालयों में तुम्हें कोड़े मारेंगे। और तुम मेरे कारण नेताओं और राजाओं के सामने लाए जाओगे, उनके लिए और राष्ट्रों के लिए गवाही देने के लिए। जब वे तुम्हें सौंपेंगे, तो चिंता मत करो कि कैसे या क्या बोलोगे, क्योंकि उस घड़ी में तुम्हें दिया जाएगा कि क्या बोलना है। क्योंकि तुम बोलने वाले नहीं हो, बल्कि तुम्हारे पिता का आत्मा है जो तुम में बोलता है। भाई अपने भाई को मृत्यु के लिए सौंप देगा और पिता अपनी संतान को, और संतानें अपने माता-पिता के विरुद्ध उठ खड़ी होंगी और उन्हें मार डालेंगी। और तुम सब के द्वारा मेरे नाम के कारण नफरत किए जाओगे, लेकिन जो अंत तक सहन करेगा, वह बचाया जाएगा। जब वे तुम्हें इस शहर में सताएँ, तो दूसरे शहर में भाग जाओ, क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, तुम इस्राएल के शहरों को समाप्त नहीं करोगे जब तक मनुष्य का पुत्र नहीं आ जाता। शिष्य अपने शिक्षक से बड़ा नहीं होता और न ही दास अपने स्वामी से बड़ा होता है। शिष्य के लिए यह पर्याप्त है कि वह अपने गुरु के समान हो जाए, और दास के लिए कि वह अपने स्वामी के समान हो। यदि उन्होंने घर के मालिक को बेलजेबुल कहा, तो उसके घर के सदस्यों को कितना अधिक कहेंगे? इसलिए उनसे मत डरो, क्योंकि कुछ भी ऐसा ढका हुआ नहीं है जो प्रकट नहीं किया जाएगा, और कुछ भी ऐसा छिपा हुआ नहीं है जो जाना नहीं जाएगा। जो मैं तुमसे अंधेरे में कहता हूँ, उसे प्रकाश में कहो, और जो तुम कान में सुनते हो, उसे छतों पर घोषणा करो। और उनसे मत डरो जो शरीर को मारते हैं, लेकिन आत्मा को मारने में सक्षम नहीं हैं, बल्कि उससे डरो जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नष्ट करने में सक्षम है। क्या दो गौरैया एक असारियों में नहीं बेची जाती हैं? और उनमें से एक भी तुम्हारे पिता के बिना भूमि पर नहीं गिरेगी। लेकिन तुम्हारे सिर के सभी बाल भी गिने हुए हैं। इसलिए मत डरो, तुम बहुत सी चिड़ियों से अधिक मूल्यवान हो।

इसलिए जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे स्वीकार करेगा, मैं भी उसे अपने पिता के सामने स्वीकार करूंगा जो स्वर्ग में हैं। जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे इनकार करेगा, मैं भी अपने पिता के सामने जो स्वर्ग में है, उसे इनकार करूंगा।

यह मत सोचो कि मैं धरती पर शांति लाने आया हूँ, मैं शांति लाने नहीं आया, बल्कि तलवार लाने आया हूँ। क्योंकि वे आए हैं विभाजित करने के लिए - आदमी को उसके पिता के विरुद्ध, और बेटी को उसकी माँ के विरुद्ध, और बहू को उसकी सास के विरुद्ध। और मनुष्य के शत्रु उसके घर के लोग होंगे।

जो अपने पिता या माता से मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं है, और जो अपने पुत्र या पुत्री से मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं है। और जो अपना क्रूस नहीं उठाता और मेरे पीछे नहीं चलता, वह मेरे योग्य नहीं है। जो अपनी आत्मा को पा लेता है वह उसे खो देगा, और जो अपनी आत्मा को मेरे कारण खो देता है वह उसे पा लेगा।

जो तुम्हें स्वीकार करता है, वह मुझे स्वीकार करता है, और जो मुझे स्वीकार करता है, वह उसे स्वीकार करता है जिसने मुझे भेजा है। जो भविष्यवक्ता को भविष्यवक्ता के नाम पर ग्रहण करता है, वह भविष्यवक्ता का प्रतिफल प्राप्त करेगा, और जो धर्मी को धर्मी के नाम पर ग्रहण करता है, वह धर्मी का प्रतिफल प्राप्त करेगा। और जो कोई इन छोटों में से किसी एक को शिष्य के नाम पर केवल एक प्याला ठंडा पानी पिलाएगा, मैं तुम से सच कहता हूँ, वह अपना प्रतिफल कदापि नहीं खोएगा।

11

और ऐसा हुआ कि जब यीशु अपने बारह शिष्यों को निर्देश देना समाप्त कर चुके, तो वे वहाँ से उनके नगरों में सिखाने और घोषणा करने के लिए प्रस्थान कर गए।

लेकिन यूहन्ना ने कारागार में मसीह के कार्यों को सुनकर, अपने दो शिष्यों को भेजकर उसने उससे कहा, क्या तुम वही हो जो आने वाला है, या हम किसी दूसरे की प्रतीक्षा करें? और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, जाकर यूहन्ना को बताओ जो तुम सुनते हो और देखते हो, अंधे फिर से देखते हैं और लंगड़े चलते हैं, कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं और बहरे सुनते हैं, मृतक जिलाए जाते हैं और गरीबों को सुसमाचार सुनाया जाता है। और धन्य है वह जो मुझ में ठोकर न खाए।

जब ये जा रहे थे, तो यीशु ने भीड़ों से यूहन्ना के बारे में कहना आरंभ किया, तुम रेगिस्तान में क्या देखने गए थे? हवा से हिलाए जाते हुए सरकंडे को? लेकिन तुम क्या देखने बाहर गए? क्या नरम वस्त्र पहने हुए आदमी को? देखो, जो नरम वस्त्र पहनते हैं वे राजाओं

के घरों में हैं। लेकिन तुम क्या देखने बाहर गए थे? एक भविष्यवक्ता को? हाँ, मैं तुमसे कहता हूँ, और भविष्यवक्ता से भी बढ़कर। यह वह है जिसके बारे में लिखा गया है, देखो, मैं अपना दूत तुम्हारे आगे भेजता हूँ, जो तुम्हारे लिए मार्ग तैयार करेगा।

सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, स्त्रियों से जन्मे लोगों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले से बड़ा कोई नहीं उठाया गया है, परन्तु स्वर्ग के राज्य में छोटे से छोटा भी उससे बड़ा है। लेकिन यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों से लेकर अभी तक स्वर्ग का राज्य बल से लिया जाता है, और हिंसक लोग इसे छीन लेते हैं। क्योंकि सब भविष्यवक्ताओं और व्यवस्था ने यूहन्ना तक भविष्यवाणी की। और यदि तुम इसे स्वीकार करना चाहते हो, तो वह एलिय्याह है जो आने वाला है। जिसके कान हों सुनने के लिए, वह सुने।

लेकिन मैं इस पीढ़ी की तुलना किससे करूँ? यह उन बच्चों के समान है जो बाजारों में बैठे हैं, जो अपने साथियों को पुकारते हुए कहते हैं, हमने तुम्हारे लिए बांसुरी बजाई, और तुमने नहीं नाचे, हमने तुम्हारे लिए शोकगीत गाया, और तुमने विलाप नहीं किया। क्योंकि यूहन्ना न खाते हुए आया और न पीते हुए, और वे कहते हैं, उसमें दुष्टात्मा है। मनुष्य का पुत्र आया, खाता और पीता हुआ, और वे कहते हैं, देखो, यह मनुष्य पेटू और शराबी है, कर वसूलने वालों का मित्र और पापियों का। और बुद्धि अपने बच्चों से न्यायसंगत ठहराई गई।

तब उसने उन नगरों की निन्दा करना आरम्भ किया जिनमें उसके सबसे अधिक सामर्थ्य के काम हुए थे, क्योंकि उन्होंने पश्चाताप नहीं किया। धिक्कार तुझे, खुरासीन, धिक्कार तुझे, बैतसैदा परन्तु मैं तुम से कहता हूँ, न्याय के दिन सौर और सैदा के लिए तुम से अधिक सहनीय होगा। और तू कपरनहूम, जो स्वर्ग तक ऊँचा उठाया गया, अधोलोक तक नीचे गिराया जाएगा, क्योंकि यदि सदोम में वे सामर्थ्य के काम हुए होते जो तुझ में हुए, तो वे आज तक बने रहते। परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ कि सदोम की भूमि के लिए न्याय के दिन अधिक सहनीय होगा बजाय तुम्हारे।

उस समय यीशु ने उत्तर देते हुए कहा, हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु, मैं तुम्हें धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि तुमने इन बातों को बुद्धिमानों और समझदारों से छिपाया, और इन्हें बालकों पर प्रकट किया। हाँ, हे पिता, क्योंकि यह तुम्हारे सामने भला लगा। सब कुछ मुझे मेरे पिता द्वारा सौंपा गया है, और कोई भी पुत्र को नहीं जानता यदि पिता न हो, और न ही कोई पिता को जानता है यदि पुत्र न हो और वह जिसे पुत्र प्रकट करना चाहे। आओ मेरे पास सब परिश्रम करने वाले और बोझ से दबे हुए लोगों, और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जुआ

अपने ऊपर उठाओ और मुझसे सीखो, क्योंकि मैं हृदय में कोमल और विनम्र हूँ, और तुम अपनी आत्माओं के लिए विश्राम पाओगे, क्योंकि मेरा जुआ अच्छा है और मेरा बोझ हल्का है।

12

उस समय यीशु सब के दिन अनाज के खेतों के बीच से गए, और उनके शिष्य भूखे थे, और उन्होंने बालें नोचकर खाना शुरू किया। परन्तु फरीसियों ने देखकर उससे कहा, देखो, तुम्हारे चले वह करते हैं जो सब के दिन करना उचित नहीं है। लेकिन उसने उनसे कहा, क्या तुमने नहीं पढ़ा कि दाऊद ने क्या किया जब वह और उसके साथी भूखे थे? कैसे वह परमेश्वर के घर में प्रवेश किया और प्रस्तुतीकरण की रोटियाँ खाईं, जिन्हें उसके लिए खाना संभव नहीं था और न ही उनके लिए जो उसके साथ थे, केवल पुजारियों को छोड़कर? या क्या तुमने कानून में नहीं पढ़ा कि सब के दिनों में पुजारी मंदिर में सब को अपवित्र करते हैं, और निर्दोष हैं? लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि यहाँ मंदिर से भी बड़ा है। यदि तुम जान गए होते कि दया मैं चाहता हूँ और बलिदान नहीं, तो तुमने निर्दोषों को निंदा नहीं किया होता। क्योंकि मनुष्य का पुत्र सब का भी प्रभु है।

और वहाँ से प्रस्थान करके वह उनकी सभा में आया। और देखो, वहाँ एक आदमी था जिसका हाथ सूखा हुआ था, और उन्होंने उससे यह कहते हुए पूछा, क्या सब के दिन चंगा करना उचित है? ताकि वे उस पर आरोप लगा सकें। लेकिन उसने उनसे कहा, तुममें से कौन आदमी होगा जिसके पास एक भेड़ हो, और अगर वह सब के दिन गड्ढे में गिर जाए, तो क्या वह उसे पकड़कर नहीं उठाएगा? तो मनुष्य भेड़ से कितना भिन्न है? इसलिए सब के दिन भलाई करना उचित है। तब वह आदमी से कहता है, अपना हाथ फैलाओ, और उसने फैलाया, और वह दूसरे हाथ जैसा स्वस्थ हो गया। बाहर जाकर फरीसियों ने उसके विरुद्ध परामर्श लिया, ताकि वे उसको नष्ट कर सकें। परन्तु यीशु यह जानकर वहाँ से चला गया, और बहुत भीड़ उसके पीछे हो ली, और उसने उन सबको चंगा किया। और उसने उन्हें डांटा ताकि वे उसे स्पष्ट न करें ताकि वह पूरा हो जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, देखो, मेरा सेवक जिसे मैंने चुना है, मेरा प्रिय जिससे मेरी आत्मा प्रसन्न हुई है। मैं अपनी आत्मा उस पर रखूँगा, और वह राष्ट्रों को न्याय की घोषणा करेगा। वह न झगड़ेगा और न चिल्लाएगा, न कोई गलियों में उसकी आवाज़ सुनेगा। कुचले हुए नरकट को वह नहीं तोड़ेगा और धुआँ उठते हुए सन को नहीं बुझाएगा, जब तक कि वह न्याय को विजय में न भेज दे। और उसके नाम पर राष्ट्र आशा रखेंगे।

तब उसके पास एक भूत-ग्रस्त अंधा और गूंगा व्यक्ति लाया गया, और उसने उसे चंगा किया, ताकि वह अंधा और गूंगा व्यक्ति बोलने और देखने लगा। और सब भीड़ें चकित थीं और कह रही थीं, क्या यह दाऊद का पुत्र मसीह नहीं है? लेकिन फरीसियों ने सुनकर कहा, यह दुष्टात्माओं को नहीं निकालता, सिवाय बालजबूल के द्वारा, जो दुष्टात्माओं का शासक है। यीशु उनके विचारों को जानते हुए उनसे बोले, हर राज्य जो अपने आप में विभाजित हो जाता है वह उजाड़ हो जाता है, और हर नगर या घर जो अपने आप में विभाजित हो जाता है वह खड़ा नहीं रहेगा। और यदि शैतान शैतान को निकालता है, तो वह स्वयं के विरुद्ध विभाजित हो गया है, इसलिए उसका राज्य कैसे खड़ा रहेगा? और यदि मैं बेलजेबुल के द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो तुम्हारे पुत्र किसके द्वारा निकालेंगे? इसलिए वे स्वयं तुम्हारे न्यायाधीश होंगे। लेकिन यदि मैं परमेश्वर के आत्मा में दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम पर आ पहुँचा है। या कैसे कोई मजबूत के घर में प्रवेश करके उसके बर्तन छीन सकता है, यदि पहले मजबूत को न बांधे? और तब वह उसके घर को लूटेगा। जो मेरे साथ नहीं है वह मेरे विरुद्ध है, और जो मेरे साथ इकट्ठा नहीं करता वह बिखेरता है।

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, सभी पाप और निन्दा लोगों को क्षमा कर दिए जाएँगे, लेकिन आत्मा की निन्दा लोगों को क्षमा नहीं की जाएगी। और जो कोई मनुष्य के पुत्र के विरुद्ध कोई शब्द कहे, उसे क्षमा किया जाएगा, लेकिन जो कोई पवित्र आत्मा के विरुद्ध कहे, उसे क्षमा नहीं किया जाएगा, न इस युग में और न आने वाले युग में।

या तो पेड़ को अच्छा बनाओ और उसके फल को अच्छा, या पेड़ को सड़ा बनाओ और उसके फल को सड़ा, क्योंकि फल से ही पेड़ पहचाना जाता है। साँपों की संतान, तुम दुष्ट होते हुए कैसे अच्छी बातें बोल सकते हो? क्योंकि हृदय की प्रचुरता से मुख बोलता है। अच्छा मनुष्य अच्छे खजाने से अच्छी चीजें निकालता है, और दुष्ट मनुष्य दुष्ट खजाने से बुरी चीजें निकालता है। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि हर निकम्मा शब्द जो लोग बोलें, उसके बारे में वे न्याय के दिन में हिसाब देंगे, क्योंकि तुम्हारे शब्दों से तुम न्यायसंगत ठहराए जाओगे, और तुम्हारे शब्दों से तुम दोषी ठहराए जाओगे।

तब लेखकों और फरीसियों में से कुछ ने उत्तर देते हुए कहा, हे शिक्षक, हम आपसे एक चिन्ह देखना चाहते हैं। परन्तु उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी चिन्ह खोजती है, और इसे कोई चिन्ह नहीं दिया जाएगा सिवाय योना भविष्यवक्ता के चिन्ह के। जैसे योना भविष्यवक्ता बड़ी मछली के पेट में तीन दिन और तीन रात रहा, वैसे ही मनुष्य का पुत्र भी पृथ्वी के हृदय में तीन दिन और तीन रात रहेगा। नीनवे के पुरुष इस पीढ़ी

के साथ न्याय में उठेंगे और उसकी निंदा करेंगे, क्योंकि उन्होंने योना के उपदेश पर पश्चाताप किया था, और देखो, यहाँ योना से भी बड़ा है। दक्षिण की रानी इस पीढ़ी के साथ न्याय में उठाई जाएगी और उसे दोषी ठहराएगी, क्योंकि वह पृथ्वी के छोर से सुलैमान का ज्ञान सुनने आई थी, और देखो, यहाँ सुलैमान से भी बड़ा है।

जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य से बाहर निकलती है, तो वह जलहीन स्थानों से होकर गुजरती है, विश्राम खोजती है, और नहीं पाती है। तब वह कहता है, मैं अपने घर लौटूँगा जहाँ से निकला था, और आकर उसे खाली, साफ किया हुआ और सजाया हुआ पाता है। तब वह जाता है और अपने साथ सात अन्य आत्माएँ लेता है जो अपने से अधिक दुष्ट हैं, और प्रवेश करके वहाँ निवास करती हैं, और उस मनुष्य की अंतिम दशा पहली से बदतर हो जाती है। इस प्रकार इस दुष्ट पीढ़ी के साथ भी होगा।

जब वह अभी भी भीड़ों से बोल रहा था, देखो, उसकी माता और उसके भाई बाहर खड़े थे, उससे बात करने की कोशिश कर रहे थे। किसी ने उससे कहा, देखो, तुम्हारी माता और तुम्हारे भाई बाहर खड़े हैं और तुमको देखना चाहते हैं। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उससे कहने वाले से कहा, कौन है मेरी माता और कौन हैं मेरे भाई? और अपना हाथ अपने शिष्यों की ओर फैलाकर उसने कहा, देखो, मेरी माता और मेरे भाई, क्योंकि जो कोई भी मेरे पिता की इच्छा करेगा जो स्वर्ग में है, वह मेरा भाई और बहन और माता है।

13

उस दिन में, यीशु घर से बाहर निकलकर समुद्र के पास बैठे थे। और उसके पास बहुत भीड़ें एकत्रित हुईं, इतना कि उसे नाव में प्रवेश करके बैठना पड़ा, और सारी भीड़ किनारे पर खड़ी थी। और उसने उनसे दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कहीं, देखो, एक बोनेवाला बोने के लिए निकला। और जब वह बो रहा था, तो कुछ बीज रास्ते के किनारे गिरे, और पक्षी आकर उन्हें खा गए। लेकिन कुछ चट्टानी जगहों पर गिरा, जहाँ बहुत भूमि नहीं थी, और तुरंत अंकुरित हो गया क्योंकि भूमि की गहराई नहीं थी, लेकिन सूर्य के उदय होने पर यह झुलस गया, और जड़ न होने के कारण सूख गया। लेकिन अन्य काँटों पर गिर गया, और काँटे ऊपर आए और उन्होंने उन्हें घुटन कर दिया। लेकिन कुछ अच्छी भूमि पर गिरा और फल देता था, कोई सौ, कोई साठ, कोई तीस। जिसके कान हों सुनने के लिए, वह सुने।

और शिष्य पास आकर उससे बोले, आप उनसे दृष्टान्तों में क्यों बोलते हैं? उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, तुम्हें स्वर्ग के राज्य के रहस्यों को जानना दिया गया है, परन्तु उन्हें नहीं दिया गया है। क्योंकि जिसके पास है, उसे दिया जाएगा और उसके पास बहुतायत होगी, लेकिन जिसके पास नहीं है, जो उसके पास है वह भी उससे ले लिया जाएगा। इसलिए मैं उनसे दृष्टान्तों में बोलता हूँ, ताकि वे देखते हुए भी न देखें और सुनते हुए भी न सुनें और न ही समझें। कहीं ऐसा न हो कि वे लौट आएँ, और तब उनके लिए यशायाह की वह भविष्यवाणी पूरी होगी जो कहती है, सुनते हुए तुम सुनोगे और नहीं समझोगे, और देखते हुए तुम देखोगे और नहीं देखोगे, क्योंकि इन लोगों का हृदय मोटा हो गया है, और उन्होंने कानों से भारी होकर सुना है, और उन्होंने अपनी आँखें बंद कर ली हैं, कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें और कानों से सुनें और हृदय से समझें और लौट आएँ, और मैं उन्हें चंगा करूँ।

लेकिन तुम्हारी आँखें धन्य हैं, क्योंकि वे देखती हैं, और तुम्हारे कान धन्य हैं, क्योंकि वे सुनते हैं। मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ कि बहुत से नबियों और धर्मी लोगों ने जो तुम देखते हो उसे देखने की इच्छा की, परन्तु नहीं देखा, और जो तुम सुनते हो उसे सुनने की इच्छा की, परन्तु नहीं सुना।

इसलिए तुम बोने वाले का दृष्टान्त सुनो। जो कोई राज्य के वचन को सुनता है और नहीं समझता, वह दुष्ट आता है और उसके हृदय में जो बोया गया था उसे ले जाता है; यह वह है जो रास्ते के किनारे बोया गया। जो पथरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है जो वचन को सुनता है और तुरंत आनंद के साथ उसे ग्रहण करता है और स्वीकार करता है, वह अपने में जड़ नहीं रखता है, लेकिन अस्थायी है, और जब वचन के कारण क्लेश या सताव होता है तो तुरंत ठोकर खाता है। लेकिन वह जो काँटों में बोया गया, यह वह है जो वचन सुनता है, और इस युग की चिंता और धन का धोखा वचन को घुट देता है, और वह निष्फल हो जाता है। परन्तु जो अच्छी भूमि पर बोया गया, यह वह है जो वचन को सुनता और समझता है, जो वास्तव में फल देता है और उत्पन्न करता है—कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।

उसने उनके सामने एक और दृष्टान्त रखा और कहा, स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। लेकिन जब लोग सो रहे थे, तब उसका शत्रु आया और अनाज के बीच में खरपतवार बो दिया और चला गया। जब घास अंकुरित हुई और फल लाई, तब खरपतवार भी प्रकट हुए। लेकिन घर के मालिक के दास पास आकर उससे बोले, स्वामी, क्या आपने अपने खेत में अच्छा बीज नहीं बोया था? फिर इसमें

खरपतवार कहाँ से आ गए? उसने उनसे कहा, किसी शत्रु मनुष्य ने यह किया है। दासों ने उससे कहा, तो क्या आप चाहते हैं कि हम जाकर उन्हें इकट्ठा कर लें? लेकिन उसने कहा, नहीं, ऐसा न हो कि खरपतवार इकट्ठा करते समय तुम उनके साथ ही अनाज को भी उखाड़ दो। दोनों को कटाई तक साथ बढ़ने दो, और कटाई के समय मैं काटने वालों से कहूंगा, पहले खरपतवार इकट्ठा करो और उन्हें जलाने के लिए गट्टरों में बांधो, लेकिन अनाज को मेरे भंडार में इकट्ठा करो।

उसने उनके सामने एक और दृष्टान्त रखा और कहा, स्वर्ग का राज्य सरसों के दाने के समान है, जिसे एक मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बोया, जो वास्तव में सभी बीजों में सबसे छोटा है, लेकिन जब बढ़ता है, तो सभी सब्जियों में सबसे बड़ा है और पेड़ बन जाता है, ताकि आकाश के पक्षी आकर उसकी शाखाओं में बसेरा करें।

उसने उनसे एक और दृष्टान्त कहा, स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है, जिसे एक स्त्री ने लेकर तीन माप आटे में छिपाया, जब तक कि सम्पूर्ण खमीर नहीं हो गया।

ये सब बातें यीशु ने भीड़ों को दृष्टान्तों में बोलीं, और बिना दृष्टान्त के उन्होंने उनसे कुछ नहीं कहा। ताकि वह पूरा हो जो भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, जो कहता है, मैं दृष्टान्तों में अपना मुँह खोलूंगा, मैं संसार की नींव से छिपी हुई चीजों को उच्चारण करूंगा।

तब भीड़ों को छोड़कर वह अपने घर में आया। और उसके शिष्य उसके पास आए और कहने लगे, हमें खेत के खरपतवारों का दृष्टान्त समझाइए। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, वह जो अच्छा बीज बोता है, वह मनुष्य का पुत्र है। और वह खेत संसार है, और वह अच्छा बीज, ये राज्य के पुत्र हैं, और वे खरपतवार दुष्ट के पुत्र हैं, वह शत्रु जिसने उन्हें बोया है, वह शैतान है; फसल युग का अंत है; और काटने वाले स्वर्गदूत हैं। जैसे खरपतवार एकत्र किए जाते हैं और आग में जलाए जाते हैं, वैसे ही इस युग के अंत में होगा। मनुष्य का पुत्र अपने दूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य से सब ठोकर के पत्थरों को और अधर्म करने वालों को इकट्ठा करेंगे, और वे उन्हें आग की भट्टी में फेंक देंगे, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। तब धर्मी लोग अपने पिता के राज्य में सूरज की तरह चमकेंगे। जिसके पास सुनने के लिए कान हैं, वह सुने।

फिर स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए खजाने के समान है, जिसे पाकर मनुष्य ने छिपा दिया, और अपने आनंद से वह जाता है और जितना कुछ उसके पास है सब बेच देता है और

उस खेत को खरीद लेता है।

फिर स्वर्ग का राज्य उस व्यापारी मनुष्य के समान है जो सुंदर मोती खोज रहा है, जिसने एक बहुमूल्य मोती पाकर, जाकर सब कुछ जो उसके पास था बेच दिया और उसे खरीद लिया।

फिर स्वर्ग का राज्य उस जाल के समान है जो समुद्र में डाला गया और सब प्रकार की मछलियों को इकट्ठा किया। जब वह भर गया, तो उसे तट पर ऊपर लाकर और बैठकर उन्होंने अच्छे को बर्तनों में इकट्ठा किया, लेकिन सड़े को बाहर फेंक दिया। इस प्रकार युग के समापन में होगा। दूत बाहर जाएंगे और दुष्टों को धर्मियों के बीच से अलग करेंगे। और वे उन्हें आग की भट्टी में फेंकेंगे, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। यीशु उनसे कहते हैं, क्या तुमने ये सब समझ लिया? वे उससे कहते हैं, हाँ, प्रभु। लेकिन उसने उनसे कहा, इस कारण से हर शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य में प्रशिक्षित किया गया है, उस मनुष्य के समान है जो घर का स्वामी है, और जो अपने खजाने से नई और पुरानी चीजें निकालता है।

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने इन दृष्टान्तों को समाप्त किया, तो वह वहाँ से चले गए। और वह अपने देश में आया और उसने उन्हें उनकी सभा में सिखाया, जिससे वे चकित हो गए और कहने लगे, इसे यह ज्ञान और ये शक्तियाँ कहाँ से मिलीं? क्या यह बड़ई का पुत्र नहीं है? क्या इसकी माता का नाम मरियम नहीं है और इसके भाई याकूब, योसेस, शमौन और यहूदा नहीं हैं? और क्या उसकी बहनें सब हमारे पास नहीं हैं? तो फिर इसको ये सब कहाँ से मिला? और वे उससे नाराज़ हुए। परन्तु यीशु ने उनसे कहा, कोई भविष्यवक्ता अपनी पितृभूमि और अपने घर के सिवाय कहीं भी बिना सम्मान के नहीं होता। और उसने वहाँ अनेक शक्तियाँ नहीं दिखाई उनके अविश्वास के कारण।

14

उस समय में हेरोदेस चतुर्थांशधिपति ने यीशु के बारे में सुना। और उसने अपने सेवकों से कहा, यह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला है, वह मरे हुआओं में से जी उठा है, और इसी कारण ये शक्तियाँ उसमें कार्य कर रही हैं। क्योंकि हेरोदेस ने यूहन्ना को पकड़कर उसे बांधा और कारागार में रखा, हेरोदियास के कारण जो उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी थी। क्योंकि यूहन्ना उससे कहता था, तुझे उसको रखना उचित नहीं है। और उसे मारना चाहते हुए भी वह भीड़ से डरा, क्योंकि वे उसे भविष्यवक्ता मानते थे। लेकिन हेरोदेस के जन्मदिन का आयोजन

किया जा रहा था, हेरोदियास की बेटी ने बीच में नाचा और हेरोदेस को प्रसन्न किया। जिसके कारण उसने शपथ के साथ उसे यह देने का वचन दिया कि वह जो कुछ भी माँगे। लेकिन उसकी माता द्वारा प्रेरित होकर, वह कहती है, मुझे यहाँ थाल पर यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर दे दो। और राजा दुखी हुआ, लेकिन शपथों के कारण और साथ भोजन करने वाले अतिथियों के कारण, उसने देने का आदेश दिया। और भेजकर उसने जॉन का सिर कारागार में काट दिया। और उसका सिर थाली पर लाया गया और लड़की को दिया गया, और उसने अपनी माँ के पास लाया। और पास आकर उसके शिष्यों ने शरीर को उठाया और उसे दफनाया, और आकर यीशु को बताया।

लेकिन यीशु ने सुनकर वहाँ से नाव में अपने अनुसार एक जंगल स्थान को हट गया, और भीड़ों ने सुनकर शहरों से पैदल उसका अनुसरण किया। और यीशु बाहर गए और उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी, और उन पर दया की और उनके बीमारों को चंगा किया। शाम हो गई, लेकिन उसके शिष्य उसके पास आए और कहने लगे, यह स्थान निर्जन है और घड़ी पहले ही बीत गई है, भीड़ को भेज दीजिए, ताकि वे गाँवों में जाकर अपने लिए भोजन खरीद लें। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, उन्हें जाने की आवश्यकता नहीं है, तुम उन्हें खाने को दो। लेकिन वे उससे कहते हैं, हमारे पास यहाँ केवल पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ हैं। उसने कहा, उन्हें यहाँ मेरे पास लाओ। और उसने भीड़ों को घास पर बैठने का आदेश दिया, पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लीं, स्वर्ग की ओर देखकर आशीर्वाद दिया, और तोड़कर शिष्यों को रोटियाँ दीं, और शिष्यों ने भीड़ों को दीं। और सबने खाया और संतुष्ट हुए, और उन्होंने टुकड़ों में से बचे हुए भाग को बारह भरी हुई टोकरियों में उठाया। लेकिन खाने वाले पुरुष लगभग पाँच हजार थे, स्त्रियों और बच्चों के अलावा।

और यीशु ने तुरंत अपने शिष्यों को नाव में चढ़ने और उससे पहले पार जाने के लिए मजबूर किया, जब तक वह भीड़ों को विदा न कर दे। और भीड़ को विदा करके वह प्रार्थना करने के लिए अकेले पहाड़ पर चढ़ गया। शाम होने पर वह वहाँ अकेला था। और नाव पहले से ही समुद्र के बीच में थी, लहरों से पीड़ित हो रही थी, क्योंकि हवा विपरीत थी। रात के चौथे पहर में यीशु समुद्र पर चलते हुए उनके पास गए। और उसे समुद्र पर चलते हुए देखकर शिष्य व्याकुल हो गए और कहने लगे कि यह प्रेत है, और भय से चिल्लाए। तुरंत यीशु ने उनसे कहा, साहस रखो, मैं हूँ, मत डरो। उत्तर देते हुए पतरस ने उससे कहा, प्रभु, यदि यह आप हैं, तो मुझे आज्ञा दीजिए कि मैं जल पर चलकर आपके पास आऊँ। उसने कहा, आओ। और पतरस नाव से उतरकर पानी पर चला यीशु के पास आने के लिए। लेकिन मजबूत हवा को देखकर वह डर गया, और डूबने लगा तो चिल्लाया, प्रभु, मुझे बचाओ।

तुरंत लेकिन यीशु ने हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ लिया और उससे कहा, हे अल्पविश्वासी, तूने क्यों संदेह किया? और जब वे नाव में चढ़े, तो हवा थम गई। लेकिन वे नाव में आकर उसे प्रणाम करते हुए बोले, सचमुच तू परमेश्वर का पुत्र है।

और पार करके वे गन्नेसरत की भूमि में आए। और उस जगह के पुरुषों ने उसे पहचानकर उस पूरे आसपास के क्षेत्र में भेजा, और उसके पास सब बीमार लोगों को लाए, और वे उसे प्रोत्साहित कर रहे थे कि यदि केवल वे उसके वस्त्र के झालर को छू लें, और जितनों ने छुआ वे बचाए गए।

15

तब यरुशलम से शास्त्री और फरीसी यीशु के पास आते हैं, कहते हुए, आपके शिष्य बुजुर्गों की परंपरा का उल्लंघन क्यों करते हैं? क्योंकि वे रोटी खाते समय अपने हाथ नहीं धोते हैं। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, क्यों तुम भी परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करते हो अपनी परंपरा के कारण? क्योंकि परमेश्वर ने आज्ञा दी कहते हुए, अपने पिता और अपनी माता का आदर करो, और जो कोई पिता या माता को बुरा कहे वह मृत्यु से मार डाला जाए। लेकिन तुम कहते हो, जो कोई अपने पिता या माता से कहे कि वह उपहार जिससे तुम मुझसे लाभ उठा सकते थे, और वह अपने पिता या अपनी माता का सम्मान न करे, और आप लोगों ने ईश्वर की आज्ञा को अपनी परंपरा के कारण अमान्य कर दिया। हे कपटियों, यशायाह ने तुम्हारे विषय में अच्छी तरह भविष्यवाणी की थी, यह कहते हुए, यह लोग अपने मुँह से मेरे निकट आते हैं और अपने होंठों से मेरा सम्मान करते हैं, लेकिन उनका हृदय मुझसे दूर है, लेकिन वे व्यर्थ में मेरी पूजा करते हैं, मनुष्यों की आज्ञाओं को शिक्षाओं के रूप में सिखाते हुए।

और भीड़ को बुलाकर उनसे कहा, सुनो और समझो, वह नहीं जो मुख में प्रवेश करता है मनुष्य को अशुद्ध करता है, लेकिन वह जो मुख से निकलता है यह मनुष्य को अशुद्ध करता है। तब उसके शिष्य पास आकर उससे बोले, क्या तू जानता है कि फरीसी यह वचन सुनकर नाराज हुए? उसने उत्तर देते हुए कहा, हर वह पौधा जो मेरे स्वर्गीय पिता ने नहीं लगाया है, उखाड़ दिया जाएगा। उन्हें छोड़ दो, वे अंधों के अंधे मार्गदर्शक हैं, और यदि अंधा अंधे को मार्गदर्शन करे, तो दोनों गड्ढे में गिरेंगे। उत्तर देते हुए पतरस ने उससे कहा, हमें यह दृष्टान्त समझाइए। लेकिन Jesus ने कहा, क्या अभी तक तुम भी समझ से रहित हो? क्या तुम अभी तक नहीं समझते कि जो कुछ भी मुँह में जाता है, वह पेट में जाता है और फिर

शौचालय में निकल जाता है? परन्तु जो मुख से निकलता है वह हृदय से निकलता है, और वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। क्योंकि हृदय से दुष्ट विचार, हत्याएं, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरियां, झूठी गवाहियां और निंदाएं निकलती हैं। ये वे चीजें हैं जो मनुष्य को अशुद्ध करती हैं, लेकिन बिना धोए हाथों से खाना मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता।

और यीशु वहाँ से बाहर जाकर सोर और सीदोन के प्रदेशों में चला गया। और देखो, एक कनानी स्त्री उन सीमाओं से निकलकर उससे चिल्लाई और कहने लगी, मुझ पर दया करो, प्रभु, दाऊद के पुत्र, मेरी बेटी बुरी तरह से दुष्टात्मा से ग्रस्त है। लेकिन उसने इसको कोई उत्तर नहीं दिया। और उसके शिष्य पास आकर उससे पूछने लगे, इसको भेज दीजिए, क्योंकि यह हमारे पीछे चिल्ला रही है। लेकिन उसने उत्तर देते हुए कहा, मैं केवल इस्राएल के घर की खोई हुई भेड़ों के लिए भेजा गया हूँ। वह आकर उसके सामने झुकी और कहा, प्रभु, मेरी सहायता करो। उसने उत्तर देते हुए कहा, बच्चों की रोटी लेकर कुत्तों को फेंकना अच्छा नहीं है। उसने कहा, हाँ, प्रभु, क्योंकि छोटे कुत्ते भी अपने मालिकों की मेज़ से गिरने वाले टुकड़ों को खाते हैं। तब यीशु ने उत्तर देते हुए उससे कहा, हे स्त्री, तुम्हारा विश्वास महान है। तुम्हें वैसा ही हो जैसा तुम चाहती हो। और उसी घड़ी से उसकी बेटी चंगी हो गई।

और वहाँ से प्रस्थान करके यीशु गलील के समुद्र के पास आया, और पहाड़ पर चढ़कर वहाँ बैठ गया। और बहुत सी भीड़ें उसके पास आईं, जो अपने साथ लंगड़े, अंधे, बहरे, अपंग और बहुत से दूसरे लोगों को लिए हुए थीं, और उन्होंने उन्हें यीशु के पैरों के पास रख दिया, और उसने उन्हें चंगा किया। ताकि भीड़ें यह देखकर आश्चर्यचकित हुईं कि बहरे सुन रहे हैं, गूंगे बोल रहे हैं, अपंग स्वस्थ हैं, लंगड़े चल रहे हैं और अंधे देख रहे हैं, और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर की महिमा की।

और यीशु ने अपने शिष्यों को बुलाकर कहा, मुझे इस भीड़ पर करुणा आती है, क्योंकि वे तीन दिन से मेरे साथ रहे हैं और उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है, और मैं उन्हें भूखा भेजना नहीं चाहता, कहीं ऐसा न हो कि वे रास्ते में थक जाएं। और उसके शिष्य उससे कहते हैं, इस निर्जन स्थान में हमें इतनी रोटियाँ कहाँ से मिलेंगी कि इतनी बड़ी भीड़ को संतुष्ट कर सकें? और यीशु उनसे कहते हैं, तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं? उन्होंने कहा, सात, और कुछ छोटी मछलियाँ। और उसने भीड़ों को भूमि पर लेटने का आदेश दिया। और उसने सात रोटियाँ और मछलियाँ लीं, धन्यवाद दिया, तोड़ा और अपने शिष्यों को दिया, और शिष्यों ने भीड़ों को दिया। और सबने खाया और संतुष्ट हुए, और उन्होंने टुकड़ों के शेष भाग से सात

भरी हुई टोकरियाँ उठाई, लेकिन खाने वाले चार हजार पुरुष थे, स्त्रियों और बच्चों के अलावा। और भीड़ को विदा करके वह नाव में चढ़ा और मगदला की सीमा में आया।

16

और फरीसी और सदूकी पास आए, और परीक्षा करते हुए उन्होंने उससे पूछा कि स्वर्ग से कोई निशानी उन्हें दिखाए। उसने लेकिन उत्तर देते हुए उनसे कहा, शाम होने पर तुम कहते हो, अच्छा मौसम होगा, क्योंकि आकाश लाल है। और सुबह में, आज सर्दी होगी, क्योंकि आकाश उदास होकर लाल है। हे पाखंडियों, तुम आकाश के चेहरे को पहचानना जानते हो, लेकिन समयों के संकेतों को नहीं जान सकते? दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी निशानी खोजती है, और इसे कोई निशानी नहीं दी जाएगी सिवाय योना भविष्यवक्ता की निशानी के। और उन्हें छोड़कर वह चला गया।

और जब उसके शिष्य पार आए, तो वे रोटियाँ लेना भूल गए। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, देखो और फरीसियों और सदूकियों के खमीर से सावधान रहो। लेकिन वे आपस में विचार कर रहे थे और कह रहे थे कि हम रोटियाँ नहीं लाए। लेकिन यीशु ने जानकर उनसे कहा, हे अल्प विश्वासियों, तुम अपने मन में क्यों विचार करते हो कि तुमने रोटियाँ नहीं लीं? क्या तुम अभी तक नहीं समझते, और न ही याद करते हो कि पाँच हजार लोगों के लिए पाँच रोटियाँ थीं और तुमने कितनी टोकरियाँ उठाई? न ही चार हजार लोगों की सात रोटियाँ और कितनी टोकरियाँ आपने उठाई? तुम कैसे नहीं समझते कि मैंने तुम्हें रोटी के बारे में नहीं कहा था, बल्कि फरीसियों और सदूकियों के खमीर से सावधान रहने को कहा था? तब उन्होंने समझा कि उसने रोटी के खमीर से सावधान रहने को नहीं कहा था, बल्कि फरीसियों और सदूकियों की शिक्षा से सावधान रहने को कहा था।

और यीशु फिलिप्पुस के कैसरिया के क्षेत्रों में आकर अपने शिष्यों से पूछने लगे, लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं? उन्होंने कहा, कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को, दूसरे एलिय्याह को, और अन्य यिर्मयाह या भविष्यवक्ताओं में से किसी एक को। वह उनसे कहता है, लेकिन तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ? उत्तर देते हुए शिमोन पतरस ने कहा, तुम हो मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र। और उत्तर देते हुए यीशु ने उससे कहा, धन्य हो शिमोन बरयोना, क्योंकि मांस और रक्त ने तुम पर यह प्रकट नहीं किया, बल्कि मेरे पिता ने जो स्वर्ग में हैं। और मैं भी तुमसे कहता हूँ कि तुम पतरस हो, और इस चट्टान पर मैं अपनी सभा बनाऊँगा, और अधोलोक के द्वार इस पर प्रबल नहीं होंगे। और मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की

चाबियाँ दूँगा, और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बाँधा हुआ होगा, और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खोला हुआ होगा। तब उसने अपने शिष्यों को आदेश दिया कि वे किसी से न कहें कि वह यीशु मसीह है।

उस समय से यीशु ने अपने चेलों को दिखाना आरंभ किया कि उसे यरूशलेम जाना आवश्यक है और बुजुर्गों, महायाजकों और शास्त्रियों से बहुत कुछ सहना होगा और मारा जाएगा, और तीसरे दिन जिलाया जाएगा। और पतरस ने उसे एक तरफ ले जाकर उसे डांटना शुरू किया और कहा, हे प्रभु, आप पर कृपा हो, ऐसा आपके साथ कदापि नहीं होगा। परन्तु मुड़कर उसने पतरस से कहा, मेरे पीछे चला जा शैतान, तू मेरे लिए ठोकर का कारण है, क्योंकि तू परमेश्वर की बातों पर नहीं, परन्तु मनुष्यों की बातों पर ध्यान देता है।

तब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, यदि कोई मेरे पीछे आना चाहता है, तो वह अपना इनकार करे और अपना क्रूस उठाए और मेरा अनुसरण करे। क्योंकि जो अपनी आत्मा को बचाना चाहेगा, वह उसे खो देगा, लेकिन जो मेरे कारण अपनी आत्मा को खो देगा, वह उसे पाएगा। क्या लाभ होता है मनुष्य को यदि वह पूरा संसार प्राप्त कर ले, लेकिन अपनी आत्मा खो दे? या मनुष्य अपनी आत्मा के बदले में क्या देगा? क्योंकि मनुष्य का पुत्र अपने पिता की महिमा में अपने स्वर्गदूतों के साथ आने वाला है, और तब वह हर एक को उसके कर्म के अनुसार प्रतिफल देगा। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, यहाँ खड़े हुए लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो मृत्यु को तब तक नहीं चखेंगे जब तक वे मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए न देख लें।

17

और छह दिनों के बाद यीशु पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना को साथ लेता है और उनको एक ऊँचे पहाड़ पर अकेले में ले जाता है। और वह उनके सामने रूपांतरित हुआ, और उसका चेहरा सूरज की तरह चमका, और उसके वस्त्र प्रकाश की तरह सफेद हो गए। और देखो, उनको मूसा और एलिय्याह उसके साथ बातचीत करते हुए दिखाई दिए। उत्तर देते हुए पतरस ने यीशु से कहा, हे प्रभु, हमारा यहाँ होना अच्छा है। यदि तू चाहे, तो हम यहाँ तीन तम्बू बनाएं—एक तेरे लिए, एक मूसा के लिए और एक एलिय्याह के लिए। जब वह अभी बोल रहा था, देखो, एक चमकीला बादल ने उन्हें छाया डाल दिया, और देखो, बादल से एक आवाज़ आई जो कह रही थी, यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ; इसकी सुनो। और सुनकर शिष्य अपने चेहरे के बल गिर पड़े और बहुत डर गए। और

यीशु पास आकर उन्हें छूकर बोले, उठो और मत डरो। परन्तु अपने नेत्र उठाकर उन्होंने किसी को नहीं देखा, केवल यीशु को ही देखा। और जब वे पहाड़ से उतर रहे थे, तो यीशु ने उन्हें आदेश देते हुए कहा, किसी को यह दर्शन मत बताना जब तक मनुष्य का पुत्र मृतकों में से जी न उठे। और उसके शिष्यों ने उससे पूछा, तो शास्त्री क्यों कहते हैं कि एलिय्याह का पहले आना आवश्यक है? और Jesus ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, Elijah वास्तव में पहले आता है और सब कुछ बहाल करेगा, लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि एलिय्याह पहले ही आ चुका है, और उन्होंने उसे नहीं पहचाना, बल्कि उन्होंने उसके साथ वह सब किया जो वे चाहते थे। इसी प्रकार मनुष्य का पुत्र भी उनके द्वारा दुःख सहने वाला है। तब शिष्यों ने समझा कि उसने उनसे यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय में कहा था।

और जब वे भीड़ के पास आए, तो एक आदमी उसके पास आया, उसके सामने घुटने टेकते हुए और कहते हुए प्रभु, मेरे पुत्र पर दया करो, क्योंकि वह चंद्रमा-पीड़ित है और बुरी तरह से पीड़ित होता है, क्योंकि वह अक्सर आग में गिरता है और अक्सर पानी में। और मैं उसे तुम्हारे शिष्यों के पास लाया, और वे उसे चंगा करने में सक्षम नहीं थे। उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, हे अविश्वासी और भ्रष्ट पीढ़ी, कब तक मैं तुम्हारे साथ रहूंगा? कब तक मैं तुम्हें सहूंगा? उसे यहाँ मेरे पास लाओ। और यीशु ने उसे डांटा, और दुष्टात्मा उसमें से निकल गया और वह बालक उसी घड़ी से चंगा हो गया। तब शिष्य अकेले में यीशु के पास आए और बोले, हम इसे क्यों नहीं निकाल सके? और यीशु ने उनसे कहा, तुम्हारे अविश्वास के कारण। क्योंकि मैं तुमसे सच कहता हूँ, यदि तुम्हारे पास राई के दाने के समान विश्वास हो, तो तुम इस पहाड़ से कहोगे, यहाँ से वहाँ चले जा, और वह चला जाएगा, और तुम्हारे लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा। यह जाति केवल प्रार्थना और उपवास से ही निकलती है।

जब वे गलील में घूम रहे थे, तो यीशु ने उनसे कहा, मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथों में सौंपा जाने वाला है। और वे उसे मार डालेंगे, और तीसरे दिन वह जी उठेगा। और वे बहुत शोकांत हुए।

जब वे कफरनहूम में आए, तो दो द्राख्मा कर लेने वाले पतरस के पास आए और बोले, क्या तुम्हारा शिक्षक दो द्राख्मा कर नहीं देता? वह कहता है, हाँ। और जब वह घर में प्रवेश किया, यीशु ने पहले उससे कहा, शमौन, तुझे क्या लगता है? पृथ्वी के राजा किनसे कर या खिराज लेते हैं? अपने पुत्रों से या परायों से? पेत्रस ने उससे कहा, दूसरों से। यीशु ने उससे कहा, तो पुत्र स्वतंत्र हैं। ताकि हम उनको अपमान न करें, समुद्र में जाकर कांटा फेंक

और जो पहली मछली ऊपर आए उसे उठा, और उसका मुंह खोलकर तू एक सिक्का पाएगा, उसे लेकर मेरे और तेरे बदले में उनको दे दे।

18

उस घड़ी में शिष्य यीशु के पास आए और कहने लगे, स्वर्ग के राज्य में सबसे बड़ा कौन है? और यीशु ने एक बच्चे को बुलाकर उसे उनके बीच में खड़ा किया और कहा, आमेन, मैं तुमसे कहता हूँ, यदि तुम नहीं मुड़ोगे और बच्चों के समान नहीं बनोगे, तो तुम स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करोगे। जो कोई इसलिए अपने आप को इस बच्चे के समान विनम्र करेगा, वही स्वर्ग के राज्य में सबसे महान है। और जो कोई ऐसे एक बच्चे को मेरे नाम पर ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है, जो कोई इन छोटों में से एक को, जो मुझ में विश्वास करते हैं, ठोकर खिलाए, उसके लिए यह भला होगा कि एक बड़ी चक्की उसके गले में लटकाई जाए और वह समुद्र की गहराई में डुबो दिया जाए। संसार पर धिक्कार है बाधाओं के कारण, क्योंकि बाधाओं का आना आवश्यक है, परन्तु धिक्कार है उस मनुष्य पर जिसके द्वारा बाधा आती है। यदि तुम्हारा हाथ या तुम्हारा पैर तुम्हें ठोकर खिलाता है, तो उन्हें काट डालो और अपने से फेंक दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि लंगड़े या विकलांग होकर जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो हाथ या दो पैर रखते हुए अनन्त आग में फेंके जाओ। और अगर तुम्हारी आंख तुम्हें पाप करवाती है, तो उसे निकाल दो और अपने से फेंक दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि एक आंख से जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो आंखें रखते हुए आग के नरक में फेंके जाओ। देखो, इन छोटों में से किसी एक को तुच्छ मत जानो, क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि स्वर्गों में उनके स्वर्गादूत सदा मेरे पिता का मुख देखते हैं जो स्वर्गों में है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुए को बचाने आया।

क्या तुम्हें लगता है? यदि किसी आदमी के पास सौ भेड़ें हों और उनमें से एक भटक जाए, तो क्या वह नित्यानवे को पहाड़ों पर छोड़कर, जाकर उस भटकी हुई को नहीं ढूँढता है? और यदि वह इसे पा ले, तो सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि वह इस पर उन नित्यानवे से अधिक खुश होता है जो भटके नहीं थे। इस प्रकार तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, यह इच्छा नहीं है कि इन छोटों में से एक भी नष्ट हो।

यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे विरुद्ध पाप करे, तो जाओ और उसे अकेले में, केवल तुम्हारे और उसके बीच फटकारो। यदि वह तुम्हारी सुने, तो तुमने अपने भाई को प्राप्त कर लिया। यदि वह नहीं सुनता है, तो अपने साथ एक या दो को और ले जा, ताकि दो या तीन गवाहों

के मुँह पर हर शब्द स्थापित हो जाए। यदि वह उनकी न सुने, तो सभा से कहो; यदि वह सभा की भी न सुने, तो वह तुम्हारे लिए अन्यजाति और कर संग्रहकर्ता के समान हो। सत्य मैं तुम से कहता हूँ, जितने भी तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वे स्वर्ग में बँधे होंगे, और जितने भी तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वे स्वर्ग में खोले हुए होंगे। फिर मैं तुम से सत्य कहता हूँ कि यदि तुम में से दो पृथ्वी पर किसी भी बात के विषय में सहमत हों जो वे माँगें, तो वह उन्हें मेरे पिता की ओर से जो स्वर्ग में हैं, प्राप्त होगा। क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे हैं, वहाँ मैं उनके बीच में हूँ।

तब पतरस उसके पास आकर बोला, प्रभु, कितनी बार मेरा भाई मेरे विरुद्ध पाप करेगा और मैं उसे क्षमा करूँगा? क्या सात बार तक? यीशु उससे कहते हैं, मैं तुमसे सात बार तक नहीं कहता, बल्कि सत्तर गुना सात बार तक।

इसलिए स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जो अपने दासों के साथ हिसाब करना चाहता था। जब उसने हिसाब लेना शुरू किया, तो उसके पास एक कर्जदार लाया गया जो दस हजार तोड़े का कर्जदार था। लेकिन उसके पास लौटाने के लिए कुछ नहीं होने पर, उसके स्वामी ने आदेश दिया कि उसे और उसकी पत्नी को और बच्चों को और जितना कुछ उसके पास था, सब बेचा जाए और भुगतान किया जाए। इसलिए वह दास गिरकर उसको प्रणाम कर रहा था और कह रहा था, स्वामी, मुझ पर धैर्य रखो और मैं तुमको सब कुछ लौटा दूँगा। लेकिन उस दास के स्वामी को दया आई, उसने उसे छोड़ दिया और उसका ऋण माफ कर दिया। बाहर जाने के बाद उस दास ने अपने साथी दासों में से एक को पाया, जो उसका सौ दीनार देनदार था, और उसे पकड़कर उसका गला घोटने लगा और कहा, जो कुछ तू देनदार है, मुझे लौटा दे। इसलिए उसका साथी दास उसके पैरों में गिरकर उससे विनती करता हुआ कहने लगा, मुझ पर धैर्य रखो और मैं तुझे चुका दूँगा। लेकिन वह इच्छुक नहीं था, बल्कि जाकर उसे कारागार में फेंक दिया जब तक वह बकाया राशि लौटा न दे।

लेकिन उसके साथी दासों ने जो हुआ था उसे देखकर बहुत दुख हुआ, और आकर उन्होंने अपने स्वामी को जो कुछ हुआ था वह सब स्पष्ट रूप से समझाया। तब उसके स्वामी ने उसको बुलाकर उससे कहा, दुष्ट दास, मैंने वह सारा ऋण तुझे छोड़ दिया था, क्योंकि तूने मुझसे विनती की थी। क्या यह आवश्यक नहीं था कि तुम भी अपने साथी दास पर दया करते, जैसे मैंने तुम पर दया की थी? और क्रोधित होकर उसके स्वामी ने उसे यातना देने वालों को सौंप दिया, जब तक वह उसका सारा देय धन लौटा न दे। इस प्रकार मेरा स्वर्गीय

पिता भी तुम्हारे साथ करेगा, यदि तुममें से प्रत्येक अपने भाई के अपराधों को अपने हृदय से क्षमा नहीं करता।

19

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने इन शब्दों को समाप्त किया, तो वह गलील से प्रस्थान करके यर्दन के पार यहूदिया की सीमाओं में आया। और बहुत सी भीड़ें उसके पीछे चलीं, और उसने उन्हें वहाँ चंगा किया। और फरीसी उसके पास आए, उसकी परीक्षा करते हुए और उससे कहते हुए, क्या किसी मनुष्य के लिए अपनी पत्नी को किसी भी कारण से तलाक देना उचित है? लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, क्या तुमने नहीं पढ़ा कि जिसने आरंभ से नर और मादा बनाया, उसने उनको बनाया और कहा, इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़ेगा और अपनी पत्नी से जुड़ेगा, और वे दोनों एक देह होंगे। इसलिए वे अब दो नहीं हैं, बल्कि एक शरीर हैं। जिसे इसलिए भगवान ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे। वे उससे कहते हैं, तो फिर मूसा ने तलाक की पुस्तक देने और उसे तलाक देने की आज्ञा क्यों दी? वह उनसे कहता है कि मूसा ने तुम्हारे हृदय की कठोरता के कारण तुम्हें अपनी पत्नियों को तलाक देने की अनुमति दी, लेकिन आरंभ से ऐसा नहीं था। मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के कारण के बिना तलाक देता है और दूसरी से शादी करता है, वह व्यभिचार करता है, और जो तलाकशुदा स्त्री से शादी करता है, वह भी व्यभिचार करता है। उसके शिष्य उससे कहते हैं, यदि पुरुष का स्त्री के साथ संबंध इस प्रकार है, तो विवाह करना लाभदायक नहीं है। लेकिन उसने उनसे कहा, सब लोग इस वचन को ग्रहण नहीं करते, परन्तु वे जिन्हें यह दिया गया है। क्योंकि कुछ नपुंसक हैं जो माता के गर्भ से ही इस प्रकार जन्मे थे। और कुछ नपुंसक हैं जिन्हें मनुष्यों द्वारा नपुंसक बनाया गया। और कुछ नपुंसक हैं जिन्होंने स्वर्ग के राज्य के कारण स्वयं को नपुंसक बनाया। जो इसे स्वीकार करने में सक्षम है, वह स्वीकार करे।

तब उसके पास बच्चे लाए गए, ताकि वह उन पर हाथ रखे और प्रार्थना करे, परन्तु चेलों ने उन्हें डांटा। यीशु ने कहा, बच्चों को आने दो और उन्हें मेरे पास आने से मत रोको, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का है। और उन पर हाथ रखकर वह वहाँ से चला गया।

और देखो, एक व्यक्ति पास आकर उससे बोला, हे अच्छे गुरु, मैं क्या अच्छा काम करूँ ताकि मुझे अनन्त जीवन मिले? उसने उससे कहा, तुम मुझे अच्छा क्यों कहते हो? कोई भी अच्छा नहीं है, केवल एक परमेश्वर के अलावा। यदि तुम जीवन में प्रवेश करना चाहते हो,

तो आज्ञाओं का पालन करो। वह उससे कहता है, किस प्रकार की? लेकिन यीशु ने कहा, तुम हत्या नहीं करोगे, तुम व्यभिचार नहीं करोगे, तुम चोरी नहीं करोगे, तुम झूठी गवाही नहीं दोगे, पिता और माता का सम्मान करो, और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे। युवा पुरुष उससे कहता है, मैंने ये सब अपनी युवावस्था से रखा है, अब मुझमें क्या कमी है? यीशु ने उससे कहा, यदि तुम परिपूर्ण होना चाहते हो, तो जाओ, अपनी संपत्तियाँ बेचो और गरीबों को दो, और तुम्हें स्वर्ग में खजाना मिलेगा, और यहाँ आओ और मेरा अनुसरण करो। लेकिन वह युवा पुरुष यह वचन सुनकर शोकाकुल होकर चला गया, क्योंकि उसके पास बहुत संपत्ति थी। लेकिन यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि धनी व्यक्ति कठिनाई से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेगा। फिर मैं तुमसे कहता हूँ, ऊंट का सुई के छेद से निकल जाना आसान है, बजाय इसके कि कोई अमीर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे। यह सुनकर उसके शिष्य अत्यधिक चकित हो गए और कहने लगे, तो फिर कौन बचाया जा सकता है? यीशु ने उन्हें देखकर कहा, मनुष्यों के लिए यह असंभव है, परन्तु परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है। तब पतरस ने उत्तर देते हुए उससे कहा, देखो, हम ने सब कुछ छोड़ दिया और तेरा अनुसरण किया है, तो हमें क्या मिलेगा? यीशु ने उनसे कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम जिन्होंने मेरा अनुसरण किया है, पुनर्जन्म में, जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा, तुम भी बारह सिंहासनों पर बैठकर इस्त्राएल के बारह कुलों का न्याय करोगे। और हर कोई जो मेरे नाम के कारण घर या भाइयों या बहनों या पिता या माता या पत्नी या बच्चों या खेतों को छोड़ देगा, वह सौ गुना प्राप्त करेगा और अनन्त जीवन का उत्तराधिकारी होगा। लेकिन बहुत से जो पहले हैं वे अंतिम होंगे, और जो अंतिम हैं वे पहले होंगे।

20

क्योंकि स्वर्ग का राज्य उस घर के स्वामी के समान है, जो सुबह मजदूरों को अपने अंगूर के बाग में किराए पर लेने के लिए बाहर गया। और मजदूरों के साथ एक दीनार प्रतिदिन पर सहमत होकर, उसने उन्हें अपने अंगूर के बाग में भेजा। और बाहर जाकर लगभग तीसरे पहर उसने दूसरों को बाज़ार में बेकार खड़े देखा, और उन्होंने उनसे कहा, तुम भी अंगूर के बगीचे में जाओ, और जो न्यायसंगत होगा वह मैं तुम्हें दूँगा। वे चले गए। फिर वह लगभग छठे और नौवें घंटे बाहर गया और वैसे ही किया। लेकिन ग्यारहवें घंटे के बारे में, बाहर जाकर उसने दूसरों को निष्क्रिय खड़े हुए पाया, और उनसे कहता है, तुम यहाँ पूरे दिन निष्क्रिय क्यों खड़े हो? वे उससे कहते हैं, किसी ने हमें किराए पर नहीं लिया। वह उनसे कहता है, तुम भी अंगूर के बगीचे में जाओ, और जो न्यायसंगत होगा वह तुम्हें मिलेगा। शाम

होने पर अंगूर के बगीचे का मालिक अपने प्रबंधक से कहता है, मजदूरों को बुलाओ और उनको मजदूरी दे दो, अंतिम से शुरू करके पहले तक। और जो ग्यारहवें घंटे के आसपास आए थे, उन्होंने एक-एक दीनार लिया। लेकिन पहले आने वालों ने सोचा कि वे अधिक लेंगे, और उन्होंने भी प्रत्येक एक दीनार लिया। लेकिन लेकर, वे घर के मालिक के विरुद्ध बड़बड़ाने लगे। कहते हुए कि इन अंतिम लोगों ने एक घंटा काम किया, और तूने उनको हमारे बराबर कर दिया, जिन्होंने दिन का बोझ और गर्मी सहन की। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनमें से एक से कहा, मित्र, मैं तुम्हारे साथ अन्याय नहीं कर रहा हूँ, क्या तुमने मुझसे एक दीनार पर सहमति नहीं की थी? अपना उठाओ और जाओ, लेकिन मैं इस अंतिम व्यक्ति को भी उतना ही देना चाहता हूँ जितना तुम्हें। या क्या मुझे अपनी चीजों में जो मैं चाहता हूँ वह करने की अनुमति नहीं है? यदि तुम्हारी आँख दुष्ट है क्योंकि मैं अच्छा हूँ? इस प्रकार अंतिम प्रथम होंगे और प्रथम अंतिम होंगे, क्योंकि अनेक बुलाए गए हैं, लेकिन थोड़े चुने गए हैं।

और यीशु यरूशलेम जाते समय बारह शिष्यों को रास्ते में अलग ले गए और उनसे कहा, देखो, हम यरूशलेम जा रहे हैं, और मनुष्य का पुत्र प्रधान याजकों और शास्त्रियों को सौंपा जाएगा और वे उसे मृत्यु की सजा देंगे। और वे उसे राष्ट्रों को सौंपेंगे ताकि उपहास करें और कोड़े मारें और क्रूस पर चढ़ाएं, और तीसरे दिन वह जी उठेगा।

तब जेबेदी के पुत्रों की माता अपने पुत्रों के साथ उसके पास आई, प्रणाम करती हुई और उससे कुछ मांगती हुई। उसने उससे कहा, तुम क्या चाहती हो? वह उससे कहती है, कहो कि मेरे ये दो पुत्र तुम्हारे राज्य में बैठें, एक तुम्हारे दाहिने और एक तुम्हारे बाएं। उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, तुम नहीं जानते कि तुम क्या मांग रहे हो। क्या तुम उस प्याले को पी सकते हो जो मैं पीने वाला हूँ, या उस बपतिस्मा को ले सकते हो जो मैं लेने वाला हूँ? वे उससे कहते हैं, हम सक्षम हैं। और वह उनसे कहता है, मेरे प्याले को तो तुम पीओगे, और जिस बपतिस्मा से मैं बपतिस्मा लेता हूँ उससे तुम भी बपतिस्मा लोगे, लेकिन मेरे दाहिने और मेरे बाएँ बैठाना मेरा अधिकार नहीं है, बल्कि यह उनके लिए है जिनके लिए मेरे पिता द्वारा तैयार किया गया है। और दसों ने यह सुनकर दोनों भाइयों पर क्रोध किया। लेकिन यीशु ने उन्हें बुलाकर कहा, तुम जानते हो कि जातियों के शासक उन पर प्रभुता करते हैं और महान लोग उन पर अधिकार जताते हैं। तुम्हारे बीच ऐसा नहीं होगा, लेकिन जो कोई तुम्हारे बीच महान बनना चाहता है, वह तुम्हारा सेवक होगा। और जो तुम में पहला होना चाहता है, वह तुम्हारा दास होगा। जैसे मनुष्य का पुत्र सेवा किए जाने नहीं आया, लेकिन सेवा करने और अपनी आत्मा को बहुतों के स्थान पर मुक्ति-धन देने आया।

और जब वे यरीहो से जा रहे थे, तो एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चली। और देखो, दो अंधे रास्ते के किनारे बैठे हुए थे। जब उन्होंने सुना कि यीशु गुजर रहे हैं, तो वे चिल्लाए और कहने लगे, हे प्रभु, दाऊद के पुत्र, हम पर दया करो। परन्तु भीड़ ने उन्हें डाँटा ताकि वे चुप रहें, परन्तु वे और अधिक पुकारते हुए कहने लगे, हम पर दया कीजिए, प्रभु, दाऊद के पुत्र। और यीशु खड़े होकर उन्हें बुलाया और कहा, तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ? वे उससे कहते हैं, प्रभु, हमारी आँखें खोली जाएं। करुणा से भरकर यीशु ने उनकी आँखों को छुआ, और तुरंत उनकी आँखें देखने लगीं, और वे उसका अनुसरण करने लगे।

21

और जब वे यरुशलम के पास आए और जैतून के पहाड़ की ओर बेटफगे में आए, तब यीशु ने दो चेलों को भेजा। उनसे कहते हुए, तुम्हारे सामने वाले गाँव में जाओ, और तुरंत तुम एक बंधी हुई गधी और उसके साथ एक बच्चा पाओगे, उन्हें खोलकर मेरे पास लाओ। और अगर कोई तुमसे कुछ कहे, तो तुम कहोगे कि प्रभु को उनकी जरूरत है, और वह तुरंत उन्हें वापस भेज देगा। यह सब इसलिए हुआ ताकि वह पूरा हो जाए जो भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था। सियोन की पुत्री से कहो, देखो, तुम्हारा राजा तुम्हारे पास आ रहा है, वह नम्र है और गधी पर सवार है, जूए वाले पशु के बच्चे पर।

और शिष्य गए और उन्होंने वैसा ही किया जैसा यीशु ने उन्हें आज्ञा दी थी, वे गधी और बछड़े को लाए, और उन्होंने उनके ऊपर अपने वस्त्र रखे, और वह उनके ऊपर बैठा। और सबसे बड़ी भीड़ ने अपने वस्त्र मार्ग में बिछाए, और दूसरों ने पेड़ों से शाखाएँ काटीं और मार्ग में बिछाईं। और वे भीड़ें जो आगे जा रही थीं और जो पीछे आ रही थीं, पुकार रही थीं और कह रही थीं, होशाना दाऊद के पुत्र को, धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आ रहा है, होशाना सर्वोच्च में।

और जब वह यरुशलम में प्रवेश कर रहा था, तो सारा शहर हिल गया और कहने लगा, यह कौन है? और भीड़ कह रही थी, यह यीशु नबी है जो गलील के नासरत से है।

और यीशु परमेश्वर के मंदिर में प्रवेश किया, और उसने मंदिर में बेचने वाले और खरीदने वाले सभी लोगों को निकाल दिया, और सर्राफों की मेज़ें उलट दीं और कबूतर बेचने वालों के आसन उलट दिए। और वह उनसे कहता है, लिखा गया है, मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा, लेकिन तुमने उसे डाकुओं की गुफा बना दिया है।

और लंगड़े और अंधे मंदिर में उसके पास आए, और उसने उन्हें चंगा किया। लेकिन मुख्य याजकों और शास्त्रियों ने जब वे चमत्कार देखे जो उसने किए, और बच्चों को मंदिर में पुकारते हुए सुना कि दाऊद के पुत्र को होशाना, तो वे क्रोधित हुए। और उन्होंने उससे कहा, क्या तुम सुनते हो कि ये क्या कह रहे हैं? और यीशु ने उनसे कहा, हाँ, क्या तुमने कभी नहीं पढ़ा कि शिशुओं और दूध पीते बच्चों के मुँह से मैंने स्तुति तैयार की? और उन्हें छोड़कर वह शहर के बाहर बैतनिय्याह गया और वहाँ ठहरा।

सुबह शहर लौटते हुए वह भूखा हुआ और रास्ते पर एक अंजीर का पेड़ देखकर वह उसके पास आया, और उसमें पत्तों के अलावा कुछ नहीं पाया, और उससे कहा, अब से तुममें कभी फल न लगे। और अंजीर का पेड़ तुरंत सूख गया। और शिष्यों ने यह देखकर आश्चर्य किया और कहा, यह अंजीर का पेड़ तुरंत कैसे सूख गया? उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, यदि तुम्हारे पास विश्वास हो और तुम संदेह न करो, तो तुम न केवल अंजीर के पेड़ जैसा करोगे, बल्कि यदि तुम इस पहाड़ से कहो, उठाया जा और समुद्र में फेंका जा, तो ऐसा हो जाएगा। और जितना भी तुम प्रार्थना में विश्वास करते हुए मांगोगे, वह सब तुम्हें प्राप्त होगा।

और जब वह मंदिर में आया, तो प्रधान याजक और लोगों के बुजुर्ग उसके पास आए जब वह सिखा रहा था, और कहने लगे, तू किस अधिकार से ये काम करता है, और तुझे यह अधिकार किसने दिया? उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, मैं भी तुमसे एक बात पूछूंगा, जो यदि तुम मुझे बताओ, तो मैं भी तुम्हें बताऊंगा कि किस अधिकार से मैं ये काम करता हूँ। यूहन्ना का बपतिस्मा कहाँ से था, स्वर्ग से या मनुष्यों से? और वे आपस में विचार करने लगे और कहने लगे, यदि हम कहें, स्वर्ग से, तो वह हमसे कहेगा, फिर तुमने उस पर विश्वास क्यों नहीं किया? लेकिन यदि हम कहें कि मनुष्यों से, तो हम भीड़ से डरते हैं, क्योंकि सब यूहन्ना को भविष्यवक्ता मानते हैं। और यीशु को उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, हम नहीं जानते हैं। उसने उनसे कहा, और मैं भी तुमसे नहीं कहता हूँ कि मैं ये किस अधिकार से करता हूँ।

लेकिन तुम्हें क्या लगता है? एक आदमी के दो बच्चे थे, और पहले के पास जाकर उसने कहा, बेटा, आज जाओ और मेरे अंगूर के बाग में काम करो। लेकिन उत्तर देते हुए उसने कहा, मैं नहीं चाहता, लेकिन बाद में पछताकर वह चला गया। और दूसरे के पास जाकर उसने भी वैसा ही कहा। उसने उत्तर देते हुए कहा, मैं जाता हूँ, स्वामी, परन्तु वह नहीं गया। दोनों में से किसने पिता की इच्छा पूरी की? वे उससे कहते हैं, पहले ने। यीशु उनसे कहते हैं, मैं तुमसे सच कहता हूँ कि कर वसूलने वाले और वेश्याएँ तुमसे पहले परमेश्वर के राज्य में

प्रवेश कर रही हैं। क्योंकि यूहन्ना धार्मिकता के मार्ग में तुम्हारे पास आया, और तुमने उस पर विश्वास नहीं किया, लेकिन कर वसूलने वाले और वेश्याओं ने उस पर विश्वास किया। तुमने यह देखकर भी बाद में पश्चाताप नहीं किया ताकि उस पर विश्वास कर सको।

दूसरा दृष्टान्त सुनो। एक आदमी था जो घर का स्वामी था, जिसने अंगूर का बगीचा लगाया और उसके चारों ओर बाड़ लगाई और उसमें रस निकालने का कुंड खोदा और मीनार बनाई, और उसे किसानों को पट्टे पर दिया और विदेश चला गया। जब फलों का समय पास आया, तो उसने अपने दासों को किसानों के पास अपने फल लेने के लिए भेजा। और किसानों ने उसके दासों को पकड़कर किसी को पीटा, किसी को मार डाला, और किसी को पत्थर मारे। फिर उसने पहले से अधिक अन्य दासों को भेजा, और उन्होंने उनके साथ भी वैसा ही किया। बाद में उसने अपने पुत्र को उनके पास भेजा और कहा, वे मेरे पुत्र का सम्मान करेंगे। लेकिन किसानों ने बेटे को देखकर आपस में कहा, यह वारिस है, आओ हम इसे मार डालें और इसकी विरासत पर कब्ज़ा कर लें। और उन्होंने उसे पकड़कर अंगूर के बगीचे के बाहर निकाला और मार डाला। इसलिए जब अंगूर के बगीचे का मालिक आएगा, तो वह उन किसानों के साथ क्या करेगा? वे उससे कहते हैं, वह दुष्टों को बुरी तरह से नष्ट कर देगा, और अंगूर के बगीचे को दूसरे किसानों को किराये पर दे देगा, जो उसे उनके समय पर फल वापस देंगे। यीशु उनसे कहते हैं, क्या तुमने कभी शास्त्रों में नहीं पढ़ा, जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार किया, वह कोने का सिरा बन गया, यह प्रभु की ओर से हुआ, और यह हमारी दृष्टि में अद्भुत है?

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ कि परमेश्वर का राज्य तुमसे ले लिया जाएगा और उस राष्ट्र को दिया जाएगा जो उसके फल उत्पन्न करता है। और जो इस पत्थर पर गिरेगा, वह चकनाचूर हो जाएगा, और जिस पर वह गिरेगा, उसे पीस डालेगा। और मुख्य पुजारियों और फरीसियों ने उसके दृष्टान्त सुनकर जान लिया कि वह उनके बारे में कह रहा है। और वे उसे पकड़ना चाहते थे, परन्तु वे भीड़ों से डरे, क्योंकि वे उसे भविष्यवक्ता मानते थे।

22

और यीशु ने उत्तर देते हुए फिर उनसे दृष्टान्तों में कहा, स्वर्ग का राज्य एक राजा के समान था, जिसने अपने पुत्र के लिए विवाह का आयोजन किया। और उसने अपने दासों को भेजा कि विवाह में बुलाए गए लोगों को बुलाएं, और वे आना नहीं चाहते थे। फिर उसने अन्य दासों को यह कहते हुए भेजा, निमंत्रित लोगों से कहो, देखो, मैंने अपना भोज तैयार कर

लिया है, मेरे बैल और मोटे पशु मारे जा चुके हैं, और सब कुछ तैयार है, विवाह में आओ। लेकिन उन्होंने उपेक्षा करते हुए चले गए, एक अपने खेत में, और दूसरा अपने व्यापार में, लेकिन शेष लोगों ने उसके दासों को पकड़कर अपमान किया और मार डाला। सुनकर वह राजा क्रोधित हुआ, और अपनी सेनाएँ भेजकर उसने उन हत्यारों को नष्ट कर दिया और उनके शहर को जला दिया। तब वह अपने दासों से कहता है, निश्चय विवाह तैयार है, लेकिन जो बुलाए गए थे वे योग्य नहीं थे। इसलिए रास्तों के निकास पर जाओ, और जितने भी तुम्हें मिलें उन्हें विवाह में बुलाओ। और वे दास बाहर जाकर रास्तों में उन सबको इकट्ठा किया जितने उन्होंने पाया, बुरे और अच्छे दोनों, और विवाह भोज अतिथियों से भर गया। लेकिन राजा प्रवेश करके लेटे हुए लोगों को देखने के लिए आया और उसने वहाँ एक आदमी को देखा जो विवाह का वस्त्र नहीं पहने हुए था। और उससे कहता है, मित्र, तुम यहाँ बिना विवाह का वस्त्र पहने कैसे आ गए? लेकिन वह चुप हो गया। तब राजा ने सेवकों से कहा, उसके हाथ और पैर बाँधकर उसे उठाओ और बाहरी अंधकार में फेंक दो, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। क्योंकि बहुत से बुलाए गए हैं, लेकिन कम चुने गए हैं।

तब फरीसी जाकर परामर्श करने लगे ताकि उसे बातों में फंसाएं। और वे अपने शिष्यों को हेरोदियों के साथ उसके पास भेजते हैं, यह कहते हुए, गुरु, हम जानते हैं कि आप सच्चे हैं और परमेश्वर के मार्ग को सच्चाई से सिखाते हैं, और आपको किसी की चिंता नहीं है, क्योंकि आप मनुष्यों के चेहरे को नहीं देखते, इसलिए हमें बताओ, तुम्हें क्या लगता है; क्या कैसर को कर देना वैध है या नहीं? लेकिन यीशु ने उनकी दुष्टता जानकर कहा, हे पाखंडियो, तुम मेरी परीक्षा क्यों लेते हो? मुझे कर का सिक्का दिखाओ। और वे उसके पास एक दीनार लाए। और वह उनसे कहता है, यह छवि और यह शिलालेख किसका है? वे उससे कहते हैं, कैसर का। तब वह उनसे कहता है, इसलिए जो कैसर का है वह कैसर को दो, और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो। और सुनकर वे आश्चर्यचकित हुए, और उसे छोड़कर चले गए।

उस दिन सदूकी उसके पास आए, जो कहते थे कि पुनरुत्थान नहीं होता, और उन्होंने उससे पूछा कहते हुए, हे गुरु, मूसा ने कहा था कि यदि कोई बिना संतान के मर जाए, तो उसका भाई उसकी पत्नी से विवाह करेगा और अपने भाई के लिए वंश उत्पन्न करेगा। हमारे बीच सात भाई थे, और पहले ने विवाह करके मृत्यु पाई, और संतान न होने के कारण उसने अपनी पत्नी को अपने भाई के लिए छोड़ दिया। इसी प्रकार दूसरा और तीसरा भी, सातों तक। बाद में सभी के बाद वह स्त्री भी मर गई। इसलिए पुनरुत्थान में उन सातों में से वह स्त्री किसकी होगी? क्योंकि सभी ने उसे रखा था। उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, तुम धोखे में

हो क्योंकि तुम शास्त्रों को नहीं जानते और न ही परमेश्वर की शक्ति को। क्योंकि पुनरुत्थान में न तो वे विवाह करते हैं और न ही विवाह में दिए जाते हैं, बल्कि स्वर्ग में परमेश्वर के स्वर्गदूतों के समान हैं। लेकिन मृतकों के पुनरुत्थान के बारे में, क्या तुमने वह नहीं पढ़ा जो तुम्हें परमेश्वर द्वारा कहा गया था, जो कहते हैं, मैं अब्राहम का ईश्वर हूँ और इसहाक का ईश्वर हूँ और याकूब का ईश्वर हूँ; ईश्वर मृतकों का ईश्वर नहीं है, बल्कि जीवितों का है। और भीड़ें उसकी शिक्षा सुनकर चकित हो गईं।

लेकिन वह फरीसी, यह सुनकर कि उसने सद्कियों को चुप करा दिया था, स्वयं एकत्रित हुए। और उनमें से एक ने, जो एक वकील था, उसकी परीक्षा लेते हुए पूछा और कहा, शिक्षक, कानून में कौन सी आज्ञा महान है? परन्तु यीशु ने उससे कहा, तू अपने प्रभु परमेश्वर से अपने सम्पूर्ण हृदय से और अपने सम्पूर्ण प्राण से और अपनी सम्पूर्ण बुद्धि से प्रेम करेगा। यह पहली और महान आज्ञा है। दूसरी आज्ञा इसके समान है, तुम अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे। इन दो आज्ञाओं पर संपूर्ण व्यवस्था और भविष्यवक्ता निर्भर हैं।

फरीसियों के एकत्रित होने पर यीशु ने उनसे पूछा कहते हुए, तुम्हें मसीह के बारे में क्या लगता है? वह किसका पुत्र है? वे उससे कहते हैं, दाऊद का। वह उनसे कहता है, तो फिर दाऊद आत्मा में उसे प्रभु कैसे कहता है, यह कहते हुए, प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठो जब तक मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों की पाद-पीठ न बना दूँ।

यदि इसलिए दाऊद उसे प्रभु कहता है, तो वह उसका पुत्र कैसे है?

और कोई भी उसे उत्तर देने में सक्षम नहीं था, और न ही उस दिन से किसी ने उससे फिर कभी प्रश्न पूछने का साहस किया।

23

तब यीशु ने भीड़ों और अपने चेलों से बात की। कहते हुए, मूसा के आसन पर शास्त्री और फरीसी बैठे हैं। इसलिए जितना भी वे तुम्हें रखने के लिए कहें, सब रखो और करो, लेकिन उनके कार्यों के अनुसार मत करो, क्योंकि वे कहते हैं और करते नहीं हैं। वे भारी और कठिन सहने वाले बोझ बांधते हैं और उन्हें मनुष्यों के कंधों पर रखते हैं, लेकिन अपनी उंगली से वे उन्हें हिलाना नहीं चाहते। लेकिन वे अपने सब काम लोगों को दिखाने के लिए करते हैं। क्योंकि वे अपने ताबीज चौड़े करते हैं और अपने वस्त्रों की झालर बड़ी करते हैं, वे भोजों

में सम्मान के स्थान और सभाओं में मुख्य सीटों से प्रेम करते हैं। और बाज़ारों में अभिवादन और मनुष्यों द्वारा रब्बी रब्बी बुलाए जाने को। लेकिन तुम रब्बी मत कहलाओ, क्योंकि तुम्हारा एक ही शिक्षक है, वह मसीह, और तुम सब भाई हो। और पृथ्वी पर अपने पिता को मत बुलाओ, क्योंकि तुम्हारा पिता एक है, जो स्वर्ग में है। न ही तुम शिक्षक कहलाओ, क्योंकि तुम्हारा एक ही शिक्षक है, वह मसीह। जो तुममें बड़ा है, वह तुम्हारा सेवक होगा। जो कोई अपने आप को ऊंचा करेगा, वह नीचा किया जाएगा, और जो कोई अपने आप को नीचा करेगा, वह ऊंचा किया जाएगा।

धिक्कार है तुम्हें, हे शास्त्रियों और फरीसियों, हे कपटियों, क्योंकि तुम विधवाओं के घरों को निगल जाते हो और बहाने से लंबी प्रार्थना करते हो, इस कारण तुम अधिक कठोर न्याय प्राप्त करोगे। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, हे पाखंडियों! क्योंकि तुम मनुष्यों के सामने स्वर्ग के राज्य को बंद कर देते हो। तुम स्वयं तो प्रवेश नहीं करते, और न ही प्रवेश करने वालों को प्रवेश करने देते हो। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों, क्योंकि तुम एक धर्मान्तरित बनाने के लिए समुद्र और सूखी भूमि की यात्रा करते हो, और जब वह बन जाता है, तो तुम उसे अपने से दुगुना नरक का पुत्र बना देते हो। धिक्कार है तुम्हें, हे अंधे मार्गदर्शकों, जो कहते हो, जो कोई मंदिर में शपथ लेता है, वह कुछ नहीं है, लेकिन जो कोई मंदिर के सोने में शपथ लेता है, वह बाध्य है। हे मुखौं और अंधों! क्या अधिक महान है - सोना, या वह मंदिर जो सोने को पवित्र करता है? और जो वेदी की शपथ लेता है, वह कुछ नहीं है, परन्तु जो उसके ऊपर की भेंट की शपथ लेता है, वह बाध्य है। हे मुखौं और अंधों, क्या अधिक है - वह उपहार या वह वेदी जो उपहार को पवित्र करती है? इसलिए जो वेदी की शपथ खाता है, वह उसकी और उस पर रखी सब वस्तुओं की शपथ खाता है। और जो मंदिर की शपथ लेता है, वह उसकी और उसमें निवास करने वाले की शपथ लेता है। और जो स्वर्ग की शपथ खाता है, वह परमेश्वर के सिंहासन की और उस पर बैठे हुए की शपथ खाता है। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, हे पाखंडियों! क्योंकि तुम पुदीने, सोए और जीरे का दशमांश देते हो, परन्तु तुमने व्यवस्था की भारी बातों को छोड़ दिया है—न्याय, दया और विश्वास। ये तो करना आवश्यक था और उन्हें भी नहीं छोड़ना चाहिए था। अंधे मार्गदर्शक, जो मच्छर को छानते हैं, परन्तु ऊंट को निगल जाते हैं। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, हे पाखंडियों! क्योंकि तुम प्याले और थाली को बाहर से साफ करते हो, लेकिन भीतर से वे लूट और अन्याय से भरे हुए हैं। हे अंधे फरीसी, पहले प्याले और थाली के भीतर को शुद्ध करो, ताकि उनका बाहर भी शुद्ध हो जाए। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों! क्योंकि तुम चूना पुती कब्रों के समान हो, जो बाहर से सुंदर दिखाई देती हैं, परन्तु भीतर से मृत लोगों की हड्डियों और सब प्रकार

की अशुद्धता से भरी हैं। इस प्रकार तुम भी बाहर से लोगों को धार्मिक प्रतीत होते हो, लेकिन भीतर से पाखंड और अधर्म से भरे हुए हो। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों, क्योंकि तुम भविष्यवक्ताओं की कब्रें बनाते हो और धर्मियों के स्मारकों को सजाते हो, और कहते हो, यदि हम अपने पिताओं के दिनों में होते, तो हम भविष्यवक्ताओं के रक्त में उनके साझीदार नहीं होते। इस प्रकार तुम अपने विषय में गवाही देते हो कि तुम उनके पुत्र हो जिन्होंने भविष्यवक्ताओं की हत्या की थी। और तुम अपने पिताओं के माप को भर दो। सर्पों, नागों की संतान, तुम नरक के न्याय से कैसे बचोगे? इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यवक्ता और बुद्धिमान और शास्त्री भेजता हूँ, और उनमें से कुछ को तुम मार डालोगे और सूली पर चढ़ाओगे, और उनमें से कुछ को तुम अपनी सभाओं में कोड़े मारोगे और नगर से नगर तक सताओगे। ताकि पृथ्वी पर बहाए गए हर धर्मी के खून का दोष तुम पर आए, धर्मी हाबिल के खून से लेकर जकर्याह के खून तक, जो बरक्याह का पुत्र था, जिसे तुमने मंदिर और वेदी के बीच में हत्या की थी। मैं तुमसे सच कहता हूँ कि ये सब इस पीढ़ी पर आएगा। यरूशलेम, यरूशलेम, जो भविष्यवक्ताओं को मार डालती है और अपने पास भेजे गए लोगों पर पत्थर फेंकती है, कितनी बार मैंने चाहा कि तुम्हारे बच्चों को इकट्ठा करूँ जिस तरह से मुर्गी अपने चूजों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करती है, और तुमने नहीं चाहा। देखो, तुम्हारा घर तुम्हारे लिए उजाड़ छोड़ दिया जाता है। मैं तुम से कहता हूँ, तुम मुझे अब से तब तक नहीं देखोगे जब तक तुम न कहो, धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आता है।

24

और यीशु मंदिर से बाहर जा रहे थे, और उनके शिष्य उन्हें मंदिर की इमारतें दिखाने के लिए आए। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, क्या तुम यह सब नहीं देखते? मैं तुमसे सच कहता हूँ, यहाँ पत्थर पर पत्थर नहीं छोड़ा जाएगा जो गिराया नहीं जाएगा। लेकिन जब वह जैतून के पहाड़ पर बैठा था, तो शिष्य अकेले में उसके पास आए और कहने लगे, हमें बताओ, ये बातें कब होंगी, और तेरे आगमन का और युग की समाप्ति का क्या चिन्ह होगा? और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, देखो कि कोई तुम्हें भटकाए नहीं। क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम पर आएंगे और कहेंगे, मैं मसीह हूँ, और बहुतों को धोखा देंगे। तुम युद्धों और युद्धों की अफवाहें सुनने वाले होगे, लेकिन देखो कि परेशान मत होना, क्योंकि सब कुछ होना आवश्यक है, लेकिन अभी तक अंत नहीं है। क्योंकि राष्ट्र राष्ट्र के विरुद्ध और राज्य राज्य के विरुद्ध उठेगा, और अकाल और महामारियाँ और भूकंप विभिन्न स्थानों में होंगे। लेकिन ये सब चीजें प्रसव पीड़ाओं की शुरुआत हैं। तब वे तुम्हें क्लेश में सौंप देंगे और तुम्हें मार डालेंगे, और तुम सब राष्ट्रों द्वारा मेरे नाम के कारण घृणा किए जाओगे। और तब बहुत से

लोग ठोकर खाएंगे और एक दूसरे को पकड़वा देंगे और एक दूसरे से नफरत करेंगे। और बहुत से झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे और बहुतों को भटका देंगे। और अधर्म के बढ़ने के कारण बहुतों का प्रेम ठंडा हो जाएगा। लेकिन जो अंत तक सहन करेगा, वह बचाया जाएगा। और यह राज्य का शुभ समाचार संपूर्ण संसार में सभी राष्ट्रों के लिए गवाही के रूप में घोषित किया जाएगा, और तब अंत आएगा। इसलिए जब तुम उस उजाड़ की घृणित वस्तु को देखो जो दानियेल भविष्यवक्ता के द्वारा कही गई थी और जो पवित्र स्थान में खड़ी है, तो जो पढ़े वह समझ ले। तब जो यहूदिया में हैं, वे पहाड़ों पर भाग जाएं। जो छत पर हैं, वह अपने घर से सामान लेने के लिए नीचे न उतरे। और जो खेत में हैं, वह अपने वस्त्र उठाने के लिए पीछे न लौटे। धिक्कार है उन्हें जो उन दिनों में गर्भवती होंगी और उन्हें जो स्तनपान करा रही होंगी। लेकिन प्रार्थना करो कि तुम्हारा पलायन सर्दियों में न हो और न सब के दिन। क्योंकि तब ऐसा महान क्लेश होगा, जैसा संसार के आरंभ से अब तक न हुआ है और न कभी होगा। और यदि वे दिन छोटे नहीं किए गए होते, तो कोई भी देह बचाया नहीं जाता, लेकिन चुने हुए लोगों के कारण वे दिन छोटे किए जाएंगे। तब यदि कोई तुमसे कहे, देखो, यहाँ मसीह है या यहाँ, तो विश्वास मत करना। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे और महान निशानियाँ और चमत्कार दिखाएंगे, ताकि यदि संभव हो तो चुने हुएों को भी भटका दें। देखो, मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है। यदि इसलिए वे तुमसे कहें, देखो, वह जंगल में है, तो बाहर मत जाओ; देखो, वह भीतरी कक्षों में है, तो विश्वास मत करो, क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलती है और पश्चिम तक दिखाई देती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आगमन होगा, क्योंकि जहाँ शव हो, वहाँ गिद्ध इकट्ठा होंगे।

उन दिनों के क्लेश के तुरंत बाद, सूर्य अंधकारमय हो जाएगा और चंद्रमा अपना प्रकाश नहीं देगा, और तारे आकाश से गिरेंगे, और आकाशों की शक्तियाँ हिलाई जाएंगी।

और तब मनुष्य के पुत्र का चिह्न स्वर्ग में प्रकट होगा, और तब पृथ्वी के सब कुल विलाप करेंगे और मनुष्य के पुत्र को स्वर्ग के बादलों पर बहुत सामर्थ्य और महिमा के साथ आते हुए देखेंगे। और वह अपने दूतों को महान तुरही की आवाज़ के साथ भेजेगा, और वे उसके चुने हुएों को चारों हवाओं से, आकाशों के एक छोर से दूसरे छोर तक इकट्ठा करेंगे। लेकिन अंजीर के पेड़ से दृष्टान्त सीखो। जब उसकी शाखा कोमल हो जाती है और पत्ते अंकुरित होते हैं, तो तुम जानते हो कि गर्मी निकट है। इस प्रकार तुम भी, जब ये सब बातें देखो, तो जान लो कि वह निकट है, दरवाजे पर है। मैं तुमसे सच कहता हूँ, यह पीढ़ी नहीं गुजरेगी जब तक कि ये सब बातें पूरी न हो जाएँ। वह स्वर्ग और वह पृथ्वी नष्ट हो जाएंगे, लेकिन मेरे शब्द कभी नष्ट नहीं होंगे। लेकिन उस दिन और घड़ी के विषय में कोई नहीं

जानता, न ही स्वर्ग के दूत, केवल मेरा पिता अकेला जानता है। जैसे नूह के दिन थे, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आगमन भी होगा। क्योंकि जैसे वे उन दिनों में थे जो बाढ़ से पहले के थे, खाते और पीते थे, विवाह करते और विवाह में देते थे, उस दिन तक जब नूह जहाज़ में प्रवेश किया, और उन्होंने नहीं जाना जब तक जलप्रलय आया और सबको उठा ले गया, इसी प्रकार मनुष्य के पुत्र का आगमन भी होगा। तब दो खेत में होंगे, एक को ले लिया जाएगा और एक को छोड़ दिया जाएगा। दो स्त्रियाँ चक्की में पीस रही हैं, एक ली जाती है और एक छोड़ी जाती है। इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस घड़ी आता है। लेकिन यह जान लो कि अगर घर का मालिक जानता कि चोर किस पहर आता है, तो वह जागता रहता और अपने घर को तोड़े जाने की अनुमति नहीं देता। इसलिए तुम भी तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी तुम नहीं सोचते, मनुष्य का पुत्र आता है।

तो कौन है वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास, जिसे उसके स्वामी ने अपनी सेवा पर नियुक्त किया कि उनको समय पर भोजन दे? धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर इस प्रकार करते हुए पाएगा। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर नियुक्त करेगा। यदि वह बुरा दास अपने हृदय में कहे, मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है, और वह अपने साथी दासों को मारना शुरू करे, और नशे में धुत लोगों के साथ खाए-पिए, उस दास का स्वामी ऐसे दिन आएगा जब वह अपेक्षा नहीं करता है और ऐसी घड़ी में जब वह नहीं जानता है और वह उसे दो टुकड़ों में काट देगा, और उसका भाग पाखंडियों के साथ रखेगा, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

25

तब स्वर्ग का राज्य दस कुंवारियों के समान होगा, जिन्होंने अपने दीपक लेकर दूल्हे से मिलने के लिए निकल गईं। पाँच उनमें से बुद्धिमान थीं और पाँच मूर्ख थीं। जो मूर्ख थीं, उन्होंने अपने दीपक लेकर अपने साथ तेल नहीं लिया लेकिन बुद्धिमान स्त्रियों ने अपने दीपकों के साथ अपने बर्तनों में तेल लिया। लेकिन दूल्हे के देरी करते हुए, सब ऊँघने लगीं और सो गईं। मध्य रात में चिल्लाहट हुई, देखो, दूल्हा आ रहा है! उससे मिलने के लिए निकलो। तब वे सब कुंवारियाँ उठीं और उन्होंने अपने दीपक सजाए। और मूर्ख स्त्रियों ने बुद्धिमान स्त्रियों से कहा, हमें अपने तेल में से दो, क्योंकि हमारी मशालें बुझ रही हैं। लेकिन बुद्धिमानों ने उत्तर दिया कहते हुए, कहीं ऐसा न हो कि हमारे और तुम्हारे लिए पर्याप्त न हो, बल्कि तुम बेचने वालों के पास जाओ और अपने लिए खरीदो। जब वे खरीदने जा रहे थे, तब दूल्हा आया और जो तैयार थीं, वे उसके साथ विवाह में प्रवेश कीं, और दरवाजा बंद कर

दिया गया। बाद में शेष कुंवारीयाँ भी आती हैं और कहती हैं, हे स्वामी, हे स्वामी, हमारे लिए खोलो। परन्तु उत्तर देते हुए उसने कहा, सच मैं तुमसे कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता। इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम न तो उस दिन को जानते हो और न उस घड़ी को जिसमें मनुष्य का पुत्र आता है।

जैसे कि एक मनुष्य यात्रा पर जाते समय अपने दासों को बुलाया और उनको अपनी संपत्ति सौंप दी। और उसने एक को पाँच तालान्त दिए, दूसरे को दो, और तीसरे को एक, प्रत्येक को उसकी अपनी शक्ति के अनुसार, और वह तुरंत विदेश चला गया। जो पाँच तालान्त लेकर गया था, उसने उनमें काम किया और पाँच तालान्त और बनाए। इसी प्रकार जिसके पास दो थे उसने भी दो और कमाए। लेकिन जिसने एक लिया, वह चला गया और भूमि में खोदा और अपने स्वामी की चाँदी छिपा दी। लेकिन बहुत समय के बाद उन दासों का स्वामी आता है और उनके साथ हिसाब निपटारा करता है। और जो पाँच तोड़े लेकर गया था, वह पास आया और अन्य पाँच तोड़े प्रस्तुत करते हुए बोला, स्वामी, आपने मुझे पाँच तोड़े सौंपे थे। देखिए, मैंने उन पर पाँच तोड़े और कमाए हैं। उसके स्वामी ने उससे कहा, शाबाश, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास! तुम थोड़ी चीज़ों पर विश्वासयोग्य रहे, मैं तुम्हें बहुत चीज़ों पर नियुक्त करूँगा। अपने स्वामी के आनंद में प्रवेश करो। पास आकर जिसने दो प्रतिभाएँ ली थीं, उसने कहा, स्वामी, आपने मुझे दो प्रतिभाएँ सौंपी थीं। देखिए, मैंने उन पर दो और प्रतिभाएँ कमाई हैं। उसके स्वामी ने उससे कहा, अच्छा, हे अच्छे और विश्वासी दास! तुम थोड़ों पर विश्वासी थे, मैं तुम्हें बहुतों पर नियुक्त करूँगा। अपने स्वामी के आनंद में प्रवेश करो। पास आकर उसने भी जिसने एक प्रतिभा ली थी, कहा, स्वामी, मैं तुम्हें जानता था कि तुम कठोर आदमी हो, जो वहाँ काटते हो जहाँ तुमने नहीं बोया और वहाँ से इकट्ठा करते हो जहाँ तुमने नहीं बिखेरा, और डरकर मैं चला गया और तुम्हारी talent को भूमि में छिपा दिया। देखो, तुम्हारा जो है वह तुम्हारे पास है। उसके स्वामी ने उत्तर देते हुए उससे कहा, दुष्ट और आलसी दास, तू जानता था कि मैं वहाँ काटता हूँ जहाँ मैंने नहीं बोया, और वहाँ से इकट्ठा करता हूँ जहाँ मैंने नहीं बिखेरा। इसलिए तुम्हें मेरी चाँदी बैंकरों के पास डालना आवश्यक था, और आकर मैं अपना धन ब्याज के साथ प्राप्त कर लेता। इसलिए उसकी प्रतिभा उससे ले लो और उसे दे दो जिसके पास दस प्रतिभाएँ हैं। क्योंकि हर रखने वाले को दिया जाएगा और बहुतायत होगी, परन्तु न रखने वाले से जो उसके पास है वह भी ले लिया जाएगा। और उस बेकार दास को बाहरी अंधकार में फेंक दो, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब पवित्र दूत उसके साथ होंगे, तब वह अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा। और सब राष्ट्र उसके सामने इकट्ठा किए जाएंगे, और वह उनको एक दूसरे से अलग करेगा, जैसे चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है, और वह भेड़ों को अपने दाहिने ओर स्थापित करेगा, परन्तु बकरियों को बाएं ओर। तब राजा अपने दाहिने ओर वालों से कहेगा, आओ, मेरे पिता के धन्य लोगो, उस राज्य का उत्तराधिकार लो जो तुम्हारे लिए संसार की नींव से तैयार किया गया है। क्योंकि मैं भूखा था और तुमने मुझे खाने को दिया, मैं प्यासा था और तुमने मुझे पिलाया, मैं अजनबी था और तुमने मुझे इकट्ठा किया। गन था मैं, और तुमने मुझे वस्त्र पहनाया, मैं बीमार था, और तुमने मेरी सुध ली, मैं कारागार में था, और तुम मेरे पास आए। तब धर्मी लोग उसे उत्तर देते हुए कहेंगे, प्रभु, हमने आपको कब भूखा देखा और खिलाया, या प्यासा देखा और पिलाया? लेकिन हमने तुम्हें कब अजनबी देखा और इकट्ठा किया, या गंगा देखा और कपड़े पहनाए? लेकिन हमने तुम्हें कब कमजोर या कारागार में देखा, और हम तुम्हारे पास आए? और उत्तर देते हुए राजा उनसे कहेगा, सच कहता हूँ तुमसे, जितना तुमने मेरे इन छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे साथ किया। तब वह बाईं ओर वालों से कहेगा, हे शापितो, मुझसे दूर हो जाओ, उस अनन्त आग में जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है। क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाने को नहीं दिया, मैं प्यासा था, और तुमने मुझे पीने को नहीं दिया, मैं अजनबी था, और तुमने मुझे इकट्ठा नहीं किया, मैं गंगा था, और तुमने मुझे कपड़े नहीं पहनाए, मैं कमजोर था और कारागार में था, और तुमने मुझसे मुलाकात नहीं की। तब वे स्वयं उसको उत्तर देते हुए कहेंगे, प्रभु, हमने तुमको कब भूखा या प्यासा या अजनबी या गंगा या कमजोर या कारागार में देखा, और तुम्हारी सेवा नहीं की? तब वह उनको उत्तर देते हुए कहेगा, सत्य कहता हूँ तुमसे, जितना तुमने इनमें से एक छोटे से भी नहीं किया, उतना ही तुमने मुझसे भी नहीं किया। और ये शाश्वत दंड में चले जाएंगे, परन्तु धर्मी शाश्वत जीवन में।

26

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने ये सभी शब्द समाप्त किए, तो उसने अपने शिष्यों से कहा, तुम जानते हो कि दो दिन के बाद फसह का पर्व होगा, और मनुष्य का पुत्र सूली पर चढ़ाए जाने के लिए पकड़वाया जाएगा। तब मुख्य याजक और शास्त्री और लोगों के प्राचीन महायाजक के प्रांगण में एकत्रित हुए, जो कैफा कहलाता था। और उन्होंने परामर्श किया ताकि वे यीशु को छल से पकड़ लें और मार डालें। वे कह रहे थे, त्योहार के दौरान नहीं, ताकि लोगों में उपद्रव न हो जाए।

लेकिन जब यीशु बैतनिया में शमौन कोढ़ी के घर में थे, एक स्त्री उसके पास आई जो बहुमूल्य इत्र का संगमरमर का पात्र लिए हुई थी, और उसने उसे उसके सिर पर उंडेल दिया जब वह भोजन के लिए लेटा हुआ था। लेकिन उसके शिष्यों ने यह देखकर क्रोधित होते हुए कहा, यह विनाश किस लिए? क्योंकि यह इत्र बहुत अधिक में बेचा जा सकता था और गरीबों को दिया जा सकता था। जानकर यीशु ने उनसे कहा, तुम इस स्त्री को क्यों कष्ट देते हो? क्योंकि उसने मेरे लिए अच्छा काम किया है। गरीबों को तो तुम हमेशा अपने साथ रखते हो, लेकिन मुझे हमेशा नहीं रखते हो। क्योंकि इसने यह इत्र मेरे शरीर पर डालकर, मुझे दफनाने के लिए यह किया है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जहाँ कहीं भी इस शुभ समाचार की घोषणा सम्पूर्ण संसार में की जाएगी, वहाँ जो कुछ इसने किया है वह भी इसकी स्मृति में बोला जाएगा।

तब बारह में से एक, जो यहूदा इस्करियोती कहलाता था, मुख्य याजकों के पास जाकर बोला, तुम मुझे क्या देना चाहते हो, और मैं तुम्हें उसे सौंप दूंगा? लेकिन उन्होंने उसे तीस चांदी के टुकड़े दिए। और तब से उसने अवसर खोजा ताकि वह उसे सौंप दे।

बिना खमीर की रोटी के पहले दिन, चेले यीशु के पास आए और उनसे कहा, आप कहाँ चाहते हैं कि हम आपके लिए फसह खाने की तैयारी करें? उसने कहा, शहर में एक व्यक्ति के पास जाओ और उससे कहो, गुरु कहते हैं, मेरा समय निकट है, मैं अपने शिष्यों के साथ तुम्हारे यहाँ फसह मनाऊँगा। और शिष्यों ने वैसा ही किया जैसा यीशु ने उन्हें आज्ञा दी थी, और उन्होंने फसह को तैयार किया। शाम होने पर वह बारह के साथ भोजन के लिए लेटा। और जब वे खा रहे थे, उसने कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम में से एक मुझे धोखा देगा। और बहुत शोक करते हुए उनमें से प्रत्येक ने उससे कहना आरंभ किया, निश्चित रूप से मैं तो नहीं हूँ, प्रभु? परन्तु उत्तर देते हुए उसने कहा, जिसने मेरे साथ कटोरे में हाथ डुबोया है, वही मुझे धोखा देगा। मनुष्य का पुत्र निश्चय ही जाता है जैसा उसके बारे में लिखा गया है, लेकिन धिक्कार है उस मनुष्य को जिसके द्वारा मनुष्य का पुत्र धोखा दिया जाता है, उसके लिए अच्छा होता यदि वह मनुष्य जन्म ही न लेता। उत्तर देते हुए यहूदा, जो उसे सौंपने वाला था, बोला, क्या मैं नहीं हूँ, रब्बी? वह उससे कहता है, तूने कह दिया। जब वे खा रहे थे, तब यीशु ने रोटी ली और धन्यवाद देकर तोड़ी और शिष्यों को देते हुए कहा, लो, खाओ, यह मेरा शरीर है। और उसने प्याला लिया और धन्यवाद देकर उन्हें दिया और कहा, इसमें से तुम सब पीओ, क्योंकि यह मेरा वह रक्त है जो नई वाचा का है, जो अनेकों के लिए पापों की क्षमा के निमित्त बहाया जा रहा है। मैं तुमसे कहता हूँ कि अब से मैं अंगूर की बेल

के इस फल को उस दिन तक नहीं पीऊंगा, जब मैं इसे तुम्हारे साथ अपने पिता के राज्य में नया पीऊंगा।

और भजन गाकर वे जैतून के पहाड़ की ओर चले गए। तब यीशु ने उनसे कहा, तुम सब इस रात को मुझ में गिर जाओगे, क्योंकि लिखा है, मैं चरवाहे को मारूंगा, और झुंड की भेड़ें तितर-बितर हो जाएंगी।

लेकिन मेरे उठाए जाने के बाद, मैं तुम्हें गलील में ले जाऊंगा। उत्तर देते हुए पतरस ने उससे कहा, यदि सब तुझ में ठोकर खाएंगे, तो मैं कभी नहीं ठोकर खाऊंगा। यीशु ने उससे कहा, सत्य कहता हूँ तुमसे कि इस रात में मुर्गे के बोलने से पहले तुम तीन बार मेरा इनकार करोगे। पतरस उससे कहता है, यदि मुझे तुम्हारे साथ मरना भी पड़े, तो भी मैं तुम्हें इनकार नहीं करूंगा। इसी प्रकार सभी शिष्यों ने भी कहा।

तब यीशु उनके साथ गतसमनी नामक स्थान पर आता है, और शिष्यों से कहता है, यहाँ बैठो जब तक मैं यहाँ जाकर प्रार्थना करूँ। और पतरस और जबदी के दो पुत्रों को साथ लेकर वह दुःखी और व्याकुल होने लगा। तब यीशु उनसे कहते हैं, मेरी आत्मा मृत्यु तक अत्यंत दुःखी है, यहाँ रहो और मेरे साथ जागते रहो। और थोड़ा आगे बढ़कर वह अपने चेहरे के बल गिरा, प्रार्थना करता हुआ और कहता हुआ, हे मेरे पिता, यदि संभव है, तो यह प्याला मुझसे हट जाए, लेकिन जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, बल्कि जैसा तू चाहता है। और वह शिष्यों के पास आता है और उन्हें सोते हुए पाता है, और पतरस से कहता है, इस प्रकार तुम मेरे साथ एक घंटा भी जागते नहीं रह सके? जागते रहो और प्रार्थना करो, ताकि तुम परीक्षा में प्रवेश न करो; आत्मा वास्तव में उत्सुक है, लेकिन शरीर कमजोर है। फिर से दूसरी बार चले जाकर उन्होंने प्रार्थना की और कहा, हे मेरे पिता, यदि यह प्याला मुझसे टल नहीं सकता जब तक मैं इसे न पी लूँ, तो तुम्हारी इच्छा पूरी हो। और आकर वह उन्हें फिर सोते हुए पाता है, क्योंकि उनकी आँखें भारी हो गई थीं। और उन्हें छोड़कर, फिर जाकर तीसरी बार उसी शब्द को कहते हुए प्रार्थना की। तब वह अपने शिष्यों के पास आता है और उनसे कहता है, क्या तुम अब भी सो रहे हो और विश्राम कर रहे हो? देखो, वह घड़ी आ गई है और मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथों में सौंपा जा रहा है। उठो, चलें। देखो, वह जो मुझे पकड़वाने वाला है, पास आ गया है।

और वह अभी बोल ही रहा था कि देखो, यहूदा जो बारह में से एक था, आया, और उसके साथ एक बड़ी भीड़ थी जो तलवारों और लाठियाँ लिए हुए थी, जो मुख्य याजकों और

लोगों के बुजुर्गों की ओर से भेजी गई थी। लेकिन जो उसे सौंप रहा था, उसने उन्हें एक निशान दिया और कहा, जिसे मैं चूमूंगा, वही है; उसे पकड़ लो। और तुरंत यीशु के पास आकर उसने कहा, नमस्कार, रब्बी, और उसे चूमा। और यीशु ने उससे कहा, मित्र, जिस काम के लिए तू यहाँ आया है, उसे कर ले। तब उन्होंने पास आकर यीशु पर हाथ डाले और उन्हें पकड़ लिया। और देखो, यीशु के साथ के एक व्यक्ति ने हाथ बढ़ाकर अपनी तलवार खींची, और महायाजक के दास को मारकर उसका कान काट दिया। तब यीशु उससे कहते हैं, अपनी तलवार उसके स्थान में वापस कर दो, क्योंकि सब जो तलवार लेते हैं, तलवार से मरेंगे। या तुम सोचते हो कि मैं अभी अपने पिता को नहीं बुला सकता, और वह मुझे स्वर्गदूतों की बारह से अधिक सेनाएँ प्रदान नहीं करेगा? तो फिर शास्त्र कैसे पूर्ण होंगे कि ऐसा होना आवश्यक है? उस घड़ी में यीशु ने भीड़ों से कहा, जैसे किसी डाकू के पास तुम तलवारों और लाठियों के साथ मुझे पकड़ने निकले हो। प्रतिदिन मैं तुम्हारे पास मंदिर में बैठकर सिखाता था, और तुमने मुझे नहीं पकड़ा। यह सब इसलिए हुआ ताकि भविष्यवक्ताओं के लेख पूरे हों। तब सभी शिष्यों ने उसे छोड़कर भाग गए।

जिन्होंने यीशु को पकड़ लिया था, वे उन्हें महायाजक कैफा के पास ले गए, जहाँ शास्त्री और बुजुर्ग एकत्रित हुए थे। और पतरस दूर से उसके पीछे महायाजक के आँगन तक गया, और अंदर जाकर सेवकों के साथ बैठ गया ताकि अंत देख सके। वे मुख्य याजक और प्राचीन और संपूर्ण परिषद यीशु के विरुद्ध झूठी गवाही खोज रहे थे, ताकि वे उसे मृत्युदंड दे सकें। और उन्होंने नहीं पाया, और बहुत से झूठे गवाह आगे आने पर भी, उन्होंने नहीं पाया। लेकिन बाद में दो झूठे गवाह आगे आए मैंने कहा, इसने कहा, मैं परमेश्वर के मंदिर को नष्ट करने और तीन दिनों में उसे फिर से बनाने में सक्षम हूँ। और महायाजक उठकर उससे बोला, क्या तू कुछ भी उत्तर नहीं देता? ये लोग तेरे विरुद्ध क्या गवाही दे रहे हैं? लेकिन यीशु चुप रहे। और महायाजक ने उत्तर देते हुए उससे कहा, मैं तुम्हें जीवित परमेश्वर की शपथ दिलाता हूँ कि तुम हमें बताओ कि क्या तुम मसीह, परमेश्वर के पुत्र हो। यीशु उससे कहते हैं, तुमने कहा, परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ, अब से तुम मनुष्य के पुत्र को शक्ति के दाहिने बैठे हुए और स्वर्ग के बादलों पर आते हुए देखोगे। तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़ दिए और कहा कि उसने निन्दा की है, अब हमें गवाहों की क्या आवश्यकता है? देखो, अब तुमने उसकी निन्दा सुन ली है, तुम्हें क्या लगता है? लेकिन उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, वह मृत्यु का दोषी है। तब उन्होंने उसके चेहरे पर थूका और उसे मारा, और कुछ ने थपपड़ मारे। कहते हुए, हे मसीह, हमें भविष्यवाणी करो, कौन है वह जिसने तुझे मारा?

लेकिन पतरस बाहर आँगन में बैठा था, और एक दासी उसके पास आई और कहने लगी, तू भी यीशु गलीली के साथ था। परन्तु उसने उन सबके सामने इनकार करते हुए कहा, मैं नहीं जानता तुम क्या कह रहे हो। लेकिन जब वह बाहर द्वार पर गया, तो एक दूसरी स्त्री ने उसे देखा और वहाँ उपस्थित लोगों से कहा, यह भी नासरी यीशु के साथ था। और उसने फिर शपथ के साथ इनकार किया कि मैं उस आदमी को नहीं जानता हूँ। थोड़ी देर बाद खड़े हुए लोग पास आए और पतरस से कहा, सचमुच तू भी उनमें से है, क्योंकि तेरी बोली तुझे स्पष्ट कर देती है। तब उसने शाप देना और शपथ खाना आरंभ किया कि मैं उस आदमी को नहीं जानता हूँ। और तुरंत मुर्गे ने बांग दी। और पतरस को यीशु का वह वचन याद आया जो उसने उससे कहा था कि मुर्गे के बांग देने से पहले तू तीन बार मेरा इनकार करेगा, और वह बाहर निकलकर फूट-फूटकर रोया।

27

सुबह हुई, तो सभी मुख्य याजकों और लोगों के बुजुर्गों ने यीशु के विरुद्ध परामर्श लिया ताकि उसे मार डालें। और उसे बांधकर ले गए और उसे पोंतियुस पिलातुस राज्यपाल को सौंप दिया।

तब यहूदा, जो उसे सौंपनेवाला था, यह देखकर कि वह दोषी ठहराया गया, पछताया और तीस चाँदी के सिक्के मुख्य याजकों और बुजुर्गों को लौटा दिए। कहते हुए, मैंने निर्दोष रक्त सौंपकर पाप किया है। लेकिन उन्होंने कहा, हमें इससे क्या? तुम देख लोगे। और उसने चाँदी के टुकड़े मंदिर में फेंककर वहाँ से चला गया, और जाकर उसने स्वयं को फाँसी लगा ली। और प्रधान याजकों ने चाँदी के सिक्के लेकर कहा, इन्हें भंडार में डालना उचित नहीं है, क्योंकि यह खून का मूल्य है। परामर्श लेकर उन्होंने उनसे कुम्हार का खेत अजनबियों के दफन के लिए खरीदा। इसलिए वह खेत खून का खेत कहलाया आज तक। तब वह पूरा हुआ जो यिर्मयाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, और उन्होंने तीस चाँदी के टुकड़े लिए, जो उस मूल्यांकित व्यक्ति का मूल्य था जिसे इस्राएल के पुत्रों ने मूल्यांकित किया था, और उन्होंने उन्हें कुम्हार के खेत में दे दिया, जैसा प्रभु ने मुझे आदेश दिया था।

लेकिन यीशु शासक के सामने खड़े हुए, और शासक ने उनसे पूछा, क्या तुम यहूदियों के राजा हो? यीशु ने उससे कहा, तुम कहते हो। और जब मुख्य पुजारियों और बुजुर्गों द्वारा उस पर आरोप लगाए जा रहे थे, तो उसने कुछ भी उत्तर नहीं दिया। तब पिलातुस उससे कहता है, क्या तुम नहीं सुनते कि ये तुम्हारे विरुद्ध कितनी गवाहियाँ दे रहे हैं? और उसने

उसको एक भी शब्द का उत्तर नहीं दिया, जिससे नेता बहुत आश्चर्यचकित हुआ। त्योहार के अनुसार नेता भीड़ के लिए एक कैदी को छोड़ने का आदी था, जिसे वे चाहते थे। उनके पास उस समय बरअब्बा नामक एक प्रसिद्ध कैदी था। इसलिए जब वे एकत्रित हुए, तो पिलातुस ने उनसे कहा, तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए किसे छोड़ दूँ? बरअब्बा को या यीशु को जो मसीह कहलाता है? वह जानता था कि ईर्ष्या के कारण उन्होंने उसे सौंप दिया था। जब वह मंच पर बैठा था, तब उसकी पत्नी ने उसके पास यह कहते हुए संदेश भेजा, उस धर्मी व्यक्ति के साथ कुछ मत करो, क्योंकि आज मैंने स्वप्न में उसके कारण बहुत कष्ट सहा है। परन्तु मुख्य याजकों और बुजुर्गों ने भीड़ को राजी किया कि वे बरअब्बा को मांगें और यीशु को नष्ट करें। उत्तर देते हुए नेता ने उनसे कहा, तुम दोनों में से किसे छोड़ा जाना चाहते हो? उन्होंने कहा, बरअब्बा। पिलातुस ने उनसे कहा, तो मैं यीशु का, जो मसीह कहलाता है, क्या करूँ? सबने उससे कहा, वह क्रूस पर चढ़ाया जाए। परन्तु शासक ने कहा, उसने क्या बुराई की है? परन्तु वे अत्यधिक चिल्लाते हुए कह रहे थे, उसे क्रूस पर चढ़ाया जाए। लेकिन पिलातुस ने देखा कि इससे कुछ लाभ नहीं हो रहा है, बल्कि अधिक उपद्रव हो रहा है, तो पानी लेकर भीड़ के सामने अपने हाथ धोए और कहा, मैं इस न्यायी के रक्त से निर्दोष हूँ, तुम देखोगे। और उत्तर देते हुए सभी लोगों ने कहा, उसका खून हम पर और हमारे बच्चों पर। तब उसने बरअब्बा को उनके लिए छोड़ दिया, लेकिन यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया ताकि उन्हें सूली पर चढ़ाया जाए।

तब नेता के सैनिकों ने यीशु को प्रेटोरियम में ले जाकर उनके चारों ओर पूरी पलटन इकट्ठा की। और उसे कपड़े उतारकर, उन्होंने उसे लाल चोगा पहनाया। और कांटों से बुना हुआ मुकुट उसके सिर पर रखा और बेंत उसके दाहिने हाथ पर, और उसके सामने घुटने टेककर उसका ठट्ठा करते हुए कहा, प्रणाम, यहूदियों के राजा! और उस पर थूककर उन्होंने बेंत लिया और उसके सिर पर मार रहे थे और जब उन्होंने उसका मजाक उड़ाया, तो उन्होंने उससे वह लबादा उतारा और उसे उसके कपड़े पहनाए, और उसे सूली पर चढ़ाने के लिए ले गए।

बाहर जाते हुए उन्होंने शमौन नाम के एक कुरैनी आदमी को पाया, इसको उन्होंने बाध्य किया ताकि वह उसका क्रूस उठाए। और गोलगोथा नामक स्थान पर आकर, जो खोपड़ी का स्थान कहलाता है, उन्होंने उसे सिरका पित्त के साथ मिला हुआ पीने को दिया, और चखकर उसने पीना नहीं चाहा। उसे सूली पर चढ़ाकर, उन्होंने चिट्ठी डालकर उसके वस्त्र बाँट लिए। और बैठे हुए वे उसे वहाँ पहरा दे रहे थे। और उन्होंने उसके सिर के ऊपर उसका कारण लिखा हुआ रखा, यह है यीशु, यहूदियों का राजा। तब उसके साथ दो डाकू सूली पर

चढ़ाए जाते हैं, एक दाहिनी ओर और एक बाईं ओर। वे जो गुजर रहे थे, उसकी निन्दा कर रहे थे और अपने सिर हिला रहे थे। और कह रहे थे, वह जो मंदिर को तोड़ता है और तीन दिनों में बनाता है, अपने आप को बचा, अगर तू परमेश्वर का पुत्र है, तो क्रूस से उतर आ। इसी प्रकार मुख्य याजक भी शास्त्रियों, बुजुर्गों और फरीसियों के साथ उपहास करते हुए कह रहे थे, उसने दूसरों को बचाया, स्वयं को नहीं बचा सकता। यदि वह इस्राएल का राजा है, तो अभी क्रूस से नीचे उतर आए और हम उस पर विश्वास करेंगे। उसने परमेश्वर पर विश्वास किया है, अब वह उसे बचाए, यदि वह उसे चाहता है, क्योंकि उसने कहा था कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ। और वे डाकू भी जो उसके साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे, उसकी निन्दा कर रहे थे।

लेकिन छठे घंटे से नौवें घंटे तक सारी भूमि पर अंधकार छा गया। नौवें घंटे के बारे में यीशु ने महान आवाज़ से चिल्लाकर कहा, एली एली, लामा सबकथनी; अर्थात्, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों त्याग दिया? लेकिन वहाँ खड़े हुए लोगों में से कुछ ने सुनकर कहा कि यह एलिय्याह को बुला रहा है। और तुरंत उनमें से एक दौड़ा और स्पंज लेकर सिरके से भरा और बेंत पर रखकर उसे पिला रहा था। परन्तु शेष लोग कह रहे थे, रुको, देखें कि क्या एलिय्याह उसे बचाने आता है। लेकिन यीशु ने फिर से ऊँची आवाज़ में पुकारकर अपनी आत्मा त्याग दी। और देखो, मंदिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक दो भागों में फट गया, और पृथ्वी कांप उठी और चट्टानें फट गईं, और कब्रें खोली गईं और सोए हुए पवित्र लोगों के बहुत से शरीर उठाए गए, और कब्रों से बाहर निकलकर, उसके पुनरुत्थान के बाद, वे पवित्र नगर में प्रवेश किए और बहुतों को दिखाई दिए। परन्तु वह शतपति और वे जो उसके साथ यीशु की पहरेदारी कर रहे थे, भूकंप और जो कुछ हुआ था उसे देखकर बहुत डर गए और कहने लगे, सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था। वहाँ बहुत सी स्त्रियाँ भी थीं जो दूर से देख रही थीं, जिन्होंने गलील से यीशु का अनुसरण करते हुए उनकी सेवा की थी। जिनमें मरियम मगदलीनी थी, और मरियम जो याकूब और योसे की माता थी, और जब्दी के पुत्रों की माता।

शाम हुई, लेकिन एक धनी आदमी अरिमथिया से आया, जिसका नाम यूसुफ था, जो स्वयं यीशु का शिष्य बना था। यह पिलातुस के पास आकर यीशु के शरीर की माँग की। तब पिलातुस ने शरीर दिए जाने का आदेश दिया। और यूसुफ ने शरीर को लेकर उसे शुद्ध सनी के कपड़े में लपेटा, और उसने इसे अपनी नई कब्र में रखा जो उसने चट्टान में काटी थी, और कब्र के दरवाजे पर एक बड़ा पत्थर लुढ़काकर चला गया। वहाँ मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कब्र के सामने बैठी हुई थीं।

और अगले दिन, जो तैयारी के बाद था, मुख्य पुजारी और फरीसी पिलातुस के पास एकत्रित हुए। कहते हुए, प्रभु, हमें याद आया कि उस धोखेबाज ने जीवित रहते हुए कहा था, तीन दिन के बाद मैं जी उठूंगा। इसलिए आज्ञा दें कि तीसरे दिन तक कब्र को सुरक्षित किया जाए, कहीं ऐसा न हो कि उसके शिष्य रात को आकर उसे चुरा लें और लोगों से कहें, वह मृतकों में से जी उठा, और अंतिम भ्रांति पहली से भी बुरी होगी। पिलातुस ने उनसे कहा, तुम्हारे पास पहरदार है; जाओ और जैसा तुम जानते हो, वैसे सुरक्षित करो। वे गए और उन्होंने पहर के साथ पत्थर पर मुहर लगाकर कब्र को सुरक्षित किया।

28

सब्बाथों के बाद देर से, जब एक सब्बाथ की भोर हो रही थी, मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कब्र को देखने आईं। और देखो, एक महान भूकंप आया, क्योंकि प्रभु का स्वर्गदूत स्वर्ग से उतरकर पास आया और उसने द्वार से पत्थर को लुढ़का दिया और उसके ऊपर बैठ गया। उसका रूप बिजली के समान था और उसका वस्त्र बर्फ के समान सफेद था। लेकिन उसके डर से पहरा देने वाले हिला दिए गए और मृतकों के समान हो गए। उत्तर देते हुए स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, तुम मत डरो, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम सूली पर चढ़ाए गए यीशु को खोज रहे हो। वह यहाँ नहीं है, क्योंकि वह उठाया गया जैसा उसने कहा था। आओ, उस स्थान को देखो जहाँ प्रभु लेटे थे। और शीघ्र जाकर उसके शिष्यों से कहो कि वह मृतकों में से जिलाया गया है, और देखो, वह तुमसे पहले गलील जाता है, वहाँ तुम उसे देखोगे, देखो, मैंने तुमसे कह दिया है। और वे कब्र से भय और बड़े आनंद के साथ शीघ्रता से बाहर निकलकर उसके शिष्यों को समाचार देने के लिए दौड़ीं। जैसे ही वे उसके शिष्यों को सूचना देने जा रही थीं, तो देखो, यीशु उनसे मिले और बोले, आनंदित हो। तब वे पास आईं और उनके पैर पकड़कर उन्हें प्रणाम किया। तब यीशु उनसे कहते हैं, मत डरो, जाओ और मेरे भाइयों को बताओ कि वे गलील जाएं, और वहाँ वे मुझे देखेंगे।

जब वे जा रहे थे, तो देखो, पहर के कुछ लोग शहर में आकर मुख्य याजकों को सब कुछ जो हुआ था बताया। और बुजुर्गों के साथ एकत्रित होकर और परामर्श लेकर, उन्होंने सैनिकों को पर्याप्त चाँदी के टुकड़े दिए और कहा, कहो कि उसके शिष्य रात को आकर उसे चुरा ले गए जब हम सो रहे थे। और यदि यह बात नेता के पास सुनी जाए, तो हम उसे मना लेंगे और तुम्हें निश्चित कर देंगे। और उन्होंने चाँदी के सिक्के लेकर वैसा ही किया जैसा उन्हें सिखाया गया था। और यह बात यहूदियों में आज तक फैली हुई है।

लेकिन वे ग्यारह शिष्य गलील में उस पहाड़ पर गए, जहाँ यीशु ने उनको नियुक्त किया था। और उसे देखकर उन्होंने उसे प्रणाम किया, लेकिन कुछ लोगों ने संदेह किया। और यीशु पास आकर उनसे कहने लगे, मुझे स्वर्ग में और पृथ्वी पर सब अधिकार दिया गया है। जाकर सब राष्ट्रों को शिष्य बनाओ, उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा देते हुए, उन्हें सिखाते हुए कि वे सब बातों को मानें जितनी मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, और देखो, मैं तुम्हारे साथ हूँ सब दिनों तक, युग की पूर्णता तक। आमीन।

मरकुस का सुसमाचार

1

यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र के शुभ समाचार का आरंभ। जैसा भविष्यवक्ताओं में लिखा गया है, देखो, मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजता हूँ, जो तुम्हारे लिए मार्ग तैयार करेगा, जंगल में पुकारने वाले की आवाज़, प्रभु का रास्ता तैयार करो, उसकी पगडंडियाँ सीधी करो।

यूहन्ना जंगल में बपतिस्मा देता हुआ और पापों की माफी के लिए पश्चाताप का बपतिस्मा प्रचार करता हुआ प्रकट हुआ। और सारा यहूदिया प्रदेश और यरूशलेमवासी उसके पास जा रहे थे, और सब यर्डन नदी में उसके द्वारा अपने पापों को स्वीकार करते हुए बपतिस्मा ले रहे थे। यूहन्ना ऊँट के बालों से बने वस्त्र पहने हुए था और उसकी कमर पर चमड़े की पेटी थी, और वह टिड्डियाँ और जंगली शहद खाता था। और वह प्रचार कर रहा था और कह रहा था, मेरे बाद वह आ रहा है जो मुझसे अधिक शक्तिशाली है, जिसके जूतों का पट्टा खोलने के लिए मैं झुककर भी योग्य नहीं हूँ। मैं ने वास्तव में तुम्हें पानी में बपतिस्मा दिया, लेकिन वह तुम्हें पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देगा।

और उन दिनों में ऐसा हुआ कि यीशु गलील के नासरत से आया और यर्डन में यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा दिया गया। और तुरंत पानी से ऊपर आते हुए उसने आकाशों को फटते हुए देखा, और आत्मा को कबूतर के समान उस पर उतरते हुए देखा। और आकाश से एक आवाज़ आई, तू मेरा प्रिय पुत्र है, तुझ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।

और तुरंत आत्मा उसे जंगल में भेज देता है। और वह वहाँ जंगल में चालीस दिन तक शैतान द्वारा परीक्षा में डाला जा रहा था, और वह जंगली जानवरों के साथ था, और स्वर्गदूत उसकी सेवा कर रहे थे।

लेकिन यूहन्ना को सौंपे जाने के बाद, यीशु गलील में आए, परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार की घोषणा करते हुए। और कहता हुआ कि समय पूरा हो गया है और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है, पश्चाताप करो और शुभ समाचार में विश्वास करो।

गलील के समुद्र के पास चलते हुए, उसने शमौन और उसके भाई अन्ध्रियास को देखा, जो समुद्र में जाल डाल रहे थे, क्योंकि वे मछुआरे थे। और यीशु ने उनसे कहा, मेरे पीछे आओ, और मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊँगा। और उन्होंने तुरंत अपने जाल छोड़कर उसका अनुसरण किया। और वहाँ से थोड़ा आगे बढ़कर उसने जबदी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को देखा, जो नाव में जाल की मरम्मत कर रहे थे। और उसने तुरंत उन्हें बुलाया। और उन्होंने अपने पिता जबदी को नाव में मजदूरों के साथ छोड़कर उसके पीछे चले गए।

और वे कफरनहूम में प्रवेश करते हैं, और तुरंत सब के दिन सभा में प्रवेश करके वह सिखा रहा था। और वे उसके शिक्षण पर आश्चर्यचकित थे, क्योंकि वह उन्हें अधिकार रखते हुए सिखा रहा था, और शास्त्रियों के समान नहीं। और उनकी सभा में एक आदमी था जो अशुद्ध आत्मा में था, और वह चिल्लाया। कहता हुआ, हे नाज़री यीशु! हमें और तुम्हें क्या? क्या तुम हमें नष्ट करने आए हो? मैं जानता हूँ तुम कौन हो, तुम परमेश्वर के पवित्र हो। और यीशु ने उसको डांटा और कहा, चुप रह और उसमें से निकल जा। और अशुद्ध आत्मा ने उसे मरोड़ा और ऊँचे स्वर में चिल्लाकर उसमें से निकल गई। और सब चकित हुए, इतना कि वे आपस में चर्चा करने लगे और कहने लगे, यह क्या है? यह कौन सी नई शिक्षा है, कि वह अधिकार के साथ अशुद्ध आत्माओं को भी आदेश देता है, और वे उसकी आज्ञा मानती हैं? और उसकी सुनवाई तुरंत पूरे गलील के क्षेत्र में फैल गई।

और तुरंत सभा से बाहर जाकर वे शमौन और अन्ध्रियास के घर में आए, याकूब और यूहन्ना के साथ। शिमोन की सास बुखार में पड़ी हुई थी। और तुरंत उन्होंने उससे उसके बारे में कहा। और पास आकर उसने उसका हाथ पकड़कर उसे उठाया, और बुखार ने उसे तुरंत छोड़ दिया, और वह उनकी सेवा करने लगी। शाम होने पर, जब सूरज डूब गया, वे उसके पास सभी बीमार लोगों और दुष्टात्मा ग्रस्त लोगों को लाए। और पूरा शहर दरवाजे की ओर एकत्रित था। और उसने विभिन्न बीमारियों से बुरी तरह पीड़ित बहुत से लोगों को चंगा किया, और बहुत सी दुष्टात्माओं को निकाल दिया, और दुष्टात्माओं को बोलने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि वे जानते थे कि वह मसीह है।

और बहुत सुबह, रात में ही, उठकर वह बाहर गया और एक निर्जन स्थान में चला गया, और वहाँ प्रार्थना करता रहा। और शिमोन और उसके साथ वाले लोगों ने उसका पीछा किया, और उसको पाकर वे उससे कहते हैं कि सब तुम्हें खोज रहे हैं। और वह उनसे कहता है, आओ हम पड़ोसी नगरों में चलें, ताकि मैं वहाँ भी प्रचार करूँ, क्योंकि मैं इसी लिए

निकला हूँ। और वह उनकी सभाओं में संपूर्ण गलील में प्रचार करता हुआ था और दुष्टात्माओं को निकालता हुआ था।

और एक कोढ़ी उसके पास आता है, उससे विनती करता हुआ और उसके सामने घुटने टेकता हुआ, और उससे कहता है, यदि आप चाहें, तो आप मुझे शुद्ध कर सकते हैं। और यीशु ने करुणा से भरकर, हाथ बढ़ाकर उसे छुआ और उससे कहा, मैं चाहता हूँ, शुद्ध हो जाओ। और उसके कहते ही तुरंत उसका कुष्ठरोग उससे चला गया, और वह शुद्ध हो गया। और उसे कड़ी चेतावनी देने के बाद, उसने तुरंत उसे बाहर निकाल दिया और उससे कहा, देखो, किसी को कुछ मत कहना, लेकिन जाओ और अपने आप को याजक को दिखाओ, और अपनी शुद्धि के विषय में वह चढ़ावा चढ़ाओ जो मूसा ने आज्ञा दी थी, उनके लिए गवाही के रूप में। वह बाहर जाकर बहुत घोषणा करने और वचन फैलाने लगा, ताकि अब वह खुलकर नगर में प्रवेश करने में सक्षम नहीं रहा, लेकिन बाहर निर्जन स्थानों में था, और लोग सब ओर से उसके पास आ रहे थे।

2

और वह फिर कुछ दिनों के बाद कफरनहूम में प्रवेश किया, और यह सुना गया कि वह घर में है। और तुरंत बहुत लोग एकत्रित हुए, इतने कि अब न जाने की जगह थी और न ही दरवाजे के पास, और वह उनको वचन सुना रहा था। और वे उसके पास एक लकवाग्रस्त को लाते हैं, जिसे चार लोग उठाए हुए थे, और भीड़ के कारण उसके पास पहुंचने में सक्षम न होते हुए, उन्होंने छत को खोल दिया जहां वह था, और खोदकर उन्होंने उस चटाई को नीचे उतारा जिस पर लकवाग्रस्त व्यक्ति लेटा हुआ था। लेकिन यीशु ने उनका विश्वास देखकर लकवाग्रस्त से कहा, हे बच्चे, तेरे पाप क्षमा किए गए हैं। लेकिन वहाँ शास्त्रियों में से कुछ बैठे हुए थे और अपने हृदयों में विचार कर रहे थे। यह क्या इस प्रकार निन्दा बोलता है? पापों को क्षमा करने में कौन सक्षम है, यदि एक परमेश्वर के अतिरिक्त कोई नहीं? और यीशु ने तुरंत अपनी आत्मा में जानकर कि वे इस प्रकार अपने में विचार कर रहे हैं, उनसे कहा, तुम अपने हृदयों में ये बातें क्यों विचार कर रहे हो? क्या आसान है, लकवाग्रस्त से यह कहना कि तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं, या यह कहना कि उठो और अपनी चटाई उठाकर चलो? ताकि तुम जान सको कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पापों को क्षमा करने का अधिकार है, वह लकवाग्रस्त से कहता है, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ और अपनी चटाई उठा और अपने घर जा। और वह तुरंत उठा, और चटाई उठाकर सबके सामने बाहर चला गया, जिससे सब

चकित हो गए और परमेश्वर की महिमा करने लगे और कहने लगे कि हमने ऐसा कभी नहीं देखा।

और वह फिर से समुद्र के पास गया, और सारी भीड़ उसके पास आ रही थी, और वह उन्हें सिखा रहा था। और गुजरते हुए उसने अल्फियुस के पुत्र लेवी को कर चौकी पर बैठे हुए देखा, और उससे कहा, मेरा अनुसरण करो। और वह उठकर उसके पीछे हो लिया। और ऐसा हुआ कि जब वह अपने घर में लेटा था, तो बहुत से कर-संग्रहकर्ता और पापी यीशु और उसके चेलों के साथ भोजन के लिए लेटे थे, क्योंकि वे बहुत थे, और उन्होंने उसका अनुसरण किया था। और शास्त्री और फरीसी उसे कर वसूलने वालों और पापियों के साथ खाते हुए देखकर उसके चेलों से कह रहे थे, क्या कारण है कि वह कर वसूलने वालों और पापियों के साथ खाता-पीता है? और यीशु ने सुनकर उनसे कहा, स्वस्थ लोगों को चिकित्सक की आवश्यकता नहीं है, लेकिन बीमारों को है, मैं धर्मियों को नहीं बल्कि पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने आया हूँ।

और यूहन्ना के शिष्य और फरीसियों के शिष्य उपवास कर रहे थे। और वे आते हैं और उससे कहते हैं, क्यों यूहन्ना के शिष्य और फरीसियों के शिष्य उपवास करते हैं, लेकिन तुम्हारे शिष्य उपवास नहीं करते हैं? और यीशु ने उनसे कहा, क्या विवाह कक्ष के पुत्र उपवास कर सकते हैं, जब दूल्हा उनके साथ है? जब तक वे दूल्हे को अपने साथ रखते हैं, वे उपवास नहीं कर सकते। लेकिन वे दिन आएंगे जब दूल्हा उनसे ले लिया जाएगा, और तब वे उन दिनों में उपवास करेंगे। कोई भी बिना सिकुड़े कपड़े का पैबंद पुराने कपड़े पर नहीं सीता है, नहीं तो नया भाग पुराने से अलग हो जाता है, और फाड़ और भी बुरी हो जाती है। और कोई भी नई शराब को पुरानी मशकों में नहीं डालता, यदि ऐसा करे तो नई शराब मशकों को फाड़ देती है, और शराब बह जाती है और मशकें नष्ट हो जाती हैं, लेकिन नई शराब को नई मशकों में डालना चाहिए।

और ऐसा हुआ कि वह सब्ब के दिन अनाज के खेतों से होकर गुजर रहा था, और उसके शिष्यों ने अनाज की बालें नोचते हुए रास्ता बनाना शुरू किया। और फरीसी उससे कह रहे थे, देखो, वे सब्ब के दिनों में क्या कर रहे हैं जो वैध नहीं है। और वह उनसे कह रहा था, क्या तुमने कभी नहीं पढ़ा कि दाऊद ने क्या किया जब उसे जरूरत थी और वह भूखा था और वे जो उसके साथ थे? कैसे वह परमेश्वर के घर में अबियातार महायाजक के समय प्रवेश किया और प्रस्तुतीकरण की रोटियाँ खाईं, जिन्हें खाना अनुमत नहीं है यदि याजकों के अलावा,

और उन्हें भी दिया जो उसके साथ थे? और वह उनसे कह रहा था, सब्त मनुष्य के लिए बनाया गया, न कि मनुष्य सब्त के लिए। इसलिए मनुष्य का पुत्र सब्त का भी प्रभु है।

3

और वह फिर सभा में प्रवेश किया, और वहाँ एक आदमी था जिसका हाथ सूखा हुआ था। और वे उसे देख रहे थे कि क्या सब्त के दिन वह उसे ठीक करेगा, ताकि वे उस पर आरोप लगा सकें। और वह उस आदमी से जिसका हाथ सूखा हुआ था कहता है, बीच में खड़े हो जाओ। और वह उनसे कहता है, क्या सब्त के दिन भलाई करना अनुमति है या बुराई करना? आत्मा को बचाना या मारना? लेकिन वे चुप रहे। और उसने क्रोध के साथ उन्हें चारों ओर देखा, उनके हृदय की कठोरता पर दुखी होते हुए, उस आदमी से कहा, अपना हाथ फैलाओ। और उसने फैलाया, और उसका हाथ दूसरे हाथ की तरह स्वस्थ हो गया। और फरीसी बाहर जाकर तुरंत हेरोदियों के साथ उसके विरुद्ध सलाह करने लगे, ताकि उसे नष्ट कर सकें।

और यीशु अपने शिष्यों के साथ समुद्र की ओर चला गया, और गलील से एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चली, और यहूदिया से और यरूशलेम से और इदूमिया से और यर्दन के पार से और सोर और सैदा के आसपास से, बहुत बड़ी भीड़, यह सुनकर कि उसने कितने काम किए, उसके पास आई। और उसने अपने शिष्यों से कहा कि एक छोटी नाव उसके लिए तैयार रहे, भीड़ के कारण, ताकि वे उसे दबा न सकें। क्योंकि उसने बहुतों को चंगा किया था, ताकि जितने लोगों को कोड़े थे वे उसे छूने के लिए उस पर गिर पड़ें। और अशुद्ध आत्माएं, जब भी उसे देखती थीं, उसके सामने गिर पड़ती थीं और चिल्लाती थीं कहते हुए कि आप ईश्वर के पुत्र हैं। और उसने उन्हें बहुत डांटा ताकि वे उसे प्रकट न करें।

और वह पहाड़ पर चढ़ता है, और जिनको वह चाहता था उनको बुलाता है, और वे उसके पास गए। और उसने बारह को बनाया, ताकि वे उसके साथ रहें और ताकि वह उनको घोषणा करने के लिए भेजे और रोगों को चंगा करने का अधिकार रखना और दुष्टात्माओं को बाहर निकालना, और उसने शमौन को पतरस नाम दिया, और याकूब को जो जबदी का था और यूहन्ना को जो याकूब का भाई था, और उन्होंने उनको बोअनर्गिस नाम दिया, जो गर्जन के पुत्र है, और अन्द्रियास, और फिलिप्पुस, और बारथोलोमाइयोस, और मत्तियोस, और थोमास, और याकोबोस जो अल्फाइयोस का पुत्र था, और थद्दाइयोस, और सिमोन जो कनानी था। और यहूदा इस्करियोती, जिसने उसे सौपा।

और वे घर में आते हैं, और फिर भीड़ इकट्ठा होती है, ताकि वे रोटी भी नहीं खा सकते। और उसके लोगों ने सुनकर उसे पकड़ने के लिए बाहर गए, क्योंकि वे कह रहे थे कि वह विक्षिप्त हो गया है। और जो शास्त्री यरूशलेम से आए थे, वे कह रहे थे कि उसके पास बालजेबुल है, और यह कि वह दुष्टात्माओं के शासक के द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता है। और उन्हें बुलाकर दृष्टान्तों में उनसे कहने लगा, शैतान कैसे शैतान को निकाल सकता है? और यदि कोई राज्य अपने आप में विभाजित हो जाए, तो वह राज्य खड़ा नहीं रह सकता। और यदि कोई घर अपने आप में विभाजित हो जाए, तो वह घर खड़ा नहीं रह सकता। और यदि शैतान अपने विरुद्ध उठ खड़ा हुआ है और विभाजित हो गया है, तो वह खड़ा रहने में सक्षम नहीं है, बल्कि उसका अंत हो गया है। कोई भी मजबूत के बर्तनों को उसके घर में प्रवेश करके लूटने में सक्षम नहीं है, यदि वह पहले मजबूत को न बांधे, और तब वह उसके घर को लूटेगा। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि मनुष्यों के पुत्रों के सब पाप और जितनी निन्दाएँ वे करें, सब क्षमा किया जाएगा, जो कोई पवित्र आत्मा की निन्दा करे, उसे युग में क्षमा नहीं मिलती, बल्कि वह अनन्त न्याय का दोषी है, क्योंकि वे कह रहे थे कि उसके पास अशुद्ध आत्मा है।

इसलिए उसकी माता और उसके भाई आते हैं, और बाहर खड़े होकर उन्होंने उसे बुलाने के लिए संदेश भेजा। और उसके चारों ओर भीड़ बैठी थी, लेकिन उन्होंने उससे कहा, देखो, तेरी माता और तेरे भाई बाहर तुझे ढूँढ़ रहे हैं। और उसने उनको उत्तर देते हुए कहा, कौन है मेरी माता या मेरे भाई? और उसने चारों ओर अपने आस-पास बैठे हुए लोगों को देखा और कहा, देखो, मेरी माता और मेरे भाई। जो कोई परमेश्वर की इच्छा को करता है, वह मेरा भाई और मेरी बहन और माता है।

4

और उसने फिर समुद्र के पास सिखाना शुरू किया, और उसके पास बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई, इतनी कि वह नाव में चढ़कर समुद्र में बैठ गया, और सारी भीड़ समुद्र के पास भूमि पर थी। और वह उन्हें दृष्टान्तों में बहुत कुछ सिखा रहा था, और अपनी शिक्षा में उनसे कह रहा था, सुनो। देखो, बोने वाला बोने के लिए बाहर गया। और बोते समय ऐसा हुआ कि कुछ बीज रास्ते पर गिरा, और पक्षी आए और उसे खा गए। और दूसरा पथरीली जगह पर गिरा, जहाँ उसे बहुत मिट्टी नहीं थी, और तुरंत उग आया क्योंकि मिट्टी की गहराई नहीं थी, सूर्य के उदय होने पर वह झुलस गया, और जड़ न होने के कारण सूख गया। और दूसरा कांटों में गिरा, और कांटे बढ़े और उसे दबा दिया, और फल नहीं दिया। और दूसरा अच्छी

भूमि में गिरा और बढ़ता और बड़ा होता हुआ फल देता रहा, और तीस गुना और साठ गुना और सौ गुना फल लाया। और वह उनसे कह रहा था, जिसके पास सुनने के लिए कान हैं, वह सुने। जब वह अकेला हुआ, तो उसके आस-पास के लोगों ने बारह के साथ उससे दृष्टांत के विषय में पूछा। और वह उनसे कह रहा था, तुम्हें परमेश्वर के राज्य के रहस्यों को जानना दिया गया है, लेकिन उन बाहर वालों को सब कुछ दृष्टांतों में होता है, ताकि देखते हुए भी वे न देखें, और सुनते हुए भी वे न समझें, कहीं ऐसा न हो कि वे लौट आएँ और उनके पाप क्षमा कर दिए जाएँ।

और वह उनसे कहता है, क्या तुम इस दृष्टान्त को नहीं जानते हो, और कैसे तुम सब दृष्टान्तों को जानोगे? वह बोने वाला शब्द बोता है। ये वे लोग हैं जो रास्ते के किनारे हैं, जहाँ वचन बोया जाता है, और जब वे सुनते हैं, तुरंत शैतान आता है और उनके हृदयों में बोए गए वचन को उठा लेता है। और ये भी उसी प्रकार हैं जो पथरीली भूमि पर बोए जाते हैं, जो जब वचन सुनते हैं, तो तुरंत आनंद के साथ उसे ग्रहण कर लेते हैं, और वे अपने में जड़ नहीं रखते हैं, लेकिन अस्थायी हैं, फिर जब वचन के कारण क्लेश या सताव होता है, तो वे तुरंत ठोकर खाते हैं। और ये वे हैं जो काँटों में बोए जाते हैं, जो वचन सुनते हैं, और इस युग की चिंताएं और धन का धोखा और शेष चीजों के बारे में इच्छाएं प्रवेश करके वचन को दबा देती हैं, और वह निष्फल हो जाता है। और ये वे हैं जो अच्छी भूमि पर बोए गए, जो वचन को सुनते हैं और स्वीकार करते हैं, और तीस, साठ और सौ गुना फल लाते हैं।

और वह उनसे कह रहा था, क्या दीपक इसलिए आता है कि टोकरी के नीचे रखा जाए या पलंग के नीचे? क्या इसलिए नहीं कि दीवट पर रखा जाए? क्योंकि कोई भी चीज़ छिपी नहीं है जो प्रकट न की जाए, और न ही कुछ गुप्त हुआ है, बल्कि इसलिए कि वह स्पष्ट हो जाए। यदि किसी के पास सुनने के लिए कान हैं, तो वह सुने। और वह उनसे कह रहा था, देखो कि तुम क्या सुनते हो। जिस माप से तुम मापते हो, उसी से तुम्हें मापा जाएगा, और तुम्हें जो सुनते हो उन्हें और अधिक दिया जाएगा। जो रखता है, उसको दिया जाएगा, और जो नहीं रखता है, जो उसके पास है वह भी उससे ले लिया जाएगा। और वह कह रहा था, परमेश्वर का राज्य इस प्रकार है, जैसे कोई मनुष्य बीज को पृथ्वी पर डाले, और वह रात और दिन सोता है और जागता है, और वह बीज अंकुरित होता है और बढ़ता है, जैसे वह स्वयं नहीं जानता है। क्योंकि भूमि स्वतः ही फल देती है, पहले घास, फिर अनाज की बाली, फिर बाली में पूर्ण अनाज। लेकिन जब फल पक जाए, तो वह तुरंत हंसिया भेजता है, क्योंकि कटाई का समय आ गया है।

और वह कह रहा था, हम परमेश्वर के राज्य की उपमा कैसे दें? या हम इसकी तुलना किस दृष्टान्त में करें? जैसे राई का एक दाना, जो जब पृथ्वी पर बोया जाता है, पृथ्वी पर के सब बीजों में सबसे छोटा है, और जब यह बोया जाता है, तो यह ऊपर उठता है और सभी सब्जियों से बड़ा हो जाता है, और बड़ी शाखाएं बनाता है, ताकि आकाश के पक्षी उसकी छाया में बसेरा कर सकें।

और वह उनको वचन अनेक ऐसे दृष्टान्तों में बोल रहा था, जैसे वे सुनने में सक्षम थे। बिना दृष्टान्त के वह उनसे वचन नहीं बोलता था, परन्तु अपने चेलों को अलग में सब कुछ समझाता था।

और उस दिन शाम होने पर वह उनसे कहता है, आओ हम पार चलें। और भीड़ को छोड़कर, वे उसे नाव में ले गए जैसा वह था, और अन्य नावें भी उसके साथ थीं। और एक महान हवा का तूफान उठा, और लहरें नाव में पीट रही थीं, ताकि वह पहले से ही डूबने लगी। और वह स्वयं नाव के पिछले भाग में तकिये पर सो रहा था, और उन्होंने उसे जगाया और उससे कहा, गुरु, क्या आपको चिंता नहीं है कि हम नष्ट हो रहे हैं? और जागृत होकर उसने हवा को डांटा और समुद्र से कहा, चुप रह, शांत हो जा। और हवा थम गई, और बड़ी शांति छा गई। और उसने उनसे कहा, तुम इस प्रकार कायर क्यों हो? तुममें विश्वास कैसे नहीं है? और वे बहुत डर गए और एक दूसरे से कहने लगे, यह कौन है, कि हवा और समुद्र भी इसकी आज्ञा मानते हैं?

5

और वे समुद्र के पार गेरगेसेनों की भूमि में आए। और जब वह नाव से बाहर निकला, तो तुरंत कब्रों में से एक आदमी उससे मिला, जो अशुद्ध आत्मा में था। जो कब्रों में निवास करता था, और न ही जंजीरों से कोई उसे बांधने में सक्षम था, क्योंकि उसे अक्सर बेड़ियों और जंजीरों से बांधा जाता था, और उसके द्वारा जंजीरों को फाड़ दिया जाता था और बेड़ियों को चकनाचूर कर दिया जाता था, और कोई भी उसे वश में करने में सक्षम नहीं था। और रात और दिन हर समय कब्रों में और पहाड़ों में वह चिल्लाता था और पत्थरों से स्वयं को काटता था। परन्तु यीशु को दूर से देखकर वह दौड़ा और उन्हें प्रणाम किया और ऊँची आवाज़ से चिल्लाकर कहता है, हे यीशु, परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुमसे क्या? मैं तुम्हें परमेश्वर की शपथ देता हूँ, मुझे यातना मत दो। वह उसे कह रहा था, हे अशुद्ध आत्मा, इस आदमी से निकल जा। और उसने उससे पूछा, तुम्हारा नाम क्या है? और उसने उत्तर देते

हुए कहा, मेरा नाम सेना है, क्योंकि हम बहुत हैं। और वह उससे बहुत विनती करता था कि वह उन्हें देश के बाहर न भेजे। वहाँ सूअरों का एक बड़ा झुंड पहाड़ के पास चर रहा था। और सभी दुष्टात्माओं ने उससे विनती की और कहा, हमें सूअरों में भेज दो, ताकि हम उनमें प्रवेश कर सकें। और यीशु ने तुरंत उनको अनुमति दी। और अशुद्ध आत्माएं निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं, और झुंड चट्टान से समुद्र में दौड़ पड़ा, वे लगभग दो हजार थे, और वे समुद्र में डूब रहे थे। और सूअरों को चराने वाले भाग गए और शहर में तथा खेतों में जाकर सूचना दी, और लोग यह देखने के लिए बाहर निकले कि क्या हुआ है। और वे यीशु के पास आते हैं, और वे उस दुष्टात्मा-ग्रस्त को बैठे हुए, कपड़े पहने हुए और स्वस्थ मन वाले देखते हैं, जिसमें सेना थी, और वे डर गए। और जिन्होंने देखा था, उन्होंने उनको बताया कि भूत-ग्रस्त व्यक्ति के साथ कैसे हुआ और सूअरों के बारे में। और उन्होंने उससे आग्रह करना शुरू किया कि वह उनकी सीमाओं से चला जाए। और जब वह नाव में चढ़ रहा था, तो भूत-ग्रस्त आदमी ने उससे विनती की कि वह उसके साथ रहे। और उसने उसे नहीं जाने दिया, लेकिन उससे कहा, अपने घर अपनों के पास जा और उन्हें बता कि प्रभु ने तेरे लिए कितना किया है और तुझ पर दया की है। और वह चला गया और दिकापुलिस में घोषणा करने लगा कि यीशु ने उसके लिए कितना कुछ किया, और सब लोग चकित हुए।

और जब यीशु नाव में फिर पार गए, तो उनके पास एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई, और वह समुद्र के किनारे थे। और सभागृह के शासकों में से एक आता है, जिसका नाम याईरुस था, और उसे देखकर उसके पैरों पर गिर पड़ता है। और उसने उससे बहुत विनती की, यह कहते हुए कि मेरी छोटी बेटी मृत्यु के कगार पर है, ताकि आप आकर उस पर अपने हाथ रखें, जिससे वह बच जाए और जीवित रहे। और वह उसके साथ गया, और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चल रही थी, और वे उसे दबा रहे थे। और एक स्त्री जो बारह वर्षों से रक्तस्राव में थी और जो बहुत से चिकित्सकों द्वारा बहुत पीड़ित हुई थी और अपना सब कुछ खर्च कर चुकी थी, और कोई सहायता नहीं मिली थी, बल्कि और भी बुरी हालत में आ गई थी, यीशु के बारे में सुनकर, भीड़ में पीछे से आकर उसने उसके वस्त्र को छुआ, वह अपने मन में कह रही थी कि यदि मैं उसके वस्त्रों को भी छू लूं, तो मैं बच जाऊंगी। और तुरंत उसके रक्त का स्रोत सूख गया, और उसने शरीर में जान लिया कि वह पीड़ा से चंगी हो गई है। और तुरंत यीशु ने अपने में जानकर कि उसमें से शक्ति निकली है, भीड़ में मुड़कर कहा, किसने मेरे वस्त्रों को छुआ? और उसके शिष्य उससे कह रहे थे, आप भीड़ को देखते हैं जो आपको दबा रही है, और आप कहते हैं किसने मुझे छुआ? और वह उसे देखने के लिए चारों ओर देख रहा था जिसने यह किया था। लेकिन वह स्त्री डरती हुई और कांपती हुई, यह जानते हुए कि उसके साथ क्या हुआ था, आई और उसके सामने गिर पड़ी और उसे सारा सच बता दिया। लेकिन

उसने उससे कहा, बेटी, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। शांति से जाओ, और अपनी बीमारी से स्वस्थ रहो। अभी वह बोल ही रहा था कि सभागृह अधिकारी के यहाँ से लोग आए और कहने लगे कि तुम्हारी बेटी मर गई है, अब शिक्षक को क्यों परेशान करते हो? लेकिन यीशु ने तुरंत वह वचन सुनकर जो बोला जा रहा था, सभागृह के अधिकारी से कहा, डर मत, केवल विश्वास कर। और उसने किसी को भी अपने साथ चलने की अनुमति नहीं दी, सिवाय पतरस और याकूब और याकूब के भाई यूहन्ना के। और वह सभा के अधिकारी के घर में आता है, और शोर देखता है, और बहुत रोते और विलाप करते हुए लोगों को देखता है। और प्रवेश करके वह उनसे कहता है, तुम क्यों परेशान हो रहे हो और रो रहे हो? बच्चा मरा नहीं है, बल्कि सो रहा है। और वे उस पर हंसने लगे। लेकिन उसने सबको बाहर निकालकर, बच्चे के पिता और माता तथा अपने साथियों को साथ लिया, और वहाँ प्रवेश किया जहाँ बच्चा लेटा हुआ था। और बच्ची का हाथ पकड़कर उससे कहता है, तलीता, कूमी, जिसका अनुवाद है, हे लड़की, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ। और तुरंत वह लड़की उठी और चलने लगी, क्योंकि वह बारह वर्ष की थी। और वे बहुत चकित हुए। और उसने उन्हें बहुत आज़ा दी कि कोई इसे न जाने, और कहा कि उसे खाने को दिया जाए।

6

और वह वहाँ से बाहर गया और अपनी पितृभूमि में आया, और उसके शिष्य उसका अनुसरण कर रहे थे। और जब सब्त का दिन हुआ, तो वह सभा में सिखाने लगा, और बहुत से लोग सुनकर चकित हो गए और कहने लगे, इसको ये बातें कहाँ से मिलीं? और यह कौन सी बुद्धि है जो इसको दी गई है, और ऐसी शक्तियाँ जो इसके हाथों से होती हैं? क्या यह वह बढ़ई नहीं है, जो मरियम का पुत्र है, और याकूब, योसे, यहूदा और शमौन का भाई है? और क्या उसकी बहनें यहाँ हमारे पास नहीं हैं? और वे उससे नाराज़ हो गए। यीशु उनसे कह रहे थे कि कोई भविष्यवक्ता अपनी पितृभूमि में और अपने रिश्तेदारों में और अपने घर में ही अनादरित होता है। और वह वहाँ कोई भी चमत्कार करने में सक्षम नहीं था, सिवाय कुछ बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें चंगा करने के। और वह उनके अविश्वास के कारण आश्चर्यचकित हो रहा था। और वह चारों ओर के गाँवों में घूम-घूमकर उपदेश देता रहा।

और उसने बारह को बुलाया, और उन्हें दो-दो करके भोजना शुरू किया, और उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, और उसने उनको आदेश दिया कि वे रास्ते में कुछ न ले जाएं, केवल छड़ी को छोड़कर - न थैला, न रोटी, न पेटी में कांसा। लेकिन चप्पलें पहने हुए हों, और दो अंगरखे न पहनें। और वह उनसे कह रहा था, जहाँ कहीं तुम किसी घर में प्रवेश

करो, वहाँ तब तक रहो जब तक तुम वहाँ से निकलो। और जितने भी तुम्हें ग्रहण न करें और न तुम्हारी सुनें, वहाँ से निकलते हुए अपने पैरों के नीचे की धूल को उनके विरुद्ध गवाही के लिए झाड़ दो। सच कहता हूँ तुमसे, न्याय के दिन उस नगर की अपेक्षा सदोम या गमोरा के लिए अधिक सहनीय होगा। और बाहर जाकर उन्होंने घोषणा की ताकि लोग पश्चात्ताप करें। और वे बहुत से दुष्टात्माओं को निकाल रहे थे, और बहुत से बीमारों को तेल लगा रहे थे और उन्हें चंगा कर रहे थे।

और राजा हेरोदेस ने सुना, क्योंकि उसका नाम प्रसिद्ध हो गया था, और वह कहता था कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मृतकों में से जिलाया गया है, और इसलिए ये शक्तियाँ उसमें कार्य कर रही हैं। दूसरे कह रहे थे कि वह एलिय्याह है, लेकिन दूसरे कह रहे थे कि वह एक नबी है जैसे नबियों में से एक। लेकिन हेरोदेस ने सुनकर कहा कि जिस यूहन्ना का मैंने सिर काटा था, यह वही है, वह मरे हुएों में से जी उठा है। क्योंकि स्वयं हेरोदेस ने भेजकर योहन को पकड़ा और उसको कारागार में बांधा, हेरोदियास के कारण जो उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी थी, क्योंकि उसने उससे विवाह किया था। क्योंकि यूहन्ना हेरोदेस से कहता था कि तुम्हें अपने भाई की पत्नी को रखना उचित नहीं है। लेकिन हेरोदियास उससे द्वेष रखती थी और उसे मार डालना चाहती थी, और सक्षम नहीं थी। क्योंकि हेरोदेस यूहन्ना से डरता था, यह जानते हुए कि वह एक धर्मी और पवित्र पुरुष था, और वह उसकी रक्षा करता था, और उसकी बातें सुनकर बहुत कुछ करता था और प्रसन्नता से उसकी सुनता था। और एक अनुकूल दिन आया, जब हेरोदेस ने अपने जन्मदिन पर अपने महान लोगों और सेनापतियों और गलील के प्रमुख लोगों के लिए भोजन दिया, और जब हेरोदियास की बेटी ने प्रवेश करके नृत्य किया और हेरोदेस तथा उसके साथ भोजन करने वालों को प्रसन्न किया, तो राजा ने लड़की से कहा, मुझसे जो कुछ तू चाहती है मांग, और मैं तुझे दूंगा। और उसने उसे शपथ खाई कि जो कुछ भी तुम मुझसे मांगोगी, मैं तुम्हें दूंगा, यहाँ तक कि मेरे राज्य का आधा भी। वह बाहर जाकर अपनी माँ से बोली, मैं क्या मांगूँ? उसने कहा, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर। और उसने तुरंत उत्साह के साथ राजा के पास जाकर कहा, मैं चाहती हूँ कि आप मुझे अभी थाली पर यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर दें। और राजा अत्यंत दुःखी हुआ, परंतु शपथों के कारण और भोजन में साथ बैठे लोगों के कारण उसने उसे अस्वीकार करना नहीं चाहा। और राजा ने तुरंत जल्लाद को भेजकर उसका सिर लाने का आदेश दिया। वह जाकर कारागार में उसका सिर काट दिया, और उसका सिर थाली पर लाया और उसे लड़की को दे दिया, और लड़की ने उसे अपनी माता को दे दिया। और उसके शिष्यों ने सुनकर आए और उसका शव उठाया, और उसे कब्र में रखा।

और प्रेरित यीशु के पास इकट्ठा हुए, और उन्होंने उसे सब कुछ बताया, और जो कुछ उन्होंने किया और जो कुछ उन्होंने सिखाया। और उसने उनसे कहा, तुम स्वयं अपने अनुसार एक निर्जन स्थान में आओ, और थोड़ा विश्राम करो, क्योंकि आने वाले और जाने वाले बहुत थे, और उन्हें खाने का भी समय नहीं था। और वे नाव में अकेले एक निर्जन स्थान को गए। और मैंने उन्हें जाते हुए देखा, और कई लोगों ने उन्हें पहचान लिया, और सभी शहरों से पैदल वहाँ दौड़े और उनसे आगे निकल गए और उसके पास इकट्ठे हो गए। और यीशु बाहर गए और उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी और उन पर दया की, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे जिनका कोई चरवाहा नहीं है, और उन्होंने उन्हें बहुत सी बातें सिखाना शुरू किया। और जब बहुत समय बीत चुका था, उसके शिष्य उसके पास आकर कहते हैं कि यह स्थान निर्जन है और पहले से ही बहुत समय हो चुका है। उनको भेज दो, ताकि वे चारों ओर के खेतों और गाँवों में जाकर अपने लिए रोटियाँ खरीदें, क्योंकि उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, तुम उन्हें खाने को दो। और वे उससे कहते हैं, क्या हम जाकर दो सौ दीनार की रोटियाँ खरीदें और उन्हें खाने को दें? लेकिन वह उनसे कहता है, तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं? जाओ और देखो। और जानकर वे कहते हैं, पाँच, और दो मछलियाँ। और उसने उन्हें आदेश दिया कि सबको हरी घास पर दावतों के समूहों में लिटा दें। और वे समूहों में लेट गए, सौ-सौ और पचास-पचास के समूहों में। और पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लेकर, स्वर्ग की ओर देखकर उसने आशीर्वाद दिया, और रोटियाँ तोड़कर चेतों को देता रहा ताकि वे उन्हें लोगों के सामने रखें, और दो मछलियाँ सबको बाँट दीं। और सबने खाया और संतुष्ट हुए। और उन्होंने टुकड़ों की बारह भरी हुई टोकरियाँ उठाई, और मछलियों से भी। और वे पुरुष जिन्होंने रोटियाँ खाई थीं, पाँच हजार थे।

और उसने तुरंत अपने शिष्यों को नाव में चढ़ने और बेथसैदा की ओर पार जाने के लिए मजबूर किया, जब तक वह भीड़ को विदा करे। और उन्हें विदा लेकर वह पहाड़ पर प्रार्थना करने चला गया। और शाम हो गई थी, नाव समुद्र के बीच में थी, और वह अकेला धरती पर था। और उन्हें नाव चलाने में पीड़ित होते देखकर, क्योंकि हवा उनके विपरीत थी, और रात के लगभग चौथे पहर में वह समुद्र पर चलते हुए उनके पास आता है, और वह उनके पास से गुजर जाना चाहता था। परंतु उन्होंने उसे समुद्र पर चलते हुए देखकर सोचा कि वह प्रेत है, और चिल्लाए क्योंकि सबने उसे देखा और व्याकुल हो गए। और तुरंत उसने उनके साथ बात की और उनसे कहा, साहस रखो, मैं हूँ, मत डरो। और वह नाव में उनके पास चढ़ गया, और हवा रुक गई, और वे अपने आप में बहुत अधिक चकित हुए और आश्चर्यचकित हुए। क्योंकि वे रोटियों के बारे में नहीं समझे, बल्कि उनका हृदय कठोर हो गया था।

और पार करके वे गन्नेसरत की भूमि पर चले गए और उन्होंने लंगर डाला। और जब वे नाव से बाहर निकले, तुरंत उन्होंने उसे पहचान लिया उन्होंने उस पूरे आसपास के क्षेत्र में चारों ओर दौड़ लगाई और खाटों पर बीमारों को लेकर घूमने लगे, जहाँ उन्होंने सुना कि वह वहाँ है। और जहाँ कहीं भी वह गाँवों या नगरों या खेतों में प्रवेश करता था, बाजारों में वे बीमारों को रखते थे और उससे विनती करते थे कि वे उसके वस्त्र के किनारे को भी छू सकें, और जितने भी उसे छूते थे, वे बचाए जाते थे।

7

और फरीसी और शास्त्रियों में से कुछ लोग जो यरूशलेम से आए थे, उसके पास इकट्ठा हुए। और उसके कुछ शिष्यों को सामान्य हाथों से, अर्थात् बिना धोए हाथों से, रोटियाँ खाते देखकर उन्होंने दोष लगाया। क्योंकि फरीसी और सभी यहूदी, यदि मुट्ठी से हाथ न धोएं, तो नहीं खाते, बुजुर्गों की परंपरा को पकड़े हुए। और बाज़ार से आने पर, यदि वे नहीं धोते हैं, तो वे नहीं खाते हैं, और बहुत सी अन्य बातें हैं जो उन्होंने पालन करने के लिए प्राप्त की हैं, प्यालों, घड़ों, कांसे के बर्तनों और पलंगों की धुलाई। तब फरीसी और शास्त्री उससे पूछते हैं, क्यों तुम्हारे शिष्य बुजुर्गों की परंपरा के अनुसार नहीं चलते, लेकिन बिना धोए हाथों से रोटी खाते हैं? और उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा कि यशायाह ने तुम पाखंडियों के बारे में अच्छी तरह से भविष्यवाणी की थी, जैसा लिखा है, ये लोग होंठों से मेरा सम्मान करते हैं, लेकिन उनका हृदय मुझसे दूर है। लेकिन वे व्यर्थ में मेरी पूजा करते हैं, मनुष्यों के आदेशों को शिक्षाओं के रूप में सिखाते हुए।

क्योंकि परमेश्वर की आज्ञा को छोड़कर तुम मनुष्यों की परंपरा को पकड़े रहते हो— घड़ों और प्यालों को धोना, और ऐसी ही बहुत सी बातें करते हो। और वह उनसे कह रहा था, तुम परमेश्वर की आज्ञा को अच्छी तरह से रद्द कर देते हो ताकि तुम अपनी परंपरा को बनाए रख सको। मूसा ने कहा था, अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करो, और जो कोई पिता या माता को बुरा कहे, वह मृत्यु से मार डाला जाए। तुम लेकिन कहते हो, अगर कोई आदमी अपने पिता या माता से कहे, कोरबान, जो उपहार है, जो कुछ भी मुझसे तुम्हें लाभ मिलता, और आप उसे अब अपने पिता या अपनी माता के लिए कुछ भी करने नहीं देते, तुम परमेश्वर के वचन को अपनी परंपरा द्वारा निरस्त करते हो जो तुमने सौंपी है, और ऐसी ही बहुत सी बातें करते हो। और उसने सारी भीड़ को बुलाकर उनसे कहा, तुम सब मेरी सुनो और समझो। मनुष्य के बाहर से कुछ भी नहीं है जो उसमें प्रवेश करके उसे अशुद्ध कर सके, लेकिन जो निकलता है वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। और जब वह भीड़ से घर में

दाखिल हुआ, तो उसके शिष्यों ने उससे दृष्टान्त के विषय में पूछा। और वह उनसे कहता है, क्या इस प्रकार तुम भी मूर्ख हो? क्या तुम अभी तक नहीं समझते कि जो कुछ बाहर से मनुष्य में प्रवेश करता है, वह उसे अशुद्ध नहीं कर सकता? क्योंकि वह उसके हृदय में प्रवेश नहीं करता है, बल्कि पेट में जाता है, और शौचालय में बाहर निकल जाता है, सब भोजन को शुद्ध करते हुए। वह कहता था कि जो आदमी से बाहर निकलता है, वही आदमी को अशुद्ध करता है। क्योंकि अंदर से, मनुष्यों के हृदय से बुरे विचार निकलते हैं—व्यभिचार, वेश्यागमन, हत्याएं, चोरियाँ, लालच, दुष्टताएँ, छल, कामुकता, दुष्ट आँख, निन्दा, अहंकार, मूर्खता। यह सब बुरा अंदर से निकलता है और मनुष्य को अशुद्ध करता है।

और वहाँ से उठकर वह सोर और सीदोन की सीमाओं में गया। और एक घर में प्रवेश करके वह नहीं चाहता था कि कोई जाने, और वह छिप नहीं सका। क्योंकि एक स्त्री ने उसके बारे में सुना, जिसकी छोटी बेटी में अशुद्ध आत्मा थी, और वह आकर उसके पैरों में गिर पड़ी। वह स्त्री यूनानी थी, जाति से सीरियाई-फीनीकी, और वह उससे विनती कर रही थी कि वह उसकी बेटी में से दुष्टात्मा को निकाल दे। और यीशु ने उससे कहा, पहले बच्चों को संतुष्ट होने दो, क्योंकि बच्चों की रोटी लेकर छोटे कुत्तों को फेंकना अच्छा नहीं है। परन्तु उसने उत्तर दिया और उससे कहती है, हाँ, प्रभु, और कुत्ते भी मेज के नीचे बच्चों के टुकड़ों में से खाते हैं। और उसने उससे कहा, इस बात के कारण जाओ, दुष्टात्मा तुम्हारी बेटी से निकल गई है। और जब वह अपने घर गई, तो उसने बच्चे को बिस्तर पर पड़ा हुआ पाया और दुष्टात्मा निकल चुकी थी।

और फिर सूर और सैदा की सीमाओं से बाहर निकलकर, वह दिकापुलिस की सीमाओं के बीच से होते हुए गलील के समुद्र की ओर आया। और वे उसके पास एक बहरे और बोलने में अक्षम व्यक्ति को लाते हैं और उससे विनती करते हैं कि वह उसपर हाथ रखे। और उसे भीड़ से अलग ले जाकर, उसने अपनी उंगलियाँ उसके कानों में डालीं, और थूककर उसकी जीभ को छुआ, और स्वर्ग की ओर देखकर उसने आह भरी और उससे कहा, एप्फथा, जो है खुल जा। और तुरंत उसके कान खोले गए और उसकी जीभ का बंधन खोला गया, और वह सही ढंग से बोलने लगा। और उसने उन्हें आज्ञा दी कि वे किसी को न बताएं, लेकिन जितना अधिक वह उन्हें आज्ञा देता था, उतना ही अधिक वे प्रचार करते थे। और वे अत्यधिक चकित हुए और कहने लगे, उसने सब कुछ अच्छी तरह से किया है; वह बहरों को सुनने की शक्ति देता है और गूंगों को बोलने की शक्ति देता है।

उन दिनों में फिर बहुत भीड़ होने पर और उनके पास खाने के लिए कुछ न होने पर, यीशु ने अपने शिष्यों को बुलाकर उनसे कहा, मुझे भीड़ पर दया आती है, क्योंकि वे पहले से ही तीन दिन मेरे साथ रह रहे हैं और उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है। और यदि मैं उन्हें भूखा उनके घर भेज दूँ, तो वे रास्ते में कमजोर हो जाएंगे, क्योंकि उनमें से कुछ दूर से आए हैं। और उसके शिष्यों ने उसको उत्तर दिया, कहाँ से कोई यहाँ इनको रोटियों से संतुष्ट कर सकेगा इस निर्जन स्थान में? और उसने उनसे पूछा, तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं? उन्होंने कहा, सात। और उसने भीड़ को पृथ्वी पर लेटने की आज्ञा दी, और सात रोटियाँ लेकर धन्यवाद देकर तोड़ीं और अपने शिष्यों को देता रहा ताकि वे परोसें, और उन्होंने भीड़ के सामने परोसा। और उनके पास थोड़ी सी छोटी मछलियाँ थीं, और उन्हें भी आशीर्वाद देकर उसने कहा कि उन्हें भी परोस दो। और उन्होंने खाया और संतुष्ट हुए, और उन्होंने टुकड़ों के शेष भाग सात टोकरियाँ उठाईं। वे लगभग चार हजार थे, और उसने उन्हें विदा किया। और तुरंत नाव में अपने शिष्यों के साथ चढ़कर, वह दलमनूता के क्षेत्रों में आया।

और फरीसी बाहर गए और उससे बहस करने लगे, स्वर्ग से एक निशान मांगते हुए, उसकी परीक्षा करते हुए। और अपनी आत्मा में गहरी आह भरकर वह कहता है, यह पीढ़ी क्यों निशानी खोजती है? सच्चाई से मैं तुमसे कहता हूँ, इस पीढ़ी को निशानी नहीं दी जाएगी। और उनको छोड़कर, वह नाव में फिर चला गया।

और वे रोटियाँ लेना भूल गए थे, और उनके पास नाव में अपने साथ एक रोटि के सिवा कुछ नहीं था। और वह उन्हें कह रहा था, देखो, फरीसियों के खमीर और हेरोदेस के खमीर से सावधान रहो। और वे एक दूसरे से विचार-विमर्श कर रहे थे, यह कहते हुए कि हमारे पास रोटियाँ नहीं हैं। और यह जानकर यीशु उनसे कहते हैं, तुम क्यों विचार कर रहे हो कि तुम्हारे पास रोटियाँ नहीं हैं? क्या तुम अभी तक नहीं समझते और न ही समझते हो? क्या तुम्हारा हृदय अभी भी कठोर है? आँखें रखते हुए भी तुम नहीं देखते, और कान रखते हुए भी नहीं सुनते? और क्या तुम याद नहीं करते?

जब मैंने पाँच रोटियाँ पाँच हजार लोगों के लिए तोड़ीं, तो तुमने टुकड़ों से भरी कितनी टोकरियाँ उठाईं? वे उससे कहते हैं, बारह। जब सात रोटियों को चार हजार लोगों में बाँटा, तो टुकड़ों से भरी कितनी टोकरियाँ आपने उठाईं? उन्होंने कहा, सात। और वह उनसे कह रहा था, क्या अभी नहीं समझते?

और वह बैतसैदा में आता है। और वे उसके पास एक अंधे को लाते हैं और उससे विनती करते हैं कि वह उसे छुए। और अंधे का हाथ पकड़कर उसे गाँव के बाहर ले गया, और उसकी आँखों में थूककर, उस पर हाथ रखकर उससे पूछा कि क्या वह कुछ देखता है। और ऊपर देखकर उसने कहा, मैं लोगों को पेड़ों की तरह चलते हुए देखता हूँ। फिर उसने फिर से अपने हाथ उसकी आँखों पर रखे और उसे ऊपर देखने को कहा, और वह बहाल हुआ, और उसने सब कुछ स्पष्ट रूप से देखा। और उसने उसे उसके घर भेजा और कहा, न तो गाँव में प्रवेश करना और न ही गाँव में किसी को कुछ कहना।

और यीशु और उसके शिष्य फिलिप्पुस के कैसरिया के गाँवों में गए, और रास्ते में वह अपने शिष्यों से पूछ रहे थे, लोग मुझे क्या कहते हैं? उन्होंने उत्तर दिया, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, और अन्य ने एलिय्याह, और अन्य ने भविष्यवक्ताओं में से एक। और वह उनसे कहता है, लेकिन तुम मुझे क्या कहते हो? उत्तर देते हुए पतरस उससे कहता है, तू मसीह है। और उसने उन्हें डांटा ताकि वे किसी को उसके बारे में न कहें।

और उसने उन्हें सिखाना आरंभ किया कि मनुष्य के पुत्र का बहुत कष्ट सहना, बुजुर्गों और प्रधान याजकों और शास्त्रियों द्वारा अस्वीकार किया जाना, मार डाला जाना, और तीन दिन के बाद जी उठना आवश्यक है। और वह खुलकर यह बात कह रहा था। और पतरस उसे अलग ले जाकर उसे फटकारने लगा। लेकिन वह मुड़ा और अपने शिष्यों को देखकर उसने पतरस को डांटा और कहा, हे शैतान, मेरे पीछे हट जा, क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं, बल्कि मनुष्यों की बातें सोचता है।

और उसने अपने चेलों के साथ भीड़ को बुलाकर उनसे कहा, जो कोई मेरे पीछे चलना चाहता है, वह अपने आप का इनकार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरा अनुसरण करे। क्योंकि जो अपनी आत्मा को बचाना चाहेगा, वह उसे खो देगा, लेकिन जो अपनी आत्मा को मेरे और शुभ समाचार के कारण खो देगा, वह उसे बचाएगा। क्या लाभ होगा मनुष्य को यदि वह संपूर्ण संसार को प्राप्त कर ले, और अपनी आत्मा को खो दे? या मनुष्य अपनी आत्मा के बदले क्या देगा? क्योंकि जो कोई मुझसे और मेरे शब्दों से इस व्यभिचारिणी और पापी पीढ़ी में शर्मिदा होगा, मनुष्य का पुत्र भी उससे शर्मिदा होगा जब वह अपने पिता की महिमा में पवित्र स्वर्गदूतों के साथ आएगा।

और वह उनसे कह रहा था, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि यहाँ खड़े लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो मृत्यु को तब तक नहीं चखेंगे जब तक वे परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य में आया हुआ न देख लें।

और छह दिनों के बाद यीशु पतरस और याकूब और यूहन्ना को साथ लेता है और उनको एक ऊँचे पहाड़ पर अकेले ले जाता है, और वह उनके सामने रूपांतरित हुआ, और उसके वस्त्र चमकते हुए, बहुत सफेद हो गए, बर्फ के समान, जैसा कि पृथ्वी पर कोई धोबी इस प्रकार सफेद नहीं कर सकता। और एलिय्याह मूसा के साथ उनको दिखाई दिया, और वे यीशु से बातचीत कर रहे थे। और पतरस ने उत्तर देते हुए यीशु से कहा, रब्बी, हमारा यहाँ होना अच्छा है, और हम तीन तम्बू बनाएं - एक आपके लिए, एक मूसा के लिए और एक एलिय्याह के लिए। नहीं, क्योंकि वह नहीं जानता था कि क्या बोले, क्योंकि वे भयभीत थे। और एक बादल उन पर छाया करने लगा, और बादल में से एक आवाज़ आई जो कह रही थी, यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो। और अचानक चारों ओर देखने पर उन्होंने अब किसी को नहीं देखा, लेकिन केवल यीशु को अपने साथ देखा। जब वे पहाड़ से नीचे जा रहे थे, तो उसने उन्हें आज्ञा दी कि जो कुछ उन्होंने देखा है वह किसी को न बताएं, जब तक कि मनुष्य का पुत्र मृतकों में से जी न उठे। और उन्होंने इस बात को अपने तक रखा, आपस में विचार-विमर्श करते हुए कि मृतकों में से जी उठना क्या है। और वे उससे पूछ रहे थे कहते हुए, कि शास्त्री कहते हैं कि एलिय्याह का पहले आना आवश्यक है। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, एलिय्याह वास्तव में पहले आकर सब कुछ पुनर्स्थापित करता है, और मनुष्य के पुत्र के विषय में कैसे लिखा गया है कि वह बहुत कष्ट सहें और तुच्छ समझा जाए? लेकिन मैं तुम से कहता हूँ कि एलिय्याह भी आ चुका है, और उन्होंने उसके साथ जो चाहा वह किया, जैसा उसके विषय में लिखा गया है।

और जब वह शिष्यों के पास आया, तो उसने उनके चारों ओर एक बड़ी भीड़ देखी, और शास्त्रियों को उनके साथ विवाद करते हुए देखा। और तुरंत सारी भीड़ उसे देखकर चकित हो गई, और दौड़कर उसका अभिवादन किया। और उसने शास्त्रियों से पूछा, तुम आपस में क्या बहस कर रहे हो? और भीड़ में से एक ने उत्तर देते हुए कहा, गुरु, मैं अपने पुत्र को आपके पास लाया हूँ, जो एक गूंगी आत्मा रखता है। और जहाँ कभी यह उसे पकड़ता है, वह उसे पटक देता है, और वह झाग उगलता है और अपने दाँत पीसता है, और सूख जाता है। और मैंने तुम्हारे शिष्यों से कहा कि वे इसे निकाल दें, परन्तु वे नहीं निकाल सके। लेकिन उत्तर देते हुए वह उससे कहता है, हे अविश्वासी पीढ़ी, मैं कब तक तुम्हारे पास रहूँगा? कब तक तुम्हें सहूँगा? उसे मेरे पास लाओ। और वे उसे उसके पास लाए। और उसे देखकर तुरंत

आत्मा ने उसे ऐंठा, और वह पृथ्वी पर गिरकर झाग बनाते हुए लोटने लगा। और उसने अपने पिता से पूछा, कितना समय हो गया है जब से यह उसके साथ हुआ है? और उसने कहा, बचपन से। और अक्सर उसने उसे आग में डाला और पानी में, ताकि उसे नष्ट कर दे, लेकिन यदि आप कुछ कर सकते हैं, तो हम पर दया करके हमारी सहायता करें। और यीशु ने उससे कहा, यदि तू विश्वास कर सकता है, तो विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ संभव है। और तुरंत बच्चे का पिता आँसुओं के साथ चिल्लाकर बोला, मैं विश्वास करता हूँ, प्रभु, मेरे अविश्वास में मेरी सहायता कीजिए। यीशु ने देखा कि भीड़ इकट्ठी हो रही है, तो उन्होंने अशुद्ध आत्मा को डांटते हुए कहा, हे गूंगी और बहरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल जा और फिर कभी उसमें प्रवेश मत करना। और चिल्लाकर और उसे बहुत ऐंठकर बाहर निकल गया, और वह मृत जैसा हो गया, इसलिए बहुत से लोग कहने लगे कि वह मर गया। लेकिन यीशु ने उसका हाथ पकड़कर उसे उठाया, और वह उठ खड़ा हुआ। और जब वह घर में प्रवेश कर चुके, तो उनके शिष्यों ने उनसे अकेले में पूछा, हम इसे क्यों नहीं निकाल सके? और उन्होंने उनसे कहा, यह जाति किसी भी तरह से नहीं निकल सकती, यदि प्रार्थना और उपवास के द्वारा नहीं।

और वहाँ से निकलकर वे गलील के माध्यम से गुजर रहे थे, और वह नहीं चाहता था कि कोई जान सके, वह अपने शिष्यों को सिखा रहा था और उनसे कह रहा था कि मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथों में सौंपा जाता है, और वे उसे मार डालेंगे, और मारे जाने के बाद तीसरे दिन वह जी उठेगा। वे लेकिन उस शब्द को नहीं समझते थे, और उससे पूछने से डरते थे।

और वह कपरनहूम में आया, और घर में होकर उसने उनसे पूछा, रास्ते में तुम आपस में क्या चर्चा कर रहे थे? वे चुप रहे, क्योंकि उन्होंने रास्ते में आपस में चर्चा की थी कि कौन बड़ा है। और बैठकर उसने उन बारह को बुलाया और उनसे कहता है, यदि कोई पहला होना चाहता है, तो वह सबका अंतिम और सबका सेवक होगा। और एक बच्चे को लेकर उसने उसे उनके बीच में खड़ा किया, और उसे गले लगाकर उनसे कहा, जो कोई ऐसे बच्चों में से एक को मेरे नाम पर ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है, और जो कोई मुझे ग्रहण करता है, वह मुझे नहीं बल्कि उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा है। यूहन्ना ने उसको उत्तर देते हुए कहा, गुरु, हमने किसी को तेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालते हुए देखा, जो हमारा अनुसरण नहीं करता, और हमने उसको रोका, क्योंकि वह हमारा अनुसरण नहीं करता। लेकिन यीशु ने कहा, उसे मत रोको, क्योंकि कोई नहीं है जो मेरे नाम पर सामर्थ्य का काम करेगा और शीघ्र ही मेरी निंदा कर सकेगा। जो तुम्हारे विरुद्ध नहीं है, वह तुम्हारे पक्ष में है।

जो कोई तुम्हें मेरे नाम में पानी का प्याला पिलाएगा, क्योंकि तुम मसीह के हो, मैं सचमुच तुमसे कहता हूँ, वह अपना प्रतिफल कदापि नहीं खोएगा।

और जो कोई इन छोटों में से एक को, जो मुझ में विश्वास करते हैं, ठोकर खिलाए, उसके लिए यह अधिक अच्छा है कि उसके गले में चक्की का पत्थर लटकाया जाए और वह समुद्र में फेंक दिया जाए। और यदि तुम्हारा हाथ तुम्हें ठोकर खिलाए, तो इसे काट डालो। तुम्हारे लिए अच्छा है कि अपंग होकर जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दोनों हाथ रखते हुए गेहन्ना में जाओ, उस आग में जो कभी नहीं बुझती। जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता है और आग नहीं बुझाई जाती है। और यदि तुम्हारा पैर तुम्हें ठोकर खिलाए, तो उसे काट दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि लंगड़े होकर जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो पैर रखते हुए गेहन्ना में, अबुझ आग में फेंके जाओ। जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता है और आग नहीं बुझती है। और यदि तुम्हारी आँख तुम्हें ठोकर खिलाए, तो उसे निकाल दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि एक आँख से परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो आँखें रखते हुए आग के नरक में जाओ। जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता है और आग नहीं बुझाई जाती है। क्योंकि सब आग से नमकीन किए जाएंगे, और हर बलिदान नमक से नमकीन किया जाएगा। नमक अच्छा है, लेकिन अगर नमक बेस्वाद हो जाए, तो तुम इसे किस चीज़ से नमकीन करोगे? अपने भीतर नमक रखो और एक दूसरे के साथ शांति से रहो।

10

और वहाँ से उठकर वह यर्दन के पार होते हुए यहूदिया की सीमाओं में आया, और फिर भीड़ें उसके पास इकट्ठी हुईं, और जैसा उसकी आदत थी, वह फिर उन्हें सिखाने लगा। और फरीसी पास आकर उससे पूछ रहे थे कि क्या किसी पुरुष को अपनी पत्नी को तलाक देने की अनुमति है, उसकी परीक्षा लेते हुए। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, मूसा ने तुम्हें क्या आज्ञा दी? लेकिन उन्होंने कहा, मूसा ने तलाक की पुस्तक लिखने और छोड़ने की अनुमति दी। और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, तुम्हारी कठोरहृदयता के कारण उसने तुम्हारे लिए यह आज्ञा लिखी। परन्तु सृष्टि के आरंभ से परमेश्वर ने उन्हें नर और मादा बनाया। इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़ेगा, और अपनी पत्नी से जुड़ेगा, और वे दोनों एक देह होंगे। इस प्रकार वे अब दो नहीं, परन्तु एक मांस हैं। जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे। और घर में फिर शिष्यों ने इस के बारे में उससे पूछा। और वह उनसे कहता है, जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है और दूसरी से शादी करता है,

वह उसके विरुद्ध व्यभिचार करता है। और अगर कोई स्त्री अपने पति को तलाक देकर किसी दूसरे से शादी करे, तो वह व्यभिचार करती है।

और वे उसके पास बच्चों को ला रहे थे, ताकि वह उन्हें छुए, लेकिन चेलों ने लाने वालों को डांटा। यीशु ने यह देखकर नाराज़गी जताई और उनसे कहा, बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मत रोको, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों का है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जो कोई परमेश्वर के राज्य को बालक के समान ग्रहण नहीं करता, वह उसमें कदापि प्रवेश नहीं करेगा। और उन्हें गले लगाकर, उन पर हाथ रखते हुए उसने आशीर्वाद दिया।

और जब वह रास्ते में जा रहा था, एक व्यक्ति दौड़कर आया और उसके सामने घुटने टेककर उससे पूछा, हे अच्छे गुरु, मैं क्या करूँ ताकि अनन्त जीवन पा सकूँ? और यीशु ने उससे कहा, तू मुझे भला क्यों कहता है? कोई भला नहीं, केवल एक परमेश्वर। तू आदेशों को जानता है: व्यभिचार मत करना, हत्या मत करना, चोरी मत करना, झूठी गवाही मत देना, धोखा मत देना, अपने पिता और माता का सम्मान करो। परन्तु उसने उत्तर देते हुए उससे कहा, गुरु, इन सब बातों को मैंने अपनी युवावस्था से पालन किया है। यीशु ने उसकी ओर देखा, उससे प्रेम किया और उससे कहा, तुममें एक कमी है। यदि तुम परिपूर्ण होना चाहते हो, तो जाओ, जो कुछ तुम्हारे पास है उसे बेचो और गरीबों को दो, और तुम्हें स्वर्ग में खजाना मिलेगा, और यहाँ आओ, अपना कूस उठाकर मेरा अनुसरण करो। लेकिन वह उस वचन पर उदास हो गया और शोक करता हुआ चला गया, क्योंकि उसके पास बहुत संपत्ति थी।

और चारों ओर देखकर यीशु अपने शिष्यों से कहते हैं, कैसे कठिनाई से वे जो धन रखते हैं, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करेंगे। लेकिन शिष्य उसके शब्दों पर चकित थे। यीशु फिर उत्तर देते हुए उनसे कहते हैं, हे बच्चों, जो धन पर भरोसा करते हैं, उनके लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है! ऊंट का सुई के छेद से निकल जाना आसान है, बजाय इसके कि कोई अमीर व्यक्ति परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे। लेकिन वे अत्यधिक चकित थे और आपस में कहने लगे, फिर कौन बचाया जा सकता है? उन्हें देखकर यीशु कहते हैं, मनुष्यों के लिए यह असंभव है, लेकिन परमेश्वर के लिए नहीं, क्योंकि परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है। पीटर ने उससे कहना शुरू किया, देखो, हमने सब कुछ छोड़ दिया है और तुम्हारा अनुसरण किया है। उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, सच मैं तुम से कहता हूँ, कोई नहीं है जिसने घर या भाई या बहन या पिता या माता या पत्नी या बच्चे या खेत मेरे कारण और सुसमाचार के कारण छोड़ा हो, यदि वह अब इस समय उत्पीड़न के साथ घर, भाई,

बहन, पिता, माता, बच्चे और खेत सौ गुना न पाए, और आने वाले युग में अनन्त जीवन न पाए। लेकिन बहुत से जो पहले हैं वे अंतिम होंगे, और जो अंतिम हैं वे पहले होंगे।

वे रास्ते में यरूशलेम की ओर जा रहे थे, और यीशु उनके आगे जा रहे थे, और वे चकित थे, और अनुसरण करते हुए डर रहे थे। और फिर बारह को लेकर, उन्होंने उनसे वे घटनाएं कहनी शुरू कीं जो उनके साथ घटित होने वाली थीं, कि देखो, हम यरूशलेम जा रहे हैं और मनुष्य का पुत्र प्रधान याजकों और शास्त्रियों को सौंपा जाएगा, और वे उसे मृत्यु की सज़ा देंगे और उसे अन्यजातियों को सौंपेंगे, और वे उसका उपहास करेंगे, उसे कोड़े मारेंगे, उस पर थूकेंगे और उसे मार डालेंगे, और तीसरे दिन वह जी उठेगा।

और याकूब और यूहन्ना, जो जब्दी के पुत्र थे, उसके पास आए और कहा, गुरु, हम चाहते हैं कि जो कुछ हम मांगें, आप हमारे लिए करें। लेकिन उसने उनसे कहा, तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ? परन्तु उन्होंने उससे कहा, हमें यह दे कि एक तेरे दाहिने और एक तेरे बाएं बैठे, तेरी महिमा में। यीशु ने उनसे कहा, तुम नहीं जानते कि तुम क्या मांग रहे हो। क्या तुम वह प्याला पी सकते हो जो मैं पीता हूँ, और वह बपतिस्मा ले सकते हो जो मैं लेता हूँ? उन्होंने उससे कहा, हम सक्षम हैं। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, जो प्याला मैं पीता हूँ वह तुम पीओगे, और जो बपतिस्मा मैं लेता हूँ वह तुम लोगे, परन्तु मेरे दाहिने और बाएं बैठना मेरा देना नहीं है, बल्कि उनके लिए है जिनके लिए यह तैयार किया गया है।

और जब दसों ने सुना, तो वे याकूब और यूहन्ना के विषय में क्रोधित होने लगे। लेकिन यीशु ने उन्हें बुलाकर उनसे कहा, तुम जानते हो कि जो राष्ट्रां पर शासन करते प्रतीत होते हैं वे उन पर प्रभुत्व जताते हैं और उनके महान लोग उन पर अधिकार चलाते हैं, परन्तु तुम में ऐसा नहीं होगा, बल्कि जो कोई तुम में महान बनना चाहे, वह तुम्हारा सेवक होगा। और जो तुममें से पहला बनना चाहता है, वह सबका दास होगा, और मनुष्य का पुत्र सेवा पाने नहीं आया, बल्कि सेवा करने आया, और अपनी आत्मा को बहुतों के स्थान पर छुड़ौती देने आया।

और वे यरीहो में आते हैं। और जब वह अपने शिष्यों और एक बड़ी भीड़ के साथ यरीहो से निकल रहा था, तो तिमाई का पुत्र बरतिमाई, जो अंधा था, रास्ते के किनारे भीख मांगते हुए बैठा था। और यह सुनकर कि यीशु नाज़री वहाँ है, वह चिल्लाने लगा और कहने लगा, हे दाऊद के पुत्र यीशु, मुझ पर दया करो। और बहुत-से लोग उसे डांट रहे थे ताकि वह चुप हो जाए, लेकिन वह और भी अधिक चिल्लाया, दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया करो। और यीशु खड़े होकर बोले, उसे बुलाओ। और वे उस अंधे को बुलाते हुए उससे कहते हैं, साहस

रखो, उठो, वह तुम्हें बुला रहा है। लेकिन उसने अपना वस्त्र फेंककर, उठकर यीशु के पास आया। और उत्तर देते हुए यीशु ने उससे कहा, तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिए करूँ? और उस अंधे ने उससे कहा, रब्वूनी, कि मैं फिर से देख सकूँ। और यीशु ने उससे कहा, जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। और तुरंत उसने दृष्टि प्राप्त की, और वह मार्ग में यीशु के पीछे चल रहा था।

11

और जब वे यरूशलेम के पास बेतफगे और बेतनिय्याह में जैतून के पहाड़ की ओर आते हैं, तो वह अपने दो चेलों को भेजता है। और वह उनसे कहता है, तुम अपने सामने वाले गाँव में जाओ, और तुरंत उसमें प्रवेश करते ही तुम्हें एक गधे का बच्चा बंधा हुआ मिलेगा, जिस पर कभी कोई मनुष्य नहीं बैठा है; उसे खोलकर लाओ। और अगर कोई तुमसे कहे, तुम यह क्या कर रहे हो? तो कहना कि प्रभु को इसकी जरूरत है, और वह तुरंत इसे फिर यहाँ भेज देंगे। वे चले गए और उन्होंने गधे के बच्चे को बाहर गली में दरवाजे के पास बंधा हुआ पाया, और उन्होंने उसे खोल दिया। और वहाँ खड़े कुछ लोग उनसे कह रहे थे, गधे के बच्चे को खोलकर तुम क्या कर रहे हो? लेकिन उन्होंने उनसे वैसा ही कहा जैसा यीशु ने आज्ञा दी थी, और उन्होंने उनको जाने दिया। और वे गधे के बच्चे को यीशु के पास लाए और उन्होंने अपने वस्त्र उस पर डाले, और वह उस पर बैठ गया। बहुत लोगों ने अपने वस्त्र रास्ते में बिछाए, और दूसरों ने पेड़ों से पत्तेदार शाखाएँ काटकर रास्ते में बिछाईं। और जो आगे जा रहे थे और जो पीछे आ रहे थे, वे चिल्ला रहे थे और कह रहे थे, होसन्ना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आ रहा है। धन्य है हमारे पिता दाऊद का आने वाला राज्य प्रभु के नाम में, होशाना सर्वोच्च में।

और यीशु यरूशलेम में प्रवेश किया और मंदिर में गया, और सब कुछ चारों ओर देखा। शाम का समय पहले से ही हो चुका था, इसलिए वह बारह के साथ बैतनिय्याह को निकल गया।

और अगले दिन जब वे बैतनिय्याह से निकले, तो वह भूखा था। और दूर से एक अंजीर का पेड़ देखकर जिसमें पत्ते थे, वह आया कि शायद उसमें कुछ पाएगा, और उसके पास आकर उसने कुछ नहीं पाया सिवाय पत्तों के, क्योंकि अंजीरों का समय नहीं था। और उत्तर देते हुए उसने इससे कहा, अब से अनंतकाल तक तुमसे कोई फल न खाए। और उसके शिष्य सुन रहे थे।

और वे फिर यरूशलेम में आते हैं, और यीशु मंदिर में प्रवेश करके उन लोगों को बाहर निकालने लगे जो मंदिर में बेच रहे थे और खरीद रहे थे, और साहूकारों की मेजों को और कबूतर बेचने वालों की कुर्सियों को उलट दिया। और वह किसी को भी मंदिर के माध्यम से बर्तन ले जाने की अनुमति नहीं दे रहा था। और वह उन्हें सिखाते हुए कह रहा था, क्या यह नहीं लिखा है कि मेरा घर सब राष्ट्रों के लिए प्रार्थना का घर कहलाएगा? लेकिन तुमने उसे डाकुओं की गुफा बना दिया है।

और शास्त्रियों, फरीसियों और प्रधान याजकों ने सुना, और वे खोज रहे थे कि उसे कैसे नष्ट करें, क्योंकि वे उससे डरते थे, इसलिए कि सारी भीड़ उसकी शिक्षा पर चकित थी। और जब देर हो गई, तो वह शहर के बाहर जा रहा था।

और सुबह गुजरते हुए उन्होंने अंजीर के पेड़ को जड़ों से सूखा हुआ देखा। और पतरस को याद आया और वह उनसे कहता है, रब्बी, देखिए, वह अंजीर का पेड़ जिसे आपने शाप दिया था, सूख गया है। और उत्तर देते हुए यीशु उनसे कहते हैं, तुम परमेश्वर में विश्वास रखो। सच में मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, उठाया जाए और समुद्र में फेंका जाए, और अपने हृदय में संदेह न करे, लेकिन विश्वास करे कि जो वह कहता है वह होता है, तो उसे वह मिलेगा जो वह कहे। इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, जो कुछ भी तुम प्रार्थना में माँगते हो, विश्वास करो कि तुम्हें मिल गया है, और वह तुम्हें मिल जाएगा। और जब तुम खड़े होकर प्रार्थना करो, तो यदि तुम्हारे पास किसी के विरुद्ध कुछ है तो क्षमा करो, ताकि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, वह भी तुम्हारे अपराध क्षमा करे। लेकिन यदि तुम क्षमा नहीं करते, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराधों को क्षमा नहीं करेगा।

और वे फिर यरूशलेम आते हैं, और जब वह मंदिर में चल रहा था, तो मुख्य याजक और शास्त्री और बुजुर्ग उसके पास आते हैं। और वे उससे कहते हैं, किस अधिकार से तू ये काम करता है? या किसने तुझे यह अधिकार दिया कि तू ये काम करे? लेकिन यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, मैं भी तुमसे एक बात पूछूंगा, और तुम मुझे उत्तर दो, और मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं किस अधिकार से ये काम करता हूँ। यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था या मनुष्यों से? मुझे उत्तर दो। और वे आपस में विचार करने लगे और कहने लगे, यदि हम कहें, स्वर्ग से, तो वह कहेगा, फिर क्यों तुमने उसपर विश्वास नहीं किया? लेकिन क्या हम कहें, मनुष्यों से? वे लोगों से डरते थे, क्योंकि सब योहन को भविष्यवक्ता मानते थे। और उत्तर देते हुए वे यीशु से कहते हैं, हम नहीं जानते। और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, न ही मैं तुम्हें बताता हूँ कि मैं ये काम किस अधिकार से करता हूँ।

और उसने उनसे दृष्टान्तों में कहना शुरू किया, एक आदमी ने अंगूर का बगीचा लगाया और चारों ओर बाड़ लगाई और दाखरस का कुंड खोदा और मीनार बनाई, और उसे किसानों को पट्टे पर दे दिया और चला गया। और उसने समय पर किसानों के पास एक दास भेजा, ताकि वह किसानों से अंगूर के बाग के फल में से ले। और उन्होंने उसे पकड़कर पीटा और खाली हाथ भेज दिया। और फिर उसने उनके पास एक और दास भेजा, और उन्होंने उसे पत्थर मारकर सिर में घायल किया और अपमानित करके भेज दिया। और फिर उसने एक और को भेजा, और उन्होंने उसे भी मार डाला, और बहुत से अन्य लोगों को भी, कुछ को पीटते हुए और कुछ को मारते हुए। इसलिए अभी भी एक प्रिय पुत्र रखते हुए, उसने उसको भी अंतिम में उनके पास भेजा, यह कहते हुए कि वे मेरे पुत्र का आदर करेंगे। लेकिन वे किसान, उसे आते हुए देखकर, आपस में बोले कि यह वह उत्तराधिकारी है, आओ उसे मार डालें, और उत्तराधिकार हमारा हो जाएगा। और उसे पकड़कर उन्होंने उसे मार डाला और उसे अंगूर के बगीचे के बाहर फेंक दिया। तो फिर अंगूर के बाग का स्वामी क्या करेगा? वह आएगा और इन किसानों को नष्ट कर देगा, और अंगूर का बाग दूसरों को दे देगा। क्या तुमने यह लेख भी नहीं पढ़ा, जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार किया था, वही कोने का सिरा बन गया? यह प्रभु से हुआ, और यह हमारी आँखों में अद्भुत है।

और वे उसे पकड़ना चाह रहे थे, और वे भीड़ से डर गए, क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि उसने यह दृष्टान्त उनके विरुद्ध कहा था। और उसे छोड़कर वे चले गए।

और वे उसके पास फरीसियों और हेरोदियों में से कुछ लोगों को भेजते हैं ताकि वे उसे बातों में फंसा सकें। वे आकर उससे कहते हैं, गुरु, हम जानते हैं कि आप सच्चे हैं और आपको किसी की चिंता नहीं है, क्योंकि आप मनुष्यों के चेहरे को नहीं देखते, बल्कि सच्चाई से परमेश्वर के मार्ग को सिखाते हैं। इसलिए हमें बताइए, क्या कैसर को कर देना उचित है या नहीं? हम दें या न दें? लेकिन वह उनका कपटाचार जानते हुए उनसे बोला, तुम मुझे क्यों परीक्षा करते हो? मेरे पास एक दीनार लाओ ताकि मैं देखूँ। वे लेकिन लाए। और वह उनसे कहता है, यह छवि और यह शिलालेख किसका है? उन्होंने कहा, कैसर का। और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, कैसर की चीजें कैसर को दो और ईश्वर की चीजें ईश्वर को दो, और वे उस पर आश्चर्यचकित हुए।

और सदूकी उसके पास आते हैं, जो कहते हैं कि पुनरुत्थान नहीं होता, और वे उससे पूछ रहे थे कहते हुए, गुरु, मूसा ने हमें लिखा कि यदि किसी का भाई मर जाए और पत्नी को छोड़ जाए, और बच्चे न छोड़े, तो उसका भाई उसकी पत्नी को ले और अपने भाई के लिए संतान उत्पन्न करे। सात भाई थे। पहले ने एक पत्नी ली, और मरते समय कोई संतान नहीं छोड़ी। और दूसरे ने उसे लिया, और मर गया, और उसने भी कोई संतान नहीं छोड़ी। और तीसरे ने भी वैसे ही किया। और सातों ने उसे लिया, और कोई संतान नहीं छोड़ी। सबके अंत में वह स्त्री भी मर गई। इसलिए पुनरुत्थान में, जब वे उठेंगे, तो वह स्त्री उनमें से किसकी होगी? क्योंकि सातों ने उसे पत्नी बनाया था। और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, क्या तुम इसलिए भटके हुए नहीं हो, क्योंकि तुम न शास्त्रों को जानते हो और न परमेश्वर की शक्ति को? क्योंकि जब वे मृतकों में से जी उठेंगे, तो न वे विवाह करेंगे और न ही उनका विवाह कराया जाएगा, बल्कि वे स्वर्ग में दूतों के समान होंगे। लेकिन मृतकों के पुनरुत्थान के बारे में, क्या तुमने मूसा की पुस्तक में झाड़ी के प्रसंग में नहीं पढ़ा कि परमेश्वर ने उससे कैसे कहा, मैं अब्राहम का परमेश्वर और इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर हूँ? वह मृतकों का ईश्वर नहीं है, बल्कि जीवितों का है, इसलिए तुम बहुत भटके हुए हो।

और शास्त्रियों में से एक पास आया, जो उनका विवाद सुन रहा था और यह देखकर कि उसने उन्हें अच्छी तरह उत्तर दिया, उसने उससे पूछा, सब आज्ञाओं में पहली कौन सी है? लेकिन यीशु ने उसे उत्तर दिया कि सबसे पहली आज्ञा यह है, सुनो, इस्राएल, प्रभु हमारा परमेश्वर, प्रभु एक है, और तुम अपने प्रभु परमेश्वर से अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से और अपने संपूर्ण मन से और अपनी संपूर्ण शक्ति से प्रेम करोगे। यह पहली आज्ञा है। और दूसरी आज्ञा इसके समान है, तुम अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे। इनसे बड़ी कोई अन्य आज्ञा नहीं है। और शास्त्री ने उससे कहा, अच्छा, गुरु, आपने सत्य कहा है कि वह एक है और उसके सिवाय कोई दूसरा नहीं है, और उससे संपूर्ण हृदय से और संपूर्ण समझ से और संपूर्ण आत्मा से और संपूर्ण शक्ति से प्रेम करना, और पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना सब होमबलि और बलिदानों से अधिक है। और यीशु ने देखकर कि उसने बुद्धिमानी से उत्तर दिया, उससे कहा, तुम परमेश्वर के राज्य से दूर नहीं हो, और कोई भी अब उससे पूछने का साहस नहीं करता था।

और यीशु ने मंदिर में सिखाते हुए उत्तर देकर कहा, शास्त्री कैसे कहते हैं कि मसीह दाऊद का पुत्र है? स्वयं दाऊद ने पवित्र आत्मा में कहा, प्रभु मेरे प्रभु से कहते हैं, मेरे दाहिने बैठो जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पैरों की पाद-पीठ न बना दूं। स्वयं दाऊद इसलिए उसे प्रभु कहता है, और वह उसका पुत्र कहाँ से है? और बड़ी भीड़ उसे खुशी से सुनती थी।

और वह अपनी शिक्षा में उनसे कह रहा था, उन शास्त्रियों से सावधान रहो जो वस्त्रों में चलना चाहते हैं और बाज़ारों में अभिवादन चाहते हैं। और सभाओं में मुख्य सीटें और भोजों में मुख्य स्थान। वे जो विधवाओं के घरों को निगल जाते हैं और दिखावे के लिए लंबी प्रार्थना करते हैं, ये अधिक कठोर न्याय प्राप्त करेंगे।

और यीशु खजाने के सामने बैठकर देख रहे थे कि भीड़ खजाने में कांसे के सिक्के कैसे डालती है। और बहुत से अमीर लोग बहुत कुछ डाल रहे थे, और एक गरीब विधवा आकर दो छोटे सिक्के डाले, जो एक कोद्रान्तेस है। और अपने शिष्यों को बुलाकर उसने उनसे कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि इस गरीब विधवा ने खजाने में डालने वाले सब लोगों से अधिक डाला। सबने अपनी प्रचुरता में से डाला, लेकिन इसने अपनी गरीबी में से सब कुछ जो था डाला, अपना पूरा जीवन।

13

और जब वह मंदिर से बाहर जा रहा था, तो उसके शिष्यों में से एक ने उससे कहा, गुरु, देखिए कैसे पत्थर और कैसी इमारतें हैं। और यीशु ने उत्तर देते हुए उससे कहा, क्या तू इन महान इमारतों को देखता है? यहाँ पत्थर पर पत्थर नहीं छोड़ा जाएगा, जो गिराया नहीं जाएगा। और जब वह जैतून के पहाड़ पर मंदिर के सामने बैठा हुआ था, तो पतरस और याकूब और यूहन्ना और अन्द्रियास ने उससे अलग में पूछा, हमें बताओ कब ये बातें होंगी, और क्या निशानी होगी जब ये सब बातें पूरी होने वाली हों? लेकिन यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहना शुरू किया, देखो, कोई तुम्हें भटका न दे। क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम पर आएंगे और कहेंगे कि मैं हूँ, और बहुतों को भटकाएंगे। जब तुम युद्ध और युद्धों की अफवाहें सुनो, तो घबराओ मत, क्योंकि इनका होना आवश्यक है, लेकिन अभी अंत नहीं है। क्योंकि राष्ट्र राष्ट्र के विरुद्ध और राज्य राज्य के विरुद्ध उठ खड़ा होगा, और विभिन्न स्थानों पर भूकंप आएंगे, और अकाल तथा अशांति होगी। ये प्रसव पीड़ाओं के आरम्भ हैं। लेकिन तुम अपने आप को सावधान रखो। क्योंकि वे तुम्हें सभाओं में सौंप देंगे और उनके सभागृहों में तुम पीटे जाओगे, और तुम शासकों और राजाओं के सामने मेरे कारण गवाही के लिए खड़े किये जाओगे। और सब राष्ट्रों में पहले शुभ समाचार का घोषित किया जाना आवश्यक है। जब वे तुम्हें सौंपते हुए ले जाएँ, तो पहले से चिंता मत करो कि तुम क्या बोलोगे, और न ही अभ्यास करो, बल्कि जो कुछ उस घड़ी में तुम्हें दिया जाए, वही बोलो, क्योंकि बोलने वाले तुम नहीं हो, बल्कि पवित्र आत्मा है। भाई अपने भाई को मृत्यु के लिए सौंप देगा और पिता अपनी संतान को, और संतान अपने माता-पिता के विरुद्ध उठ खड़ी होंगी और उन्हें मार डालेंगी।

और तुम सब के द्वारा मेरे नाम के कारण नफरत किए जाओगे, लेकिन जो अंत तक सहन करेगा, वह बचाया जाएगा।

जब तुम उस उजाड़ने की घृणित वस्तु को देखो जो दानियेल भविष्यवक्ता द्वारा कही गई थी, खड़ी हुई जहाँ उचित नहीं है—पढ़ने वाला समझे—तब जो यहूदिया में हैं वे पहाड़ों की ओर भागें। जो छत पर हो वह घर में नीचे न आए और न ही अपने घर से कुछ उठाने के लिए प्रवेश करे, और जो खेत में हो, वह अपना वस्त्र उठाने के लिए पीछे न लौटे। परन्तु धिक्कार है उन्हें जो उन दिनों में गर्भवती हों और उन्हें जो स्तनपान करा रही हों। प्रार्थना करो कि तुम्हारा पलायन सदी में न हो। क्योंकि वे दिन ऐसे क्लेश के होंगे, जैसा सृष्टि के आरंभ से, जिसे परमेश्वर ने सृजा, अब तक न हुआ है और न कभी होगा। और यदि प्रभु ने दिनों को छोटा नहीं किया होता, तो कोई भी शरीर बचाया नहीं जाता, लेकिन चुने हुए लोगों के कारण जिनको उसने चुना, उसने दिनों को छोटा किया। और तब यदि कोई तुमसे कहे, देखो, यहाँ मसीह है, देखो, वहाँ है, तो विश्वास मत करो। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे, और वे निशानियाँ और चमत्कार दिखाएंगे ताकि यदि संभव हो तो चुने हुए लोगों को भी भटका दें। लेकिन तुम देखो, देखो मैंने तुम्हें सब कुछ पहले से बता दिया है। लेकिन उन दिनों में, उस क्लेश के बाद, सूरज अंधेरा हो जाएगा, और चाँद अपना प्रकाश नहीं देगा, और तारे आकाश से गिरते हुए होंगे, और जो शक्तियाँ आकाशों में हैं वे हिलाई जाएंगी। और तब वे मनुष्य के पुत्र को बादलों में बहुत शक्ति और महिमा के साथ आते हुए देखेंगे। और तब वह अपने दूतों को भेजेगा और अपने चुने हुएों को चारों हवाओं से, पृथ्वी के छोर से स्वर्ग के छोर तक इकट्ठा करेगा।

अंजीर के पेड़ से यह दृष्टांत सीखो। जब उसकी शाखा कोमल हो जाए और पत्तियाँ निकालने लगे, तो तुम जानते हो कि गर्मी निकट है। इस प्रकार तुम भी, जब तुम इन बातों को घटित होते हुए देखो, तो जान लो कि वह निकट है, दरवाजों पर है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि यह पीढ़ी बीत नहीं जाएगी जब तक ये सब बातें न हो जाएं। स्वर्ग और पृथ्वी बीत जाएंगे, लेकिन मेरे शब्द कभी नहीं बीतेंगे।

लेकिन उस दिन या उस घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के स्वर्गदूत, न पुत्र, केवल पिता। देखो, सतर्क रहो और प्रार्थना करो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब है। जैसे एक मनुष्य यात्रा पर जाते हुए अपना घर छोड़कर, अपने दासों को अधिकार देकर, और प्रत्येक को उसका काम देकर, और द्वारपाल को आज्ञा दी कि वह जागता रहे। इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि घर का स्वामी कब आता है - देर से, या आधी रात

को, या मुर्गे की बांग के समय, या सुबह। कहीं अचानक आकर वह तुम्हें सोता हुआ न पाए। जो मैं तुम्हें कहता हूँ, वह सब को कहता हूँ: जागते रहो।

14

पास्का और बिना खमीर की रोटी का पर्व दो दिन बाद था। और मुख्य याजक और शास्त्री खोज रहे थे कि कैसे उसे छल से पकड़कर मार डालें। लेकिन वे कह रहे थे, त्योहार के दौरान नहीं, कहीं ऐसा न हो कि लोगों में उपद्रव हो जाए।

और जब वह बेथनिया में शमौन कोढ़ी के घर में था, और वह भोजन पर लेटा हुआ था, तो एक स्त्री आई जिसके पास शुद्ध और बहुमूल्य जटामांसी के इत्र की सुरमेदानी थी, और उसने सुरमेदानी तोड़कर उसके सिर पर इत्र डाल दिया। कुछ लोग अपने आप में क्रोधित होते हुए कह रहे थे, इस इत्र का यह विनाश किस लिए हुआ है? यह इत्र तीन सौ दीनार से अधिक में बेचा जा सकता था और गरीबों को दिया जा सकता था, और वे उसे डांट रहे थे। लेकिन यीशु ने कहा, उसे छोड़ दो, तुम उसे क्यों कष्ट दे रहे हो? उसने मेरे लिए अच्छा काम किया है। क्योंकि गरीबों को तुम हमेशा अपने साथ रखते हो, और जब भी तुम चाहो तुम उनका भला कर सकते हो, लेकिन मुझे तुम हमेशा अपने साथ नहीं रखते हो। जो इसके पास था उसने किया, उसने मेरे शरीर को दफन के लिए पहले से सुगंधित कर दिया। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जहाँ कहीं भी यह सुसमाचार सम्पूर्ण संसार में घोषित किया जाएगा, वहाँ जो इसने किया वह भी इसकी स्मृति में कहा जाएगा।

और यहूदा इस्करियोती, जो बारह में से एक था, मुख्य याजकों के पास गया ताकि वह उसे उनके हवाले कर दे। वे यह सुनकर प्रसन्न हुए, और उन्होंने उसे चाँदी के टुकड़े देने का वादा किया, और वह खोज रहा था कि उचित समय पर उसे कैसे सौंप दे।

और बिना खमीर की रोटी के पहले दिन, जब फसह की बलि चढ़ाई जा रही थी, उसके चले उससे कहते हैं, आप कहाँ चाहते हैं कि हम जाकर तैयारी करें ताकि आप फसह खाएँ? और वह अपने दो शिष्यों को भेजता है और उनसे कहता है, शहर में जाओ, और तुम्हें एक आदमी मिलेगा जो पानी का घड़ा ढो रहा होगा, उसका अनुसरण करो। और जहाँ कहीं वह प्रवेश करे, घर के स्वामी से कहना कि शिक्षक कहता है, मेरा वह निवास स्थान कहाँ है जहाँ मैं अपने शिष्यों के साथ फसह खाऊँ? और वह तुम्हें एक बड़ा सुसज्जित और तैयार ऊपरी कमरा दिखाएगा, वहाँ हमारे लिए तैयारी करो। और उसके शिष्य निकले और शहर में आए,

और जैसा उसने उनसे कहा था वैसा ही पाया, और फसह तैयार किया। और शाम होने पर वह बारह के साथ आता है, और जब वे लेटे हुए थे और खा रहे थे, यीशु ने कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि तुममें से एक मुझे धोखा देगा, जो मेरे साथ खा रहा है। परन्तु वे दुःखी होने लगे और उससे एक-एक करके कहने लगे, निश्चय ही मैं नहीं? और दूसरा, निश्चय ही मैं नहीं? परन्तु उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, बारह में से एक, जो मेरे साथ कटोरे में डुबो रहा है। वह मनुष्य का पुत्र निश्चय ही जाता है जैसा उसके बारे में लिखा गया है, लेकिन धिक्कार है उस मनुष्य को जिसके द्वारा मनुष्य का पुत्र धोखा दिया जाता है। उस मनुष्य के लिए अच्छा होता यदि वह जन्म ही न लेता। और जब वे खा रहे थे, यीशु ने रोटी ली, आशीर्वाद दिया, तोड़ी और उन्हें दी और कहा, लो, खाओ, यह मेरा शरीर है। और प्याला लेकर धन्यवाद देकर उसने उन्हें दिया, और सब ने उसमें से पिया। और उसने उनसे कहा, यह मेरा रक्त है, नई वाचा का रक्त, जो अनेकों के लिए बहाया जा रहा है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि अब मैं अंगूर की बेल के फल से नहीं पीऊँगा, उस दिन तक जब मैं इसे परमेश्वर के राज्य में नया पीऊँगा।

और भजन गाकर वे जैतून के पहाड़ पर चले गए। और यीशु उनसे कहते हैं कि तुम सब इस रात मुझमें विश्वास खो दोगे, क्योंकि लिखा है, मैं चरवाहे को मारूँगा और भेड़ें बिखर जाएंगी। लेकिन मेरे उठाए जाने के बाद, मैं तुम्हें गलील में ले जाऊँगा। लेकिन पतरस ने उससे कहा, और यदि सब ठोकर खाएंगे, लेकिन मैं नहीं। और यीशु उससे कहते हैं, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि आज इसी रात में, मुँगे के दो बार बांग देने से पहले, तुम तीन बार मेरा इनकार करोगे। लेकिन पतरस अत्यधिक कहने लगा, यदि मुझे आपके साथ मरना भी पड़े, तो भी मैं आपका इनकार नहीं करूँगा। इसी प्रकार सभी भी कहने लगे।

और वे एक स्थान पर आते हैं जिसका नाम गतसमनी है, और वह अपने शिष्यों से कहता है, यहाँ बैठो जब तक मैं प्रार्थना करूँ। और वह पतरस और याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया, और वह बहुत व्याकुल होने लगा और व्यथित होने लगा। और उनसे कहा, मेरी आत्मा मृत्यु तक बहुत दुःखी है, यहाँ रहो और जागते रहो। और थोड़ा आगे बढ़कर वह पृथ्वी पर अपने चेहरे के बल गिरा, और प्रार्थना कर रहा था कि यदि संभव हो, तो वह घड़ी उससे टल जाए, और वह कह रहा था, अब्बा पिता, सब कुछ तुझे संभव है, इस प्याले को मुझसे हटा ले, लेकिन जो मैं चाहता हूँ वह नहीं, बल्कि जो तू चाहता है। और वह आता है और उन्हें सोते हुए पाता है, और पतरस से कहता है, शिमोन, क्या तुम सो रहे हो? क्या तुम एक घंटा भी जागते नहीं रह सके? जागते रहो और प्रार्थना करो, ताकि तुम परीक्षा में प्रवेश न करो; आत्मा वास्तव में उत्सुक है, लेकिन शरीर कमजोर है। और फिर जाकर उसने वही शब्द

कहते हुए प्रार्थना की। और लौटकर उसने उन्हें फिर सोते हुए पाया, क्योंकि उनकी आँखें भारी हो रही थीं, और वे नहीं जानते थे कि उसे क्या उत्तर दें। और वह तीसरी बार आता है और उनसे कहता है, क्या तुम अब भी सो रहे हो और आराम कर रहे हो? बहुत हो चुका। वह घड़ी आ गई है। देखो, मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथों में सौंपा जा रहा है। उठो, चलो, देखो वह जो मुझे पकड़वाने वाला है निकट आ गया है।

और तुरंत, जब वह अभी बोल ही रहा था, यहूदा इस्करियोती आता है, जो बारह में से एक था, और उसके साथ एक बड़ी भीड़ तलवारों और लाठियों के साथ, जो प्रधान याजकों और शास्त्रियों और बुजुर्गों की ओर से भेजे गए थे। लेकिन जो उसे पकड़ रहा था, उसने उन्हें संकेत दिया था और कहा था, जिसे मैं चूमूंगा, वही है; उसे पकड़ लो और सुरक्षित रूप से ले जाओ। और आकर तुरंत उसके पास आकर कहता है, नमस्कार, रब्बी, और उसे चूमा। लेकिन उन्होंने उस पर अपने हाथ डाले और उसे पकड़ लिया। खड़े हुए लोगों में से एक ने तलवार खींचकर महायाजक के दास को मारा और उसका कान काट दिया। और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, क्या तुम तलवारों और लाठियों के साथ मुझे पकड़ने आए हो, जैसे किसी डाकू को पकड़ने आते हैं? प्रतिदिन मैं तुम्हारे बीच मंदिर में उपदेश देता था, और तुमने मुझे नहीं पकड़ा। लेकिन यह इसलिए हुआ ताकि धर्मग्रंथ पूरे हों। और उसको छोड़कर सब भाग गए। और एक युवा पुरुष उसका अनुसरण कर रहा था, जिसने नंगे शरीर पर सन का कपड़ा पहना हुआ था, और युवा पुरुषों ने उसे पकड़ लिया। लेकिन वह सनी का कपड़ा छोड़कर नंगा उनसे भाग गया।

और वे यीशु को महायाजक के पास ले गए, और उसके पास सब मुख्य याजक और प्राचीन और शास्त्री इकट्ठे हुए। और पतरस दूर से उसके पीछे महायाजक के आँगन के अंदर तक गया, और सेवकों के साथ बैठा हुआ था और आग की रोशनी की ओर ताप रहा था। वे मुख्य याजक और संपूर्ण परिषद यीशु के विरुद्ध गवाही खोज रहे थे ताकि उसे मार डालें, लेकिन नहीं पा रहे थे। क्योंकि बहुत से लोग उसके विरुद्ध झूठी गवाही दे रहे थे, और उनकी गवाहियाँ एक समान नहीं थीं। और कुछ लोग उठकर उसके विरुद्ध झूठी गवाही दे रहे थे, कहते हुए क्योंकि हमने उसे यह कहते हुए सुना कि मैं इस हाथ से बने मंदिर को नष्ट कर दूंगा और तीन दिनों में दूसरा मंदिर जो हाथ से नहीं बना है, बनाऊंगा। और न ही इस प्रकार उनकी गवाही बराबर थी। और महायाजक उठकर बीच में आया और यीशु से पूछने लगा, क्या तुम कुछ भी उत्तर नहीं देते? ये लोग तुम्हारे विरुद्ध क्या गवाही दे रहे हैं? लेकिन वह चुप रहा और कुछ भी उत्तर नहीं दिया। फिर महायाजक ने उससे पूछा और उससे कहा, क्या तुम मसीह हो, धन्य के पुत्र? लेकिन यीशु ने कहा, मैं हूँ, और तुम मनुष्य के पुत्र को शक्ति के दाहिने हाथ

बैठे हुए और स्वर्ग के बादलों पर आते हुए देखोगे। परन्तु महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा, अब हमें गवाहों की क्या आवश्यकता है? तुमने निश्चित रूप से निंदा सुनी, तुम्हें क्या लगता है? लेकिन सभी ने उसे मृत्यु के दोषी होने की निंदा की। और कुछ लोगों ने उस पर थूकना, उसका चेहरा ढकना, उसे मुक्के मारना शुरू किया और उससे कहने लगे, हमें भविष्यवाणी करो कि तुम्हें किसने मारा? और सहायकों ने उसे मारों से पीटा।

और जब पतरस नीचे आँगन में था, महायाजक की दासियों में से एक आती है, और पेत्रस को आग तापते हुए देखकर, उसकी ओर देखते हुए, वह कहती है, तू भी तो नासरी यीशु के साथ था। लेकिन उसने इनकार करते हुए कहा, मैं नहीं जानता और न ही समझता हूँ कि तुम क्या कह रहे हो। और वह बाहर आँगन में चला गया, और मुर्गे ने बाँग दी। और दासी ने उसे देखकर फिर से खड़े लोगों से कहना शुरू किया कि यह उनमें से है। लेकिन वह फिर इनकार कर रहा था। और थोड़ी देर बाद फिर वे जो खड़े थे पतरस से कह रहे थे, सचमुच तुम उनमें से हो, क्योंकि तुम गलीली हो और तुम्हारी बोली भी मिलती है। और वह शाप देने और शपथ खाने लगा कि मैं इस आदमी को नहीं जानता जिसके बारे में तुम कह रहे हो। और दूसरी बार मुर्गे ने बाँग दी। और पतरस को वह शब्द याद आया जो यीशु ने उससे कहा था कि मुर्गे के दो बार बोलने से पहले, तू मुझे तीन बार इनकार करेगा, और वह फूट-फूटकर रोया।

15

और सुबह होते ही मुख्य याजकों ने बुजुर्गों और शास्त्रियों और संपूर्ण परिषद के साथ परामर्श किया, यीशु को बांधकर ले गए और पिलातुस को सौंप दिया। और पिलातुस ने उससे पूछा, क्या तुम यहूदियों के राजा हो? उसने उत्तर देते हुए उससे कहा, तुम कहते हो। और मुख्य याजक उस पर बहुत आरोप लगाते थे, लेकिन उसने कुछ भी उत्तर नहीं दिया। लेकिन पिलातुस ने फिर उससे पूछा और कहा, क्या तुम कुछ भी उत्तर नहीं देते? देखो, ये तुम्हारे विरुद्ध कितनी बातों की गवाही दे रहे हैं। लेकिन यीशु ने अब और कुछ भी उत्तर नहीं दिया, जिससे पिलातुस आश्चर्यचकित हो गया। लेकिन त्योहार के अनुसार वह उनको एक कैदी रिहा कर देता था, जिसको वे मांगते थे। वह बरअब्बा नामक व्यक्ति साथी विद्रोहियों के साथ बंधा हुआ था, जिन्होंने विद्रोह में हत्या की थी। और भीड़ ने चिल्लाकर मांगना शुरू किया, जैसा वह हमेशा उनके लिए करता था। और पिलातुस ने उनको उत्तर देते हुए कहा, क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए यहूदियों के राजा को रिहा करूँ? वह जानता था कि प्रधान याजकों ने ईर्ष्या के कारण उसे सौंप दिया था। लेकिन मुख्य याजकों ने भीड़ को

भड़काया ताकि वह उनके लिए बरअब्बा को रिहा करे। और पिलातुस ने उत्तर देते हुए फिर उनसे कहा, तो क्या चाहते हो कि मैं उसके साथ करूँ जिसे तुम यहूदियों का राजा कहते हो? लेकिन वे फिर चिल्लाए, उसे सूली पर चढ़ाओ। और पिलातुस ने उनसे कहा, उसने क्या बुराई की है? परन्तु वे और भी अधिक चिल्लाए, उसे क्रूस पर चढ़ाओ। पिलातुस भीड़ को संतुष्ट करना चाहते हुए, उनके लिए बरअब्बा को रिहा कर दिया, और यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया ताकि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

लेकिन सैनिक उसे दरबार के अंदर ले गए, जो प्रेटोरियम है, और उन्होंने पूरे सेना दल को बुलाया। और वे उसे बैंगनी वस्त्र पहनाते हैं और कांटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखते हैं। और उन्होंने उसका स्वागत करना शुरू किया। हे यहूदियों के राजा, प्रसन्न रहो, और वे उसके सिर को बेंत से मार रहे थे और उसपर थूक रहे थे, और घुटने टेककर उसे प्रणाम कर रहे थे। और जब उन्होंने उसका उपहास किया, तो उन्होंने उससे बैंगनी वस्त्र उतारा और उसे उसके अपने कपड़े पहनाए, और वे उसे बाहर ले गए ताकि उसे सूली पर चढ़ाएं।

और वे किसी गुजरते हुए शमौन कुरैनी को मजबूर करते हैं, जो खेत से आ रहा था, सिकन्दर और रुफुस का पिता, ताकि वह उसका क्रूस उठाए।

और वे उसे गोलगोथा नामक स्थान पर लाते हैं, जिसका अनुवाद है खोपड़ी का स्थान। और उन्होंने उसे गंधरस मिली दाखरस पीने को दी, लेकिन उसने नहीं ली। और उसे सूली पर चढ़ाकर, वे उसके वस्त्रों को बाँटते हैं, उन पर चिट्ठी डालते हुए कि कौन क्या ले। तीसरा घंटा था और उन्होंने उसे सूली पर चढ़ाया। और उसके अपराध का शिलालेख लिखा हुआ था, यहूदियों का राजा।

और उसके साथ वे दो डाकुओं को सूली पर चढ़ाते हैं, एक उसके दाहिने ओर और एक उसके बाएँ ओर। और वह लेख पूरा हुआ जो कहता है, और वह अधर्मियों के साथ गिना गया। और वहाँ से गुज़रने वाले लोग उसकी निंदा कर रहे थे, अपने सिर हिलाते हुए और कहते हुए, अहा! मंदिर को ढाने वाले और तीन दिनों में बनाने वाले! अपने आप को बचाओ और क्रूस से नीचे उतरो। इसी प्रकार मुख्य याजक भी शास्त्रियों के साथ आपस में उपहास करते हुए कह रहे थे, उसने दूसरों को बचाया, स्वयं को नहीं बचा सकता। मसीह, इस्राएल का राजा, अब क्रूस से उतर आए, ताकि हम देखें और उस पर विश्वास करें। और जो उसके साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे, वे उसकी निंदा कर रहे थे।

छठे घंटे के होने पर अंधकार हुआ और संपूर्ण भूमि पर नौवें घंटे तक रहा। और नौवें घंटे में यीशु ने बड़ी आवाज़ से चिल्लाकर कहा, एलोई एलोई लिमा सबकथनी? जिसका अनुवाद है, हे मेरे भगवान, हे मेरे भगवान, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?

और पास खड़े हुए कुछ लोगों ने सुनकर कहा, देखो, वह एलिय्याह को बुला रहा है। एक दौड़ा और स्पंज को सिरके से भरकर, बेंत पर लगाकर उसे पिला रहा था, कहता हुआ, छोड़ो, देखें कि क्या एलियाह उसे उतारने आता है। और यीशु ने ऊँची आवाज़ छोड़कर प्राण त्याग दिए। और मंदिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक दो भागों में फट गया। लेकिन शताधिपति जो उसके सामने खड़ा था, यह देखकर कि उसने इस प्रकार चिल्लाकर प्राण त्याग दिए, बोला, सचमुच यह मनुष्य परमेश्वर का पुत्र था। वहाँ कुछ स्त्रियाँ भी थीं जो दूर से देख रही थीं, जिनमें मरियम मगदलीनी और मरियम जो छोटे याकूब और योसे की माता थी, और सलोमे थीं। वे जो गलील में थे तब उसके पीछे चलीं और उसकी सेवा करती थीं, और अन्य बहुत सी स्त्रियाँ जो उसके साथ यरुशलैम आई थीं।

और जब शाम हो गई थी, चूंकि वह तैयारी का दिन था, जो सब्त से पहले का दिन है, अरिमथिया से आया हुआ यूसुफ, जो एक प्रतिष्ठित परिषद सदस्य था और स्वयं परमेश्वर के राज्य की प्रतीक्षा कर रहा था, साहस करके पिलातुस के पास गया और यीशु के शरीर की मांग की। और पिलातुस ने आश्चर्य किया कि क्या वह पहले ही मर चुका है, और शतपति को बुलाकर उससे पूछा कि क्या वह बहुत पहले मर गया था। और शतपति से जानकर, उसने शरीर यूसुफ को दे दिया। और उसने लिनन का कपड़ा खरीदकर, उसे उतारा और लिनन के कपड़े में लपेटा, और उसे एक कब्र में रखा जो चट्टान से काटी गई थी, और कब्र के दरवाजे पर एक पत्थर लुढ़काया। लेकिन मगदलीनी मरियम और योसे की मरियम देख रही थीं कि उसे कहाँ रखा जा रहा है।

16

और जब सब्त का दिन बीत गया, तो मरियम मगदलीनी और याकूब की मरियम और सलोमे ने सुगंध द्रव्य खरीदे ताकि जाकर उसका अभिषेक करें। और सब्त के पहले दिन बहुत सुबह, सूरज उगने पर, वे कब्र पर आती हैं। और वे आपस में कह रही थीं, हमारे लिए कब्र के दरवाजे से पत्थर कौन लुढ़काएगा? और ऊपर देखकर वे देखती हैं कि पत्थर लुढ़काया जा चुका है, क्योंकि वह बहुत बड़ा था। और जब वे कब्र में प्रवेश कीं, तो उन्होंने एक युवा पुरुष को दाहिनी ओर बैठे हुए देखा, जो सफेद वस्त्र पहने हुए था, और वे चकित

हो गई। लेकिन वह उनसे कहता है, मत घबराओ, तुम यीशु नासरी को खोज रहे हो जो सूली पर चढ़ाया गया था। वह जी उठा है, वह यहाँ नहीं है। देखो, यह वह स्थान है जहाँ उन्होंने उसे रखा था। लेकिन जाओ और उसके शिष्यों और पतरस को कहो कि वह तुमसे पहले गलील जा रहा है, वहाँ तुम उसे देखोगे, जैसा उसने तुमसे कहा था। और वे बाहर निकलकर कब्र से भाग गईं, क्योंकि उन्हें कंपन और घबराहट ने पकड़ रखा था, और उन्होंने किसी को कुछ नहीं कहा, क्योंकि वे डरती थीं।

सब्त के पहले दिन की सुबह उठकर, वह पहले मरियम मगदलीनी को प्रकट हुआ, जिससे उसने सात दुष्टात्माएँ निकाली थीं। वह गई और उन लोगों को सूचना दी जो उसके साथ थे, जो शोक कर रहे थे और रो रहे थे। और उन्होंने यह सुनकर कि वह जीवित है और उसके द्वारा देखा गया था, विश्वास नहीं किया। इसके बाद उनमें से दो को, जो खेत की ओर जा रहे थे, वह दूसरे रूप में प्रकट हुआ। और वे जाकर शेष लोगों को सूचना दी, परन्तु उन्होंने उन पर भी विश्वास नहीं किया। बाद में जब वे ग्यारह लेटे हुए थे, तो वह उन्हें प्रकट हुआ, और उसने उनके अविश्वास और कठोरहृदयता की फटकार लगाई, क्योंकि जिन्होंने उसे जी उठा हुआ देखा था, उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया था। और उसने उनसे कहा, जाकर सारे संसार में सभी सृष्टि को सुसमाचार का प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले, वह बचाया जाएगा; लेकिन जो अविश्वास करे, वह दोषी ठहराया जाएगा। चिन्ह और जिन्होंने विश्वास किया है उनके साथ ये अनुसरण करेंगे: मेरे नाम में दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई भाषाओं में बोलेंगे। सांप उठाएंगे, और यदि कुछ घातक भी पी लें, तो उन्हें हानि नहीं पहुंचेगी। बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे स्वस्थ हो जाएंगे।

तो निश्चय ही प्रभु उनसे बोलने के बाद स्वर्ग में ऊपर उठा लिए गए और परमेश्वर के दाहिने बैठ गए। वे बाहर जाकर सब जगह घोषणा करते रहे, जबकि प्रभु सहयोग कर रहे थे और साथ आने वाले चिह्नों के द्वारा वचन की पुष्टि कर रहे थे। आमीन।

यूहन्ना का सुसमाचार

1

आरंभ में वह शब्द था, और वह शब्द भगवान के साथ था, और वह शब्द भगवान था। यह आरंभ में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसके द्वारा हुआ, और उसके बिना कुछ भी नहीं हुआ जो हुआ है। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों का प्रकाश था। और प्रकाश अंधकार में चमकता है, और अंधकार ने उसे पराजित नहीं किया।

एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा गया था, उसका नाम यूहन्ना था। यह गवाही के लिए आया, ताकि वह प्रकाश के बारे में गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास करें। वह प्रकाश नहीं था, लेकिन इसलिए कि वह उस प्रकाश के बारे में गवाही दे। वह सच्चा प्रकाश था, जो संसार में आने वाले हर मनुष्य को प्रकाशित करता है। वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा अस्तित्व में आया, और संसार ने उसे नहीं जाना। वह अपने घर आया, और उसके अपने लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया। परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान बनने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम में विश्वास करते हैं। जो रक्त से नहीं, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, बल्कि परमेश्वर से जन्मे थे। और वह वचन देह बन गया और हमारे बीच निवास किया, और हमने उसकी महिमा देखी, ऐसी महिमा जैसी पिता के एकलौते पुत्र की, जो अनुग्रह और सत्य से परिपूर्ण था। यूहन्ना उसके विषय में गवाही देता है और पुकारकर कहता है, यह वही था जिसके बारे में मैंने कहा था, जो मेरे बाद आ रहा है वह मुझसे आगे हो गया है, क्योंकि वह मुझसे पहले था। और उसकी परिपूर्णता से हम सबने प्राप्त किया, और कृपा के बदले कृपा क्योंकि कानून मूसा के द्वारा दिया गया था, अनुग्रह और सत्य यीशु मसीह के द्वारा आया। परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा, एकलौता पुत्र जो पिता की गोद में है, उसी ने प्रकट किया है।

और यह यूहन्ना की गवाही है, जब यहूदियों ने यरूशलेम से पुरोहितों और लेवियों को भेजा ताकि वे उससे पूछें, तू कौन है? और उसने स्वीकार किया, और इनकार नहीं किया, और उसने स्वीकार किया कि मैं वह मसीह नहीं हूँ। और उन्होंने उससे पूछा, तो फिर क्या? क्या तुम एलिय्याह हो? और वह कहता है, नहीं हूँ। क्या तुम वह भविष्यवक्ता हो? और उसने उत्तर दिया, नहीं। इसलिए मैंने उससे कहा, तुम कौन हो? ताकि हम उन्हें उत्तर दें

जिन्होंने हमें भेजा है, तुम अपने बारे में क्या कहते हो? उसने कहा, मैं जंगल में पुकारने वाले की आवाज़ हूँ, प्रभु का मार्ग सीधा करो, जैसा कि भविष्यवक्ता यशायाह ने कहा था।

और जो भेजे गए थे वे फरीसियों में से थे, और उन्होंने उससे पूछा और उससे कहा, तो फिर तुम बपतिस्मा क्यों देते हो, अगर तुम न मसीह हो, न एलियाह, न वह भविष्यवक्ता? यूहन्ना ने उनको उत्तर देते हुए कहा, मैं पानी में बपतिस्मा देता हूँ, और तुम्हारे बीच में वह खड़ा है जिसको तुम नहीं जानते। वह स्वयं है जो मेरे बाद आने वाला है, जो मेरे सामने हो गया है, जिसके जूते का पट्टा खोलने के योग्य मैं नहीं हूँ। ये बातें बैथनी में हुईं, यरदन के पार, जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा दे रहा था।

अगले दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते हुए देखा और कहा, देखो, परमेश्वर का मेमना जो संसार के पाप को उठा ले जाता है। यह वह है जिसके बारे में मैंने कहा था, मेरे बाद एक पुरुष आता है जो मेरे सामने हो गया है, क्योंकि वह मुझसे पहले था। और मैं उसे नहीं जानता था, लेकिन ताकि वह इस्राएल पर प्रकट किया जाए, इसलिए मैं जल में बपतिस्मा देने आया। और यूहन्ना ने गवाही दी कहते हुए कि मैंने आत्मा को स्वर्ग से कबूतर के समान उतरते हुए देखा है, और वह उस पर रहा। और मैं उसे नहीं जानता था, लेकिन जिसने मुझे पानी में बपतिस्मा देने के लिए भेजा, उसने मुझसे कहा, जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते हुए देखे, वही है जो पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देता है। और मैंने देखा है और गवाही दी है कि यह परमेश्वर का पुत्र है।

अगले दिन फिर यूहन्ना और उसके दो शिष्य खड़े थे। और यीशु को चलते हुए देखकर कहता है, देखो, परमेश्वर का मेमना। और उन दोनों शिष्यों ने उसे बोलते हुए सुना, और यीशु का अनुसरण किया। मुड़कर यीशु ने उन्हें अनुसरण करते हुए देखा और उनसे कहा, तुम क्या खोज रहे हो? लेकिन उन्होंने उससे कहा, रब्बी (जिसका अनुवाद शिक्षक होता है), आप कहाँ रहते हैं? वह उनसे कहता है, आओ और देखो। इसलिए वे आए और देखा कि वह कहाँ रहता है, और उस दिन उसके पास रहे; घड़ी लगभग दसवीं थी। अन्द्रेयास, जो शिमोन पेत्रुस का भाई था, उन दो में से एक था जिन्होंने योहन्नेस से सुना और उसका अनुसरण किया। यह पहले अपने भाई शिमोन को पाता है और उससे कहता है, हमने मसीहा को पा लिया है, जिसका अनुवाद मसीह है। और वह उसे यीशु के पास लाया। यीशु ने उसकी ओर देखकर कहा, तू शमौन है, योना का पुत्र, तू कैफा कहलाएगा, जिसका अनुवाद पतरस है।

अगले दिन यीशु गलील जाने के लिए इच्छुक थे, और उन्होंने फिलिप्पुस को पाया और उससे कहा, मेरा अनुसरण करो। फिलिप्पुस बेथसैदा से था, अन्द्रियास और पतरस के नगर से। फिलिप्पुस नथनएल को पाता है और उससे कहता है, जिसके बारे में मूसा ने व्यवस्था में और भविष्यवक्ताओं ने लिखा, हमने उसे पा लिया है—यीशु, यूसुफ का पुत्र, जो नासरत से है। और नथनएल ने उससे कहा, क्या नासरत से कुछ अच्छा हो सकता है? फिलिप्पुस ने उससे कहा, आओ और देखो। यीशु ने नथनएल को अपनी ओर आते हुए देखा और उसके बारे में कहा, देखो, सचमुच एक इस्त्राएली, जिसमें कोई छल नहीं है। नथानेल उससे कहता है, आप मुझे कहाँ से जानते हैं? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, इससे पहले कि फिलिप्पुस तुम्हें बुलाता, जब तुम अंजीर के पेड़ के नीचे थे, मैंने तुम्हें देखा था। नथानेल ने उत्तर दिया और उससे कहा, रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है, तू इस्त्राएल का राजा है। यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, क्योंकि मैंने तुझसे कहा कि मैंने तुझे अंजीर के पेड़ के नीचे देखा, तू विश्वास करता है? तू इनसे भी बड़ी बातें देखेगा। और वह उससे कहता है, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ, अब से तुम आकाश को खुला हुआ देखोगे, और परमेश्वर के दूतों को मनुष्य के पुत्र पर चढ़ते और उतरते हुए देखोगे।

2

और तीसरे दिन गलील के काना में एक विवाह हुआ, और यीशु की माता वहाँ थीं, और यीशु और उसके शिष्यों को भी विवाह में बुलाया गया था। और जब शराब कम पड़ गई, तो यीशु की माता ने उनसे कहा, उनके पास शराब नहीं है। यीशु उससे कहते हैं, हे स्त्री, मुझे और तुम्हें क्या? मेरा समय अभी नहीं आया है। उसकी माता सेवकों से कहती है, जो कुछ भी वह तुम्हें कहे, वह करो। वहाँ पत्थर के छः पानी के जार रखे हुए थे, जो यहूदियों के शुद्धिकरण के अनुसार थे, और प्रत्येक दो या तीन माप धारण करते थे। यीशु ने उनसे कहा, जारों को पानी से भरो। और उन्होंने उनको ऊपर तक भर दिया। और वह उनसे कहता है, अब खींचो और प्रधान परिचारक के पास ले जाओ। और वे ले गए। जब भोज के प्रधान ने पानी को चखा जो दाखरस बन गया था और वह नहीं जानता था कि यह कहाँ से है, परन्तु सेवक जानते थे जिन्होंने पानी निकाला था, तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाया। और उसने उससे कहा, हर आदमी पहले अच्छी शराब परोसता है, और जब लोग नशे में हो जाते हैं, तब घटिया शराब परोसता है, लेकिन तूने अच्छी शराब अब तक रखी है। यीशु ने गलील के काना में चिन्हों का यह आरंभ किया और अपनी महिमा प्रकट की, और उनके चेलों ने उस पर विश्वास किया।

इसके बाद वह और उसके माता और उसके भाई और उसके शिष्य कफरनहूम गए, और वहाँ वे अधिक दिन नहीं रहे।

और यहूदियों का पासओवर निकट था, और यीशु यरूशलेम गए। और उसने मंदिर में बैल, भेड़ें और कबूतर बेचने वालों को, और सर्पियों को बैठे हुए पाया। और रस्सियों से कोड़ा बनाकर सबको मंदिर से निकाल दिया, भेड़ों और बैलों को, और सर्पियों के सिक्के बिखेर दिए और मेजें उलट दीं। और उन्होंने कबूतर बेचने वालों से कहा, इन्हें यहाँ से उठा लो, मेरे पिता के घर को व्यापार का घर मत बनाओ। लेकिन उसके शिष्यों ने याद किया कि लिखा हुआ है, तुम्हारे घर का उत्साह मुझे निगल जाएगा। इसलिए यहूदियों ने उत्तर दिया और उससे कहा, तुम हमें क्या चिन्ह दिखाते हो कि तुम ये काम करते हो? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, इस मंदिर को नष्ट करो, और मैं तीन दिनों में इसे उठाऊंगा। यहूदियों ने इसलिए कहा, चालीस और छह वर्षों में यह मंदिर बनाया गया, और तुम तीन दिनों में इसे उठाओगे? लेकिन वह अपने शरीर के मंदिर के बारे में कह रहा था। जब इसलिए वह मृतकों में से उठाया गया, तो उसके शिष्यों ने याद किया कि वह यह कहता था, और उन्होंने पवित्र लेख पर और उस वचन पर विश्वास किया जो यीशु ने बोला था।

जब वह यरूशलेम में फसह के पर्व में था, तो बहुतों ने उसके नाम पर विश्वास किया, क्योंकि वे उसके चिन्हों को देख रहे थे जो उसने किए थे। लेकिन स्वयं यीशु अपने आप को उन पर भरोसा नहीं कर रहे थे, क्योंकि वह सबको जानते थे। और उसे इस बात की आवश्यकता नहीं थी कि कोई मनुष्य के बारे में गवाही दे, क्योंकि वह स्वयं जानता था कि मनुष्य में क्या था।

3

फरीसियों में से एक आदमी था, जिसका नाम निकुदेमुस था, जो यहूदियों का शासक था। यह रात को उसके पास आया और उससे कहा, रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से आया हुआ शिक्षक है, क्योंकि कोई भी इन चिन्हों को नहीं कर सकता जो तू करता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो। यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, सत्य सत्य मैं तुझसे कहता हूँ, यदि कोई ऊपर से जन्म न ले, तो वह परमेश्वर के राज्य को देखने में सक्षम नहीं है। निकुदेमुस उससे कहता है, कैसे एक मनुष्य जन्म ले सकता है जब वह बूढ़ा हो? क्या वह अपनी माँ के पेट में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है? यीशु ने उत्तर दिया, सच सच मैं तुझसे कहता हूँ, यदि कोई जल और आत्मा से जन्म न ले, तो वह परमेश्वर के राज्य में

प्रवेश करने में सक्षम नहीं है। जो माँस से जन्मा है वह माँस है, और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है। आश्चर्य मत करो कि मैंने तुमसे कहा, तुम लोगों का ऊपर से जन्म लेना आवश्यक है। आत्मा जहाँ चाहती है वहाँ बहती है, और तुम उसकी आवाज़ सुनते हो, लेकिन तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से आती है और कहाँ जाती है; इसी प्रकार हर वह व्यक्ति है जो आत्मा से जन्मा है। नीकुदेमुस ने उत्तर दिया और उससे कहा, ये चीजें कैसे हो सकती हैं? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, तू इस्राएल का शिक्षक है और ये बातें नहीं जानता? सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि जो हम जानते हैं वह हम बोलते हैं, और जो हमने देखा है उसकी हम गवाही देते हैं, और तुम हमारी गवाही को ग्रहण नहीं करते हो। यदि मैंने तुम्हें पार्थिव बातें बताई और तुम विश्वास नहीं करते हो, तो यदि मैं तुम्हें स्वर्गीय बातें बताऊं तो कैसे विश्वास करोगे? और कोई भी स्वर्ग में नहीं चढ़ा है, सिवाय उसके जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात् मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग में है। और जैसे मूसा ने जंगल में सर्प को ऊपर उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का ऊपर उठाया जाना आवश्यक है, ताकि हर वह जो उस पर विश्वास करता है नष्ट न हो, बल्कि अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने संसार से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार में इसलिए नहीं भेजा कि वह संसार का न्याय करे, बल्कि इसलिए कि संसार उसके द्वारा बचाया जाए। जो उस पर विश्वास करता है, उसका न्याय नहीं किया जाता है, लेकिन जो विश्वास नहीं करता है, उसका न्याय पहले ही हो चुका है, क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया है। यह निर्णय है कि प्रकाश संसार में आया है, और लोगों ने प्रकाश की अपेक्षा अंधकार को अधिक प्रेम किया, क्योंकि उनके कार्य बुरे थे। क्योंकि हर वह जो निकृष्ट कार्य करता है, प्रकाश से घृणा करता है और प्रकाश की ओर नहीं आता, ताकि उसके कार्य उजागर न हों। लेकिन जो सत्य को करता है वह प्रकाश की ओर आता है, ताकि उसके कर्म प्रकट किए जाएं, क्योंकि वे परमेश्वर में किए गए हैं।

इन बातों के बाद यीशु और उनके शिष्य यहूदिया की भूमि में आए, और वहाँ उनके साथ समय बिताया और बपतिस्मा देते रहे। यूहन्ना भी ऐनोन में सालीम के निकट बपतिस्मा दे रहा था, क्योंकि वहाँ बहुत जल था, और लोग आते थे और बपतिस्मा लेते थे। क्योंकि योहन अभी तक जेल में नहीं डाला गया था। इसलिए यूहन्ना के शिष्यों और एक यहूदी के बीच शुद्धिकरण के विषय में विवाद हुआ। और वे यूहन्ना के पास आए और उन्होंने उससे कहा, रब्बी, जो यर्डन के पार आपके साथ था, जिसके विषय में आपने गवाही दी थी, देखिए, वह बपतिस्मा दे रहा है और सब लोग उसके पास आ रहे हैं। यूहन्ना ने उत्तर दिया और कहा, मनुष्य कुछ भी नहीं ले सकता, यदि वह उसे स्वर्ग से न दिया गया हो। तुम स्वयं

मुझे गवाही देते हो कि मैंने कहा था, मैं मसीह नहीं हूँ, बल्कि मैं उससे पहले भेजा गया हूँ। जो दुल्हन को रखता है वह दूल्हा है, परन्तु दूल्हे का मित्र, जो खड़ा होकर उसे सुनता है, दूल्हे की आवाज़ के कारण आनंद से आनंदित होता है। इसलिए यह मेरा आनंद पूर्ण हो गया है। उसका बढ़ना आवश्यक है, लेकिन मुझे घटना है। जो ऊपर से आता है वह सब के ऊपर है। जो पृथ्वी से है वह पृथ्वी से है और पृथ्वी की बातें बोलता है। जो स्वर्ग से आता है वह सब के ऊपर है। और जो उसने देखा और सुना है, वह इसकी गवाही देता है, और उसकी गवाही को कोई स्वीकार नहीं करता। जिसने उसकी गवाही को ग्रहण किया, उसने इस बात पर मुहर लगा दी कि परमेश्वर सच्चा है। क्योंकि जिसे परमेश्वर ने भेजा है, वह परमेश्वर के वचन बोलता है, क्योंकि परमेश्वर आत्मा को माप से नहीं देता है। पिता पुत्र से प्रेम करता है और सब कुछ उसके हाथ में दे दिया है। जो पुत्र में विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है, लेकिन जो पुत्र की अवज्ञा करता है, वह जीवन नहीं देखेगा, बल्कि परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है।

4

जब प्रभु ने जाना कि फरीसियों ने सुना है कि यीशु यूहन्ना से अधिक चले बनाता और बपतिस्मा देता है यद्यपि वास्तव में यीशु स्वयं बपतिस्मा नहीं दे रहे थे, बल्कि उनके शिष्य दे रहे थे। उसने यहूदिया को छोड़ा और गलील को चला गया। यह आवश्यक था कि वह सामरिया से होकर जाए। इसलिए वह सामरिया के एक शहर में आता है जिसे सूखार कहा जाता है, उस जगह के पास जो याकूब ने अपने बेटे यूसुफ को दी थी, वहाँ याकूब का एक स्रोत था। इसलिए यीशु यात्रा से थककर उस स्रोत पर इस प्रकार बैठे थे, समय लगभग छठा घंटा था। एक स्त्री सामरिया से पानी खींचने आती है। यीशु उससे कहते हैं, मुझे पीने को दो। क्योंकि उसके शिष्य शहर में गए थे ताकि भोजन खरीद सकें। इसलिए वह सामरी स्त्री उससे कहती है, तू यहूदी होते हुए मुझ सामरी स्त्री से पीने के लिए कैसे मांगता है? क्योंकि यहूदी सामरियों के साथ नहीं रहते हैं। यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, यदि तू परमेश्वर के उपहार को जानती, और यह जानती कि वह कौन है जो तुझसे कहता है, मुझे पीने को दे, तो तू उससे मांगती, और वह तुझे जीवित जल देता। वह स्त्री उससे कहती है, प्रभु, न तो आपके पास बाल्टी है, और कुआँ गहरा है, तो फिर आपके पास वह जीवित जल कहाँ से है? क्या तुम हमारे पिता याकूब से बड़े हो, जिन्होंने हमें यह कुआँ दिया, और स्वयं उसमें से पिया और उनके पुत्रों ने और उनके पशुओं ने? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, जो कोई इस पानी में से पीता है, वह फिर से प्यासा होगा। जो कोई उस पानी में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, वह सदा के लिए कभी प्यासा नहीं होगा, बल्कि वह पानी जो मैं उसे दूंगा,

उसके भीतर अनंत जीवन के लिए उछलते हुए पानी का स्रोत बन जाएगा। वह स्त्री उससे कहती है, हे प्रभु, मुझे यह जल दीजिए, ताकि मैं प्यासी न रहूं और न ही यहां पानी खींचने आना पड़े। यीशु उससे कहते हैं, जाओ, अपने पति को बुलाओ और यहाँ आओ। स्त्री ने उत्तर दिया और कहा, मेरे पास पति नहीं है। यीशु उससे कहते हैं, तूने ठीक कहा कि मेरे पास पति नहीं है, क्योंकि तुम्हारे पाँच पति थे, और अब जो तुम्हारे पास है वह तुम्हारा पति नहीं है, यह सच तुमने कहा है। वह स्त्री उससे कहती है, प्रभु, मैं देखती हूँ कि आप भविष्यवक्ता हैं। हमारे पूर्वजों ने इस पहाड़ पर पूजा की, और आप कहते हैं कि यरूशलेम में वह स्थान है जहाँ पूजा करना आवश्यक है। यीशु उससे कहते हैं, हे स्त्री, मुझ पर विश्वास करो कि वह घड़ी आ रही है जब न तो इस पहाड़ पर और न ही यरूशलेम में तुम पिता की पूजा करोगे। तुम उसकी पूजा करते हो जिसे तुम नहीं जानते, हम उसकी पूजा करते हैं जिसे हम जानते हैं, क्योंकि मुक्ति यहूदियों से है। लेकिन घड़ी आती है, और अब है, जब सच्चे उपासक पिता की उपासना आत्मा और सत्य में करेंगे, क्योंकि पिता ऐसे उपासकों को खोजता है जो उसकी उपासना करते हैं। परमेश्वर आत्मा है, और जो उसकी पूजा करते हैं, उन्हें आत्मा और सत्य में पूजा करना आवश्यक है। वह स्त्री उससे कहती है, मैं जानती हूँ कि मसीहा आ रहा है जो मसीह कहलाता है। जब वह आएगा, तो वह हमें सब कुछ बताएगा। यीशु उससे कहते हैं, मैं हूँ जो तुझसे बोल रहा हूँ। और इस पर उसके शिष्य आए, और उन्होंने आश्चर्य किया कि वह एक स्त्री के साथ बात कर रहा था, फिर भी किसी ने नहीं कहा, तू क्या खोज रहा है या तू उसके साथ क्या बात कर रहा है? इसलिए उस स्त्री ने अपना पानी का घड़ा छोड़ दिया और शहर में चली गई, और लोगों से कहती है, आओ, उस आदमी को देखो जिसने मुझे सब कुछ बताया जो मैंने किया। क्या यह मसीह है? इसलिए वे शहर से बाहर गए और उसके पास आ रहे थे।

इस बीच शिष्य उससे कह रहे थे, रब्बी, खाओ। लेकिन उसने उनसे कहा, मेरे पास खाने के लिए भोजन है जो तुम नहीं जानते। इसलिए शिष्य एक दूसरे से कह रहे थे, क्या किसी ने उसे खाने को कुछ लाया है? यीशु उनसे कहते हैं, मेरा भोजन यह है कि मैं उसकी इच्छा पूरी करूँ जिसने मुझे भेजा है और उसका काम पूरा करूँ। क्या तुम नहीं कहते हो कि अभी चार महीने हैं और फसल आती है? देखो, मैं तुमसे कहता हूँ, अपनी आँखें उठाओ और भूमि को देखो, क्योंकि वे फसल के लिए पहले से ही सफेद हैं। और जो काटता है वह मजदूरी पाता है और अनन्त जीवन के लिए फल इकट्ठा करता है, ताकि बोने वाला और काटने वाला दोनों एक साथ आनन्दित हों। क्योंकि इसमें वह वचन सत्य है कि बोनेवाला कोई और है और काटनेवाला कोई और। मैंने तुम्हें वह काटने भेजा जिसके लिए तुमने परिश्रम नहीं किया, दूसरों ने परिश्रम किया, और तुम उनके परिश्रम में प्रवेश कर गए। और

उस शहर से सामरियों में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया, उस स्त्री के शब्द के कारण जो गवाही दे रही थी कि उसने मुझे सब कुछ बताया जो मैंने किया। जब सामरी उसके पास आए, तो उन्होंने उससे उनके पास रहने के लिए कहा, और वह वहाँ दो दिन रहा। और बहुत अधिक लोगों ने उसके वचन के कारण विश्वास किया। उस स्त्री से वे कह रहे थे कि अब हम तुम्हारी बात के कारण विश्वास नहीं करते, क्योंकि हमने स्वयं सुना है, और हम जानते हैं कि यह सचमुच संसार का उद्धारकर्ता, मसीह है।

लेकिन दो दिनों के बाद वह वहाँ से निकला और गलील को चला गया। क्योंकि स्वयं यीशु ने गवाही दी थी कि भविष्यवक्ता को अपने स्वदेश में सम्मान नहीं मिलता है। जब वह गलील में आया, तो गलीलवासियों ने उसे स्वीकार किया, क्योंकि उन्होंने वह सब देखा था जो उसने यरूशलेम में पर्व के समय किया था, और वे स्वयं भी पर्व में आए थे।

इसलिए यीशु फिर गलील के काना में आया, जहाँ उसने पानी को शराब बनाया था। और एक शाही अधिकारी था, जिसका पुत्र कफ़रनहूम में बीमार था, इसने सुना कि यीशु यहूदिया से गलील आया है, तो वह उसके पास गया और उससे विनती की कि वह आए और उसके पुत्र को चंगा करे, क्योंकि वह मरने वाला था। इसलिए यीशु ने उससे कहा, यदि तुम चिह्न और चमत्कार नहीं देखोगे, तो तुम विश्वास नहीं करोगे। राजकीय अधिकारी उससे कहता है, हे प्रभु, मेरे बच्चे के मरने से पहले नीचे आ जाइए। यीशु उससे कहते हैं, जाओ, तुम्हारा पुत्र जीवित है। और उस आदमी ने उस वचन पर विश्वास किया जो यीशु ने उससे कहा था, और वह चला गया। पहले से ही जब वह उतर रहा था, उसके दास उससे मिले और उन्होंने कहते हुए सूचना दी कि तुम्हारा बालक जीवित है। इसलिए उसने उनसे पूछा कि किस घंटे में वह बेहतर हुआ था। और उन्होंने उससे कहा कि कल सातवें घंटे में बुखार ने उसको छोड़ दिया था। तब पिता ने जान लिया कि उसी घड़ी में जब यीशु ने उससे कहा था कि तुम्हारा पुत्र जीवित है, और उसने और उसके पूरे घराने ने विश्वास किया। यह दूसरा चिह्न यीशु ने यहूदिया से गलील में आकर किया।

5

इन बातों के बाद यहूदियों का त्योहार था, और यीशु यरूशलेम गए। यरूशलेम में भेड़ के द्वार पर एक कुंड है, जो इब्रानी में बेथेस्दा कहलाता है, जिसके पाँच बरामदे हैं। इनमें बीमारों, अंधों, लंगड़ों और सूखे अंगों वाले लोगों की एक बड़ी भीड़ लेटी हुई थी, जो पानी के हिलने की प्रतीक्षा कर रही थी। क्योंकि एक स्वर्गदूत समय-समय पर तालाब में उतरता

था, और पानी हिलाया जाता था, इसलिए जो पहला पानी के हिलने के बाद प्रवेश करता था, वह स्वस्थ हो जाता था, चाहे वह किसी भी बीमारी से ग्रस्त हो। वहाँ एक आदमी था जो अपनी कमज़ोरी में अड़तीस वर्ष से था। इसको देखकर, जो लेटा हुआ था, और यह जानकर कि वह बहुत समय से ऐसा है, यीशु उससे कहते हैं, क्या तुम स्वस्थ होना चाहते हो? बीमार आदमी ने उसे उत्तर दिया, प्रभु, मेरे पास कोई आदमी नहीं है, ताकि जब पानी हिलाया जाए, तो मुझे कुंड में डाल दे। लेकिन जब मैं आता हूँ, तो मुझसे पहले कोई दूसरा उतर जाता है। यीशु उससे कहते हैं, उठो, अपनी चटाई उठाओ और चलो। और तुरंत वह आदमी स्वस्थ हो गया, और उसने अपनी चटाई उठाई और चलने लगा। और उस दिन सब्त का दिन था। यहूदी इसलिए चंगा किए गए व्यक्ति से कह रहे थे, सब्त है, तुझे चटाई उठाना वैध नहीं है। उसने उन्हें उत्तर दिया, जिसने मुझे स्वस्थ किया, उसी ने मुझसे कहा, अपनी चटाई उठाओ और चलो। इसलिए उन्होंने उससे पूछा, वह आदमी कौन है जिसने तुमसे कहा, अपनी चटाई उठाओ और चलो? लेकिन जो चंगा किया गया था, वह नहीं जानता था कि वह कौन है, क्योंकि यीशु उस जगह पर भीड़ होते हुए वहाँ से हट गए थे। इन बातों के बाद यीशु उसको मंदिर में पाता है और उससे कहा, देखो, तू स्वस्थ हो गया है, अब और पाप मत कर, ताकि तुझ पर कुछ और बुरा न हो जाए। वह आदमी गया और यहूदियों को सूचना दी कि यीशु ही है जिसने उसे स्वस्थ किया।

और इसी कारण यहूदी यीशु को सताते थे और उसे मारने की कोशिश करते थे, क्योंकि वह ये काम सब्त के दिन करता था। लेकिन यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, मेरा पिता अब तक कार्य करता है, और मैं भी कार्य करता हूँ। इस कारण यहूदी उसे मारने की और अधिक खोज में थे, क्योंकि वह न केवल सब्त को तोड़ रहा था, बल्कि परमेश्वर को अपना पिता कह रहा था, और स्वयं को परमेश्वर के बराबर बना रहा था।

इसलिए यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, पुत्र अपने आप से कुछ नहीं कर सकता, यदि वह पिता को करते हुए न देखे। क्योंकि जो कुछ वह करता है, वही पुत्र भी वैसे ही करता है। क्योंकि पिता पुत्र से प्रेम करता है और जो कुछ वह स्वयं करता है, वह सब उसे दिखाता है, और इनसे भी बड़े कार्य उसे दिखाएगा, ताकि तुम आश्चर्यचकित हो। क्योंकि जैसे पिता मृतकों को उठाता है और जीवन देता है, वैसे ही पुत्र भी जिनको चाहता है जीवन देता है। क्योंकि पिता किसी का न्याय नहीं करता, बल्कि सारा न्याय पुत्र को दे दिया है। ताकि सब पुत्र का सम्मान करें जैसे पिता का सम्मान करते हैं। जो पुत्र का सम्मान नहीं करता, वह पिता का सम्मान नहीं करता जिसने उसे भेजा। सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि जो मेरे वचन को सुनता है और उसमें विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा

है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वह न्याय में नहीं आता, बल्कि मृत्यु से जीवन में पार हो चुका है। सत्य सत्य, मैं तुमसे कहता हूँ कि वह घड़ी आ रही है, और अब है, जब मृतक परमेश्वर के पुत्र की आवाज़ सुनेंगे, और जिन्होंने सुना है वे जीएंगे। क्योंकि जैसे पिता अपने आप में जीवन रखता है, वैसे ही उसने पुत्र को भी अपने आप में जीवन रखने का अधिकार दिया है। और उसने उसे अधिकार दिया, न्याय करने का अधिकार भी दिया, क्योंकि वह मनुष्य का पुत्र है। इस पर आश्चर्य मत करो, क्योंकि वह घड़ी आ रही है जिसमें वे सब जो कब्रों में हैं उसकी आवाज़ सुनेंगे, और जो अच्छे काम करेंगे वे जीवन के पुनरुत्थान में आएंगे, और जिन्होंने बुरे काम किए हैं वे न्याय के पुनरुत्थान में आएंगे।

मैं अपने आप से कुछ भी करने में सक्षम नहीं हूँ। जैसा मैं सुनता हूँ, वैसा ही न्याय करता हूँ, और मेरा निर्णय न्यायपूर्ण है, क्योंकि मैं अपनी इच्छा नहीं, बल्कि मुझे भेजने वाले पिता की इच्छा खोजता हूँ। यदि मैं अपने विषय में गवाही देता हूँ, तो मेरी गवाही सच्ची नहीं है। एक दूसरा है जो मेरे बारे में गवाही देता है, और मैं जानता हूँ कि वह गवाही सच है जो वह मेरे बारे में देता है। तुमने यूहन्ना के पास भेजा था, और उसने सत्य की गवाही दी है, लेकिन मैं आदमी से गवाही नहीं लेता हूँ, बल्कि ये बातें इसलिए कहता हूँ ताकि तुम बचाए जाओ। वह वह दीपक था जो जलता और चमकता था, लेकिन तुमने उसके प्रकाश में थोड़ी देर के लिए आनंदित होना चाहा। लेकिन मेरे पास यूहन्ना की गवाही से बड़ी गवाही है, क्योंकि जो काम पिता ने मुझे दिए हैं ताकि मैं उन्हें पूरा करूँ, वे ही काम जो मैं करता हूँ, मेरे बारे में गवाही देते हैं कि पिता ने मुझे भेजा है। और जिस पिता ने मुझे भेजा है, उसी ने मेरे विषय में गवाही दी है। तुमने न कभी उसकी आवाज़ सुनी है और न उसका रूप देखा है, और उसका वचन आप में बना नहीं रहता, क्योंकि जिसे उसने भेजा, उस पर आप विश्वास नहीं करते। तुम धर्मग्रंथों की जांच करते हो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उनमें अनंत जीवन है, और वे ही हैं जो मेरे बारे में गवाही देते हैं, और तुम मेरे पास आना नहीं चाहते हो ताकि जीवन पा सको। मैं मनुष्यों से महिमा नहीं लेता। लेकिन मैं तुम्हें जानता हूँ कि तुम्हारे भीतर परमेश्वर का प्रेम नहीं है। मैं अपने पिता के नाम में आया हूँ, और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते हो, यदि कोई दूसरा अपने नाम में आता है, तो उसको तुम ग्रहण करोगे। तुम कैसे विश्वास कर सकते हो, जबकि तुम एक दूसरे से महिमा लेते हो, और जो महिमा एकमात्र परमेश्वर से मिलती है उसे नहीं खोजते? क्या तुम यह सोचते हो कि मैं पिता के सामने तुम पर आरोप लगाऊंगा? तुम पर आरोप लगाने वाला मूसा है, जिस पर तुमने आशा रखी है। यदि तुम मूसा पर विश्वास करते थे, तो तुम मुझ पर भी विश्वास करते, क्योंकि उसने मेरे बारे में लिखा था। लेकिन यदि तुम उसके लेखों पर विश्वास नहीं करते हो, तो मेरे शब्दों पर कैसे विश्वास करोगे?

इन बातों के बाद यीशु गलील के समुद्र, जो तिबिरियास का है, के पार गए। और एक बड़ी भीड़ उसका अनुसरण कर रही थी, क्योंकि वे उसके वे चिह्न देखते थे जो वह बीमारों पर करता था। लेकिन यीशु पहाड़ पर गए और वहाँ अपने शिष्यों के साथ बैठे। यहूदियों का त्यौहार पास्का निकट था। इसलिए यीशु ने आँखें उठाई और देखा कि एक बड़ी भीड़ उसकी ओर आ रही है, तो उसने फिलिप्पुस से कहा, हम कहाँ से रोटियाँ खरीदें ताकि ये लोग खा सकें? यह लेकिन उसने उसे परखते हुए कहा, क्योंकि वह स्वयं जानता था कि वह क्या करने वाला था। फिलिप्पुस ने उसे उत्तर दिया, दो सौ दीनार की रोटियाँ उनके लिए पर्याप्त नहीं हैं ताकि उनमें से प्रत्येक थोड़ा-सा ले सके। उसके शिष्यों में से एक, अन्द्रियास जो शिमोन पतरस का भाई था, उससे कहता है, यहाँ एक लड़का है, जिसके पास पाँच जौ की रोटियाँ और दो मछलियाँ हैं, लेकिन इतने सारे लोगों के लिए ये क्या हैं? यीशु ने कहा, लोगों को बैठाओ। उस स्थान में बहुत घास थी। इसलिए पुरुष बैठ गए, उनकी संख्या लगभग पाँच हजार थी। यीशु ने रोटियाँ लीं और धन्यवाद देकर चेलों को बाँटीं, और चेलों ने बैठे हुए लोगों को बाँटीं, इसी प्रकार मछलियों में से भी जितना वे चाहते थे। जब वे भर गए, तो वह अपने शिष्यों से कहता है, बचे हुए टुकड़ों को इकट्ठा करो, ताकि कुछ भी नष्ट न हो जाए। इसलिए उन्होंने एकत्र किया और बारह टोकरियाँ उन टुकड़ों से भर दीं जो पाँच जौ की रोटियों में से खाने वालों के लिए बचे थे। इसलिए वे लोग, जिन्होंने वह निशान देखा जो यीशु ने किया, कह रहे थे कि यह सचमुच वह नबी है जो संसार में आने वाला है। यीशु यह जानते हुए कि वे आने वाले हैं और उसे पकड़कर राजा बनाने वाले हैं, फिर से पहाड़ पर अकेले चले गए।

जब शाम हुई, तो उसके शिष्य समुद्र की ओर गए। और नाव में प्रवेश करके वे समुद्र के पार कफरनहूम की ओर आ रहे थे। और अंधकार पहले से ही हो गया था और यीशु अभी तक उनके पास नहीं आए थे। और समुद्र तेज़ हवा चलने से उभड़ रहा था। इसलिए लगभग पच्चीस या तीस स्टेड चला कर वे यीशु को समुद्र पर चलते हुए और नाव के निकट आते हुए देखते हैं, और वे डर गए। परन्तु वह उनसे कहता है, मैं हूँ, मत डरो। वे इसलिए उसे नाव में लेने को इच्छुक थे, और तुरंत नाव उस भूमि पर पहुँच गई जहाँ वे जा रहे थे।

अगले दिन समुद्र के पार खड़ी भीड़ ने देखा कि वहाँ कोई दूसरी छोटी नाव नहीं थी, केवल वह एक थी जिसमें उसके शिष्य चढ़े थे, और यह कि यीशु अपने शिष्यों के साथ उस छोटी नाव में नहीं चढ़े थे, बल्कि केवल उसके शिष्य ही चले गए थे। लेकिन तिबिरियास से

कुछ नावें उस जगह के पास आईं, जहाँ उन्होंने प्रभु के धन्यवाद देने के बाद रोटी खाई थी। जब इसलिए भीड़ ने देखा कि यीशु वहाँ नहीं है और न ही उसके चेले हैं, तो वे स्वयं नावों में चढ़े और यीशु को ढूँढते हुए कफरनहूम आए। और उसे समुद्र के पार पाकर उन्होंने उससे कहा, रब्बी, आप यहाँ कब आएँ? यीशु ने उनको उत्तर दिया और कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, तुम मुझे खोजते हो, इसलिए नहीं कि तुमने चिन्ह देखे, बल्कि इसलिए कि तुमने रोटियाँ खाईं और तृप्त हुए। काम मत करो उस भोजन के लिए जो नष्ट हो जाता है, बल्कि उस भोजन के लिए जो अनन्त जीवन तक बना रहता है, जिसे मनुष्य का पुत्र तुम्हें देगा, क्योंकि परमेश्वर पिता ने इसी पर मुहर लगाई है। इसलिए उन्होंने उससे कहा, हम क्या करें ताकि हम परमेश्वर के कार्यों को करें? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, यह परमेश्वर का काम है, कि तुम उसमें विश्वास करो जिसे उसने भेजा है।

इसलिए उन्होंने उससे कहा, तो तुम क्या निशानी दिखाते हो ताकि हम देखें और तुझ पर विश्वास करें? तुम क्या काम करते हो? हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया, जैसा कि लिखा है, स्वर्ग से रोटी उन्हें खाने के लिए दी गई। यीशु ने इसलिए उनसे कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, मूसा ने तुम्हें स्वर्ग से रोटी नहीं दी, लेकिन मेरा पिता तुम्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी देता है। क्योंकि परमेश्वर की रोटी वह है जो स्वर्ग से उतरती है और संसार को जीवन देती है। मैंने इसलिए उससे कहा, प्रभु, हमें यह रोटी हमेशा दिया करो। यीशु ने उनसे कहा, मैं जीवन की रोटी हूँ। जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा नहीं होगा, और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा नहीं होगा।

लेकिन मैंने तुमसे कहा था कि तुमने मुझे देखा है और फिर भी विश्वास नहीं करते हो। जो कुछ पिता मुझे देता है, वह मेरे पास आएगा, और जो मेरे पास आता है उसे मैं कदापि बाहर नहीं निकालूंगा। क्योंकि मैं स्वर्ग से नीचे आया हूँ, अपनी इच्छा पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी इच्छा पूरी करने के लिए जिसने मुझे भेजा है। यह उस पिता की इच्छा है जिसने मुझे भेजा, ताकि जो कुछ उसने मुझे दिया है उसमें से मैं किसी को नष्ट न करूँ, बल्कि अंतिम दिन उसे उठाऊँ। यह उसकी इच्छा है जिसने मुझे भेजा, ताकि हर वह जो पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, अनन्त जीवन पाए, और मैं उसे अन्तिम दिन में उठाऊंगा। इसलिए यहूदी उसके बारे में बड़बड़ाए क्योंकि उसने कहा, मैं वह रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है। और वे कह रहे थे, क्या यह यीशु, यूसुफ का पुत्र नहीं है, जिसके पिता और माता को हम जानते हैं? तो फिर यह कैसे कहता है कि मैं स्वर्ग से उतर आया हूँ? इसलिए यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, एक दूसरे के साथ मत बड़बड़ाओ। कोई भी मेरे पास आने में सक्षम नहीं है, यदि वह पिता जिसने मुझे भेजा है उसे न खींचे, और मैं उसे अंतिम दिन उठाऊंगा।

भविष्यवक्ताओं में लिखा है, और सब परमेश्वर के द्वारा सिखाए जाएंगे। हर वह जो पिता से सुनता है और सीखता है, वह मेरे पास आता है, ऐसा नहीं कि किसी ने पिता को देखा है, सिवाय उसके जो परमेश्वर के पास से है; उसी ने पिता को देखा है। सत्य सत्य मैं तुम से कहता हूँ, जो मुझ में विश्वास करता है, वह अनन्त जीवन रखता है। मैं जीवन की रोटी हूँ। तुम्हारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया और मर गए यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरती है, ताकि कोई इसे खाए और न मरे। मैं वह जीवित रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है। यदि कोई इस रोटी में से खाएगा, तो वह सदा के लिए जीएगा। और वह रोटी जो मैं दूंगा, वह मेरा मांस है, जिसे मैं संसार के जीवन के लिए दूंगा। इसलिए यहूदी आपस में झगड़ रहे थे और कह रहे थे, यह हमें अपना मांस खाने के लिए कैसे दे सकता है? इसलिए यीशु ने उनसे कहा, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ, यदि तुम मनुष्य के पुत्र का मांस नहीं खाओगे और उसका रक्त नहीं पीओगे, तो तुम्हारे भीतर जीवन नहीं है। जो मेरा मांस खाता है और मेरा रक्त पीता है, उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं उसे अन्तिम दिन पर जिलाऊंगा। क्योंकि मेरा मांस सचमुच भोजन है, और मेरा रक्त सचमुच पेय है। जो मेरा मांस खाता है और मेरा रक्त पीता है, वह मुझमें रहता है और मैं उसमें रहता हूँ। जैसे जीवित पिता ने मुझे भेजा और मैं पिता के कारण जीता हूँ, वैसे ही जो मुझे खाता है वह भी मेरे द्वारा जीएगा। यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरी है, जैसे तुम्हारे पिताओं ने मन्ना खाया और मर गए, वैसा नहीं; जो इस रोटी को खाता है वह युगानुयुग जीवित रहेगा। ये बातें उसने कफरनहूम की सभा में सिखाते हुए कहीं।

बहुत से शिष्यों ने इसलिए सुनकर कहा, यह वचन कठोर है, कौन इसे सुन सकता है? लेकिन यीशु अपने मन में जानते हुए कि उनके शिष्य इस बारे में बड़बड़ा रहे हैं, उनसे बोले, क्या यह तुम्हें ठोकर खिलाता है? यदि तुम मनुष्य के पुत्र को वहाँ आरोहण करते हुए देखो जहाँ वह पहले था, तो क्या होगा? वह आत्मा है जो जीवित करती है, देह कुछ भी लाभ नहीं देता, जो शब्द मैं तुमसे बोलता हूँ, वे आत्मा हैं और जीवन हैं। लेकिन तुममें से कुछ ऐसे हैं जो विश्वास नहीं करते। क्योंकि यीशु आरंभ से जानता था कि कौन विश्वास नहीं करते हैं और कौन उसे पकड़वाने वाला है। और उसने कहा, इसलिए मैंने तुमसे कहा है कि कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता, यदि यह उसे मेरे पिता की ओर से दिया न गया हो। इस से उसके बहुत से शिष्य पीछे चले गए और अब उसके साथ नहीं चलते थे। इसलिए यीशु ने बारह को कहा, क्या आप भी जाना चाहते हो? शिमोन पतरस ने इसलिए उसको उत्तर दिया, प्रभु, हम किसके पास जाएंगे? अनन्त जीवन के वचन तेरे पास हैं। और हमने विश्वास किया है और जान लिया है कि तुम मसीह हो, जीवित परमेश्वर के पुत्र। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, क्या मैंने तुम बारह को नहीं चुना? और तुममें से एक शैतान है। वह यहूदा शमौन इस्करियोती के बारे में कह रहा था, क्योंकि यह उसे पकड़वाने वाला था, जो बारह में से एक था।

और इन बातों के बाद यीशु गलील में चल रहा था, क्योंकि वह यहूदिया में चलना नहीं चाहता था, क्योंकि यहूदी उसे मारने की खोज में थे। यहूदियों का तम्बुओं का त्योहार निकट था। इसलिए उसके भाइयों ने उससे कहा, यहाँ से प्रस्थान करो और यहूदिया जाओ, ताकि तुम्हारे शिष्य भी तुम्हारे उन कार्यों को देखें जो तुम करते हो। कोई भी गुप्त रूप से कुछ नहीं करता और खुलेआम होने की चाह रखता है। यदि तुम ये काम करते हो, तो अपने आप को दुनिया के सामने प्रकट करो। क्योंकि उसके भाई भी उस पर विश्वास नहीं करते थे। यीशु इसलिए उनसे कहते हैं, मेरा समय अभी तक उपस्थित नहीं है, लेकिन तुम्हारा समय हमेशा तैयार है। संसार तुमसे नफरत नहीं कर सकता, लेकिन मुझसे नफरत करता है, क्योंकि मैं उसके बारे में गवाही देता हूँ कि उसके कर्म बुरे हैं। तुम इस त्योहार में जाओ, मैं अभी तक इस त्योहार में नहीं जा रहा हूँ, क्योंकि मेरा समय अभी तक पूरा नहीं हुआ है। ये बातें उनसे कहकर वह गलील में रहा। जब उसके भाई ऊपर गए, तब वह भी पर्व में गया, खुलकर नहीं, बल्कि गुप्त रूप से। इसलिए यहूदी उसको पर्व में खोज रहे थे और कह रहे थे, वह कहाँ है? और भीड़ों में उसके बारे में बहुत बड़बड़ाहट थी। कुछ लोग कह रहे थे कि वह अच्छा है, दूसरे कह रहे थे, नहीं, बल्कि वह भीड़ को भटकाता है। तथापि, यहूदियों के डर के कारण कोई भी उसके विषय में खुलकर नहीं बोल रहा था।

पहले से ही त्योहार के बीच में होने पर, यीशु मंदिर में गए और सिखाने लगे। और यहूदी चकित हुए और कहने लगे, यह बिना सीखे अक्षरों को कैसे जानता है? यीशु ने इसलिए उनको उत्तर दिया और कहा, मेरी शिक्षा मेरी नहीं है, लेकिन उसकी है जिसने मुझे भेजा। यदि कोई उसकी इच्छा को पूरा करना चाहता है, तो वह शिक्षा के विषय में जानेगा कि क्या यह परमेश्वर से है या मैं अपनी ओर से बोलता हूँ। जो अपने आप से बोलता है वह अपनी महिमा खोजता है, लेकिन जो उसे भेजने वाले की महिमा खोजता है, वह सच्चा है, और उसमें कोई अन्याय नहीं है। क्या मूसा ने तुम्हें वह कानून नहीं दिया है? और तुममें से कोई भी उस कानून का पालन नहीं करता है। तुम मुझे मारने की कोशिश क्यों कर रहे हो? भीड़ ने उत्तर दिया और कहा, तुम्हारे पास दुष्टात्मा है। कौन तुम्हें मारने की कोशिश कर रहा है? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, मैंने एक काम किया, और इस कारण सब आश्चर्य करते हैं। मूसा ने तुम्हें खतना दिया है, यह इसलिए नहीं कि यह मूसा से है, बल्कि पूर्वजों से है, और तुम सब के दिन आदमी का खतना करते हो। यदि आदमी सब के दिन खतना करवाता है ताकि मूसा का नियम न तोड़ा जाए, तो क्या तुम मुझ पर क्रोधित होते हो क्योंकि मैंने सब के दिन एक पूरे आदमी को स्वस्थ बनाया? दिखावे के अनुसार न्याय मत करो,

बल्कि न्यायपूर्ण न्याय करो। इसलिए यरूशलेम के कुछ लोग कह रहे थे, क्या यह वही नहीं है जिसे वे मारना चाहते हैं? और देखो, वह खुलकर बोलता है, और उसे कुछ नहीं कहते हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि शासकों ने सचमुच जान लिया है कि यह सचमुच मसीह है? लेकिन हम जानते हैं कि यह कहाँ से है, परन्तु मसीह जब आएगा, तो कोई नहीं जानता कि वह कहाँ से है। इसलिए यीशु ने मंदिर में सिखाते हुए पुकारा और कहा, तुम मुझे जानते हो, और जानते हो कि मैं कहाँ से हूँ, और मैं अपने आप से नहीं आया हूँ, लेकिन वह सत्य है जिसने मुझे भेजा है, जिसे तुम नहीं जानते हो। मैं उसे जानता हूँ, क्योंकि मैं उसी से हूँ और उसी ने मुझे भेजा है। इसलिए वे उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, और किसी ने भी उस पर हाथ नहीं डाला, क्योंकि अभी तक उसकी घड़ी नहीं आई थी। लेकिन भीड़ में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया और कहने लगे कि जब मसीह आएगा, तो क्या वह इनसे अधिक चिन्ह करेगा जो इसने किए हैं? फरीसियों ने भीड़ को उसके बारे में ये बातें बड़बड़ाते हुए सुना, और फरीसियों और मुख्य याजकों ने सहायकों को भेजा ताकि वे उसे पकड़ें। यीशु ने इसलिए कहा, मैं अभी थोड़े समय के लिए तुम्हारे साथ हूँ और फिर उसके पास जाऊँगा जिसने मुझे भेजा है। तुम मुझे ढूँढोगे और नहीं पाओगे, और जहाँ मैं हूँ, तुम वहाँ आ नहीं सकते। इसलिए यहूदियों ने आपस में कहा, यह कहाँ जाने वाला है कि हम उसे नहीं पाएँगे? कहीं यह यूनानियों के बिखराव में जाने वाला है और यूनानियों को सिखाने वाला है? यह कौन सा वचन है जो उसने कहा, तुम मुझे खोजोगे और नहीं पाओगे, और जहाँ मैं हूँ, तुम वहाँ आने में सक्षम नहीं हो?

उस पर्व के अंतिम महान दिन में यीशु खड़े हुए और पुकारकर कहा, यदि कोई प्यासा है, तो मेरे पास आए और पीए। जो मुझ में विश्वास करता है, जैसा कि शास्त्र ने कहा है, उसके पेट से जीवित जल की नदियाँ बहेँगी। लेकिन यह उसने उस आत्मा के बारे में कहा था जिसे वे प्राप्त करने वाले थे जो उस पर विश्वास करते थे, क्योंकि पवित्र आत्मा अभी तक नहीं था, क्योंकि यीशु अभी तक महिमामंडित नहीं हुए थे। इसलिए भीड़ में से बहुत लोगों ने वचन सुनकर कहा, यह सचमुच वह भविष्यवक्ता है। दूसरे कह रहे थे, यह मसीह है, दूसरे कह रहे थे, क्या गलील से मसीह आता है? क्या शास्त्र ने यह नहीं कहा कि मसीह दाऊद के वंश से और बैतलहम गाँव से आएगा, जहाँ दाऊद रहता था? इसलिए भीड़ में उसके कारण विभाजन हो गया। कुछ लोग उनमें से उसे पकड़ना चाहते थे, लेकिन किसी ने भी उस पर हाथ नहीं डाला। इसलिए वे सहायक प्रधान याजकों और फरीसियों के पास आए, और उन्होंने उनसे कहा, तुम उसे क्यों नहीं लाए? सहायकों ने उत्तर दिया, कभी किसी मनुष्य ने इस प्रकार नहीं बोला, जैसे इस मनुष्य ने बोला। फरीसियों ने इसलिए उनको उत्तर दिया, क्या तुम भी भटकाए गए हो? क्या शासकों में से किसी ने उस पर विश्वास किया या

फरीसियों में से? लेकिन यह भीड़ जो व्यवस्था को नहीं जानती, शापित है निकोदेमुस उनसे कहता है, जो रात को उसके पास आया था, जो उनमें से एक था, क्या हमारा कानून किसी आदमी को दोषी ठहराता है, अगर पहले उससे न सुने और यह न जाने कि वह क्या करता है? उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, क्या तू भी गलील से है? खोज और देख कि गलील से कोई भविष्यवक्ता नहीं उठा है। और प्रत्येक अपने घर चला गया।

8

लेकिन यीशु जैतून के पहाड़ पर गया। भोर में वह फिर मंदिर आया, और सब लोग उसके पास आ रहे थे, और बैठकर वह उन्हें सिखा रहा था। शास्त्री और फरीसी व्यभिचार में पकड़ी गई एक स्त्री को ले आए, और उसे बीच में खड़ा किया। वे उससे कहते हैं, गुरु, यह स्त्री व्यभिचार करते हुए रंगे हाथों पकड़ी गई है, और हमारे कानून में मूसा ने ऐसी स्त्रियों को पत्थर मारने की आज्ञा दी। तुम इसलिए क्या कहते हो? यह उन्होंने उसे परखने के लिए कहा, ताकि उसके विरुद्ध आरोप लगाने का कोई कारण मिल जाए। लेकिन यीशु नीचे झुककर उंगली से भूमि पर लिख रहे थे। जब वे उससे पूछते रहे, तो वह सीधा खड़ा हुआ और उनसे कहा, तुममें से जो निष्पाप है, वह पहले उस पर पत्थर फेंके। और फिर नीचे झुककर वह भूमि पर लिख रहा था। परन्तु सुनकर वे एक-एक करके बाहर चले गए, बुजुर्गों से आरम्भ करके, और यीशु तथा वह स्त्री जो बीच में थी, रह गए। ऊपर देखकर यीशु ने उससे कहा, हे स्त्री, वे कहाँ हैं? क्या किसी ने तुम्हें दोषी नहीं ठहराया? उसने कहा, कोई नहीं, प्रभु। तब यीशु ने कहा, मैं भी तुम्हें दोषी नहीं ठहराता, जाओ और अब से फिर कभी पाप मत करो।

फिर यीशु ने उनसे कहा, मैं संसार का प्रकाश हूँ। जो मेरा अनुसरण करता है, वह अंधकार में नहीं चलेगा, बल्कि जीवन का प्रकाश पाएगा। इसलिए फरीसियों ने उससे कहा, तू अपने बारे में गवाही देता है, तेरी गवाही सच्ची नहीं है। यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, यदि मैं अपने बारे में गवाही देता हूँ, तो भी मेरी गवाही सच्ची है, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं कहाँ से आया और कहाँ जा रहा हूँ, लेकिन तुम नहीं जानते कि मैं कहाँ से आता हूँ या कहाँ जा रहा हूँ। तुम शरीर के अनुसार न्याय करते हो, मैं किसी का न्याय नहीं करता। और यदि मैं न्याय करूँ भी, तो मेरा न्याय सच्चा है, क्योंकि मैं अकेला नहीं हूँ, बल्कि मैं और वह पिता जिसने मुझे भेजा है। और तुम्हारे कानून में भी लिखा है कि दो मनुष्यों की गवाही सच होती है। मैं वह हूँ जो अपने बारे में गवाही देता है, और मेरे बारे में गवाही देता है वह पिता जिसने मुझे भेजा। इसलिए वे उससे कह रहे थे, तुम्हारा पिता कहाँ है? यीशु ने उत्तर दिया,

तुम न मुझे जानते हो और न मेरे पिता को। यदि तुम मुझे जानते, तो मेरे पिता को भी जानते। ये शब्द यीशु ने खजाने में बोले, जब वे मंदिर में सिखा रहे थे, और किसी ने उन्हें नहीं पकड़ा, क्योंकि उनकी घड़ी अभी तक नहीं आई थी।

यीशु ने इसलिए उनसे फिर कहा, मैं जा रहा हूँ और तुम मुझे खोजोगे, और तुम अपने पाप में मरोगे; जहाँ मैं जा रहा हूँ, तुम वहाँ आ नहीं सकते। इसलिए यहूदी कह रहे थे, क्या वह अपने आप को मार डालेगा, क्योंकि वह कहता है, जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते? और उसने उनसे कहा, तुम नीचे के हो, मैं ऊपर का हूँ; तुम इस संसार के हो, मैं इस संसार का नहीं हूँ। इसलिए मैंने तुमसे कहा कि तुम अपने पापों में मरोगे, क्योंकि यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं हूँ, तो तुम अपने पापों में मरोगे। वे उससे कह रहे थे, तुम कौन हो? और यीशु ने उनसे कहा, वही जो मैं शुरुआत से तुमसे कह रहा हूँ। मेरे पास तुम्हारे बारे में बोलने और न्याय करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जिसने मुझे भेजा है वह सच्चा है, और जो मैंने उससे सुना है, वही मैं संसार में कहता हूँ। उन्हें समझ नहीं आया कि वह उनसे पिता के बारे में कह रहा था। यीशु ने इसलिए उनसे कहा, जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठाओगे, तब तुम जानोगे कि मैं हूँ, और मैं अपने आप से कुछ नहीं करता, लेकिन जैसा मेरे पिता ने मुझे सिखाया, वैसा ही मैं ये बातें बोलता हूँ। और जिसने मुझे भेजा है वह मेरे साथ है, पिता ने मुझे अकेला नहीं छोड़ा, क्योंकि मैं वह करता हूँ जो उसे सदा प्रिय है। जब वह ये बातें बोल रहा था, तो बहुत लोगों ने उस पर विश्वास किया।

इसलिए यीशु उन यहूदियों से जो उस पर विश्वास कर चुके थे, कह रहे थे, यदि तुम मेरे वचन में बने रहो, तो सचमुच तुम मेरे शिष्य हो। और तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें मुक्त करेगा। उन्होंने उसको उत्तर दिया, हम अब्राहम के वंशज हैं और हम कभी किसी के गुलाम नहीं रहे हैं, तो तुम कैसे कहते हो कि तुम स्वतंत्र हो जाओगे? यीशु ने उनको उत्तर दिया, सचमुच, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई पाप करता है, वह पाप का दास है। परन्तु दास घर में सदा के लिए नहीं रहता, पुत्र सदा के लिए रहता है। यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करे, तो तुम सचमुच स्वतंत्र होगे। मैं जानता हूँ कि तुम अब्राहम के वंशज हो, लेकिन तुम मुझे मारने की कोशिश करते हो, क्योंकि मेरा वचन तुममें नहीं समाता है। मैं जो कुछ अपने पिता के पास देखा है वह बोलता हूँ, और तुम भी जो कुछ अपने पिता के पास देखा है वह करते हो। उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, हमारा पिता अब्राहम है। यीशु ने उनसे कहा, यदि तुम अब्राहम की संतान होते, तो अब्राहम के कर्म करते। लेकिन अब तुम मुझे मारने की कोशिश कर रहे हो, एक ऐसे आदमी को जिसने तुम्हें वह सत्य बताया है जो मैंने परमेश्वर से सुना। यह अब्राहम ने नहीं किया। तुम अपने पिता के कार्य करते हो। इसलिए उन्होंने उससे

कहा, हम व्यभिचार से पैदा नहीं हुए हैं, हमारा एक पिता है, परमेश्वर। इसलिए यीशु ने उनसे कहा, यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझसे प्रेम करते, क्योंकि मैं परमेश्वर से निकला और आया हूँ, और न ही मैं अपने आप से आया हूँ, बल्कि उसने मुझे भेजा। तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते हो? क्योंकि तुम मेरा वचन सुनने में सक्षम नहीं हो। तुम शैतान पिता से हो, और तुम अपने पिता की इच्छाओं को पूरा करना चाहते हो। वह शुरुआत से हत्यारा था और सच्चाई में नहीं खड़ा है, क्योंकि उसमें सच्चाई नहीं है। जब वह झूठ बोलता है, तो अपने स्वभाव से बोलता है, क्योंकि वह झूठा है और झूठ का पिता है। लेकिन मैं क्योंकि सत्य कहता हूँ, तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते। तुम में से कौन मुझे पाप के बारे में सिद्ध करता है? यदि मैं सत्य कहता हूँ, तो तुम मुझ पर विश्वास क्यों नहीं करते हो? जो परमेश्वर से है वह परमेश्वर के वचन सुनता है, इसलिए तुम नहीं सुनते हो, क्योंकि तुम परमेश्वर से नहीं हो। इसलिए यहूदियों ने उत्तर दिया और उससे कहा, क्या हम ठीक नहीं कहते कि तुम सामरी हो और तुममें दुष्टात्मा है? यीशु ने उत्तर दिया, मेरे पास कोई दुष्टात्मा नहीं है, लेकिन मैं अपने पिता का सम्मान करता हूँ, और तुम मेरा अपमान करते हो। लेकिन मैं अपनी महिमा नहीं खोजता हूँ; वह है जो खोजता है और न्याय करता है। सत्य सत्य, मैं तुम से कहता हूँ, यदि कोई मेरे वचन को रखे, तो वह मृत्यु को युगानुयुग नहीं देखेगा। इसलिए यहूदियों ने उससे कहा, अब हमने जान लिया है कि तुझमें दुष्टात्मा है। अब्राहम मर गया और भविष्यवक्ता भी मर गए, और तू कहता है, यदि कोई मेरे वचन को माने, तो वह कभी मृत्यु का स्वाद नहीं चखेगा। क्या तुम हमारे पिता अब्राहम से बड़े हो, जो मर गए? और भविष्यवक्ता भी मर गए। तुम अपने आप को क्या बनाते हो? यीशु ने उत्तर दिया, यदि मैं स्वयं को महिमा दूँ, तो मेरी महिमा कुछ नहीं है। मेरा पिता है जो मुझे महिमा देता है, जिसे तुम कहते हो कि वह तुम्हारा परमेश्वर है। और तुमने उसे नहीं जाना है, लेकिन मैं उसे जानता हूँ। और अगर मैं कहूँ कि मैं उसे नहीं जानता हूँ, तो मैं तुम्हारे समान झूठा होऊँगा, लेकिन मैं उसे जानता हूँ और उसके वचन को रखता हूँ। तुम्हारे पिता अब्राहम इसलिए प्रसन्न हुए कि वे मेरा दिन देखें, और उन्होंने देखा और आनंदित हुए। इसलिए यहूदियों ने उससे कहा, तुम्हारी उम्र अभी पचास वर्ष भी नहीं है और तुमने अब्राहम को देखा है? यीशु ने उनसे कहा, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ, अब्राहम के होने से पहले मैं हूँ। इसलिए उन्होंने पत्थर उठाए ताकि वे उस पर फेंकें। लेकिन यीशु छिप गए, और मंदिर से बाहर निकल गए, उनके बीच से होकर गुजरते हुए, और इस प्रकार चले गए।

और गुजरते हुए उसने एक आदमी को देखा जो जन्म से अंधा था। और उसके शिष्यों ने उससे पूछा, रब्बी, किसने पाप किया, इसने या इसके माता-पिता ने, कि यह अंधा पैदा हुआ? यीशु ने उत्तर दिया, न तो इसने पाप किया और न ही इसके माता-पिता ने, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर के कार्य इसमें प्रकट हों। मुझे उसके कार्यों को करना आवश्यक है जिसने मुझे भेजा है, जब तक दिन है, रात आती है जब कोई भी काम करने में सक्षम नहीं है। जब भी मैं संसार में हूँ, मैं संसार का प्रकाश हूँ। ये बातें कहकर उसने जमीन पर थूका और थूक से मिट्टी बनाई, और उस मिट्टी को अंधे की आँखों पर लगाया। और उसने उससे कहा, जाओ, सिलोअम के तालाब में धो लो, जिसका अर्थ है भेजा हुआ। इसलिए वह गया और धोया, और देखता हुआ वापस आया।

इसलिए पड़ोसी और जो उसे पहले देखते थे कि वह अंधा था, कह रहे थे, क्या यह वही नहीं है जो बैठा और भीख माँगता था? दूसरे कह रहे थे कि यह वही है, लेकिन दूसरे कह रहे थे कि यह उसके समान है। वह कह रहा था कि मैं हूँ। इसलिए वे उससे कह रहे थे, तुम्हारी आँखें कैसे खोली गई? उस ने उत्तर दिया और कहा, यीशु नाम का एक मनुष्य ने मिट्टी बनाई और मेरी आँखों पर लगाई, और मुझसे कहा, सिलोअम के तालाब में जाकर धो लो। तो मैं गया और धोया, और मुझे दृष्टि मिल गई। इसलिए उन्होंने उससे कहा, वह कहाँ है? वह कहता है, मैं नहीं जानता।

वे उसको फरीसियों के पास ले जाते हैं, जो कभी अंधा था। यह सब्बाथ का दिन था जब यीशु ने मिट्टी बनाई और उसकी आँखें खोलीं। फिर इसलिए फरीसी उससे पूछ रहे थे कि वह कैसे देखने लगा। लेकिन उसने उन्हें कहा, उसने मेरी आँखों पर मिट्टी रखी, और मैंने धोया, और मैं देखता हूँ। इसलिए फरीसियों में से कुछ कह रहे थे, यह मनुष्य परमेश्वर की ओर से नहीं है, क्योंकि यह सब्बत को नहीं मानता। दूसरे कह रहे थे, एक पापी मनुष्य ऐसे चिन्ह कैसे कर सकता है? और उनमें विभाजन था। वे अंधे से फिर कहते हैं, तू उसके बारे में क्या कहता है, जिसने तेरी आँखें खोलीं? उसने कहा, वह भविष्यवक्ता है। इसलिए यहूदियों ने उसके बारे में विश्वास नहीं किया कि वह अंधा था और उसने दृष्टि प्राप्त की, जब तक कि उन्होंने उसके माता-पिता को नहीं बुलाया जिसने दृष्टि प्राप्त की थी। और उन्होंने उनसे पूछा, क्या यह तुम्हारा पुत्र है, जिसके बारे में तुम कहते हो कि अंधा जन्मा था? फिर अभी यह कैसे देखता है? उसके माता-पिता ने उनको उत्तर दिया और कहा, हम जानते हैं कि यह हमारा पुत्र है और कि यह अंधा पैदा हुआ था, लेकिन अब वह कैसे देखता है हम नहीं जानते, या किसने उसकी आँखें खोलीं हम नहीं जानते, वह वयस्क है, उससे पूछो, वह अपने बारे में खुद बोलेगा। ये बातें उसके माता-पिता ने इसलिए कहीं, क्योंकि वे यहूदियों से डरते थे, क्योंकि

यहूदी पहले से ही सहमत हो चुके थे कि अगर कोई उसे मसीह स्वीकार करे, तो उसे सभा से निष्कासित कर दिया जाए। इसी कारण उसके माता-पिता ने कहा कि उसकी आयु है, उससे पूछो। इसलिए उन्होंने उस आदमी को दूसरी बार बुलाया जो अंधा था, और उससे कहा, परमेश्वर को महिमा दो; हम जानते हैं कि यह आदमी पापी है। उसने इसलिए उत्तर दिया और कहा, यदि वह पापी है, मैं नहीं जानता; एक बात मैं जानता हूँ कि मैं अंधा था और अभी देखता हूँ। मैंने उससे फिर कहा, उसने तुम्हारे साथ क्या किया? उसने तुम्हारी आँखें कैसे खोलीं? उसने उन्हें उत्तर दिया, मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया, और तुमने नहीं सुना। क्या तुम फिर से सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके शिष्य बनना चाहते हो? उन्होंने उसे गाली दी और कहा, तू उसका चेला है, लेकिन हम मूसा के चेले हैं। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा से बात की है, लेकिन हम नहीं जानते कि यह कहाँ से है। उस आदमी ने उत्तर दिया और उनसे कहा, इसमें तो आश्चर्यजनक बात यह है कि तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से है, और उसने मेरी आँखें खोल दीं। हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता, लेकिन यदि कोई ईश्वर-भयभीत हो और उसकी इच्छा पूरी करे, तो उसकी सुनता है। युग से यह नहीं सुना गया कि किसी ने जन्म से अंधे की आँखें खोलीं। यदि यह परमेश्वर से नहीं होता, तो यह कुछ भी करने में सक्षम नहीं होता। उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, तू पूरी तरह पापों में जन्मा है, और तू हमें सिखाता है? और उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया। यीशु ने सुना कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया, और उसे पाकर उससे कहा, क्या तू परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता है? उसने उत्तर दिया और कहा, और कौन है, प्रभु, ताकि मैं उस पर विश्वास करूं? यीशु ने उससे कहा, और तुमने उसे देखा है और जो तुम्हारे साथ बोल रहा है वह वही है। उसने कहा, मैं विश्वास करता हूँ, प्रभु, और उसने उसे दंडवत किया। और यीशु ने कहा, मैं इस संसार में न्याय के लिए आया हूँ, ताकि जो नहीं देखते वे देखें और जो देखते हैं वे अंधे हो जाएं। और फरीसियों में से जो उसके साथ थे, उन्होंने ये बातें सुनीं, और उन्होंने उससे कहा, क्या हम भी अंधे हैं? यीशु ने उनसे कहा, यदि तुम अंधे होते, तो तुम्हें पाप नहीं होता, लेकिन अब तुम कहते हो कि हम देखते हैं, इसलिए तुम्हारा पाप बना रहता है।

10

सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जो द्वार से भेड़ों के आँगन में प्रवेश नहीं करता, लेकिन कहीं और से चढ़कर आता है, वह चोर है और डाकू है। लेकिन जो दरवाजे से प्रवेश करता है, वह भेड़ों का चरवाहा है। इसके लिए द्वारपाल द्वार खोलता है, और भेड़ें उसकी आवाज़ सुनती हैं, और वह अपनी भेड़ों को नाम से बुलाता है और उन्हें बाहर ले जाता है। और जब वह अपनी भेड़ों को बाहर निकालता है, तो वह उनके आगे चलता है, और भेड़ें उसके पीछे

चलती हैं, क्योंकि वे उसकी आवाज़ जानती हैं। विदेशी का वे अनुसरण नहीं करेंगे, बल्कि वे उससे भागेंगे, क्योंकि वे विदेशियों की आवाज़ नहीं जानते हैं। यह दृष्टांत यीशु ने उनसे कहा, लेकिन वे नहीं समझे कि वह उनसे क्या कह रहे थे। यीशु ने इसलिए उनसे फिर कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं भेड़ों का दरवाज़ा हूँ। सभी जो मुझसे पहले आए, वे चोर और डाकू हैं, लेकिन भेड़ों ने उनकी नहीं सुनी। मैं द्वार हूँ, मेरे द्वारा यदि कोई प्रवेश करे, तो वह बचाया जाएगा, और वह प्रवेश करेगा और बाहर जाएगा, और चारागाह पाएगा। चोर केवल चुराने, मारने और नष्ट करने के लिए आता है, मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएँ और भरपूर जीवन पाएँ। मैं वह अच्छा चरवाहा हूँ। वह अच्छा चरवाहा अपनी आत्मा भेड़ों के लिए रखता है। वह मजदूर जो चरवाहा नहीं है, जिसकी अपनी भेड़ें नहीं हैं, भेड़ियों को आते हुए देखता है और भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है, और भेड़िया उन्हें छीन लेता है और भेड़ों को तितर-बितर कर देता है। लेकिन वह मजदूर भाग जाता है, क्योंकि वह मजदूर है और उसे भेड़ों की परवाह नहीं है। मैं वह अच्छा चरवाहा हूँ, और मैं अपनों को जानता हूँ और अपनों द्वारा जाना जाता हूँ, जैसा पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूँ, वैसे ही मैं अपनी आत्मा भेड़ों के लिए अर्पित करता हूँ। और मेरे पास अन्य भेड़ें भी हैं, जो इस आंगन की नहीं हैं, और उन्हें भी मुझे लाना आवश्यक है, और वे मेरे स्वर को सुनेंगी, और एक झुंड होगा, एक चरवाहा होगा। इस कारण पिता मुझे प्रेम करता है, क्योंकि मैं अपनी आत्मा को रखता हूँ, ताकि उसे फिर से ले सकूँ। कोई इसे मुझसे नहीं लेता है, लेकिन मैं इसे स्वयं से रखता हूँ, मुझे इसे रखने का अधिकार है, और मुझे इसे फिर से लेने का अधिकार है, यह आज्ञा मैंने अपने पिता से प्राप्त की। इसलिए यहूदियों में इन शब्दों के कारण फिर विभाजन हो गया। उनमें से कई कह रहे थे, वह दुष्टात्मा से ग्रस्त है और पागल है, तुम उसकी क्यों सुनते हो? दूसरे कह रहे थे, ये शब्द किसी भूत-ग्रस्त व्यक्ति के नहीं हैं, क्या भूत अंधों की आँखें खोल सकता है?

यरूशलेम में समर्पण का समय आया, और सर्दी का मौसम था। और यीशु मंदिर में सुलैमान के बरामदे में चल रहा था। इसलिए यहूदियों ने उसे घेर लिया और उससे कहने लगे, कब तक हमारी आत्मा को उठाए रखोगे? यदि तुम मसीह हो, तो हमें खुलकर बताओ। यीशु ने उनको उत्तर दिया, मैंने तुमसे कहा, और तुम विश्वास नहीं करते। जो कार्य मैं अपने पिता के नाम में करता हूँ, वे मेरे बारे में गवाही देते हैं। लेकिन तुम विश्वास नहीं करते हो, क्योंकि तुम मेरी भेड़ों में से नहीं हो, जैसा मैंने तुमसे कहा था। मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरा अनुसरण करती हैं। और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ, और वे युगानुयुग नष्ट नहीं होंगे, और कोई उन्हें मेरे हाथ से नहीं छीनेगा। मेरे पिता, जिन्होंने मुझे दिया है, सबसे बड़े हैं, और कोई भी मेरे पिता के हाथ से छीनने में सक्षम नहीं है। मैं और

पिता एक हैं। इसलिए यहूदियों ने फिर से पत्थर उठाए ताकि वे उसे पत्थर मारें। यीशु ने उनको उत्तर दिया, मैंने तुमको अपने पिता से बहुत अच्छे काम दिखाए हैं, उनमें से किस काम के कारण तुम मुझे पत्थर मारते हो? यहूदियों ने उसे उत्तर देते हुए कहा, हम तुम्हें किसी अच्छे काम के लिए पत्थर नहीं मार रहे हैं, बल्कि निन्दा के लिए, और इसलिए कि तुम मनुष्य होते हुए अपने आप को परमेश्वर बनाते हो। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, क्या तुम्हारे कानून में यह नहीं लिखा है, मैंने कहा, तुम देवता हो? यदि उसने उन्हें देवता कहा जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, और शास्त्र तोड़ा नहीं जा सकता, जिसे पिता ने पवित्र किया और संसार में भेजा, तुम कहते हो कि निन्दा करता है, क्योंकि मैंने कहा, परमेश्वर का पुत्र हूँ? यदि मैं अपने पिता के कार्य नहीं करता हूँ, तो मुझ पर विश्वास मत करो। यदि परन्तु मैं करता हूँ, तो यदि तुम मुझ पर विश्वास न भी करो, तो कर्मों पर विश्वास करो, ताकि तुम जान लो और विश्वास कर लो कि पिता मुझमें है और मैं उसमें हूँ। इसलिए वे फिर उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, और वह उनके हाथ से निकल गया।

और वह फिर यरदन के पार उस स्थान में चला गया जहाँ यूहन्ना पहले बपतिस्मा दे रहा था, और वहाँ रहा। और बहुत से लोग उसके पास आए और कह रहे थे कि यूहन्ना ने वास्तव में कोई चिन्ह नहीं किया, लेकिन जितनी भी बातें यूहन्ना ने इसके विषय में कहीं, वे सब सच थीं। और वहाँ बहुतों ने उस पर विश्वास किया।

11

बेथनी से लाज़र नाम का एक बीमार व्यक्ति था, जो मरियम और उसकी बहन मार्था के गाँव से था। मरियम वह थी जिसने प्रभु को इत्र से लगाया था और उसके पैरों को अपने बालों से पोंछा था, जिसका भाई लाजर बीमार था। इसलिए बहनों ने उसके पास यह कहते हुए भेजा, हे प्रभु, देखो, जिसे तुम प्रेम करते हो वह बीमार है। लेकिन यह सुनकर यीशु ने कहा, यह बीमारी मृत्यु के लिए नहीं है, बल्कि परमेश्वर की महिमा के लिए है, ताकि इसके द्वारा परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो। यीशु मार्था और उसकी बहन और लाज़र से प्रेम करते थे। जब उसने सुना कि वह बीमार है, तो वह उस स्थान पर जहाँ वह था, दो दिन तक रहा। फिर इसके बाद वह शिष्यों से कहता है, आओ, यहूदिया में फिर चलें। शिष्य उससे कहते हैं, रब्बी, अभी यहूदी आपको पत्थर मारने की कोशिश कर रहे थे, और आप फिर से वहाँ जा रहे हैं? यीशु ने उत्तर दिया, क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते हैं? यदि कोई दिन में चलता है, तो वह ठोकर नहीं खाता, क्योंकि वह इस संसार का प्रकाश देखता है। लेकिन यदि कोई रात में चलता है, तो वह ठोकर खाता है, क्योंकि प्रकाश उसमें नहीं है। उसने ये बातें कहीं, और

इसके बाद उनसे कहता है, हमारा मित्र लाज़र सो गया है, लेकिन मैं जा रहा हूँ ताकि उसे जगाऊँ। इसलिए उसके शिष्यों ने कहा, हे प्रभु, यदि वह सो गया है, तो वह बच जाएगा। लेकिन यीशु ने उसकी मृत्यु के बारे में कहा था, लेकिन उन्हें लगा कि वह नींद की नींद के बारे में कह रहा है। तब इसलिए यीशु ने उनसे खुलकर कहा, लाज़र मर गया है, और मैं तुम्हारे कारण प्रसन्न हूँ, ताकि तुम विश्वास करो, क्योंकि मैं वहाँ नहीं था, लेकिन चलो हम उसके पास जाएँ। इसलिए थोमा, जो दिदुमुस कहा जाता है, ने साथी शिष्यों से कहा, चलो हम भी चलें ताकि हम उसके साथ मरें।

इसलिए यीशु आकर उसे पाया जो पहले से चार दिन कब्र में रखा हुआ था। बैतनिय्याह यरूशलेम के निकट था, लगभग पंद्रह स्टेडियनों की दूरी पर। और यहूदियों में से बहुत से लोग मार्था और मरियम के पास आए थे ताकि उनके भाई के विषय में उन्हें सांतवना दें। इसलिए Martha ने जब सुना कि Jesus आ रहे हैं, तो उनसे मिलने गई, लेकिन Mary घर में बैठी रही। इसलिए मार्था ने यीशु से कहा, प्रभु, यदि आप यहाँ होते, तो मेरा भाई नहीं मरता। लेकिन अब भी मैं जानता हूँ कि जितना भी तू परमेश्वर से माँगगा, परमेश्वर तुझे देगा। यीशु उससे कहते हैं, तुम्हारा भाई जी उठेगा। मार्था उससे कहती है, मैं जानती हूँ कि वह अंतिम दिन के पुनरुत्थान में उठेगा। यीशु ने उससे कहा, मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ। जो मुझ में विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तो भी जीएगा, और हर वह जो जीवित है और मुझ में विश्वास करता है, वह युग तक कभी नहीं मरेगा। क्या तुम इस पर विश्वास करते हो? वह उससे कहती है, हाँ प्रभु, मैंने विश्वास किया है कि आप वह मसीह हैं, परमेश्वर के पुत्र, जो संसार में आने वाले हैं। और ये बातें कहकर वह चली गई और उसने अपनी बहन मरियम को गुप्त रूप से बुलाया और कहा, शिक्षक यहाँ उपस्थित हैं और तुम्हें बुला रहे हैं। जब उसने सुना, वह शीघ्रता से उठी और उसके पास आई। अभी तक यीशु गाँव में नहीं आए थे, लेकिन वे उस स्थान पर थे जहाँ मार्था उनसे मिली थी। इसलिए वे यहूदी जो उसके साथ घर में थे और उसे सांतवना दे रहे थे, मरियम को देखकर कि वह शीघ्रता से उठी और बाहर गई, उसके पीछे गए, यह कहते हुए कि वह कब्र पर जा रही है ताकि वहाँ रोए। इसलिए मरियम जब वहाँ आई जहाँ यीशु थे, उन्हें देखकर उनके पैरों में गिर पड़ी और उनसे कहा, प्रभु, यदि आप यहाँ होते, तो मेरा भाई नहीं मरता। इसलिए जब यीशु ने उसे रोते हुए देखा और उसके साथ आए हुए यहूदियों को रोते हुए देखा, तो वह आत्मा में क्रोधित हुए और स्वयं को व्याकुल किया। और उसने कहा, तुमने उसे कहाँ रखा है? वे उससे कहते हैं, प्रभु, आइए और देखिए। यीशु रोये। इसलिए यहूदी कह रहे थे, देखो, वह उससे कितना प्रेम करता था। लेकिन उनमें से कुछ ने कहा, क्या यह, जिसने अंधे की आँखें खोली थीं, ऐसा नहीं कर सकता था कि यह भी न मरे? यीशु इसलिए, फिर से अपने भीतर गहराई से द्रवित

होते हुए, कब्र पर आए। वह एक गुफा थी, और एक पत्थर उस पर रखा हुआ था। यीशु कहते हैं, पत्थर को हटाओ। मृतक की बहन मार्था उनसे कहती है, प्रभु, अब तो बदबू आ रही होगी, क्योंकि चार दिन हो गए हैं। यीशु उससे कहते हैं, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि यदि तुम विश्वास करो, तो तुम परमेश्वर की महिमा देखोगे? इसलिए उन्होंने उस पत्थर को उठाया जहाँ मृतक लेटा हुआ था। लेकिन यीशु ने अपनी आँखें ऊपर उठाई और कहा, पिता, मैं तुम्हें धन्यवाद देता हूँ कि तुमने मेरी सुनी। मैं जानता था कि तू हमेशा मेरी सुनता है, लेकिन चारों ओर खड़ी भीड़ के कारण मैंने कहा, ताकि वे विश्वास करें कि तूने मुझे भेजा है। और यह कहकर उसने ऊँची आवाज़ से पुकारा, लाज़र, बाहर आओ। और वह मरा हुआ व्यक्ति बाहर आया, जिसके पैर और हाथ कपड़ों से बंधे हुए थे, और उसका चेहरा कपड़े से लपेटा हुआ था। यीशु ने उनसे कहा, उसे खोल दो और उसे जाने दो।

इसलिए यहूदियों में से बहुत से लोग, जो मरियम के पास आए थे और जो कुछ यीशु ने किया था उसे देखा था, उस पर विश्वास किया। लेकिन उनमें से कुछ फरीसियों के पास गए और उन्हें बताया कि यीशु ने क्या किया। इसलिए मुख्य पुजारियों और फरीसियों ने परिषद एकत्र की और कह रहे थे, हम क्या करें, क्योंकि यह आदमी बहुत से चिन्ह करता है? यदि हम उसे इस प्रकार छोड़ देते हैं, तो सब उस पर विश्वास करेंगे, और रोमी आएंगे और हमारे स्थान और राष्ट्र को ले जाएंगे। परन्तु उनमें से कोई एक, कैफा, जो उस वर्ष का महायाजक था, उनसे बोला, तुम कुछ भी नहीं जानते, न ही तुम विचार करते हो कि हमारे लिए यह लाभदायक है कि एक मनुष्य लोगों के लिए मरे और पूरा राष्ट्र नष्ट न हो। यह उसने अपने आप से नहीं कहा, लेकिन उस वर्ष का महायाजक होते हुए उसने भविष्यवाणी की कि यीशु राष्ट्र के लिए मरने वाले थे। और न केवल राष्ट्र के लिए, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर के बिखरे हुए बच्चों को एक में एकत्र करे। इसलिए उस दिन से उन्होंने सलाह ली कि वे उसे मार डालें। यीशु इसलिए अब यहूदियों के बीच खुलेआम नहीं चल रहे थे, बल्कि वहाँ से जंगल के निकट की भूमि में इफ्राईम नामक शहर में चले गए, और वहाँ अपने शिष्यों के साथ रहने लगे। यहूदियों का पास्का निकट था, और बहुत से लोग पास्का से पहले देश से यरूशलेम गए ताकि वे स्वयं को शुद्ध करें। इसलिए वे यीशु को खोज रहे थे और मंदिर में खड़े हुए एक दूसरे से कह रहे थे, तुम्हें क्या लगता है, कि वह पर्व में नहीं आएगा? प्रधान याजकों और फरीसियों ने आज्ञा दी थी कि यदि कोई जान जाए कि वह कहाँ है, तो सूचना दे, ताकि वे उसे पकड़ लें।

इसलिए यीशु फसह से छः दिन पहले बैतनिय्याह आया, जहाँ लाज़र था जो मरा हुआ था, जिसको उसने मेरे हुआँ में से उठाया था। इसलिए उन्होंने वहाँ उसके लिए रात्रिभोज किया, और मार्था सेवा कर रही थी, लेकिन लाज़र उसके साथ लेटे हुए लोगों में से एक था। इसलिए मरियम ने शुद्ध और बहुमूल्य जटामांसी के इत्र का एक सेर लेकर यीशु के पैरों पर लगाया और अपने बालों से उनके पैर पोंछे, और घर उस इत्र की सुगंध से भर गया। इसलिए उसके शिष्यों में से एक, यहूदा इस्करियोती जो शमौन का पुत्र था, वह जो उसे पकड़वाने वाला था, कहता है, यह इत्र तीन सौ दीनार में क्यों नहीं बेचा गया और गरीबों को क्यों नहीं दिया गया? उसने यह इसलिए नहीं कहा कि उसे गरीबों की चिंता थी, बल्कि इसलिए कि वह चोर था, और खजाना रखता था और जो चीजें डाली जाती थीं उन्हें ले जाता था। यीशु ने इसलिए कहा, उसे छोड़ दो, उसने इसे मेरे दफन के दिन के लिए रखा है। गरीबों को तो तुम हमेशा अपने साथ रखते हो, लेकिन मुझे हमेशा नहीं रखते हो। इसलिए यहूदियों में से बहुत बड़ी भीड़ ने जान लिया कि वह वहाँ है, और वे केवल यीशु के कारण नहीं आए, बल्कि इसलिए भी कि लाज़र को देखें जिसे उसने मृतकों में से जिलाया था। लेकिन मुख्य पुजारियों ने योजना बनाई कि वे लाज़र को भी मार डालें। क्योंकि बहुत-से यहूदी उसके कारण जा रहे थे और यीशु में विश्वास कर रहे थे।

अगले दिन, जो बड़ी भीड़ त्योहार में आई थी, उन्होंने सुना कि यीशु यरूशलेम आ रहे हैं, उन्होंने खजूर के पेड़ों की शाखाएँ लीं और उससे मिलने के लिए बाहर गए, और वे चिल्ला रहे थे, होसन्ना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आ रहा है, इस्राएल का राजा। पाकर यीशु ने एक युवा गधे पर बैठा, जैसा लिखा हुआ है, हे सिय्योन की पुत्री, मत डरो, देखो तुम्हारा राजा आ रहा है, जो गधे के बच्चे पर बैठा है।

लेकिन ये बातें उसके शिष्यों ने पहले नहीं समझीं, परन्तु जब यीशु की महिमा हुई, तब उन्हें याद आया कि ये बातें उसके विषय में लिखी हुई थीं, और उन्होंने उसके साथ ये बातें कीं। इसलिए भीड़ ने गवाही दी जो उसके साथ थी जब उसने लाज़र को कब्र से पुकारा और उसे मुर्दों में से उठाया। इसी कारण भीड़ उससे मिलने आई, क्योंकि उन्होंने सुना था कि उसने यह चिन्ह दिखाया था। इसलिए फरीसियों ने आपस में कहा, तुम देखते हो कि तुम कुछ भी लाभ नहीं उठा रहे हो? देखो, सारा संसार उसके पीछे चला गया है।

कुछ यूनानी थे जो पर्व में पूजा करने के लिए ऊपर जा रहे थे। इसलिए ये गलील के बेथसैदा से आए फिलिप्पुस के पास आए, और उससे कहते हुए पूछ रहे थे, प्रभु, हम यीशु को देखना चाहते हैं। फिलिप्पुस आता है और अन्द्रियास से कहता है, और फिर अन्द्रियास

और फिलिप्पुस यीशु से कहते हैं, और यीशु ने उनको उत्तर देते हुए कहा, वह घड़ी आ गई है ताकि मनुष्य के पुत्र की महिमा हो। सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, यदि गेहूँ का दाना भूमि में गिरकर नहीं मरता है, तो वह अकेला ही रहता है, लेकिन यदि मरता है, तो बहुत फल लाता है। जो अपनी आत्मा को प्रिय रखता है वह उसे खो देगा, और जो इस संसार में अपनी आत्मा से घृणा करता है वह उसे अनन्त जीवन के लिए सुरक्षित रखेगा। यदि कोई मेरी सेवा करता है, तो वह मेरा अनुसरण करे, और जहाँ मैं हूँ, वहाँ मेरा सेवक भी होगा, और यदि कोई मेरी सेवा करता है, तो पिता उसे सम्मान देंगे। अब मेरा मन व्याकुल है, और मैं क्या कहूँ? हे पिता, मुझे इस घड़ी से बचा लो। लेकिन मैं इसी उद्देश्य से इस घड़ी में आया हूँ। पिता, अपने नाम को महिमामंडित करो। तब स्वर्ग से एक आवाज़ आई, मैंने महिमामंडित किया है और फिर से महिमामंडित करूँगा। इसलिए वह भीड़ जो खड़ी थी और सुनकर कह रही थी कि गड़गड़ाहट हुई है, दूसरे कह रहे थे कि एक दूत ने उससे बात की है। यीशु ने उत्तर दिया और कहा, यह आवाज़ मेरे लिए नहीं, बल्कि तुम्हारे लिए हुई है। अब इस संसार का न्याय है, अब इस संसार का शासक बाहर फेंका जाएगा, और यदि मैं पृथ्वी से ऊपर उठाया जाऊँ, तो सबको अपनी ओर खींचूँगा। यह उसने कहा था, यह संकेत करते हुए कि वह किस मृत्यु से मरने वाला था। भीड़ ने उसे उत्तर दिया, हमने व्यवस्था से सुना है कि मसीह युगों तक रहता है, और तू कैसे कहता है कि मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठाया जाना आवश्यक है? यह मनुष्य का पुत्र कौन है? यीशु ने इसलिए उनसे कहा, अभी थोड़े समय तक प्रकाश तुम्हारे साथ है। जब तक प्रकाश तुम्हारे पास है, चलते रहो, ताकि अंधकार तुम्हें न पकड़ ले। और जो अंधकार में चलता है, वह नहीं जानता कि कहाँ जा रहा है। जब तक तुम्हारे पास प्रकाश है, प्रकाश में विश्वास करो, ताकि तुम प्रकाश के पुत्र बन जाओ। ये बातें यीशु ने बोलीं, और जाकर वह उनसे छिप गए।

इतने अधिक चिह्न उसके द्वारा उनके सामने किए जाने के बाद भी, उन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया। ताकि यशायाह भविष्यवक्ता का वचन पूरा हो जो उसने कहा, हे प्रभु, हमारे समाचार पर किसने विश्वास किया? और प्रभु की भुजा किस पर प्रकट हुई? इस कारण वे विश्वास नहीं कर सकते थे, क्योंकि यशायाह ने फिर कहा, उसने उनकी आँखें अंधी कर दी हैं और उनका हृदय कठोर कर दिया है, ताकि वे आँखों से न देखें और हृदय से न समझें और न मुड़ें, और मैं उन्हें चंगा करूँगा।

ये बातें यशायाह ने कहीं जब उसने उसकी महिमा देखी और उसके विषय में बोला। फिर भी, शासकों में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया, लेकिन फरीसियों के कारण उन्होंने

स्वीकार नहीं किया, ताकि वे सभागृह से निकाले न जाएं। उन्होंने मनुष्यों की महिमा को परमेश्वर की महिमा से अधिक प्रेम किया।

यीशु ने पुकारा और कहा, जो मुझ में विश्वास करता है, वह मुझ में विश्वास नहीं करता, बल्कि उसमें विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है। और जो मुझे देखता है, वह उसे देखता है जिसने मुझे भेजा है। मैं प्रकाश के रूप में संसार में आया हूँ, ताकि जो कोई मुझ में विश्वास करे वह अंधकार में न रहे। और यदि कोई मेरे शब्दों को सुने और विश्वास न करे, तो मैं उसका न्याय नहीं करूँगा, क्योंकि मैं संसार का न्याय करने के लिए नहीं, बल्कि संसार को बचाने के लिए आया हूँ। जो मुझे अस्वीकार करता है और मेरे शब्दों को नहीं लेता है, उसके पास उसका न्याय करने वाला है; वह वचन जो मैंने बोला, वह उसका न्याय करेगा अंतिम दिन में। क्योंकि मैं अपने आप से नहीं बोला, बल्कि जिस पिता ने मुझे भेजा, उसने स्वयं मुझे आज्ञा दी कि मैं क्या कहूँ और क्या बोलूँ। और मैं जानता हूँ कि उसकी आज्ञा अनन्त जीवन है। इसलिए जो मैं बोलता हूँ, जैसे पिता ने मुझे कहा है, वैसे ही बोलता हूँ।

13

फसह के पर्व से पहले, यीशु यह जानते हुए कि उनकी घड़ी आ गई थी कि वे इस संसार से पिता के पास जाएं, संसार में अपने लोगों से प्रेम करते हुए, अंत तक उनसे प्रेम किया। और रात्रिभोज हो जाने पर, शैतान पहले ही शमौन इस्करियोती के पुत्र यहूदा के हृदय में यह डाल चुका था कि वह उसे पकड़वा दे, यीशु यह जानते हुए कि पिता ने सब कुछ उसके हाथों में दिया है, और कि वह परमेश्वर से निकला और परमेश्वर की ओर जाता है, वह भोजन से उठता है और वस्त्र रख देता है, और तौलिया लेकर अपने आप को बाँधता है। फिर उसने बेसिन में पानी डाला, और शिष्यों के पैर धोने लगा और उस तौलिये से पोंछने लगा जो उसने बाँधा हुआ था। इसलिए वह शिमोन पतरस के पास आता है, और वह उससे कहता है, प्रभु, क्या तू मेरे पैर धोता है? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, जो मैं करता हूँ, तुम अभी नहीं जानते, लेकिन इन बातों के बाद जानोगे। पतरस उससे कहता है, आप कभी भी मेरे पैर नहीं धोएंगे। यीशु ने उसे उत्तर दिया, यदि मैं तुम्हें नहीं धोऊँ, तो मेरे साथ तुम्हारा कोई हिस्सा नहीं है। शिमोन पतरस उससे कहता है, प्रभु, केवल मेरे पैर ही नहीं, बल्कि मेरे हाथ और सिर भी। यीशु उससे कहते हैं, जो नहा चुका है उसे जरूरत नहीं है पैर धोने की, बल्कि वह पूरी तरह साफ है, और तुम साफ हो, लेकिन सब नहीं। वह जानता था कि कौन उसे धोखा देने वाला था, इसलिए उसने कहा, तुम सब शुद्ध नहीं हो।

जब उसने उनके पैर धो लिए और अपने वस्त्र पहन लिए, तो फिर लेटकर उनसे कहा, क्या तुम जानते हो कि मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है? तुम मुझे शिक्षक और प्रभु कहते हो, और ठीक कहते हो, क्योंकि मैं हूँ। यदि इसलिए मैंने तुम्हारे पैर धोए, मैं प्रभु और गुरु, तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिए। उदाहरण के लिए मैंने तुम्हें दिया है, ताकि जैसे मैंने तुम्हारे लिए किया, वैसे ही तुम भी करो। सत्य सत्य मैं तुम से कहता हूँ, कोई दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं है, और न ही कोई प्रेषित अपने भेजने वाले से बड़ा है। यदि तुम ये बातें जानते हो, तो धन्य हो यदि तुम उन्हें करो। मैं तुम सब के बारे में नहीं कहता हूँ, मैं जानता हूँ कि मैंने किनको चुना है, लेकिन यह इसलिए है ताकि शास्त्र पूरा हो: जो मेरे साथ रोटी खाता है, उसने मुझ पर अपनी एड़ी उठाई है। अभी से मैं तुम्हें बता रहा हूँ इससे पहले कि यह हो जाए, ताकि जब यह हो जाए तो तुम विश्वास करो कि मैं हूँ। सत्य सत्य, मैं तुमसे कहता हूँ, जो कोई उसे ग्रहण करता है जिसे मैं भेजूंगा, वह मुझे ग्रहण करता है, और जो मुझे ग्रहण करता है, वह उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा।

ये बातें कहकर यीशु आत्मा में व्याकुल हुआ, और गवाही दी और कहा, सच सच कहता हूँ तुमसे कि तुममें से एक मुझे धोखा देगा। इसलिए शिष्य एक दूसरे की ओर देख रहे थे, हैरान होते हुए कि वह किसके बारे में कह रहा है। यीशु के शिष्यों में से एक उसकी गोद में लेटा हुआ था, जिसे यीशु प्रेम करते थे, इसलिए शिमोन पतरस इसकी ओर झुकता है यह पूछने के लिए कि वह कौन होगा जिसके बारे में वह कह रहा है। वह यीशु की छाती पर गिरकर उनसे कहता है, प्रभु, वह कौन है? यीशु उत्तर देते हैं, वह व्यक्ति है जिसे मैं रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूँगा। और रोटी का टुकड़ा डुबोकर शमौन इस्करियोती के पुत्र यहूदा को देते हैं। और निवाले के बाद तब शैतान उसमें प्रवेश कर गया। इसलिए यीशु उससे कहते हैं, जो तू करता है, उसे शीघ्र कर। लेकिन लेटे हुए लोगों में से किसी ने नहीं जाना कि उसने उससे क्या कहा। कुछ लोग सोचते थे, चूंकि यहूदा के पास धन-पेटी थी, कि यीशु उससे कह रहे हैं, जो हमें पर्व के लिए जरूरत है वह खरीदो, या गरीबों को कुछ दो। इसलिए वह टुकड़ा लेकर वह तुरंत बाहर चला गया, और रात थी।

जब वह बाहर गया, तो यीशु कहते हैं, अब मनुष्य का पुत्र महिमावान किया गया, और परमेश्वर उसमें महिमावान किया गया। यदि परमेश्वर उसमें महिमावान किया गया, तो परमेश्वर उसे अपने आप में महिमावान करेगा, और तुरंत उसे महिमावान करेगा। छोटे बच्चों, मैं अभी थोड़ी देर और तुम्हारे साथ हूँ। तुम मुझे खोजोगे, और जैसा मैंने यहूदियों से कहा था कि जहाँ मैं जाता हूँ, तुम वहाँ नहीं आ सकते, वैसे ही अब मैं तुमसे भी कहता हूँ। मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूँ कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो, जैसे मैंने तुमसे प्रेम किया है, ताकि तुम भी

एक दूसरे से प्रेम करो। इससे सब जानेंगे कि तुम मेरे शिष्य हो, यदि तुम एक दूसरे में प्रेम रखते हो। शिमोन पेत्रस ने उससे कहा, प्रभु, आप कहाँ जा रहे हैं? यीशु ने उसे उत्तर दिया, जहाँ मैं जा रहा हूँ, तुम अभी मेरा अनुसरण नहीं कर सकते, लेकिन बाद में तुम मेरा अनुसरण करोगे। पेत्रस उससे कहता है, प्रभु, मैं अभी आपका अनुसरण क्यों नहीं कर सकता? मैं अपनी आत्मा आपके लिए रख दूँगा। यीशु ने उसे उत्तर दिया, क्या तू मेरे लिए अपनी आत्मा न्योछावर करेगा? सचमुच, सचमुच, मैं तुझसे कहता हूँ, मुर्गा बांग नहीं देगा जब तक तू मुझे तीन बार इनकार नहीं कर लेता।

14

तुम्हारा हृदय व्याकुल न हो, परमेश्वर में विश्वास करो, और मुझ में विश्वास करो। मेरे पिता के घर में बहुत से निवास स्थान हैं; यदि ऐसा नहीं होता, तो मैं तुमसे कह देता। मैं तुम्हारे लिए स्थान तैयार करने जाता हूँ। और अगर मैं जाकर तुम्हारे लिए स्थान तैयार करूँ, तो फिर आऊंगा और तुम्हें अपने पास ले जाऊंगा, ताकि जहाँ मैं हूँ, वहाँ तुम भी हो। और जहाँ मैं जा रहा हूँ तुम जानते हो, और रास्ता भी तुम जानते हो। थोमास उससे कहता है, प्रभु, हम नहीं जानते कि तू कहाँ जा रहा है, और हम कैसे मार्ग को जान सकते हैं? यीशु उससे कहते हैं, मैं मार्ग हूँ और सत्य हूँ और जीवन हूँ; कोई भी पिता के पास नहीं आता, सिवाय मेरे द्वारा। यदि तुमने मुझे जाना होता, तो तुमने मेरे पिता को भी जाना होता। और अब से तुम उसे जानते हो और तुमने उसे देखा है। फिलिप्पस उससे कहता है, प्रभु, हमें पिता को दिखा दीजिए और हमें यह पर्याप्त है। यीशु उससे कहते हैं, फिलिप्पस, मैं इतने समय से तुम्हारे साथ हूँ, और तुमने मुझे नहीं जाना? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है, और तुम कैसे कहते हो, हमें पिता को दिखाओ? क्या तुम विश्वास नहीं करते कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है? जो शब्द मैं तुम्हें बोलता हूँ, वे मैं अपनी ओर से नहीं बोलता, बल्कि पिता जो मुझ में रहता है, वही ये कार्य करता है। मुझ पर विश्वास करो कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है, यदि नहीं, तो उन कार्यों के कारण मुझ पर विश्वास करो। सत्य सत्य मैं तुम से कहता हूँ, जो मुझ में विश्वास करता है, वह भी वे कार्य करेगा जो मैं करता हूँ, और इन से भी बड़े कार्य करेगा, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जा रहा हूँ। और जो कुछ तुम मेरे नाम में माँगोगे, यह मैं करूँगा, ताकि पिता पुत्र में महिमामंडित हों। यदि तुम मेरे नाम में कुछ माँगोगे, तो मैं करूँगा।

यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानो। और मैं पिता से पूछूँगा और वह तुम्हें दूसरा सहायक देगा, ताकि वह तुम्हारे साथ युगों तक रहे। सत्य का आत्मा, जिसे

संसार ग्रहण करने में सक्षम नहीं है, क्योंकि वह उसे देखता नहीं और न ही उसे जानता है, लेकिन तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे पास रहता है और तुम में रहेगा। मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूँगा, मैं तुम्हारे पास आता हूँ। थोड़ी देर और, फिर संसार मुझे नहीं देखेगा, लेकिन तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं जीवित हूँ और तुम भी जीवित रहोगे। उस दिन तुम जानोगे कि मैं अपने पिता में हूँ और तुम मुझ में हो और मैं तुम में हूँ। जो मेरी आज्ञाओं को रखता है और उनका पालन करता है, वही मुझसे प्रेम करने वाला है, और जो मुझसे प्रेम करता है वह मेरे पिता द्वारा प्रेम किया जाएगा, और मैं उससे प्रेम करूँगा और उस पर स्वयं को प्रकट करूँगा। यहूदा, जो इस्करियोती नहीं था, उससे कहता है, हे प्रभु, और ऐसा क्या हुआ है कि आप हमें अपने आप को प्रकट करने वाले हैं और संसार को नहीं? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, यदि कोई मुझसे प्रेम करता है, तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम करेगा, और हम उसके पास आएंगे और उसके साथ निवास करेंगे। जो मुझसे प्रेम नहीं करता, वह मेरे शब्दों को नहीं रखता, और जो शब्द तुम सुनते हो वह मेरा नहीं है, बल्कि मुझे भेजने वाले पिता का है।

ये बातें मैंने तुम्हें तुम्हारे पास रहते हुए कही हैं। परन्तु सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा, जिसे पिता मेरे नाम में भेजेगा, वह तुम्हें सब कुछ सिखाएगा और तुम्हें वह सब याद दिलाएगा जो मैंने तुमसे कहा है। मैं तुम्हें शांति देकर जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें देता हूँ; जैसे संसार देता है वैसे मैं नहीं देता। तुम्हारा हृदय व्याकुल न हो और न डरे। तुमने सुना कि मैंने तुमसे कहा, मैं जाता हूँ और तुम्हारे पास आता हूँ। अगर तुमने मुझसे प्रेम किया होता, तो तुम आनंदित हुए होते कि मैंने कहा, मैं पिता के पास जाता हूँ, क्योंकि पिता मुझसे महान है। और अब मैंने तुमसे पहले ही कह दिया है, ताकि जब यह हो जाए तो तुम विश्वास करो। अब मैं तुम्हारे साथ बहुत अधिक नहीं बोलूँगा, क्योंकि इस संसार का शासक आ रहा है, और उसके पास मुझमें कुछ भी नहीं है। लेकिन ताकि दुनिया जान सके कि मैं पिता से प्रेम करता हूँ, और जैसे पिता ने मुझे आदेश दिया है, वैसे ही मैं करता हूँ। उठो, यहाँ से चलें।

15

मैं सच्ची बेल हूँ, और मेरा पिता किसान है। हर शाखा जो मुझमें है और फल नहीं लाती, उसे ले लिया जाता है, और हर वह शाखा जो फल लाती है, उसे शुद्ध किया जाता है, ताकि वह अधिक फल लाए। तुम पहले से ही शुद्ध हो उस वचन के कारण जो मैंने तुम्हें बोला है। मुझमें बने रहो, और मैं तुममें। जैसे शाखा अपने आप से फल नहीं दे सकती, यदि वह अंगूर की बेल में नहीं रहती, वैसे ही तुम भी नहीं, यदि तुम मुझमें नहीं बने रहो। मैं अंगूर

की बेल हूँ, तुम शाखाएँ हो। जो मुझ में रहता है और मैं उस में, वह बहुत फल लाता है, क्योंकि मुझ से अलग तुम कुछ भी नहीं कर सकते हो। यदि कोई मुझमें नहीं रहता, तो वह बाहर फेंक दिया जाता है जैसे शाखा और सूख जाता है, और वे उन्हें इकट्ठा करते हैं और आग में फेंक देते हैं, और वह जलाया जाता है। यदि तुम मुझमें बने रहो और मेरे शब्द तुममें बने रहें, तो जो कुछ तुम चाहो मांगो, और वह तुम्हें मिलेगा। इसमें मेरे पिता की महिमा हुई, ताकि तुम बहुत फल लाओ, और तुम मेरे चले बनोगे। जैसे पिता ने मुझसे प्रेम किया, वैसे ही मैंने तुमसे प्रेम किया, मेरे प्रेम में बने रहो। यदि तुम मेरी आज्ञाओं को रखोगे, तो तुम मेरे प्रेम में रहोगे, जैसे मैंने अपने पिता की आज्ञाओं को रखा है और उसके प्रेम में रहता हूँ। ये बातें मैंने तुमसे इसलिए कही हैं ताकि मेरा आनन्द तुममें बना रहे और तुम्हारा आनन्द पूर्ण हो जाए। यह मेरी आज्ञा है कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो, जैसे मैंने तुमसे प्रेम किया। इससे अधिक प्रेम किसी के पास नहीं है, कि कोई अपनी आत्मा अपने मित्रों के लिए रख दे। तुम मेरे मित्र हो, यदि तुम वह सब करते हो जो मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ। मैं अब तुम्हें दास नहीं कहता, क्योंकि दास नहीं जानता कि उसका स्वामी क्या करता है, लेकिन मैंने तुम्हें मित्र कहा है, क्योंकि जो कुछ मैंने अपने पिता से सुना है, वह सब मैंने तुम्हें बता दिया है। तुमने मुझे नहीं चुना, बल्कि मैंने तुम्हें चुना, और मैंने तुम्हें इसलिए नियुक्त किया ताकि तुम जाओ और फल लाओ, और तुम्हारा फल बना रहे, ताकि जो कुछ भी तुम पिता से मेरे नाम में मांगो, वह तुम्हें दे। मैं तुम्हें यह आदेश देता हूँ कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो।

यदि दुनिया तुमसे नफरत करती है, तो जान लो कि उसने तुमसे पहले मुझसे नफरत की है। यदि तुम संसार से होते, तो संसार अपनों से प्रेम करता, लेकिन क्योंकि तुम संसार से नहीं हो, बल्कि मैंने तुम्हें संसार से चुना है, इसलिए संसार तुमसे घृणा करता है। उस वचन को याद करो जो मैंने तुमसे कहा था, दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं है। अगर उन्होंने मुझे सताया, तो तुम्हें भी सताएंगे, अगर उन्होंने मेरे वचन को माना, तो तुम्हारे वचन को भी मानेंगे। लेकिन ये सब वे तुम्हारे साथ करेंगे मेरे नाम के कारण, क्योंकि वे उसे नहीं जानते जिसने मुझे भेजा। यदि मैं नहीं आता और उनसे नहीं बोलता, तो उन्हें पाप नहीं होता, लेकिन अब उनके पास अपने पाप के बारे में कोई बहाना नहीं है। जो मुझसे घृणा करता है, वह मेरे पिता से भी घृणा करता है। यदि मैंने उनके बीच वे काम नहीं किए होते जो किसी दूसरे ने नहीं किए हैं, तो उनके पास पाप नहीं होता, लेकिन अब उन्होंने देखा है और उन्होंने मुझसे और मेरे पिता से घृणा की है। लेकिन ताकि वह वचन पूरा हो जो उनकी व्यवस्था में लिखा है, कि उन्होंने मुझसे बिना कारण घृणा की। लेकिन जब वह सहायक आएगा जिसे मैं तुम्हें पिता के पास से भेजूंगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता से निकलता है, तो वह मेरे विषय में गवाही देगा। और तुम भी गवाही देते हो, क्योंकि तुम आरंभ से मेरे साथ हो।

ये बातें मैंने तुमसे कही हैं ताकि तुम ठोकर न खाओ। वे तुम्हें बहिष्कृत करेंगे, लेकिन वह घड़ी आ रही है कि हर वह जो तुम्हें मार डालेगा, सोचेगा कि वह परमेश्वर को सेवा चढ़ा रहा है। और वे ये काम करेंगे, क्योंकि उन्होंने न पिता को जाना और न ही मुझे। लेकिन मैंने ये बातें तुमसे इसलिए कही हैं ताकि जब वह घड़ी आए, तो तुम उन्हें याद करो कि मैंने तुमसे कहा था। ये बातें मैंने तुमसे शुरुआत से नहीं कहीं, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ था। अब मैं उसके पास जाता हूँ जिसने मुझे भेजा, और तुममें से कोई भी मुझसे नहीं पूछता कि तुम कहाँ जा रहे हो लेकिन क्योंकि मैंने ये बातें तुमसे कही हैं, दुःख ने तुम्हारे हृदय को भर दिया है। लेकिन मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ, तुम्हारे लिए लाभदायक है कि मैं चला जाऊँ। क्योंकि यदि मैं नहीं जाऊँगा, तो सहायक तुम्हारे पास नहीं आएगा, लेकिन यदि मैं चला जाऊँ, तो उसे तुम्हारे पास भेजूँगा। और वह आकर संसार को पाप, धार्मिकता और न्याय के विषय में फटकारेगा। पाप के बारे में वास्तव में, क्योंकि वे मुझ में विश्वास नहीं करते हैं, न्याय के बारे में, कि मैं अपने पिता के पास जाता हूँ और तुम मुझे अब नहीं देखोगे, और न्याय के विषय में, कि इस संसार का शासक न्याय किया जा चुका है। मेरे पास अभी भी तुमसे कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन तुम अभी इसे सहन करने में सक्षम नहीं हो। जब वह आएगा, सत्य का वह आत्मा, तो वह तुम्हें सम्पूर्ण सत्य में मार्गदर्शन करेगा, क्योंकि वह अपनी ओर से नहीं बोलेगा, बल्कि जो कुछ भी सुनेगा वही बोलेगा, और आने वाली बातों की घोषणा तुम्हें करेगा। वह मुझे महिमा देगा, क्योंकि वह मेरे से लेगा और तुम्हें घोषणा करेगा। जो कुछ भी पिता के पास है, वह सब मेरा है; इसलिए मैंने कहा कि वह मुझसे लेगा और तुम्हें बताएगा। थोड़ी देर में तुम मुझे नहीं देखोगे, और फिर थोड़ी देर में तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जा रहा हूँ। इसलिए उसके शिष्यों में से कुछ ने एक दूसरे से कहा, यह क्या है जो वह हमसे कहता है, थोड़ी देर और तुम मुझे नहीं देखोगे, और फिर थोड़ी देर और तुम मुझे देखोगे, और मैं पिता के पास जाता हूँ? इसलिए वे कह रहे थे, यह क्या है जो वह कहता है थोड़ा? हम नहीं जानते कि वह क्या बोल रहा है। यीशु ने इसलिए जान लिया कि वे उससे पूछना चाहते थे, और उनसे कहा, क्या तुम आपस में इस बारे में खोज रहे हो कि मैंने कहा, थोड़ी देर और तुम मुझे नहीं देखोगे, और फिर थोड़ी देर और तुम मुझे देखोगे? सत्य सत्य, मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम रोओगे और विलाप करोगे, परन्तु संसार आनन्दित होगा। तुम शोकित होगे, परन्तु तुम्हारी पीड़ा आनन्द में बदल जाएगी। स्त्री जब जन्म देती है, तो दुःख रखती है, क्योंकि उसकी घड़ी आ गई है। लेकिन जब बच्चे को जन्म दे देती है, तो वह अब कष्ट को याद नहीं करती, आनन्द के कारण कि एक मनुष्य संसार में जन्मा है। और इसलिए तुम अब वास्तव में दुःख रखते हो, लेकिन मैं तुम्हें फिर देखूँगा और तुम्हारा हृदय आनन्दित होगा, और तुम्हारी खुशी कोई तुमसे

नहीं छीनेगा। और उस दिन तुम मुझसे कुछ नहीं पूछोगे, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ कि जितना भी तुम पिता से मेरे नाम में माँगोगे, वह तुम्हें देगा। अब तक तुमने मेरे नाम में कुछ नहीं माँगा है, माँगो और तुम प्राप्त करोगे, ताकि तुम्हारा आनंद भरा हुआ हो। ये बातें मैंने तुम्हें दृष्टान्तों में कही हैं, लेकिन वह घड़ी आ रही है जब मैं तुम्हें दृष्टान्तों में नहीं, बल्कि खुलकर पिता के विषय में बताऊँगा। उस दिन मैं तुम मेरे नाम में माँगोगे, और मैं तुमसे यह नहीं कहता कि मैं पिता से तुम्हारे बारे में माँगूँगा, स्वयं पिता तुमसे प्रेम करते हैं, क्योंकि तुमने मुझसे प्रेम किया है और विश्वास किया है कि मैं परमेश्वर से निकला हूँ। मैं पिता के पास से निकला और संसार में आया हूँ, फिर से मैं संसार को छोड़ता हूँ और पिता के पास जाता हूँ। उसके शिष्य उससे कहते हैं, देखो, अब तू खुलकर बोल रहा है और कोई दृष्टान्त नहीं कह रहा है। अब हम जानते हैं कि तुम सब कुछ जानते हो और तुम्हें इसकी जरूरत नहीं है कि कोई तुमसे पूछे। इसी में हम विश्वास करते हैं कि तुम परमेश्वर से आए हो। यीशु ने उनको उत्तर दिया, अभी विश्वास करते हो? देखो, वह घड़ी आती है, और अब आ गई है, ताकि तुम सब तितर-बितर हो जाओ, प्रत्येक अपने घर को, और मुझे अकेला छोड़ दो; और मैं अकेला नहीं हूँ, क्योंकि पिता मेरे साथ है। ये बातें मैंने तुमसे इसलिए कही हैं ताकि तुम्हें मुझमें शांति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होगा, लेकिन साहस रखो, मैंने संसार को जीत लिया है।

17

ये बातें यीशु ने कहीं, और उसने अपनी आँखें आकाश की ओर उठाई और कहा, पिता, वह घड़ी आ गई है, अपने पुत्र की महिमा करो, ताकि पुत्र भी तेरी महिमा करे, जैसा तुमने उसे समस्त मांस पर अधिकार दिया है, ताकि जो सब तुमने उसे दिया है, वह उन्हें अनन्त जीवन दे। यह अनन्त जीवन है कि वे तुम्हें, एकमात्र सच्चे परमेश्वर को, और यीशु मसीह को जिसे तुमने भेजा है, जानें। मैंने तुम्हें पृथ्वी पर महिमामंडित किया, वह काम पूरा किया जो तुमने मुझे दिया था ताकि मैं करूँ। और अब हे पिता, तुम मुझे अपने पास उस महिमा से महिमामंडित करो जो मेरे पास संसार के अस्तित्व से पहले तुम्हारे साथ थी। मैंने तुम्हारा नाम उन लोगों पर प्रकट किया है जिन्हें तुमने संसार में से मुझे दिया है। वे तुम्हारे थे और तुमने उन्हें मुझे दिया है, और उन्होंने तुम्हारे वचन को रखा है। अब वे जान गए हैं कि जितना कुछ तूने मुझे दिया है, वह सब तेरी ओर से है। क्योंकि जो शब्द तुमने मुझे दिए हैं, वे मैंने उनको दिए, और उन्होंने उन्हें ग्रहण किया, और उन्होंने सचमुच जान लिया कि मैं तुमसे निकला हूँ, और उन्होंने विश्वास किया कि तुमने मुझे भेजा है। मैं उनके बारे में पूछता हूँ, संसार के बारे में नहीं पूछता हूँ, लेकिन उनके बारे में जो तूने मुझे दिए हैं, क्योंकि वे तेरे हैं, और मेरा सब कुछ तुम्हारा है और तुम्हारा मेरा है, और मैं उनमें महिमामंडित हुआ हूँ। और अब

मैं संसार में नहीं हूँ, और ये संसार में हैं, और मैं तुम्हारी ओर आता हूँ। हे पवित्र पिता, उन्हें अपने नाम में रखो जो तुमने मुझे दिया है, ताकि वे एक हों जैसे हम हैं। जब मैं संसार में उनके साथ था, मैं उन्हें तुम्हारे नाम में रखता था, जिनको तुमने मुझे दिया है उनको मैंने रखा, और उनमें से कोई नष्ट नहीं हुआ सिवाय विनाश के पुत्र के, ताकि शास्त्र पूरा हो। अब मैं तुम्हारी ओर आता हूँ, और ये बातें संसार में इसलिए बोलता हूँ ताकि वे मेरा आनंद अपने भीतर परिपूर्ण रूप से रखें। मैंने उनको तुम्हारा वचन दिया है, और संसार ने उनसे घृणा की, क्योंकि वे संसार से नहीं हैं, जैसे मैं संसार से नहीं हूँ। मैं यह नहीं माँगता कि तू उन्हें संसार से उठा ले, बल्कि यह कि तू उन्हें बुराई से बचाए रखे। वे संसार के नहीं हैं, जैसे मैं संसार का नहीं हूँ। उन्हें अपने सत्य में पवित्र करो; तुम्हारा वचन सत्य है। जैसे तूने मुझे संसार में भेजा, वैसे ही मैंने भी उन्हें संसार में भेजा। और उनके लिए मैं स्वयं को पवित्र करता हूँ, ताकि वे भी सत्य में पवित्र किए जाएँ। मैं केवल इनके बारे में नहीं पूछता हूँ, लेकिन उनके बारे में भी जो उनके वचन के कारण मुझ में विश्वास करते हैं, ताकि सब एक हों, जैसे तुम पिता मुझमें हो और मैं तुममें हूँ, ताकि वे भी हममें एक हों, ताकि संसार विश्वास करे कि तुमने मुझे भेजा है। और जो महिमा आपने मुझे दी है, वह मैंने उन्हें दी है, ताकि वे एक हों जैसे हम एक हैं, मैं उनमें हूँ और तू मुझमें है, ताकि वे एक में पूर्ण किए जाएँ, और ताकि संसार जाने कि तूने मुझे भेजा और उनसे वैसे ही प्रेम किया जैसे मुझसे प्रेम किया। पिता, जिन्हें तुमने मुझे दिया है, मैं चाहता हूँ कि जहाँ मैं हूँ, वे भी मेरे साथ हों, ताकि वे मेरी उस महिमा को देखें जो तुमने मुझे दी है, क्योंकि तुमने संसार की नींव से पहले मुझसे प्रेम किया था। हे धर्मी पिता, संसार ने तुम्हें नहीं जाना, लेकिन मैंने तुम्हें जाना, और इन्होंने जाना कि तुमने मुझे भेजा, और मैंने उनको तुम्हारा नाम ज्ञात कराया है और ज्ञात कराऊंगा, ताकि वह प्रेम जिससे तुमने मुझसे प्रेम किया, उनमें हो, और मैं उनमें रहूँ।

18

ये बातें कहकर यीशु अपने चेलों के साथ किद्रोन के नाले के पार बाहर गया, जहाँ एक बगीचा था, जिसमें वह स्वयं और उसके चले प्रवेश किए। यहूदा, जो उसे पकड़वाने वाला था, वह भी उस स्थान को जानता था, क्योंकि यीशु अपने शिष्यों के साथ वहाँ अक्सर इकट्ठा हुआ करते थे। इसलिए यहूदा सेना को और मुख्य याजकों और फरीसियों के सहायकों को लेकर मशालों, दीपकों और हथियारों के साथ वहाँ आता है। यीशु इसलिए उन सब बातों को जानते हुए जो उस पर आने वाली थीं, बाहर निकलकर उनसे बोले, तुम किसे खोज रहे हो? उन्होंने उसको उत्तर दिया, नासरी यीशु को। यीशु उनसे कहता है, मैं हूँ। और यहूदा जो उसको पकड़वा रहा था, वह भी उनके साथ खड़ा था। जैसे ही उसने उनसे कहा कि मैं हूँ, वे

पीछे हटे और जमीन पर गिर पड़े। फिर उसने उनसे पूछा, तुम किसे खोज रहे हो? उन्होंने कहा, नासरत के यीशु को। यीशु ने उत्तर दिया, मैंने तुम्हें कहा कि मैं हूँ। यदि इसलिए तुम मुझे खोज रहे हो, तो इनको जाने दो। ताकि वह वचन पूरा हो जो उसने कहा था, जिनको तूने मुझे दिया है, मैंने उनमें से किसी को नहीं खोया। शमौन पतरस ने, जिसके पास तलवार थी, उसे खींचा और महायाजक के दास पर वार किया और उसका दाहिना कान काट दिया। उस दास का नाम मलखुस था। यीशु ने पतरस से कहा, तलवार को म्यान में रख दो। जो प्याला पिता ने मुझे दिया है, क्या मैं उसे न पीऊँ?

इसलिए सेना-दल और सेनापति और यहूदियों के सहायकों ने येशु को पकड़ लिया और उसे बाँध दिया। और वे उसे पहले अन्ना के पास ले गए, क्योंकि वह कैफा का ससुर था, जो उस वर्ष का महायाजक था। कैफा वह था जिसने यहूदियों को सलाह दी थी कि एक मनुष्य का लोगों के लिए नष्ट होना लाभदायक है। शिमोन पतरस और वह दूसरा शिष्य यीशु का अनुसरण कर रहे थे। वह शिष्य महायाजक का परिचित था, और यीशु के साथ महायाजक के आँगन में प्रवेश किया। लेकिन पतरस बाहर द्वार के पास खड़ा था। इसलिए वह दूसरा शिष्य, जो महायाजक का परिचित था, बाहर गया और द्वारपाल से बोला, और पतरस को अंदर लाया। इसलिए वह द्वारपाल युवा स्त्री पतरस से कहती है, क्या तू भी इस मनुष्य के शिष्यों में से है? वह कहता है, नहीं हूँ। दास और सहायक कोयले की आग बनाकर खड़े थे, क्योंकि ठंड थी, और वे अपने आप को गर्म कर रहे थे, और पतरस भी उनके साथ खड़ा होकर अपने आप को गर्म कर रहा था। इसलिए महायाजक ने यीशु से उनके शिष्यों के बारे में और उनकी शिक्षा के बारे में पूछा। यीशु ने उसको उत्तर दिया, मैं संसार से खुलेपन से बोला, मैंने हमेशा सभा में और मंदिर में सिखाया, जहाँ यहूदी हमेशा इकट्ठे होते हैं, और मैंने गुप्त में कुछ नहीं बोला। तुम मुझसे क्यों पूछते हो? उनसे पूछो जिन्होंने सुना है कि मैंने उनसे क्या कहा। देखो, ये जानते हैं कि मैंने क्या कहा। जब उसने ये बातें कहीं, तो सहायकों में से एक जो खड़ा था, उसने यीशु को एक थप्पड़ मारा और कहा, क्या तू महायाजक को इस प्रकार उत्तर देता है? यीशु ने उसे उत्तर दिया, यदि मैंने बुरा बोला है, तो बुराई के विषय में गवाही दो; परन्तु यदि भला बोला है, तो तू मुझे क्यों मारता है? अन्ना ने उसे बंधा हुआ महायाजक कैफा के पास भेजा। शिमोन पतरस खड़ा था और अपने आप को गर्म कर रहा था। इसलिए उन्होंने उससे कहा, क्या तू भी उसके शिष्यों में से नहीं है? इसलिए उसने इनकार किया और कहा, मैं नहीं हूँ। महायाजक के दासों में से एक, जो उस व्यक्ति का संबंधी था जिसका कान पतरस ने काट दिया था, कहता है, क्या मैंने तुम्हें बगीचे में उसके साथ नहीं देखा था? फिर इसलिए पतरस ने इनकार किया, और तुरंत मुर्गे ने बांग दी।

इसलिए वे यीशु को कैफा के पास से प्रैटोरियम में ले जाते हैं। सुबह का समय था, और वे स्वयं प्रैटोरियम में प्रवेश नहीं किए, ताकि अशुद्ध न हो जाएं, बल्कि इसलिए कि फसह खा सकें। इसलिए पिलातुस उनके पास बाहर गया और बोला, तुम इस आदमी के विरुद्ध क्या आरोप लाते हो? उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, यदि यह दुष्कर्मी नहीं होता, तो हम इसे तुझे नहीं सौंपते। पिलातुस ने इसलिए उनसे कहा, तुम उसे ले जाओ और अपने कानून के अनुसार उसका न्याय करो। यहूदियों ने इसलिए उससे कहा, हमें किसी को मारने की अनुमति नहीं है। ताकि यीशु का वह वचन पूरा हो जो उसने कहा था, यह संकेत करते हुए कि वह किस मृत्यु से मरने वाला था। इसलिए पिलातुस फिर प्रैटोरियम में दाखिल हुआ और यीशु को बुलाया और उससे कहा, क्या तू यहूदियों का राजा है? यीशु ने उसे उत्तर दिया, क्या तू यह स्वयं कहता है या दूसरों ने तुझे मेरे विषय में बताया? पिलातुस ने उत्तर दिया, क्या मैं यहूदी हूँ? तेरे राष्ट्र और महायाजकों ने तुझे मुझे सौंप दिया है। तूने क्या किया है? यीशु ने उत्तर दिया, मेरा राज्य इस संसार से नहीं है। यदि मेरा राज्य इस संसार से होता, तो मेरे सहायक लड़ते, ताकि मैं यहूदियों को सौंपा न जाऊँ। लेकिन अब मेरा राज्य यहाँ से नहीं है। पिलातुस ने इसलिए उससे कहा, तो क्या तू राजा है? यीशु ने उत्तर दिया, तू कहता है कि मैं राजा हूँ। मैं इसी लिए जन्मा हूँ और इसी लिए संसार में आया हूँ, ताकि सत्य की गवाही दूँ। जो कोई सत्य से है, वह मेरी आवाज़ सुनता है। पिलातुस उससे कहता है, सत्य क्या है? और यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास गया और उनसे कहता है, मैं उसमें कोई दोष नहीं पाता हूँ। तुम्हारा एक रिवाज है कि मैं पास्का में तुम्हारे लिए एक को रिहा करूँ, तो क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए यहूदियों के राजा को रिहा करूँ? इसलिए सब फिर चिल्लाए और कहने लगे, इसको नहीं, लेकिन बरअब्बा को। और बरअब्बा एक डाकू था।

19

तब इसलिए पिलातुस ने यीशु को लिया और कोड़े मारे। और सैनिकों ने कांटों से मुकुट बुनकर उसके सिर पर रखा, और उसे बैंगनी वस्त्र पहनाया। और वे कह रहे थे, नमस्कार यहूदियों के राजा, और वे उसे थप्पड़ मार रहे थे। इसलिए पिलातुस फिर बाहर गया और उनसे कहता है, देखो, मैं उसे तुम्हारे पास बाहर लाता हूँ, ताकि तुम जान लो कि मैं उसमें कोई दोष नहीं पाता हूँ। इसलिए यीशु बाहर गए, कांटों का मुकुट और बैंगनी वस्त्र पहने हुए। और वह उनसे कहता है, देखो, यह आदमी। जब मुख्य याजकों और सहायकों ने उसे देखा, तो वे चिल्लाए, इसे सूली पर चढ़ाओ, सूली पर चढ़ाओ! पिलातुस उनसे कहता है, तुम इसे ले जाओ और सूली पर चढ़ाओ, क्योंकि मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता हूँ। यहूदियों ने उसको उत्तर दिया, हमारे पास कानून है, और हमारे कानून के अनुसार उसे मरना चाहिए,

क्योंकि उसने स्वयं को परमेश्वर का पुत्र बनाया। जब पिलातुस ने यह शब्द सुना, तो वह और अधिक डर गया। और वह फिर से प्रेटीरियम में प्रवेश किया और यीशु से कहता है, आप कहाँ से हैं? लेकिन यीशु ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया। पिलातुस उससे कहता है, तू मुझसे नहीं बोलता है? क्या तू नहीं जानता कि मुझे तुझे सूली पर चढ़ाने का अधिकार है और मुझे तुझे छोड़ने का अधिकार है? यीशु ने उत्तर दिया, तुम्हारे पास मेरे विरुद्ध कोई अधिकार नहीं होता, यदि तुम्हें ऊपर से दिया न गया होता। इस कारण जो मुझे तुम्हें सौंप रहा है, उसका पाप अधिक है। इससे पिलातुस उसे छोड़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन यहूदी चिल्लाते हुए कह रहे थे, अगर तुम इसे छोड़ोगे, तो तुम कैसर के मित्र नहीं हो। हर वह जो स्वयं को राजा बनाता है, कैसर का विरोध करता है। इसलिए पिलातुस ने यह वचन सुनकर यीशु को बाहर लाया, और न्याय के आसन पर बैठा उस स्थान पर जो पत्थर का फर्श कहलाता है, और इब्रानी में गब्सता। यह फसह की तैयारी का दिन था, और घड़ी लगभग छठे की थी, और वह यहूदियों से कहता है, देखो, तुम्हारा राजा। परन्तु वे चिल्लाए, उठा लो, उठा लो, उसे क्रूस पर चढ़ाओ। पिलातुस ने उनसे कहा, क्या मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढ़ाऊँ? प्रधान याजकों ने उत्तर दिया, कैसर के सिवा हमारा कोई राजा नहीं है। तब इसलिए उसने उसे उन्हें सौंप दिया ताकि वह सूली पर चढ़ाया जाए।

उन्होंने यीशु को प्राप्त किया और ले गए, और वह अपना क्रूस ढोते हुए उस स्थान की ओर निकल गए जिसे खोपड़ी का स्थान कहा जाता है, जो हिब्रू में गोलगोथा कहलाता है। जहाँ उन्होंने उसे सूली पर चढ़ाया, और उसके साथ दो अन्य को इधर और उधर, और बीच में यीशु को। पिलातुस ने एक शीर्षक भी लिखा और उसे सलीब पर रखा, और उस पर लिखा हुआ था, यीशु नासरी, यहूदियों का राजा। इसलिए यह शीर्षक यहूदियों में से बहुतों ने पढ़ा, क्योंकि वह स्थान जहाँ यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था, शहर के निकट था, और वह इब्रानी, यूनानी और लातीनी में लिखा हुआ था। इसलिए यहूदियों के प्रधान याजक पिलातुस से कह रहे थे, यहूदियों का राजा मत लिखो, लेकिन यह कि उसने कहा, मैं यहूदियों का राजा हूँ। पिलातुस ने उत्तर दिया, जो मैंने लिखा है, सो लिखा है।

इसलिए सैनिकों ने जब यीशु को सूली पर चढ़ाया, तो उसके वस्त्र लिए और चार भाग किए, प्रत्येक सैनिक के लिए एक भाग, और अंगरखा भी; और वह अंगरखा बिना सिलार्ई का था, ऊपर से संपूर्ण रूप से बुना हुआ था। इसलिए उन्होंने एक दूसरे से कहा, इसे फाड़ें नहीं, बल्कि इसके बारे में चिट्ठी डालें कि यह किसका होगा, ताकि वह लेख पूरा हो जो कहता है, उन्होंने मेरे वस्त्र आपस में बाँट लिए, और मेरे वस्त्र पर उन्होंने चिट्ठी डाली।

सैनिकों ने निश्चय ही ये काम किए। लेकिन यीशु के सलीब के पास उसकी माँ और उसकी माँ की बहन, क्लोपा की मरियम और मगदलीनी मरियम खड़ी थीं। यीशु ने इसलिए अपनी माता को और उस शिष्य को जिसे वह प्रेम करते थे खड़े हुए देखकर, अपनी माता से कहा, हे नारी, देखो, तुम्हारा पुत्र। फिर वह शिष्य से कहता है, देखो, तुम्हारी माता। और उस घड़ी से शिष्य ने उसे अपने साथ ले लिया। इसके बाद, यह जानते हुए कि सब कुछ पहले ही पूरा हो चुका है, यीशु ने धर्मग्रंथ को पूरा करने के लिए कहा, मैं प्यासा हूँ। इसलिए सिरके से भरा हुआ एक बर्तन पड़ा था, लेकिन उन्होंने एक स्पंज को सिरके से भरकर और जूफा से लगाकर उसके मुँह तक लाया। जब यीशु ने सिरका लिया, तो उन्होंने कहा, पूरा हो गया है, और सिर झुकाकर आत्मा सौंप दी।

इसलिए यहूदियों ने पिलातुस से विनती की कि उनकी टांगें तोड़ दी जाएं और उन्हें उतार लिया जाए, ताकि शरीर सब्त के दिन सलीब पर न रहें, क्योंकि तैयारी का दिन था और उस सब्त का दिन महान था। इसलिए सैनिक आए, और उन्होंने पहले की टांगें तोड़ीं और दूसरे की भी जो उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था, परन्तु जब वे यीशु के पास आए और उन्होंने देखा कि वह पहले ही मर चुके हैं, तो उन्होंने उनके पैर नहीं तोड़े। लेकिन सैनिकों में से एक ने भाले से उसका पहलू भेदा, और तुरंत रक्त और जल निकला। और जिसने देखा है उसने गवाही दी है, और उसकी गवाही सच्ची है, और वह जानता है कि वह सच कहता है, ताकि तुम भी विश्वास करो। यह इसलिए हुआ ताकि धर्मग्रंथ पूरा हो, उसकी हड्डी नहीं तोड़ी जाएगी। और फिर एक दूसरा धर्मग्रंथ कहता है, वे उसे देखेंगे जिसे उन्होंने बेधा था।

इसके बाद अरिमथिया के यूसुफ ने, जो यीशु का शिष्य था, परन्तु यहूदियों के भय के कारण छिपा हुआ था, पिलातुस से पूछा कि वह यीशु के शरीर को उठा ले जाए, और पिलातुस ने अनुमति दी। इसलिए वह आया और यीशु के शरीर को उठा ले गया। और निकुदेमस भी आया, जो पहली बार रात को यीशु के पास आया था, वह गंधरस और एलवा का मिश्रण लगभग सौ पौंड लाया। इसलिए उन्होंने यीशु का शरीर लिया और उसे सन के कपड़ों में सुगंध-द्रव्यों के साथ बाँधा, जैसे यहूदियों में दफनाने की रीति है। उस स्थान पर जहाँ उसे सूली पर चढ़ाया गया था एक बगीचा था, और उस बगीचे में एक नई कब्र थी, जिसमें अभी तक कोई नहीं रखा गया था। वहाँ इसलिए यहूदियों की तैयारी के कारण, क्योंकि कब्र निकट थी, उन्होंने यीशु को रखा।

सब्त के एक दिन मरियम मगदलीनी सुबह अंधेरा अभी रहते हुए कब्र में आती है, और पत्थर को कब्र से हटाया हुआ देखती है। वह इसलिए दौड़ती है और शमौन पतरस के पास और उस दूसरे शिष्य के पास आती है जिससे यीशु प्रेम करते थे, और उनसे कहती है, उन्होंने प्रभु को कब्र से उठा लिया है, और हम नहीं जानते कि उन्होंने उसे कहाँ रखा है। इसलिए पतरस और वह दूसरा चेला बाहर गए और वे कब्र की ओर आ रहे थे। दोनों साथ-साथ दौड़ रहे थे, और वह दूसरा शिष्य पतरस से तेज़ी से आगे दौड़ा और कब्र में पहले पहुँचा। और झुककर उसने लिनन के कपड़े पड़े हुए देखे, लेकिन अंदर प्रवेश नहीं किया। इसलिए शिमोन पतरस उसके पीछे आता है, और कब्र में प्रवेश करता है और सनी के कपड़ों को पड़ा हुआ देखता है। और वह चेहरे का कपड़ा, जो उसके सिर पर था, कफन के कपड़ों के साथ नहीं पड़ा था, बल्कि अलग से एक जगह लपेटा हुआ था। तब इसलिए वह दूसरा शिष्य भी, जो कब्र पर पहले आया था, अंदर गया, और उसने देखा और विश्वास किया। क्योंकि वे अभी तक लेख को नहीं जानते थे कि उसे मृतकों में से उठना आवश्यक है। इसलिए शिष्य फिर अपने घर चले गए। मरियम बाहर कब्र के पास खड़ी होकर रो रही थी। जब वह रो रही थी, तो वह कब्र में झुककर देखती है और दो दूतों को सफेद वस्त्रों में बैठे हुए देखती है, एक सिर की ओर और एक पैरों की ओर, जहाँ यीशु का शरीर पड़ा था। और वे उससे कहते हैं, हे स्त्री, तुम क्यों रो रही हो? वह उनसे कहती है, क्योंकि वे मेरे प्रभु को उठा ले गए हैं, और मैं नहीं जानती कि उन्होंने उसे कहाँ रखा है। और ये बातें कहकर वह पीछे की ओर मुड़ी, और यीशु को खड़ा हुआ देखती है, और नहीं जानती थी कि यह यीशु है। यीशु उससे कहते हैं, हे स्त्री, तुम क्यों रो रही हो? तुम किसे खोज रही हो? वह यह सोचकर कि वह माली है, उससे कहती है, हे स्वामी, यदि आपने उसे उठा लिया है, तो मुझे बताइए कि आपने उसे कहाँ रखा है, और मैं उसे उठा लूँगी। यीशु उससे कहते हैं, मरियम। वह मुड़कर उनसे कहती है, रब्बूनी, जिसका अर्थ है गुरु। यीशु उससे कहते हैं, मुझे मत छुओ, क्योंकि मैं अभी तक अपने पिता के पास नहीं चढ़ा हूँ। लेकिन मेरे भाइयों के पास जाओ और उनसे कहो, मैं अपने पिता और तुम्हारे पिता, और अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास चढ़ रहा हूँ। मरियम मगदलीनी शिष्यों को यह सूचना देने आती है कि उसने प्रभु को देखा है, और उसने उससे ये बातें कहीं।

इसलिए उस दिन की शाम को, जो सब्त के दिनों में से पहला दिन था, और जहाँ शिष्य यहूदियों के डर के कारण इकट्ठे हुए थे वहाँ के दरवाज़े बंद थे, यीशु आए और बीच में खड़े हो गए, और उनसे कहा, तुम्हें शांति मिले। और यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ और अपना पक्ष दिखाया। इसलिए शिष्य प्रभु को देखकर आनंदित हुए। इसलिए यीशु ने उनसे फिर कहा, तुम्हें शांति मिले। जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ। और यह कहकर उसने फूँका और उनसे कहता है, पवित्र आत्मा लो, यदि तुम किहीं के पापों को क्षमा

करो, तो वे उनको क्षमा किए जाते हैं; यदि तुम किन्हीं के पापों को पकड़े रखो, तो वे पकड़े गए हैं।

थोमास, जो बारह में से एक था और जिसे जुड़वां कहा जाता था, उनके साथ नहीं था जब यीशु आया। इसलिए अन्य शिष्य उससे कह रहे थे, हमने प्रभु को देखा है। लेकिन उसने उनसे कहा, यदि मैं उसके हाथों में कीलों के निशान न देखूं, और कीलों के निशान में अपनी उंगली न डालूं, और उसके पहलू में अपना हाथ न डालूं, तो मैं कदापि विश्वास नहीं करूंगा। और आठ दिन के बाद फिर उसके शिष्य अंदर थे और थोमा उनके साथ था। यीशु आया जबकि दरवाजे बंद थे, और बीच में खड़ा हुआ और कहा, तुम्हें शांति मिले। फिर वह थोमास से कहता है, अपनी उंगली यहाँ लाओ और मेरे हाथों को देखो, और अपना हाथ लाओ और मेरी बाजू में डालो, और अविश्वासी मत बनो, बल्कि विश्वासी बनो। और थोमा ने उत्तर दिया और उससे कहा, मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर। यीशु उससे कहते हैं, क्योंकि तूने मुझे देखा है, तूने विश्वास किया है। धन्य हैं वे जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया है।

यीशु ने अपने शिष्यों के सामने वास्तव में बहुत से और भी चिन्ह किए, जो इस पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं। ये चीजें इसलिए लिखी गई हैं ताकि तुम विश्वास करो कि यीशु मसीह है, परमेश्वर का पुत्र, और ताकि विश्वास करते हुए तुम उसके नाम में जीवन पाओ।

21

इन बातों के बाद यीशु ने तिबिरियास के समुद्र पर अपने शिष्यों को फिर से स्वयं को प्रकट किया, और उसने इस प्रकार प्रकट किया। शिमोन पतरस, और थोमा जो जुड़वां कहलाता था, और नथनएल जो गलील के काना से था, और जबदी के पुत्र, और उसके शिष्यों में से दो अन्य साथ थे। शिमोन पेत्रस उनसे कहता है, मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ। वे उससे कहते हैं, हम भी तुम्हारे साथ आ रहे हैं। वे बाहर गए और तुरंत नाव में चढ़े, और उस रात उन्होंने कुछ नहीं पकड़ा। सुबह हो चुकी थी, और यीशु किनारे पर खड़े हुए, परन्तु शिष्य नहीं जानते थे कि वे यीशु हैं। इसलिए यीशु उनसे कहते हैं, बच्चों, क्या तुम्हारे पास कुछ मछली है? उन्होंने उसे उत्तर दिया, नहीं। उसने उनसे कहा, जाल को नाव के दाहिने भाग में डालो, और तुम पाओगे। इसलिए उन्होंने डाला, और मछलियों की बहुतायत के कारण वे इसे खींचने में सक्षम नहीं रह गए। इसलिए वह शिष्य, जिसको यीशु प्रेम करता था, पतरस से कहता है, वह प्रभु है। इसलिए शमौन पतरस यह सुनकर कि वह प्रभु है, बाहरी वस्त्र बाँधा, क्योंकि वह नंगा था, और स्वयं को समुद्र में फेंक दिया। लेकिन अन्य शिष्य नाव में

आए, क्योंकि वे पृथ्वी से दूर नहीं थे, बल्कि लगभग दो सौ हाथ की दूरी पर थे, मछलियों का जाल खींचते हुए। जब वे भूमि पर उतरे, तो उन्होंने कोयले की आग पड़ी हुई देखी और उस पर मछली रखी हुई और रोटी। यीशु उनसे कहते हैं, उन मछलियों में से लाओ जो तुमने अभी पकड़ी हैं। शमौन पतरस ऊपर गया और जाल को पृथ्वी पर खींचा, जो बड़ी मछलियों से भरा था—एक सौ तिरपन, और इतने होते हुए भी जाल नहीं फटा। यीशु उनसे कहते हैं, आओ, नाश्ता करो। लेकिन शिष्यों में से किसी ने भी उनसे यह पूछने का साहस नहीं किया कि तुम कौन हो, क्योंकि वे जानते थे कि वह प्रभु हैं। इसलिए यीशु आता है और रोटी लेता है और उनको देता है, और मछली भी इसी प्रकार देता है। यह पहले से ही तीसरी बार था जब यीशु अपने शिष्यों के सामने मृतकों में से उठकर प्रकट हुए थे।

जब वे नाश्ता कर चुके, तो यीशु ने शिमोन पतरस से कहा, शिमोन योना के पुत्र, क्या तू इनसे अधिक मुझसे प्रेम करता है? उसने उससे कहा, हाँ प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ। उसने उससे कहा, मेरे मेमनों को चरा। वह उससे फिर दूसरी बार कहता है, शमौन योना, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? वह उससे कहता है, हाँ प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ। वह उससे कहता है, मेरी भेड़ों को चरा। उसने उससे तीसरी बार कहा, शमौन योना, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? पतरस दुखी हुआ क्योंकि उसने उससे तीसरी बार कहा, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? और उसने उससे कहा, प्रभु, तू सब कुछ जानता है, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ। यीशु ने उससे कहा, मेरी भेड़ों को चरा। मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, जब तुम छोटे थे, तुम स्वयं को बाँधते थे और जहाँ चाहते थे वहाँ चलते थे, लेकिन जब तुम बूढ़े हो जाओगे, तुम अपने हाथ फैलाओगे, और कोई दूसरा तुम्हें बाँधेगा, और तुम्हें वहाँ ले जाएगा जहाँ तुम नहीं चाहते। यह उसने कहा, यह संकेत करते हुए कि किस मृत्यु से वह परमेश्वर की महिमा करेगा। और यह कहकर वह उससे कहता है, मेरा अनुसरण करो। लेकिन पतरस मुड़कर उस शिष्य को अनुसरण करते हुए देखता है जिसको यीशु प्रेम करता था, जो भोजन में उसकी छाती पर झुका था और कहा था, प्रभु, कौन है जो तुमको पकड़वा रहा है? इसे देखकर पतरस यीशु से कहता है, प्रभु, लेकिन यह क्या? यीशु उससे कहते हैं, यदि मैं चाहता हूँ कि वह तब तक रहे जब तक मैं आऊँ, तो तुम्हें क्या? तुम मेरा अनुसरण करो। इसलिए भाइयों में यह बात फैल गई कि वह शिष्य नहीं मरेगा, और यीशु ने उससे यह नहीं कहा कि वह नहीं मरेगा, लेकिन यदि मैं चाहता हूँ कि वह तब तक रहे जब तक मैं आऊँ, तो तुम्हें क्या?

यह वह शिष्य है जो इन के बारे में गवाही देता है और इन्हें लिखा है, और हम जानते हैं कि उसकी गवाही सच्ची है। और यीशु ने और भी बहुत से काम किए, जो यदि एक-एक

करके लिखे जाएं, तो मैं सोचता हूँ कि संसार भी उन लिखी जाने वाली पुस्तकों को समा नहीं सकेगा। आमीन।

उत्पत्ति

1

आरंभ में ईश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया। और पृथ्वी अदृश्य और निराकार थी, और गहरे सागर के ऊपर अंधकार था, और परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मंडरा रहा था। और ईश्वर ने कहा, प्रकाश हो जाए, और प्रकाश हो गया। और परमेश्वर ने प्रकाश को देखा कि वह अच्छा है, और परमेश्वर ने प्रकाश और अंधकार के बीच अलग किया। और परमेश्वर ने प्रकाश को दिन बुलाया, और अंधकार को रात बुलाया। और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, दिन एक।

और ईश्वर ने कहा, जल के बीच में आकाश हो, और यह जल और जल के बीच विभाजन करे, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने आकाश को बनाया, और परमेश्वर ने उस जल को जो आकाश के नीचे था और उस जल को जो आकाश के ऊपर था, उनके बीच अलग किया। और परमेश्वर ने आकाशमंडल को स्वर्ग कहा, और परमेश्वर ने देखा कि यह सुंदर है, और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, दूसरा दिन।

और परमेश्वर ने कहा, आकाश के नीचे का जल एक स्थान में इकट्ठा किया जाए, और सूखी भूमि दिखाई दे। और ऐसा ही हुआ, और आकाश के नीचे का जल उनके स्थानों में इकट्ठा किया गया, और सूखी भूमि दिखाई दी। और परमेश्वर ने सूखे को भूमि बुलाया, और जलों के संग्रहों को समुद्र बुलाया, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है। और परमेश्वर ने कहा, पृथ्वी वनस्पति उगाए, घास जो जाति के अनुसार और समानता के अनुसार बीज बोए, और फलदायी वृक्ष जो फल उत्पन्न करे, जिसका बीज उसमें हो, जाति के अनुसार पृथ्वी पर। और ऐसा ही हुआ। और भूमि ने घास का पौधा उत्पन्न किया, जो अपनी जाति और समानता के अनुसार बीज बोता है, और फलदायी वृक्ष जो फल उत्पन्न करता है, जिसका बीज उसमें अपनी जाति के अनुसार पृथ्वी पर है, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है। और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, तीसरा दिन।

और परमेश्वर ने कहा, स्वर्ग के आकाश में ज्योतियाँ उत्पन्न हों, जो पृथ्वी पर प्रकाश देने के लिए हों, दिन और रात के बीच अलगाव करने के लिए, और वे संकेतों के लिए, समयों के लिए, दिनों के लिए और वर्षों के लिए हों। और वे आकाश के अंतराल में प्रकाश

के लिए हों, ताकि पृथ्वी पर प्रकाश दें, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने दो महान प्रकाशकों को बनाया, बड़े प्रकाशक को दिन के आरंभ के लिए, और छोटे प्रकाशक को रात के आरंभ के लिए, और तारों को। और परमेश्वर ने उनको आकाश के गुंबद में रखा, ताकि वे पृथ्वी पर प्रकाश दें। और दिन और रात पर शासन करना, और प्रकाश और अंधकार के बीच विभाजन करना, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था। और संध्या हुई और प्रातः हुआ, चौथा दिन।

और ईश्वर ने कहा, जल जीवित प्राणियों को रेंगने वाली चीजें उत्पन्न करे, और पक्षी पृथ्वी के ऊपर स्वर्ग के आकाश में उड़ें, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने महान समुद्री जीव बनाए, और रेंगने वाली चीजों के सब पशुओं के प्राणों को जो जल ने उनके प्रकार के अनुसार निकाले, और सब पंख वाले पक्षियों को जाति के अनुसार, और परमेश्वर ने देखा कि अच्छा था। और परमेश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया और कहा, बढ़ो और गुणा करो, और समुद्रों में जल को भर दो, और पक्षी पृथ्वी पर बहुत हो जाएँ। और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, यह पाँचवाँ दिन था।

और परमेश्वर ने कहा, भूमि जीवित आत्मा को जाति के अनुसार उत्पन्न करे—चौपाये, रेंगने वाले जीव, और पृथ्वी के जंगली पशु जाति के अनुसार, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने पृथ्वी के जंगली जानवरों को उनकी जाति के अनुसार बनाया, और पशुओं को उनकी जाति के अनुसार, और पृथ्वी के सब रेंगने वाले जीवों को उनकी जाति के अनुसार बनाया, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था।

और परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार और अपनी समानता के अनुसार बनाएं, और वे समुद्र की मछलियों पर, और आकाश के पक्षियों पर, और पशुओं पर, और सारी पृथ्वी पर, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जीवों पर शासन करें। और परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया, परमेश्वर की छवि के अनुसार उसको बनाया, नर और मादा उनको बनाया। और ईश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया, कहते हुए, बढ़ो और गुणा करो, और पृथ्वी को भर दो, और उस पर अधिकार करो, और समुद्र की मछलियों पर, और आकाश के पक्षियों पर, और सभी पशुओं पर, और सारी पृथ्वी पर, और सभी रेंगने वाले जीवों पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, शासन करो। और परमेश्वर ने कहा, देखो, मैंने तुम्हें सब घास दी है जो बीज देती है और बीज बोती है, जो सारी पृथ्वी के ऊपर है, और हर पेड़ जो अपने में बीज देने वाले बीज का फल रखता है, यह तुम्हारे लिए भोजन होगा। और पृथ्वी के सब जंगली जानवरों को, और आकाश के सब पक्षियों को, और पृथ्वी पर रेंगने वाली हर चीज़ को, जो अपने में जीव

की आत्मा रखती है, और सब हरी घास को भोजन के लिए, और ऐसा ही हुआ। और ईश्वर ने सब कुछ देखा, जितना उसने बनाया था, और देखो, बहुत अच्छा था, और शाम हुई, और सुबह हुई, छठा दिन।

2

और स्वर्ग और पृथ्वी पूर्ण किए गए, और उनका सम्पूर्ण संसार।

और परमेश्वर ने छठे दिन में अपने कार्यों को पूर्ण किया जो उसने किया, और सातवें दिन उसने अपने सब कार्यों से विश्राम किया जो उसने किया। और परमेश्वर ने सातवें दिन को आशीर्वाद दिया और उसे पवित्र किया, क्योंकि इस दिन उसने अपने सब कार्यों से विश्राम किया, जिन्हें परमेश्वर ने करना आरंभ किया था।

यह स्वर्ग और पृथ्वी की उत्पत्ति की पुस्तक है, जब यह हुआ, जिस दिन प्रभु परमेश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया। और खेत की हर हरी वनस्पति पृथ्वी पर होने से पहले, और खेत की सब घास उगने से पहले, क्योंकि परमेश्वर ने पृथ्वी पर वर्षा नहीं की थी, और मनुष्य भूमि पर काम करने के लिए नहीं था। लेकिन एक स्रोत पृथ्वी से ऊपर उठता था, और पृथ्वी की सारी सतह को सींचता था। और परमेश्वर ने मनुष्य को पृथ्वी की धूल से बनाया, और उसके चेहरे में जीवन की सांस फूँकी, और मनुष्य जीवित आत्मा बन गया।

और परमेश्वर ने पूर्व में एदेन में एक स्वर्ग लगाया, और वहाँ उस मनुष्य को रखा जिसको उसने बनाया था। और परमेश्वर ने धरती से हर पेड़ उगाया जो देखने में सुंदर और खाने में अच्छा था, और जीवन का पेड़ स्वर्ग के बीच में था, और अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ भी। एक नदी एदेन से निकलती है जो स्वर्ग को पानी देती है, और वहाँ से वह चार धाराओं में विभाजित हो जाती है। एक का नाम फीशोन है, यह वह है जो हवीला की सारी भूमि को घेरता है, जहाँ सोना है। उस पृथ्वी का सोना अच्छा है, और वहाँ लाल मणि है, और हरा पत्थर है। और दूसरी नदी का नाम गीहोन है, यह वह है जो इथियोपिया की सारी भूमि को घेरती है। और तीसरी नदी टाइग्रिस है, जो अश्शूरियों के सामने बहती है, और चौथी नदी यूफ्रेटीस है। और प्रभु ईश्वर ने उस मनुष्य को लिया जिसे उसने बनाया था, और उसे आनंद के स्वर्ग में रखा, उसे काम करने और रक्षा करने के लिए। और प्रभु ईश्वर ने आदम को आज्ञा दी, कहते हुए, स्वर्ग में हर पेड़ से तू खाकर खाएगा। लेकिन अच्छे और बुरे को जानने के पेड़ से,

तुम उसमें से नहीं खाओगे, और जिस दिन तुम उसमें से खाओगे, तुम निश्चित रूप से मर जाओगे।

और प्रभु परमेश्वर ने कहा, मनुष्य का अकेला रहना अच्छा नहीं है, हम उसके लिए उसके अनुसार एक सहायक बनाएं। और परमेश्वर ने पृथ्वी से मैदान के सब जंगली पशुओं को और आकाश के सब पक्षियों को बनाया, और उनको आदम के पास लाया, यह देखने के लिए कि वह उनको क्या बुलाएगा, और जो कुछ भी आदम ने किसी जीवित आत्मा को बुलाया, वही उसका नाम हुआ। और आदम ने सब पशुओं, और आकाश के सब पक्षियों, और खेत के सब जंगली जानवरों को नाम दिए, लेकिन आदम के लिए कोई उसके समान सहायक नहीं पाया गया। और परमेश्वर ने आदम पर गहरी नींद डाली, और वह सो गया, और उसने उसकी एक पसली ली, और उसकी जगह मांस भर दिया। और परमेश्वर ने उस पसली को, जो उसने आदम से ली थी, एक स्त्री बनाया, और उसे आदम के पास लाया। और आदम ने कहा, यह अब मेरी हड्डियों में से हड्डी है, और मेरे मांस में से मांस है। यह स्त्री कहलाएंगी, क्योंकि यह पुरुष में से ली गई है। इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़ेगा, और अपनी पत्नी से जुड़ेगा, और वे दोनों एक देह होंगे। और वे दोनों नग्न थे, आदम और उसकी स्त्री, और वे शर्मिंदा नहीं थे।

3

लेकिन सर्प पृथ्वी पर के सभी जंगली जानवरों में सबसे बुद्धिमान था, जिन्हें प्रभु परमेश्वर ने बनाया था, और सर्प ने स्त्री से कहा, क्या परमेश्वर ने कहा है कि तुम स्वर्ग के किसी भी वृक्ष से मत खाओ? और स्त्री ने सर्प से कहा, स्वर्ग के वृक्ष के फल से हम खाएंगे, परन्तु उस वृक्ष के फल से, जो स्वर्ग के बीच में है, परमेश्वर ने कहा, तुम उसमें से नहीं खाओगे, और न ही उसे छुओगे, ताकि तुम न मरो। और सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चित रूप से नहीं मरोगे, ईश्वर जानता था कि जिस दिन तुम उसे खाओगे, तुम्हारी आँखें खोली जाएंगी, और तुम देवताओं के समान हो जाओगे, अच्छे और बुरे को जानते हुए। और स्त्री ने देखा कि वह वृक्ष भोजन के लिए अच्छा है, और आँखों को देखने में प्रसन्न करने वाला है, और समझ प्राप्त करने के लिए सुंदर है, और उसने उसके फल में से लेकर खाया, और अपने पति को भी दिया जो उसके साथ था, और उन्होंने खाया। और दोनों की आँखें खुल गईं, और उन्होंने जाना कि वे नंगे थे, और उन्होंने अंजीर के पेड़ के पत्ते लिए, और अपने लिए लंगोटी बनाई। और उन्होंने प्रभु परमेश्वर की आवाज़ सुनी जो शाम को स्वर्ग में चल रहे थे, और आदम और उसकी स्त्री प्रभु परमेश्वर के चेहरे से स्वर्ग के पेड़ों के बीच में छिप गए। और प्रभु परमेश्वर ने

आदम को बुलाया, और उससे कहा, आदम तुम कहाँ हो? और उसने उससे कहा, मैंने स्वर्ग में चलते हुए तुम्हारी आवाज़ सुनी, और मैं डर गया क्योंकि मैं नग्न हूँ, और मैं छिप गया। और परमेश्वर ने उससे कहा, किसने तुम्हें बताया कि तुम नग्न हो? क्या तुमने उस वृक्ष से खाया, जिसके विषय में मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी कि केवल इससे मत खाना? और आदम ने कहा, जो स्त्री तूने मेरे साथ दी थी, उसने मुझे वृक्ष से दिया, और मैंने खाया। और प्रभु परमेश्वर ने स्त्री से कहा, यह तूने क्या किया? और स्त्री ने कहा, सर्प ने मुझे धोखा दिया, और मैंने खाया।

और प्रभु ईश्वर ने सर्प से कहा, क्योंकि तुमने यह किया है, तुम सब मवेशियों से और पृथ्वी के सब जंगली पशुओं से शापित हो। तुम अपनी छाती और पेट के बल चलोगे, और अपने जीवन के सब दिनों तक मिट्टी खाओगे। और मैं शत्रुता रखूंगा तेरे बीच और स्त्री के बीच, और तेरे बीज के बीच और उसके बीज के बीच; वह तेरे सिर को कुचलेगा, और तू उसकी एड़ी को कुचलेगा। और स्त्री से कहा, मैं तुम्हारे दुखों को और तुम्हारी कराह को बहुत बढ़ाऊंगा, तुम दुखों में बच्चों को जन्म दोगी, और तुम्हारा झुकाव तुम्हारे पति की ओर होगा, और वह तुम पर शासन करेगा। लेकिन आदम से कहा, कि तूने अपनी स्त्री की आवाज़ सुनी, और उस वृक्ष से खाया, जिसके विषय में मैंने तुझे आज्ञा दी थी कि केवल इससे मत खाना, तूने उससे खाया, तेरे कार्यों के कारण भूमि शापित है, तू दुखों में अपने जीवन के सब दिनों तक उसे खाएगा। कांटे और ऊँटकटारे तुम्हारे लिए उगेंगे, और तुम खेत की घास खाओगे। तेरे चेहरे के पसीने में तू अपनी रोटी खाएगा, जब तक तू उस धरती में नहीं लौट जाता जिससे तू लिया गया था, क्योंकि तू धरती है, और धरती में तू लौट जाएगा। और आदम ने अपनी स्त्री का नाम जीवन रखा, क्योंकि वह सब जीवितों की माता थी। और प्रभु परमेश्वर ने आदम और उसकी स्त्री के लिए चमड़े के वस्त्र बनाए, और उनको पहनाया।

और परमेश्वर ने कहा, देखो, आदम हममें से एक के समान हो गया है, अच्छे और बुरे को जानने में, और अब कहीं ऐसा न हो कि वह अपना हाथ बढ़ाए और जीवन के वृक्ष से ले और खाए, और सदा के लिए जीवित रहे। और प्रभु ईश्वर ने उसको विलास के स्वर्ग से बाहर भेजा, उस भूमि पर काम करने के लिए जिससे वह लिया गया था। और उसने आदम को निकाल दिया, और उसे विलासपूर्ण स्वर्ग के सामने बसाया, और करूबों को नियुक्त किया, और घूमती हुई ज्वलंत तलवार को, जीवन के वृक्ष के मार्ग की रक्षा करने के लिए।

Adam ने अपनी पत्नी Eve को जाना, और गर्भवती होकर उसने Cain को जन्म दिया, और कहा, मैंने परमेश्वर के द्वारा एक पुरुष को प्राप्त किया है। और उसने अपने भाई हाबिल को जन्म दिया, और हाबिल भेड़ों का चरवाहा बना, लेकिन कैन भूमि पर काम करता था। और कुछ दिनों के बाद ऐसा हुआ कि काइन पृथ्वी के फलों से प्रभु के लिए बलिदान लाया। और हाबिल भी अपनी भेड़ों के पहिलौठों में से और उनकी चर्बों में से लाया, और भगवान ने हाबिल और उसकी भेंटों पर कृपादृष्टि की। परन्तु काइन और उसके बलिदानों पर ध्यान नहीं दिया, और काइन अत्यधिक दुःखी हुआ, और उसका चेहरा गिर गया। और प्रभु परमेश्वर ने कैन से कहा, तुम इतने दुःखी क्यों हो गए, और तुम्हारा चेहरा क्यों उतर गया है? क्या यदि तुम सही तरह से अर्पित करो, लेकिन सही तरह से विभाजित न करो, तो तुमने पाप नहीं किया? शांत रहो, उसका रुख तुम्हारी ओर है, और तुम उस पर शासन करोगे।

और कैन ने अपने भाई हाबिल से कहा, चलो हम मैदान में जाएं। और ऐसा हुआ कि जब वे मैदान में थे, तो कैन अपने भाई हाबिल पर झपटा और उसे मार डाला। और प्रभु परमेश्वर ने कैन से कहा, तुम्हारा भाई हाबिल कहाँ है? और उसने कहा, मैं नहीं जानता, क्या मैं अपने भाई का रक्षक हूँ? और प्रभु ने कहा, तूने क्या किया है? तेरे भाई के खून की आवाज़ पृथ्वी से मेरी ओर चिल्ला रही है। और अब तू उस पृथ्वी से शापित है, जिसने अपना मुख खोला तेरे हाथ से तेरे भाई का रक्त प्राप्त करने के लिए। जब तू भूमि पर काम करेगा, तो वह अपनी शक्ति तुझे देने के लिए नहीं जोड़ेगी, और तू पृथ्वी पर कराहता और कांपता रहेगा। और काइन ने प्रभु परमेश्वर से कहा, मेरा दोष इतना बड़ा है कि मुझे क्षमा नहीं किया जा सकता। यदि तुम मुझे आज पृथ्वी के चेहरे से निकाल दोगे, और मैं तुम्हारे चेहरे से छिप जाऊंगा, और मैं पृथ्वी पर कराहता और कांपता रहूंगा, और हर वह जो मुझे पाएगा, मुझे मार डालेगा। और प्रभु परमेश्वर ने उससे कहा, नहीं, ऐसा नहीं, जो कोई कैन को मारेगा, उससे सात गुना बदला लिया जाएगा। और प्रभु परमेश्वर ने कैन पर एक चिन्ह लगाया, ताकि जो कोई उसे पाए वह उसे न मारे। कैन परमेश्वर के सामने से बाहर चला गया, और अदन के सामने नैद भूमि में बस गया।

और कैन ने अपनी पत्नी को जाना, और उसने गर्भ धारण करके हनोक को जन्म दिया। और वह एक नगर बना रहा था, और उसने उस नगर का नाम अपने पुत्र के नाम पर हनोक रखा। हनोक को गैदाद हुआ, और गैदाद ने महललेल को जन्म दिया, और महललेल ने मतूशेलह को जन्म दिया, और मतूशेलह ने लेमेक को जन्म दिया।

और लेमेक ने अपने लिए दो स्त्रियाँ लीं, एक का नाम अदा था, और दूसरी का नाम सिल्ला था। और अदा ने योबेल को जन्म दिया, यह तंबुओं में रहने वाले पशुपालकों का पिता था। और उसके भाई का नाम जुबल था, यह वह था जिसने सारंगी और वीणा का आविष्कार किया। सेल्ला ने भी तूबल को जन्म दिया, और वह कांस्य और लोहे का हथौड़ा मारने वाला लोहार था। और तूबल की बहन नोएमा थी। लेमेक ने अपनी पत्नियों अदा और सिल्ला से कहा, हे लेमेक की पत्नियों, मेरी आवाज़ सुनो, मेरे शब्दों पर कान लगाओ, क्योंकि मैंने एक पुरुष को मेरे घाव के लिए मारा है, और एक जवान को मेरी चोट के लिए। क्योंकि काइन से सात बार बदला लिया गया है, लेकिन लामेक से सत्तर बार सात।

आदम ने अपनी पत्नी हव्वा को जाना, और गर्भ धारण करके उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम सेठ रखा, यह कहते हुए, परमेश्वर ने मेरे लिए हाबिल की जगह दूसरी संतान दी है, जिसे काइन ने मार डाला था। और सेठ को एक पुत्र हुआ, और उसने उसका नाम एनोस रखा। इसने प्रभु परमेश्वर के नाम को पुकारने की आशा की।

5

यह मनुष्यों की उत्पत्ति की पुस्तक है, जिस दिन परमेश्वर ने आदम को बनाया, परमेश्वर की छवि के अनुसार उसने उसे बनाया, नर और मादा उसने उनको बनाया, और उसने उनको आशीर्वाद दिया, और उसने उनका नाम आदम रखा, जिस दिन उसने उनको बनाया। आदम दो सौ तीस वर्ष जीया, और उसने अपने रूप के अनुसार और अपनी छवि के अनुसार पुत्र उत्पन्न किया, और उसका नाम सेठ रखा। और आदम के वे दिन हुए, जो उसने सेठ को जन्म देने के बाद जिए, सात सौ वर्ष, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और आदम के सब दिन, जो उसने जीए, नौ सौ तीस वर्ष हुए, और वह मर गया। शेत पाँच सौ वर्ष जीया, और उसने एनोस को जन्म दिया। और शेत एनोस को जन्म देने के बाद सात सौ सात वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और शेत के सब दिन नौ सौ बारह वर्ष हुए, और वह मर गया। और एनोस सौ नब्बे वर्ष जीया, और उसने केनान को जन्म दिया। और एनोस केनान को जन्म देने के बाद सात सौ पंद्रह वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और एनोस के सब दिन पाँच वर्ष और नौ सौ हुए, और वह मर गया। और केनान सत्तर और सौ वर्ष जीया, और उसने महललेल को जन्म दिया। और केनान महललेल को जन्म देने के बाद सात सौ चालीस वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और केनान के सब दिन नौ सौ दस वर्ष हुए, और वह मर गया।

और महललेल एक सौ पैसठ वर्ष जीया, और उसने यारेद को जन्म दिया। और महललेल याpед को जन्म देने के बाद सात सौ तीस वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और महललेल के सब दिन आठ सौ पंचानवे वर्ष हुए, और वह मर गया। और यारेद एक सौ बासठ वर्ष जीया, और उसने हनोक को जन्म दिया। और यारेद हनोक को जन्म देने के बाद आठ सौ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और जारेद के सब दिन दो और साठ और नौ सौ वर्ष हुए, और वह मर गया। और हनोक एक सौ पैसठ वर्ष जीया, और उसने मतूशेलह को जन्म दिया। हनोक ने मतूशेलह को जन्म देने के बाद दो सौ वर्ष तक परमेश्वर को प्रसन्न किया, और उसने पुत्र और पुत्रियाँ उत्पन्न कीं। और हनोक के सब दिन पाँच और साठ और तीन सौ वर्ष हुए। और हनोक ने परमेश्वर को प्रसन्न किया, और वह नहीं पाया गया, क्योंकि परमेश्वर ने उसको उठा लिया। और मतूशेलह एक सौ सड़सठ वर्ष जीया, और उसने लेमेक को जन्म दिया। और मतूशेलह लेमेक को जन्म देने के बाद आठ सौ दो वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और मतूशेलह के सब दिन जो उसने जीए, नौ सौ उनसठ वर्ष हुए, और वह मर गया। और लेमेक एक सौ अट्ठासी वर्ष जीया, और उसने एक पुत्र को जन्म दिया। और उसने उसका नाम नूह रखा, यह कहते हुए कि यह हमें हमारे कार्यों से, हमारे हाथों की पीड़ाओं से, और उस पृथ्वी से विश्राम देगा जिसे प्रभु परमेश्वर ने शापित किया। और लेमेक नूह को जन्म देने के बाद पाँच सौ पैसठ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और लामेक के सब दिन सात सौ तिरपन वर्ष हुए, और वह मर गया। और नूह पाँच सौ वर्ष का था, और उसने तीन पुत्र उत्पन्न किए: शेम, हाम और याफेत।

6

और ऐसा हुआ जब लोग पृथ्वी पर अनेक होने लगे, और उनके पुत्रियाँ जन्मीं। परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्यों की पुत्रियों को देखा कि वे सुंदर हैं, और उन्होंने अपने लिए स्त्रियाँ ली, उन सब में से जिन्हें उन्होंने चुना। और प्रभु परमेश्वर ने कहा, मेरा आत्मा इन मनुष्यों में सदा के लिए नहीं रहेगा, क्योंकि वे मांस हैं, और उनके दिन सौ बीस वर्ष के होंगे। लेकिन वे दानव उन दिनों में पृथ्वी पर थे, और उसके बाद भी, जब परमेश्वर के पुत्र मनुष्यों की पुत्रियों के पास जाते थे, और उन्होंने उनके लिए संतान उत्पन्न की, वे ही दानव थे जो प्राचीन काल से थे, वे प्रसिद्ध लोग थे।

परन्तु प्रभु परमेश्वर ने देखा कि पृथ्वी पर मनुष्यों की दुष्टताएँ बढ़ गई थीं, और प्रत्येक व्यक्ति अपने हृदय में सदैव बुराई पर ही ध्यान लगाता है। और परमेश्वर ने विचार किया कि

उसने मनुष्य को पृथ्वी पर बनाया, और उसने सोचा। और ईश्वर ने कहा, मैं मनुष्य को, जिसे मैंने बनाया है, पृथ्वी के चेहरे से मिटा दूंगा, मनुष्य से लेकर पशु तक, और रेंगने वाली चीजों से लेकर आकाश के पक्षियों तक, क्योंकि मैं पछताया हूँ कि मैंने उन्हें बनाया।

नूह ने परमेश्वर प्रभु के सामने कृपा पाई। ये नूह की पीढ़ियाँ हैं। नूह एक धर्मी मनुष्य था, अपनी पीढ़ी में सिद्ध था, नूह परमेश्वर को प्रसन्न करता था। नूह ने तीन पुत्र उत्पन्न किए: शेम, हैम और जाफेथ। परमेश्वर के सामने पृथ्वी नष्ट हो गई थी, और पृथ्वी अन्याय से भर गई थी। और प्रभु परमेश्वर ने पृथ्वी को देखा, और वह नष्ट हो गई थी, क्योंकि सब देह ने पृथ्वी पर अपना मार्ग नष्ट कर दिया था। और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, सब मनुष्यों का समय मेरे सामने आ गया है, क्योंकि पृथ्वी उनके अन्याय से भर गई है, और देखो, मैं उनको और पृथ्वी को नष्ट करूंगा।

इसलिए अपने लिए चौकोर लकड़ियों से एक जहाज बनाओ, तुम जहाज में घोंसले बनाओगे, और तुम इसे अंदर और बाहर से राल से ढकोगे। और इस प्रकार तू जहाज बनाएगा: जहाज की लंबाई तीन सौ हाथ, और चौड़ाई पचास हाथ, और उसकी ऊँचाई तीस हाथ। एकत्रित करते हुए तुम जहाज बनाओगे, और ऊपर से एक हाथ में इसे पूरा करोगे। लेकिन जहाज का दरवाजा तुम बगल में बनाओगे। निचली, दूसरी और तीसरी मंजिल तुम इसे बनाओगे। मैं देखो, पृथ्वी पर जलप्रलय लाता हूँ, पानी लाता हूँ भूमि पर, ताकि सब प्राणियों को नष्ट कर दूँ, जिनमें जीवन की आत्मा है स्वर्ग के नीचे, और जितने भी पृथ्वी पर हैं, वे सब मर जाएँगे।

और मैं तुम्हारे साथ अपनी वाचा स्थापित करूंगा, और तुम जहाज में प्रवेश करोगे, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारी पत्नी, और तुम्हारे पुत्रों की पत्नियाँ तुम्हारे साथ। और सभी पशुओं में से, और सभी रेंगने वाले जीवों में से, और सभी जंगली जानवरों में से, और सभी प्राणियों में से दो-दो को तू जहाज में लाएगा, ताकि तू उन्हें अपने साथ जीवित रख सके; वे नर और मादा होंगे। सभी उड़ने वाले पक्षियों में से उनकी जाति के अनुसार, और सभी पशुओं में से उनकी जाति के अनुसार, और पृथ्वी पर रेंगने वाली सभी रेंगने वाली चीजों में से उनकी जाति के अनुसार, सब में से दो-दो तुम्हारे पास प्रवेश करेंगे ताकि तुम्हारे साथ पोषित हों, नर और मादा। तू लेकिन अपने लिए सब खाद्य पदार्थों में से जो खाओगे ले लेना, और अपने पास इकट्ठा कर लेना, और वह तुझे और उनको खाने के लिए होगा। और नूह ने वह सब कुछ किया जितना प्रभु परमेश्वर ने उसको आज्ञा दी थी, इस प्रकार उसने किया।

और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, तुम और तुम्हारा सारा घराना जहाज़ में प्रवेश करो, क्योंकि मैंने तुम्हें इस पीढ़ी में अपने सामने धर्मी देखा है। शुद्ध पशुओं में से अपने पास सात-सात नर और मादा लाओ, और अशुद्ध पशुओं में से दो-दो नर और मादा लाओ। और स्वर्ग के शुद्ध पक्षियों में से सात-सात नर और मादा, और सब अशुद्ध पक्षियों में से दो-दो नर और मादा, ताकि समस्त पृथ्वी पर बीज को बनाए रखा जाए। अभी सात दिनों के बाद मैं धरती पर वर्षा लाऊंगा, चालीस दिन और चालीस रातें, और मैं हर जीवित प्राणी को मिटा दूंगा जो मैंने बनाया है, सारी धरती के चेहरे से। और नूह ने सब कुछ किया, जितना प्रभु परमेश्वर ने उसको आज्ञा दी थी। नूह छः सौ वर्ष का था, और पृथ्वी पर जल का प्रलय आया। नूह और उसके पुत्र, और उसकी पत्नी, और उसके पुत्रों की पत्नियाँ उसके साथ जहाज़ में दाखिल हुए, जलप्रलय के पानी के कारण। और शुद्ध पक्षियों से, और अशुद्ध पक्षियों से, और शुद्ध पशुओं से, और अशुद्ध पशुओं से, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सभी जीवों से, दो-दो करके नूह के पास जहाज़ में प्रवेश किए, नर और मादा, जैसा परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी थी। और सात दिनों के बाद ऐसा हुआ, और जलप्रलय का जल पृथ्वी पर आ गया। नूह के जीवन के छः सौवें वर्ष में, दूसरे महीने की सत्ताईसवीं तारीख को, उस दिन अथाह गहराई के सभी झरने फूट पड़े और आकाश के जलद्वार खुल गए। और पृथ्वी पर चालीस दिन और चालीस रात बारिश हुई। इस दिन में नूह, शेम, हाम, याफेत जो नूह के पुत्र थे, और नूह की पत्नी, और उसके पुत्रों की तीन पत्नियाँ उसके साथ जहाज़ में प्रवेश किए। और सभी जंगली जानवर अपनी-अपनी जाति के अनुसार, और सभी पशु अपनी-अपनी जाति के अनुसार, और पृथ्वी पर चलने वाला हर रेंगने वाला प्राणी अपनी-अपनी जाति के अनुसार, और हर पक्षी अपनी-अपनी जाति के अनुसार, वे नूह के पास जहाज़ में प्रवेश किए, दो-दो नर और मादा, सभी प्राणियों में से, जिनमें जीवन की आत्मा है। और प्रवेश करने वाले नर और मादा सब प्राणियों में से प्रवेश किए, जैसा परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी थी, और प्रभु परमेश्वर ने जहाज़ को बाहर से बंद कर दिया।

और जलप्रलय चालीस दिन और चालीस रात पृथ्वी पर रहा, और जल बढ़ा, और उसने जहाज़ को उठाया, और वह पृथ्वी से ऊपर उठाया गया। और पानी प्रबल हुआ, और पृथ्वी पर बहुत बढ़ गया, और जहाज़ पानी के ऊपर तैरता रहा। और जल पृथ्वी पर बहुत अधिक बढ़ गया, और उसने सब ऊँचे पहाड़ों को ढक दिया जो आकाश के नीचे थे। पंद्रह हाथ ऊपर तक पानी ऊंचा हुआ, और उसने सभी ऊँचे पहाड़ों को ढक दिया। और पृथ्वी पर चलने वाला सब प्राणी मर गया - पक्षी, पशु, जंगली जानवर, पृथ्वी पर रेंगने वाले सब

जीव, और सब मनुष्य। और जितनों में जीवन की श्वास थी, और जो कुछ सूखी भूमि पर था, सब मर गया। और हर वह जीवित प्राणी जो पृथ्वी के चेहरे पर था, मनुष्य से लेकर पशु तक, और रेंगने वाली चीजें, और आकाश के पक्षी, सब मिटा दिए गए, और वे पृथ्वी से मिटा दिए गए, और केवल नूह और वे जो उसके साथ जहाज़ में थे, बचे रहे। और पानी पृथ्वी पर एक सौ पचास दिनों तक ऊंचा रहा।

8

और परमेश्वर ने नूह को, और सब जंगली जानवरों को, और सब पशुओं को, और सब पक्षियों को, और सब रेंगने वाले जीवों को जो रेंगते थे, जितने उसके साथ जहाज़ में थे, स्मरण किया, और परमेश्वर ने पृथ्वी पर हवा चलाई, और पानी रुक गया। और गहरे सागर के स्रोत ढक गए, और आकाश के बाद के द्वार बंद हो गए, और आकाश से वर्षा रुक गई। और पानी पृथ्वी से जाता हुआ घट रहा था, और पानी एक सौ पचास दिनों के बाद घट गया था। और जहाज़ सातवें महीने में, महीने के सत्ताईसवें दिन, अरारात के पहाड़ों पर टिक गया। लेकिन पानी दसवें महीने तक घटता रहा। और दसवें महीने के पहले दिन, पहाड़ों की चोटियाँ दिखाई दीं। और चालीस दिन के बाद ऐसा हुआ कि नूह ने जहाज़ की खिड़की खोली जो उसने बनाई थी। और उसने कौए को भेजा, और वह बाहर जाकर तब तक नहीं लौटा जब तक पृथ्वी से पानी सूख नहीं गया। और उसने कबूतर को अपने बाद भेजा, यह देखने के लिए कि क्या पृथ्वी से पानी घट गया था। और कबूतर को अपने पैरों के लिए विश्राम न मिलने पर, वह उसके पास जहाज़ में लौट आई, क्योंकि पृथ्वी के सारे धरातल पर पानी था, और उसने हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ लिया, और उसे अपने पास जहाज़ में ले आया। और सात दिन और रुककर, उसने फिर से कबूतर को जहाज़ से बाहर भेजा। और कबूतर शाम को उसके पास लौटी, और उसकी चोंच में जैतून के पेड़ का एक पत्ता था, और नूह ने जाना कि पृथ्वी से पानी घट गया था। और सात दिन और रुकने के बाद, उसने फिर से कबूतर को भेजा, और वह उसके पास वापस नहीं लौटा। और ऐसा हुआ कि नूह के जीवन के छह सौ एक वर्ष में, पहले महीने के पहले दिन, पृथ्वी से पानी समाप्त हो गया। और नूह ने जहाज़ की छत को खोला, जो उसने बनाई थी, और देखा कि पृथ्वी के चेहरे से पानी समाप्त हो गया था। और दूसरे महीने में, महीने के सत्ताईसवें दिन, भूमि सूख गई।

और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, तुम जहाज़ से बाहर निकलो, और तुम्हारी पत्नी, और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारे पुत्रों की पत्नियाँ तुम्हारे साथ, और सभी जंगली जानवर जो तुम्हारे साथ हैं, और सभी प्राणी - पक्षियों से लेकर पशुओं तक, और पृथ्वी पर चलने वाली हर

रेंगने वाली चीज़ - इन्हें अपने साथ बाहर लाओ। और पृथ्वी पर बढ़ो और गुणा करो। और नूह बाहर गया, और उसकी पत्नी, और उसके पुत्र, और उसके पुत्रों की पत्नियाँ उसके साथ, और सभी जंगली जानवर, और सभी पशु, और हर पक्षी, और पृथ्वी पर चलने वाली हर रेंगने वाली चीज़ अपनी-अपनी जाति के अनुसार जहाज़ से बाहर निकल गए।

और नूह ने प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और सब शुद्ध पशुओं में से और सब शुद्ध पक्षियों में से लिया, और वेदी पर होमबलि चढ़ाई। और प्रभु परमेश्वर ने सुगंध की सुवास सूंघी। और प्रभु परमेश्वर ने विचार करके कहा, मैं फिर कभी मनुष्यों के कार्यों के कारण भूमि को शाप नहीं दूंगा, क्योंकि मनुष्य का मन उसकी युवावस्था से ही बुराईयों पर सावधानीपूर्वक लगा रहता है। इसलिए मैं फिर कभी सभी जीवित प्राणियों को नहीं मारूंगा, जैसे मैंने किया। पृथ्वी के सभी दिनों में बीज और फसल, सर्दी और गर्मी, ग्रीष्म और वसंत, दिन और रात कभी बंद नहीं होंगे।

9

और परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को आशीर्वाद दिया, और उनसे कहा, बढ़ो और गुणा करो, और पृथ्वी को भरो, और उस पर अधिकार करो। और तुम्हारा कंपन और तुम्हारा भय पृथ्वी के सब जंगली जानवरों पर, आकाश के सब पक्षियों पर, और पृथ्वी पर चलने वाले सब प्राणियों पर, और समुद्र की सब मछलियों पर होगा; मैंने उन्हें तुम्हारे हाथों में दे दिया है। और हर रेंगने वाली जीवित चीज़ तुम्हारे लिए भोजन होगी, जैसे घास की सब्जियाँ, मैंने तुम्हें सब कुछ दिया है। परन्तु तुम प्राण सहित रक्त में मांस नहीं खाओगे। और क्योंकि तुम्हारे आत्माओं का रक्त, सब जंगली जानवरों के हाथ से मैं इसे मांग करूंगा, और मनुष्य भाई के हाथ से मैं मनुष्य की आत्मा को मांग करूंगा। जो मनुष्य का खून बहाता है, उसके खून के बदले में उसका खून बहाया जाएगा, क्योंकि ईश्वर की छवि में मैंने मनुष्य को बनाया। लेकिन तुम बढ़ो, और गुणा करो, और पृथ्वी को भरो, और इस पर अधिकार करो।

और परमेश्वर ने नूह से और उसके पुत्रों से, जो उसके साथ थे, कहा, और देखो, मैं अपनी वाचा तुम्हारे साथ और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंश के साथ स्थापित करता हूँ। और सभी जीवित प्राणियों के साथ जो तुम्हारे साथ हैं, पक्षियों से लेकर पशुओं तक, और पृथ्वी के सभी जंगली जानवरों तक, जितने भी तुम्हारे साथ हैं, उन सभी में से जो जहाज़ से निकले हैं। और मैं अपनी वाचा तुम्हारे साथ स्थापित करूंगा, और जलप्रलय के जल से सब देह फिर कभी नहीं मरेगा, और सारी पृथ्वी को नष्ट करने के लिए जल का जलप्रलय फिर कभी नहीं

होगा। और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, यह वाचा का चिह्न है, जो मैं अपने और तुम्हारे बीच, और तुम्हारे साथ रहने वाले सब जीवित प्राणियों के बीच, अनन्त पीढ़ियों के लिए देता हूँ। मेरा धनुष मैं बादल में रखता हूँ, और यह मेरे और पृथ्वी के बीच वाचा का निशान होगा। और ऐसा होगा कि जब मैं पृथ्वी पर बादलों को इकट्ठा करूँगा, तो बादल में धनुष दिखाई देगा। और मैं अपनी वाचा को याद करूँगा, जो मेरे और तुम्हारे बीच है, और सब जीवित प्राणियों के बीच जो सब देह में हैं, और पानी फिर कभी जलप्रलय नहीं बनेगा, ताकि सब देह को नष्ट कर दे। और मेरा धनुष बादल में होगा, और मैं देखूँगा कि मेरे और पृथ्वी के बीच शाश्वत वाचा को याद करूँ, और सब देह में जीवित प्राण के बीच, जो पृथ्वी पर है। और परमेश्वर ने नूह से कहा, यह उस वाचा का चिह्न है, जो मैंने अपने और पृथ्वी पर के सब प्राणियों के बीच स्थापित की है।

नूह के पुत्र थे जो जहाज़ से बाहर निकले थे - शेम, हाम, याफेत। और हाम कनान का पिता था। ये तीन नूह के पुत्र हैं, इन्हीं से सारी पृथ्वी पर लोग फैल गए। और नूह, जो पृथ्वी का किसान था, ने अंगूर का बगीचा लगाया। और उसने शराब पी, और नशे में हो गया, और अपने घर में नंगा हो गया। और हाम ने, जो कनान का पिता था, अपने पिता की नग्नता देखी, और बाहर निकलकर अपने दोनों भाइयों को बताया। और शेम और याफेत ने वस्त्र लिया, उसे अपने दोनों कंधों पर रखा, और पीछे की ओर चले, और अपने पिता की नग्नता को ढका, और उनका चेहरा पीछे की ओर था, और अपने पिता की नग्नता को उन्होंने नहीं देखा। नूह शराब से होश में आया, और उसे पता चला कि उसके छोटे बेटे ने उसके साथ क्या किया था। और उसने कहा, कनान शापित हो, वह अपने भाइयों का सेवक होगा। और उसने कहा, धन्य है प्रभु, शेम का परमेश्वर, और कनान उसका दास सेवक होगा। परमेश्वर याफेत को विस्तृत करे, और वह शेम के घरों में निवास करे, और कनान उसका सेवक हो।

नूह बाढ़ के बाद तीन सौ पचास वर्ष जीया। और नूह के सब दिन नौ सौ पचास वर्ष हुए, और वह मर गया।

10

ये नूह के पुत्रों शेम, हाम और याफेत की वंशावली है, और जलप्रलय के बाद उनके पुत्र उत्पन्न हुए।

याफेत के पुत्र: गोमेर, मागोग, मादै, यावान, एलीशा, तूबल, मेशेक और तीरस। और गोमेर के पुत्र: अशकनज, रिफत और तोगर्मा। और योवान के पुत्र: एलीशा, तार्शीश, किक्तीम और रोदानीम। इन से राष्ट्रों के द्वीप उनकी भूमि में अलग किए गए, प्रत्येक अपनी भाषा के अनुसार, अपने कुलों में, और अपने राष्ट्रों में।

हाम के पुत्र: कूश, और मिस्राइम, फूत, और कनान। धूल के पुत्र: शेबा, हवीला, सबाथा, रामाह और सबाथाका। रामाह के पुत्र: शेबा और ददान। धूल ने नेब्रोद को जन्म दिया, और उसने पृथ्वी पर दानव होना आरंभ किया। यह प्रभु परमेश्वर के सामने एक विशालकाय शिकारी था, इसलिए वे कहेंगे, जैसे निम्रोद, प्रभु के सामने विशालकाय शिकारी। और उसके राज्य का आरंभ बाबुल, ओरेख, अखद और खलन्ने में हुआ, जो शिनार की भूमि में थे। उस पृथ्वी से अशशूर बाहर गया, और उसने निनवे को बनाया, और रहोबोथ नगर को, और कालह को, और दासाह नीनवे और कालाह के बीच में है, यह महान शहर है। और मिस्राइम ने लूदीम, नफ्ताली, एनेमेतीम और लाबीम को जन्म दिया। और पत्रुसीम, और कसलूहीम, जहाँ से फिलिस्तीम निकले, और कफ्तोरीम। कनान ने सीदोन को, जो उसका पहलौठा था, उत्पन्न किया, और हित्ती को, और यबूसी, और एमोरी, और गिर्गाशी, और हिक्वी को, और अरुकाई को, और असेन्नाई को, और अरादियन, और सामरी, और अमाथी। और इसके बाद कनानियों के कबीले बिखर गए। और कनानियों की सीमाएँ सीदोन से गेरार और गाज़ा में आने तक, सदोम और गमोरा, अदमा और सबोईम होते हुए लाशा तक थीं। ये हाम के पुत्र हैं, उनकी जनजातियों में, उनकी भाषाओं के अनुसार, उनके प्रदेशों में, और उनके राष्ट्रों में।

और शेम को भी संतान उत्पन्न हुई, जो एबेर की सब संतानों का पिता था, और वह याफेत का भाई था जो बड़ा था। शेम के पुत्र: एलाम, अशशूर, अर्फक्षद, लूद, अराम और कैनान। और अराम के पुत्र: ऊज, ऊल, गातेर और मेशेक। और अर्फक्षद ने कैनान को जन्म दिया, और कैनान ने साला को जन्म दिया, और साला ने एबेर को जन्म दिया। और एबेर के दो पुत्र पैदा हुए, एक का नाम फालेग था, क्योंकि उसके दिनों में पृथ्वी विभाजित हुई थी, और उसके भाई का नाम येकतान था। जेकतान ने एल्मोदाद, सालेथ, सारमोथ और येराख को पैदा किया। और हदोर्, और अबीमाएल, और दिक्ला, और ओबाल, और अबीमाएल और शबा, और ओफीर, और यूडला, और योबाब, ये सब येकतान के पुत्र थे। और उनका निवास मस्सा से सफेरा तक था, जो पूर्व का पर्वत है। ये शेम के पुत्र हैं, उनकी जनजातियों में, उनकी भाषाओं के अनुसार, उनके प्रदेशों में, और उनके राष्ट्रों में। ये नूह के पुत्रों की

जनजातियाँ हैं, उनकी पीढ़ियों के अनुसार, उनके राष्ट्रों के अनुसार। इन्हीं से जलप्रलय के बाद पृथ्वी पर राष्ट्रों के द्वीप बिखर गए।

11

और सारी पृथ्वी की एक ही भाषा थी, और सबकी एक ही बोली थी। और ऐसा हुआ कि जब वे पूर्व से चले, तो उन्होंने शिनार की भूमि में एक मैदान पाया, और वहाँ बस गए। और एक आदमी ने अपने पड़ोसी से कहा, आओ हम ईंटें बनाएं और उन्हें आग में पकाएं, और उनके लिए ईंट पत्थर बन गई, और डामर उनके लिए मिट्टी का काम करता था। और उन्होंने कहा, आओ, हम अपने लिए एक शहर और एक मीनार बनाएं, जिसका शिखर स्वर्ग तक पहुंचे, और हम अपने लिए एक नाम बनाएं, इससे पहले कि हम सारी पृथ्वी के चेहरे पर बिखर जाएं। और प्रभु उस शहर और मीनार को देखने के लिए नीचे गए, जिसे मनुष्यों के पुत्रों ने बनाया था। और प्रभु ने कहा, देखो, एक ही जाति है और सबकी एक ही भाषा है, और उन्होंने यह करना आरंभ किया है, और अब जो कुछ भी वे करने का प्रयास करेंगे, वह उनसे असफल नहीं होगा। आओ, और नीचे आकर हम वहाँ उनकी भाषा को भ्रमित कर दें, ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपने पड़ोसी की आवाज़ न सुन सके। और प्रभु ने उन्हें वहाँ से समस्त पृथ्वी के चेहरे पर तितर-बितर कर दिया, और उन्होंने नगर और मीनार बनाना बंद कर दिया। इस कारण उसका नाम भ्रम रखा गया, क्योंकि वहाँ प्रभु ने सारी पृथ्वी की भाषाओं को भ्रमित कर दिया, और वहाँ से प्रभु ने उन्हें सारी पृथ्वी के चेहरे पर बिखर दिया।

और ये शेम की पीढ़ियाँ हैं, और शेम सौ वर्ष का था, जब उसने अर्फक्षद को जन्म दिया, जलप्रलय के दूसरे वर्ष में। और शेम अर्फक्षद को जन्म देने के बाद पाँच सौ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और अर्फक्षद सौ पैंतीस वर्ष जीया, और उसने केनान को जन्म दिया। और अर्फक्षद केनान को जन्म देने के बाद चार सौ वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और केनान एक सौ तीस वर्ष जीवित रहा, और उसने साला को जन्म दिया, और केनान साला को जन्म देने के बाद तीन सौ तीस वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और साला सौ तीस वर्ष जीया, और उसने एबेर को जन्म दिया। और साला एबेर को जन्म देने के बाद तीन सौ तीस वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और एबेर सौ चौतीस वर्ष जीया, और उसने फेलैग को जन्म दिया। और एबेर फालैग को जन्म देने के बाद दो सौ सत्तर वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और फालैग एक सौ तीस वर्ष जीया, और उसने रगौ

को जन्म दिया। और फालेग रागाऊ को जन्म देने के बाद दो सौ नौ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और रगौ सौ बत्तीस वर्ष जीया, और उसने सरूक को जन्म दिया। और रगऊ सेरूख को जन्म देने के बाद दो सौ सात वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और सरूग सौ तीस वर्ष जीया, और उसने नाहोर को जन्म दिया। और सरूग नाहोर को जन्म देने के बाद दो सौ वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्र और पुत्रियाँ उत्पन्न कीं, और वह मर गया। और नाहोर एक सौ उनासी वर्ष जीया, और उसने तेरह को जन्म दिया। और नाहोर जीया, तेरह को जन्म देने के बाद, सौ पच्चीस वर्ष, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और थारा सत्तर वर्ष जीया, और उसने अब्राम को, नाहोर को, और हारान को उत्पन्न किया।

ये तेरह की वंशावली है। तेरह ने अब्राम, नाहोर और हारान को जन्म दिया, और हारान ने लूत को जन्म दिया। और हारान अपने पिता तेरह के सामने उस भूमि में मर गया जहाँ वह पैदा हुआ था, कसदियों की भूमि में। और अब्राम और नाहोर ने अपने लिए पत्नियाँ लीं। अब्राम की पत्नी का नाम सारा था, और नाहोर की पत्नी का नाम मिल्का था, जो हारान की पुत्री थी, और हारान मिल्का का पिता था, और इस्का का पिता था। और साराई बाँझ थी और वह संतान उत्पन्न नहीं करती थी। और तेरह ने अपने पुत्र अब्राम को, और हारान के पुत्र लूत को जो उसके पोते थे, और अपनी बहू सारै को जो उसके पुत्र अब्राम की पत्नी थी, लिया, और उनको कसदियों के देश से निकाला, कनान की भूमि में जाने के लिए, और वे हारान तक आए, और वहाँ बस गए। और तेरह के सब दिन हारान की भूमि में दो सौ पाँच वर्ष हुए, और तेरह हारान में मरा।

12

और प्रभु ने अब्राम से कहा, अपनी भूमि से, अपने कुटुम्ब से, और अपने पिता के घर से निकल जा, और उस भूमि में आ जो मैं तुझे दिखाऊंगा। और मैं तुझे एक महान राष्ट्र बनाऊंगा, और तुझे आशीर्वाद दूंगा, और तेरे नाम को बड़ा करूंगा, और तू आशीर्वादित होगा। और मैं उन्हें आशीर्वाद दूंगा जो तुम्हें आशीर्वाद देते हैं, और उन्हें शाप दूंगा जो तुम्हें शाप देते हैं, और तुम में पृथ्वी के सब कुल आशीर्वादित किए जाएंगे। और अब्राम चला गया, जैसा प्रभु ने उससे कहा था, और लोत उसके साथ गया, अब्राम पचहत्तर वर्ष का था, जब वह हारान से निकला। और अब्राम ने अपनी पत्नी सारै को, और अपने भाई के पुत्र लोत को, और उनकी सब संपत्तियाँ जो उन्होंने अर्जित की थीं, और सब प्राणी जो उन्होंने अर्जित किए थे, हारान से लिया, और कनान की भूमि में जाने के लिए निकले। और अब्राम ने उस

भूमि की लंबाई में यात्रा की, शकेम के स्थान तक, ऊंचे बांज के पेड़ तक, और कनानी उस समय उस भूमि में रहते थे। और प्रभु अब्राहम को प्रकट हुए, और उससे कहा, तेरे वंश को मैं यह भूमि दूंगा, और अब्राहम ने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, जो उसको प्रकट हुए थे। और वह वहाँ से बेथेल के पूर्व में पहाड़ की ओर चला गया, और उसने वहाँ अपना तंबू लगाया, बेथेल पश्चिम में और अंगे पूर्व में, और उसने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और प्रभु के नाम पर पुकारा। और अब्राहम प्रस्थान किया, और जाकर जंगल में डेरा डाला।

और भूमि पर अकाल पड़ा, और अब्राहम मिस्र में निवास करने के लिए वहाँ गया, क्योंकि भूमि पर अकाल बलवान हो गया था। और ऐसा हुआ कि जब अब्राहम मिस्र में प्रवेश करने के निकट आया, तो अब्राहम ने अपनी पत्नी सारै से कहा, मैं जानता हूँ कि तू सुंदर मुख वाली स्त्री है। इसलिए जब मिस्री तुम्हें देखेंगे, तो वे कहेंगे कि यह उसकी स्त्री है, और वे मुझे मार डालेंगे, लेकिन तुम्हें बचाएंगे। मैंने इसलिए कहा कि मैं उसकी बहन हूँ, ताकि तुम्हारे कारण मेरे साथ अच्छा हो, और तुम्हारे कारण मेरी आत्मा जीवित रहे। यह हुआ कि जब अब्राहम मिस्र में प्रवेश किया, मिस्रवासियों ने उसकी पत्नी को देखा कि वह बहुत सुंदर थी। और फ़िरौन के शासकों ने उसे देखा, और उन्होंने फ़िरौन के सामने उसकी प्रशंसा की, और उसे फ़िरौन के घर में ले गए। और अब्राहम के साथ उसके कारण अच्छा व्यवहार किया गया, और उसे भेड़ें, और बछड़े, और गधे, और सेवक, और दासियाँ, और खच्चर, और ऊँट मिले। और ईश्वर ने फ़िरौन को महान और भयंकर विपत्तियों से पीड़ित किया, और उसके घर को भी, अब्राहम की पत्नी सारै के विषय में। फ़िरौन ने अब्राहम को बुलाकर कहा, तूने मुझे यह क्या किया, कि तूने मुझे नहीं बताया कि वह तेरी पत्नी है? तुमने क्यों कहा कि वह मेरी बहन है? और मैंने उसे अपनी पत्नी बना लिया, और अब देखो, तुम्हारी पत्नी तुम्हारे सामने है, उसे लेकर चले जाओ। और फ़िरौन ने पुरुषों को अब्राहम के विषय में आदेश दिया कि उसे, और उसकी पत्नी को, और जो कुछ उसके पास था सब कुछ, भेज दें।

13

अब्राहम मिस्र से ऊपर गया, वह और उसकी पत्नी, और उसका सब कुछ, और लोत उसके साथ, रेगिस्तान में। अब्राहम अत्यधिक धनी था - पशुधन, चांदी और सोने में। और वह वहाँ से गया जहाँ से वह आया था, रेगिस्तान में बेतेल तक, उस स्थान तक जहाँ पहले उसका तंबू था, बेतेल और अंगाई के बीच में, उस वेदी के स्थान में, जहाँ उसने आरंभ में बनाया था, और वहाँ अब्राहम ने प्रभु के नाम को पुकारा। और लूत के पास, जो अब्राहम के साथ यात्रा कर रहा था, भेड़ें, बैल और तंबू थे। और वह भूमि उनको एक साथ निवास करने के लिए पर्याप्त

नहीं थी, क्योंकि उनकी संपत्ति बहुत थी, और वह भूमि उनको एक साथ निवास करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। और अब्राहम के पशुओं के चरवाहों और लोत के पशुओं के चरवाहों के बीच लड़ाई हुई, और कनानी और परिज्जी उस समय उस भूमि में रहते थे। अब्राहम ने लोत से कहा, मेरे और तुम्हारे बीच लड़ाई न हो, और मेरे चरवाहों और तुम्हारे चरवाहों के बीच भी न हो, क्योंकि हम भाई हैं। क्या सारी भूमि तुम्हारे सामने नहीं है? मुझसे अलग हो जाओ। यदि तुम बाईं ओर जाओगे, तो मैं दाईं ओर जाऊंगा, और यदि तुम दाईं ओर जाओगे, तो मैं बाईं ओर जाऊंगा। और लूत ने अपनी आँखें उठाकर यर्दन के सम्पूर्ण क्षेत्र को देखा कि वह सब सींचा हुआ था, इससे पहले कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट किया, जैसे परमेश्वर का स्वर्ग और जैसे मिस्र की भूमि सोअर तक। और लूत ने अपने लिए यर्दन का सारा आसपास का क्षेत्र चुना, और लूत पूर्व से चला गया, और वे प्रत्येक अपने भाई से अलग हो गए। अब्राहम ने कनान की भूमि में निवास किया, लेकिन लोत ने आसपास के क्षेत्र के नगर में निवास किया, और सदोम में तंबू लगाया। लेकिन वे लोग जो सदोम में थे, परमेश्वर के सामने अत्यधिक दुष्ट और पापी थे। और परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, लोत के उससे अलग होने के बाद, अपनी आँखें उठाओ और उस स्थान से जहाँ तुम अब हो, उत्तर और दक्षिण और पूर्व और समुद्र की ओर देखो, क्योंकि सारी भूमि जो तू देखता है, वह मैं तुझे दूँगा और तेरे वंश को युगों तक। और मैं तुम्हारे वंश को पृथ्वी की रेत के समान बनाऊँगा, यदि कोई पृथ्वी की रेत को गिन सकती है, तो तुम्हारा वंश भी गिना जाएगा। उठो और इस भूमि को उसकी लंबाई और चौड़ाई में पार करो, क्योंकि मैं इसे तुम्हें और तुम्हारे वंश को सदा के लिए दूँगा। और अपना तंबू हटाकर अब्राहम आया और माप्रे के बलूत के पास बसा, जो हेब्रोन में था, और उसने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई।

14

यह हुआ कि अमारफाल जो शिनार का राजा था, और अरियोक जो एल्लासार का राजा था, खेदोर्लाओमेर जो एलाम का राजा था, और तिदाल जो राष्ट्रों का राजा था, इनके राज्यकाल में उन्होंने बल्ला सदोम के राजा के साथ, बरसा गमोर्ला के राजा के साथ, सेनार अदामा के राजा के साथ, सुमोबोर सेबोर्डम के राजा के साथ, और बालाक राजा के साथ युद्ध किया; यह सेगोर है। ये सभी नमकीन घाटी पर सहमत हुए, यह नमक का समुद्र है। बारह वर्ष तक उन्होंने केदोर्लाओमेर की सेवा की, लेकिन तेरहवें वर्ष में उन्होंने विद्रोह कर दिया। चौदहवें वर्ष में खेदोर्लाओमेर और उसके साथ के राजा आए, और उन्होंने अशतारोत में के दानवों को और कर्नाईम को काट डाला, और उनके साथ ही शक्तिशाली जातियों को, और साऊ नगर में के ओम्माई लोगों को। और होराइयों को सेईर के पहाड़ों में, पारान के

तेरेबिन्थ तक, जो जंगल में है। और लौटकर वे न्याय के स्रोत पर आए, यह कादेश है, और उन्होंने अमालेक के सभी शासकों को काट डाला, और हसासोनथामार में निवास करने वाले अमोरियों को भी। और सदोम का राजा, अमोरा का राजा, अदमा का राजा, सबोर्ड का राजा, और बालाक का राजा, जो सोअर है, बाहर गए, और उन्होंने नमकीन घाटी में उनके विरुद्ध युद्ध के लिए व्यूह रचा। खेदोर्लाओमेर जो एलाम का राजा था, और तिदाल जो राष्ट्री का राजा था, और अम्राफेल जो शिनार का राजा था, और अर्योक जो एल्लासार का राजा था, ये चार राजा उन पाँच के विरुद्ध थे। वह नमकीन घाटी में डामर के कुएँ थे, लेकिन सदोम का राजा और अमोरा का राजा भागे, और वहाँ गिर गए, और जो बचे हुए थे वे पहाड़ी इलाके में भाग गए। उन्होंने सदोम और गमोरा के सभी घोड़े और उनका सारा भोजन लिया, और चले गए। उन्होंने लूत को भी लिया, जो अब्राम के भाई का पुत्र था, और उसका सामान, और चले गए, क्योंकि वह सदोम में निवास करता था।

बचाए गए लोगों में से कोई व्यक्ति पहुँचा और इब्री अब्राम को सूचना दी। वह अमोरी मग्रे के बलूत के पास रहता था, जो एशकोल का भाई था, और औनान का भाई था। ये अब्राम के सहयोगी थे। सुनकर अब्राम ने कि उसका भाई लोत बंदी बनाया गया था, अपने घर में जन्मे तीन सौ अठारह सेवकों को गिना, और उनका पीछा करते हुए दान तक गया। और रात को वह स्वयं और उसके सेवकों ने उन पर धावा बोला, और उन्हें मारा, और होबा तक उनका पीछा किया, जो दमिश्क के बाई ओर है। और उसने सदोम के सभी घोड़े वापस लाए, और अपने भतीजे लूत को वापस लाया, और उसकी सभी संपत्ति, और स्त्रियों को, और लोगों को। सदोम का राजा उससे मिलने के लिए बाहर गया, जब वह खेदोर्लाओमेर और उसके साथ के राजाओं को मारकर लौटा, सावे की घाटी में, जो राजाओं का मैदान था।

और सालेम का राजा मेल्खिसेदेक रोटियाँ और दाखरस बाहर लाया, और वह सर्वोच्च परमेश्वर का पुजारी था। और उसने अब्राम को आशीर्वाद दिया, और कहा, धन्य है अब्राम सर्वोच्च परमेश्वर के द्वारा, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि की। और धन्य है सर्वोच्च परमेश्वर, जिसने तेरे शत्रुओं को तेरे अधीन कर दिया, और अब्राम ने उसे सब में से दशमांश दिया। सदोम के राजा ने अब्राम से कहा, पुरुषों को मुझे दे दो, और घोड़ा अपने लिए ले लो। अब्राम ने सदोम के राजा से कहा, मैं अपना हाथ सर्वोच्च परमेश्वर कुपिओस की ओर फैलाऊंगा, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया, यदि धागे से लेकर जूते के फीते तक मैं तुम्हारी सभी चीजों में से कुछ भी लूँ, तो तुम यह न कह सको कि मैंने अब्राम को धनवान बनाया। सिवाय उसके जो युवा पुरुषों ने खाया, और उन पुरुषों के हिस्से के जो मेरे साथ गए थे - एशकोल, औनान, मामरे, ये अपना हिस्सा लेंगे।

इन शब्दों के बाद प्रभु का वचन अब्राम के पास दर्शन में आया, और कहा, हे अब्राम, मत डर, मैं तेरी ढाल हूँ, तेरा प्रतिफल बहुत बड़ा होगा। अब्राम कहता है, हे स्वामी प्रभु, तू मुझे क्या देगा? मैं तो निःसंतान जा रहा हूँ, और मेरे घर का पुत्र, यह दमिश्क का एलीएज़र, मासेक का है। और अब्राम ने कहा, चूंकि तूने मुझे संतान नहीं दी है, इसलिए मेरे घर में जन्मा सेवक मेरा उत्तराधिकारी होगा। और तुरंत प्रभु की आवाज़ उसके पास आई, जो कह रही थी, यह तुम्हारा उत्तराधिकारी नहीं होगा, बल्कि जो तुमसे निकलेगा, वही तुम्हारा उत्तराधिकारी होगा। उसे बाहर ले गया, और उससे कहा, आकाश की ओर देखो, और तारों को गिनो, यदि तुम उन्हें गिन सकते हो, और कहा, इस प्रकार तुम्हारा वंश होगा। और अब्राम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता में गिना गया। उसने उससे कहा, मैं वह ईश्वर हूँ जो तुझे कसदियों के देश से निकाल लाया, ताकि तुझे यह भूमि विरासत में दूँ। और उसने कहा, स्वामी प्रभु, मैं कैसे जानूँगा कि मैं इसे विरासत में पाऊँगा? उसने उससे कहा, मेरे लिए तीन साल की एक बछिया, तीन साल की एक बकरी, तीन साल का एक मेढ़ा, एक फाख्ता और एक कबूतर ले आओ। उसने ये सब लिया, और उनको बीच में विभाजित किया, और उनको एक दूसरे के सामने रखा, लेकिन पक्षियों को विभाजित नहीं किया। लेकिन पक्षी शरीरों पर, उनके टुकड़ों पर आ गए, और अब्राम उनके साथ बैठ गया। सूर्यास्त के समय अब्राम पर समाधि छा गई, और देखो, एक महान अंधकारमय भय उन पर गिरने लगा। और अब्राम से कहा गया, निश्चित रूप से तुम जानोगे कि तुम्हारा वंश एक ऐसी भूमि में प्रवासी होगा जो उनकी अपनी नहीं है, और वे उन्हें गुलाम बनाएंगे, और उनके साथ दुर्व्यवहार करेंगे, और उन्हें नम्र करेंगे, चार सौ वर्षों तक। परन्तु जिस राष्ट्र की वे सेवा करेंगे, उसका न्याय मैं करूँगा, और इसके बाद वे बहुत सारे सामान के साथ यहाँ से निकलेंगे। लेकिन तू अपने पितरों के पास शांति में जाएगा, अच्छे बुढ़ापे में पाला-पोसा गया। चौथी पीढ़ी में वे यहाँ लौट आएंगे, क्योंकि एमोरियों के पाप अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। चूंकि सूरज पश्चिम की ओर हुआ, लौ प्रकट हुई, और देखो, एक धुआं करती हुई भट्टी और आग की मशालें, जो इन विभाजित टुकड़ों के बीच से गुजरीं। उस दिन प्रभु ने अब्राम के साथ वाचा बाँधी और कहा, मैं तुम्हारे वंश को यह भूमि दूँगा, मिस्र की नदी से लेकर महान नदी फरात तक। केनाइयों, केनिज़ाइयों और कदमोनाइयों को, और हितियों, और परिज्जियों, और रपाइयों, और अमोरियों, और कनानियों, और हिव्वियों, और गिर्गाशियों, और यबूसियों को।

Sarai, Abram की पत्नी, उसके लिए संतान नहीं जन्माई थी, लेकिन उसकी एक मिस्री दासी थी, जिसका नाम Hagar था। और सारै ने अब्राम से कहा, देखो, प्रभु ने मुझे संतान उत्पन्न करने से रोक दिया है, इसलिए तुम मेरी दासी के पास जाओ, ताकि मैं उससे संतान प्राप्त कर सकूँ। और अब्राम ने सारै की आवाज़ सुनी। और अब्राम की पत्नी सारा ने अपनी मिस्री दासी हाजिरा को लेकर, अब्राम के कनान देश में निवास करने के दस वर्ष बाद, उसे अपने पति अब्राम को पत्नी के रूप में दे दिया। और वह हाजिरा के पास गया, और उसने गर्भ धारण किया, और उसने देखा कि वह गर्भवती है, और मालकिन उसकी नज़र में अपमानित हुई। सारै ने अब्राम से कहा, मेरे साथ तुम्हारी ओर से अन्याय हुआ है। मैंने अपनी दासी को तुम्हारी गोद में दिया था, लेकिन जब उसने देखा कि वह गर्भवती है, तो मैं उसके सामने अपमानित हुई। परमेश्वर मेरे और तुम्हारे बीच न्याय करे। अब्राम ने सारै से कहा, देखो, तुम्हारी दासी तुम्हारे हाथों में है, उसके साथ वैसा करो जैसा तुम्हें अच्छा लगे। और सारा ने उसे सताया, और वह उसके सामने से भाग गई।

प्रभु के दूत ने उसे जंगल में पानी के झरने के पास पाया, शूर के मार्ग में झरने के पास। और प्रभु के दूत ने उससे कहा, हागार, सारै की दासी, तू कहाँ से आती है? और कहाँ जाती है? और उसने कहा, मैं अपनी स्वामिनी सारै के चेहरे से भाग रही हूँ। प्रभु के दूत ने उससे कहा, अपनी मालकिन के पास लौट जा, और उसके हाथों के नीचे विनम्र हो जा। और प्रभु के स्वर्गदूत ने उससे कहा, मैं तुम्हारे वंश को बहुत बढ़ाऊँगा, और वह बहुतायत के कारण गिना नहीं जा सकेगा। और प्रभु के दूत ने उससे कहा, देखो, तुम गर्भवती हो, और तुम एक पुत्र को जन्म दोगी, और तुम उसका नाम इश्माएल रखोगी, क्योंकि प्रभु ने तुम्हारे दुख को सुना है। यह एक जंगली आदमी होगा, उसके हाथ सबके ऊपर होंगे, और सबके हाथ उसके ऊपर होंगे, और वह अपने सभी भाइयों के सामने निवास करेगा। और उसने प्रभु का नाम पुकारा जो उससे बोल रहा था, तू वह परमेश्वर है जो मुझे देखता है, क्योंकि उसने कहा, क्योंकि मैंने यहाँ उसे देखा जो मुझ पर प्रकट हुआ। इस कारण उसने उस कुँए को बुलाया, वह कुआँ जो सामने देखा गया, देखो कादेश के बीच और बाराद के बीच। और हागार ने अब्राम को एक पुत्र जन्म दिया, और अब्राम ने अपने पुत्र का नाम, जो हागार ने उसे जन्म दिया था, इश्माएल रखा। अब्राम छियासी वर्ष का था, जब हाजिरा ने अब्राम के लिए इश्माएल को जन्म दिया।

और अब्राहम नित्यानवे वर्ष का हुआ। और प्रभु अब्राहम को प्रकट हुए, और उससे कहा, मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मेरे सामने प्रसन्न कर, और निर्दोष बन। और मैं अपनी वाचा मेरे और तेरे बीच स्थापित करूँगा, और तुझे अत्यधिक बढ़ाऊँगा। और अब्राहम अपने चेहरे के बल गिर पड़ा। और परमेश्वर ने उससे कहा, और मैं, देखो, मेरी वाचा तुम्हारे साथ है, और तुम अनेक जातियों के पिता होगे। और अब तुम्हारा नाम अब्राहम नहीं बुलाया जाएगा, लेकिन तुम्हारा नाम अब्राहम होगा, क्योंकि मैंने तुम्हें बहुत राष्ट्रों का पिता नियुक्त किया है। और मैं तुम्हें अत्यधिक बढ़ाऊँगा, और तुम्हें राष्ट्रों में बनाऊँगा, और राजा तुमसे निकलेंगे। और मैं अपनी वाचा तुम्हारे और तुम्हारे बीज के बीच, तुम्हारे साथ उनकी पीढ़ियों में स्थापित करूँगा, एक शाश्वत वाचा के रूप में, कि मैं तुम्हारा और तुम्हारे साथ तुम्हारे बीज का परमेश्वर होऊँ। और मैं तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को वह भूमि दूँगा जिसमें तू परदेशी होकर रहता है, अर्थात् कनान की सारी भूमि, अनन्त अधिकार के लिए, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। और परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, लेकिन तू मेरी वाचा को बनाए रखेगा, तू और तेरे बाद तेरा वंश उनकी पीढ़ियों तक। और यह वह वाचा है, जो तुम रखोगे मेरे और तुम्हारे बीच, और तुम्हारे बीज के बीच तुम्हारे साथ उनकी पीढ़ियों में, तुम्हारा हर पुरुष खतना किया जाएगा। और तुम अपनी चमड़ी के मांस का खतना करोगे, और यह मेरे और तुम्हारे बीच वाचा का निशान होगा। और आठ दिन के बच्चे का खतना किया जाएगा तुम्हारे बीच, तुम्हारी पीढ़ियों में हर नर का, चाहे वह घर में जन्मा हो या किसी पराए से चांदी से खरीदा गया हो, जो तुम्हारे वंश से नहीं है, तुम्हारे घर में जन्मे और चांदी से खरीदे गए का खतना अवश्य किया जाएगा, और मेरी वाचा तुम्हारे मांस पर शाश्वत वाचा के रूप में होगी। और वह खतनारहित पुरुष, जिसका अग्रचर्म का मांस आठवें दिन खतना नहीं किया जाएगा, वह आत्मा अपनी जाति से नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि उसने मेरी वाचा तोड़ दी है। और परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, सारै तुम्हारी स्त्री, उसका नाम सारै नहीं बुलाया जाएगा, सारा होगा उसका नाम। मैं उसे आशीर्वाद दूँगा, और तुम्हें उससे एक बच्चा दूँगा, और मैं उसे आशीर्वाद दूँगा, और वह राष्ट्रों में होगा, और उससे राष्ट्रों के राजा होंगे। और अब्राहम अपने चेहरे के बल गिरा, और हँसा, और उसने अपने मन में कहा, क्या सौ वर्ष के व्यक्ति को पुत्र होगा? और क्या सारा नब्बे वर्ष की उम्र में जन्म देगी? अब्राहम ने परमेश्वर से कहा, यह इश्माएल तुम्हारे सामने जीवित रहे। परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, हाँ, देखो, तुम्हारी पत्नी सारा तुम्हें एक पुत्र जन्म देगी, और तुम उसका नाम इसहाक रखोगे, और मैं उसके साथ अपनी वाचा स्थापित करूँगा, एक शाश्वत वाचा के रूप में, उसके और उसके बाद उसके वंश के लिए परमेश्वर बनने के लिए। इश्माएल के बारे में, देखो, मैंने तुम्हारी सुनी है, और देखो, मैंने उसे आशीर्वाद दिया है, और मैं उसे बढ़ाऊँगा, और मैं उसे बहुत गुणा करूँगा। वह बारह राष्ट्रों को उत्पन्न करेगा, और मैं उसे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। परन्तु मैं अपनी वाचा इसहाक के साथ स्थापित करूँगा, जिसे सारा तुम्हारे लिए

इस समय में, अगले वर्ष में जन्म देगी। और जब वह उससे बोल चुके, तो परमेश्वर अब्राहम के पास से ऊपर चले गए।

और अब्राहम ने अपने पुत्र इश्माएल को, और अपने सब घर में जन्मे सेवकों को, और चांदी से खरीदे गए सब लोगों को, और अब्राहम के घर के पुरुषों में से हर एक नर को लिया, और उसी दिन के समय में उनकी खलड़ी का खतना किया, जैसा परमेश्वर ने उससे कहा था। अब्राहम निन्यानवे वर्ष के थे, जब उन्होंने अपनी खलड़ी के मांस का खतना किया। इश्माएल, उसका पुत्र, तेरह वर्ष का था जब उसकी चमड़ी के मांस का खतना किया गया। उस दिन के समय में अब्राहम का खतना किया गया, और उसके पुत्र इश्माएल का भी, और उसके घर के सब पुरुष, और उसके घर में जन्मे लोग, और विदेशी राष्ट्रों से चांदी से खरीदे गए लोग।

18

परमेश्वर उसको ममरे के बांज वृक्ष के पास दिखाई दिए, जब वह दोपहर के समय अपने तम्बू के द्वार पर बैठा हुआ था। उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर देखा, और देखो, तीन पुरुष उसके सामने खड़े थे, और उन्हें देखकर, वह अपने तम्बू के द्वार से उनसे मिलने के लिए दौड़ा, और भूमि पर प्रणाम किया। और उसने कहा, हे प्रभु, यदि मैंने आपके सामने कृपा पाई है, तो अपने सेवक को छोड़कर मत जाइए। पानी लाया जाए, और वे तुम्हारे पैर धोएं, और तुम पेड़ के नीचे विश्राम करो। और मैं रोटी लूंगा, और तुम खाओगे। और इसके बाद तुम अपने मार्ग पर जाओगे, जिसके कारण तुम अपने बच्चे की ओर मुड़े। और उसने कहा, इस प्रकार करो, जैसा तुमने कहा है। और अब्राहम तम्बू की ओर सारा के पास जल्दी से गया, और उससे कहा, जल्दी करो, और तीन माप मैदा गूंधो, और रोटियाँ बनाओ। और अब्राहम बैलों की ओर दौड़े, और एक कोमल और सुंदर बछड़ा लिया, और सेवक को दिया, और उसने इसे तैयार करने में जल्दी की। उसने मक्खन और दूध और वह बछड़ा जो उसने बनाया था लिया, और उनके सामने रखा, और उन्होंने खाया, और वह स्वयं उनके पास पेड़ के नीचे खड़ा रहा।

उसने कहा, तुम्हारी पत्नी सारा कहाँ है? उसने उत्तर देते हुए कहा, देखो, तम्बू में है। उसने कहा, लौटते हुए मैं तुम्हारे पास इस समय के अनुसार, इस मौसम में आऊंगा, और तुम्हारी पत्नी सारा का एक पुत्र होगा। सारा तंबू के दरवाजे पर उसके पीछे खड़ी होकर सुन रही थी। अब्राहम और सारा बुजुर्ग थे, उम्र में बहुत आगे बढ़ चुके थे, और सारा में स्त्रियों

वाली बातें होनी बंद हो गई थीं। सारा अपने मन में हँसी और कहा, अभी तक मुझे यह नहीं हुआ है, और मेरे स्वामी भी बूढ़े हैं। और प्रभु ने अब्राहम से कहा, क्या बात है कि सारा अपने मन में हँसी और कहा, क्या वास्तव में मैं जन्म दूँगी? मैं तो बूढ़ी हो गई हूँ। क्या परमेश्वर के लिए कोई वचन असंभव होगा? इस समय पर मैं तुम्हारे पास लौटूँगा, और सारा के पुत्र होगा। सारा ने इनकार करते हुए कहा, मैं नहीं हँसी, क्योंकि वह डर गई थी। और उसने उससे कहा, नहीं, बल्कि तुम हँसी थीं।

वहाँ से उठकर, वे पुरुष सदोम और गमोरा की ओर देखने लगे। अब्राहम उनके साथ चल रहा था और उन्हें विदा कर रहा था। लेकिन प्रभु ने कहा, मैं अपने सेवक अब्राहम से वह नहीं छिपाऊँगा जो मैं करता हूँ। Abraham लेकिन एक महान और विशाल राष्ट्र बनेगा, और उसके द्वारा पृथ्वी के सभी राष्ट्र आशीर्वादित किए जाएंगे। मैं जानता था कि वह अपने पुत्रों और अपने घर को अपने साथ आदेश देगा, और वे प्रभु के मार्गों को बनाए रखेंगे, धार्मिकता और न्याय करने के लिए, ताकि प्रभु अब्राहम पर वह सब ला सके जो उसने उससे कहा था। प्रभु ने कहा, सदोम और अमोरा की चिल्लाहट मेरे पास बढ़ गई है, और उनके पाप बहुत महान हैं। इसलिए नीचे उतरकर देखूँगा कि क्या उनकी चीख जो मुझ तक आ रही है, उसके अनुसार वे पूरी की जा रही हैं, और यदि नहीं, तो मैं जान सकूँ। और वे पुरुष वहाँ से मुड़कर सदोम में आए, लेकिन अब्राहम अभी भी प्रभु के सामने खड़ा था। और पास आकर अब्राहम ने कहा, धर्मी को अधर्मी के साथ नष्ट मत करो, और धर्मी अधर्मी के समान हो जाएगा। यदि शहर में पचास धर्मी हैं, तो क्या तुम उन्हें नष्ट कर दोगे? क्या तुम उन पचास धर्मी के कारण पूरे स्थान को नहीं छोड़ोगे, यदि वे इसमें हैं? किसी भी तरह से नहीं, तू ऐसा नहीं करेगा जैसे यह बात है, कि धर्मी को दुष्ट के साथ मार डाले, और धर्मी दुष्ट के समान हो जाए। किसी भी तरह से नहीं! क्या सारी पृथ्वी का न्यायकर्ता न्याय नहीं करेगा? प्रभु ने कहा, यदि सदोम शहर में पचास धर्मी हों, तो मैं उनके कारण पूरे शहर को और सारे स्थान को छोड़ दूँगा। और उत्तर देते हुए अब्राहम ने कहा, अब मैंने अपने प्रभु से बोलना शुरू किया है, लेकिन मैं तो मिट्टी और राख हूँ। यदि लेकिन वे पचास धर्मी पैतालीस में कम हो जाएं, तो क्या तुम पांच के कारण सारे नगर को नष्ट कर दोगे? और उसने कहा, नहीं, मैं नष्ट नहीं करूँगा, यदि मैं वहाँ पैतालीस पाऊँ। और उसने फिर उससे बोलना जारी रखा, और कहा, यदि वहाँ चालीस पाए जाएं, और उसने कहा, मैं चालीस के कारण नष्ट नहीं करूँगा। और उसने कहा, हे प्रभु, यदि मैं बोलूँ तो क्या बुरा है? यदि वहाँ तीस पाए जाएं? और उसने कहा, मैं तीस के कारण नष्ट नहीं करूँगा। और उसने कहा, चूंकि मुझे प्रभु से बोलना है, यदि वहाँ बीस पाए जाएं? और उसने कहा, मैं नष्ट नहीं करूँगा, यदि मैं वहाँ बीस पाऊँ। और उसने कहा, हे प्रभु, यदि मैं एक बार फिर बोलूँ तो क्या बुरा होगा? यदि वहाँ दस पाए जाएं? और उसने कहा, मैं दस के

कारण नष्ट नहीं करूंगा। और प्रभु चले गए जब उन्होंने अब्राहम से बोलना बंद किया, और अब्राहम अपने स्थान को लौट गए।

19

दो दूत शाम को सदोम में आए। लूत सदोम के फाटक के पास बैठा था। लूत ने देखा और उनसे मिलने के लिए उठा, और भूमि पर अपना चेहरा झुकाया। और उसने कहा, देखिए, हे स्वामियों, अपने सेवक के घर में पधारिए और ठहरिए, और अपने पैर धोइए, और सुबह जल्दी उठकर अपने रास्ते पर चले जाइएगा। और उन्होंने कहा, नहीं, बल्कि हम चौक में ठहरेंगे। और उसने उन्हें आग्रह किया, और वे उसकी ओर मुड़ गए, और वे उसके घर में प्रवेश किए, और उसने उनके लिए पेय बनाया, और उसने उनके लिए बिना खमीर की रोटी पकाई, और उन्होंने खाया। सोने से पहले, शहर के पुरुषों ने, सदोमियों ने घर को घेर लिया, युवा पुरुष से लेकर बुजुर्ग तक, सभी लोग एक साथ। और उन्होंने लोत को बुलाया, और उससे कहा, कहाँ हैं वे पुरुष जो आज रात तुम्हारे पास आए हैं? उन्हें हमारे पास बाहर लाओ, ताकि हम उनके साथ संबंध बना सकें। लूत बाहर गया उनके पास दहलीज की ओर, और दरवाजा अपने पीछे बंद कर दिया। उन्होंने उनसे कहा, भाइयों, किसी भी तरह से बुराई मत करो। मेरे पास दो पुत्रियाँ हैं, जिन्होंने किसी पुरुष को नहीं जाना है, मैं उन्हें तुम्हारे पास बाहर लाऊँगा, और तुम उनका उपयोग करो जैसा तुम्हें प्रसन्न हो, केवल इन पुरुषों के साथ अन्याय मत करो, क्योंकि वे मेरी छत के आश्रय में प्रविष्ट हुए हैं। उन्होंने उससे कहा, वहाँ से हट जा! तू यहाँ रहने के लिए आया था, न कि न्याय करने के लिए। अब इसलिए हम तुझे उनसे भी अधिक बुरा करेंगे। और वे लूत नामक पुरुष पर बहुत जबरदस्ती करने लगे, और दरवाजा तोड़ने के लिए पास आए। परन्तु उन पुरुषों ने हाथ फैलाकर लूत को अपनी ओर घर के भीतर खींच लिया, और घर का दरवाजा बंद कर दिया। परन्तु घर के दरवाजे पर खड़े पुरुषों को, छोटे से लेकर बड़े तक, उन्होंने अंधेपन से मारा, और वे दरवाजा ढूँढ़ते हुए व्याकुल हो गए। लेकिन उन पुरुषों ने लूत से कहा, क्या तुम्हारे यहाँ दामाद, या पुत्र, या पुत्रियाँ हैं? या क्या तुम्हारा कोई अन्य इस नगर में है? उन्हें इस स्थान से निकालो, क्योंकि हम इस स्थान को नष्ट कर रहे हैं, क्योंकि उनकी चिल्लाहट प्रभु के सामने ऊपर उठाई गई, और प्रभु ने हमें इसे नष्ट करने के लिए भेजा। लूत बाहर गया और अपने दामादों से बोला जिन्होंने उसकी बेटियों को ब्याहा था, और कहा, उठो और इस स्थान से निकल जाओ, क्योंकि प्रभु इस नगर को नष्ट करने वाले हैं। लेकिन उसके दामादों के सामने यह मजाक लगा। जब मोर हुई, तो दूत लूत से उत्सुकता से कहने लगे, उठो, अपनी पत्नी और अपनी दो बेटियों को, जो तुम्हारे पास हैं, लेकर निकल जाओ, ताकि तुम भी शहर के अधर्मों के साथ

नष्ट न हो जाओ। और वे व्याकुल हुए, और स्वर्गदूतों ने उसका हाथ, और उसकी स्त्री का हाथ, और उसकी दो पुत्रियों के हाथ पकड़े, क्योंकि प्रभु ने उसे बचाना चाहा।

और ऐसा हुआ जब उनको बाहर ले गए, तो उन्होंने कहा, अपनी आत्मा को बचाते हुए बचाओ, पीछे की ओर मत देखो, और न ही सारे आसपास के क्षेत्र में खड़े होओ, पहाड़ की ओर अपने आप को बचाओ, कहीं ऐसा न हो कि तुम बह जाओ। लूत ने उनसे कहा, मैं विनती करता हूँ हे प्रभु, चूंकि आपके सेवक ने आपके सामने कृपा पाई है, और आपने अपनी धार्मिकता को बढ़ाया है जो आप मुझ पर करते हैं, मेरी आत्मा को जीवित रखने के लिए, लेकिन मैं पहाड़ में बचाया जाने में सक्षम नहीं होऊंगा, कहीं ऐसा न हो कि बुराईयाँ मुझे पकड़ लें, और मैं मर जाऊँ। देखो, यह शहर मेरे शरण लेने के लिए निकट है, जो छोटा है, और वहाँ मैं बचाया जाऊँगा। क्या यह छोटा नहीं है? और मेरी आत्मा तुम्हारे कारण जीवित रहेगी। और उसने उससे कहा, देखो, मैंने तुम्हारे चेहरे पर आश्चर्य किया है और इस बात पर भी, कि उस शहर को नष्ट न करूँ जिसके बारे में तुमने बोला था। जल्दी करो इसलिए का बचाया जाना वहाँ, नहीं क्योंकि सक्षम होऊँगा करना बात, तक का आना तुम व सूरज भूमि पर निकल आया, और लूत सोअर में प्रवेश कर गया। और प्रभु ने सदोम और अमोरा पर गंधक और अग्नि बरसाई, प्रभु की ओर से स्वर्ग से। और उसने इन शहरों को नष्ट कर दिया, और पूरे आसपास के क्षेत्र को, और शहरों में रहने वाले सभी लोगों को, और धरती से उगने वाली सभी चीजों को। और उसकी पत्नी ने पीछे देखा, और वह नमक का खंभा बन गई। अब्राहम सवेरे उठा और उस स्थान पर गया, जहाँ वह प्रभु के सामने खड़ा था। और उसने सदोम और गमोरा की ओर तथा आसपास के क्षेत्र की ओर देखा, और उसने देखा, और देखो, पृथ्वी से लौ ऊपर उठ रही थी, जैसे भट्टी का धुआँ। और ऐसा हुआ कि जब परमेश्वर ने आसपास के क्षेत्र के सब नगरों को नष्ट किया, तो परमेश्वर ने अब्राहम को याद किया, और लूत को विनाश के बीच से भेज दिया, जब प्रभु ने उन नगरों को नष्ट किया जिनमें लूत रहता था।

लूत सोअर से ऊपर गया, और वह पहाड़ में बैठा, और उसकी दो बेटियाँ उसके साथ थीं, क्योंकि वह सोअर में निवास करने से डरा, और उसने गुफा में निवास किया, वह और उसकी दो बेटियाँ उसके साथ। बड़ी ने छोटी से कहा, हमारा पिता बूढ़ा है, और पृथ्वी पर कोई नहीं है जो हमारे पास आएगा, जैसा कि सारी भूमि में उचित है। आओ और हम अपने पिता को शराब पिलाएँ, और हम उसके साथ लेटें, और हम अपने पिता से संतान उत्पन्न करें। उन्होंने उस रात अपने पिता को शराब पिलाई, और बड़ी बेटी ने प्रवेश करके उस रात अपने पिता के साथ सोई, और उसे सोते समय और उठते समय पता नहीं चला। यह हुआ

कि अगले दिन बड़ी ने छोटी से कहा, देखो, मैं कल हमारे पिता के साथ सोई। आज रात भी हम उसे शराब पिलाएं, और तू अंदर जाकर उसके साथ सो, और हम अपने पिता से संतान उत्पन्न करें। उन्होंने उस रात भी अपने पिता को शराब पिलाई, और छोटी बेटी ने प्रवेश करके अपने पिता के साथ सोई, और उसे पता नहीं चला उसके सोने में और उठने में। और लोट की दोनों बेटियाँ अपने पिता से गर्भवती हुईं। और बड़ी बेटी ने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम मोआब रखा, यह कहते हुए, मेरे पिता से, यह मोआबियों का पिता है आज के दिन तक। छोटी ने भी एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम अम्मान रखा, यह कहते हुए, मेरी जाति का पुत्र, यह अम्मोनियों का पिता है आज के दिन तक।

20

और अब्राहम वहाँ से दक्षिण की भूमि की ओर चला गया, और काडेश और शूर के बीच निवास किया, और गरार में परदेशी के रूप में रहा। अब्राहम ने अपनी पत्नी सारा के बारे में कहा कि वह मेरी बहन है, क्योंकि वह यह कहने से डरता था कि वह मेरी पत्नी है, कहीं ऐसा न हो कि नगर के पुरुष उसके कारण उसे मार डालें, और गरार के राजा अबीमेलेक ने भेजा और सारा को ले लिया। और परमेश्वर रात में नींद में अबीमेलेक के पास आए, और कहा, देखो, तुम उस स्त्री के विषय में मरोगे जिसे तुमने लिया है, क्योंकि वह एक पुरुष के साथ रह चुकी है। अबीमेलेक ने उसे नहीं छुआ था, और कहा, हे प्रभु, क्या तू अनजान और धर्मी राष्ट्र को नष्ट करेगा? क्या उसने मुझसे नहीं कहा था कि वह मेरी बहन है? और उसने मुझसे कहा था कि वह मेरा भाई है? मैंने यह शुद्ध हृदय से और हाथों की धार्मिकता में किया। ईश्वर ने उससे नींद में कहा, और मैं जानता था कि तूने यह शुद्ध हृदय से किया, और मैंने तुझे बचाया ताकि तू मेरे विरुद्ध पाप न करे; इसी कारण मैंने तुझे उसे छूने नहीं दिया। अब उस स्त्री को उस मनुष्य को वापस दे दो, क्योंकि वह भविष्यवक्ता है, और वह तुम्हारे लिए प्रार्थना करेगा, और तुम जीवित रहोगे। यदि तुम उसे वापस नहीं करते हो, तो जान लो कि तुम और तुम्हारा सब कुछ मर जाएगा। और अबीमेलेक सुबह सवरे उठा, और उसने अपने सब सेवकों को बुलाया, और उसने ये सब बातें उनके कानों में कहीं, और सब लोग बहुत डर गए। और अबीमेलेक ने इब्राहीम को बुलाया और उससे कहा, तूने हमारे साथ यह क्या किया है? क्या हमने तेरे विरुद्ध पाप किया है, कि तू मुझ पर और मेरे राज्य पर महान पाप लाया? जो काम कोई नहीं करेगा, वह तूने मुझे किया है। अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा, क्या देखकर तूने यह किया? अब्राहम ने कहा, मैंने कहा था क्योंकि इस स्थान में धर्मपरायणता नहीं है, इसलिए वे मेरी स्त्री के कारण मुझे मार डालेंगे। और सचमुच, वह मेरे पिता से मेरी बहन है, लेकिन माता से नहीं, और वह मेरी पत्नी बनी। ऐसा हुआ कि जब

परमेश्वर मुझे मेरे पिता के घर से निकाल लाए, तो मैंने उससे कहा, तुम मेरे प्रति यह न्याय करोगी: हर उस स्थान पर जहाँ हम प्रवेश करें, मेरे बारे में कहना कि वह मेरा भाई है। और अबीमेलेक ने एक हजार दो द्रख्मा, भेड़ें, बछड़े, दास और दासियाँ लीं, और अब्राहम को दिया, और उसे उसकी पत्नी सारा को लौटा दिया। और अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा, देखो, मेरी भूमि तुम्हारे सामने है, जहाँ भी तुम्हें अच्छा लगे वहाँ निवास करो। और सारा से कहा, देखो, मैंने तुम्हारे भाई को हजार दिद्राखा दिए हैं, ये तुम्हारे चेहरे के सम्मान के लिए होंगे, और उन सबके लिए जो तुम्हारे साथ हैं, और सब कुछ सच बोलो। अब्राहम ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने अबीमेलेक को, उसकी पत्नी को और उसकी दासियों को चंगा किया, और उन्होंने संतान उत्पन्न की। क्योंकि प्रभु ने अबीमेलेक के घर में सब गर्भों को बाहर से बंद कर दिया था, अब्राहम की पत्नी सारा के कारण।

21

और प्रभु ने सारा से मुलाकात की, जैसा उसने कहा था, और प्रभु ने सारा के लिए वैसा ही किया, जैसा उसने कहा था। और गर्भधारण करके उसने अब्राहम को बुढ़ापे में एक पुत्र को जन्म दिया, उस समय पर जैसा प्रभु ने उससे कहा था। और अब्राहम ने अपने पुत्र का नाम इसहाक रखा, जो उसको हुआ था, जिसको सारा ने उसके लिए जन्म दिया था। और अब्राहम ने इसहाक का खतना आठवें दिन किया, जैसा परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी थी। और अब्राहम सौ वर्ष का था, जब उसको उसका पुत्र इसहाक हुआ। सारा ने कहा, प्रभु ने मुझे हँसी दी है, क्योंकि जो कोई सुनेगा वह मेरे साथ आनन्दित होगा। और उसने कहा, कौन अब्राहम को घोषणा करेगा कि सारा बच्चे को स्तनपान कराती है? क्योंकि मैंने अपने बुढ़ापे में पुत्र को जन्म दिया। और वह बच्चा बढ़ा और दूध छुड़ाया गया, और अब्राहम ने बड़ी दावत की जिस दिन इसहाक, उसका पुत्र, दूध छुड़ाया गया। लेकिन सारा ने मिस्री हाजिरा के पुत्र को देखा, जो अब्राहम से हुआ था, उसके पुत्र इसहाक के साथ खेलता हुआ, और उसने अब्राहम से कहा, इस दासी को और इसके पुत्र को निकाल दो, क्योंकि इस दासी का पुत्र मेरे पुत्र इसहाक के साथ विरासत नहीं पाएगा। यह वचन अब्राहम के सामने उसके पुत्र के विषय में अत्यधिक कठोर प्रतीत हुआ। परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, बच्चे के बारे में और दासी के बारे में तुम्हारे सामने कठोर न हो। जो कुछ भी सारा तुमसे कहे, उसकी आवाज़ सुनो, क्योंकि इसहाक में तुम्हारा वंश कहलाएगा। और इस दासी के पुत्र को भी मैं एक महान राष्ट्र बनाऊँगा, क्योंकि वह तुम्हारा वंश है। अब्राहम सुबह उठा, और रोटियाँ तथा पानी की मशक ली, और हागार को दी, और बच्चे को उसके कंधे पर रखा, और उसे भेज दिया। प्रस्थान करके वह शपथ के कुएँ की ओर जंगल में भटकती रही। चमड़े की थैली से जल

समाप्त हो गया, और उसने बच्चे को एक देवदार के पेड़ के नीचे रख दिया, जाकर वह उससे दूर, धनुष के तीर जितनी दूरी पर बैठ गई, क्योंकि उसने कहा, मैं अपने बच्चे की मृत्यु नहीं देखूंगी। और वह उसके सामने बैठ गई, और बच्चा चिल्लाकर रोया। लेकिन ईश्वर ने बच्चे की आवाज़ सुनी उस स्थान से जहाँ वह था, और ईश्वर के दूत ने स्वर्ग से हाजिरा को बुलाया, और उससे कहा, क्या हुआ हाजिरा? मत डरो, क्योंकि ईश्वर ने बच्चे की आवाज़ सुनी है उस स्थान से जहाँ वह है। उठो और बच्चे को लो, और अपने हाथ से इसे पकड़ो, क्योंकि मैं इसे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। और परमेश्वर ने उसकी आँखें खोलीं, और उसने जीवित पानी का कुआँ देखा, और वह गई, और उसने मशक को पानी से भरा, और बच्चे को पिलाया। और परमेश्वर बच्चे के साथ था, और वह बढ़ा, और जंगल में निवास किया, और वह धनुर्धर बन गया। और वह जंगल में रहा, और उसकी माता ने उसके लिए मिस्र के फारान से एक पत्नी ली।

उस समय ऐसा हुआ कि अबीमेलेक, उसका सलाहकार ओखोज़ाथ, और उसकी सेना का सेनापति फ़्रीकोल ने इब्राहीम से कहा, परमेश्वर तुम्हारे साथ है उन सब में जो तुम करते हो। अब इसलिए मुझे ईश्वर की शपथ लो कि तुम मुझे गलत नहीं करोगे, न मेरे बीज को, न मेरे नाम को, लेकिन जो न्याय मैंने तुम्हारे साथ किया, वैसा ही तुम मेरे साथ करोगे, और इस भूमि के साथ जिसमें तुम रहे हो। और अब्राहम ने कहा, मैं शपथ लूँगा। और अब्राहम ने अबीमेलेक को पानी के कुओं के बारे में फटकारा, जिन्हें अबीमेलेक के सेवकों ने छीन लिया था। और अबीमेलेक ने उससे कहा, मैं नहीं जानता कि किसने तुम्हारे साथ यह बात की, न तुमने मुझे बताया, न मैंने सुना, बल्कि केवल आज। और अब्राहम ने भेड़ें और बछड़े लिए, और अबीमेलेक को दिए, और दोनों ने वाचा स्थापित की। और अब्राहम ने सात भेड़ों के मेमने अलग रखे। और अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा, ये सात मेमने क्या हैं इन भेड़ों में से, जिन्हें तूने अलग रखा है? और अब्राहम ने कहा कि ये सात मादा मेमने तुम मुझसे लोगे, ताकि ये मेरे लिए गवाही हों कि मैंने यह कुआँ खोदा है। इस कारण उसने उस स्थान का नाम शपथ का कुआँ रखा, क्योंकि वहाँ दोनों ने शपथ ली थी। और उन्होंने शपथ के कुएं में वाचा बनाई, और अबीमेलेक, उसका सलाहकार ओखोज़ाथ, और उसकी सेना का सेनापति फ़्रीकोल उठे, और वे फ़िलिस्तीनों की भूमि में लौट गए। और अब्राहम ने शपथ के कुएं पर एक खेत रोपा, और वहाँ उसने प्रभु, शाश्वत परमेश्वर के नाम को पुकारा। अब्राहम फ़िलिस्तीनियों की भूमि में बहुत दिनों तक निवास करता रहा।

और इन शब्दों के बाद परमेश्वर ने अब्राहम की परीक्षा ली, और उससे कहा, अब्राहम, अब्राहम, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, अपने पुत्र को, अपने प्रिय पुत्र को, जिसे तूने प्रेम किया, इसहाक को ले, और उस ऊँची भूमि में जा, और उसे वहाँ होमबलि के रूप में उन पहाड़ों में से एक पर चढ़ा, जो मैं तुझे बताऊँगा। और अब्राहम सुबह उठा, उसने अपने गधे को जीन कसा, अपने साथ दो सेवकों को और अपने पुत्र इसहाक को लिया, और होम बलि के लिए लकड़ियाँ फाड़कर, उठकर चल पड़ा, और तीसरे दिन उस स्थान पर आया जो परमेश्वर ने उसको बताया था। और अब्राहम ने अपनी आँखें ऊपर उठाकर देखा, और उस स्थान को दूर से देखा। और अब्राहम ने अपने सेवकों से कहा, तुम यहाँ गधे के साथ बैठो, मैं और यह लड़का यहाँ तक जाएंगे, और पूजा करके हम तुम्हारे पास लौटेंगे। अब्राहम ने होम बलि की लकड़ियाँ लीं और अपने पुत्र इसहाक पर रखीं, और अपने हाथों में आग और तलवार ली, और दोनों साथ-साथ चले। इसहाक ने अपने पिता अब्राहम से कहा, पिता जी। उन्होंने कहा, क्या है, बेटा? उसने कहा, देखो, आग और लकड़ियाँ तो हैं, परन्तु होमबलि के लिए भेड़ कहाँ है? अब्राहम ने कहा, हे पुत्र, परमेश्वर होमबलि के लिए अपने लिए भेड़ देख लेंगे। और दोनों साथ-साथ चले गए। वे उस स्थान पर आए, जो परमेश्वर ने उसको बताया था, और इब्राहीम ने वहाँ वेदी बनाई, और लकड़ियाँ रखीं, और अपने पुत्र इसहाक को बाँधकर, उसको वेदी पर लकड़ियों के ऊपर रखा। और इब्राहीम ने अपना हाथ बढ़ाया तलवार लेने के लिए, अपने बेटे का वध करने के लिए। और प्रभु के दूत ने उसे स्वर्ग से बुलाया, और कहा, अब्राहम, अब्राहम, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, तू अपना हाथ उस बालक पर मत डाल, और न उसके साथ कुछ कर, क्योंकि अब मैंने जान लिया है कि तू परमेश्वर से डरता है, और तूने अपने प्रिय पुत्र को मेरे लिए नहीं बचाया। और अब्राहम ने अपनी आँखें ऊपर उठाकर देखा, और देखो, एक मेढ़ा झाड़ी में अपने सींगों से फँसा हुआ था। और अब्राहम गया, और उसने मेढ़े को लिया, और उसे अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर होमबलि के रूप में चढ़ाया।

और अब्राहम ने उस स्थान का नाम रखा, प्रभु ने देखा, ताकि आज कहें, पहाड़ पर प्रभु दिखाई दिए। और प्रभु के दूत ने अब्राहम को दूसरी बार स्वर्ग से बुलाया, कहते हुए, मैंने अपने स्वयं की शपथ ली है, प्रभु कहते हैं, क्योंकि तूने यह वचन किया है, और तूने अपने प्रिय पुत्र को मेरे लिए नहीं बख्शा, मैं तुम्हें अवश्य आशीर्वाद दूँगा और तुम्हारे वंश को स्वर्ग के तारों के समान और समुद्र के किनारे की रेत के समान बढ़ाऊँगा, और तुम्हारा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी होगा। और तुम्हारे वंश में पृथ्वी की सभी जातियाँ आशीर्वादित होंगी, क्योंकि तुमने मेरी आवाज़ का पालन किया। अब्राहम अपने सेवकों की

और मुड़े, और उठकर वे साथ-साथ शपथ के कुएं पर गए। और अब्राहम शपथ के कुएं पर रहने लगे।

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि अब्राहम को यह सूचना दी गई, देखो, मिल्का ने भी तुम्हारे भाई नाहोर के लिए पुत्रों को जन्म दिया है। ऊज़ जो पहलौठा था, और बूज़ जो उसका भाई था, और कमूएल जो सीरियाईयों का पिता था, और हज़ाद, और अज़ाउ, और फाल्देस, और जेल्दाफ, और बथुएल। बेथुएल ने रेबेका को जन्म दिया। ये आठ पुत्र थे, जिन्हें मिल्का ने अब्राहम के भाई नाहोर से उत्पन्न किए। और उसकी रखैल, जिसका नाम रुमा था, उसने भी तेबह, गाहम, तहश और माका को जन्म दिया।

23

सारा का जीवन सौ सत्ताईस वर्ष का हुआ। और सारा अब्बोक नगर में मरी, जो घाटी में है, यह हेब्रोन है कनान की भूमि में। और अब्राहम सारा के लिए शोक करने और विलाप करने आया। और अब्राहम अपने मृतक से उठा, और अब्राहम ने हेत के पुत्रों से कहा, मैं तुम्हारे साथ एक प्रवासी और परदेशी हूँ, इसलिए मुझे तुम्हारे साथ कब्र का अधिकार दो, और मैं अपने मृतक को अपने सामने से दफनाऊंगा। खेत के पुत्रों ने अब्राहम को उत्तर दिया, कहते हुए, नहीं, स्वामी। हमारी सुनो, तुम हमारे बीच परमेश्वर की ओर से राजा हो। हमारी चुनी हुई कब्रों में अपने मृतक को दफनाओ, क्योंकि हममें से कोई भी अपनी कब्र को तुमसे नहीं रोकेगा, ताकि तुम अपने मृतक को वहाँ दफना सको। उठकर अब्राहम ने पृथ्वी के लोगों को, हेत के पुत्रों को झुककर प्रणाम किया। और अब्राहम ने उनसे कहा, यदि तुम्हारी आत्मा में है कि मेरे मृतक को मेरे सामने से दफनाओ, तो मेरी सुनो और मेरे बारे में सोहर के पुत्र एफ्रोन से बात करो। और वह मुझे वह दोहरी गुफा दे दे, जो उसके पास है, जो उसके खेत के एक हिस्से में है। उचित मूल्य की चांदी देकर तुम लोगों के बीच मुझे यह कब्र के स्वामित्व के लिए दे दो। एफ्रोन हेत के पुत्रों के बीच में बैठा था, लेकिन हिती एफ्रोन ने अब्राहम को उत्तर देते हुए कहा, हेत के पुत्रों के सुनते हुए, और नगर में प्रवेश करने वाले सभी के सुनते हुए, कहते हुए, मेरे पास आओ, स्वामी, और मेरी सुनो। खेत और गुफा जो उसमें है, तुझे देता हूँ। अपने सभी नागरिकों के सामने तुझे दिया है। अपने मृतक को दफना दो। और अब्राहम ने पृथ्वी के लोगों के सामने प्रणाम किया। और उसने एफ्रोन से उस भूमि के लोगों के सामने कहा, चूंकि तुम मेरे पास हो, मेरी सुनो, खेत की चांदी मुझसे ले लो, और मैं अपने मृतक को वहाँ दफनाऊंगा। एफ्रोन ने अब्राहम को उत्तर देते हुए कहा नहीं, स्वामी, मैंने सुना है, चार सौ दिद्राखों की चांदी की भूमि, लेकिन यह मेरे और तुम्हारे बीच में क्या होगा? तुम अपने मृतक

को दफनाओ। और अब्राहम ने एप्रोन की बात सुनी, और अब्राहम ने एप्रोन को वह चाँदी दी, जो उसने हेत के पुत्रों के कानों में कही थी, चार सौ दिद्राखा शुद्ध चाँदी जो व्यापारियों में स्वीकृत थी। और एफ्रोन का खेत खड़ा हुआ, जो दोहरी गुफा में था, जो ममरे के सामने है, वह खेत और वह गुफा, जो उसमें थी, और हर पेड़, जो खेत में था, और हर वह जो उसकी सीमाओं में चारों ओर है, अब्राहम को, हेत के पुत्रों के सामने और उन सभी के सामने जो नगर में प्रवेश करते हैं, अधिकार में दिया गया। इन बातों के बाद अब्राहम ने अपनी पत्नी सारा को उस दोहरे खेत की गुफा में दफनाया, जो ममरे के सामने है; यह हेब्रोन है, जो कनान की भूमि में है। और खेत तथा गुफा जो उसमें थी, अब्राहम को कब्र की संपत्ति के रूप में हेत के पुत्रों से पुष्टि की गई।

24

और अब्राहम बूढ़ा हो गया था, उसकी आयु बहुत बढ़ गई थी, और प्रभु ने अब्राहम को सब प्रकार से आशीर्वाद दिया था।

और अब्राहम ने अपने घर के बड़े सेवक से, जो उसकी सारी संपत्ति का शासक था, कहा, अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रख। और मैं तुम्हें स्वर्ग के परमेश्वर प्रभु की और पृथ्वी के परमेश्वर की शपथ दिलाता हूँ, कि तुम मेरे पुत्र इसहाक के लिए कनानियों की पुत्रियों में से पत्नी नहीं लोगे, जिनके साथ मैं रहता हूँ। परन्तु तू मेरी भूमि में जाएगा, जहाँ मैं जन्मा था, और मेरे कबीले में, और वहाँ से मेरे पुत्र इसहाक के लिए एक स्त्री लेगा। सेवक ने उससे कहा, यदि वह स्त्री मेरे साथ इस भूमि में आना न चाहे, तो क्या मैं तुम्हारे पुत्र को उस भूमि में वापस ले जाऊँ जहाँ से तुम आए थे? अब्राहम ने उससे कहा, अपने लिए सावधान रहो, मेरे पुत्र को वहाँ मत ले जाओ। प्रभु, स्वर्ग के परमेश्वर और पृथ्वी के परमेश्वर, जिन्होंने मुझे मेरे पिता के घर से और उस पृथ्वी से जहाँ मैं जन्मा था, लिया, जिन्होंने मुझसे बात की, और जिन्होंने मुझसे शपथ ली, यह कहते हुए कि तुझे और तेरे वंश को यह भूमि दूंगा, वे स्वयं अपने दूत को तेरे आगे भेजेंगे, और तू वहाँ से मेरे पुत्र के लिए पत्नी लेगा। यदि वह स्त्री तुम्हारे साथ इस भूमि में जाना नहीं चाहती है, तो तुम मेरी शपथ से मुक्त हो जाओगे, केवल मेरे पुत्र को वहाँ मत लौटाना। और दास ने अपना हाथ अपने स्वामी अब्राहम की जांघ के नीचे रखा, और उसने इस वचन के विषय में उससे शपथ ली। और उस सेवक ने अपने स्वामी के ऊँटों में से दस ऊँट लिए, और अपने स्वामी की सब अच्छी चीजें अपने साथ लीं, और उठकर मेसोपोटामिया में नाहोर के शहर को गया। और उसने ऊँटों को शहर के बाहर पानी के कुएं के पास शाम के समय लिटाया, जब पानी भरने वाली स्त्रियाँ बाहर आती हैं।

और उसने कहा, हे प्रभु, मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर, आज मुझे सफलता प्रदान करो और मेरे स्वामी अब्राहम पर दया करो। देखो, मैं पानी के झरने के पास खड़ा हूँ, और शहर में रहने वालों की बेटियाँ पानी भरने के लिए बाहर आती हैं। और वह कुंवारी होगी जिससे मैं कहूँगा, अपना पानी का घड़ा झुकाओ ताकि मैं पी सकूँ, और वह मुझसे कहेगी, आप पीजिए, और मैं आपके ऊँटों को भी तब तक पानी पिलाऊँगी जब तक वे पीना बंद न कर दें, उसे तुमने अपने सेवक इसहाक के लिए तैयार किया है, और इससे मैं जान जाऊँगा कि तुमने मेरे स्वामी अब्राहम के साथ दया की है।

और ऐसा हुआ कि उसके अपने मन में बोलना समाप्त करने से पहले ही, देखो, रिबका बाहर आ रही थी, जो बतूएल से जन्मी थी—बतूएल जो मिल्का का बेटा था, जो नाहोर की पत्नी थी, और नाहोर अब्राहम का भाई था—और वह अपने कंधों पर घड़ा रखे हुए थी। वह कुंवारी दिखने में बहुत सुंदर थी, वह कुंवारी थी, किसी पुरुष ने उसे नहीं जाना था। वह झरने पर उतरी, उसने अपना घड़ा भरा, और ऊपर चढ़ी। लेकिन वह सेवक उससे मिलने दौड़ा, और बोला, मुझे अपने घड़े से थोड़ा पानी पिलाओ। उसने कहा, पीजिए, स्वामी, और जल्दी से अपनी बांह पर पानी का घड़ा उतारा, और उसे पिलाया, जब तक वह पीना बंद नहीं कर दिया। और उसने कहा, और मैं तेरे ऊँटों को भी पानी दूँगा, जब तक सब पी न लें। और उसने जल्दी की और अपना जल घड़ा हाँज में खाली किया, और फिर खींचने के लिए कुएँ पर दौड़ी, और सब ऊँटों के लिए पानी खींचा। वह पुरुष उसे ध्यान से देख रहा था, और चुप रहा यह जानने के लिए कि क्या प्रभु ने उसके मार्ग को सफल बनाया था, या नहीं। ऐसा हुआ कि जब सब ऊँट पानी पी चुके, तो उस आदमी ने एक द्रव्या वजन के सोने के कर्णफूल और उसके हाथों पर दस द्रव्या सोने के वजन के दो कंगन लिए। और उसने उसे पूछा और कहा, तुम किसकी बेटी हो? मुझे बताओ, क्या तुम्हारे पिता के पास हमारे ठहरने के लिए जगह है? उसने उससे कहा, मैं बतूएल की बेटी हूँ, जो मिल्काह से है, जिसने नाहोर को जन्म दिया। और उसने उससे कहा, हमारे पास बहुत भूसा और चारा है, और ठहरने की जगह भी है। और प्रसन्न होकर वह आदमी प्रभु के सामने झुका। और उसने कहा, धन्य हैं प्रभु, मेरे स्वामी अब्राहम के देवता, जिन्होंने अपनी धार्मिकता और सत्य को मेरे स्वामी से नहीं छोड़ा, और प्रभु ने मुझे मेरे स्वामी के भाई के घर में समृद्ध किया। और वह लड़की दौड़कर अपनी माँ के घर गई और उसने ये बातें सुनाईं। रेबेका का एक भाई था, जिसका नाम लाबान था, और लाबान बाहर झरने की ओर उस आदमी के पास दौड़ा। और ऐसा हुआ कि जब उसने कान की बालियाँ और अपनी बहन के हाथों में कंगन देखे, और जब उसने अपनी बहन रिबका के शब्द सुने जो कह रही थी, उस आदमी ने मुझसे इस प्रकार बात की है, तो वह उस आदमी के पास आया जो झरने के पास ऊँटों के साथ खड़ा हुआ था। और उसने

उससे कहा, यहाँ आओ, प्रवेश करो, प्रभु के धन्य। तुम बाहर क्यों खड़े हो? मैंने घर तैयार किया है, और ऊँटों के लिए स्थान भी। वह आदमी घर में प्रवेश किया, और उसने ऊँटों को उतारा, और ऊँटों को भूसा और चारा दिया, और अपने पैर धोने के लिए पानी दिया, और उन पुरुषों के पैरों के लिए जो उसके साथ थे। और उसने उनके सामने रोटियाँ खाने के लिए रखीं, और कहा, मैं नहीं खाऊँगा जब तक मैं अपनी बात न कह लूँ। और उसने कहा, बोलो।

और उसने कहा, मैं अब्राहम का सेवक हूँ। प्रभु ने मेरे स्वामी को अत्यधिक आशीर्वाद दिया, और वे ऊँचे उठाए गए, और उन्होंने उनको भेड़ें, और बछड़े, और चांदी, और सोना, दास, और दासियाँ, ऊँट, और गधे दिए। और मेरे स्वामी की पत्नी सारा ने मेरे स्वामी के लिए एक पुत्र को जन्म दिया उनके बूढ़े होने के बाद, और उन्होंने उसे वह सब कुछ दिया जो उनके पास था। और मेरे स्वामी ने मुझे शपथ दिलाई, यह कहते हुए कि तू मेरे पुत्र के लिए कनानियों की पुत्रियों में से पत्नी नहीं लेगा, जिनकी भूमि में मैं निवास करता हूँ। लेकिन तुम मेरे पिता के घर जाओगे, और मेरे कबीले में, और वहाँ से मेरे बेटे के लिए पत्नी लाओगे। मैंने अपने स्वामी से कहा, कहीं ऐसा न हो कि वह स्त्री मेरे साथ न जाए। और उसने मुझसे कहा, प्रभु परमेश्वर, जिसके सामने मैं प्रसन्न हुआ, वह अपना दूत तुम्हारे साथ भेजेगा और तुम्हारे मार्ग को समृद्ध करेगा, और तुम मेरे पुत्र के लिए मेरे कुल से और मेरे पिता के घर से एक पत्नी लोगे। तब तू मेरे शाप से निर्दोष होगा, क्योंकि जब तू मेरे कबीले में आएगा और वे तुझे न दें, तो तू मेरी शपथ से निर्दोष होगा। और आज स्रोत पर आकर मैंने कहा, हे प्रभु, मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर, यदि तू मेरे मार्ग को समृद्ध करता है, जिस पर अब मैं जा रहा हूँ, देखो, मैं पानी के झरने पर खड़ा हूँ, और शहर के लोगों की बेटियाँ पानी खींचने निकलती हैं, और वह कुंवारी होगी जिससे मैं कहूँ, अपने घड़े से मुझे थोड़ा पानी पिलाओ, और वह मुझसे कहे, तुम भी पीओ, और मैं तुम्हारे ऊँटों को भी पानी पिलाऊँगी, तो यही वह स्त्री होगी जिसे प्रभु ने अपने सेवक इसहाक के लिए तैयार किया है, और इससे मैं जान जाऊँगा कि तुमने मेरे स्वामी अब्राहम पर दया की है। और ऐसा हुआ कि मेरे मन में बोलना समाप्त करने से पहले, तुरंत रिबका निकली, अपने कंधों पर पानी का घड़ा रखे हुए, और झरने पर उतरी, और पानी भरा, और मैंने उससे कहा, मुझे पिलाओ। और जल्दी करते हुए उसने अपनी भुजा पर से जल घड़ा नीचे उतारा और बोली, तुम पीओ, और मैं तुम्हारे ऊँटों को पिलाऊँगी। और उन्होंने पिया, और उसने ऊँटों को पिलाया। और मैंने उससे पूछा, और मैंने कहा, तुम किसकी बेटी हो, मुझे बताओ, और उसने कहा, मैं बतूएल की बेटी हूँ, जो नाहोर का बेटा है, जिसे मिल्का ने जन्म दिया, और मैंने उसे कुंडल पहनाए, और उसके हाथों में कंगन पहनाए। और प्रसन्न होकर मैंने प्रभु को दंडवत किया, और मैंने अपने प्रभु अब्राहम के परमेश्वर प्रभु को धन्य कहा, जिन्होंने मुझे सत्य के मार्ग में समृद्ध किया कि मैं अपने प्रभु के भाई की पुत्री को उनके पुत्र के

लिए ले सकूँ। यदि तुम मेरे स्वामी के प्रति दया और न्याय करते हो, तो ठीक है; परन्तु यदि नहीं, तो मुझे बताओ, ताकि मैं दाहिने या बाएं मुड़ जाऊँ।

लाबान और बतूएल ने उत्तर देते हुए कहा, यह बात प्रभु की ओर से निकली है, हम तुम्हारे विरोध में बुरा या अच्छा कुछ नहीं कह सकते। देखो, रिबका तुम्हारे सामने है, उसे लेकर चले जाओ, और वह तुम्हारे स्वामी के पुत्र की पत्नी बने, जैसा प्रभु ने कहा है। और ऐसा हुआ कि जब अब्राहम के सेवक ने उनके शब्द सुने, तो उसने भूमि पर प्रभु को प्रणाम किया। और सेवक ने चाँदी और सोने के बर्तन तथा कपड़े बाहर निकालकर रिबका को दिए, और उसके भाई और उसकी माँ को उपहार दिए। और उन्होंने खाया और पिया, और वह स्वयं और वे पुरुष जो उसके साथ थे, और वे सोए। और सुबह उठकर उसने कहा, मुझे भेज दो, ताकि मैं अपने स्वामी के पास जा सकूँ। लेकिन उसके भाइयों और माता ने कहा, वह कुंवारी हमारे साथ लगभग दस दिन रहे, और इसके बाद चली जाएगी। लेकिन उसने उनसे कहा, मुझे मत रोको, और प्रभु ने मेरे मार्ग को मेरे लिए समृद्ध किया है, मुझे भेज दो, ताकि मैं अपने स्वामी के पास जा सकूँ। लेकिन उन्होंने कहा, हम बच्ची को बुलाएं, और उसके मुँह से पूछें। और उन्होंने रेबेका को बुलाया, और उससे कहा, क्या तुम इस आदमी के साथ जाओगी? लेकिन उसने कहा, मैं जाऊँगी। और उन्होंने अपनी बहन रिबका को, और उसकी संपत्तियों को, और अब्राहम के सेवक को, और उसके साथ वालों को भेज दिया। और उन्होंने रिबका को आशीर्वाद दिया और उससे कहा, हमारी बहन, तू हजारों-हजार हो जा, और तेरा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी हो। उठकर रेबेका और उसकी दासियाँ ऊँटों पर चढ़ीं, और उस आदमी के साथ गईं, और सेवक रेबेका को लेकर चला गया।

इसहाक जंगल के माध्यम से दृष्टि के कुएं के अनुसार यात्रा कर रहा था, और वह दक्षिण की ओर की भूमि में निवास करता था। और इसहाक शाम के समय मैदान में बातचीत करने के लिए बाहर गया, और उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर ऊँटों को आते हुए देखा। और रिबका ने आँखें उठाकर इसहाक को देखा, और ऊँट से कूद गई। और उसने सेवक से कहा, वह आदमी कौन है जो मैदान में हमसे मिलने आ रहा है? और सेवक ने कहा, यह मेरे स्वामी हैं। और उसने चादर लेकर ओढ़ ली। और सेवक ने इसहाक को सब शब्द बताए, जो उसने किए थे। इसहाक अपनी माता के घर में प्रवेश किया, और रिबका को लिया, और वह उसकी पत्नी बनी, और उसने उसे प्रेम किया, और इसहाक को अपनी माता सारा के विषय में सांत्वना मिली।

और अब्राहम ने एक पत्नी ली, जिसका नाम केतूरा था। उसने उसे जोम्बान, इएज़ान, मदाल, मदियाम, इएस्बोक और सोइए को जन्म दिया। Iezan ने Sheba और Dedan को जन्म दिया, और Dedan के पुत्र Asshurim, Letushim और Leummim थे। मिद्यान के पुत्र गेफर, अफेर, हनोक, अबीदा और एल्दागा थे। ये सब केतूरा के पुत्र थे। अब्राहम ने अपनी सारी संपत्ति अपने पुत्र इसहाक को दे दी। और अब्राहम ने अपनी रखैलों के पुत्रों को उपहार दिए, और उन्हें अपने पुत्र इसहाक से, अपने जीवित रहते हुए, पूर्व की ओर पूर्व की भूमि में भेज दिया। ये अब्राहम के जीवन के दिनों के वर्ष हैं जितने वह जिया, सौ पचहत्तर वर्ष। और अब्राहम अच्छे बुढ़ापे में, बूढ़ा आदमी होकर, दिनों से भरा हुआ, प्राण त्यागकर मर गया, और अपने लोगों में जा मिला। और इसहाक और इश्माएल, उसके पुत्रों ने, उसे दोहरी गुफा में दफनाया, जो सोहर हित्ती के पुत्र एप्रोन के खेत में है, जो ममरे के सामने है। वह खेत और वह गुफा, जो अब्राहम ने हेत के पुत्रों से अधिग्रहण की थी, वहाँ उन्होंने अब्राहम और उसकी पत्नी सारा को दफनाया। यह हुआ कि अब्राहम के मरने के बाद, परमेश्वर ने उसके पुत्र इसहाक को आशीर्वाद दिया, और इसहाक दर्शन के कुएँ के पास निवास करने लगा। ये अब्राहम के पुत्र इश्माएल की वंशावली है, जिसे सारा की मिस्री दासी हाजिरा ने अब्राहम के लिए जन्म दिया था। और ये इश्माएल के पुत्रों के नाम हैं, उनकी पीढ़ियों के नामों के अनुसार: इश्माएल का पहलौठा नबायोत, और केदार, और नब्देएल, और मस्साम, और मसमा, और दूमा, और मस्सा, और खोद्दान, और तैमान, और येतूर, और नाफेस, और केदमा। ये इश्माएल के पुत्र हैं, और ये उनके नाम हैं उनके तंबुओं में और उनके शिविरों में—बारह शासक, उनकी जातियों के अनुसार। और ये इश्माएल के जीवन के वर्ष थे, एक सौ सैंतीस वर्ष, और वह क्षीण होकर मर गया, और अपनी जाति में मिला दिया गया। वह हवीला से लेकर शूर तक बसा, जो मिस्र के सामने है अश्शूर जाते समय तक; वह अपने सभी भाइयों के सामने बसा।

और ये इसहाक की पीढ़ियाँ हैं, जो अब्राहम का पुत्र था; अब्राहम ने इसहाक को जन्म दिया। इसहाक चालीस वर्ष का था जब उसने रिबका को, जो बतूएल सीरियाई की पुत्री थी, जो मेसोपोटामिया सीरिया से थी, और लाबान सीरियाई की बहन थी, अपनी पत्नी के रूप में लिया। इसहाक अपनी पत्नी रिबका के विषय में प्रभु से प्रार्थना कर रहा था, क्योंकि वह बाँझ थी, और परमेश्वर ने उसकी सुनी, और उसकी पत्नी रिबका गर्भवती हुई। लेकिन बच्चे इसमें कूद रहे थे, और उसने कहा, यदि मेरे साथ ऐसा होने वाला है, तो मुझे यह क्यों? और वह प्रभु से पूछने गई। और प्रभु ने उससे कहा, तुम्हारे गर्भ में दो राष्ट्र हैं, और तुम्हारी कोख से दो लोग अलग होंगे, और एक लोग दूसरे लोग से बलवान होगा, और बड़ा छोटे की सेवा करेगा। और उसके प्रसव के दिन पूरे हो गए थे, और उसके गर्भ में जुड़वाँ बच्चे थे।

पहलौठा बाहर आया और वह लाल था, पूरा रोएंदार खाल जैसा, और उसका नाम एसाव रखा गया। और इसके बाद उसका भाई बाहर आया, और उसका हाथ एसाव की एड़ी को पकड़े हुए था, और उसने उसका नाम याकूब रखा। इसहाक साठ वर्ष का था, जब रिबका ने उनको जन्म दिया। युवा पुरुष बढ़े, और एसाव शिकार करना जानने वाला देहाती मनुष्य था, लेकिन याकूब घर में रहने वाला सादा मनुष्य था। इसहाक एसाव से प्रेम करता था, क्योंकि उसका शिकार उसके लिए भोजन था, परन्तु रेबेका याकूब से प्रेम करती थी।

याकूब ने दलिया पकाया, और एसाव मैदान से थका हुआ आया। और एसाव ने याकूब से कहा, मुझे इस लाल उबले भोजन में से खिलाओ, क्योंकि मैं बेहोश हूँ। इस कारण उसका नाम एदोम बुलाया गया। याकूब ने एसाव से कहा, आज अपना पहलौठे का अधिकार मुझे बेच दो। और एसाव ने कहा, देखो, मैं मरने जा रहा हूँ, तो मुझे इस पहलौठे के अधिकार से क्या लाभ? और याकूब ने उससे कहा, आज मुझसे शपथ खा, और उसने उससे शपथ खाई, और एसाव ने अपना जन्मसिद्ध अधिकार याकूब को बेच दिया। याकूब ने एसाव को रोटी और मसूर का स्टू दिया, और उसने खाया और पिया, और उठकर चला गया, और एसाव ने जन्मसिद्ध अधिकार को तुच्छ जाना।

26

पृथ्वी पर अकाल पड़ा, जो पहले अकाल से अलग था, जो अब्राहम के समय में हुआ था, और इसहाक अबीमेलेक के पास गया जो पलिश्तियों का राजा था, गरार में। और प्रभु उसको दिखाई दिए, और कहा, मिस्र में मत जाओ, उस भूमि में निवास करो जो मैं तुमसे कहूंगा। और इस भूमि में निवास करो, और मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, और तुम्हें आशीर्वाद दूंगा, क्योंकि तुम्हें और तुम्हारे वंश को मैं यह सारी भूमि दूंगा, और मैं अपनी शपथ को स्थापित करूंगा, जो मैंने तुम्हारे पिता अब्राहम से ली थी। और मैं तुम्हारे वंश को स्वर्ग के तारों के समान बढ़ाऊंगा, और मैं तुम्हारे वंश को यह सारी भूमि दूंगा, और तुम्हारे वंश में पृथ्वी की सभी जातियां धन्य होंगी। इसके बदले में कि तुम्हारे पिता अब्राहम ने मेरी आज्ञा की आज्ञा मानी, और मेरे आदेशों को रखा, और मेरी आज्ञाओं को, और मेरी विधियों को, और मेरे नियमों को। इसहाक गरार में बस गया। उस स्थान के पुरुषों ने उसकी पत्नी रिबेका के बारे में पूछा, और उसने कहा, वह मेरी बहन है, क्योंकि वह यह कहने से डरा कि वह मेरी पत्नी है, कहीं ऐसा न हो कि उस स्थान के पुरुष रिबेका के कारण उसे मार डालें, क्योंकि वह रूप में सुंदर थी। और ऐसा हुआ कि वह वहाँ लंबे समय तक रहा, और गरार के राजा अबीमेलेक ने खिड़की से झुककर देखा, तो उसने इसहाक को उसकी पत्नी रिबेका के साथ खेलते हुए

देखा। अबीमेलेक ने इसहाक को बुलाया और उससे कहा, तो निश्चित रूप से यह तुम्हारी पत्नी है? तुमने क्यों कहा कि यह मेरी बहन है? इसहाक ने उससे कहा, मैंने ऐसा इसलिए कहा था कि कहीं मैं उसके कारण मारा न जाऊँ। अबीमेलेक ने उससे कहा, तूने हमारे साथ यह क्या किया? मेरी जाति में से कोई तेरी पत्नी के साथ सो सकता था, और तू हम पर अज्ञानता लाया होता। अबीमेलेक ने अपने सब लोगों को आज्ञा दी, कहते हुए, जो कोई इस आदमी और उसकी स्त्री को छुएगा, वह मृत्यु का दोषी होगा। इसहाक ने उस भूमि में बोया, और उस वर्ष उसे सौ गुना जौ मिला, और प्रभु ने उसे आशीर्वाद दिया। और वह आदमी ऊँचा उठाया गया, और आगे बढ़ते हुए अधिक बड़ा होता गया, जब तक कि वह अत्यधिक महान नहीं हो गया। और उसके पास भेड़ों के पशु, और बैलों के पशु, और बहुत खेती हो गई। और फिलिस्तीनियों ने उससे ईर्ष्या की। और सब कुएँ जो उसके पिता के सेवकों ने उसके पिता के समय में खोदे थे, उनको फिलिस्तीनियों ने बंद कर दिया और उनको मिट्टी से भर दिया। अबीमेलेक ने इसहाक से कहा, हमारे पास से चले जाओ, क्योंकि तुम हमसे बहुत अधिक शक्तिशाली हो गए हो। और इसहाक वहाँ से चला गया, और गेरार की घाटी में ठहरा, और वहाँ बस गया।

और फिर इसहाक ने पानी के कुओं को खोदा, जो उसके पिता अब्राहम के सेवकों ने खोदे थे, और फिलिस्तीनियों ने उसके पिता अब्राहम के मरने के बाद उनको बंद कर दिया था, और उसने उनको नाम दिए उन नामों के अनुसार, जो उसके पिता ने दिए थे। और इसहाक के सेवकों ने गेरार की घाटी में खोदा, और उन्होंने वहाँ जीवित जल का कुआँ पाया। और गेरार के चरवाहों ने इसहाक के चरवाहों के साथ लड़ाई की, यह कहते हुए कि पानी उनका है, और उन्होंने उस कुएँ का नाम अन्याय रखा, क्योंकि उन्होंने उसके साथ अन्याय किया था। वहाँ से प्रस्थान करके उसने एक दूसरा कुआँ खोदा, लेकिन उसके बारे में भी वे झगड़े, और उसने उसका नाम शत्रुता रखा। वहाँ से प्रस्थान करके उसने एक दूसरा कुआँ खोदा, और उसके विषय में नहीं लड़े, और उसने उसका नाम विस्तृत स्थान रखा, यह कहते हुए कि अब प्रभु ने हमें विस्तृत किया है, और हमें पृथ्वी पर बढ़ाया है।

और वहाँ से वह शपथ के कुएँ पर गया। और उस रात प्रभु उसको प्रकट हुए, और कहा, मैं तुम्हारे पिता अब्राहम का परमेश्वर हूँ, मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, और मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा, और तुम्हारे पिता अब्राहम के द्वारा तुम्हारे वंश को बढ़ाऊंगा। और उसने वहाँ एक वेदी बनाई, और प्रभु के नाम को पुकारा, और वहाँ अपना तंबू गाड़ा, और इसहाक के सेवकों ने वहाँ गेरार की घाटी में एक कुआँ खोदा। और अबीमेलेक गेरार से उसके पास गया, और ओखोज़ाथ उसका सलाहकार, और फीकोल उसकी सेना का सेनापति। और इसहाक

ने उनसे कहा, तुम मेरे पास क्यों आए? तुमने तो मुझसे नफरत की और मुझे अपने पास से भेज दिया। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि प्रभु तुम्हारे साथ था, इसलिए हमने कहा कि हमारे और तुम्हारे बीच एक वाचा हो, और हम तुम्हारे साथ वाचा बनाएंगे। हमारे साथ बुरा मत करना, क्योंकि हमने तुम्हारे साथ घृणा नहीं की, और जिस तरह से हमने तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार किया, और हमने तुम्हें शांति के साथ भेजा, और अब तुम प्रभु द्वारा धन्य हो। और उसने उनके लिए भोज बनाया, और उन्होंने खाया और पिया। और सुबह उठकर, प्रत्येक ने अपने पड़ोसी से शपथ खाई, और इसहाक ने उन्हें विदा किया, और वे उसके पास से कुशलता के साथ चले गए। उस दिन ऐसा हुआ कि इसहाक के सेवक आए और उन्होंने उसे उस कुएं के बारे में बताया जो उन्होंने खोदा था, और कहा, हमें पानी नहीं मिला। और उसने इसे शपथ कहा, इसलिए उसने उस नगर का नाम शपथ का कुआँ रखा, आज के दिन तक।

एसाव चालीस वर्ष का था, और उसने हिती बेरी की पुत्री यहूदित को पत्नी बनाया, और हिती एलोन की पुत्री बासमत को भी। और वे इसहाक और रिबका से झगड़ रही थीं।

27

ऐसा हुआ कि इसहाक के बूढ़े होने के बाद, उसकी आँखें देखने के लिए धुंधली हो गईं, और उसने अपने बड़े पुत्र एसाव को बुलाया, और उससे कहा, मेरे पुत्र, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, देखो, मैं बूढ़ा हो गया हूँ और मैं अपनी मृत्यु का दिन नहीं जानता। अब इसलिए अपना सामान, तरकश और धनुष लो, और मैदान में जाओ, और मेरे लिए शिकार करो। और मेरे लिए व्यंजन बना, जैसा मैं पसंद करता हूँ, और मेरे पास ला, ताकि मैं खाऊँ, ताकि मेरी आत्मा तुझे आशीर्वाद दे, इससे पहले कि मैं मर जाऊँ। रेबेका ने इसहाक को अपने पुत्र एसाव से बोलते हुए सुना, और एसाव अपने पिता के लिए शिकार करने मैदान में गया। रिबेका ने अपने छोटे बेटे याकूब से कहा, देखो, मैंने तुम्हारे पिता को तुम्हारे भाई एसाव से बात करते हुए सुना, जो कह रहे थे, मेरे लिए शिकार लाओ और मेरे लिए व्यंजन बनाओ, ताकि खाने के बाद मैं प्रभु के सामने मरने से पहले तुम्हें आशीर्वाद दे सकूँ। अब इसलिए, मेरे पुत्र, मेरी सुनो, जैसा मैं तुम्हें आदेश देता हूँ। और भेड़ों के पास जाकर, वहाँ से मेरे लिए दो कोमल और अच्छे बकरी के बच्चे ले आ, और मैं उनको तेरे पिता के लिए व्यंजन बनाऊँगा, जैसा उनको प्रिय है। और तू अपने पिता के पास लाएगा, और वह खाएगा, ताकि तेरा पिता तुझे आशीर्वाद दे अपने मरने से पहले। याकूब ने अपनी माता रिबका से कहा, एसाव मेरा भाई रोमयुक्त आदमी है, और मैं चिकना आदमी हूँ। कहीं पिता मुझे छू न लें, और मैं उनके सामने तिरस्कार करने वाले के समान हो जाऊँ, और अपने ऊपर

शाप ले आऊं, आशीर्वाद नहीं। माता ने उससे कहा, हे बच्चे, तुम्हारा शाप मुझ पर पड़े, केवल मेरी आवाज़ सुनो, और जाकर मेरे लिए लाओ। जाकर उसने लिया और अपनी माता के पास लाया, और उसकी माता ने व्यंजन बनाए, जैसा उसके पिता को प्रिय था।

और रिबका ने अपने बड़े पुत्र एसाव का सुंदर वस्त्र लिया, जो उसके पास घर में था, और उसे अपने छोटे पुत्र याकूब को पहनाया। और उसने बकरियों की खालें उसकी बांहों पर और उसकी गर्दन के नंगे हिस्सों पर लपेट दीं। और उसने व्यंजन और रोटियाँ जो उसने बनाई थीं, अपने पुत्र याकूब के हाथों में दे दीं। और उसने अपने पिता के पास लाया और कहा, पिता। और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। तुम कौन हो, मेरे बच्चे? और याकूब ने पिता से कहा, मैं एसाव तेरा पहलौठा हूँ। मैंने वैसा ही किया है जैसा तूने मुझसे कहा था। उठकर बैठ जा, और मेरे शिकार में से खा, ताकि तेरी आत्मा मुझे आशीर्वाद दे। इसहाक ने अपने पुत्र से कहा, हे पुत्र, यह क्या है जो तुमने इतनी जल्दी पा लिया? उसने कहा, जो तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने मेरे सामने रखा। इसहाक ने याकूब से कहा, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें छूऊंगा, बच्चे, कि क्या तुम मेरे पुत्र एसाव हो, या नहीं। याकूब अपने पिता इसहाक के पास आया, और उसने उसे छुआ, और कहा, यह तो याकूब की आवाज़ है, लेकिन ये एसाव के हाथ हैं। और उसने उसे नहीं पहचाना, क्योंकि उसके हाथ उसके भाई एसाव के हाथों जैसे बालों वाले थे, और उसने उसे आशीर्वाद दिया। और उसने कहा, क्या तू मेरा पुत्र एसाव है? और उसने कहा, मैं हूँ। और उसने कहा, मेरे पास लाओ, और मैं तुम्हारे शिकार से खाऊंगा, मेरे बच्चे, ताकि मेरी आत्मा तुम्हें आशीर्वाद दे। और उसने उसके पास लाया, और उसने खाया, और उसने उसके पास दाखरस लाया, और उसने पिया। और इसहाक ने, जो उसका पिता था, उससे कहा, मेरे पास आओ और मुझे चूमो, मेरे पुत्र। और पास आकर उसने उसे चूमा, और उसने उसके वस्त्रों की गंध सूंघी, और उसे आशीर्वाद दिया, और कहा, देखो, मेरे पुत्र की गंध भरे हुए खेत की गंध के समान है, जिसे प्रभु ने आशीर्वाद दिया। और परमेश्वर तुझे आकाश की ओस से, और पृथ्वी की समृद्धि से, और अनाज और दाखरस की बहुतायत दे। और राष्ट्र तेरी सेवा करें, और शासक तुझे झुकें, और तू अपने भाई का स्वामी बन, और तेरे पिता के पुत्र तुझे झुकें, जो तुझे शाप दे वह शापित हो, और जो तुझे आशीर्वाद दे वह धन्य हो।

और ऐसा हुआ कि इसहाक द्वारा अपने पुत्र याकूब को आशीर्वाद देना बंद करने के बाद, और ऐसा हुआ कि जैसे ही याकूब अपने पिता इसहाक के सामने से बाहर गया, उसका भाई एसाव शिकार से आया। और उसने भी व्यंजन बनाए, और अपने पिता के पास लाया, और अपने पिता से कहा, मेरे पिता उठें, और अपने पुत्र के शिकार में से खाएं, ताकि आपकी

आत्मा मुझे आशीर्वाद दे। और इसहाक, उसके पिता ने उससे कहा, तुम कौन हो? और उसने कहा, मैं तुम्हारा पुत्र, तुम्हारा पहलौठा एसाव हूँ। इसहाक अत्यधिक चकित हो गया और बोला, तो फिर वह कौन था जिसने मेरे लिए शिकार किया और मुझे लाकर दिया, और मैंने तुम्हारे आने से पहले सब कुछ खा लिया? मैंने उसे आशीर्वाद दे दिया है, और वह आशीर्वादित रहेगा। जब एसाव ने अपने पिता इसहाक के शब्द सुने, तो वह बहुत बड़ी और कड़वी आवाज़ से चिल्लाया, और बोला, हे पिता, मुझे भी आशीर्वाद दीजिए। उसने उससे कहा, तेरा भाई छल के साथ आया और तेरा आशीर्वाद ले गया। और उसने कहा, उसका नाम याकूब न्यायपूर्वक रखा गया था, क्योंकि उसने मुझे धोखा दिया है, देखो, यह दूसरी बार है। उसने मेरा पहलौठे का अधिकार लिया है, और अब उसने मेरा आशीर्वाद ले लिया है। और एसाव ने अपने पिता से कहा, हे पिता, क्या आपने मेरे लिए कोई आशीर्वाद नहीं छोड़ा? उत्तर देते हुए इसहाक ने एसाव से कहा, यदि मैंने उसे तुम्हारा स्वामी बनाया है, और उसके सभी भाइयों को उसके सेवक बनाया है, और अनाज तथा दाखरस से उसे सहारा दिया है, तो हे पुत्र, तुम्हारे लिए मैं क्या करूँ? एसाव ने अपने पिता से कहा, क्या तुम्हारे पास केवल एक ही आशीर्वाद है, पिता? मुझे भी आशीर्वाद दो, पिता। इसहाक गहराई से द्रवित हुए, और एसाव ज़ोर से चिल्लाया और रोया। अलग किए जाने के बाद उसके पिता इसहाक ने उससे कहा, देखो, पृथ्वी की प्रचुरता से तेरा निवास होगा, और ऊपर से स्वर्ग की ओस से। और तुम अपनी तलवार पर जीओगे और अपने भाई की सेवा करोगे, लेकिन जब तुम उसके जुए को अपनी गर्दन से तोड़ोगे और हटाओगे, तब ऐसा होगा।

और एसाव याकूब से उस आशीर्वाद के बारे में द्वेष रखता था, जो उसके पिता ने उसे दिया था, और एसाव ने अपने मन में कहा, मेरे पिता के शोक के दिन पास आने दो, ताकि मैं अपने भाई याकूब को मार डालूँ। रिबेका को उसके बड़े पुत्र एसाव के शब्दों की सूचना दी गई, और उसने अपने छोटे पुत्र याकूब को बुलवाया, और उससे कहा, देखो, तुम्हारा भाई एसाव तुम्हें मार डालने की धमकी दे रहा है। अब इसलिए, हे बच्चे, मेरी आवाज़ सुनो, और उठकर मेसोपोटामिया में मेरे भाई लाबान के पास हारान भाग जाओ। और उसके साथ कुछ दिनों तक निवास कर, जब तक क्रोध शांत न हो जाए। और तुम्हारे भाई का क्रोध तुम से दूर हो जाए, और वह भूल जाए जो तुमने उसके साथ किया है, और मैं भेजकर तुम्हें वहां से बुलाऊंगी, कहीं ऐसा न हो कि मैं तुम दोनों से एक ही दिन में संतानहीन हो जाऊँ। रिबेका ने इसहाक से कहा, मैं हेत के पुत्रों की बेटियों के कारण अपने जीवन से थक गई हूँ। यदि याकूब इस भूमि की बेटियों में से पत्नी ले लेगा, तो मेरे लिए जीने का क्या अर्थ है?

इसहाक ने याकूब को बुलाया और उसे आशीर्वाद दिया, और उसे आदेश देते हुए कहा, तू कनानियों की पुत्रियों में से पत्नी नहीं लेगा। उठकर मेसोपोटामिया में भाग जा, अपनी माता के पिता बतूएल के घर में, और वहाँ से अपने लिए एक पत्नी ले लो अपनी माता के भाई लाबान की पुत्रियों में से। और मेरा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद दे, और तुम्हें बढ़ाए, और तुम्हें गुणा करे, और तुम राष्ट्रों की सभाओं में हो जाओगे। और वह तुझे मेरे पिता अब्राहम का आशीर्वाद दे, तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को, कि तू अपने प्रवास की भूमि का उत्तराधिकारी हो, जो परमेश्वर ने अब्राहम को दी थी। और इसहाक ने याकूब को भेजा, और वह मेसोपोटामिया में सीरियाई बतूएल के पुत्र लाबान के पास गया, जो याकूब और एसाव की माता रिबका का भाई था।

देखो, एसाव ने देखा कि इसहाक ने याकूब को आशीर्वाद दिया, और उसे सीरिया के मेसोपोटामिया में भेजा, ताकि वहाँ से अपने लिए पत्नी ले, और उसे आशीर्वाद देते हुए, उसे आदेश दिया, कहते हुए, तू कनानियों की बेटियों में से पत्नी नहीं लेगा। और याकूब ने अपने पिता और माता की बात सुनी, और वह सीरिया के मेसोपोटामिया को गया। और एसाव ने देखा कि कनान की बेटियाँ उसके पिता इसहाक के सामने बुरी हैं, एसाव इश्माएल के पास गया, और उसने माएलेथ को, जो इश्माएल की बेटी थी, जो अब्राहम का पुत्र था, नबायोत की बहन को, अपनी पत्नियों के अलावा पत्नी के रूप में लिया।

और याकूब शपथ के कुएँ से बाहर निकला, और हारान को गया। और वह एक स्थान पर पहुँचा, और वहाँ सोया, क्योंकि सूरज डूब गया था, और उसने उस स्थान के पत्थरों में से लिया, और अपने सिर के पास रखा, और उस स्थान में सोया। और उसने सपना देखा, और देखो, एक सीढ़ी भूमि पर स्थापित थी, जिसका शीर्ष स्वर्ग तक पहुँचता था, और ईश्वर के दूत उस पर चढ़ रहे थे और उतर रहे थे। लेकिन प्रभु उस पर खड़े थे, और उन्होंने कहा, मैं तुम्हारे पिता अब्राहम का परमेश्वर हूँ, और इसहाक का परमेश्वर हूँ। मत डरो, जिस भूमि पर तुम सो रहे हो, वह मैं तुम्हें और तुम्हारे वंश को दूंगा। और तुम्हारा वंश पृथ्वी की रेत के समान होगा, और वह समुद्र, दक्षिण, उत्तर और पूर्व की ओर फैलेगा, और तुम्हारे द्वारा और तुम्हारे वंश के द्वारा पृथ्वी के सभी कुल आशीर्वादित होंगे। और देखो, मैं तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हारी रक्षा करते हुए हर रास्ते में जहाँ कहीं भी तुम जाओ, और मैं तुम्हें इस भूमि में वापस लाऊंगा, क्योंकि मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा जब तक मैं वह सब कुछ पूरा न कर लूँ जो मैंने तुमसे कहा है। और याकूब अपनी नींद से जागा, और उसने कहा, निश्चय ही प्रभु इस स्थान में हैं, और मैं नहीं जानता था। और वह डर गया, और बोला, यह स्थान कितना भयानक है! यह परमेश्वर का घर ही है, और यह स्वर्ग का द्वार है। और याकूब सुबह उठा, और उसने वह पत्थर लिया जो उसने

वहाँ अपने सिर के नीचे रखा था, और उसे एक स्तंभ के रूप में खड़ा किया, और उसके शीर्ष पर तेल डाला। और उसने उस स्थान का नाम परमेश्वर का घर रखा, और उस नगर का नाम पहले लूज था। और याकूब ने मन्नत मानी, यह कहते हुए, यदि प्रभु देवता मेरे साथ रहें, और इस मार्ग में मेरी रक्षा करें जिस पर मैं जा रहा हूँ, और मुझे खाने के लिए रोटी और पहनने के लिए वस्त्र दें, और वह मुझे उद्धार के साथ मेरे पिता के घर लौटाए, और प्रभु मेरे लिए परमेश्वर होंगे। और यह पत्थर, जिसे मैंने स्तंभ के रूप में स्थापित किया है, मेरे लिए परमेश्वर का घर होगा, और जो कुछ भी तू मुझे देगा, उसका दसवां भाग मैं तुझे दूंगा।

29

और याकूब ने अपने पैर उठाकर पूर्व की भूमि में गया, सीरियाई बतूएल के पुत्र लाबान के पास, जो रिबका का भाई था, याकूब और एसाव की माता। और वह देखता है, और देखो, मैदान में एक कुआँ था, और वहाँ भेड़ों के तीन झुंड उसके पास आराम कर रहे थे, क्योंकि उस कुएँ से वे झुंडों को पानी पिलाते थे, और कुएँ के मुँह पर एक बड़ा पत्थर था। और वहाँ सभी झुंड एकत्र किए जाते थे, और वे कुएँ के मुँह से पत्थर को लुढ़काते थे, और भेड़ों को पानी पिलाते थे, और पत्थर को कुएँ के मुँह पर उसके स्थान में वापस रख देते थे। याकूब ने उनसे कहा, भाइयों, आप कहाँ से हैं? उन्होंने कहा, हम हारान से हैं। उसने उनसे कहा, क्या तुम नाहोर के पुत्र लाबान को जानते हो? उन्होंने कहा, हाँ, हम जानते हैं। उसने उनसे कहा, क्या वह स्वस्थ है? उन्होंने कहा, वह स्वस्थ है, और देखो, उसकी बेटी राहेल भेड़ों के साथ आ रही है। और याकूब ने कहा, अभी दिन बहुत बाकी है, अभी पशुओं को इकट्ठा करने का समय नहीं है। भेड़ों को पानी पिलाकर, जाओ और उन्हें चराओ। लेकिन उन्होंने कहा, हम सक्षम नहीं होंगे, जब तक सभी चरवाहे एकत्र नहीं हो जाते, और वे कुएँ के मुँह से पत्थर को लुढ़का देंगे, और हम भेड़ों को पानी पिलाएंगे। जब वह अभी उनसे बोल रहा था, तो देखो, राहेल जो लाबान की बेटी थी, अपने पिता की भेड़ों के साथ आ रही थी, क्योंकि वह अपने पिता की भेड़ों को चराती थी। और ऐसा हुआ कि जब याकूब ने राहेल को देखा, जो लाबान की पुत्री थी, जो उसकी माता का भाई था, और लाबान की भेड़ों को देखा, जो उसकी माता का भाई था, तो याकूब पास आया और उसने कुएँ के मुख से पत्थर को हटाया, और लाबान की भेड़ों को पानी पिलाया, जो उसकी माता का भाई था। और याकूब ने राहेल को चूमा, और ऊँची आवाज़ से चिल्लाकर रोया। और उसने राहेल को सूचना दी कि वह उसके पिता का भाई है और कि वह रिबका का पुत्र है, और दौड़कर उसने अपने पिता को इन शब्दों के अनुसार सूचना दी। और ऐसा हुआ कि जब लाबान ने अपनी बहन के पुत्र याकूब का नाम सुना, तो वह उससे मिलने के लिए दौड़ा, और उसे गले लगाया और चूमा, और उसे

अपने घर में लाया, और उसने लाबान को ये सभी बातें सुनाई। और लाबान ने उससे कहा, तुम मेरी हड्डियों से और मेरे मांस से हो, और वह उसके साथ एक महीने के दिनों तक रहा।

लाबान ने याकूब से कहा, क्योंकि तू मेरा भाई है, इसलिए तू मुझे मुफ्त में सेवा नहीं करेगा। मुझे बता, तेरा पारिश्रमिक क्या है? लेकिन लाबान की दो पुत्रियाँ थीं, बड़ी का नाम लिया था, और छोटी का नाम राहेल था। लेकिन लिया की आँखें कमजोर थीं, परन्तु राहेल रूप में सुंदर थी और दिखावट में अत्यंत सुंदर थी। याकूब ने राहेल से प्रेम किया, और कहा, मैं तुम्हारी छोटी बेटी राहेल के लिए तुम्हारी सात वर्ष सेवा करूंगा। लाबान ने उससे कहा, उसे तुम्हें देना मेरे लिए बेहतर है, बजाय उसे किसी दूसरे आदमी को देने के। मेरे साथ रहो। और याकूब ने राहेल के लिए सात वर्ष सेवा की, और वे उसके सामने कुछ दिनों के समान थे, क्योंकि वह उससे प्रेम करता था। याकूब ने लाबान से कहा, मुझे मेरी पत्नी दो, क्योंकि दिन पूरे हो गए हैं ताकि मैं उसके पास जाऊँ। लाबान ने उस स्थान के सब पुरुषों को एकत्र किया, और विवाह किया। और शाम हुई, और उसने अपनी पुत्री लिया को लेकर याकूब के पास लाया, और याकूब उसके पास गया। और लाबान ने अपनी पुत्री लेआ को अपनी दासी जेल्फा दी, उसको दासी के रूप में दी। सुबह हुई, और देखो, वह लेआ थी। याकूब ने लाबान से कहा, तूने मेरे साथ यह क्या किया? क्या मैंने तेरे पास राहेल के लिए सेवा नहीं की? तूने मुझे क्यों धोखा दिया? लेकिन लाबान ने उत्तर दिया, हमारे स्थान में ऐसा नहीं है कि बड़ी से पहले छोटी को दिया जाए। इसलिए इसका सप्ताह पूरा करो, और मैं तुझे यह भी दे दूंगा उस काम के बदले में जो तू मेरे पास सात अन्य वर्ष और काम करेगा। याकूब ने ऐसा किया, और उसने इसके सात दिन पूरे किए, और लाबान ने उसको अपनी बेटी राहेल को पत्नी के रूप में दिया। और लाबान ने अपनी बेटी को अपनी दासी बिल्हा दी, उसे दासी के रूप में दी। और वह राहेल के पास गया, और उसने राहेल से लिया की अपेक्षा अधिक प्रेम किया, और उसने उसकी सात वर्ष और सेवा की।

परन्तु प्रभु परमेश्वर ने देखा कि लिया से घृणा की जाती थी, तो उसने उसकी कोख खोल दी, परन्तु राहेल बांझ थी। और लेआ गर्भवती हुई, और उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया, और उसने उसका नाम रूबेन रखा, यह कहते हुए, क्योंकि प्रभु ने मेरा अपमान देखा, और मुझे एक पुत्र दिया, अब इसलिए मेरा पति मुझसे प्रेम करेगा। और वह फिर गर्भवती हुई, और याकूब के लिए दूसरा पुत्र जन्म दिया, और उसने कहा, क्योंकि प्रभु ने सुना कि मैं नफरत की जाती हूँ, और उसने मुझे यह भी दिया, और उसने उसका नाम शिमोन रखा। और वह फिर गर्भवती हुई, और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और कहा, अब इस समय मेरा पति मेरे साथ होगा, क्योंकि मैंने उसके लिए तीन पुत्र जन्म दिए हैं। इसलिए उसने

उसका नाम लेवी रखा। और गर्भधारण करके उसने फिर एक पुत्र को जन्म दिया, और कहा, अब फिर मैं प्रभु का धन्यवाद करूंगी। इसलिए उसने उसका नाम यहूदा रखा, और वह संतान उत्पन्न करने से रुक गई।

30

राहेल ने देखा कि उसने याकूब को संतान नहीं दी थी, और राहेल को अपनी बहन से ईर्ष्या हुई, और उसने याकूब से कहा, मुझे बच्चे दो, नहीं तो मैं मर जाऊंगी। क्रोधित होकर याकूब ने राहेल से कहा, क्या मैं परमेश्वर के स्थान पर हूँ, जिसने तुम्हें गर्भ का फल नहीं दिया? राहेल ने याकूब से कहा, देखो, मेरी दासी बिल्हा है, उसके पास जाओ, और वह मेरे घुटनों पर जन्म देगी, और मैं भी उसके द्वारा संतान प्राप्त करूंगी। और उसने अपनी दासी बिल्हा को उसे पत्नी के रूप में दिया, और याकूब उसके पास गया। और राहेल की दासी बिल्हा गर्भवती हुई, और उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया। और राहेल ने कहा, परमेश्वर ने मेरा न्याय किया, और मेरी आवाज़ सुनी, और मुझे एक पुत्र दिया, इसलिए उसने उसका नाम दान रखा। और राहेल की दासी बिल्हा फिर गर्भवती हुई, और याकूब के लिए दूसरा पुत्र जन्म दिया। और राहेल ने कहा, परमेश्वर ने मेरा संघर्ष किया है, और मैंने अपनी बहन से कुश्ती लड़ी, और मैं विजयी हुई, और उसने उसका नाम नप्ताली रखा। लेआ ने देखा कि उसका बच्चे जनना रुक गया था, और उसने अपनी दासी ज़िल्पा को लिया, और उसे याकूब को पत्नी के रूप में दे दिया, और वह उसके पास गया। और लिआ की दासी ज़िल्पा गर्भवती हुई और उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया। और लेआ ने कहा, भाग्य में, और उसने उसका नाम गाद रखा। और लिआ की दासी ज़िल्पा फिर गर्भवती हुई, और याकूब के लिए दूसरा पुत्र जन्म दिया। और लेआ ने कहा, धन्य हूँ मैं, क्योंकि स्त्रियाँ मुझे धन्य कहेंगी, और उसने उसका नाम आशेर रखा। रूबेन गेहूँ की कटाई के दिन खेत में गया और मंदरागोरों के सेब पाए, और उनको अपनी माता लिआ के पास लाया, और राहेल ने अपनी बहन लिआ से कहा, तुम्हारे बेटे के मंदरागोर मुझे दे दो। लेआ ने कहा, क्या यह तुझे पर्याप्त नहीं कि तूने मेरा पति ले लिया? क्या तू मेरे पुत्र के मन्दाकों भी लेगी? राहेल ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं, वह आज रात तेरे साथ सोए, तेरे पुत्र के मन्दाकों के बदले में। याकूब शाम को खेत से आया, और लेआ उससे मिलने के लिए बाहर गई, और बोली, आज तू मेरे पास आएगा, क्योंकि मैंने तुझे अपने पुत्र के मंदरागोरों के बदले किराये पर लिया है, और वह उस रात उसके साथ सोया। और परमेश्वर ने लिआ की सुनी, और गर्भवती होकर उसने याकूब के लिए पाँचवाँ पुत्र जना। और लेआ बोली, परमेश्वर ने मुझे मेरा प्रतिफल दिया है, क्योंकि मैंने अपनी दासी अपने पति को दी थी, और उसने उसका नाम इसाकार रखा, जिसका अर्थ है

प्रतिफल। और लेआ ने फिर गर्भ धारण किया, और याकूब के लिए छठा पुत्र जन्म दिया। और लेआ ने कहा, परमेश्वर ने मुझे इस समय एक अच्छा उपहार दिया है, अब मेरा पति मुझे चुनेगा, क्योंकि मैंने उसे छह पुत्र जन्म दिए हैं, और उसने उसका नाम जबूलून रखा। और इसके बाद उसने एक बेटी को जन्म दिया, और उसने उसका नाम भयानक रखा। परमेश्वर ने राहेल को याद किया, और परमेश्वर ने उसकी सुनी, और उसकी कोख खोली। और गर्भधारण करके उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया, और राहेल ने कहा, मेरे परमेश्वर ने मेरी निंदा को दूर कर दिया है। और उसने उसका नाम यूसुफ रखा, यह कहते हुए, परमेश्वर मुझे एक और पुत्र दे।

ऐसा हुआ कि जब राहेल ने योसेफ को जन्म दिया, तो याकूब ने लाबान से कहा, मुझे भेज दो, ताकि मैं अपने स्थान और अपनी भूमि को जा सकूं। मेरी पत्नियों और मेरे बच्चों को वापस कर दो, जिनके लिए मैंने तुम्हारी सेवा की है, ताकि मैं जा सकूं, क्योंकि तुम उस सेवा को जानते हो जो मैंने तुम्हारे लिए की है। लाबान ने उससे कहा, यदि मैंने तेरी दृष्टि में कृपा पाई है, तो मैं भविष्यवाणी करता, क्योंकि परमेश्वर ने तेरे आने पर मुझे आशीर्वाद दिया है। अपनी मजदूरी मुझे बताओ, और मैं दूंगा। याकूब ने कहा, तू जानता है कि मैंने तेरी कितनी सेवा की है, और तेरे पशु मेरे साथ कैसे रहे हैं। जो कुछ तुम्हारे पास था वह मेरे आने से पहले थोड़ा था, और वह बहुत बढ़ गया, और प्रभु परमेश्वर ने मेरे कदम पर तुम्हें आशीर्वाद दिया; अब इसलिए मैं कब अपने लिए घर बनाऊंगा? और लाबान ने उससे कहा, मैं तुम्हें क्या दूंगा? याकूब ने उससे कहा, तुम मुझे कुछ नहीं दोगे, अगर तुम मेरे लिए यह बात करोगे, तो मैं फिर से तुम्हारी भेड़ें चराऊंगा और रखूंगा। आज तुम्हारी सभी भेड़ों को गुजर जाने दो, और वहाँ से मेमनों में से हर काली भेड़ को, और बकरियों में से हर धारीदार और चित्तीदार को अलग कर दो, यह मेरा पारिश्रमिक होगा। और मेरी धार्मिकता अगले दिन मुझे सुनेगी, क्योंकि तेरे सामने मेरा पारिश्रमिक है, सब जो बकरियों में चित्तीदार और धारीदार नहीं हो, और मेमनों में भूरा नहीं हो, वह मेरे पास चुराया हुआ होगा। लाबान ने उससे कहा, तुम्हारे शब्द के अनुसार हो। और उसने उस दिन चित्तीदार और धब्बेदार बकरों को, और सब चित्तीदार और धब्बेदार बकरियों को, और हर वह जो मेमनों में भूरा था, और हर वह जो उनमें सफेद था, अलग किया और अपने पुत्रों के हाथ के द्वारा दिया। और उसने तीन दिनों का रास्ता हटाया, और उनके बीच और याकूब के बीच, और याकूब लाबान की बची हुई भेड़ों को चराता था। याकूब ने अपने लिए स्टोरैक्स की ताज़ी छड़ी, अखरोट की और चिनार की ली, और याकूब ने उनके सफेद छिलके छीले, और हरे भाग को खुरचते हुए, छड़ियों पर वह सफेद भाग दिखाई दिया जो उसने छीला था, जो विविध था। और उसने उन छड़ियों को, जिन्हें उसने छीला था, पानी पिलाने के कुंडों की नालियों में रख दिया, ताकि जब भेड़ें पीने

आएं, तो उन छड़ियों के सामने, जब वे पीने आएँ, तो भेड़ें उन छड़ियों की ओर देखते हुए गर्भधारण करें। और भेड़ें छड़ियों के सामने गर्भधारण कर रही थीं, और भेड़ों ने शुद्ध सफेद और चितकबरे और धूसर धब्बेदार बच्चे जन्म दिए। याकूब ने मेमनों को अलग किया और भेड़ों के सामने धारीदार मेढ़ा और मेमनों में हर विविध रंग का पशु रखा, और अपने लिए अलग झुंड बनाए, और उनको लाबान की भेड़ों में नहीं मिलाया। और ऐसा हुआ कि जिस समय भेड़ें गर्भधारण कर रही थीं, याकूब ने छड़ियाँ भेड़ों के सामने हौदों में रख दीं, ताकि वे छड़ियों के अनुसार गर्भधारण करें। जब भेड़ों ने जन्म दिया, तो उसने नहीं रखा, लेकिन बिना निशान वाली भेड़ें लाबान की हुईं और निशान वाली भेड़ें याकूब की हुईं। और वह आदमी बहुत ही धनी हो गया, और उसके पास बहुत पशु, और बैल, और सेवक, और दासियाँ, और ऊँट, और गधे हो गए।

31

याकूब ने लाबान के पुत्रों के शब्द सुने, जो कह रहे थे, याकूब ने हमारे पिता का सब कुछ ले लिया है, और हमारे पिता के धन से उसने यह सारी महिमा प्राप्त की है। और याकूब ने लाबान का चेहरा देखा, और देखो, वह उसके प्रति वैसा नहीं था जैसे कल और परसों। और प्रभु ने याकूब से कहा, अपने पिता की भूमि में और अपनी पीढ़ी में लौट जाओ, और मैं तुम्हारे साथ रहूँगा। भेजकर याकूब ने लिया और राहेल को उस मैदान में बुलाया, जहाँ झुंड था। और उसने उनसे कहा, मैं तुम्हारे पिता का चेहरा देखता हूँ, कि वह मेरे प्रति वैसा नहीं है, जैसा कल और परसों था, लेकिन मेरे पिता का परमेश्वर मेरे साथ था। और तुम यह जानते हो कि मैंने अपनी पूरी शक्ति से तुम्हारे पिता की सेवा की है। तुम्हारे पिता ने मुझे धोखा दिया, और मेरी मजदूरी दस बार बदली, और परमेश्वर ने उसे मुझे हानि पहुँचाने नहीं दिया। यदि वह इस प्रकार कहे, चितकबरे तुम्हारा पारिश्रमिक होंगे, तो सब भेड़ें चितकबरे जन्म देंगी। यदि वह कहे, सफेद तुम्हारा पारिश्रमिक होंगे, तो सब भेड़ें सफेद जन्म देंगी। और भगवान ने तुम्हारे पिता के सभी पशु छीन लिए और उन्हें मुझे दे दिए। और ऐसा हुआ कि जब भेड़ें गर्भधारण कर रही थीं, तो मैंने नींद में अपनी आँखों से देखा, और देखो, बकरे और मेढ़े भेड़ों और बकरियों पर चढ़ रहे थे, जो सफेद, चितकबरे और राख रंग के छींटेदार थे। और परमेश्वर के दूत ने नींद में मुझसे कहा, याकूब, और मैंने कहा, क्या है? और उसने कहा, अपनी आँखें उठाकर देखो, और उन बकरों और मेढ़ों को देखो जो भेड़ों और बकरियों पर चढ़ रहे हैं, जो धारीदार, चितकबरे और राख रंग के चित्तीदार हैं। मैंने देखा है कि लाबान तुम्हारे साथ क्या कर रहा है। मैं वह परमेश्वर हूँ जो तुम्हें परमेश्वर के स्थान में प्रकट हुआ था, जहाँ तुमने मेरे लिए वहाँ स्तंभ का अभिषेक किया था, और तुमने मुझसे वहाँ मन्त मानी थी, अब इसलिए उठो,

और इस भूमि से निकलो, और अपने जन्म की भूमि में जाओ, और मैं तुम्हारे साथ रहूँगा। और राहेल और लिआ ने उत्तर देते हुए उससे कहा, क्या हमारे पिता के घर में हमारे लिए अब कोई भाग या विरासत नहीं है? क्या हम उसके लिए विदेशियों की तरह नहीं गिने गए हैं? क्योंकि उसने हमें बेचा है, और हमारी चांदी को खा गया है। सब धन और महिमा, जो हमारे पिता से परमेश्वर ने छीन ली, हमारी होगी और हमारे बच्चों की। अब इसलिए जो कुछ परमेश्वर ने तुमसे कहा है, वह करो। उठकर याकूब ने अपनी स्त्रियों और अपने बच्चों को ऊँटों पर बिठाया, और वह अपनी सारी संपत्ति, और अपना सारा सामान जो उसने मेसोपोटामिया में प्राप्त किया था, और अपना सब कुछ लेकर, अपने पिता इसहाक के पास कनान देश में जाने के लिए चल पड़ा। लाबान अपनी भेड़ें कतरने गया, लेकिन राहेल ने अपने पिता की मूर्तियाँ चुरा लीं। याकूब ने सीरियाई लाबान से छिपाया, ताकि उसे यह घोषित न करे कि वह भाग रहा है। और वह स्वयं भाग गया, और उसका सब कुछ, और उसने नदी पार की, और गिलाद के पहाड़ की ओर निकल पड़ा। तीसरे दिन सीरियाई लाबान को यह सूचना दी गई कि याकूब भाग गया। और अपने भाइयों को अपने साथ लेकर, उसने सात दिन के मार्ग तक उसका पीछा किया, और उसे गिलाद के पहाड़ में पकड़ लिया। परमेश्वर रात को स्वप्न में सीरियाई लाबान के पास आया, और उससे कहा, अपनी रखवाली करो कि तू कभी याकूब से बुरा न बोलें। और लाबान ने याकूब को पकड़ लिया, याकूब ने अपना तंबू पहाड़ पर लगाया था, लाबान ने अपने भाइयों को गिलाद के पहाड़ पर खड़ा किया। लाबान ने याकूब से कहा, तूने यह क्या किया? तू गुप्त रूप से क्यों भागा, और तूने मुझे धोखा दिया, और मेरी पुत्रियों को तलवार से पकड़ी गई बंदियों की तरह ले गया? और अगर तुमने मुझे बताया होता, तो मैं तुम्हें खुशी के साथ, संगीतकारों के साथ, ढोलकों के साथ और वीणा के साथ विदा करता। और मुझे अपने बच्चों और अपनी बेटियों को चूमने का अवसर नहीं दिया गया, और अब तुमने मूर्खतापूर्वक कार्य किया है। और अब मेरा हाथ तुम्हें हानि पहुँचाने में सक्षम है, परन्तु तुम्हारे पिता के परमेश्वर ने कल मुझसे कहा, सावधान रहो कि तुम याकूब से कभी बुरा न बोलो। अब तुम चले गए हो, क्योंकि तुमने अपने पिता के घर जाने की बहुत इच्छा की थी, परन्तु तुमने मेरे देवताओं को क्यों चुराया? याकूब ने उत्तर देते हुए लाबान से कहा, मैं डर गया था, क्योंकि मैंने सोचा कि कहीं तुम अपनी बेटियों को मुझसे छीन न लो, और मेरा सब कुछ भी। और याकूब ने कहा, जिसके पास तुम अपने देवताओं को पाओगे, वह हमारे भाइयों के सामने जीवित नहीं रहेगा। पहचानो कि मेरे पास तुम्हारी कौन सी चीज़ है, और उसे ले लो। और उसने उसके पास कुछ नहीं पहचाना। लेकिन याकूब नहीं जानता था कि उसकी पत्नी राहेल ने उन्हें चुराया था। लाबान ने प्रवेश करके लिआ के घर में खोजा, और नहीं पाया, और लिआ के घर से बाहर निकला, और याकूब के घर में खोजा, और दो दासियों के घर में भी खोजा, और नहीं पाया, फिर वह राहेल के घर में भी प्रवेश किया।

राहेल ने मूर्तियाँ लीं, और उन्हें ऊँट के सैडलबैग में डाला, और उन पर बैठ गई। और उसने अपने पिता से कहा, हे स्वामी, बुरा मत मानिए, मैं आपके सामने खड़ी नहीं हो सकती, क्योंकि मुझे स्त्रियों की रीति के अनुसार है। लाबान ने पूरे घर में खोजा, और मूर्तियाँ नहीं पाईं। याकूब क्रोधित हुआ और लाबान से लड़ा। उत्तर देते हुए याकूब ने लाबान से कहा, मेरा अन्याय क्या है? और मेरा पाप क्या है, कि तुमने मेरा पीछा किया? और क्योंकि तुमने मेरे घर के सब बर्तनों को खोजा; तुम्हें अपने घर के सब बर्तनों में से क्या मिला? उसे यहाँ अपने भाइयों और मेरे भाइयों के सामने रखो, और वे हम दोनों के बीच न्याय करें। ये बीस साल मैं तुम्हारे साथ रहा हूँ, तुम्हारी भेड़ें और तुम्हारी बकरियाँ बाँझ नहीं हुईं, तुम्हारी भेड़ों के भेड़ों को मैंने नहीं खाया। जंगली जानवरों द्वारा फाड़े गए को मैं तुम्हारे पास नहीं लाया था, मैं अपनी ओर से दिन की चोरियों और रात की चोरियों का भुगतान कर रहा था। मैं दिन में गर्मी से जलता रहा, और रात में ठंड से, और मेरी नींद मेरी आँखों से दूर हो गई। ये बीस वर्ष मैं तुम्हारे घर में रहा हूँ, मैंने तुम्हारी दो बेटियों के बदले चौदह वर्ष तुम्हारी सेवा की, और छह वर्ष तुम्हारी भेड़ों में काम किया, और तुमने मेरी मजदूरी को दस बार बदल दिया। यदि मेरे पिता अब्राहम का परमेश्वर और इसहाक का भय मुझे नहीं मिला होता, तो अब तुमने मुझे खाली हाथ भेज दिया होता। मेरा अपमान और मेरे हाथों का परिश्रम परमेश्वर ने देखा, और कल तुम्हें डाँटा।

उत्तर देते हुए लाबान ने याकूब से कहा, ये बेटियाँ मेरी बेटियाँ हैं, और बेटे मेरे बेटे हैं, और पशु मेरे पशु हैं, और जितना कुछ तुम देखते हो, वह सब मेरा है, और मेरी बेटियों के विषय में, मैं आज इनके साथ क्या करूँगा या उनके बच्चों के साथ, जिन्हें उन्होंने जन्म दिया? अब इसलिए आओ, मैं और तुम वाचा बनाएँ, और यह मेरे और तुम्हारे बीच गवाही होगी, उसने उससे कहा, देखो हमारे साथ कोई नहीं है, देखो ईश्वर मेरे और तुम्हारे बीच गवाह है। लेकिन याकूब ने एक पत्थर लिया और उसे स्तंभ के रूप में स्थापित किया। याकूब ने अपने भाइयों से कहा, पत्थर इकट्ठा करो, और उन्होंने पत्थर इकट्ठा किए, और एक ढेर बनाया, और वहाँ उस ढेर पर खाया, और लाबान ने उससे कहा, यह ढेर आज मेरे और तुम्हारे बीच गवाही देता है। और लाबान ने उसे गवाही का ढेर बुलाया, और याकूब ने उसे गवाह ढेर बुलाया। और लाबान ने याकूब से कहा, देखो यह ढेर और यह स्तंभ, जो मैंने मेरे और तुम्हारे बीच स्थापित किया था, यह ढेर गवाही देता है, और यह स्तंभ गवाही देता है, इसलिए इसका नाम रखा गया, ढेर गवाही देता है। और वह दृष्टि, जो कही गई थी, ईश्वर मेरे और तुम्हारे बीच देखे, क्योंकि हम एक दूसरे से अलग होंगे। यदि तुम मेरी पुत्रियों को अपमानित करोगे, यदि तुम मेरी पुत्रियों के साथ अन्य स्त्रियाँ लोगे, देखो, हमारे साथ कोई देखने वाला नहीं है, ईश्वर मेरे और तुम्हारे बीच साक्षी है। यदि मैं तुम्हारी ओर पार न करूँ, और न ही तुम बुराई के लिए

इस पहाड़ी और इस स्तंभ को पार करके मेरी ओर आओ। अब्राहम का परमेश्वर और नाहोर का परमेश्वर हमारे बीच न्याय करे, और याकूब ने अपने पिता इसहाक के भय की शपथ ली। और उसने पहाड़ पर बलिदान चढ़ाया, और उसने अपने भाइयों को बुलाया, और उन्होंने खाया और पिया, और वे पहाड़ पर सोए।

32

सुबह उठकर लाबान ने अपने पुत्रों और बेटियों को चूमा और उन्हें आशीर्वाद दिया, और मुड़कर लाबान अपने स्थान को चला गया।

और याकूब अपने रास्ते में चला गया, और ऊपर देखकर उसने परमेश्वर का शिविर डेरा डाले हुए देखा, और परमेश्वर के दूत उससे मिले। याकूब ने कहा, जब उसने उन्हें देखा, यह परमेश्वर का शिविर है, और उसने उस स्थान का नाम परेम्बोलाई रखा।

और याकूब ने अपने आगे दूतों को अपने भाई एसाव के पास सेईर की भूमि में, एदोम के प्रदेश में भेजा। और उसने उन्हें आज्ञा दी, कहते हुए, इस प्रकार तुम मेरे स्वामी एसाव से कहोगे, तुम्हारा सेवक याकूब इस प्रकार कहता है: मैं लाबान के साथ रहा, और अब तक रुका रहा। और मेरे पास बैल, गधे, भेड़ें, सेवक और दासियाँ हो गईं, और मैंने अपने स्वामी एसाव को सूचित करने के लिए भेजा, ताकि आपका सेवक आपके सामने कृपा पाए। और दूत याकूब के पास लौटे और कहा, हम आपके भाई एसाव के पास गए थे, और देखिए, वह आपसे मिलने आ रहा है, और उसके साथ चार सौ पुरुष हैं। याकूब बहुत डर गया और व्याकुल हो गया, और उसने अपने साथ के लोगों को, बैलों को, ऊँटों को और भेड़ों को दो शिविरों में विभाजित कर दिया। और याकूब ने कहा, अगर एसाव एक शिविर में आता है और उसे मारता है, तो दूसरा शिविर बचाया जाएगा। याकूब ने कहा, हे मेरे पिता इब्राहीम के देवता, और हे मेरे पिता इसहाक के देवता, हे प्रभु, तूने ही मुझसे कहा था, अपने जन्म की भूमि में लौट जा, और मैं तेरा भला करूँगा, मुझे तेरे सब न्याय और सब सत्य से पर्याप्त हो, जो तूने अपने सेवक के साथ किया, क्योंकि मैं इस अपनी छड़ी से इस यर्दन को पार किया था, लेकिन अब मैं दो शिविरों में हो गया हूँ। मुझे मेरे भाई के हाथ से, एसाव के हाथ से छुड़ाओ, क्योंकि मैं उससे डरता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि वह आकर मुझे और बच्चों के साथ माता को मार डाले। लेकिन तूने कहा था, मैं तुझे भला करूँगा, और तेरे वंश को समुद्र की रेत के समान कर दूँगा, जो बहुतायत के कारण गिना नहीं जा सकेगा। और वह उस रात वहाँ सोया, और जो उपहार वह लाया था उन्हें लिया, और अपने भाई एसाव को भेजा, दो सौ

बकरियाँ, बीस बकरे, दो सौ भेड़ें, बीस मेढ़े, दूध पिलाती हुई ऊँट और उनके बच्चे तीस, बैल चालीस, साँड़ दस, गधे बीस, और बछेड़े दस। और उसने अपने सेवकों को प्रत्येक झुंड अलग-अलग दे दिया, और अपने सेवकों से कहा, मेरे आगे चलो, और झुंड और झुंड के बीच में अंतराल रखो। और उसने पहले को आज्ञा दी, कहते हुए, यदि तुम्हें मेरा भाई एसाव मिले, और वह तुमसे पूछे, कहते हुए, तुम किसके हो? और कहाँ जा रहे हो? और ये जो तुम्हारे आगे जा रहे हैं, किसके हैं? तुम कहोगे, तुम्हारे सेवक याकूब ने मेरे स्वामी एसाव को उपहार भेजे हैं, और देखो, वह स्वयं हमारे पीछे आ रहा है। और उसने पहले, दूसरे, तीसरे और इन झुंडों के आगे जाने वाले सभी को आज्ञा दी, कहते हुए, इस वचन के अनुसार एसाव से बोलना जब तुम उसे पाओ, और तुम कहोगे, देखो, तुम्हारा सेवक याकूब हमारे पीछे आ रहा है। क्योंकि उसने कहा, मैं उसके चेहरे को उन उपहारों से शांत करूँगा जो उसके आगे जा रहे हैं, और इसके बाद मैं उसका चेहरा देखूँगा। शायद वह मेरा चेहरा स्वीकार कर लेगा। और उपहार उसके आगे चले गए, लेकिन वह उस रात शिविर में सोया। उस रात उठकर, उसने अपनी दो पत्नियों, दो दासियों और अपने ग्यारह बच्चों को लिया, और यब्बोक नदी को पार किया। और उसने उनको लिया, और धारा को पार किया, और अपनी सब चीज़ों को पार कराया।

लेकिन याकूब अकेला रह गया, और एक मनुष्य उसके साथ सुबह तक कुशती लड़ता रहा। उसने देखा कि वह उसके विरुद्ध सक्षम नहीं है, और उसने उसकी जांघ की हड्डी को छुआ, और याकूब की जांघ की हड्डी उसके साथ कुशती करते समय सुन्न हो गई। और उसने उससे कहा, मुझे भेज दो, क्योंकि भोर हो गई है। लेकिन उसने कहा, मैं तुम्हें नहीं भेजूँगा, अगर तुम मुझे आशीर्वाद नहीं दोगे। उसने उससे कहा, तुम्हारा नाम क्या है? और उसने कहा, याकूब। और उसने उससे कहा, अब तुम्हारा नाम याकूब नहीं बुलाया जाएगा, लेकिन तुम्हारा नाम इस्राएल होगा, क्योंकि तुम परमेश्वर के साथ प्रबल हुए, और मनुष्यों के साथ सामर्थी होगे। याकूब ने पूछा और कहा, मुझे अपना नाम बताओ। और उसने कहा, तुम मेरा नाम क्यों पूछते हो? और उसने उसे वहाँ आशीर्वाद दिया। और याकूब ने उस जगह का नाम रखा, ईश्वर का रूप, क्योंकि मैंने ईश्वर को आमने-सामने देखा, और मेरी आत्मा बचाई गई। उसके लिए सूरज उगा, जब भगवान का रूप गुजर गया, लेकिन वह अपनी जांघ से लंगड़ा रहा था। इस कारण इस्राएल के पुत्र उस नस को नहीं खाते, जो सुन्न हो गई थी, जो जांघ की चौड़ाई पर है, आज के दिन तक, क्योंकि उसने याकूब की जांघ की चौड़ाई की उस नस को छुआ था, जो सुन्न हो गई थी।

याकूब ने अपनी आँखों से ऊपर देखा और देखा, और देखो, उसका भाई एसाव आ रहा था, और उसके साथ चार सौ पुरुष थे, और याकूब ने बच्चों को लिया, राहेल और दो दासियों के बीच बाँट दिया। और उसने दो दासियों और उनके पुत्रों को पहले रखा, और लिया और उसके बच्चों को पीछे, और राहेल और यूसुफ को सबसे अंत में। लेकिन वह स्वयं उनके आगे बढ़ा, और भूमि पर सात बार दण्डवत किया, जब तक कि वह अपने भाई के निकट नहीं आ गया। और एसाव उससे मिलने के लिए दौड़ा, और उसे गले लगाकर उसकी गर्दन पर गिर पड़ा, और उसे चूमा, और दोनों रो पड़े। और ऊपर देखकर एसाव ने स्त्रियों और बच्चों को देखा, और पूछा, ये तुम्हारे साथ कौन हैं? उसने उत्तर दिया, ये वे बच्चे हैं जिन पर परमेश्वर ने आपके सेवक पर कृपा की है। और युवा स्त्रियाँ और उनके बच्चे पास आए, और उन्होंने प्रणाम किया। और लेआ और उसके बच्चे पास आए, और उन्होंने प्रणाम किया, और इसके बाद राहेल और यूसुफ पास आए, और उन्होंने प्रणाम किया। और उसने कहा, ये सब शिविर जो मुझे मिले हैं, इनका क्या अर्थ है? और उसने कहा, ताकि आपका सेवक आपकी दृष्टि में कृपा पाए, हे स्वामी। एसाव ने कहा, मेरे पास बहुत है, भाई, जो तुम्हारा है वह तुम्हारे पास रहने दो। याकूब ने कहा, यदि मुझे तुम्हारे सामने कृपा मिली है, तो मेरे हाथों से ये उपहार स्वीकार करो, क्योंकि मैंने तुम्हारा चेहरा देखा है, जैसे कोई परमेश्वर का चेहरा देखता है, और तुम मुझसे प्रसन्न होगे। मेरा आशीर्वाद स्वीकार करो जो मैं तुम्हारे लिए लाया हूँ, क्योंकि भगवान ने मुझ पर दया की है और मेरे पास सब कुछ है, और उसने उसे आग्रह किया और उसने स्वीकार कर लिया। और उसने कहा, प्रस्थान करके हम सीधे चलें। उसने उससे कहा, मेरे स्वामी जानते हैं कि बच्चे कोमल हैं, और भेड़ें और गायें मेरे पास दूध पिला रही हैं। यदि मैं इन्हें एक दिन जोर से हांकूंगा, तो सब पशु मर जाएंगे। मेरे स्वामी अपने सेवक के आगे चलें, लेकिन मैं धीरे-धीरे यात्रा करते हुए आगे बढ़ूंगा जो मेरे सामने है, और युवा सेवकों की गति के अनुसार, जब तक मैं अपने स्वामी के पास सेईर में न पहुँच जाऊँ। एसाव ने कहा, मैं अपने साथ के लोगों में से कुछ को तुम्हारे साथ छोड़ दूंगा। लेकिन उसने कहा, यह क्यों? यह पर्याप्त है कि मुझे आपके सामने कृपा मिली, स्वामी। लेकिन एसाव उस दिन अपने रास्ते सेईर को मुड़ गया। और याकूब तंबुओं की ओर प्रस्थान करता है, और उसने अपने लिए वहाँ घर बनाया, और अपने पशुओं के लिए तंबू बनाए, इस कारण उसने उस स्थान का नाम तंबू रखा।

और याकूब सालेम में आया, जो शकीम का नगर है और कनान की भूमि में है, जब वह सीरिया के मेसोपोटामिया से लौटा, और उसने नगर के सामने डेरा डाला। और उसने खेत का वह भाग अधिग्रहण किया जहाँ उसने अपना तंबू स्थापित किया था, शकेम के पिता हमोर से

सौ चाँदी के सिक्कों में। और उसने वहाँ एक वेदी स्थापित की, और इस्राएल के परमेश्वर को पुकारा।

34

लिआ की बेटी दीना, जिसे उसने याकूब के लिए जन्म दिया था, स्थानीय लोगों की बेटियों को देखने के लिए बाहर गई। और शेकेम ने, जो हमोर हिव्वी का पुत्र और उस भूमि का शासक था, उसे देखा, और उसे लेकर उसके साथ सोया, और उसे अपमानित किया। और उसने याकूब की बेटी दीना की आत्मा पर ध्यान दिया, और उस कुंवारी से प्रेम किया, और उस कुंवारी के मन के अनुसार उससे बात की। शेकेम ने अपने पिता एम्मोर से कहा, मुझे इस लड़की को पत्नी के रूप में दिला दो। याकूब ने सुना कि हम्मोर के पुत्र ने उसकी पुत्री दीना को अपवित्र किया था, और उसके पुत्र मैदान में उसके पशुओं के साथ थे, इसलिए याकूब उनके आने तक चुप रहा। और शेकेम का पिता एम्मोर याकूब से बात करने के लिए बाहर गया। याकूब के पुत्र मैदान से आए, और जब उन्होंने सुना, तो वे पुरुष अत्यंत व्यथित हुए, और उन्हें बहुत दुःख हुआ, क्योंकि उसने इस्राएल में एक लज्जाजनक कार्य किया था, याकूब की पुत्री के साथ सोकर, और ऐसा नहीं होगा। और एम्मोर ने उनसे कहा, मेरे पुत्र शेकेम ने अपनी आत्मा से तुम्हारी पुत्री को चुना है, इसलिए उसे उसकी पत्नी के रूप में दे दो। और हमसे विवाह संबंध बनाओ, अपनी बेटियाँ हमें दो, और हमारी बेटियाँ अपने बेटों के लिए ले लो। और हमारे बीच निवास करो, और देखो, यह भूमि तुम्हारे सामने विस्तृत है, निवास करो, और इस पर व्यापार करो, और इसमें संपत्ति प्राप्त करो। शेकेम ने उसके पिता और उसके भाइयों से कहा, मैं तुम्हारे सामने कृपा पा सकूँ, और जो कुछ तुम कहो, हम देंगे। दहेज को बहुत अधिक बढ़ा दो, और जैसा तुम मुझसे कहोगे वैसा मैं दूँगा, और तुम मुझे इस लड़की को पत्नी के रूप में दे दो।

याकूब के पुत्रों ने शेकेम और उसके पिता एम्मोर को छल के साथ उत्तर दिया और उनसे बोले, क्योंकि उन्होंने उनकी बहन दीना को अपवित्र किया था। और शिमोन और लेवी, दीना के भाई, ने उनसे कहा, हम यह बात नहीं कर सकेंगे, कि अपनी बहन को ऐसे आदमी को दें, जो खतनारहित है, क्योंकि यह हमारे लिए निंदा की बात है। केवल इसी में हम तुम्हारे समान बनाए जाएंगे, और हम तुम्हारे बीच निवास करेंगे, यदि तुम हमारे जैसे हो जाओ, और तुम्हारे सभी पुरुषों का खतना किया जाए। और हम अपनी पुत्रियाँ तुम्हें देंगे, और तुम्हारी पुत्रियों में से हम अपने लिए स्त्रियाँ लेंगे, और हम तुम्हारे पास निवास करेंगे, और हम एक जाति के समान होंगे। लेकिन यदि तुम हमारी बात नहीं सुनोगे और खतना नहीं कराओगे, तो

हम अपनी बेटी को लेकर चले जाएंगे। और ये शब्द एम्मोर के सामने और एम्मोर के पुत्र शेकेम के सामने भाए। और उस युवा पुरुष ने इस वचन को पूरा करने में देरी नहीं की, क्योंकि वह याकूब की पुत्री के प्रति उत्सुक था, और वह अपने पिता के घर में सबसे प्रतिष्ठित था। एम्मोर और उसका पुत्र शेकेम अपने नगर के फाटक पर आए, और अपने नगर के पुरुषों से बोले, कहते हुए, ये लोग शांतिपूर्ण हैं, उन्हें हमारे साथ इस पृथ्वी पर निवास करने दो, और उन्हें इसमें व्यापार करने दो, और देखो यह पृथ्वी उनके सामने चौड़ी है, हम उनकी बेटियों को अपनी पत्नियाँ बनाएंगे, और अपनी बेटियाँ उन्हें देंगे। केवल इसी में वे लोग हमारे समान होंगे जो हमारे साथ निवास करें, ताकि एक लोग बनें, हमारे हर पुरुष का खतना होने में, जैसे वे स्वयं खतना किए गए हैं। और उनके पशु, चार पैर वाले पशु और उनकी संपत्ति क्या हमारी नहीं होगी? केवल इसमें हम उनके समान बन जाएं, और वे हमारे साथ निवास करेंगे। और एम्मोर और उसके पुत्र शेकेम की बात उनके नगर के द्वार पर व्यापार करने वाले सभी लोगों ने सुनी, और सभी पुरुषों ने अपने अग्रचर्म के मांस का खतना किया।

तीसरे दिन ऐसा हुआ, जब वे कष्ट में थे, याकूब के दो पुत्रों शिमोन और लेवी ने, जो दीना के भाई थे, प्रत्येक ने अपनी तलवार ली, और सुरक्षित रूप से नगर में प्रवेश किया, और सभी पुरुषों को मार डाला। एम्मोर को और उसके पुत्र शेकेम को तलवार से मार डाला, और दीना को शेकेम के घर से ले लिया, और निकल गए। और याकूब के पुत्रों ने घायलों पर धावा बोला, और उस शहर को लूटा, जिसमें उनकी बहन दीना को अपवित्र किया गया था। और उन्होंने उनकी भेड़ें, और उनके बैल, और उनके गधे, और जितने भी शहर में थे, और जितने भी मैदान में थे, ले लिए। और उन्होंने उनके सभी शरीर, और उनका सारा सामान, और उनकी स्त्रियों को बंदी बना लिया, और जो कुछ भी शहर में था और जो कुछ भी घरों में था, सब लूट लिया। याकूब ने शिमोन और लेवी से कहा, तुमने मुझे घृणित बना दिया है, ताकि मैं इस भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों के लिए, कनानियों और परिज्जियों के लिए दुष्ट हो जाऊं। मैं संख्या में थोड़ा हूँ, और वे मेरे विरुद्ध इकट्ठा होकर मुझे मार डालेंगे, और मैं नष्ट हो जाऊंगा, मैं और मेरा घर। लेकिन उन्होंने कहा, क्या वे हमारी बहन के साथ वेश्या जैसा व्यवहार करेंगे?

35

परमेश्वर ने याकूब से कहा, उठकर बेतेल स्थान को जाओ और वहाँ निवास करो, और वहाँ उस परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाओ जो तुम्हें तब दिखाई दिया था जब तुम अपने भाई एसाव के चेहरे से भाग रहे थे। याकूब ने अपने घर और अपने साथ रहने वाले सभी

लोगों से कहा, अपने बीच से अपने साथ के विदेशी देवताओं को उठाओ, और शुद्ध हो जाओ, और अपने वस्त्र बदलो। और उठकर हम बेथेल को ऊपर जाएं, और वहाँ उस परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाएं जिसने मेरी विपत्ति के दिन में मेरी सुनी, जो मेरे साथ था, और जिस मार्ग पर मैं चला उसमें मुझे बचाया। और उन्होंने याकूब को वे विदेशी देवता दिए जो उनके हाथों में थे, और वे कान के छल्ले जो उनके कानों में थे, और याकूब ने उनको शकेम में बांज वृक्ष के नीचे छिपा दिया, और उनको आज के दिन तक नष्ट कर दिया। और इस्राएल शकेम से निकल गया, और उनके चारों ओर के शहरों पर परमेश्वर का भय छा गया, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों का पीछा नहीं किया। याकूब लूज़ा में आया जो कनान की भूमि में है, जो बेथेल है, वह और सब लोग जो उसके साथ थे। और उसने वहाँ एक वेदी बनाई, और उस स्थान का नाम बेथेल रखा, क्योंकि वहाँ परमेश्वर उसको प्रकट हुए थे, जब वह अपने भाई एसाव के सामने से भाग रहा था।

देबोरा, जो रेबेका की दाई थी, मर गई और बेथेल के नीचे बलूत के पेड़ के पास दफनाई गई, और याकूब ने उसका नाम शोक का बलूत का पेड़ रखा। परमेश्वर याकूब को लूज में फिर दिखाई दिए, जब वह सीरिया के मेसोपोटामिया से आया था, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। और परमेश्वर ने उससे कहा, तुम्हारा नाम अब याकूब नहीं बुलाया जाएगा, लेकिन तुम्हारा नाम इस्राएल होगा, और उसने उसका नाम इस्राएल रखा। परमेश्वर ने उससे कहा, मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ, बढ़ो और बहुगुणित हो, राष्ट्र और राष्ट्रों की सभाएँ तुमसे होंगी, और राजा तुम्हारी कमर से निकलेंगे। और वह भूमि जो मैंने अब्राहम और इसहाक को दी थी, वह मैंने तुझे दी है, वह तेरी होगी, और तेरे बाद तेरे वंश को मैं यह भूमि दूंगा। परमेश्वर उस स्थान से ऊपर चला गया, जहाँ उसने उससे बात की थी। और याकूब ने उस स्थान पर एक स्तंभ स्थापित किया, जहाँ परमेश्वर ने उससे बात की थी, एक पत्थर का स्तंभ, और उसने उस पर पेय-भेंट उंडेली, और उस पर तेल उंडेला। और याकूब ने उस जगह का नाम बैतेल रखा, जहाँ परमेश्वर ने उससे बात की थी। बेथेल से प्रस्थान करके याकूब ने अपना तंबू गादेर की मीनार के परे खड़ा किया, और जब वह एफ्राथा आने के लिए खबराथा पहुंचा, तो राहेल ने जन्म दिया और प्रसव में उसे कठिन प्रसव हुआ। यह हुआ कि जब वह कठिनाई से प्रसव कर रही थी, तो दाई ने उससे कहा, साहस रखो, क्योंकि यह भी तुम्हारा पुत्र है। और ऐसा हुआ कि जब उसकी आत्मा निकल रही थी, क्योंकि वह मर रही थी, तो उसने उसका नाम पुत्र मेरी पीड़ा का रखा, परन्तु पिता ने उसका नाम बिन्यामीन रखा। राहेल मर गई, और एफ्राथा के हिप्पोड्रोम के रास्ते में दफनाई गई, यह बेथलेहेम है। और याकूब ने उसकी कब्र पर एक स्तंभ स्थापित किया, यह वही स्तंभ है जो राहेल की कब्र पर आज के दिन तक है। ऐसा हुआ कि जब इस्राएल उस भूमि में बसा, तो रुबेन गया और अपने पिता याकूब की

दासी बिल्हा के साथ सोया, और इस्राएल ने सुना, और यह उसके सामने बुरा प्रकट हुआ। याकूब के पुत्र बारह थे।

लेआ के पुत्र, याकूब का पहलौठा रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकार, जबूलून। राहेल के पुत्र यूसुफ और बिन्यामीन थे। राहेल की दासी बिल्हा के बेटे दान और नप्ताली थे। लेकिन लिआ की दासी ज़िल्पा के बेटे गाद और आशेर थे, ये याकूब के बेटे हैं, जो उसको मेसोपोटामिया सीरिया में हुए। याकूब अपने पिता इसहाक के पास ममरे में आया, जो मैदान का शहर है, यह हेब्रोन है कनान की भूमि में, जहाँ अब्राहम और इसहाक रहे थे। और इसहाक के दिन जो उसने जीए, सौ अस्सी वर्ष हुए। और इसहाक दुर्बल होकर मर गया, और वह अपनी जाति में मिला दिया गया, वृद्ध और दीर्घायु होकर, और उसके पुत्रों एसाव और याकूब ने उसे दफनाया।

36

ये एसाव की वंशावली हैं, वह एदोम है। एसाव ने कनानियों की पुत्रियों में से अपने लिए पत्नियाँ लीं: हिती ऐलोम की पुत्री अदा, और हिथ्वी सेबेगोन के पुत्र अना की पुत्री ओलिबेमा। और बासमत को, जो इश्माएल की बेटी और नबायोत की बहन थी। अदा ने उसे एलीपज को जन्म दिया, और बासमत ने रगूएल को जन्म दिया। और ओलिबेमा ने येऊस, येल्लोम और कोरे को जन्म दिया, ये एसाव के पुत्र हैं जो उसे कनान की भूमि में हुए। एसाव ने अपनी पत्नियों, अपने पुत्रों, अपनी पुत्रियों, अपने घर के सब लोगों, अपनी सब संपत्ति, सब पशुओं, और जितना कुछ उसने कनान की भूमि में अर्जित किया था, सब कुछ लिया, और एसाव अपने भाई याकूब के सामने से कनान की भूमि से चला गया। क्योंकि उनकी संपत्तियाँ इतनी अधिक थीं कि वे साथ नहीं रह सकते थे, और उनके प्रवास की भूमि उनकी संपत्तियों की बहुतायत के कारण उन्हें संभालने में असमर्थ थी। एसाव सेईर पहाड़ में बस गया, यह एसाव ही एदोम है। ये एसाव की पीढ़ियाँ हैं, जो एदोम का पिता था, सेईर पहाड़ में। और ये एसाव के पुत्रों के नाम हैं: एलीपज, जो एसाव की पत्नी अदा का पुत्र था, और रागुएल, जो एसाव की पत्नी बासमत का पुत्र था। एलिफास के पुत्र थाइमान, ओमार, सोफार, गोथोम और केनेज हुए। तिम्ना एसाव के पुत्र एलीपज की उपपत्नी थी, और उसने एलीपज के लिए अमालेक को जन्म दिया; ये एसाव की पत्नी अदा के पुत्र थे। ये रगूएल के पुत्र थे: नहोथ, जारे, सोमे और मोजे। ये एसाव की पत्नी बासेमथ के पुत्र थे। ये ओलिबेमास के पुत्र थे, जो अना की पुत्री थी, जो सेबेगोन का पुत्र था, और एसाव की पत्नी थी। उसने एसाव के लिए येउस, येल्लोम और कोरे को जन्म दिया। ये एसाव के पुत्रों के नेता हैं, एसाव

के प्रथमजात एलिफज के पुत्र: नेता तेमान, नेता ओमार, नेता सोफर, नेता केनज, नेता कोरह, नेता गोथोम, नेता अमालेक, ये एलीपज़ के नेता इदुमिया की भूमि में थे, ये अदा के पुत्र थे। और ये रगूल के पुत्र थे, जो एसाव का पुत्र था: नेता नाहोथ, नेता जारे, नेता सोमे, नेता मोजे। ये एदोम की भूमि में रगूल के नेता थे। ये एसाव की पत्नी बासेमथ के पुत्र थे। ये एसाव की पत्नी ओलिबेमास के पुत्र थे: नेता इयूस, नेता इयेग्लोम, नेता कोरे। ये एसाव की पत्नी, अना की पुत्री ओलिबेमास के नेता थे। ये एसाव के पुत्र हैं, और ये उनके नेता हैं; ये एदोम के पुत्र हैं। ये होरी सेईर के पुत्र हैं, जो उस भूमि में निवास करते थे: लोतान, शोबाल, सिबोन, अना, और दिशोन, और असार, और रिसोन - ये होरी के नेता थे, जो सेईर के पुत्र थे, एदोम की भूमि में। लोतान के पुत्र खोरी और हेमान बने, और लोतान की बहन थम्ना थी। ये शोबाल के पुत्र हैं: गोलाम, मानाहत, गाइबेल, सोफार और ओमार। और ये सिबोन के पुत्र हैं: अय्याह और अना। यह वही अना है जिसने मरुभूमि में यामीन को पाया, जब वह अपने पिता सिबोन के पशुओं को चरा रहा था। ये अना के पुत्र थे: दिशोन, और ओहोलीबामाह जो अना की पुत्री थी। ये दिशोन के पुत्र थे: अमादा, असबान, इथरान और हारान। ये असार के पुत्र हैं: बालाम, जूकाम और इयूकाम। ये रिसोन के पुत्र थे: अस और अरान। ये होरी के नेता हैं: नेता लोतान, नेता शोबाल, नेता सिबोन, नेता आना, नेता दिशोन, नेता असार, नेता रिसोन, ये खोरी के नेता थे जो एदोम की भूमि में अपने नेतृत्व में थे।

और ये वे राजा हैं जिन्होंने एदोम में शासन किया, इससे पहले कि इस्राएल में कोई राजा शासन करे। और एदोम में बालाक, जो बोर का पुत्र था, ने राज्य किया, और उसके नगर का नाम देन्नाबा था। बालाक मर गया, और उसके बदले में बोसोर्सा से जेरह का पुत्र योबाब ने राज्य किया। योबाब मर गया, और उसके स्थान पर तैमानों की भूमि से असोम ने राज्य किया। असोम मर गया, और उसके स्थान पर बराद का पुत्र अदद राजा बना, जिसने मोआब के मैदान में मिद्यान को मार डाला, और उसके शहर का नाम गेथाइम था। अदद मर गया, और उसके बजाय मस्सेक्कास से समदा ने राज्य किया। समदा मर गया, और उसके बदले नदी के पास के रोबोथ से शाऊल ने राज किया। शाऊल मर गया, और उसके बदले अखोबोर का पुत्र बल्लेनोन ने राज्य किया। बल्लेनोन, जो अखोबोर का पुत्र था, मर गया, और उसके स्थान पर अराद, जो बाराद का पुत्र था, राजा बना, और उसके नगर का नाम फोगोर था, और उसकी पत्नी का नाम मेतेबेएल था, जो मात्राइथ की पुत्री थी, जो माइजूब का पुत्र था। ये एसाव के नेताओं के नाम हैं, उनके कबीलों में, उनके स्थान के अनुसार, उनके प्रदेशों में, और उनकी जातियों में: नेता थम्ना, नेता गोला, नेता येथेर, नेता ओहोलीबामाह, नेता हेलास, नेता फिनोन। नेता केनेज़, नेता थाइमान, नेता माज़ार। नेता मागेदिएल, नेता

जाफोइन, ये एदोम के नेता थे, उनके अधिकार की भूमि में निर्मित स्थानों में, यह एसाव एदोम का पिता था।

37

याकूब उस भूमि में निवास करता था जहाँ उसके पिता ने कनान की भूमि में प्रवास किया था, और ये याकूब की पीढ़ियाँ हैं। Joseph सत्रह वर्ष का था, और वह अपने भाइयों के साथ अपने पिता की भेड़ें चरा रहा था, युवा होते हुए, Bilhah के पुत्रों के साथ, और Zilpah के पुत्रों के साथ, जो उसके पिता की पत्नियाँ थीं। और Joseph ने अपने पिता Israel के पास उनकी बुरी निंदा लाई। याकूब यूसुफ से अपने सब पुत्रों से अधिक प्रेम करता था, क्योंकि वह उसके बुढ़ापे का पुत्र था, और उसने उसके लिए एक रंगीन अंगरखा बनाया। उसके भाइयों ने यह देखकर कि पिता उसके सभी पुत्रों में से उससे प्रेम करता है, उससे घृणा की, और वे उससे कुछ भी शांतिपूर्ण बोलने में सक्षम नहीं थे। यूसुफ ने एक स्वप्न देखा और उसने इसे अपने भाइयों को बताया। और उसने उनसे कहा, इस स्वप्न को सुनो जो मैंने देखा है। मैंने सोचा कि तुम मैदान के बीच में पूलों को बांध रहे हो, और मेरा पूला उठा, और सीधा खड़ा हो गया, लेकिन तुम्हारे पूले घूमकर मेरे पूले को प्रणाम करने लगे। उसके भाइयों ने उससे कहा, क्या तू सचमुच हम पर राज्य करेगा, या हम पर शासन करेगा? और उन्होंने उसके स्वप्नों के कारण और उसके शब्दों के कारण उससे और भी अधिक घृणा की। उसने एक और स्वप्न देखा, और उसने इसे अपने पिता और अपने भाइयों को सुनाया, और कहा, देखो, मैंने एक और स्वप्न देखा है, जिसमें सूरज, चाँद और ग्यारह तारे मुझे झुक रहे थे। और उसके पिता ने उसे डांटा, और उसे कहा, यह क्या सपना है जो तूने देखा? क्या सचमुच मैं और तेरी माता और तेरे भाई आकर तुझे भूमि पर दंडवत करेंगे? उसके भाइयों ने उससे ईर्ष्या की, लेकिन उसके पिता ने उस बात को याद रखा। उसके भाई अपने पिता की भेड़ें चराने शक़ेम गए। और इस्राएल ने यूसुफ से कहा, क्या तेरे भाई शक़ेम में चरा नहीं रहे हैं? आ, मैं तुझे उनके पास भेजूंगा। और उसने उससे कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। इस्राएल ने उससे कहा, जाकर देखो कि तुम्हारे भाई और भेड़ें स्वस्थ हैं या नहीं, और मुझे बताओ। और उसने उसको हेब्रोन की घाटी से भेजा, और वह शक़ेम में आया। और एक आदमी ने उसे मैदान में भटकते हुए पाया, और उस आदमी ने उससे पूछा, तू क्या खोज रहा है? मगर उसने कहा, मैं अपने भाइयों को ढूँढ रहा हूँ, मुझे बताओ वे कहां चरा रहे हैं। उस आदमी ने उससे कहा, वे यहाँ से चले गए हैं, क्योंकि मैंने उन्हें यह कहते हुए सुना था, चलो दोथाईम चलें। और यूसुफ अपने भाइयों के पीछे गया, और उसने उन्हें दोथाईम में पाया।

उन्होंने उसे दूर से पहले ही देख लिया, इससे पहले कि वह उनके पास आता, और उसे मारने की बुरी साजिश रची। और प्रत्येक ने अपने भाई से कहा, देखो, वह स्वप्नदृष्टा आता है। अब इसलिए आओ, हम उसको मार डालें और उसको गड्ढों में से एक में फेंक दें, और हम कहेंगे कि किसी बुरे जानवर ने उसको खा लिया, और हम देखेंगे कि उसके सपनों का क्या होगा। रुबेन ने सुनकर उसे उनके हाथों से बचाया, और कहा, हम उसे आत्मा तक न मारें। रुबेन ने उनसे कहा, खून मत बहाओ, उसे इन गड्ढों में से एक में फेंक दो जो रेगिस्तान में हैं, और उस पर हाथ मत उठाओ, ताकि वह उसे उनके हाथों से बचा सके, और उसे उसके पिता को लौटा दे। और ऐसा हुआ कि जब यूसुफ अपने भाइयों के पास आया, तो उन्होंने यूसुफ का रंगीन अंगरखा जो उस पर था उतार दिया। और उसे लेकर, उन्होंने गड्ढे में फेंक दिया, और वह गड्ढा खाली था, उसमें पानी नहीं था। वे बैठे और रोटी खाने लगे, और उन्होंने अपनी आँखें उठाकर देखा, और देखो, इश्माएली यात्री गिलाद से आ रहे थे, और उनके ऊँट धूप, राल और गंधरस से लदे हुए थे। वे मिस्र में ले जाने के लिए जा रहे थे।

यहूदा ने अपने भाइयों से कहा, क्या फायदा है, यदि हम अपने भाई को मार डालें और उसका खून छिपाएं? आओ, हम उसे इन इश्माएलियों को बेच दें, और हमारे हाथ उस पर न हों, क्योंकि वह हमारा भाई और हमारा मांस है। और उसके भाइयों ने सुना। और मिद्यानी व्यापारी लोग गुजर रहे थे, और उन्होंने यूसुफ को गड्ढे से खींचा और ऊपर लाए, और यूसुफ को इश्माएलियों को बीस सोने के सिक्कों में बेच दिया। और यूसुफ को मिस्र में ले गए। रुबेन गड्ढे पर लौटा, और उसने यूसुफ को गड्ढे में नहीं देखा, और उसने अपने वस्त्र फाड़ लिए। और वह अपने भाइयों की ओर लौटा, और बोला, लड़का नहीं है, और मैं अब कहाँ जाऊँ? लेकिन यूसुफ का अंगरखा लेकर, उन्होंने बकरियों के एक बच्चे का वध किया, और उस अंगरखे को खून से दागदार कर दिया। और उन्होंने वह रंगीन वस्त्र भेजा, और अपने पिता के पास लाए, और कहा, हमने यह पाया है, पहचानो कि यह तुम्हारे पुत्र का वस्त्र है, या नहीं। और उसने उसे पहचाना, और कहा, यह मेरे पुत्र का अंगरखा है, किसी दुष्ट जंगली जानवर ने उसे खा लिया है, किसी जंगली जानवर ने यूसुफ को छीन लिया है। लेकिन याकूब ने अपने वस्त्र फाड़े, और अपनी कमर पर टाट लगाया, और अपने पुत्र के लिए बहुत दिनों तक शोक किया। उसके सभी पुत्र और बेटियाँ एकत्रित हुए, और उसे सांत्वना देने आए, परन्तु उसने सांत्वना पाना नहीं चाहा, यह कहते हुए कि मैं अपने पुत्र के पास शोक करते हुए अधोलोक में जाऊंगा, और उसके पिता ने उसके लिए रोया। लेकिन मिद्यानियों ने यूसुफ को मिस्र में फिरौन के खोजे पोतीपर को बेच दिया, जो मुख्य रसोइया था।

उस समय ऐसा हुआ कि यहूदा अपने भाइयों से अलग होकर नीचे गया, और एक अदुल्लामी व्यक्ति के पास पहुंचा, जिसका नाम हीरा था। और यहूदा ने वहाँ एक कनानी मनुष्य की पुत्री को देखा, जिसका नाम शूआ था, और उसे लिया, और उसके पास गया। और गर्भधारण करके उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम एर रखा। और गर्भधारण करके उसने फिर एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम ओनान रखा। और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम शीलोम रखा, वह खासबी में थी, जब उसने उनको जन्म दिया। और यहूदा ने अपने पहलूँठे एर के लिए एक पत्नी ली, जिसका नाम तामार था। यहूदा का प्रथमजात पुत्र एर प्रभु की दृष्टि में दुष्ट था, और परमेश्वर ने उसे मार डाला। यहूदा ने ओनान से कहा, अपने भाई की पत्नी के पास जाओ और उससे विवाह करो, और अपने भाई के लिए संतान उत्पन्न करो। लेकिन ओनान ने जानकर कि वह बीज उसका नहीं होगा, जब भी वह अपने भाई की पत्नी के पास जाता था, तो भूमि पर बहा देता था, ताकि अपने भाई को बीज न दे। यह बात परमेश्वर के सामने बुरी लगी, क्योंकि उसने यह किया, और उसने इसको भी मार डाला।

यहूदा ने अपनी बहू तामार से कहा, अपने पिता के घर में विधवा के रूप में रहो, जब तक मेरा पुत्र शीलोह बड़ा न हो जाए, क्योंकि उसने सोचा, कहीं यह भी अपने भाइयों की तरह मर न जाए। तब तामार चली गई और अपने पिता के घर में रहने लगी। दिन बीत गए, और यहूदा की पत्नी शूआ मर गई, और सांत्वना पाकर यहूदा अपनी भेड़ों के ऊन कतरने वालों के पास गया, वह और उसका चरवाहा अदुल्लामी हीरा, तिम्ना को। और उसकी बहू तामार को यह सूचना दी गई, देखो, तुम्हारा ससुर अपनी भेड़ों को कतरने के लिए थम्ना जा रहा है। और उसने अपने विधवापन के वस्त्र उतारकर, ग्रीष्म वस्त्र पहना, और स्वयं को सजाया, और ऐनान के द्वारों की ओर बैठी, जो थम्ना के रास्ते में है, क्योंकि उसने देखा कि शीलोम बड़ा हो गया था, लेकिन उसने उसे उसकी पत्नी नहीं दिया। और उसे देखकर यहूदा ने सोचा कि वह वेश्या है, क्योंकि उसने अपना चेहरा ढक रखा था और उसने उसे पहचाना नहीं। वह रास्ते से उसकी ओर मुड़ गया, और उससे कहा, मुझे तुम्हारे पास आने दो, क्योंकि वह नहीं जानता था कि वह उसकी बहू है। लेकिन उसने कहा, अगर तुम मेरे पास आओगे तो मुझे क्या दोगे? उसने कहा, मैं तुम्हें अपनी भेड़ों में से एक बकरी का बच्चा भेजूंगा। उसने कहा, अगर तुम मुझे गिरवी दो, जब तक तुम भेजो। उसने कहा, मैं तुम्हें क्या गिरवी दूंगा? उसने कहा, तुम्हारी अंगूठी, और हार, और तुम्हारे हाथ में छड़ी। और उसने उसे दिया, और उसके पास गया, और उसने उससे गर्भ धारण किया। और वह उठकर चली गई, और उसने अपना गर्मी का वस्त्र उतारा, और अपने विधवापन के वस्त्र पहने। यहूदा ने अपने अदुल्लामी चरवाहे के हाथ से बकरियों का बच्चा भेजा, ताकि उस स्त्री से गिरवी वापस ले सके, परन्तु

उसने उसे नहीं पाया। उसने उस स्थान के पुरुषों से पूछा, वह वेश्या कहाँ है जो ऐनान में मार्ग पर थी? और उन्होंने कहा, यहाँ कोई वेश्या नहीं थी। और वह यहूदा की ओर मुड़ा और कहा, मैंने नहीं पाया, और उस स्थान के लोग कहते हैं कि यहाँ कोई वेश्या नहीं है। यहूदा ने कहा, उसे वे रखने दो, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि हम पर हंसा जाए। मैंने तो यह बकरी का बच्चा भेजा था, लेकिन तुमने उसे नहीं पाया। तीन महीने बाद यहूदा को यह सूचना दी गई कि तुम्हारी बहू तामार ने व्यभिचार किया है और देखो, वह व्यभिचार से गर्भवती है। यहूदा ने कहा, उसे बाहर लाओ और उसे जला दिया जाए। यह ले जाई जा रही थी, लेकिन उसने अपने सास के पास भेजा, कहते हुए, जिस आदमी की ये चीजें हैं, मैं उससे गर्भवती हूँ, और कहा, पहचानो कि यह अंगूठी, यह हार और यह छड़ी किसकी है। यहूदा ने पहचाना, और कहा, तामार न्यायसंगत ठहराई गई है, मैं नहीं, क्योंकि मैंने उसे अपने पुत्र शीलोह को नहीं दिया। और उसने फिर उसे जानने का प्रयास नहीं किया। ऐसा हुआ कि जब वह जन्म दे रही थी, तो उसके गर्भ में जुड़वाँ बच्चे थे। ऐसा हुआ कि जब वह जन्म दे रही थी, तो एक ने अपना हाथ आगे निकाला, और दाईं ने उसका हाथ पकड़कर उस पर लाल धागा बाँधा और कहा, यह पहले बाहर आएगा। जैसे ही उसने हाथ वापस खींचा, तुरंत उसका भाई बाहर आ गया, और उसने कहा, तुम्हारे कारण क्या बाड़ फट गई? और उसने उसका नाम फारेस रखा। और इसके बाद उसका भाई बाहर आया, जिसके हाथ पर लाल धागा था, और उसका नाम जेरह रखा गया।

39

Joseph को Egypt ले जाया गया, और Potiphar ने, जो Pharaoh का खोजा और मुख्य रसोइया था, एक मिस्री व्यक्ति, उसे उन इश्माएलियों के हाथों से खरीदा, जिन्होंने उसे वहाँ लाया था। और प्रभु यूसुफ के साथ था, और वह एक सफल पुरुष था, और वह अपने मिस्री स्वामी के घर में था। उसका स्वामी जानता था कि प्रभु उसके साथ था, और जो कुछ भी वह करता है, प्रभु उसके हाथों में सफल करता है। और यूसुफ ने अपने स्वामी के सामने कृपा पाई, और उसे प्रसन्न किया। और उसने उसको अपने घर के ऊपर नियुक्त किया, और जितना कुछ उसके पास था, सब यूसुफ के हाथ में दे दिया। यह हुआ कि उसके घर पर और उसकी सब संपत्ति पर स्थापित होने के बाद, प्रभु ने यूसुफ के कारण मिस्री के घर को आशीर्वाद दिया, और प्रभु का आशीर्वाद उसके घर में और उसके खेत में उसकी सारी संपत्ति में हुआ। और उसने यूसुफ के हाथों में वह सब कुछ सौंप दिया जो उसके पास था, और उसे अपने विषय में कुछ भी पता नहीं था, सिवाय उस रोटी के जो वह स्वयं खाता था। और यूसुफ रूप में सुंदर था और दिखावट में अत्यंत सुंदर था। और इन बातों के

बाद ऐसा हुआ, और उसके स्वामी की स्त्री ने अपनी आँखें यूसुफ पर डालीं, और कहा, मेरे साथ लेट जाओ। लेकिन वह इच्छुक नहीं था, और उसने अपने स्वामी की स्त्री से कहा, यदि मेरा स्वामी मेरे द्वारा अपने घर में कुछ भी नहीं जानता, और जो कुछ उसका है सब उसने मेरे हाथों में दिया है, और इस घर में मुझसे अधिक कुछ भी नहीं है, और मुझसे कुछ भी नहीं रोका गया है, सिवाय तुम्हारे, क्योंकि तुम उसकी पत्नी हो, और मैं यह बुरा काम कैसे करूँगा, और परमेश्वर के सामने पाप करूँगा? जब वह यूसुफ से दिन-प्रतिदिन बात कर रही थी, और वह उसकी बात नहीं मान रहा था कि उसके साथ सोए, उसके साथ संबंध बनाने के लिए। ऐसा एक दिन हुआ, और यूसुफ घर में अपने कार्य करने के लिए प्रवेश किया, और घर के अंदर कोई नहीं था। और उसने उसे वस्त्रों से पकड़ा, कहती हुई, मेरे साथ लेट जाओ, और उसने अपने वस्त्र उसके हाथों में छोड़कर भागा, और बाहर निकल गया। और ऐसा हुआ कि जब उसने देखा कि वह अपने वस्त्र उसके हाथों में छोड़कर भाग गया और बाहर निकल गया, और उसने घर में जो लोग थे उन्हें बुलाया, और उनसे कहा, देखो, वह हमारे लिए एक इब्री लड़के को लाया है हमारा मज़ाक उड़ाने के लिए। वह मेरे पास आया और कहने लगा, मेरे साथ लेट जा, और मैं ज़ोर से चिल्लाई। लेकिन जब उसने सुना कि मैंने अपनी आवाज़ ऊँची की और चिल्लाई, तो वह अपने कपड़े मेरे पास छोड़कर भाग गया, और बाहर निकल गया। और उसने वस्त्र अपने पास रख लिए, जब तक उसका स्वामी अपने घर में आया। और उसने उससे इन शब्दों के अनुसार कहा, वह इब्री सेवक, जिसे तू हमारे पास लाया था, मेरे पास आया कि मेरा ठट्ठा करे, और उसने मुझसे कहा, मैं तेरे साथ सोऊँगा। लेकिन जब उसने सुना कि मैंने अपनी आवाज़ ऊँची की और चिल्लाई, तो अपने वस्त्र मेरे पास छोड़कर वह भाग गया और बाहर निकल गया। और ऐसा हुआ कि जब स्वामी ने अपनी पत्नी के वे शब्द सुने जो उसने उससे कहे थे, यह कहती हुई, तुम्हारे सेवक ने मुझसे ऐसा किया, तो वह क्रोध से क्रोधित हो गया।

और प्रभु ने यूसुफ को लेकर उसे दुर्ग में डाल दिया, उस स्थान में जहाँ राजा के बंदी रखे जाते हैं, वहाँ दुर्ग में। और प्रभु यूसुफ के साथ था, और उस पर दया उंडेली, और उसे मुख्य कारागार अधिकारी के सामने कृपा दी। और मुख्य कारागार-रक्षक ने कारागार यूसुफ के हाथ में सौंप दिया, और सब कैदियों को जो कारागार में थे, और जो कुछ वहाँ किया जाता था, वह स्वयं करता था। कारागार का मुख्य रक्षक उसके द्वारा कुछ नहीं जानता था, क्योंकि सब कुछ यूसुफ के हाथ द्वारा था, इसलिए कि प्रभु उसके साथ था, और जितना कुछ वह करता था, प्रभु उसके हाथों में समृद्ध करता था।

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि मिस्र के राजा के मुख्य पिलानेवाले और मुख्य रोटी बनानेवाले ने अपने स्वामी मिस्र के राजा के विरुद्ध पाप किया। और फिरौन अपने दो खोजों पर क्रोधित हुआ, मुख्य साक़ी पर और मुख्य रसोइये पर। और उसने उन्हें पहरों में रखा, उस कारागार में, उसी स्थान पर जहाँ यूसुफ बंद था। और मुख्य कारागार अधिकारी ने योसेफ को उनके पास नियुक्त किया, और वह उनकी सेवा करता रहा, और वे कई दिन कारागार में रहे। और दोनों ने एक ही रात में स्वप्न देखा, और मुख्य पिलानेवाले और मुख्य पकानेवाले के स्वप्न की दृष्टि, जो मिस्र के राजा के थे और जो कारागार में थे, यह थी। यूसुफ सुबह उनके पास गया, और उसने उनको देखा, और वे व्याकुल थे। और उसने फिरौन के खोजों से पूछा, जो उसके स्वामी के यहाँ कारागार में उसके साथ थे, कहते हुए, क्या बात है कि तुम्हारे चेहरे आज उदास हैं? उन्होंने उससे कहा, हमने एक सपना देखा है, और इसकी व्याख्या करने वाला कोई नहीं है। यूसुफ ने उससे कहा, क्या परमेश्वर के माध्यम से उनकी व्याख्या नहीं होती? इसलिए मुझे बताओ। और मुख्य पियाऊ ने अपना सपना यूसुफ को बताया, और कहा, मेरी नींद में मेरे सामने एक अंगूर की बेल थी। अंगूर की बेल में तीन शाखाएँ थीं, और यह फलती-फूलती थी, कोंपलें निकालती हुई थीं, अंगूर के गुच्छे पके हुए थे। और फिरौन का प्याला मेरे हाथ में था, और मैंने अंगूर लिया, और उसे प्याले में निचोड़ा, और प्याला फिरौन के हाथ में दे दिया। और यूसुफ ने उससे कहा, इसकी व्याख्या यह है: वे तीन शाखाएँ तीन दिन हैं। अभी तीन दिन में फिरौन तुम्हारे पद को याद करेगा, और तुम्हें तुम्हारे मुख्य पियाला-वाहक के पद पर बहाल करेगा, और तुम फिरौन का प्याला उसके हाथ में दोगे, तुम्हारे पहले पद के अनुसार, जैसे तुम पियाला-वाहक थे। लेकिन जब तुम्हारा भला हो जाए, तो मुझे अपने माध्यम से याद रखना, और तुम मुझ पर दया करना, और तुम फिरौन के सामने मेरे विषय में याद करना, और तुम मुझे इस कारागार से बाहर निकालना। क्योंकि मैं इब्रियों की भूमि से चोरी करके चुराया गया था, और यहाँ मैंने कुछ भी नहीं किया, लेकिन उन्होंने मुझे इस गढ़ में फँक दिया। और मुख्य रोटी बनाने वाले ने देखा कि उसने सही ढंग से व्याख्या की, और यूसुफ से कहा, मैंने भी एक स्वप्न देखा, और मैंने सोचा कि मैं अपने सिर पर महीन रोटी की तीन टोकरियाँ उठा रहा हूँ। और ऊपर वाली टोकरी में सभी प्रकार की चीज़ें थीं, जो फिरौन खाता है, रोटी बनाने वाले का काम, और आकाश के पक्षी उन्हें मेरे सिर के ऊपर की टोकरी से खा रहे थे। उत्तर देते हुए यूसुफ ने उसको कहा, यह उसकी व्याख्या है: वह तीन टोकरियाँ तीन दिन हैं। तीन दिन में, फिरौन तुम्हारा सिर तुमसे हटा देगा, और तुम्हें पेड़ पर लटका देगा, और आकाश के पक्षी तुम्हारा मांस खा जाएंगे। तीसरे दिन ऐसा हुआ, जो फिरौन का जन्मदिन था, और उसने अपने सभी सेवकों के लिए भोजन दिया, और उसने अपने सेवकों के बीच साक़ी के पद और रोटी बनाने वाले के पद को याद किया। और उसने मुख्य पिलाने वाले को उसके पद पर बहाल किया, और फिरौन के हाथ में प्याला दिया। परन्तु

मुख्य रोटी बनाने वाले को उसने फाँसी दी, जैसा यूसुफ ने उनके लिए व्याख्या की थी। और मुख्य पियाऊ ने यूसुफ को याद नहीं किया, बल्कि उसे भूल गया।

41

दो वर्ष के दिनों के बाद ऐसा हुआ कि फिरौन ने एक स्वप्न देखा, उसने सोचा कि वह नदी के किनारे खड़ा है। और देखो, जैसे नदी से सात गायें बाहर आ रहीं थीं, जो रूप में सुंदर थीं और मांस में चुनी हुई थीं, और वे घास में चर रहीं थीं। अन्य सात गायें इनके बाद नदी से ऊपर आ रही थीं, रूप में बदसूरत और मांस में पतली, और वे नदी के किनारे पर गायों के पास चर रही थीं। और सात कुरूप और दुबली गायों ने सात सुंदर और हृष्ट-पुष्ट गायों को निगल लिया, और फिरौन जाग उठा। और उसने दूसरा सपना देखा, और देखो, सात बालें एक डंठल में ऊपर आ रही थीं, जो चुनी हुई और अच्छी थीं। और देखो, सात पतली और हवा से झुलसी हुई बालें उनके साथ उग रहीं थीं। और सात पतली और हवा से नष्ट बालों ने सात चुनी हुई और भरी हुई बालों को निगल लिया, लेकिन फिरौन उठा, और यह एक स्वप्न था। सुबह हुई, और उसकी आत्मा परेशान हो गई, और उसने भेजकर मिस्र के सभी व्याख्याकारों और उसके सभी बुद्धिमानों को बुलाया, और फिरौन ने उनको अपना स्वप्न सुनाया, और फिरौन को इसका अर्थ बताने वाला कोई नहीं था। और मुख्य पिलानेवाला फिरौन से बोला, आज मैं अपने पाप को याद करता हूँ। फिरौन अपने सेवकों पर क्रोधित हुआ था, और उसने हमें मुख्य रसोइये के घर में कारागार में रखा, मुझे और मुख्य रोटी बनाने वाले को। और हम दोनों ने एक ही रात में सपना देखा, मैं और वह, प्रत्येक ने अपना-अपना सपना देखा। वहाँ हमारे साथ एक इब्री युवा सेवक था जो मुख्य रसोइये का था, और हमने उसको बताया, और उसने हमको व्याख्या की। यह हुआ कि जैसा उसने हमें व्याख्या की थी, वैसा ही हुआ - मुझे मेरे पद पर बहाल किया गया, और उसको फाँसी दी गई। भेजकर फिरौन ने यूसुफ को बुलाया, और उन्होंने उसको कारागार से निकाल लाए, और उन्होंने उसको मुंडाया, और उसके वस्त्र बदले, और वह फिरौन के पास आया। फिरौन ने यूसुफ से कहा, मैंने एक स्वप्न देखा है, और कोई नहीं है जो इसकी व्याख्या कर सके। मैंने तुम्हारे बारे में सुना है कि तुम स्वप्नों को सुनकर उनकी व्याख्या कर सकते हो। यूसुफ ने उत्तर देते हुए फिरौन से कहा, परमेश्वर के बिना फिरौन की मुक्ति का उत्तर नहीं दिया जाएगा। फिरौन ने यूसुफ से कहा, मेरी नौद में मैंने सोचा कि मैं नदी के किनारे खड़ा हूँ। और जैसे नदी से सात गायें बाहर आ रही थीं जो रूप में सुंदर थीं और मांस में चुनी हुई थीं, और वे घास में चर रही थीं। और देखो, सात दूसरी गायें उनके पीछे नदी से निकल कर आ रही थीं, जो रूप में बुरी और कुरूप थीं, और मांस में पतली थीं, जैसी मैंने पूरे मिस्र देश में इतनी अधिक कुरूप नहीं

देखी थीं। और सात बदसूरत और पतली गायों ने सात पहली सुंदर और चुनी हुई गायों को निगल लिया। और वे उनके पेट में प्रवेश कर गए, परन्तु यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वे उनके पेट में प्रवेश कर गए थे, और उनका रूप कुरूप था, जैसा कि आरंभ में था, और जागने के बाद मैं फिर सो गया। और मैंने फिर अपने सपने में देखा, और जैसे सात बालें एक तने पर ऊपर आ रही थीं, भरी हुई और अच्छी, लेकिन सात पतली और हवा से झूलसी हुई बालें उनके बगल में उग रही थीं। और सात पतली और हवा से नष्ट बालों ने सात अच्छी और भरी बालों को निगल लिया। इसलिए मैंने व्याख्याकारों से कहा, परन्तु कोई नहीं था जो मुझे इसका अर्थ बता सके।

और यूसुफ ने फ़िरौन से कहा, फ़िरौन का स्वप्न एक ही है; जो कुछ ईश्वर करने वाला है, उसे उसने फ़िरौन को दिखाया है। वे सात सुंदर गायें सात वर्ष हैं, और वे सात सुंदर बालें सात वर्ष हैं, फ़िरौन का स्वप्न एक ही है। और वे सात पतली गायें जो उनके पीछे चढ़ रही थीं, वे सात वर्ष हैं, और वे सात पतली और हवा से नष्ट बालें, वे सात वर्ष हैं, सात वर्ष अकाल के होंगे। परन्तु जो वचन मैंने फ़िरौन से कहा है, परमेश्वर जो कुछ करता है, उसने फ़िरौन को दिखाया। देखो, मिस्र की सारी भूमि में बहुत समृद्धि के सात वर्ष आ रहे हैं। इसके बाद सात वर्ष का अकाल आएगा, और वे उस समृद्धि को भूल जाएंगे जो संपूर्ण मिस्र में होने वाली थी, और अकाल भूमि को नष्ट कर देगा। और पृथ्वी पर वह समृद्धि नहीं जानी जाएगी उस अकाल के कारण जो इसके बाद आने वाला है, क्योंकि वह बहुत भयंकर होगा। लेकिन फ़िरौन के सपने को दो बार दोहराने के बारे में, क्योंकि परमेश्वर का वचन सच होगा, और परमेश्वर इसे करने में शीघ्रता करेगा। अब इसलिए एक बुद्धिमान और समझदार मनुष्य को खोजो, और उसे मिस्र की भूमि पर नियुक्त करो। और फ़िरौन ऐसा करे और भूमि पर अधिकारियों को नियुक्त करे, और वे मिस्र की भूमि की समृद्धि के सात वर्षों की सारी उपज एकत्र करें। और वे इन आने वाले सात अच्छे वर्षों का सारा भोजन इकट्ठा करें, और अनाज फ़िरौन के अधिकार में इकट्ठा किया जाए, नगरों में भोजन संग्रहित किया जाए। और जो भोजन भूमि के लिए संग्रहित किया जाएगा, वह सात वर्ष के अकाल के लिए होगा, जो मिस्र की भूमि में होगा, और भूमि अकाल में नष्ट नहीं होगी। यह वचन फ़िरौन और उसके सभी सेवकों को प्रसन्न हुआ।

और फ़िरौन ने अपने सब सेवकों से कहा, क्या हम ऐसा आदमी पाएंगे, जिसमें परमेश्वर का आत्मा है? फ़िरौन ने यूसुफ़ से कहा, चूँकि परमेश्वर ने तुम्हें यह सब दिखाया है, इसलिए तुमसे अधिक बुद्धिमान और समझदार कोई आदमी नहीं है। तू मेरे घर के ऊपर होगा, और तेरे मुँह पर मेरे सब लोग आज्ञा मानेंगे; केवल सिंहासन में मैं तुझसे बड़ा रहूँगा। फ़िरौन ने

यूसुफ से कहा, देखो, मैं आज तुम्हें समस्त मिस्त्र की भूमि पर नियुक्त करता हूँ। और फिरौन ने अपने हाथ से अंगूठी उतारकर यूसुफ के हाथ पर पहनाई, और उसे मलमल का वस्त्र पहनाया, और उसके गले में सोने का कंठा पहनाया। और उसने उसको अपने दूसरे रथ पर बिठाया, और उसके आगे घोषक ने घोषणा की, और उसने उसको सम्पूर्ण मिस्त्र की भूमि पर नियुक्त किया। फिरौन ने यूसुफ से कहा, मैं फिरौन हूँ, तुम्हारे बिना कोई भी मिस्त्र की सारी भूमि पर अपना हाथ नहीं उठाएगा। और फिरौन ने यूसुफ का नाम सोन्थोम्फानेख रखा, और उसे पतिफेरा की बेटी असनत को, जो हेलिओपोलिस का पुजारी था, पत्नी के रूप में दिया। यूसुफ तीस वर्ष का था, जब वह मिस्त्र के राजा फिरौन के सामने खड़ा हुआ, और यूसुफ फिरौन के सामने से निकला, और मिस्त्र की सारी भूमि में गया। और भूमि ने समृद्धि के सात वर्षों में पूलियाँ उत्पन्न कीं। और उसने उन सात वर्षों का सारा भोजन इकट्ठा किया, जिनमें मिस्त्र की भूमि में समृद्धि थी, और उसने भोजन नगरों में रखा; प्रत्येक नगर के चारों ओर के मैदानों का भोजन उसने उसी नगर में रखा। और यूसुफ ने समुद्र की रेत के समान बहुत अधिक अनाज इकट्ठा किया, यहाँ तक कि वह गिना नहीं जा सकता था, क्योंकि उसकी कोई गिनती नहीं थी।

युसुफ को दो पुत्र हुए, अकाल के सात वर्ष आने से पहले, जिनको आसनत ने जन्म दिया, जो हेलियोपोलिस के याजक पोतीपेरा की पुत्री थी। युसुफ ने अपने पहलौठे का नाम मनश्शे रखा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे मेरे सब कष्टों और मेरे पिता के घर की सब बातों को भुला दिया। और दूसरे का नाम उसने एफ्राईम रखा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे मेरे दुःख की भूमि में बढ़ाया। समृद्धि के वे सात वर्ष बीत गए, जो मिस्त्र की भूमि में हुए थे। और अकाल के सात वर्ष आने शुरू हुए, जैसा यूसुफ ने कहा था, और सब भूमि में अकाल हुआ, लेकिन मिस्त्र की सब भूमि में रोटियाँ थीं। और पूरी मिस्त्र की भूमि भूखी हो गई, और लोग फिरौन के पास रोटी के लिए चिल्लाए। फिरौन ने सब मिस्त्रियों से कहा, यूसुफ के पास जाओ, और जो कुछ वह तुम से कहे, वह करो। और अकाल सारी पृथ्वी के चेहरे पर था, और यूसुफ ने सब अन्न भंडार खोले, और सब मिस्त्रियों को बेचा। और सभी भूमियाँ मिस्त्र आई, यूसुफ से खरीदने के लिए, क्योंकि सारी पृथ्वी पर अकाल प्रबल हो गया था।

42

लेकिन याकूब ने देखकर कि मिस्त्र में बिक्री है, अपने पुत्रों से कहा, तुम क्यों आलस्य कर रहे हो? देखो, मैंने सुना है कि मिस्त्र में अनाज है, वहाँ जाओ और हमारे लिए थोड़ा भोजन खरीदो, ताकि हम जीवित रहें और मर न जाएँ।

यूसुफ के दस भाई मिस्र से अनाज खरीदने गए। लेकिन बिन्यामीन को, जो यूसुफ का भाई था, उसने अपने भाइयों के साथ नहीं भेजा, क्योंकि उसने कहा, कहीं उसे कोई कमजोरी न हो जाए। इस्राएल के पुत्र आए खरीदने के लिए उन लोगों के साथ जो आ रहे थे, क्योंकि कनान की भूमि में अकाल था। Joseph पृथ्वी का शासक था, वह पृथ्वी के सभी लोगों को अनाज बेच रहा था, और Joseph के भाई आकर उसके सामने भूमि पर मुँह के बल झुककर प्रणाम किए। यूसुफ ने अपने भाइयों को देखकर पहचान लिया, और उनसे अजनबी बन गया, और उनसे कठोरता से बोला, और उनसे कहा, तुम कहाँ से आए हो? उन्होंने कहा, कनान की भूमि से, भोजन खरीदने। यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचाना, लेकिन उन्होंने उसे नहीं पहचाना। और यूसुफ ने अपने सपनों को याद किया, जो उसने देखे थे, और उनसे कहा, तुम जासूस हो, तुम देश के निशानों को समझने आए हो। लेकिन उन्होंने कहा, नहीं, स्वामी, आपके सेवक भोजन खरीदने आए हैं। हम सब एक मनुष्य के पुत्र हैं, हम शांतिपूर्ण हैं, तुम्हारे सेवक जासूस नहीं हैं। उसने उनसे कहा, नहीं, बल्कि तुम पृथ्वी के निशान देखने आए हो। उन्होंने कहा, हम बारह भाई हैं, आपके सेवक, कनान की भूमि में। और देखिए, सबसे छोटा आज हमारे पिता के साथ है, लेकिन दूसरा अब नहीं है। यूसुफ ने उनसे कहा, यह वही है जो मैंने तुमसे कहा था, कि तुम जासूस हो। इसमें तुम सिद्ध किए जाओगे। फिरौन के स्वास्थ्य की शपथ, तुम यहाँ से नहीं निकलोगे, यदि तुम्हारा छोटा भाई यहाँ नहीं आता। तुममें से एक को भेजो, और अपने भाई को ले आओ, तुम तब तक बंदी रहोगे जब तक तुम्हारे शब्द स्पष्ट न हो जाएं, कि तुम सच बोलते हो या नहीं, यदि नहीं, तो फिरौन के स्वास्थ्य की सौगंध, तुम निश्चित रूप से जासूस हो। और उसने उनको तीन दिन के लिए कारागार में रखा। उसने तीसरे दिन उनसे कहा, यह करो, और तुम जीवित रहोगे, क्योंकि मैं परमेश्वर से डरता हूँ। यदि आप शांतिपूर्ण हैं, तो आपका एक भाई कारागार में रोका जाए, लेकिन आप लोग जाओ और अपनी अनाज आपूर्ति की खरीद ले आओ। और अपने छोटे भाई को मेरे पास लाओ, और तुम्हारे शब्दों पर विश्वास किया जाएगा, लेकिन यदि नहीं, तो तुम मरोगे। और उन्होंने ऐसा ही किया। और प्रत्येक ने अपने भाई से कहा, हाँ, हम अपने भाई के विषय में पापों में हैं, क्योंकि हमने उसकी आत्मा के क्लेश को अनदेखा किया, जब वह हमसे विनती कर रहा था, और हमने उसकी नहीं सुनी, और इसी कारण यह क्लेश हम पर आया है। उत्तर देते हुए रखेन ने उनसे कहा, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि उस बालक को हानि मत पहुँचाओ, और तुमने मेरी नहीं सुनी? और देखो, अब उसके खून का हिसाब लिया जा रहा है। वे स्वयं नहीं जानते थे कि यूसुफ सुन रहा है, क्योंकि उनके बीच में एक दुभाषिया था। लेकिन यूसुफ उनसे मुड़कर रोया, और फिर उनके पास आया, और उनसे बोला, और उनमें से शिमोन को लिया, और उसे उनके सामने बाँधा।

यूसुफ ने आज्ञा दी कि उनके पात्रों को अनाज से भरा जाए, और उनकी चांदी प्रत्येक के बोरे में लौटा दी जाए, और उनको मार्ग के लिए रसद दी जाए, और उनके साथ ऐसा ही हुआ। और उन्होंने अपने गधों पर अनाज लादकर, वहाँ से चले गए। एक ने अपनी बोरी खोली, अपने गधों को चारा देने के लिए, जहाँ वे ठहरे थे, और उसने अपनी चांदी की थैली देखी, और वह बोरी के मुँह के ऊपर थी। और उसने अपने भाइयों से कहा, मेरी चांदी लौटा दी गई है, और देखो, यह मेरी थैली में है। और उनका हृदय चकित हुआ, और वे एक दूसरे से व्याकुल होकर कहने लगे, परमेश्वर ने हमारे साथ यह क्या किया है? वे अपने पिता याकूब के पास कनान देश में आए, और उन्होंने उसे वे सब घटनाएँ बताईं जो उन पर बीती थीं, कहते हुए, उस भूमि के स्वामी ने हमसे कठोरता से बात की है और हमें कारागार में रखा है, जैसे कि हम उस भूमि की जासूसी कर रहे हों। हमने उससे कहा, हम शांतिप्रिय हैं, हम जासूस नहीं हैं। हम बारह भाई हैं, हमारे पिता के पुत्र, एक नहीं है, लेकिन छोटा आज हमारे पिता के साथ कनान की भूमि में है। उस पृथ्वी के स्वामी ने हमसे कहा, इससे मैं जानूँगा कि तुम शांतिपूर्ण हो, एक भाई को यहाँ मेरे साथ छोड़ दो, और अपने घर के लिए अनाज की खरीद लेकर चले जाओ। और अपने छोटे भाई को मेरे पास लाओ, और मैं जान लूँगा कि तुम जासूस नहीं हो, बल्कि शांतिपूर्ण हो, और मैं तुम्हारे भाई को तुम्हें लौटा दूँगा, और तुम इस भूमि में व्यापार करोगे। यह हुआ कि जब वे अपने बोरे खाली कर रहे थे, तो प्रत्येक के बोरे में उसकी चांदी की थैली थी, और उन्होंने अपनी चांदी की थैलियाँ देखीं, वे और उनके पिता, और वे डर गए। उनके पिता याकूब ने उनसे कहा, तुमने मुझे निःसंतान कर दिया, यूसुफ नहीं है, शिमोन नहीं है, और बिन्यामीन को तुम ले जाओगे; ये सब मुझ पर आ पड़ा है। रुबेन ने अपने पिता से कहा, मेरे दोनों पुत्रों को मार डालना, यदि मैं उसे तुम्हारे पास वापस न लाऊँ। उसे मेरे हाथ में सौंप दो, और मैं उसे तुम्हारे पास वापस ले आऊँगा। लेकिन उसने कहा, मेरा पुत्र तुम्हारे साथ नीचे नहीं जाएगा, क्योंकि उसका भाई मर गया है, और वह अकेला ही बचा है, और यदि तुम जिस रास्ते पर जाओगे उसमें उसे कुछ हो गया, तो तुम मेरे बुढ़ापे को दुःख के साथ अधोलोक में पहुँचा दोगे।

43

लेकिन अकाल पृथ्वी पर प्रबल हो गया। ऐसा हुआ कि जब वे उस अनाज को खा चुके जो वे मिस्र से लाए थे, तो उनके पिता ने उनसे कहा, फिर जाकर हमारे लिए थोड़ा भोजन खरीदो। यहूदा ने उससे कहा, उस पृथ्वी के स्वामी ने हमें गवाही देते हुए कहा था कि तुम मेरा चेहरा नहीं देखोगे, यदि तुम्हारा छोटा भाई तुम्हारे साथ न हो। यदि तुम वास्तव में हमारे भाई को हमारे साथ भेजते हो, तो हम नीचे जाएंगे और तुम्हारे लिए भोजन खरीदेंगे।

यदि तुम हमारे भाई को हमारे साथ नहीं भेजते हो, तो हम नहीं जाएंगे, क्योंकि उस आदमी ने हमसे कहा था, तुम मेरा चेहरा नहीं देखोगे, यदि तुम्हारा छोटा भाई तुम्हारे साथ नहीं है। इस्राएल ने कहा, तुमने उस आदमी को यह बताकर कि तुम्हारा एक भाई है, मुझे क्यों कष्ट दिया? उन्होंने कहा, वह आदमी हमसे और हमारी पीढ़ी के बारे में बार-बार पूछता रहा, यह कहते हुए, क्या तुम्हारा पिता अभी भी जीवित है, और क्या तुम्हारा कोई भाई है? और हमने उसे इस पूछताछ के अनुसार सूचित किया। हम कैसे जानते कि वह हमसे कहेगा, अपने भाई को लाओ? यहूदा ने अपने पिता इस्राएल से कहा, लड़के को मेरे साथ भेजो, और हम उठकर जाएंगे, ताकि हम जीवित रहें और मरें नहीं—हम भी, तुम भी, और हमारा सामान भी। मैं उसकी प्रतीक्षा करता हूँ, मेरे हाथ से उसे माँगो, यदि मैं उसे तुम्हारे पास नहीं लाऊँगा, और उसे तुम्हारे सामने स्थापित नहीं करूँगा, तो मैं तुम्हारे विरुद्ध सभी दिनों तक पापी रहूँगा। यदि हम विलंब न करते, तो हम पहले ही दो बार लौट चुके होते। उनके पिता इस्राएल ने उनसे कहा, यदि ऐसा है, तो यह करो: भूमि के फलों में से अपने बर्तनों में लो, और उस पुरुष के लिए उपहार ले जाओ - राल, शहद, धूप, गंधरस, तारपीन और मेवे। और अपने हाथों में दोगुनी चांदी लो, जो चांदी तुम्हारे बोरों में लौटाई गई थी उसे अपने साथ वापस ले जाओ, कहीं ऐसा न हो कि यह कोई भूल हो। और अपने भाई को लो, और उठकर उस मनुष्य के पास जाओ। मेरा परमेश्वर तुम्हें उस व्यक्ति के सामने अनुग्रह दे और तुम्हारे एक भाई को और बिन्यामीन को भेज दे, क्योंकि मैं तो जैसे संतानहीन हूँ, संतानहीन हूँ।

उन पुरुषों ने वे उपहार और दोगुनी चांदी अपने हाथों में ली, और बिन्यामीन को भी साथ लिया, और उठकर मिस्र गए, और यूसुफ के सामने खड़े हुए। यूसुफ ने उन्हें देखा, और बिन्यामीन को, जो उसका सहोदर भाई था, और अपने घर के अधिकारी से कहा, इन लोगों को घर में ले आओ, और बलि का वध करो और तैयारी करो, क्योंकि ये लोग दोपहर को मेरे साथ भोजन करेंगे। उस आदमी ने वैसा ही किया जैसा यूसुफ ने कहा था, और वह उन लोगों को यूसुफ के घर में ले गया। लेकिन जब उन पुरुषों ने देखा कि उन्हें यूसुफ के घर में ले जाया गया था, तो उन्होंने कहा, उस चांदी के कारण जो पहले हमारे बोरों में लौटाई गई थी, हमें लाया जा रहा है, ताकि हम पर झूठा आरोप लगाया जाए और हम पर हमला किया जाए, हमें दास बनाया जाए, और हमारे गधों को ले लिया जाए। लेकिन यूसुफ के घर के उस आदमी के पास आकर, उन्होंने घर के द्वार पर उससे बात की। कहते हुए, हे स्वामी, हमें आरंभ में भोजन खरीदने के लिए नीचे आना पड़ा। ऐसा हुआ कि जब हम ठहरने के लिए आए और हमने अपने बोरे खोले, तो प्रत्येक की चांदी उसके बोरे में थी, हमारी चांदी पूरे तौल में थी, जिसे हमने अब अपने हाथों में लौटाया है। और हम अपने साथ दूसरी चांदी भी लाए हैं भोजन खरीदने के लिए, हम नहीं जानते कि किसने हमारे बोरों में चांदी डाली। उसने

उनसे कहा, तुम पर कृपा हो, मत डरो। तुम्हारे देवता और तुम्हारे पिताओं के देवता ने तुम्हारे थैलों में तुम्हें खजाने दिए हैं, और तुम्हारी चांदी जो प्रतिष्ठित थी, मैंने प्राप्त कर ली है। और उसने शिमोन को उनके पास बाहर लाया। और वह उनके पैर धोने के लिए पानी लाया, और उनके गधों को चारा दिया। उन्होंने उपहारों को तैयार किया जब तक यूसुफ दोपहर को आए, क्योंकि उन्होंने सुना था कि वह वहाँ भोजन करने वाले हैं। और यूसुफ घर में प्रवेश किया, और उन्होंने उसके पास वे उपहार लाए जो उनके हाथों में थे, और उन्होंने भूमि पर मुँह के बल उसे प्रणाम किया। उसने उनसे पूछा, आप कैसे हैं? और उनसे कहा, क्या आपके पिता, वह बूढ़े व्यक्ति जिसके बारे में आपने बताया था, स्वस्थ हैं? क्या वे अभी भी जीवित हैं? उन्होंने कहा, हमारे पिता, आपके सेवक, स्वस्थ हैं और अभी जीवित हैं। और उसने कहा, वह मनुष्य परमेश्वर द्वारा धन्य है। और झुककर उन्होंने उसे प्रणाम किया। अपनी आँखों से ऊपर देखकर यूसुफ ने बिन्यामीन को, अपने सहोदर भाई को देखा, और कहा, क्या यह तुम्हारा छोटा भाई है, जिसे तुमने मेरे पास लाने को कहा था? और उसने कहा, परमेश्वर तुम पर दया करे, पुत्र। यूसुफ व्याकुल हो गया, क्योंकि उसका हृदय अपने भाई के लिए भर आया था, और वह रोना चाहता था। इसलिए वह कक्ष में जाकर वहाँ रोया।

और चेहरा धोकर, बाहर जाकर उसने स्वयं को नियंत्रित किया, और कहा, रोटियों परोसो। और उन्होंने उसके लिए अकेले भोजन परोसा, और उनके लिए अलग, और मिस्त्रियों के लिए जो उसके साथ भोजन कर रहे थे अलग, क्योंकि मिस्री इब्रियों के साथ रोटी नहीं खा सकते थे, क्योंकि यह मिस्त्रियों के लिए घृणित है। वे उसके सामने बैठे, पहलौठा अपने विशेषाधिकार के अनुसार, और छोटा अपनी युवावस्था के अनुसार, और लोग अपने-अपने भाई की ओर देखकर चकित हुए। उन्होंने उसके पास से अपने लिए भाग उठाए, लेकिन बिन्यामीन का भाग सबके भागों से पाँच गुना बड़ा था। उन्होंने पिया और उसके साथ मस्त हुए।

44

और यूसुफ ने अपने घर के अधिकारी को आदेश देते हुए कहा, इन लोगों के बोरो को भोजन से भर दो, जितना वे उठा सकें, और हर एक की चांदी उसके बोरे के मुंह पर रख दो। और मेरा चांदी का कप छोटे के थैले में डाल दो, और उसके अनाज की कीमत भी। यह यूसुफ के वचन के अनुसार हुआ, जैसा उसने कहा था।

सुबह का उजाला हुआ, और वे लोग भेजे गए, वे स्वयं और उनके गधे। जब वे शहर से बाहर निकल गए थे, वे दूर नहीं गए थे, और यूसुफ ने अपने घर के प्रबंधक से कहा, उठो और उन लोगों का पीछा करो, और जब तुम उन्हें पकड़ लो, तो उनसे कहना, क्यों तुमने अच्छाई के बदले बुराई की है? तुमने मेरा चाँदी का प्याला क्यों चुराया? क्या यह वही नहीं है जिसमें मेरे स्वामी पीते हैं? और वह उसी से भविष्यवाणी करते हैं। जो तुमने किया है वह बुरा कर्म है। उनको पाकर, उसने उनसे ये शब्द कहे। उन्होंने उससे कहा, प्रभु इन शब्दों के अनुसार क्यों बोलते हैं? आपके सेवकों से ऐसा न हो कि वे इस शब्द के अनुसार करें। यदि हमने वह चाँदी जो हमें अपने थैलों में मिली थी, कनान की भूमि से तुम्हारे पास लौटा दी, तो हम तुम्हारे स्वामी के घर से चाँदी या सोना कैसे चुरा सकते हैं? जिसके पास तुम अपने बच्चों का प्याला पाओगे, वह मर जाए, और हम भी अपने स्वामी के दास बन जाएंगे। उसने कहा, और अब, जैसा तुम कहते हो, वैसा ही होगा, जिसके पास प्याला पाया जाएगा, वह मेरा दास होगा और तुम निर्दोष रहोगे। और उन्होंने जल्दी की, और प्रत्येक ने अपना थैला भूमि पर उतारा, और प्रत्येक ने अपना थैला खोला। उसने बड़े से शुरु करके खोजा, जब तक छोटे तक नहीं पहुँचा। और उसने प्याला बिन्यामीन के थैले में पाया। और उन्होंने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और प्रत्येक ने अपना बора अपने गधे पर रखा, और वे शहर को लौट गए।

यहूदा और उसके भाई यूसुफ के पास दाखिल हुए, जो अभी वहाँ था, और वे उसके सामने भूमि पर गिरे। यूसुफ ने उनसे कहा, यह क्या काम तुमने किया है? क्या तुम नहीं जानते कि जैसा मैं हूँ, वैसा आदमी भविष्यवाणी से भविष्यवाणी कर लेता है? यहूदा ने कहा, लेकिन हम स्वामी को उत्तर में क्या कहेंगे, या हम क्या बोलेंगे, या हम कैसे न्यायसंगत ठहराए जाएंगे? परमेश्वर ने आपके बच्चों का अन्याय पा लिया है। देखो, हम हमारे स्वामी के सेवक हैं, हम भी और वह भी जिसके पास प्याला पाया गया। यूसुफ ने कहा, मुझसे ऐसा न हो कि मैं यह काम करूँ। वह मनुष्य जिसके पास प्याला पाया गया है, वह मेरा दास होगा, परन्तु तुम कुशलता से अपने पिता के पास जाओ। पास आकर यहूदा ने उससे कहा, मैं विनती करता हूँ, स्वामी, आपका सेवक आपके सामने एक वचन बोलें, और आप अपने सेवक पर क्रोधित न हों, क्योंकि आप फ़िरौन के समान हैं। हे प्रभु, आपने अपने सेवकों से पूछा था, क्या तुम्हारे पिता या भाई हैं? और हमने स्वामी से कहा, हमारे पास एक बूढ़ा पिता है, और उसके बुढ़ापे में एक छोटा बच्चा है, और उसका भाई मर गया, लेकिन वह अपनी माता के लिए अकेला बच गया, और पिता उससे प्रेम करता है। तुमने अपने बच्चों से कहा, उसे मेरे पास नीचे लाओ, और मैं उसकी देखभाल करूँगा। और हमने स्वामी से कहा, वह बालक अपने पिता को छोड़ने में सक्षम नहीं होगा, यदि वह पिता को छोड़ता है, तो वह मर जाएगा। लेकिन तूने अपने बच्चों से कहा था, अगर तुम्हारा वह छोटा भाई तुम्हारे साथ नीचे

नहीं आता, तो तुम मेरा चेहरा देखना जारी नहीं रख सकोगे। यह हुआ कि जब हम तुम्हारे सेवक हमारे पिता के पास गए, तो हमने उन्हें हमारे स्वामी के वचन सुनाए। हमारे पिता ने कहा, फिर जाओ और हमारे लिए थोड़ा भोजन खरीदो। हमने कहा, हम नीचे जाने में सक्षम नहीं होंगे, लेकिन यदि हमारा छोटा भाई हमारे साथ नीचे जाता है, तो हम नीचे जाएंगे, क्योंकि हम उस आदमी का चेहरा नहीं देख सकेंगे, जब हमारा छोटा भाई हमारे साथ नहीं होगा। आपके सेवक के पिता ने हमसे कहा था, तुम जानते हो कि मेरी पत्नी ने मुझे दो पुत्र दिए थे। और एक मुझसे बाहर चला गया, और तुमने कहा कि वह जंगली जानवर द्वारा खा लिया गया है, और मैंने उसे अब तक नहीं देखा। यदि इसलिए तुम इसको मेरे चेहरे से ले जाओ, और रास्ते में उसे कोई कमजोरी हो जाए, तो तुम मेरे बुढ़ापे को दुःख के साथ अधोलोक में पहुँचा दोगे। अब इसलिए यदि मैं तुम्हारे बच्चे के पास जाऊँ, जो हमारे पिता हैं, और बच्चा हमारे साथ न हो, जबकि उनकी आत्मा इस बच्चे की आत्मा से बंधी हुई है, और ऐसा होगा कि जब वह देखेगा कि बच्चा हमारे साथ नहीं है, तो वह मर जाएगा, और तेरे सेवक तेरे सेवक के, हमारे पिता के, बुढ़ापे को दुःख के साथ अधोलोक में ले जाएंगे। क्योंकि आपके सेवक ने पिता से बालक को प्राप्त किया है, यह कहते हुए कि यदि मैं उसे आपके पास नहीं लाऊँ और उसे आपके सामने खड़ा नहीं करूँ, तो मैं जीवन भर पिता के प्रति पापी रहूँगा। अब इसलिए मैं तेरे पास बच्चे की जगह सेवक के रूप में रहूँगा, स्वामी का घरेलू सेवक बनूँगा, लेकिन बच्चे को उसके भाइयों के साथ ऊपर जाने दो। मैं अपने पिता के पास कैसे जाऊँगा, जब बच्चा हमारे साथ नहीं है? ताकि मैं उन बुराइयों को न देखूँ, जो मेरे पिता को मिलेंगी।

45

और यूसुफ अपने पास खड़े सभी लोगों को सहन करने में सक्षम नहीं था, लेकिन उसने कहा, सभी को मुझसे दूर भेज दो, और जब यूसुफ ने अपने भाइयों के सामने अपनी पहचान प्रकट की तब उसके पास कोई नहीं खड़ा था। और उसने रोते हुए आवाज़ छोड़ी, और सभी मिस्त्रवासियों ने सुना, और यह फिरौन के घर में सुनाई दिया। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मैं यूसुफ हूँ, क्या मेरा पिता अभी जीवित है? और भाई उसको उत्तर देने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि वे व्याकुल हो गए थे। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मेरे पास आओ, और वे पास आए, और उसने कहा, मैं यूसुफ हूँ, तुम्हारा भाई, जिसे तुमने मिस्त्र में बेचा था। अब इसलिए शोक मत करो, और न ही यह तुम्हें कठोर प्रतीत हो कि तुमने मुझे यहाँ बेचा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे जीवन के लिए भेजा है। यह पृथ्वी पर अकाल का दूसरा वर्ष है, और अभी पाँच वर्ष शेष हैं, जिनमें न जुताई होगी, न कटाई। क्योंकि परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे

भेजा, ताकि तुम्हारा अवशेष पृथ्वी पर छोड़ा जाए, और तुम्हारे महान वंश का पालन-पोषण किया जाए। अब इसलिए तुमने मुझे यहाँ नहीं भेजा है, बल्कि ईश्वर ने भेजा है, और उसने मुझे फ़िरौन का पिता के समान, और उसके सारे घर का स्वामी, और सारी मित्र भूमि का शासक बनाया है। इसलिए जल्दी करके मेरे पिता के पास ऊपर जाओ और उनसे कहो, तुम्हारा बेटा यूसुफ़ ये बातें कहता है: ईश्वर ने मुझे सारे मित्र का स्वामी बनाया है, इसलिए मेरे पास नीचे आओ और मत रुको। और तुम अरब के गेसेम प्रदेश में निवास करोगे, और तुम मेरे निकट होगे, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारे पुत्रों के पुत्र, तुम्हारी भेड़ें, और तुम्हारे बैल, और जो कुछ तुम्हारा है। और मैं तुम्हें वहाँ पोषण करूँगा, क्योंकि अभी भी पाँच वर्ष अकाल है, ताकि तुम नष्ट न हो, और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारी सब संपत्ति। देखो, तुम्हारी आँखें देख रही हैं, और मेरी भाई बिन्यामीन की आँखें भी, कि मेरा मुँह ही तुमसे बोल रहा है। इसलिए मेरे पिता को मेरी सारी महिमा जो मित्र में है, और जो कुछ तुमने देखा है, वह बताओ, और जल्दी करके मेरे पिता को यहाँ ले आओ। और वह अपने भाई बिन्यामीन के गर्दन पर गिरकर उसके लिए रोया, और बिन्यामीन उसके गर्दन पर रोया। और अपने सभी भाइयों को चूमकर, वह उन पर रोया, और इसके बाद उसके भाई उससे बोले।

और यह आवाज़ फ़िरौन के घर में व्यापक रूप से सुनी गई, कहते हुए, यूसुफ़ के भाई आए हैं। फ़िरौन और उसके सेवक प्रसन्न हुए। फ़िरौन ने यूसुफ़ से कहा, अपने भाइयों से कहो, यह करो: अपने बोरे भरों, और कनान की भूमि में जाओ। और अपने पिता को और अपनी संपत्ति को लेकर मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें मित्र की सभी अच्छी चीज़ें दूँगा, और तुम पृथ्वी का मज्जा खाओगे। तुम आज्ञा दो कि ये गाड़ियाँ मित्र की भूमि से लेकर उनको दो, तुम्हारे बच्चों और तुम्हारी पत्नियों के लिए, और अपने पिता को उठाकर आओ। और अपने बर्तनों की आँखों को मत बख़्शो, क्योंकि मित्र की सभी अच्छी चीज़ें तुम्हारी होंगी। इस्राएल के पुत्रों ने ऐसा ही किया, और यूसुफ़ ने उन्हें राजा फ़िरौन द्वारा कहे गए अनुसार गाड़ियाँ दीं, और उन्हें मार्ग के लिए भोजन-सामग्री दी। और उसने सब को दोहरे वस्त्र दिए, लेकिन बिन्यामीन को तीन सौ सोने के सिक्के और पाँच जोड़ी बदलने वाले वस्त्र दिए। और उसने अपने पिता के लिए उसी प्रकार भेजा, और दस गधे जो मित्र की सब अच्छी चीज़ें उठाए हुए थे, और दस खच्चर जो उसके पिता के लिए रास्ते में रोटियाँ उठाए हुए थीं। उसने अपने भाइयों को भेजा, और वे चले गए, और उसने उनसे कहा, रास्ते में क्रोधित मत होना। और वे मित्र से ऊपर गए, और कनान देश में अपने पिता याकूब के पास आए। और उन्होंने उसे यह कहते हुए सूचना दी कि तुम्हारा पुत्र यूसुफ़ जीवित है, और वह मित्र की सारी भूमि पर शासन करता है, और याकूब का मन चकित हो गया, क्योंकि उसने उन पर विश्वास नहीं किया। उन्होंने उसे वे सब बातें बताईं जो यूसुफ़ ने कही थीं, जितनी उसने उनसे कहीं। और

जब उसने उन गाड़ियों को देखा जो यूसुफ ने उसे ले जाने के लिए भेजी थीं, तो उनके पिता याकूब की आत्मा जी उठी। इसराएल ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, यदि मेरा पुत्र यूसुफ अभी भी जीवित है। मैं जाकर उसे अपनी मृत्यु से पहले देखूंगा।

46

इस्राएल प्रस्थान करके, वह और उसका सब कुछ लेकर, शपथ के कुएं पर आया, और उसने अपने पिता इसहाक के परमेश्वर को बलिदान चढ़ाया। परमेश्वर ने इस्राएल से रात के दर्शन में कहा, याकूब, याकूब, और उसने कहा, क्या है? वह उससे कहता है, मैं तुम्हारे पिताओं का ईश्वर हूँ, मिस्र जाने से मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हें वहाँ एक महान राष्ट्र बनाऊंगा। और मैं तुम्हारे साथ मिस्र में जाऊंगा, और मैं तुम्हें अंत में वापस लाऊंगा, और यूसुफ तुम्हारी आँखों पर अपने हाथ रखेगा। याकूब शपथ के कुएं से उठा, और इस्राएल के पुत्रों ने अपने पिता को, और सामान को, और अपनी स्त्रियों को उन गाड़ियों पर चढ़ाया, जो यूसुफ ने उसे ले जाने के लिए भेजी थीं। और उन्होंने अपनी संपत्तियाँ उठाई और वह सब अधिग्रहण जो उन्होंने कनान की भूमि से प्राप्त किया था, याकूब और उसका सारा वंश उसके साथ मिस्र में प्रवेश किया। बेटे, और उसके बेटों के बेटे उसके साथ, बेटियाँ, और उसकी बेटियों की बेटियाँ, और उसका सारा वंश वह मिस्र ले गया, ये इस्राएल के पुत्रों के नाम हैं जो अपने पिता याकूब के साथ मिस्र में प्रवेश किए। याकूब और उसके पुत्र: याकूब का पहलौठा, रुबेन। रुबेन के पुत्र: हनोक, फल्लू, हेस्त्रोन और कर्मी। शिमोन के बेटे: यमूएल, और यामीन, और एहूद, और याकीन, और सोहर, और शाऊल जो कनानी स्त्री का बेटा था। लेवी के पुत्र: गेशॉन, कहात और मरारी। यहूदा के पुत्र एर, ओनान, शीलौह, फारेस और जेरह थे, लेकिन एर और ओनान कनान की भूमि में मर गए। फारेस के पुत्र हेस्त्रोन और हमूल हुए। इसाकार के पुत्र: तोला, फूआ, हाशूम और शिप्रोन। जबूलून के पुत्र: सेरेद, अन्य और अखोएल। ये लिया के पुत्र हैं, जिन्हें उसने याकूब के लिए सीरिया के मेसोपोटामिया में जन्म दिया, और उसकी पुत्री दीना; सब मिलाकर पुत्र और पुत्रियाँ तैंतीस थे। गाद के पुत्र: सफोन, अंगिस, सन्निस, थासोबान, आएदेइस, अरोएदेइस और अरेएलेइस। आशेर के पुत्र: इएम्ना, इएस्सौआ, इएऊल, बारिआ, और उनकी बहन सारा। बारिआ के पुत्र: खोबोर और मेल्खिईल। ये ज़िल्पा के पुत्र हैं, जिसे लाबान ने अपनी पुत्री लेआ को दिया था, जिसने याकूब के लिए इन सोलह प्राणों को जन्म दिया। राहेल जो याकूब की पत्नी थी, के पुत्र यूसुफ और बिन्यामीन थे। युसुफ के पुत्र मिस्र की भूमि में उत्पन्न हुए, जिनको आसनत ने जन्म दिया, जो हेलियोपोलिस के पुजारी पोतीपेरा की पुत्री थी - मनश्शे और एग्रैम। मनश्शे के पुत्र हुए, जिनको सीरियाई रखैल ने जन्म दिया - माखीर। माखीर ने गिलाद को जन्म

दिया। मनश्शे के भाई एप्रैम के पुत्र थे - सूतेलह और ताहन। सूतेलह के पुत्र थे - एदोम। बिन्यामीन के बेटे बाला, बेखोर और अशबेल थे। बाला के बेटे गेरा, नोएमान, अहिजाह, रोश और मुप्पीम हुए, और गेरा ने अराद को जन्म दिया। ये राहेल के पुत्र हैं, जिन्हें उसने याकूब के लिए जन्म दिया, सभी आत्माएँ अठारह। दान के पुत्र असोम थे। और नप्ताली के पुत्र: असीएल, गूनी, इस्साहार और सोल्लेम। ये बिल्हा के पुत्र हैं, जिसे लाबान ने अपनी पुत्री राहेल को दिया था, जिसने इनको याकूब के लिए जन्म दिया, सब मिलाकर सात प्राण। सभी आत्माएँ जो याकूब के साथ मिस्र में प्रवेश कीं, जो उसकी जाँघों से निकले थे, याकूब के पुत्रों की स्त्रियों को छोड़कर, सभी आत्माएँ छियासठ थीं। यूसुफ के बेटे जो उसको मिस्र की भूमि में हुए, नौ आत्माएं थीं। याकूब के घर की सब आत्माएं, जो याकूब के साथ मिस्र में प्रवेश कीं, पचहत्तर आत्माएं थीं।

उसने यहूदा को अपने आगे यूसुफ के पास भेजा, ताकि वीरों के नगर में, रामेसे की भूमि में, उससे मिल सके। यूसुफ ने अपने रथ जोते और अपने पिता इस्त्राएल से मिलने के लिए वीरों के शहर की ओर गया, और उसे देखकर उसकी गर्दन पर गिर पड़ा और फूट-फूटकर रोया। और इस्त्राएल ने यूसुफ से कहा, अब मैं मर जाऊंगा, चूंकि मैंने तुम्हारा चेहरा देख लिया है, क्योंकि तुम अभी भी जीवित हो। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मैं ऊपर जाकर फिरौन को सूचित करूंगा, और उससे कहूंगा, मेरे भाई और मेरे पिता का घराना, जो कनान देश में थे, मेरे पास आए हैं। वे पुरुष चरवाहे हैं, क्योंकि वे पशुपालक थे, और उन्होंने पशु, बैल और अपना सब कुछ लाया है। यदि इसलिए फिरौन तुम्हें बुलाए, और तुमसे कहे, तुम्हारा काम क्या है? आप कहेंगे, हम आपके सेवक बचपन से लेकर अब तक पशुपालक पुरुष हैं, हम भी और हमारे पिता भी, ताकि आप अरब की गोशेन भूमि में निवास करें, क्योंकि मिस्रियों के लिए भेड़ों का हर चरवाहा घृणित है।

47

आकर यूसुफ ने फिरौन को सूचना दी और कहा, मेरे पिता और मेरे भाई और उनके पशु और उनके बैल और उनका सब कुछ कनान की भूमि से आए हैं, और देखो, वे गोशेन की भूमि में हैं। और अपने भाइयों में से उसने पाँच पुरुषों को लिया, और उनको फिरौन के सामने खड़ा किया। और फिरौन ने यूसुफ के भाइयों से कहा, तुम्हारा काम क्या है? उन्होंने फिरौन से कहा, आपके सेवक भेड़ों के चरवाहे हैं, और हम भी और हमारे पिता भी। उन्होंने फिरौन से कहा, हम इस भूमि में निवास करने आए हैं, क्योंकि आपके सेवकों के पशुओं के लिए चारागाह नहीं है, क्योंकि कनान की भूमि में अकाल प्रबल हो गया है। अब इसलिए हम

गोशेन की भूमि में निवास करेंगे। फिरौन ने यूसुफ़ से कहा, वे गोशेन की भूमि में निवास करें, और यदि तुम जानते हो कि उनमें सक्षम पुरुष हैं, तो उन्हें मेरे पशुओं का शासक नियुक्त करो। याकूब और उसके पुत्र मिस्र में यूसुफ़ के पास आए, और मिस्र के राजा फिरौन ने सुना। और फिरौन ने यूसुफ़ से कहा, तुम्हारा पिता और तुम्हारे भाई तुम्हारे पास आए हैं। देखो, मिस्र की भूमि तुम्हारे सामने है। सबसे अच्छी भूमि में अपने पिता और अपने भाइयों को बसाओ। और यूसुफ़ अपने पिता याकूब को लाया, और उसे फिरौन के सामने खड़ा किया, और याकूब ने फिरौन को आशीर्वाद दिया। फिरौन ने याकूब से कहा, तुम्हारे जीवन के दिनों के कितने वर्ष हुए हैं? और याकूब ने फिरौन से कहा, मेरे जीवन के वर्षों के दिन, जिनमें मैं प्रवासी हूँ, सौ तीस वर्ष हैं। मेरे जीवन के वर्षों के दिन छोटे और बुरे रहे हैं। वे मेरे पिताओं के जीवन के वर्षों के उन दिनों तक नहीं पहुँचे, जिन दिनों में वे प्रवासी रहे। और याकूब ने फिरौन को आशीर्वाद देकर, उसके पास से चला गया।

और यूसुफ़ ने अपने पिता को और अपने भाइयों को बसाया, और उनको मिस्र की भूमि में, सर्वोत्तम भूमि में, रामसेस की भूमि में अधिकार दिया, जैसा फिरौन ने आज्ञा दी थी। और यूसुफ़ अपने पिता को, और भाइयों को, और अपने पिता के सब घर को, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार अनाज नापता था।

अनाज सब भूमि में नहीं था, क्योंकि अकाल बहुत प्रबल हो गया था, और मिस्र की भूमि और कनान की भूमि अकाल से समाप्त हो गई थी। और यूसुफ़ ने वह सब चाँदी एकत्र की जो मिस्र की भूमि में और कनान की भूमि में मिली, उस अनाज के बदले जो वे खरीद रहे थे, और उन्हें अनाज नाप कर देता रहा, और यूसुफ़ ने वह सब चाँदी फिरौन के घर में ला दी। और मिस्र की भूमि और कनान की भूमि से सब चाँदी समाप्त हो गई, और सब मिस्री यूसुफ़ के पास आए और कहने लगे, हमें रोटियां दो, और हम तुम्हारे सामने क्यों मरें? क्योंकि हमारी चाँदी समाप्त हो गई है। यूसुफ़ ने उनसे कहा, अपने मवेशी लाओ, और मैं तुम्हें रोटियां दूंगा तुम्हारे मवेशियों के बदले, अगर तुम्हारी चाँदी समाप्त हो गई है। वे अपने पशुओं को यूसुफ़ के पास लाए, और यूसुफ़ ने उन्हें घोड़ों के बदले में, और भेड़ों के बदले में, और बैलों के बदले में, और गधों के बदले में रोटियाँ दीं, और उसने उस वर्ष में उनके सभी पशुओं के बदले में रोटियों से उनका पालन-पोषण किया। वह वर्ष बीत गया, और दूसरे वर्ष में वे उसके पास आए और उससे कहा, कहीं हम अपने स्वामी के सामने से नष्ट न हो जाएं; क्योंकि हमारी चाँदी समाप्त हो गई है, और हमारी संपत्तियां और पशु आपके पास, हे स्वामी, चले गए हैं, और हमारे स्वामी के सामने हमारे पास कुछ नहीं बचा है, सिवाय हमारे अपने शरीर और हमारी भूमि के। ताकि हम आपके सामने न मरें और यह भूमि उजाड़ न हो जाए, हमें और

हमारी भूमि को रोटी के बदले अधिग्रहण कर लीजिए, और हम और हमारी भूमि फिरौन के सेवक होंगे। हमें बीज दीजिए ताकि हम बोएं और जीवित रहें और न मरें, और यह भूमि उजाड़ नहीं होगी। और यूसुफ ने मिस्त्रियों की सारी भूमि फिरौन के लिए अधिग्रहण कर ली, क्योंकि मिस्त्रियों ने अपनी भूमि फिरौन को बेच दी, क्योंकि उन पर अकाल प्रबल हो गया था, और भूमि फिरौन की हो गई। और उसने लोगों को दास बना लिया, मिस्त्र की एक छोर की सीमाओं से दूसरी छोर तक। केवल पुजारियों की भूमि को छोड़कर, यूसुफ ने इसे अधिग्रहण नहीं किया, क्योंकि फिरौन ने पुजारियों को उपहार दिया था, और वे उस उपहार को खाते थे जो फिरौन ने उन्हें दिया था, इसलिए उन्होंने अपनी भूमि नहीं बेची। यूसुफ ने सब मिस्त्रियों से कहा, देखो, मैंने आज तुमको और तुम्हारी भूमि को फिरौन के लिए अधिग्रहण कर लिया है। अपने लिए बीज लो और भूमि में बोओ। और उसकी उपज होगी, और तुम पाँचवाँ भाग फिरौन को दोगे, और चार भाग तुम्हारे लिए होंगे - भूमि के लिए बीज में, और तुम्हारे लिए भोजन में, और तुम्हारे घरों में सब के लिए। और उन्होंने कहा, आपने हमें बचाया है, हमने अपने स्वामी के सामने कृपा पाई है, और हम फिरौन के सेवक होंगे। और यूसुफ ने उनके लिए इस दिन तक मिस्त्र की भूमि पर फिरौन को भेजने का आदेश रखा, केवल पुजारियों की भूमि को छोड़कर, जो फिरौन की नहीं थी।

इसराएल मिस्त्र देश में गोशेन की भूमि पर बस गया, और उन्होंने उस पर अधिकार कर लिया, और वे बढ़े और अत्यधिक गुणा हुए। और याकूब मिस्त्र की भूमि में सत्रह वर्ष जीवित रहा, और याकूब के जीवन के दिन सौ सैंतालीस वर्ष हुए। इस्राएल के मरने के दिन निकट आए, और उसने अपने पुत्र यूसुफ को बुलाया, और उससे कहा, यदि मुझ पर तुम्हारी कृपा हो, तो अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रखो, और मुझ पर दया और सच्चाई से व्यवहार करो, कि मुझे मिस्त्र में न दफनाना। लेकिन मैं अपने पिताओं के साथ सोऊंगा, और तुम मुझे मिस्त्र से उठाओगे, और तुम मुझे उनकी कब्र में दफनाओगे। उसने कहा, मैं तुम्हारे वचन के अनुसार करूंगा। उसने कहा, मुझे शपथ दो, और उसने उसे शपथ दी, और इस्राएल ने अपनी छड़ी की नोक पर झुककर प्रणाम किया।

48

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि यूसुफ को सूचना दी गई कि तुम्हारा पिता बीमार है, और वह अपने दोनों पुत्रों मनश्शे और एफ्राईम को लेकर याकूब के पास आया। याकूब को यह सूचना दी गई, देखो, तुम्हारा पुत्र यूसुफ तुम्हारे पास आ रहा है, और इस्राएल ने शक्ति प्राप्त करके बिस्तर पर बैठ गया। और याकूब ने योसेफ से कहा, मेरा परमेश्वर मुझे कनान

देश के लूज में प्रकट हुआ, और उसने मुझे आशीर्वाद दिया, और उसने मुझसे कहा, देखो, मैं तुम्हें बढ़ाऊंगा और तुम्हें गुणा करूंगा, और तुम्हें राष्ट्रों की सभाओं में बनाऊंगा, और तुम्हें यह भूमि दूंगा, और तुम्हारे बाद तुम्हारे बीज को, शाश्वत अधिकार में। अब इसलिए तुम्हारे दो पुत्र, जो मिस्र देश में मेरे तुम्हारे पास मिस्र आने से पहले तुम्हें उत्पन्न हुए, मेरे हैं, एफ्राईम और मनश्शे, जैसे रूबेन और शिमोन मेरे होंगे। लेकिन वह संतान जो तू इसके बाद जन्म देगा, वे अपने भाइयों के नाम पर होंगे और उनकी विरासतों में बुलाए जाएंगे। लेकिन मैं जब मेसोपोटामिया के सीरिया से आ रहा था, तुम्हारी माता राहेल कनान की भूमि में मर गई, जब मैं खबराथा के हिप्पोड्रोम के पास, एफ्राथा आने के लिए भूमि में निकट आ रहा था, और मैंने उसे हिप्पोड्रोम के मार्ग में दफनाया, यह बेथलेहेम है।

इसराएल ने यूसुफ के पुत्रों को देखकर कहा, ये तुम्हारे कौन हैं? यूसुफ ने अपने पिता से कहा, ये मेरे पुत्र हैं, जिन्हें ईश्वर ने मुझे यहाँ दिया है। और याकूब ने कहा, उन्हें मेरे पास लाओ, ताकि मैं उन्हें आशीर्वाद दूँ। इस्राएल की आँखें बुढ़ापे के कारण धुंधली हो गई थीं, और वह देखने में सक्षम नहीं था, और उसने उनको अपने पास लाया, और उनको चूमा, और उनको गले लगाया। और इस्राएल ने यूसुफ से कहा, देखो, मैं तुम्हारे चेहरे से वंचित नहीं रहा, और देखो, परमेश्वर ने मुझे तुम्हारा वंश भी दिखाया। और यूसुफ ने उन्हें अपने घुटनों से बाहर निकाला, और उन्होंने भूमि पर मुँह के बल उसे प्रणाम किया। यूसुफ ने अपने दोनों पुत्रों को लिया, एफ्राईम को अपने दाहिने हाथ में, इस्राएल के बाईं ओर से, और मनश्शे को अपने बाएँ हाथ में, इस्राएल के दाहिनी ओर से, और उनको उसके पास लाया। और इस्राएल ने अपना दाहिना हाथ फैलाकर एफ्राइम के सिर पर रखा—यह छोटा था—और बायाँ हाथ मनश्शे के सिर पर, हाथों को आड़ा करके।

और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया, और कहा, वह परमेश्वर जिससे मेरे पिता प्रसन्न हुए, उसके सामने अब्राहम और इसहाक, वह परमेश्वर जो मेरा पालन-पोषण करता रहा है मेरी जवानी से लेकर आज के दिन तक, वह दूत जो मुझे सब बुराइयों से छुड़ाता है, इन बच्चों को आशीर्वाद दे, और उनमें मेरा नाम बुलाया जाएगा, और मेरे पिताओं अब्राहम और इसहाक का नाम, और वे पृथ्वी पर बहुत भीड़ में बढ़ाए जाएं। जब यूसुफ ने देखा कि उसके पिता ने अपना दाहिना हाथ एफ्राइम के सिर पर रखा है, तो यह उसे भारी लगा, और यूसुफ ने अपने पिता का हाथ पकड़ा, उसे एफ्राइम के सिर से हटाकर मनश्शे के सिर पर रखने के लिए। यूसुफ ने अपने पिता से कहा, ऐसा नहीं, पिता, क्योंकि यह पहलौठा है, अपना दाहिना हाथ उसके सिर पर रखो। और वह नहीं चाहता था, लेकिन उसने कहा, मैं जानता हूँ, बच्चे, मैं जानता हूँ, और यह एक लोग बनेगा, और यह ऊँचा किया जाएगा, लेकिन उसका छोटा भाई उससे

बड़ा होगा, और उसका वंश जातियों की भीड़ बनेगा। और उसने उस दिन उनको आशीर्वाद दिया, कहते हुए, तुम्हारे द्वारा इस्राएल आशीर्वाद दिया जाएगा, कहते हुए, परमेश्वर तुमको एप्रैम और मनश्शे के समान बनाए, और उसने एप्रैम को मनश्शे के आगे रखा। इस्राएल ने यूसुफ से कहा, देखो, मैं मर रहा हूँ, और परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा, और वह तुम्हें तुम्हारे पिताओं की भूमि में लौटाएगा। मैं तुझे शकेम देता हूँ, जो तेरे भाइयों से विशेष है, जिसे मैंने अमोरियों के हाथ से अपनी तलवार और धनुष से लिया था।

49

याकूब ने अपने पुत्रों को बुलाया, और उनसे कहा, इकट्ठे हो जाओ, ताकि मैं तुम्हें बता सकूँ कि अंतिम दिनों में तुम्हारे साथ क्या होगा। एकत्रित हो जाओ और मेरी सुनो, हे याकूब के पुत्रों, हे इस्राएल सुनो, अपने पिता की सुनो। रुबेन मेरा पहलौठा, तुम मेरी शक्ति हो और मेरे बच्चों का आरंभ, सहन करने में कठिन और कठोर हठी। तूने पानी की तरह अहंकार से काम किया, मत उबल। क्योंकि तू अपने पिता के बिस्तर पर चढ़ा, तब तूने उस बिस्तर को अपवित्र किया जहाँ तू चढ़ा था। शिमोन और लेवी भाइयों ने अपनी पसंद का अन्याय पूरा किया। उनकी परिषद में मेरी आत्मा न आए, और उनकी रचना पर मेरा कलेजा झगड़ा न करे, क्योंकि उन्होंने अपने क्रोध में लोगों को मार डाला, और अपनी इच्छा में बैल की कंडरा काट दी। शापित है उनका क्रोध, क्योंकि वह हठी है, और उनका कोप, क्योंकि वह कठोर हो गया। मैं उन्हें याकूब में विभाजित करूँगा, और उन्हें इस्राएल में तितर-बितर करूँगा। यहूदा, तुम्हारे भाइयों ने तुम्हारी प्रशंसा की। तुम्हारे हाथ तुम्हारे शत्रुओं की पीठ पर हैं। तुम्हारे पिता के पुत्र तुम्हें प्रणाम करेंगे। शेर का शावक यहूदा, अंकुर से, मेरे पुत्र, तू ऊपर गया, लेट गया और सो गया जैसे शेर और जैसे शावक, कौन उसे उठाएगा? यहूदा से शासक समाप्त नहीं होगा, और उसकी जांघों से नेता, जब तक वह न आए जो उसके लिए सुरक्षित रखा गया है, और वह राष्ट्रों की प्रत्याशा है। वह अपने बछड़े को अंगूर की बेल से बाँधेगा, और अपनी गधी के बछड़े को लता से बाँधेगा, वह अपने वस्त्र को दाखरस में धोएगा, और अपने आवरण को अंगूर के लहू में धोएगा। उसकी आँखें शराब से अधिक चमकीली हैं, और उसके दाँत दूध से अधिक सफेद हैं। ज़ेबुलून समुद्र तट पर निवास करेगा और वह जहाजों के बंदरगाह के पास होगा, और सीदोन तक विस्तृत होगा। इस्राएल ने अच्छे की इच्छा की, भागों के बीच में विश्राम करते हुए। और विश्राम को अच्छा देखकर, और भूमि को उपजाऊ देखकर, उसने अपना कंधा परिश्रम करने में लगा दिया, और वह किसान बन गया। दान अपने लोगों का न्याय करेगा, जैसे इस्राएल में एक कुल। और दान सर्प हो मार्ग पर, पथ पर बैठा हुआ, घोड़े की एड़ी को काटता हुआ, और घुड़सवार पीछे की ओर गिरेगा। प्रभु के मोक्ष

की प्रतीक्षा करते हुए। गाद, छापामार दल उस पर छापा मारेगा, लेकिन वह स्वयं उसके पैरों के अनुसार उस पर छापा मारेगा। आशेर, उसकी रोटी पुष्ट है, और वह शासकों को विलासिता प्रदान करेगा। नफ्ताली फैला हुआ तना है, जो संतान में सुंदरता प्रदान करता है। बढ़ा हुआ बेटा यूसुफ, मेरा बढ़ा हुआ प्रिय बेटा, मेरा सबसे छोटा बेटा, मेरी ओर लौट आओ। जिसके विषय में विचार-विमर्श करते हुए उन्होंने निंदा की, और तीरों के स्वामियों ने उसके प्रति द्वेष रखा। और उनके धनुष शक्ति के साथ टूट गए, और उनके हाथों की भुजाओं की नसें थक गईं, याकूब के शासक के हाथ द्वारा, जो वहाँ से इस्राएल का शक्तिशाली है, तुम्हारे पिता के परमेश्वर से। और मेरे ईश्वर ने तुम्हारी सहायता की, और तुम्हें ऊपर से स्वर्ग का आशीर्वाद दिया, और पृथ्वी का आशीर्वाद जो सब कुछ रखती है, स्तनों और गर्भ के आशीर्वाद के कारण, तुम्हारे पिता और तुम्हारी माता के आशीर्वाद स्थायी पर्वतों के आशीर्वादों से अधिक प्रबल हुए, और शाश्वत टीलों के आशीर्वादों से भी। वे यूसुफ के सिर पर होंगे, और उसके शिखर पर जिसे भाइयों में श्रेष्ठ माना गया। बिन्यामीन लुटेरा भेड़िया है, सुबह को खाएगा, और शाम को भोजन देता है। ये सब याकूब के बारह पुत्र थे, और ये बातें उनके पिता ने उनसे कहीं, और उन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया, प्रत्येक को उसके आशीर्वाद के अनुसार आशीर्वाद दिया। और उसने उनसे कहा, मैं अपने लोगों में जोड़ा जा रहा हूँ, मुझे मेरे पिताओं के साथ उस गुफा में दफनाना, जो हित्ती एफ्रोन के खेत में है, दोहरी गुफा में, जो माप्रे के सामने है, कनान की भूमि में, जो गुफा अब्राहम ने एफ्रोन हित्ती से कब्र के अधिग्रहण में प्राप्त की थी। वहाँ उन्होंने अब्राहम और उसकी पत्नी सारा को दफनाया, वहाँ उन्होंने इसहाक और उसकी पत्नी रिबका को दफनाया, वहाँ उन्होंने लिआ को दफनाया, खेत के अधिग्रहण में और उस गुफा के जो उसमें है, हेत के पुत्रों से। और याकूब ने अपने पुत्रों को आज्ञा देना बंद किया, और अपने पैरों को बिस्तर पर रखकर, वह प्राण त्याग दिया, और अपने लोगों में मिल गया।

50

और यूसुफ अपने पिता के चेहरे पर गिरकर उसके लिए रोया और उसे चूमा। और यूसुफ ने अपने सेवकों को, जो अंत्येष्टि करने वाले थे, अपने पिता की अंत्येष्टि करने की आज्ञा दी, और अंत्येष्टि करने वालों ने इस्राएल की अंत्येष्टि की। और उन्होंने उसके चालीस दिन पूरे किए, क्योंकि इस प्रकार दफन के दिन गिने जाते हैं, और मिस्र ने उसके लिए सत्तर दिन शोक किया। चूंकि शोक के दिन गुजर गए, यूसुफ ने फिरौन के शासकों से कहा, यदि मुझे तुम्हारे सामने कृपा मिली है, तो फिरौन के कानों में मेरे बारे में कहो, मेरे पिता ने मुझे शपथ दिलाई, कहते हुए, उस कब्र में, जो मैंने अपने लिए कनान की भूमि में खोदी है, वहाँ

तुम मुझे दफनाना, अब इसलिए ऊपर जाकर, मैं अपने पिता को दफनाऊंगा, और मैं लौट आऊंगा। और फिरौन ने यूसुफ से कहा, जाओ, अपने पिता को दफनाओ, जैसे उन्होंने तुम्हें शपथ दिलाई थी। और यूसुफ अपने पिता को दफनाने के लिए गया, और उसके साथ फिरौन के सब सेवक, और उसके घर के बुजुर्ग, और मिस्र की भूमि के सब बुजुर्ग गए। और यूसुफ का पूरा परिवार, और उसके भाई, और उसका पूरा पैतृक घराना, और उसके रिश्तेदार, और भेड़ें, और बैल गोशेन की भूमि में छोड़ दिए गए। और उसके साथ रथ और घुड़सवार भी गए, और शिविर अत्यधिक बड़ा हुआ। और वे अताद के खलिहान में आए, जो यर्दन के पार है, और उन्होंने उसके लिए महान और अत्यंत प्रबल विलाप किया, और उसने अपने पिता के लिए सात दिन शोक मनाया। और कनान की पृथ्वी के निवासियों ने अताद के खलिहान पर शोक देखा, और कहा, यह मिस्रियों के लिए महान शोक है। इस कारण उसने इसका नाम मिस्र का शोक रखा, जो यर्दन के पार है। और उसके पुत्रों ने उसके साथ ऐसा ही किया। और उसके पुत्रों ने उसे कनान की भूमि में ले गए, और उन्होंने उसे उस दोहरी गुफा में दफनाया, जो अब्राहम ने एप्रोन हिती से कब्र के अधिग्रहण में प्राप्त की थी, ममरे के सामने। और यूसुफ मिस्र लौटा, वह और उसके भाई, और वे जो उसके पिता को दफनाने के लिए साथ गए थे।

यूसुफ के भाइयों ने देखा कि उनका पिता मर गया है, और कहा, कहीं ऐसा न हो कि यूसुफ हमसे बदला ले, और वह सब बुराइयों का प्रतिशोध हमें दे जो हमने उसके साथ की थीं। और यूसुफ के पास पहुँचकर उन्होंने कहा, तुम्हारे पिता ने अपनी मृत्यु से पहले शपथ दिलाई थी, यह कहते हुए, इस प्रकार यूसुफ से कहो, उनके अन्याय और उनके पाप को क्षमा कर दो, क्योंकि उन्होंने तुम्हारे साथ बुराई की थी, और अब तुम्हारे पिता के परमेश्वर के सेवकों के अन्याय को स्वीकार करो, और जब वे उससे बोल रहे थे तब यूसुफ रो पड़ा। और उसके पास आकर उन्होंने कहा, हम तुम्हारे सेवक हैं। और यूसुफ ने उनसे कहा, मत डरो, क्योंकि मैं भगवान का हूँ। तुमने मेरे विरुद्ध बुराई की योजना बनाई, लेकिन ईश्वर ने मेरे लिए भलाई की योजना बनाई, ताकि आज की तरह यह हो सके, और बहुत से लोग पोषित हों। और उसने उनसे कहा, मत डरो, मैं तुम्हारा और तुम्हारे घरों का पालन-पोषण करूंगा, और उसने उन्हें सांतवना दी, और उनके दिल से बात की। और यूसुफ मिस्र में निवास किया, वह और उसके भाई, और उसके पिता का सारा घराना, और यूसुफ सौ दस वर्ष जीवित रहा। और यूसुफ ने एफ्राईम के बच्चों को तीसरी पीढ़ी तक देखा, और मनश्शे के पुत्र माकीर के पुत्र यूसुफ की गोद में पैदा हुए। और यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मैं मर रहा हूँ, लेकिन परमेश्वर निश्चित रूप से तुम्हारी सुधि लेगा और तुम्हें इस पृथ्वी से उस पृथ्वी में ले जाएगा, जिसकी शपथ परमेश्वर ने हमारे पितरों इब्राहीम, इसहाक और याकूब से खाई थी। और

यूसुफ ने इस्राएल के पुत्रों को शपथ दिलाई, कहते हुए, जब परमेश्वर तुम्हारी देखभाल करेगा, तब तुम मेरी हड्डियों को यहाँ से अपने साथ ले जाओगे। और यूसुफ सौ दस वर्ष की आयु में मरा, और उन्होंने उसे दफनाया, और उसे मिस्र में ताबूत में रखा।

निर्गमन

1

ये इस्राएल के पुत्रों के नाम हैं जो मिस्र में अपने पिता याकूब के साथ प्रवेश किए थे, प्रत्येक अपने सम्पूर्ण घराने के साथ प्रवेश किया। रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाखार, जेबुलून, बिन्यामीन, दान और नेफथली, गाद और आशेर। यूसुफ मिस्र में था, और याकूब के सभी प्राणी पचहत्तर थे। यूसुफ की मृत्यु हो गई, और उसके सब भाई, और वह सारी पीढ़ी। परन्तु इस्राएल के पुत्र बढ़े और गुणा हुए और असंख्य हो गए और अत्यधिक प्रबल हो गए, और भूमि ने उन्हें बढ़ाया। मिस्र पर एक दूसरा राजा उठा, जो यूसुफ को नहीं जानता था। उसने अपने राष्ट्र से कहा, देखो, इस्राएल के पुत्रों की जाति एक महान भीड़ है, और हमसे अधिक शक्तिशाली है। आओ, इसलिए हम उनके साथ चालाकी से व्यवहार करें, कहीं ऐसा न हो कि वे बढ़ जाएं, और जब कभी हमें युद्ध का सामना करना पड़े, तो ये भी शत्रुओं के साथ मिल जाएं, और हमारे विरुद्ध युद्ध करके इस भूमि से निकल जाएं। और उसने उन पर कार्यों के निरीक्षक नियुक्त किए, ताकि वे उन्हें कार्यों में कष्ट दें। और उन्होंने फिरौन के लिए किलेबंद नगर बनाए—पीथो, रामेसेस और ओन, जो सूर्य का नगर है। जैसे-जैसे वे उन्हें अपमानित करते थे, वे उतने ही अधिक होते गए और अत्यधिक सशक्त हो गए, और मिस्रवासी इस्राएल के पुत्रों से घृणा करने लगे। और मिस्रवासियों ने इस्राएल के पुत्रों पर बलपूर्वक अत्याचार किया। और उन्होंने कठोर कामों में उनके जीवन को पीड़ित किया - मिट्टी और ईंट बनाने में, और मैदानों में सभी कामों में - उन सभी कामों के अनुसार जिनके द्वारा वे उन्हें बलपूर्वक गुलाम बनाते थे।

और मिस्रियों के राजा ने इब्रियों की दाइयों से कहा, जिनमें से एक का नाम शिप्रा था, और दूसरी का नाम पूआ था, और उसने कहा, जब तुम हिब्रू स्त्रियों की दाई का काम करो, और वे प्रसव के समय हों, यदि नर हो, तो उसे मार डालो, परन्तु यदि मादा हो, तो उसे जीवित रखो। लेकिन दाइयाँ भगवान से डरीं, और उन्होंने वैसा नहीं किया जैसा मिस्र के राजा ने उनको आदेश दिया था, और उन्होंने नर बच्चों को जीवित रखा। मिस्र के राजा ने दाइयों को बुलाया, और उनसे कहा, तुमने यह क्या किया कि तुमने नर बच्चों को जीवित रखा? दाइयों ने फिरौन से कहा, इब्री स्त्रियाँ मिस्र की स्त्रियों जैसी नहीं हैं, क्योंकि वे जन्म देती हैं इससे पहले कि दाइयाँ उनके पास पहुँचें, और उन्होंने जन्म दिया। भगवान ने दाइयों के साथ अच्छा किया, और लोग बढ़ते गए, और अत्यधिक मजबूत हुए। चूंकि दाइयाँ भगवान से

डरती थीं, उन्होंने अपने लिए घर बनाए। फिरौन ने अपने सभी लोगों को आदेश दिया, कहते हुए, हर नर जो इब्रानियों में जन्म ले, उसे नदी में फेंक दो, और हर मादा को जीवित रखो।

2

लेवी के जनजाति से कोई था, जिसने लेवी की पुत्रियों में से एक को लिया। और उसने गर्भ में लिया, और एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन उसे सुंदर देखकर, उन्होंने उसे तीन महीने तक छिपाया। चूंकि वे इसे अब और छिपाने में सक्षम नहीं थे, उसकी माता ने उसके लिए एक टोकरी ली, और उसे डामर राल से लेप किया, और बच्चे को उसमें डाला, और उसे नदी के पास दलदल में रखा। और उसकी बहन दूर से देख रही थी, यह जानने के लिए कि उसके साथ क्या होने वाला है।

फिरौन की बेटी नदी पर नहाने के लिए गई, और उसकी दासियाँ नदी के किनारे गुजर रही थीं, और दलदल में टोकरी को देखकर, दासी को भेजकर, उसने उसे उठा लिया। खोलकर वह एक बच्चे को टोकरी में रोते हुए देखती है, और फिरौन की बेटी ने उसे बख्शा, और बोली, यह इब्रानियों के बच्चों में से है। और उसकी बहन ने फिरौन की बेटी से कहा, क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारे लिए इब्रानियों में से एक दूध पिलाने वाली स्त्री को बुलाऊँ, और वह तुम्हारे लिए इस बच्चे को दूध पिलाएगी? फिरौन की बेटी ने कहा, जाओ। और युवा स्त्री ने आकर बच्चे की माँ को बुलाया। फिरौन की बेटी ने उससे कहा, मेरे लिए इस बच्चे को रखो, और मेरे लिए इसे दूध पिलाओ, मैं तुम्हें मजदूरी दूँगा। और उस औरत ने बच्चे को लिया, और उसे दूध पिलाया। बच्चे के बड़े हो जाने पर, वह उसे फिरौन की बेटी के पास लाई, और वह उसका बेटा बन गया। उसने उसका नाम मूसा रखा, यह कहते हुए कि मैंने उसे पानी से निकाला था।

उन बहुत दिनों में ऐसा हुआ कि मूसा बड़ा हो गया, और वह अपने भाइयों, इस्राएल के पुत्रों के पास गया। उनके कष्ट को देखकर, वह एक मिस्री मनुष्य को एक इब्री को मारते हुए देखता है, जो उसके अपने भाइयों में से, इस्राएल के पुत्रों में से था। चारों ओर देखने के बाद, यहाँ और वहाँ किसी को नहीं देखा, और मिस्री को मारकर, उसे रेत में छिपा दिया। दूसरे दिन बाहर जाकर, वह दो इब्रानी पुरुषों को लड़ते हुए देखता है, और अन्याय करने वाले से कहता है, तू अपने पड़ोसी को क्यों मारता है? लेकिन उसने कहा, किसने तुम्हें हमारे ऊपर शासक और न्यायाधीश नियुक्त किया? क्या तुम मुझे भी मारना चाहते हो, जिस तरह से तुमने कल उस मिस्री को मारा था? लेकिन मूसा डर गया, और उसने कहा, यदि यह बात इस

प्रकार प्रकट हो गई है। फ़िरौन ने यह बात सुनी, और उसने मूसा को मारने की कोशिश की। मूसा फ़िरौन के सामने से हट गया, और मिद्यान की भूमि में बस गया। मिद्यान की भूमि में आकर, वह कुएँ पर बैठ गया। मिद्यान के पुजारी की सात बेटियाँ थीं, जो अपने पिता यित्रो की भेड़ें चराती थीं। वे आई और उन्होंने पानी खींचा, यहाँ तक कि हौजों को भर दिया, ताकि अपने पिता यित्रो की भेड़ों को पानी पिला सकें। चरवाहे आए और उन्हें भगा रहे थे, लेकिन मूसा उठा और उसने उन्हें बचाया, और उनके लिए पानी खींचा, और उनकी भेड़ों को पिलाया। वे अपने पिता रागुएल के पास आई, और उसने उनसे कहा, तुम आज इतनी जल्दी क्यों आ गई? उन्होंने कहा, एक मिस्री आदमी ने हमें चरवाहों से बचाया, और हमारे लिए पानी खींचा, और हमारी भेड़ों को पिलाया। उसने अपनी बेटियों से कहा, और वह कहाँ है? तुमने उस आदमी को क्यों छोड़ दिया? उसे बुलाओ, ताकि वह रोटी खाए। मूसा उस आदमी के पास बस गए, और उसने अपनी बेटी सिप्पोरा का विवाह मूसा से कर दिया। गर्भ में लेकर वह स्त्री ने एक पुत्र को जन्म दिया, और मूसा ने उसका नाम गेशोंम रखा, यह कहते हुए कि मैं एक विदेशी भूमि में प्रवासी हूँ। उन बहुत दिनों के बाद मिस्र का राजा मर गया, और इस्राएल के पुत्रों ने कठिन परिश्रम से कराहते हुए चिल्लाया, और उनकी पुकार परमेश्वर तक पहुँची। और परमेश्वर ने उनकी कराह सुनी, और परमेश्वर ने अपनी वाचा को याद किया जो अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ थी। और परमेश्वर ने इस्राएल के पुत्रों को देखा, और वह उन पर प्रकट हुआ।

3

और मूसा अपने ससुर यित्रो की भेड़ें चरा रहा था, जो मिद्यान का पुजारी था, और वह भेड़ों को रेगिस्तान की ओर ले गया, और होरेब पर्वत पर आया। उसे प्रभु का दूत झाड़ी से आग की लौ में दिखाई दिया, और वह देखता है कि झाड़ी आग में जल रही है, लेकिन झाड़ी जल नहीं रही थी। और मूसा ने कहा, आगे बढ़कर मैं इस महान दर्शन को देखूंगा, क्योंकि यह झाड़ी जल नहीं रही है। जब प्रभु ने देखा कि वह देखने के लिए पास आ रहा है, तो प्रभु ने झाड़ी में से उसे बुलाया और कहा, मूसा, मूसा, और उसने कहा, क्या है? उसने कहा, यहाँ पास मत आओ, अपने पैरों से जूते उतारो, क्योंकि जिस स्थान पर तुम खड़े हो, वह पवित्र भूमि है। और उसने कहा, मैं तुम्हारे पिता का परमेश्वर हूँ, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर। और मूसा ने अपना चेहरा फेर लिया, क्योंकि वह परमेश्वर के सामने देखने से डरता था। प्रभु ने मूसा से कहा, मैंने अपने लोगों का कष्ट देखा है जो मिस्र में हैं, और मैंने कार्य-निरीक्षकों से उनकी चिल्लाहट सुनी है, क्योंकि मैं उनकी पीड़ा जानता हूँ, और मैं उन्हें मिस्रियों के हाथ से छुड़ाने के लिए नीचे गया, और उन्हें उस पृथ्वी से

निकालने के लिए, और उन्हें एक अच्छी और विशाल भूमि में लाने के लिए, एक ऐसी भूमि में जो दूध और शहद से बहती है, कनानियों, हितियों, एमोरियों, परिज्जियों, गिर्गाशियों, हिब्रियों, और यबूसियों के स्थान में। और अब देखो, इस्राएल के पुत्रों की पुकार मेरे पास आई है, और मैंने वह उत्पीड़न भी देखा है जो मिस्री उन पर करते हैं। और अब आओ, मैं तुम्हें मिस्र के राजा फ़िरौन के पास भेजूँगा, और तुम मेरे लोगों, इस्राएल के पुत्रों को, मिस्र की भूमि से निकालोगे।

और मूसा ने भगवान से कहा, मैं कौन हूँ कि मैं मिस्र के राजा फ़िरौन के पास जाऊँ, और इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से बाहर लाऊँ? परमेश्वर ने मूसा से कहा, मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, और यह तुम्हारे लिए चिन्ह होगा कि मैंने तुम्हें भेजा है: जब तुम मेरे लोगों को मिस्र से निकाल लाओगे, तब तुम इस पर्वत पर परमेश्वर की सेवा करोगे। और मूसा ने परमेश्वर से कहा, देखो, मैं इस्राएल के पुत्रों के पास जाऊँगा, और उनसे कहूँगा, हमारे पिताओं के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, वे मुझसे पूछेंगे, उसका नाम क्या है? तो मैं उन्हें क्या कहूँगा? और ईश्वर ने मूसा से कहा, मैं वह हूँ जो है, और कहा, इस प्रकार तुम इस्राएल के पुत्रों से कहोगे, जो हैं ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। और परमेश्वर ने मूसा से फिर कहा, इस्राएल के पुत्रों से इस प्रकार कहना, प्रभु, हमारे पिताओं का परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर, ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। यह मेरा अनन्त नाम है, और पीढ़ी दर पीढ़ी मेरा स्मारक है। आकर इसलिए इस्राएल के पुत्रों की बुजुर्गों की परिषद को इकट्ठा करो, और उनसे कहोगे, प्रभु, हमारे पितरों का देवता, मुझे प्रकट हुआ है - अब्राहम का देवता, और इसहाक का देवता, और याकूब का देवता - कहते हुए, मैंने तुम्हारा दर्शन किया है, और जो कुछ मिस्र में तुम पर बीता है। और उसने कहा, मैं तुम्हें मिस्रियों के कष्ट से निकालकर कनानियों, हितियों, एमोरियों, परिज्जियों, गिर्गाशियों, हिब्रियों और यबूसियों की भूमि में ले जाऊँगा, उस भूमि में जहाँ दूध और शहद बहता है। और वे तुम्हारी आवाज़ सुनेंगे, और तुम और इस्राएल की परिषद फ़िरौन, मिस्र के राजा के पास जाओगे, और तुम उससे कहोगे, इब्रियों के परमेश्वर ने हमें बुलाया है, इसलिए हम तीन दिन का मार्ग रेगिस्तान में जाएंगे, ताकि हम अपने परमेश्वर को बलिदान चढ़ाएं। लेकिन मैं जानता हूँ कि मिस्र का राजा फ़िरौन तुम्हें जाने नहीं देगा, यदि शक्तिशाली हाथ के साथ न हो। और हाथ फैलाकर, मैं मिस्रियों को अपने सभी अद्भुत कामों से मारूँगा, जो मैं उनमें करूँगा, और इसके बाद वह तुम्हें भेजेगा। और मैं इन लोगों को मिस्रियों के सामने कृपा दूँगा, जब तुम प्रस्थान करोगे, तो तुम खाली हाथ नहीं जाओगे। लेकिन हर स्त्री अपनी पड़ोसी और अपनी सहवासी से चांदी के बर्तन, सोने के बर्तन और वस्त्र मांगेगी, और तुम उन्हें अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों पर रखोगे, और तुम मिस्रियों को लूटोगे।

और मूसा ने उत्तर दिया और कहा, यदि वे मुझ पर विश्वास नहीं करें, और न ही मेरी आवाज़ सुनें, क्योंकि वे कहेंगे कि परमेश्वर तुम्हें प्रकट नहीं हुए, तो मैं उनसे क्या कहूंगा? प्रभु ने उससे कहा, यह क्या है जो तुम्हारे हाथ में है? उसने कहा, छड़ी। और उसने कहा, इसे भूमि पर फेंक दो, और उसने इसे भूमि पर फेंक दिया, और यह सर्प बन गया, और मूसा इससे भाग गया। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ फैलाओ और पूंछ को पकड़ो। इसलिए उसने अपना हाथ फैलाकर पूंछ को पकड़ा, और वह उसके हाथ में छड़ी बन गई। ताकि वे तुम पर विश्वास करें कि तुम पर उनके पितरों का परमेश्वर प्रकट हुआ है—अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर। प्रभु ने उससे फिर कहा, अपना हाथ अपनी छाती में डालो, और उसने अपना हाथ अपनी छाती में डाला, और अपना हाथ अपनी छाती से निकाला, और उसका हाथ बर्फ जैसा हो गया। और उसने फिर कहा, अपना हाथ अपनी छाती में डालो, और उसने अपना हाथ अपनी छाती में डाला, और उसे अपनी छाती से निकाला, और वह फिर अपने मांस के रंग में लौट आया। यदि वे तुझ पर विश्वास न करें, और न ही पहले चिह्न के स्वर को सुनें, तो वे दूसरे चिह्न के स्वर पर तुझ पर विश्वास करेंगे। और ऐसा होगा कि यदि वे तुझ पर इन दोनों चिह्नों के द्वारा विश्वास न करें, और न ही तेरी आवाज़ सुनें, तो तू नदी के पानी से लेगा, और सूखी भूमि पर डालेगा, और जो पानी तू नदी से लेगा, वह सूखी भूमि पर खून हो जाएगा। मूसा ने प्रभु से कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, मैं न तो कल से पहले सक्षम था, न ही तीसरे दिन से पहले, और न ही तब से जब आपने अपने सेवक से बोलना आरंभ किया। मैं कमजोर आवाज़ वाला और धीमी जीभ वाला हूँ। प्रभु ने मूसा से कहा, किसने मनुष्य को मुँह दिया? और किसने बहरा और गूंगा, देखने वाला और अंधा बनाया? क्या मैं परमेश्वर नहीं हूँ? और अब जाओ, और मैं तुम्हारा मुँह खोलूंगा, और तुम्हें सिखाऊंगा जो तुम्हें बोलना है। और मूसा ने कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, किसी दूसरे सक्षम व्यक्ति को नियुक्त करो, जिसे आप भेजेंगे। और प्रभु मूसा पर क्रोध में क्रोधित हुए, और कहा, क्या हारून तुम्हारा भाई लेवी नहीं है? मैं जानता हूँ कि वह तुम से बोलेगा, और देखो, वह तुम से मिलने निकलेगा, और तुम को देखकर अपने मन में प्रसन्न होगा। और तू उससे कहेगा, और तू मेरे शब्द उसके मुँह में डालेगा, और मैं तेरा मुँह और उसका मुँह खोलूँगा, और तुम्हें सिखाऊँगा कि तुम क्या करोगे। और वह लोगों से तुम्हारी ओर से बोलेगा, और वह तुम्हारा मुख होगा, परन्तु तुम उसके लिए परमेश्वर के समक्ष होगे। और इस छड़ी को, जो सर्प में बदल गई थी, तुम अपने हाथ में लो, जिससे तुम इन चिह्नों को करोगे।

मूसा गए और अपने दामाद यित्री की ओर मुड़े, और कहा, मैं जाऊंगा और मिस्र में अपने भाइयों की ओर लौटूंगा, और देखूंगा कि वे अभी जीवित हैं या नहीं। और यित्री ने मूसा से कहा, स्वस्थ रहते हुए जाओ। और उन बहुत दिनों के बाद मिस्र का राजा मर गया। और प्रभु ने मिद्यान में मूसा से कहा, जाओ, मिस्र को प्रस्थान करो, क्योंकि वे सब मर गए हैं जो तुम्हारी आत्मा की खोज कर रहे थे। मूसा ने अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर उनको पशुओं पर चढ़ाया, और मिस्र लौटा। मूसा ने परमेश्वर की छड़ी अपने हाथ में ली। प्रभु ने मूसा से कहा, जब तुम मिस्र लौट रहे हो, तो देखो कि वे सब चमत्कार जो मैंने तुम्हारे हाथों में दिए हैं, उन्हें फिरौन के सामने करना। मैं उसके हृदय को कठोर करूंगा, और वह लोगों को नहीं भेजेगा। तू फिरौन से कहेगा, प्रभु यह कहते हैं: इस्राएल मेरा पहलौठा पुत्र है। मैंने तुझसे कहा था, मेरे लोगों को भेज दे, ताकि वे मेरी सेवा करें। यदि तू वास्तव में उन्हें भेजना नहीं चाहता, तो देख, मैं तेरे पहलौठे पुत्र को मार डालूंगा। और ऐसा हुआ कि रास्ते में सराय में प्रभु के दूत ने उससे मुलाकात की, और वह उसे मारने की कोशिश कर रहा था। और सिप्पोरा ने एक छोटा पत्थर लेकर अपने पुत्र की अग्रचर्म का खतना किया, और उसके पैरों पर गिर पड़ी, और कहा, मेरे बच्चे के खतने का खून रुक गया। और वह उससे चली गई, क्योंकि उसने कहा, मेरे बच्चे के खतने का खून रुक गया है। और प्रभु ने हारून से कहा, मूसा से मिलने के लिए रेगिस्तान में जाओ, और वह गया, और उससे परमेश्वर के पहाड़ पर मिला, और उन्होंने एक दूसरे को चूमा। और मूसा ने हारून को प्रभु के सब वचन बताए, जो उसने भेजे थे, और सब बातें, जो उसने उसे आज्ञा दी थीं। मूसा और हारून गए, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों की बुजुर्गों की परिषद को इकट्ठा किया। और हारून ने वे सब शब्द बोले जो परमेश्वर ने मूसा से कहे थे, और उसने लोगों के सामने चिन्ह दिखाए। और लोगों ने विश्वास किया और आनंदित हुए, क्योंकि परमेश्वर ने इस्राएल के पुत्रों की मुलाकात की, और क्योंकि उसने उनका क्लेश देखा, और लोगों ने झुककर दंडवत किया।

5

और इसके बाद मूसा और हारून फिरौन के पास गए, और उन्होंने उससे कहा, इस्राएल के परमेश्वर प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दे, ताकि वे जंगल में मेरे लिए उत्सव मना सकें। और फिरौन ने कहा, कौन है जिसकी आवाज़ मैं सुनूँ, ताकि इस्राएल के पुत्रों को भेज दूँ? मैं प्रभु को नहीं जानता, और मैं इस्राएल को नहीं भेजता हूँ। और वे उससे कहते हैं, इब्रियों के देवता ने हमें बुलाया है, इसलिए हम तीन दिन के मार्ग पर रेगिस्तान में जाएंगे, ताकि हम अपने प्रभु देवता को बलिदान करें, कहीं ऐसा न हो कि हमें मृत्यु या हत्या मिले। और मिस्र के राजा ने उनसे कहा, क्यों मूसा और हारून, तुम लोगों को उनके कामों से भटका

रहे हो? तुममें से प्रत्येक अपने काम की ओर जाओ। और फिरौन ने कहा, देखो, अब लोग बहुत बढ़ गए हैं, इसलिए हम उन्हें उनके कामों से न रोके। फिरौन ने लोगों के परिश्रम करवाने वालों और लिपिकों को आज्ञा दी, यह कहते हुए अब से तुम लोगों को ईंट बनाने के लिए भूसा नहीं दोगे, जैसे कल और परसों देते थे, बल्कि वे स्वयं जाएं और अपने लिए भूसा इकट्ठा करें। और ईंट बनाने की व्यवस्था जो वे प्रत्येक दिन करते हैं, तुम उन पर डालोगे, तुम कुछ भी नहीं हटाओगे, क्योंकि वे निठल्ले हैं, इसी कारण वे चिल्लाए हैं, कहते हुए, हम उठें, और हम अपने परमेश्वर को बलिदान करें। इन मनुष्यों के काम भारी हों, और वे इन्हीं की चिंता करें, और खाली शब्दों में चिंता न करें।

निरीक्षक और लेखक उन्हें प्रेरित कर रहे थे, और लोगों से कह रहे थे, फिरौन यह कहता है: मैं अब तुम्हें भूसा नहीं दूंगा। तुम स्वयं जाकर अपने लिए भूसा इकट्ठा करो, जहाँ से भी तुम पा सको, क्योंकि तुम्हारी निर्धारित मात्रा से कुछ भी नहीं घटाया जाएगा। और लोग पूरे मिस्र देश में बिखर गए थे ताकि पुआल इकट्ठा करके भूसा बनाएं। लेकिन कार्य-निरीक्षक उनसे आग्रह कर रहे थे, कहते हुए, प्रतिदिन के नियत कार्य पूरे करो, जैसे तब भी जब तुम्हें भूसा दिया जाता था। और इस्राएल के पुत्रों की जाति के लिपिक, जो उन पर फिरौन के निरीक्षकों द्वारा नियुक्त किए गए थे, कोड़े मारे गए, और उनसे कहा गया, तुमने अपनी ईंट बनाने की निर्धारित मात्रा कल और परसों की तरह और आज क्यों पूरी नहीं की? लेकिन इस्राएल के पुत्रों के लेखक प्रवेश करके फिरौन की ओर चिल्लाए, कहते हुए, तुम अपने सेवकों के साथ इस प्रकार क्यों करते हो? भूसा आपके सेवकों को नहीं दिया जाता है, और हमसे ईंट बनाने को कहते हैं, और देखो आपके सेवक कोड़े मारे गए हैं, इसलिए आप अपने लोगों के साथ अन्याय करेंगे। और उसने उनसे कहा, तुम आलसी हो, तुम आलसी लोग हो, इसलिए तुम कहते हो, हम जाएं और हमारे परमेश्वर को बलिदान चढ़ाएं। अब इसलिए जाकर काम करो, क्योंकि भूसा तुम्हें नहीं दिया जाएगा, और ईंट बनाने की निर्धारित संख्या तुम्हें पूरी करनी होगी। इसराइल के पुत्रों के लेखकों ने स्वयं को विपत्तियों में देखा, यह कहते हुए, तुम ईंट बनाने की दैनिक निर्धारित मात्रा को नहीं छोड़ोगे। मूसा और हारून उनसे मिलने आ रहे थे, जब वे फिरौन के पास से निकल रहे थे, तब वे मिले। और उन्होंने उनसे कहा, परमेश्वर तुम्हें देखे और न्याय करे, क्योंकि तुमने हमारी गंध को फिरौन के सामने और उसके सेवकों के सामने घृणित कर दिया है, उसके हाथों में तलवार देकर हमें मारने के लिए। मूसा प्रभु के पास लौटा और बोला, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, तूने इन लोगों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार क्यों किया? और तूने मुझे क्यों भेजा? और जब से मैं फिरौन के पास तेरे नाम पर बोलने गया हूँ, उसने इन लोगों को सताया है, और तूने अपने लोगों को नहीं बचाया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, अब तू देखेगा कि मैं फिरौन के साथ क्या करूंगा, क्योंकि शक्तिशाली हाथ से वह उनको भेज देगा, और ऊंची भुजा से वह उनको अपनी भूमि से निकाल देगा। परमेश्वर ने मूसा से बात की, और उससे कहा, मैं प्रभु हूँ। और मैं अब्राहम, इसहाक और याकूब के सामने उनके परमेश्वर के रूप में प्रकट हुआ, और मैंने अपना नाम प्रभु उन्हें प्रकट नहीं किया। और मैंने उनके साथ अपनी वाचा स्थापित की, ताकि उन्हें कनानियों की भूमि दूँ, वह भूमि जिसमें वे परदेशी होकर रहे थे, जिस पर वे बसे थे। और मैंने इस्राएल के पुत्रों का विलाप सुना है, जिन्हें मिस्रवासी गुलाम बनाते हैं, और मैंने तुम्हारी वाचा को याद किया है। जाओ, मैंने इस्राएल के पुत्रों से कहा, यह कहते हुए, मैं प्रभु हूँ, और मैं तुम्हें मिस्रियों की शक्ति से बाहर लाऊंगा, और मैं तुम्हें दासता से छुड़ाऊंगा, और मैं तुम्हें ऊंची भुजा और महान न्याय से मुक्त करूंगा। और मैं तुम्हें अपने लिए अपनी प्रजा बनाऊंगा, और मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ, जिसने तुम्हें मिस्रियों के उत्पीड़न से निकाला। और मैं तुम्हें उस भूमि में लाऊंगा, जिसके लिए मैंने अपना हाथ फैलाया था, उसे अब्राहम, इसहाक और याकूब को देने के लिए, और मैं उसे विरासत में तुम्हें दूंगा, मैं प्रभु। मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से इस प्रकार बात की, परन्तु उन्होंने मूसा की बात नहीं सुनी, निराशा के कारण और कठोर कार्यों के कारण। और प्रभु ने मूसा से कहा, प्रवेश करो और फिरौन से, जो मिस्र का राजा है, बात करो, ताकि वह इस्राएल के पुत्रों को अपनी भूमि से भेज दे। मूसा ने प्रभु के सामने कहा, देखो, इस्राएल के पुत्रों ने मेरी नहीं सुनी, तो फिरौन मेरी कैसे सुनेगा? और मैं तो अस्पष्ट वाणी वाला हूँ। प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, और उन्हें मिस्र के राजा फिरौन के पास आदेश दिया, ताकि इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से भेज दें।

और ये उनके पैतृक घरानों के नेता थे, रूबेन के पुत्र, जो इस्राएल का पहलौठा था, हनोक, और पल्लू, हेस्लोन, और कर्मी, यह रूबेन का वंश है। और शिमोन के पुत्र: यमूएल, और यामीन, और एहूद, और याकीन, और सोहर, और शाऊल जो कनानी स्त्री से था, ये शिमोन के पुत्रों के परिवार हैं। और ये लेवी के पुत्रों के नाम हैं उनके वंश के अनुसार: गेशॉन, कहात, और मरारी, और लेवी के जीवन के वर्ष एक सौ सैंतीस थे। और ये गेदसोन के पुत्र हैं: लोबेनेई और सेमेई, उनके परिवारों के अनुसार। और कहात के पुत्र अग्राम, इस्साकार, हेब्रोन और उज्जीएल थे, और कहात के जीवन के वर्ष एक सौ तैंतीस वर्ष थे। और मरारी के पुत्र महली और मूशी थे। ये लेवी के पैतृक घराने उनके कुल के अनुसार थे। और अग्राम ने अपने पिता के भाई की पुत्री योकाबेद को अपनी पत्नी के रूप में लिया, और उसने उसके लिए

हारून और मूसा को जन्म दिया, और मरियम उनकी बहन थी। अग्राम के जीवन के वर्ष एक सौ बत्तीस वर्ष थे। और इस्साकार के पुत्र: कोरह, नाफेक और जेखी। और उज्जीएल के पुत्र: मीशाएल, एलीसाफान और सेप्रेई। हारून ने अमीनादाब की बेटी एलिज़ाबेथ को, जो नहशोन की बहन थी, अपनी पत्नी के रूप में लिया, और उसने उसके लिए नादाब, अबीहू, एलाज़ार और ईथामार को जन्म दिया। कोरह के पुत्र: असीर, एल्काना और अबियासार; ये कोरह की पीढ़ियाँ हैं। और हारून के पुत्र एलियाज़र ने फूतिएल की पुत्रियों में से एक को अपनी पत्नी बनाया, और उसने उसके लिए फीनहास को जन्म दिया। ये लेवियों के परिवारों के प्रमुख हैं, उनकी पीढ़ियों के अनुसार। यह हारून और मूसा हैं, जिनसे परमेश्वर ने कहा कि इस्राएल के पुत्रों को मिश्र की भूमि से उनकी शक्ति के साथ निकाल लाओ। ये वे हैं जो मिश्र के राजा फ़िरौन से बातचीत कर रहे थे, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों को मिश्र की भूमि से बाहर निकाला, स्वयं हारून और मूसा। जिस दिन प्रभु ने मिश्र की भूमि में मूसा से बात की। और प्रभु ने मूसा से कहा, मैं प्रभु हूँ, फ़िरौन जो मिश्र का राजा है उससे वह सब कह जो मैं तुमसे कहता हूँ। और मूसा ने प्रभु के सामने कहा, देखो, मैं कमजोर आवाज का हूँ, और फ़िरौन मेरी कैसे सुनेगा?

7

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैंने तुम्हें फ़िरौन के लिए देवता बना दिया है, और तुम्हारा भाई हारून तुम्हारा भविष्यवक्ता होगा। तू उसको वह सब कुछ बोलेंगा जो मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, और तेरा भाई हारून फ़िरौन से बोलेंगा, ताकि वह इस्राएल के पुत्रों को अपनी भूमि से भेज दे। लेकिन मैं फ़िरौन के हृदय को कठोर करूँगा, और मिश्र की भूमि में अपने चिह्नों और चमत्कारों को बढ़ाऊँगा। और फ़िरौन तुम्हारी नहीं सुनेगा, और मैं अपना हाथ मिश्र पर डालूँगा, और मैं अपनी शक्ति के साथ अपने लोगों को, इस्राएल के पुत्रों को, मिश्र की भूमि से महान प्रतिशोध के साथ निकालूँगा। और सभी मिस्त्री जान जाएंगे कि मैं प्रभु हूँ, जब मैं मिश्र पर अपना हाथ फैलाऊँगा, और इस्राएल के पुत्रों को उनके बीच से निकालूँगा। मूसा और आरोन ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने उनको आज्ञा दी थी। मूसा अस्सी वर्ष का था, और हारून उसका भाई तिरासी वर्ष का था, जब उसने फ़िरौन से बात की। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, और यदि फ़िरौन तुमसे कहे, हमें कोई चिन्ह या आश्चर्य दिखाओ, तो तुम अपने भाई हारून से कहना, लाठी लो और फ़िरौन के सामने और उसके सेवकों के सामने भूमि पर फेंक दो, और वह सर्प बन जाएगी। मूसा और हारून फ़िरौन और उसके सेवकों के सामने प्रविष्ट हुए, और उन्होंने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उनको आज्ञा दी थी, और हारून ने छड़ी को फ़िरौन के सामने और उसके सेवकों के सामने फेंका, और वह सर्प हो गई। लेकिन

फिरौन ने मिस्र के विद्वानों और जादूगरों को बुलाया, और मिस्रियों के मंत्रवादियों ने भी अपनी जादूगरी से उसी प्रकार किया। और प्रत्येक ने अपनी छड़ी फेंकी, और वे सर्प बन गईं, और हाखन की छड़ी ने उनकी छड़ियों को निगल लिया। और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसा प्रभु ने उनको आदेश दिया था।

और प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन का हृदय कठोर हो गया है, वह लोगों को नहीं भेजेगा। सुबह फिरौन के पास जाओ, देखो वह पानी पर जाता है, और तुम नदी के किनारे पर उससे मिलोगे, और वह छड़ी जो साँप में बदल गई थी, तुम अपने हाथ में लो। और तुम उससे कहोगे, हिब्रूओं के प्रभु परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, यह कहते हुए, मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे जंगल में मेरी सेवा करें, और देखो, तुमने अब तक नहीं सुना है। ये बातें प्रभु कहते हैं, इससे तुम जानोगे कि मैं प्रभु हूँ, देखो मैं अपने हाथ में जो छड़ी है उससे नदी के पानी पर मारता हूँ, और वह खून में बदल जाएगा। और नदी में जो मछलियाँ हैं वे मरेगी, और नदी सड़ेगी, और मिस्रवासी नदी से पानी पीने में सक्षम नहीं होंगे। प्रभु ने मूसा से कहा, अपने भाई हाखन से कहो कि अपनी छड़ी अपने हाथ में लो, और अपना हाथ मिस्र के जल पर, उनकी नदियों पर, उनकी नहरों पर, उनके दलदलों पर, और उनके सब एकत्रित जल पर फैलाओ, और वह रक्त हो जाएगा, और सारी मिस्र की भूमि में, लकड़ियों में और पत्थरों में रक्त हो गया। और मूसा और हाखन ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने उन्हें आज्ञा दी थी, और उसने अपनी छड़ी उठाकर नदी के जल को फिरौन और उसके सेवकों के सामने मारा, और नदी का सारा जल खून में बदल गया। और नदी की मछलियाँ मर गईं, और नदी सड़ गई, और मिस्रवासी नदी से पानी पीने में सक्षम नहीं थे, और मिस्र की सारी भूमि में खून था। मिस्र के जादूगरों ने भी अपने जादू-टोने से वैसा ही किया, और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसा प्रभु ने कहा था। मुड़ने के बाद फिरौन अपने घर में प्रवेश किया, और उसने इस पर भी अपना ध्यान नहीं दिया। और सभी मिस्रियों ने नदी के चारों ओर खोदा, ताकि पानी पी सकें, और वे नदी से पानी पीने में सक्षम नहीं थे। और सात दिन पूर्ण हुए, प्रभु द्वारा नदी को मारने के बाद।

प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन के पास जाओ और उससे कहो, प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे मेरी सेवा करें। यदि तू उन्हें भेजना नहीं चाहता, तो देखो, मैं तेरी सभी सीमाओं को मेंढकों से मारूँगा। और नदी मेंढकों को उगलेगी, और वे ऊपर जाकर तुम्हारे घरों में, तुम्हारे शयनकक्षों के भंडारघरों में, तुम्हारे बिस्तारों पर, तुम्हारे सेवकों के घरों पर, तुम्हारे लोगों के घरों पर, तुम्हारे आटा गूंधने के बर्तनों में, और तुम्हारे तंदूरों में प्रवेश करेंगे। और तुम पर, और तुम्हारे सेवकों पर, और तुम्हारे लोगों पर, मेंढक चढ़ेंगे।

प्रभु ने मूसा से कहा, हाखन से, जो तेरा भाई है, कह कि अपने हाथ से अपनी छड़ी नदियों पर, नहरों पर, और दलदलों पर फैलाए, और मेंढकों को ऊपर ले आए। और हाखन ने मिस्र के पानी पर अपना हाथ बढ़ाया, और मेंढकों को ऊपर लाया, और मेंढक ऊपर आया, और मिस्र की भूमि को ढक लिया। मिस्र के जादूगरों ने भी अपने जादू-टोने से ऐसा ही किया, और मेंढकों को मिस्र की भूमि पर ले आए। और फिरौन ने मूसा और हाखन को बुलाया, और कहा, मेरे लिए प्रभु से प्रार्थना करो, और वह मेंढकों को मुझसे और मेरे लोगों से हटा दे, और मैं उन्हें भेज दूंगा, और वे प्रभु को बलिदान करें। मूसा ने फिरौन से कहा, मुझे बताओ कि मैं कब तुम्हारे लिए, तुम्हारे सेवकों के लिए, और तुम्हारे लोगों के लिए प्रार्थना करूँ, ताकि मेंढकों को तुमसे, तुम्हारे लोगों से, और तुम्हारे घरों से नष्ट किया जा सके, सिवाय नदी में जो रह जाएंगे। उसने कहा, कल। तब उसने कहा, जैसा तुमने कहा है, ताकि तुम जान सको कि प्रभु के सिवाय कोई दूसरा नहीं है। और मेंढक तुमसे हटाए जाएंगे, और तुम्हारे घरों से, और आंगनों से, और तुम्हारे सेवकों से, और तुम्हारे लोगों से, केवल नदी में रह जाएंगे। मूसा और हाखन फिरौन के पास से बाहर गए, और मूसा ने प्रभु से मेंढकों के विषय में पुकारा, जैसा फिरौन ने निर्धारित किया था। प्रभु ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने कहा था, और मेंढक घरों से, आंगनों से और खेतों से मर गए। और उन्होंने उन्हें ढेरों में इकट्ठा किया, और भूमि से दुर्गंध आने लगी। देखकर फिरौन ने कि राहत मिल गई है, उसका हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसे प्रभु ने कहा था। और प्रभु ने मूसा से कहा, हाखन से कहो, अपना हाथ बढ़ाओ और अपनी छड़ी से पृथ्वी की धूल को मारो, और मिस्र की सारी भूमि में लोगों में और चौपायों में डांस हो जाएंगे। इसलिए हाखन ने अपने हाथ में छड़ी फैलाई और पृथ्वी की धूल को मारा, और मनुष्यों में, चौपायों में और पृथ्वी की सारी धूल में डांस हो गए। जादूगरों ने भी अपने जादू-टोने से वैसा ही किया, डांसों को बाहर निकालने के लिए, परन्तु वे सक्षम नहीं थे, और डांस मनुष्यों में और चौपायों में हो गए। इसलिए जादूगरों ने फिरौन से कहा, यह परमेश्वर की उंगली है, और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसे प्रभु ने कहा था। प्रभु ने मूसा से कहा, सुबह जल्दी उठो और फिरौन के सामने खड़े हो जाओ, और देखो वह पानी पर निकलेगा, और तुम उससे कहोगे, प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे जंगल में मेरी सेवा करें। यदि तुम मेरे लोगों को भेजना नहीं चाहते, तो देखो, मैं तुम पर, तुम्हारे सेवकों पर, तुम्हारे लोगों पर, और तुम्हारे घरों पर मक्खियों का झुंड भेजता हूँ, और मिस्रियों के घर मक्खियों के झुंड से भर जाएंगे, और उस भूमि में भी जिस पर वे हैं। और मैं उस दिन गेसेम की भूमि को महिमा दूँगा, जिस पर मेरे लोग रहते हैं, जहाँ कुत्ता मक्खी नहीं होगी, ताकि तुम जानो कि मैं सारी पृथ्वी का प्रभु परमेश्वर हूँ।

और मैं अपने लोगों और तेरे लोगों के बीच भेद करूंगा, लेकिन कल यह पृथ्वी पर होगा। प्रभु ने ऐसा ही किया, और कुत्ता मक्खियों की भीड़ फिरौन के घरों में, और उसके सेवकों के घरों में, और मिस्र की सारी भूमि में आई, और भूमि कुत्ता मक्खियों से नष्ट हो गई।

फिरौन ने मूसा और आरोन को बुलाया और कहा, आकर अपने प्रभु परमेश्वर को इस भूमि में बलिदान चढ़ाओ। और मूसा ने कहा, इस प्रकार होना संभव नहीं है, क्योंकि हम मिस्त्रियों की घृणित वस्तुओं का बलिदान प्रभु हमारे परमेश्वर को करेंगे। यदि हम मिस्त्रियों की घृणित वस्तुओं का बलिदान उनके सामने करें, तो हम पत्थरों से मारे जाएंगे। हम तीन दिन का रास्ता तय करके रेगिस्तान में जाएंगे, और हम अपने परमेश्वर के लिए बलिदान करेंगे, जैसा कि प्रभु ने हमसे कहा है। और फिरौन ने कहा, मैं तुम्हें भेजता हूँ, और तुम जंगल में अपने परमेश्वर को बलिदान चढ़ाओ, लेकिन बहुत दूर मत जाना, इसलिए मेरे लिए प्रभु से प्रार्थना करो। मूसा ने कहा, मैं तुम्हारे पास से बाहर जाऊंगा और परमेश्वर से प्रार्थना करूंगा, और कुत्ता मक्खी तुम्हारे सेवकों और तुम्हारे लोगों से कल चली जाएगी। हे फिरौन, फिर से धोखा मत देना और लोगों को प्रभु के लिए बलिदान करने हेतु भेजने से मत रोको। और मूसा फिरौन के पास से बाहर गया, और उसने परमेश्वर से प्रार्थना की। प्रभु ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने कहा था, और उसने मक्खी के झुंड को फिरौन से, उसके सेवकों से और उसके लोगों से हटा दिया, और एक भी नहीं बची। और फिरौन ने इस समय भी अपना हृदय कठोर कर लिया, और वह लोगों को भेजने के लिए इच्छुक नहीं था।

9

और प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन के पास जाओ और उससे कहो, इब्रानियों के परमेश्वर प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे मेरी सेवा करें। यदि तुम वास्तव में मेरे लोगों को भेजना नहीं चाहते, बल्कि अभी भी उन पर नियंत्रण रखते हो, देखो, प्रभु का हाथ तुम्हारे पशुओं पर होगा जो मैदानों में हैं, घोड़ों पर, और जुए वाले पशुओं पर, और ऊंटों पर, और बैलों पर, और भेड़ों पर, अत्यधिक महान मृत्यु। और मैं उस समय मिस्त्रियों के पशुओं और इस्राएल के पुत्रों के पशुओं के बीच चमत्कार करूंगा, इस्राएल के पुत्रों में से किसी भी कहे गए पशु की मृत्यु नहीं होगी। और परमेश्वर ने सीमा दी, कहते हुए, कल प्रभु यह वचन पृथ्वी पर पूरा करेगा। और प्रभु ने अगले दिन यह वचन पूरा किया, और मिस्त्रियों के सभी पशु मर गए, लेकिन इस्राएल के पुत्रों के पशुओं में से एक भी नहीं मरा। परन्तु जब फिरौन ने देखा कि इस्राएल के पुत्रों के सभी पशुओं में से एक भी नहीं मरा, तो फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने लोगों को नहीं भेजा। और प्रभु ने मूसा और आरोन से कहा, तुम अपने हाथों

में भट्टी की कालिख भर लो, और मूसा उसे फिरौन और उसके सेवकों के सामने आकाश में छिड़के। और मिस्र की सारी भूमि पर धूल हो जाए, और वह लोगों पर और चौपायों पर होगी, फोड़े और फफोले जो फूटते हुए होंगे लोगों में और चौपायों में, मिस्र की सारी भूमि में। और मूसा ने फिरौन के सामने भट्टी की कालिख ली, और उसे आकाश में बिखेर दिया, और लोगों और चौपायों में उबलते हुए छालों के फोड़े हो गए। और जादूगर मूसा के सामने खड़े होने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि फोड़े हो गए थे; फोड़े जादूगरों पर हुए थे और मिस्र की सारी भूमि पर। लेकिन प्रभु ने फिरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसा प्रभु ने आदेश दिया था। प्रभु ने मूसा से कहा, सुबह जल्दी उठो और फिरौन के सामने खड़े हो जाओ, और उससे कहो, इब्रियों का परमेश्वर प्रभु यह कहता है: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे मेरी सेवा करें। इस समय के लिए अब मैं अपनी सभी विपत्तियाँ तुम्हारे हृदय में, तुम्हारे सेवकों में, और तुम्हारे लोगों में भेज रहा हूँ, ताकि तुम जान सको कि समस्त भूमि में मेरे जैसा कोई दूसरा नहीं है। अब मैं अपना हाथ बढ़ाकर तुम्हें और तुम्हारे लोगों को मार डालूंगा, और तुम पृथ्वी से नष्ट कर दिए जाओगे। और इस कारण तू संरक्षित किया गया था, ताकि मैं तुझमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करूँ, और ताकि मेरा नाम सारी पृथ्वी पर घोषित किया जाए। क्या तुम अभी भी मेरे लोगों को जाने नहीं देने का कारण बन रहे हो? देखो, मैं कल इस समय अत्यधिक भारी ओले बरसाऊँगा, जैसे मिस्र में उस दिन से लेकर आज तक कभी नहीं हुए हैं, जब से वह बनाया गया है। अब इसलिए अपने मवेशियों को और जो कुछ तुम्हारा मैदान में है उसे जल्दी से इकट्ठा करो, क्योंकि सब लोग और मवेशी, जो तुम्हारे मैदान में हैं, सब लोग और मवेशी, जो मैदानों में पाए जाएं और घर में प्रवेश न करें, और उन पर ओले गिरें, तो वे मर जाएंगे। फिरौन के सेवकों में से जो प्रभु के वचन से डरता था, उसने अपने पशुओं को घरों में इकट्ठा किया। जो लेकिन प्रभु के वचन पर मन नहीं लगाया, उसने पशुओं को मैदानों में छोड़ दिया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ आकाश की ओर फैलाओ, और मिस्र की सारी भूमि पर ओले पड़ेंगे, लोगों पर, पशुओं पर, और भूमि पर की सारी वनस्पति पर। और मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर फैलाया, और प्रभु ने गर्जन और ओले दिए, और आग पृथ्वी पर दौड़ी, और प्रभु ने समस्त मिस्र देश पर ओले बरसाए। ओले पड़ रहे थे और ओलों में आग धधक रही थी, और ओले बहुत भयंकर थे, जैसे मिस्र में कभी नहीं हुए थे, उस दिन से जब वहाँ राष्ट्र बना था। ओले ने मिस्र की सारी भूमि में मारा, मनुष्य से लेकर पशु तक, और मैदान में जो सब घास थी उसे ओले ने मारा, और मैदानों में जो सब पेड़ थे उन्हें ओले ने चकनाचूर कर दिया। केवल गोसेम भूमि में, जहाँ इस्राएल के पुत्र थे, ओला नहीं पड़ा। फिरौन ने बुलावा भेजकर मूसा और आरोन को बुलाया, और उनसे कहा, मैंने अब पाप किया

है, प्रभु धर्मी हैं, और मैं तथा मेरी प्रजा दुष्ट हैं। इसलिए मेरे विषय में प्रभु से प्रार्थना करो, और परमेश्वर की आवाजें, ओले और आग बंद हो जाएं, और मैं तुम्हें भेज दूंगा, और तुम अब और रहने के लिए नहीं रोके जाओगे। मूसा ने उससे कहा, जैसे ही मैं शहर से बाहर जाऊंगा, मैं प्रभु की ओर अपने हाथ फैलाऊंगा, और आवाजें रुक जाएंगी, और ओले और बारिश नहीं होगी, ताकि तू जान ले कि पृथ्वी प्रभु की है। और मैं जानता हूँ कि तुम और तुम्हारे सेवकों ने अभी तक प्रभु से भय नहीं खाया है। परन्तु सन और जौ नष्ट हो गए, क्योंकि जौ बाली में था और सन फूल में था। परन्तु गेहूँ और जौ नष्ट नहीं हुए, क्योंकि वे देर से पकने वाले थे। मूसा फिरौन के पास से शहर के बाहर गया, और उसने प्रभु की ओर अपने हाथ फैलाए, और आवाजें रुक गईं, और ओले और बारिश भूमि पर अब नहीं गिरे। लेकिन फिरौन ने देखा कि वर्षा और ओले और आवाजें रुक गई हैं, तो उसने फिर से पाप करना जारी रखा, और उसने अपना हृदय कठोर कर लिया, और अपने सेवकों का भी। और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने इस्राएल के पुत्रों को नहीं भेजा, जैसा प्रभु ने मूसा से कहा था।

10

और प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन के पास जाओ, क्योंकि मैंने उसके और उसके सेवकों के हृदय को कठोर कर दिया है, ताकि ये चिह्न उन पर आएँ। ताकि तुम अपने बच्चों के कानों में सुनाओ, और अपने बच्चों के बच्चों को, कि मैंने मिस्रियों का कितना उपहास किया, और मेरी निशानियाँ जो मैंने उनमें की, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु हूँ। मूसा और आरोन फिरौन के सामने गए और उससे कहा, इब्रियों के परमेश्वर प्रभु यह कहते हैं: तुम कब तक मेरे सामने नम्र होने से इनकार करोगे? मेरी प्रजा को जाने दो, ताकि वे मेरी आराधना करें। यदि तू मेरे लोगों को भेजना नहीं चाहता, तो देखो, मैं कल इस समय तेरी सब सीमाओं पर बहुत टिड्डियाँ लाऊँगा। और यह पृथ्वी की दृष्टि को ढक देगा, और तुम पृथ्वी को देखने में सक्षम नहीं होगे, और यह पृथ्वी का सब अतिरिक्त शेष भाग खा जाएगा, जो ओले ने तुम्हारे लिए छोड़ा था, और यह पृथ्वी पर तुम्हारे लिए उगने वाले सब वृक्ष खा जाएगा। और तुम्हारे घर भरे जाएंगे, और तुम्हारे सेवकों के घर, और मिस्रियों की सारी भूमि में सब घर, जो तुम्हारे पिताओं ने कभी नहीं देखा है, न उनके परदादाओं ने, उस दिन से जब वे पृथ्वी पर हुए, इस दिन तक, और मूसा मुड़कर फिरौन के पास से निकल गया। और फिरौन के सेवक उससे कहते हैं, कब तक यह हमारे लिए फंदा बना रहेगा? इन लोगों को भेज दो, ताकि वे अपने परमेश्वर की सेवा करें, या क्या तुम जानना चाहते हो कि मिस्र नष्ट हो गया है? और मूसा और हारून को फिरौन की ओर लौटाया गया, और उसने उनसे कहा, जाओ और अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करो, लेकिन कौन-कौन हैं जो जाने वाले हैं? और मूसा कहता है, हम युवा पुरुषों और बुजुर्गों के

साथ जाएंगे, अपने पुत्रों और पुत्रियों के साथ, और अपनी भेड़ों और मवेशियों के साथ, क्योंकि यह प्रभु का पर्व है। और उसने उनसे कहा, प्रभु तुम्हारे साथ इस प्रकार रहे, जैसे मैं तुम्हें भेजता हूँ, क्या तुम्हारा सामान भी नहीं? देखो कि तुम्हें दुष्टता जोड़ी गई है। नहीं, ऐसा नहीं। पुरुष जाएँ और परमेश्वर की सेवा करें, क्योंकि तुम स्वयं यही खोजते हो। लेकिन उन्होंने उनको फिरौन के सामने से निकाल दिया। और प्रभु ने मूसा से कहा, मिस्र की भूमि पर अपना हाथ फैलाओ, और टिड्डियाँ भूमि पर चढ़ आएँ, और वे भूमि की सारी घास और पेड़ों के सारे फल को खा जाएँ, जो ओलों से बच गए थे। और मूसा ने छड़ी को आकाश की ओर उठाया, और प्रभु ने पूरे उस दिन और पूरी उस रात भूमि पर दक्षिण हवा चलाई। सुबह हुई, और दक्षिण हवा ने टिड्डियों को उठा लिया। और वह इसे मिस्र की सारी भूमि पर ले आया, और मिस्र की सभी सीमाओं पर बहुत अधिक मात्रा में रुक गया, इससे पहले ऐसी टिड्डि कभी नहीं हुई थी, और इसके बाद ऐसी कभी नहीं होगी। और इसने पृथ्वी की दृष्टि को ढक दिया, और पृथ्वी नष्ट हो गई, और इसने पृथ्वी की सब वनस्पति को निगल लिया, और वृक्षों के सब फल को जो ओलों से बचे थे। वृक्षों में और मैदान की सब वनस्पति में कुछ भी हरा नहीं बचा, मिस्र की सारी भूमि में।

फिरौन ने जल्दी से मूसा और हारून को बुलाया, और कहा, मैंने तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के सामने और तुम्हारे विरुद्ध पाप किया है। इसलिए अब भी मेरे पाप को स्वीकार करो, और अपने प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना करो, और वह मुझसे इस मृत्यु को हटा दे। मूसा फिरौन के पास से बाहर गए, और परमेश्वर से प्रार्थना की। और प्रभु ने समुद्र से तीव्र हवा बदली, और टिड्डि को उठाया, और उसे लाल समुद्र में फेंक दिया, और मिस्र की सारी भूमि में एक भी टिड्डि नहीं बची। और प्रभु ने फिरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने इस्राएल के पुत्रों को नहीं भेजा। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ आकाश की ओर फैलाओ, और मिस्र की पृथ्वी पर अंधकार हो जाए, ऐसा अंधकार जो स्पर्शनीय हो। मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर फैलाया, और मिस्र की सारी भूमि पर तीन दिन तक अंधकार, घोर अंधकार और तूफान छा गया। और तीन दिनों तक किसी ने अपने भाई को नहीं देखा, और तीन दिनों तक कोई भी अपने बिस्तर से नहीं उठा, लेकिन इस्राएल के सभी पुत्रों के लिए उन सभी स्थानों में प्रकाश था जहाँ वे निवास करते थे। और फिरौन ने मूसा और हारून को बुलाया और कहा, जाओ, अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करो, लेकिन भेड़ों और बैलों को छोड़ दो, और तुम्हारा सामान तुम्हारे साथ जाने दो। और मूसा ने कहा, लेकिन तू ही हमें होमबलि और बलिदान देगा, जो हम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए करेंगे। और हमारे पशु हमारे साथ जाएंगे, और हम एक खुर भी नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि हम उनमें से लेंगे अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करने के लिए, लेकिन हम नहीं जानते कि हम अपने प्रभु परमेश्वर की क्या सेवा करेंगे, जब तक हम वहाँ नहीं पहुँच

जाते। लेकिन प्रभु ने फिरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने उन्हें भेजना नहीं चाहा। और फिरौन कहता है, मेरे पास से चले जाओ, अपना ध्यान रखो कि फिर कभी मेरा चेहरा देखने की कोशिश मत करना, जिस दिन तुम मुझे दिखाई दोगे, तुम मर जाओगे। मूसा कहता है, तूने कहा है, मैं तुझे फिर कभी चेहरे पर दिखाई नहीं दूंगा।

11

और प्रभु ने मूसा से कहा, मैं अभी एक और प्रहार फिरौन और मिस्र पर लाऊंगा, और इन बातों के बाद वह तुम्हें यहाँ से भेज देगा। जब वह तुम्हें सब के साथ भेजेगा, तो वह तुम्हें पूरी तरह से निकाल देगा। इसलिए लोगों के कानों में गुप्त रूप से बोलो, और प्रत्येक व्यक्ति अपने पड़ोसी से चांदी के और सोने के बर्तन तथा वस्त्र मांगे। प्रभु ने अपने लोगों को मिस्रियों के सामने कृपा दी, और उन्होंने उनको उधार दिया, और वह मनुष्य मूसा मिस्रियों के सामने, और फिरौन के सामने, और उसके सेवकों के सामने अत्यधिक महान हुआ। और मूसा ने कहा, प्रभु यह कहते हैं कि आधी रात के समय मैं मिस्र के बीच में जाऊंगा। और मिस्र की भूमि में हर पहलौठा मरेगा, फिरौन के पहलौठे से, जो सिंहासन पर बैठता है, और चक्की के पास की दासी के पहलौठे तक, और सब पशुओं के पहलौठे तक। और मिस्र की सारी भूमि में एक महान चीख होगी, जैसी कभी नहीं हुई है, और जैसी फिर कभी नहीं होगी। और इस्राएल के सभी पुत्रों में कोई कुत्ता अपनी जीभ से नहीं गुर्राएगा, मनुष्य से लेकर पशु तक, ताकि तुम जान सको कि प्रभु मिस्रियों और इस्राएल के बीच कितना भेद करेगा। और तुम्हारे ये सब सेवक मेरे पास आएंगे और मुझे प्रणाम करेंगे, यह कहते हुए, तुम निकल जाओ, और तुम्हारे सब लोग जिनका तुम नेतृत्व करते हो, और इसके बाद मैं निकलूंगा। और मूसा फिरौन के पास से क्रोध के साथ निकला। प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन तुम्हारी नहीं सुनेगा, ताकि मैं मिस्र की भूमि में अपने चिह्नों और चमत्कारों को बढ़ाता रहूँ। मूसा और हारून ने मिस्र की भूमि में फिरौन के सामने ये सब चिन्ह और आश्चर्य किए, परन्तु प्रभु ने फिरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से भेजने के लिए नहीं सुना।

12

और प्रभु ने मिस्र की भूमि में मूसा और हारून से कहा, यह महीना तुम्हारे लिए महीनों की शुरुआत है, यह तुम्हारे लिए वर्ष के महीनों में पहला है। इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण सभा से कहो, इस महीने की दसवीं तिथि को प्रत्येक व्यक्ति अपने पितरों के घरों के अनुसार एक भेड़ ले, प्रत्येक घर के अनुसार एक भेड़। यदि घर में कम लोग हों, ताकि भेड़ के लिए

पर्याप्त न हों, तो वह अपने पड़ोसी को अपने साथ ले लेगा, आत्माओं की संख्या के अनुसार, प्रत्येक को उसके लिए पर्याप्त भेड़ में गिना जाएगा। भेड़ पूर्ण, नर, एक वर्ष की तुम्हारे लिए होगी; मेमनों और बकरियों में से लोगे। और यह तुम्हारे पास इस महीने की चौदहवीं तारीख तक रखा जाएगा, और इस्राएल के पुत्रों की सभा की सारी भीड़ शाम को इसका वध करेगी। और वे रक्त में से लेंगे, और दो चौखटों पर और चौखट पर रखेंगे, उन घरों में जिनमें वे उन्हें खाएंगे। और वे इस रात को आग में भुना हुआ मांस खाएंगे, और कड़वी जड़ी-बूटियों के साथ बिना खमीर की रोटी खाएंगे। तुम उनमें से कच्चा नहीं खाओगे, न ही पानी में उबला हुआ, बल्कि आग में भुना हुआ, सिर के साथ पैर और आंते। सुबह तक उसमें से कुछ नहीं छोड़ा जाएगा, और तुम उसकी हड्डी नहीं तोड़ोगे, लेकिन जो कुछ सुबह तक उसमें से बचा रहे उसे आग में जला देना। इस प्रकार तुम इसे खाओगे: तुम्हारी कमर कसी हुई हो, तुम्हारे पैरों में जूते हों, और तुम्हारे हाथों में लाठियाँ हों, और तुम इसे जल्दी से खाओगे; यह प्रभु का फसल है। और मैं इस रात में मिस्र की भूमि में से गुजरूँगा, और मैं मिस्र की भूमि में मनुष्य से लेकर पशु तक हर पहलौटे को मारूँगा, और मिस्रियों के सब देवताओं पर मैं प्रतिशोध करूँगा, मैं प्रभु। और वह खून तुम्हारे लिए उन घरों पर एक निशान होगा, जिनमें तुम वहाँ हो, और मैं वह खून देखूँगा, और तुम्हें ढकूँगा, और तुममें कोई विपत्ति नहीं होगी जो नष्ट करे, जब मैं मिस्र की भूमि में मारूँगा।

और यह दिन तुम्हारे लिए एक स्मारक होगा, और तुम इसे प्रभु के लिए एक पर्व के रूप में अपनी सभी पीढ़ियों में मनाओगे, शाश्वत विधि के अनुसार तुम इसे मनाओगे। सात दिन तक तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, और पहले दिन से तुम अपने घरों से खमीर हटा दोगे। जो कोई भी खमीर खाए, वह प्राण इस्राएल से नष्ट कर दिया जाएगा, पहले दिन से लेकर सातवें दिन तक। और पहला दिन पवित्र कहलाएगा, और सातवाँ दिन तुम्हारे लिए पवित्र कहलाएगा, तुम उनमें कोई दासता का काम नहीं करोगे, सिवाय उसके जो हर प्राण के लिए किया जाएगा, केवल यह तुम्हारे लिए किया जाएगा। और तुम इस आज्ञा को रखोगे, क्योंकि इस दिन मैं तुम्हारी शक्ति को मिस्र की भूमि से बाहर लाऊँगा, और तुम इस दिन को अपनी पीढ़ियों में शाश्वत विधि बनाओगे। पहले महीने के चौदहवें दिन से शुरू करते हुए, शाम से तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, महीने के इक्कीसवें दिन तक, शाम तक। सात दिन तक तुम्हारे घरों में खमीर नहीं पाया जाएगा, जो कोई भी खमीर रोटी खाएगा, वह आत्मा इस्राएल की सभा से नष्ट कर दी जाएगी, चाहे वह परदेशी हो या भूमि का देशी। तुम कोई भी खमीर रोटी नहीं खाओगे, परन्तु अपने हर निवास स्थान में तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे।

मूसा ने इस्राएल के पुत्रों की सब बुजुर्गों की परिषद को बुलाया, और उनसे कहा, जाकर अपने-अपने कुटुम्बों के अनुसार भेड़ लो, और फसह का बलिदान करो। तुम लोग जूफा का एक गुच्छा लो, और उसे दरवाजे के पास के खून में डुबोकर, चौखट पर और दोनों चौखटों पर लगाओ, उस खून से जो दरवाजे के पास है, और तुम लोग सुबह तक अपने-अपने घर के दरवाजे से बाहर नहीं निकलोगे। और प्रभु मिश्रियों को मारने के लिए पास से जाएगा, और चौखट पर और दोनों चौखटों पर रक्त को देखेगा, और प्रभु द्वारा से पास से जाएगा, और विनाशक को तुम्हारे घरों में मारने के लिए प्रवेश करने नहीं देगा। और इस विधि के वचन की रक्षा करो, अपने लिए और अपने पुत्रों के लिए, युगों तक। जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो, जो प्रभु तुम्हें देगा, जैसा उसने कहा था, तो इस सेवा की रक्षा करना। और ऐसा होगा यदि तुम्हारे पुत्र तुमसे कहें, यह सेवा क्या है? और तुम उनसे कहोगे, यह फसह का बलिदान प्रभु के लिए है, क्योंकि उसने इस्राएल के पुत्रों के घरों को मिश्र में ढका था, जब उसने मिश्रियों को मारा था, लेकिन हमारे घरों को बचाया था। और लोग झुककर दंडवत किए। और इस्राएल के पुत्रों ने जाकर वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा और हारून को आज्ञा दी थी, उन्होंने वैसा ही किया।

और यह हुआ कि आधी रात को प्रभु ने मिश्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, सिंहासन पर बैठे फिरौन के पहलौठे से लेकर गड्ढे में पड़ी बंदी स्त्री के पहलौठे तक, और सभी पशुओं के पहलौठे तक। और फिरौन रात को उठा, और उसके सेवक, और सब मिश्री, और सारे मिश्र देश में बड़ी चिल्लाहट हुई, क्योंकि कोई ऐसा घर नहीं था जिसमें कोई मरा हुआ न हो। और फिरौन ने मूसा और हारून को रात में बुलाया, और उनसे कहा, उठो, और मेरे लोगों में से निकल जाओ, तुम और इस्राएल के पुत्र, जाओ और अपने परमेश्वर प्रभु की सेवा करो, जैसा तुम कहते हो। और अपनी भेड़ें और बैल लेकर जाओ, और मुझे भी आशीर्वाद दो। और मिश्रवासी लोगों पर दबाव डाल रहे थे कि उत्साह से उनको भूमि से बाहर निकाल दें, क्योंकि उन्होंने कहा, हम सब मर रहे हैं। लोगों ने अपना आटा खमीर होने से पहले ही उठा लिया, उनका गूँधा हुआ आटा उनके कपड़ों में बंधा हुआ था, उनके कंधों पर। इसराइल के पुत्रों ने वैसा ही किया, जैसा मूसा ने उन्हें आज्ञा दी थी, और उन्होंने मिश्रियों से चाँदी और सोने के बर्तन और वस्त्र माँगे। और प्रभु ने अपने लोगों को मिश्रियों के सामने कृपा दी, और उन्होंने उनको उधार दिया, और उन्होंने मिश्रियों को लूटा।

इस्राएल के पुत्रों ने रामेसेस से प्रस्थान करके सुक्कोत की ओर कूच किया, छह लाख पैदल पुरुष, सामान के अतिरिक्त। और एक बड़ी मिश्रित भीड़ उनके साथ ऊपर गई, और भेड़ें, और बैल, और बहुत अधिक पशु। और उन्होंने उस आटे को पकाया जो वे मिश्र से

निकाल लाए थे, बिना खमीर की राख में पकी रोटी, क्योंकि वह खमीर नहीं हुआ था, क्योंकि मिश्रवासियों ने उनको निकाल दिया था और वे रुक नहीं सके, और न ही उन्होंने अपने लिए रास्ते के लिए रसद बनाई। इस्राएल के पुत्रों का निवास, जो उन्होंने मिश्र और कनान की भूमि में किया, चार सौ तीस वर्ष था। और ऐसा हुआ कि चार सौ तीस वर्षों के बाद, प्रभु की सारी शक्ति मिश्र की भूमि से रात में बाहर निकल गई। यह प्रभु के लिए सुरक्षा की रात है, ताकि उन्हें मिश्र की भूमि से बाहर निकाला जा सके। वह रात यह है, प्रभु के लिए सुरक्षा, ताकि इस्राएल के सभी पुत्रों के लिए उनकी पीढ़ियों तक बनी रहे। प्रभु ने मूसा और आरोन से कहा, यह पास्का का कानून है, कोई भी विदेशी इसमें से नहीं खाएगा, और सब घरेलू सेवक या चाँदी से खरीदे हुए का तुम खतना करोगे, और तब वह उसमें से खाएगा। प्रवासी या मजदूर उसमें से नहीं खाएगा। एक घर में खाया जाएगा, और तुम घर से मांस को बाहर नहीं ले जाओगे, और तुम उसकी हड्डी नहीं तोड़ोगे। इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण सभा इसे करेगी। यदि कोई परदेशी तुम्हारे पास आए और प्रभु के लिए फसल मनाना चाहे, तो उसके सभी पुरुषों का खतना करो, और तब वह इसे मनाने आएगा, और वह भूमि के देशी के समान होगा; कोई भी खतनारहित इसमें से नहीं खाएगा। कानून एक ही होगा देशी के लिए, और तुम्हारे बीच आने वाले परदेशी के लिए। और इस्राएल के पुत्रों ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा और हारून को उनके लिए आज्ञा दी थी, उन्होंने वैसा ही किया। और उस दिन ऐसा हुआ कि प्रभु इस्राएल के पुत्रों को मिश्र की भूमि से उनकी शक्ति के साथ बाहर लाए।

13

और प्रभु ने मूसा से कहा, मेरे लिए इस्राएल के पुत्रों में मनुष्य से लेकर पशु तक, हर पहलौठे को, जो सब गर्भ को खोलता है, पवित्र करो; वह मेरा है। मूसा ने लोगों से कहा, इस दिन को याद रखो, जिसमें तुम मिश्र की भूमि से, गुलामी के घर से निकले, क्योंकि प्रभु ने अपने शक्तिशाली हाथ से तुम्हें यहाँ से निकाला, और खमीर नहीं खाया जाएगा। क्योंकि आज तुम नये (अनाज के) महीने में बाहर जा रहे हो। और ऐसा होगा कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे कनानियों, हितियों, एमोरियों, हिब्रियों, यबूसियों, गिर्गाशियों और परिज्जियों की भूमि में ले आए—वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है, जिसे देने की शपथ उसने तेरे पूर्वजों से खाई थी—तो तू इस महीने में यह आराधना करेगा। छः दिन तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, लेकिन सातवें दिन प्रभु का पर्व होगा। बिना खमीर की रोटी तुम सात दिन खाओगे, तुम्हें खमीरी रोटी दिखाई नहीं देगी, न ही तुम्हारी सभी सीमाओं में तुम्हारे पास खमीर होगा। और तुम अपने पुत्र को उस दिन घोषणा करोगे, कहते हुए, इसके कारण प्रभु देवता ने मेरे लिए यह किया, जब मैं मिश्र से बाहर जा रहा था। और यह तेरे हाथ पर चिह्न

होगा, और तेरी आँखों के सामने स्मारक होगा, ताकि प्रभु की व्यवस्था तेरे मुख में रहे, क्योंकि प्रभु परमेश्वर तुझे बलवान हाथ से मिस्र से निकाल लाया। और इस कानून की रक्षा करो निर्धारित समय के अनुसार, दिन से दिन।

और ऐसा होगा कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे कनानियों की भूमि में लाए, जैसा उसने तेरे पूर्वजों से शपथ खाई थी, तो वह उसे तुझे देगा। और तू प्रभु के लिए हर गर्भ खोलने वाले नर को अलग करेगा, हर गर्भ खोलने वाले को झुंडों से या तेरे पशुओं में, जितने भी तुझे होंगे, उन नरों को तू प्रभु के लिए पवित्र करेगा। गधे के हर पहलौठे को तू भेड़ से बदलेगा, यदि तू न बदले, तो तू इसे छोड़ाएगा। अपने पुत्रों में से मनुष्य के हर पहलौठे को तू छोड़ाएगा। यदि इन बातों के बाद तुम्हारा पुत्र तुमसे पूछे, यह क्या है? तो तुम उससे कहोगे, प्रभु ने शक्तिशाली हाथ से हमें मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से निकाला। जब फिरौन ने हमें भेजने से इनकार किया और कठोर हो गया, तो उसने मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को मार डाला, मनुष्यों के पहलौठों से लेकर पशुओं के पहलौठों तक। इसी कारण मैं हर गर्भ खोलने वाले नर को प्रभु के लिए बलिदान करता हूँ, और अपने पुत्रों में से हर पहलौठे को छोड़ाऊँगा। और यह तुम्हारे हाथ पर एक निशान होगा, और तुम्हारी आँखों के सामने अटल होगा, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें शक्तिशाली हाथ से मिस्र से निकाला।

जब फिरौन ने लोगों को भेजा, तो परमेश्वर ने उन्हें फिलिस्तीम की भूमि के रास्ते से नहीं ले गया, क्योंकि वह निकट था, क्योंकि परमेश्वर ने कहा, कहीं ऐसा न हो कि लोग युद्ध देखकर पछताएं, और मिस्र को लौट जाएं। और परमेश्वर ने लोगों को मरुभूमि के रास्ते से लाल समुद्र की ओर घेरा, और पाँचवीं पीढ़ी में इस्राएल के पुत्र मिस्र की भूमि से निकल गए। और मूसा ने यूसुफ की हड्डियाँ अपने साथ लीं, क्योंकि उसने इस्राएल के पुत्रों को शपथ दिलाई थी, यह कहते हुए, प्रभु निश्चय तुम्हारी सुधि लेगा, और तुम मेरी हड्डियाँ यहाँ से अपने साथ ले जाना।

और इस्राएल के पुत्रों ने सुक्कोत से कूच करके, एताम में रेगिस्तान के पास डेरा डाला। ईश्वर उनका मार्गदर्शन करते थे, दिन में बादल के स्तंभ में, उन्हें रास्ता दिखाने के लिए, और रात में आग के स्तंभ में। बादल का स्तंभ दिन में और आग का स्तंभ रात में सभी लोगों के सामने से समाप्त नहीं हुआ।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, और वे मुड़कर बस्ती के सामने, मिगदोल और समुद्र के बीच में, बाल-सपोन के सामने डेरा डालें; उनके सामने तुम समुद्र के किनारे डेरा डालोगे। और फिरौन अपने लोगों से कहेगा, इस्राएल के ये पुत्र भूमि में भटक रहे हैं, क्योंकि मरुभूमि ने उन्हें बंद कर दिया है। मैं फिरौन के हृदय को कठोर करूँगा, और वह उनका पीछा करेगा, और मैं फिरौन में और उसकी सारी सेना में महिमावान किया जाऊँगा, और सब मिश्रवासी जानेंगे कि मैं प्रभु हूँ, और उन्होंने ऐसा ही किया। और मिश्रियों के राजा को यह सूचना दी गई कि लोग भाग गए हैं, और फिरौन तथा उसके सेवकों का हृदय लोगों के प्रति बदल गया, और उन्होंने कहा, हमने यह क्या किया है कि इस्राएल के पुत्रों को भेज दिया, ताकि वे हमारी सेवा न करें? इसलिए फिरौन ने अपने रथों को जोता और अपने सब लोगों को अपने साथ ले गया। और उसने छह सौ चुने हुए रथ लिए, और मिश्रियों के सभी घोड़े, और सब पर अधिकारी। और प्रभु ने मिश्र के राजा फिरौन और उसके सेवकों के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने इस्राएल के पुत्रों का पीछा किया, परन्तु इस्राएल के पुत्र ऊँचे हाथ से निकल रहे थे। और मिश्रियों ने उनका पीछा किया, और उन्हें समुद्र के पास डेरा डाले हुए पाया, और फिरौन के सब घोड़े और रथ, और घुड़सवार, और उसकी सेना बस्ती के सामने, बाल-सपोन के सामने थी। और फिरौन निकट आ रहा था, और इस्राएल के पुत्रों ने ऊपर देखकर अपनी आँखों से देखा कि मिश्रियों ने उनके पीछे डेरा डाला था, और वे बहुत डर गए, और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु की ओर पुकारा। और उन्होंने मूसा से कहा, क्या मिश्र की भूमि में कब्रें नहीं थीं, कि तुम हमें जंगल में मारने के लिए बाहर ले आए? यह क्या किया तुमने हमारे साथ, हमें मिश्र से बाहर लाकर? क्या यह वही बात नहीं थी जो हमने तुमसे मिश्र में कही थी, हमें छोड़ दो, ताकि हम मिश्रियों की सेवा करें? क्योंकि हमारे लिए मिश्रियों की सेवा करना इस जंगल में मरने से बेहतर है।

और मूसा ने लोगों से कहा, साहस रखो, खड़े रहो और उस उद्धार को देखो जो प्रभु की ओर से है, जो वह आज हमारे लिए करेगा, क्योंकि जिस तरीके से तुमने मिश्रियों को आज देखा है, तुम उन्हें युगों तक फिर कभी नहीं देखोगे। प्रभु तुम्हारे लिए लड़ेगा, और तुम चुप रहोगे। प्रभु ने मूसा से कहा, तुम मुझसे क्यों पुकार रहे हो? इस्राएल के पुत्रों से कहो कि वे कूच करें। और तू अपनी छड़ी उठा, और अपना हाथ समुद्र पर फैला, और उसे विभाजित कर, और इस्राएल के पुत्र समुद्र के बीच में सूखी भूमि पर चले जाएँ। और देखो, मैं फिरौन और सभी मिश्रियों के हृदय को कठोर करूँगा, और वे उनके पीछे प्रवेश करेंगे, और मैं फिरौन में और उसकी सारी सेना में और रथों में और उसके घोड़ों में महिमावान किया जाऊँगा। और सभी मिश्री जानेंगे कि मैं प्रभु हूँ, जब मेरी महिमा फिरौन में, और रथों में, और उसके घोड़ों में की जाएगी। परमेश्वर के दूत ने, जो इस्राएल के पुत्रों के शिविर के आगे जा रहा था, हटक

पीछे चला गया, और बादल का स्तंभ भी उनके सामने से हटकर उनके पीछे जा खड़ा हुआ। और वह मिस्त्रियों के शिविर के बीच में, और मिस्त्रियों के शिविर के बीच में, और इस्राएल के शिविर के बीच में प्रवेश किया, और खड़ा हो गया, और अंधकार और घोर अंधकार छा गया, और रात बीत गई, और वे पूरी रात एक दूसरे से नहीं मिले। मूसा ने समुद्र पर अपना हाथ फैलाया, और प्रभु ने पूरी रात प्रचंड दक्षिणी हवा से समुद्र को हटाया, और समुद्र को सूखा कर दिया, और पानी विभाजित हो गया। और इस्राएल के पुत्र समुद्र के मध्य में सूखी भूमि पर प्रवेश किए, और उसका जल दाहिनी ओर से दीवार था, और बायीं ओर से दीवार था।

और मिस्त्रियों ने पीछा किया, और उनके पीछे प्रवेश किया और फिरौन का सब घोड़ा, और रथ, और सवार, समुद्र के बीच में। और ऐसा हुआ कि सुबह के पहर में प्रभु ने आग और बादल के स्तंभ में मिस्त्रियों के शिविर पर दृष्टि डाली, और मिस्त्रियों के शिविर को उलझन में डाल दिया। और उसने उनके रथों की धुरियों को बांध दिया, और उन्हें बलपूर्वक ले गया, और मिस्त्रियों ने कहा, हम इस्राएल के सामने से भाग चलें, क्योंकि प्रभु उनके लिए मिस्त्रियों से लड़ता है। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ समुद्र पर फैलाओ, और पानी लौट आए, और मिस्त्रियों को, रथों को और सवारों को ढक दे। मूसा ने अपना हाथ समुद्र पर फैलाया, और पानी दिन में भूमि पर लौट आया। मिस्रवासी पानी के नीचे भागे, और प्रभु ने मिस्रवासियों को समुद्र के बीच में झटक दिया। और वापस मुड़े हुए पानी ने रथों और सवारों को ढक दिया, और फिरौन की सम्पूर्ण सेना को जो उनके पीछे समुद्र में प्रवेश कर चुकी थी, और उनमें से एक भी नहीं बचा। लेकिन इस्राएल के पुत्र समुद्र के बीच सूखी भूमि से होकर गए, और पानी उनके लिए दाहिनी ओर से दीवार था, और बायीं ओर से दीवार। और प्रभु ने उस दिन इस्राएल को मिस्त्रियों के हाथ से छुड़ाया, और इस्राएल ने मिस्त्रियों को समुद्र के किनारे पर मरे हुए देखा। इस्राएल ने उस महान हाथ को देखा जो प्रभु ने मिस्त्रियों के साथ किया, और लोग प्रभु से डरे, और उन्होंने परमेश्वर पर और उसके सेवक मूसा पर विश्वास किया।

15

तब मूसा और इस्राएल के पुत्रों ने परमेश्वर के लिए यह गीत गाया, और कहा, आओ हम प्रभु का गुणगान करें, क्योंकि वह महिमावान हुआ है; उसने घोड़े और सवार को समुद्र में फेंक दिया। सहायक और रक्षक मेरे उद्धार के लिए हुआ, यह मेरा परमेश्वर है, और मैं उसकी महिमा करूंगा, मेरे पिता का परमेश्वर, और मैं उसे ऊंचा करूंगा। प्रभु युद्धों को कुचलने वाला है, प्रभु उसका नाम है। फिरौन के रथ और उसकी शक्ति को समुद्र में फेंक दिया, चुने हुए

सवार और तीसरे दर्जे के अधिकारियों को लाल समुद्र में निगल लिया गया। समुद्र ने उन्हें ढक लिया, वे गहराई में पत्थर की तरह डूब गए। हे प्रभु, तेरा दाहिना हाथ शक्ति में महिमामंडित किया गया है; हे प्रभु, तेरे दाहिने हाथ ने शत्रुओं को चकनाचूर कर दिया। और अपनी महिमा की बहुतायत से तुमने शत्रुओं को कुचल दिया, तुमने अपना क्रोध भेजा जिसने उन्हें भूसे की तरह निगल लिया। और तेरे क्रोध की आत्मा के कारण पानी विभाजित हुआ, पानी दीवार के समान जमा हुआ, समुद्र के बीच में लहरें जमा हुईं। शत्रु ने कहा, पीछा करके पकड़ लूंगा, लूट की चीजें बांट दूंगा, अपनी आत्मा को भर दूंगा, अपनी तलवार से मार डालूंगा, मेरा हाथ शासन करेगा। तूने अपनी आत्मा भेजी, समुद्र ने उन्हें ढक लिया, वे प्रचंड जल में सीसे की तरह डूब गए। हे प्रभु, देवताओं में तुझ जैसा कौन है? तुझ जैसा कौन है? पवित्रों में सम्मानित, महिमाओं में अद्भुत, चमत्कार करने वाला। तूने अपना दाहिना हाथ फैलाया, भूमि ने उन्हें निगल लिया। तूने अपनी धार्मिकता से इन लोगों का मार्गदर्शन किया जिन्हें तूने छुड़ाया था, तूने अपनी शक्ति से उन्हें अपने पवित्र निवास तक पहुँचाया। राष्ट्रों ने सुना और वे क्रोधित हुए, पलिश्टियों के निवासियों को पीड़ाएँ ने जकड़ लिया। तब एदोम के नेताओं ने जल्दी की, और मोआबियों के शासकों को कंपन ने पकड़ लिया, कनान में रहने वाले सभी लोग पिघल गए। उन पर कंपन और भय गिर पड़े, तेरी भुजा की महानता से वे पत्थर हो जाएं, जब तक तेरे लोग गुजर न जाएं, हे प्रभु, जब तक तेरे यह लोग गुजर न जाएं, जिन्हें तूने प्राप्त किया। उन्हें अपनी विरासत के पहाड़ में ले जाकर रोप दो, अपने तैयार किए हुए निवास-स्थान में, जो तूने तैयार किया, हे प्रभु, पवित्र-स्थान में, हे प्रभु, जो तेरे हाथों ने तैयार किया। प्रभु युग और युगों तक राज्य करते हैं, और सदा के लिए। क्योंकि फ़िरौन का घोड़ा रथों और सवारों के साथ समुद्र में प्रवेश किया, और प्रभु ने उन पर समुद्र का पानी ले आया, परन्तु इस्राएल के पुत्र समुद्र के बीच सूखी भूमि से होकर गए।

और मरियम भविष्यवक्ता ने, जो हारून की बहन थी, अपने हाथ में ढोल लिया, और सब स्त्रियाँ ढोलों और नृत्यों के साथ उसके पीछे निकल गईं। मरियम ने उनका नेतृत्व करते हुए कहा, आओ हम प्रभु का गान करें, क्योंकि वह महिमा से महिमान्वित हुए हैं; घोड़े और सवार को उन्होंने समुद्र में फेंक दिया। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को लाल समुद्र से निकाला, और उनको शूर के मरुस्थल में ले गया, और वे मरुस्थल में तीन दिन चले, और उन्हें पीने के लिए पानी नहीं मिला। वे मारा में आए, और वे मारा से पीने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि वह कड़वा था, इसलिए उसने उस स्थान का नाम कड़वाहट रखा। और लोग मूसा के विरुद्ध बड़बड़ाए, कहते हुए, हम क्या पीएंगे? मूसा ने प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने उसे एक लकड़ी दिखाई, और उसने इसे पानी में डाला, और पानी मीठा हो गया। वहाँ उसने उसके लिए विधियाँ और न्याय निर्धारित किए, और वहाँ उसने उसकी परीक्षा ली। और

उसने कहा, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर का वचन ध्यान से सुनोगे, और जो उसकी दृष्टि में उचित है वह करोगे, और उसकी आज्ञाओं पर कान दोगे, और उसकी सब विधियों का पालन करोगे, तो जो रोग मैंने मिस्त्रियों पर भेजा था, वह तुम पर नहीं भेजूंगा, क्योंकि मैं प्रभु हूँ, तुम्हारा परमेश्वर, जो तुम्हें चंगा करता है। और वे एलीम में आए, और वहाँ पानी के बारह झरने थे, और खजूर के पेड़ों के सत्तर तने थे, और उन्होंने वहाँ पानी के पास डेरा डाला।

16

वे एलीम से प्रस्थान किए, और इस्राएल के पुत्रों की सब सभा सीन मरुभूमि में आई, जो एलीम और सीन के बीच है। दूसरे महीने के पंद्रहवें दिन, उनके मिस्त्र की भूमि से निकलने के बाद, इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा ने मूसा और हारून के विरुद्ध बड़बड़ाया। और इस्राएल के पुत्रों ने उनसे कहा, काश हम मिस्त्र की भूमि में प्रभु द्वारा मारे जाकर मर गए होते, जब हम मांस के बर्तनों पर बैठते थे और तृप्ति तक रोटियाँ खाते थे, क्योंकि तुम हमें इस रेगिस्तान में ले आए हो, इस सारी सभा को अकाल में मारने के लिए। और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो मैं तुम्हारे लिए आकाश से रोटियाँ बरसाता हूँ, और लोग निकलेंगे, और प्रतिदिन का भाग प्रतिदिन इकट्ठा करेंगे, ताकि मैं उनको परखूँ कि वे मेरे नियम पर चलेंगे, या नहीं। और छठे दिन में ऐसा होगा, और जो वे लाएंगे उसे तैयार करेंगे, और जो वे प्रतिदिन इकट्ठा करते हैं उसका दोगुना होगा। और मूसा और हारून ने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहा, शाम को तुम जानोगे कि प्रभु ने तुम्हें मिस्त्र की भूमि से निकाला, और सुबह तुम प्रभु की महिमा देखोगे, जब वह तुम्हारी बड़बड़ाहट परमेश्वर के विरुद्ध सुनें, हम तो क्या हैं, कि तुम हमारे विरुद्ध बड़बड़ाते हो? और मूसा ने कहा, प्रभु तुम्हें शाम को मांस खाने के लिए और सुबह को रोटियाँ पेट भर खाने के लिए देंगे, क्योंकि प्रभु ने तुम्हारी बड़बड़ाहट सुनी है, जो तुम हमारे विरुद्ध बड़बड़ाते हो। हम क्या हैं? तुम्हारी बड़बड़ाहट हमारे विरुद्ध नहीं है, बल्कि परमेश्वर के विरुद्ध है।

और मूसा ने हारून से कहा, मैंने इस्राएल के पुत्रों की सभी सभा से कहा, परमेश्वर के सामने आओ, क्योंकि उसने तुम्हारी बड़बड़ाहट सुनी है। जब हारून इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से बोल रहा था, और वे रेगिस्तान की ओर मुड़ गए, और प्रभु की महिमा बादल में प्रकट हुई। और प्रभु ने मूसा से कहा, मैंने इस्राएल के पुत्रों की बड़बड़ाहट सुनी है। उनसे यह कहते हुए बोलो: शाम को तुम मांस खाओगे, और सुबह को तुम रोटियों से भर जाओगे, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ। शाम हुई, और बटेर ऊपर आई, और उसने शिविर को ढक दिया, सुबह हुई जब ओस शिविर के चारों ओर रुक गई। और देखो, जंगल की

सतह पर कुछ पतला था, धनिया के बीज जैसा सफेद, धरती पर पाले जैसा। इसे देखकर इस्राएल के पुत्रों ने एक दूसरे से कहा, यह क्या है? क्योंकि वे नहीं जानते थे कि यह क्या था। और मूसा ने उनसे कहा, यह वह रोटी है, जो प्रभु ने तुम्हें खाने के लिए दी है। यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी: उसमें से प्रत्येक व्यक्ति अपने लिए उचित मात्रा में, एक गोमोर प्रति व्यक्ति, तुम्हारे प्राणियों की संख्या के अनुसार इकट्ठा करो; प्रत्येक अपने तंबू के साथियों के लिए इकट्ठा करो। इस्राएल के पुत्रों ने ऐसा ही किया, और जिसने अधिक इकट्ठा किया और जिसने कम। और गोमोर से मापने पर, जिसने अधिक एकत्र किया था उसके पास अधिक नहीं था, और जिसने कम एकत्र किया था उसके पास कम नहीं था; प्रत्येक ने अपनी आवश्यकता के अनुसार एकत्र किया था। मूसा ने उनसे कहा, कोई भी इसमें से सुबह तक कुछ न छोड़े।

और उन्होंने मूसा की नहीं सुनी, लेकिन कुछ लोगों ने उसमें से सुबह तक छोड़ दिया, और उसमें कीड़े पड़ गए, और वह सड़ गया, और मूसा उन पर क्रोधित हो गए। और उन्होंने इसे सुबह-सुबह इकट्ठा किया, प्रत्येक ने अपने लिए निर्धारित मात्रा में, और जब सूरज गर्म होता था, तो यह पिघल जाता था। छठे दिन ऐसा हुआ कि उन्होंने आवश्यक चीजें दोगुनी इकट्ठा कीं, प्रत्येक के लिए दो गोमोर, और सभा के सभी शासक आए और उन्होंने मूसा को सूचना दी। मूसा ने उनसे कहा, क्या यह वही वचन नहीं है जो प्रभु ने बोला था? कल प्रभु के लिए पवित्र विश्राम का सब्त है, जितना तुम पकाना चाहो पका लो, और जितना तुम उबालना चाहो उबाल लो, और जो कुछ बच जाए उसे सुबह के लिए भंडार में रख दो। और उन्होंने उसे सुबह तक रख छोड़ा, जैसा मूसा ने उन्हें आदेश दिया था, और वह नहीं सड़ा, न ही उसमें कीड़ा पड़ा। मूसा ने कहा, आज खाओ, क्योंकि आज प्रभु का सब्बाथ है, यह मैदान में नहीं पाया जाएगा। छह दिन तुम इकट्ठा करोगे, लेकिन सातवें दिन सब्त है, क्योंकि उस में यह नहीं होगा। ऐसा हुआ कि सातवें दिन लोगों में से कुछ ने इकट्ठा करने का प्रयास किया, परन्तु उन्हें कुछ नहीं मिला। प्रभु ने मूसा से कहा, कब तक तुम मेरी आज्ञाओं और मेरे नियम को सुनना नहीं चाहोगे? देखो, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें यह सब्बाथ का दिन दिया है, इसलिए उसने तुम्हें छठे दिन दो दिनों की रोटियाँ दी हैं। तुममें से प्रत्येक अपने घर में रहे, कोई भी सातवें दिन अपने स्थान से बाहर न निकले। और लोगों ने सातवें दिन विश्राम किया। और इस्राएल के पुत्रों ने इसका नाम मन्ना रखा। यह सफेद धनिये के बीज जैसा था, और इसका स्वाद शहद में बने केक जैसा था। मूसा ने कहा, यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी: मन्ना का एक गोमोर भरकर अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए भंडार में रखो, ताकि वे उस रोटी को देखें जो तुमने जंगल में खाई थी, जब प्रभु तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाए थे। और मूसा ने हारून से कहा, एक सुनहरा मर्तबान लो, और उसमें एक गोमोर भर मन्ना डालो, और इसे

परमेश्वर के सामने रखो, तुम्हारी पीढ़ियों के लिए संरक्षण में। जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया, और हारून ने साक्ष्य के सामने संरक्षण के लिए रखा। और इस्राएल के पुत्रों ने चालीस वर्ष तक मन्ना खाया, जब तक वे बसे हुए संसार में आए। उन्होंने मन्ना खाया जब तक वे फोनीशिया के भाग में नहीं पहुंचे। लेकिन वह गोमोर उन तीन मापों का दसवां भाग था।

17

और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा सीन के रेगिस्तान से प्रभु के वचन के अनुसार अपने शिविरों के साथ प्रस्थान कर गई, और उन्होंने रपीदीम में डेरा डाला, परन्तु लोगों के लिए पीने को पानी नहीं था। और लोग मूसा से झगड़ा करते हुए कहने लगे, हमें पानी दो, ताकि हम पी सकें, और मूसा ने उनसे कहा, तुम मुझसे क्यों झगड़ा करते हो, और प्रभु की परीक्षा क्यों लेते हो? लेकिन वहाँ लोग पानी के लिए प्यासे हुए, और वहाँ लोगों ने मूसा के विरुद्ध बड़बड़ाया, कहते हुए, यह क्यों किया? तुम हमें मिस्र से बाहर लाए हमें और हमारे बच्चों और हमारे मवेशियों को प्यास से मारने के लिए? मूसा ने प्रभु की ओर पुकारा और कहा, मैं इन लोगों के साथ क्या करूँ? थोड़ी देर में ये मुझे पत्थर मार देंगे। और प्रभु ने मूसा से कहा, इन लोगों के आगे जाओ, और अपने लिए लोगों के बुजुर्गों में से कुछ को ले लो, और वह लाठी जिससे तुमने नदी को मारा था, उसे अपने हाथ में ले लो, और जाओ। देखो, मैं तुमसे पहले वहाँ होरेब की चट्टान पर खड़ा हूँ, और तुम चट्टान पर प्रहार करोगे, और उसमें से पानी निकलेगा, और लोग पिएँगे। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के सामने ऐसा ही किया। और उसने उस स्थान का नाम परीक्षा और निंदा रखा, इस्राएल के पुत्रों की निंदा के कारण, और प्रभु की परीक्षा करने के कारण, यह कहते हुए, क्या प्रभु हमारे बीच में है, या नहीं?

अमालेक आया और रपीदीम में इस्राएल से लड़ा। मूसा ने यहोशू से कहा, अपने लिए शक्तिशाली पुरुषों को चुनो, और निकलकर कल अमालेक से युद्ध करो, और देखो, मैं पहाड़ी के शिखर पर खड़ा रहूँगा, और परमेश्वर की छड़ी मेरे हाथ में होगी। और यहोशू ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने उसको कहा था, और निकलकर अमालेक के विरुद्ध युद्ध के लिए खड़ा हुआ, और मूसा और हारून और होर पहाड़ी की चोटी पर चढ़े। और ऐसा हुआ कि जब मूसा ने हाथ उठाए, तो इस्राएल प्रबल होता था, और जब उसने हाथ नीचे किए, तो अमालेक प्रबल होता था। और मूसा के हाथ भारी थे, और उन्होंने एक पत्थर लिया और उसे उसके नीचे रखा, और वह उस पर बैठ गया, और हारून और हूर ने उसके हाथों को सहारा

दिया, एक इधर से और एक उधर से, और मूसा के हाथ सूर्यास्त तक दृढ़ रहे। और यहोशू ने अमालेक को और उसके सब लोगों को तलवार की धार से भगाया। प्रभु ने मूसा से कहा, इसे स्मारक के रूप में पुस्तक में लिख डालो, और यहोशू के कानों में डालो, कि मैं अमालेक के स्मारक को आकाश के नीचे से पूरी तरह मिटा दूंगा। और मूसा ने प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और उसका नाम रखा, प्रभु मेरा शरण। क्योंकि प्रभु गुप्त हाथ से अमालेक के विरुद्ध पीढ़ी दर पीढ़ी युद्ध करते हैं।

18

इथोर, जो मिद्यान का पुजारी और मूसा का ससुर था, उसने सुना कि प्रभु ने इस्राएल के लिए, अपने लोगों के लिए, सब कुछ किया था, क्योंकि प्रभु इस्राएल को मिस्र से निकाल लाया था। यित्रो, जो मूसा के ससुर थे, ने मूसा की पत्नी सिप्पोरा को उसकी विदाई के बाद लिया। और उसके दो पुत्र, उनमें से एक का नाम गेशोम था, यह कहते हुए कि मैं एक विदेशी भूमि में प्रवासी था, और दूसरे का नाम एलीएज़र था, यह कहते हुए, क्योंकि मेरे पिता का परमेश्वर मेरा सहायक था, और उसने मुझे फिरौन के हाथ से बचाया। और यित्रो, मूसा का ससुर, और उसके पुत्र और उसकी पत्नी मूसा के पास रेगिस्तान में गए, जहाँ उसने परमेश्वर के पहाड़ पर डेरा डाला था। और मूसा को यह सूचना दी गई, देखो, तुम्हारे ससुर यित्रो तुम्हारे पास आ रहे हैं, और तुम्हारी पत्नी और तुम्हारे दो पुत्र उनके साथ हैं। और मूसा अपने साले से मिलने के लिए बाहर गया, और उसे झुककर प्रणाम किया, और उसे चूमा, और उन्होंने एक दूसरे का अभिवादन किया, और उन्हें तंबू में ले गया। और मूसा ने अपने ससुर को सब कुछ सुनाया जो प्रभु ने फिरौन और सब मिस्रियों के साथ इस्राएल के कारण किया था, और वह सब कष्ट जो उन्हें मार्ग में हुआ था, और यह कि प्रभु ने उन्हें फिरौन के हाथ से और मिस्रियों के हाथ से छुड़ाया था। यित्रो उन सब अच्छी बातों पर आश्चर्यचकित हुआ जो प्रभु ने उनके लिए की थीं, क्योंकि उसने उन्हें मिस्रियों के हाथ से और फिरौन के हाथ से छुड़ाया था। और यित्रो ने कहा, धन्य है प्रभु, क्योंकि उसने उनको मिस्रियों के हाथ से और फिरौन के हाथ से छुड़ाया। अब मैंने जाना कि प्रभु सब देवताओं से महान हैं, इस कारण से कि उन्होंने उन पर हमला किया। और यित्रो, मूसा के ससुर ने, परमेश्वर को होमबलि और बलिदान चढ़ाए, और हाखन और इस्राएल के सब प्राचीन परमेश्वर के सामने मूसा के ससुर के साथ रोटी खाने आए।

और ऐसा हुआ कि अगले दिन के बाद मूसा लोगों का न्याय करने बैठा, और सब लोग मूसा के पास सुबह से शाम तक खड़े रहे। और यित्रो ने देखा कि वह लोगों के लिए जो कुछ

करता है, उसने कहा, यह क्या है जो तू लोगों के लिए करता है? तू अकेला क्यों बैठा है, और सब लोग सुबह से शाम तक तेरे पास खड़े हैं? और मूसा अपने दामाद से कहता है, कि लोग मेरे पास परमेश्वर से न्याय खोजने आते हैं। जब भी उनके बीच विवाद होता है और वे मेरे पास आते हैं, तो मैं प्रत्येक का न्याय करता हूँ और उन्हें ईश्वर के आदेश और उसकी व्यवस्था से अवगत कराता हूँ। मूसा के साले ने उससे कहा, तू यह काम सही नहीं कर रहा है। अधीरता से तुम विनाश को प्राप्त होगे, और तुम भी, और यह सब लोग जो तुम्हारे साथ हैं। यह बात तुम्हारे लिए भारी है, तुम अकेले यह करने में सक्षम नहीं होगे। अब इसलिए मेरी सुनो, और मैं तुम्हें सलाह दूंगा, और परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा। तुम लोगों के लिए परमेश्वर की ओर बनो, और तुम उनके शब्दों को परमेश्वर की ओर चढ़ाओगे। और तू उनको परमेश्वर की आज्ञाएँ और उसके नियम की गवाही देगा, और तू उनको वे मार्ग दिखाएगा जिनमें वे चलेंगे, और वे कार्य जो वे करेंगे। और तुम सब लोगों में से अपने लिए शक्तिशाली पुरुषों को चुनो, जो ईश्वर से डरने वाले हों, धर्मी पुरुष हों, अहंकार से घृणा करने वाले हों, और तुम उन पर हजार के सेनापति, सौ के सेनापति, पचास के सेनापति और दस के सेनापति नियुक्त करोगे। और वे लोगों का हर समय न्याय करेंगे, लेकिन कठिन मामलों को वे तुम्हारे पास लाएंगे, परन्तु छोटे निर्णयों का वे स्वयं न्याय करेंगे, और वे तुम्हारा भार हल्का करेंगे, और वे तुम्हारी सहायता करेंगे। यदि तू यह काम करे, तो परमेश्वर तुझे सामर्थ्य देगा, और तू खड़ा रह सकेगा, और ये सब लोग शांति के साथ अपने-अपने स्थान को जाएंगे। मूसा ने अपने ससुर की आवाज़ सुनी, और जो कुछ उसने उसे कहा था वह सब किया। और मूसा ने सारे इस्राएल में से शक्तिशाली पुरुषों को चुना, और उनको उनके ऊपर हजार के सेनापति और सौ के सेनापति और पचास के सेनापति और दस के सेनापति बनाया। और उन्होंने हर समय लोगों का न्याय किया, लेकिन हर भारी मामला वे मूसा के पास लाए, लेकिन हर हल्का मामला उन्होंने स्वयं न्याय किया। मूसा ने अपने दामाद को भेजा, और वह अपनी भूमि में चला गया।

19

तीसरे महीने के इस दिन, इस्राएल के पुत्रों के मिस्र की भूमि से प्रस्थान के बाद, वे सीनै के रेगिस्तान में आए। और वे राफिदेइन से प्रस्थान किए, और सीनै के निर्जन स्थान में आए, और इस्राएल ने वहाँ पर्वत के सामने डेरा डाला। और मूसा परमेश्वर के पहाड़ पर चढ़ गया, और परमेश्वर ने उसे पहाड़ से बुलाया, कहते हुए, ये बातें तू याकूब के घराने से कहेगा, और इस्राएल के पुत्रों को घोरणा करेगा। तुम लोगों ने स्वयं देखा है कि मैंने मिस्रियों के साथ क्या किया है, और मैंने तुम्हें चीलों के पंखों पर उठाया, और तुम्हें अपने पास लाया। और अब यदि तुम मेरी आवाज़ सुनो, और मेरी वाचा को रखो, तो तुम मेरे लिए सब राष्ट्रों में

से विशेष लोग होंगे, क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है। तुम मेरे लिए एक राजसी याजकपद और एक पवित्र जाति होंगे, और ये वचन तुम इस्राएल के पुत्रों से कहोगे। और मूसा आया, और उसने लोगों के बुजुर्गों को बुलाया, और उनके सामने वे सब शब्द रखे, जो परमेश्वर ने उनको आदेश दिए थे। तब सब लोगों ने एक मत से उत्तर दिया और कहा, जो कुछ परमेश्वर ने कहा है, वह सब हम करेंगे और सुनेंगे। और मूसा ने ये शब्द परमेश्वर के पास पहुँचाए। प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैं बादल के स्तंभ में तुम्हारे पास आ रहा हूँ, ताकि लोग मुझे तुमसे बात करते हुए सुनें, और सदा के लिए तुम पर विश्वास करें। और मूसा ने लोगों के शब्द प्रभु को बताए। और प्रभु ने मूसा से कहा, नीचे जाकर लोगों को चेतावनी दो, और उन्हें आज और कल शुद्ध करो, और वे अपने वस्त्र धोएं। और वे तीसरे दिन के लिए तैयार रहें, क्योंकि तीसरे दिन प्रभु सीनै पर्वत पर सब लोगों के सामने उतरेंगे। और तुम लोगों को चारों ओर से अलग करोगे, यह कहते हुए, अपने आप को सावधान रखो कि पहाड़ पर न चढ़ो और उसे छुओ मत, जो कोई भी पहाड़ को छुएगा, वह मृत्यु से मर जाएगा। उसे हाथ नहीं लगाया जाएगा, क्योंकि उसे पत्थरों से मारा जाएगा, या तीर से मारा जाएगा, चाहे पशु हो या मनुष्य, वह जीवित नहीं रहेगा। जब आवाजें और तुरहियाँ और बादल पहाड़ से चला जाए, तब वे पहाड़ पर चढ़ेंगे।

और मूसा पहाड़ से उतरकर लोगों के पास आया, और उसने उन्हें पवित्र किया, और उन्होंने अपने वस्त्र धोए। और उसने लोगों से कहा, तैयार रहो, तीन दिन तक स्त्री के पास मत जाना। तीसरे दिन भोर होने पर ऐसा हुआ कि आवाजें, बिजलियाँ और एक अंधकारमय बादल सीनै पर्वत पर प्रकट हुए, तुरही की आवाज जोर से गूँजी, और शिविर में सभी लोग भयभीत हो गए। और मूसा लोगों को परमेश्वर से मिलने के लिए शिविर से बाहर ले गया, और वे पहाड़ के पास खड़े हुए। सीनै पर्वत पूरा धुआँ कर रहा था, क्योंकि परमेश्वर आग में उस पर उतर चुके थे, और धुआँ चढ़ रहा था, जैसे भट्ठी का धुआँ, और सब लोग बहुत चकित हुए। तुरही की आवाजें बढ़ती हुई बहुत मज़बूत होती गईं। मूसा बोला, और परमेश्वर ने उसे आवाज़ में उत्तर दिया। प्रभु सीनै पर्वत के शिखर पर उतरे, और प्रभु ने मूसा को पर्वत के शिखर पर बुलाया, और मूसा ऊपर चढ़ गए। और परमेश्वर ने मूसा से कहा, नीचे जाकर लोगों को चेतावनी दो कि वे कभी भी परमेश्वर के निकट समझने के लिए न आएँ, और उनमें से बहुत से लोग गिर जाएँ। और जो पुजारी प्रभु परमेश्वर के पास आते हैं, वे अपने आप को पवित्र करें, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु उन्हें नष्ट कर दे।

और मूसा ने परमेश्वर से कहा, लोग सीनै पर्वत पर चढ़ने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि तूने हमें गवाही दी है, यह कहते हुए, पर्वत को अलग करो और इसे पवित्र करो। प्रभु ने उससे कहा, जाओ, नीचे जाओ, और तुम और तुम्हारे साथ आरोन ऊपर आओ, लेकिन याजक और

लोग परमेश्वर की ओर ऊपर जाने के लिए बलपूर्वक प्रवेश न करें, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु उनमें से किसी को नष्ट कर दे। मूसा लोगों के पास नीचे गया, और उसने उनसे कहा।

20

और प्रभु ने ये सब शब्द कहे, यह कहते हुए, मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से बाहर लाया। मेरे सिवाय तुम्हारे लिए अन्य देवता नहीं होंगे। तुम अपने लिए कोई मूर्ति नहीं बनाओगे, और न ही किसी चीज़ की समानता बनाओगे, जो ऊपर आकाश में हैं, और जो नीचे पृथ्वी पर हैं, और जो पृथ्वी के नीचे जल में हैं। तुम उनकी पूजा नहीं करोगे, और न ही तुम उनकी सेवा करोगे, क्योंकि मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, एक ईर्ष्यालु ईश्वर, जो पिताओं के पापों का दण्ड बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक देता है, उन्हें जो मुझसे घृणा करते हैं, और हजारों पर दया करता हूँ जो मुझसे प्रेम करते हैं, और जो मेरी आज्ञाओं को मानते हैं। तू अपने प्रभु परमेश्वर का नाम व्यर्थ नहीं लेगा, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर उसको निर्दोष नहीं ठहराएगा जो उसका नाम व्यर्थ लेता है। सब्बाथ के दिन को पवित्र रखने के लिए याद रखो। छह दिन काम करो, और तुम अपने सभी काम करोगे। परन्तु सातवें दिन, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर का विश्रामदिन है, तुम इसमें कोई काम नहीं करोगे—न तुम, न तुम्हारा पुत्र, न तुम्हारी पुत्री, न तुम्हारा दास, न तुम्हारी दासी, न तुम्हारा बैल, न तुम्हारा वाहक पशु, न तुम्हारा कोई पशु, और न वह परदेशी जो तुम्हारे बीच रहता है। क्योंकि छह दिनों में प्रभु ने आकाश और पृथ्वी और समुद्र और उनमें की सब चीज़ें बनाई, और सातवें दिन विश्राम किया, इस कारण प्रभु ने सातवें दिन को आशीर्वाद दिया, और इसे पवित्र किया। अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करो, ताकि तुम्हारा भला हो, और ताकि तुम उस अच्छी पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा प्रभु ईश्वर तुम्हें देता है। तुम व्यभिचार नहीं करोगे। तुम चोरी नहीं करोगे। तू हत्या नहीं करेगा। तुम अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही नहीं दोगे। तुम अपने पड़ोसी की पत्नी की इच्छा नहीं करोगे, तुम अपने पड़ोसी के घर की इच्छा नहीं करोगे, न उसके खेत की, न उसके बच्चे की, न उसकी दासी की, न उसके बैल की, न उसके जुए वाले पशु की, न उसके किसी पशु की, न उस सब की जो तुम्हारे पड़ोसी का है।

और सब लोगों ने आवाज़ को देखा, और मशालों को, और तुरही की आवाज़ को, और धुआं उठते हुए पहाड़ को। लेकिन डरकर सब लोग दूर से खड़े हो गए। और उन्होंने मूसा से कहा, तुम हमसे बोलो, और परमेश्वर हमसे न बोलें, कहीं ऐसा न हो कि हम मर जाएं। और मूसा उनसे कहता है, साहस रखो, क्योंकि परमेश्वर तुम्हारी परीक्षा करने के लिए तुम्हारे पास

आया है, ताकि उसका भय तुममें हो जाए, ताकि तुम पाप न करो। लोग दूर से खड़े थे, और मूसा उस अंधकार में प्रवेश किया जहाँ ईश्वर थे। और प्रभु ने मूसा से कहा, ये बातें तुम याकूब के घराने से कहोगे, और इस्राएल के पुत्रों को घोषणा करोगे: तुमने देखा है कि मैंने स्वर्ग से तुमसे बात की है। तुम अपने लिए चाँदी के देवता नहीं बनाओगे, और सोने के देवता भी अपने लिए नहीं बनाओगे। तुम मेरे लिए पृथ्वी से वेदी बनाओगे, और उस पर तुम अपने होमबलि, और अपनी मुक्ति, और भेड़ें, और अपने बछड़े बलिदान करोगे हर उस स्थान में जहाँ मैं अपना नाम रखवाऊंगा, और मैं तुम्हारे पास आऊंगा, और तुम्हें आशीर्वाद दूंगा। यदि तुम मेरे लिए पत्थरों से वेदी बनाओ, तो तुम उन्हें तराशे हुए पत्थरों से नहीं बनाओगे, क्योंकि तुमने उन पर अपनी तलवार चलाई है, और वे अपवित्र हो गए हैं। तुम मेरी वेदी पर सीढ़ियों से नहीं चढ़ोगे, ताकि तुम उस पर अपनी नग्नता को उघाड़ न दो।

21

और ये वे विधियाँ हैं, जो तू उनके सामने रखेगा। यदि तुम एक इब्रानी बच्चे को प्राप्त करो, तो वह छह वर्ष तुम्हारी सेवा करेगा, लेकिन सातवें वर्ष में वह स्वतंत्र होकर बिना मूल्य चला जाएगा। यदि वह स्वयं अकेला प्रवेश करे, तो अकेला ही बाहर जाएगा, और यदि कोई स्त्री उसके साथ प्रवेश करे, तो उसकी स्त्री भी बाहर जाएगी। और यदि स्वामी उसे एक स्त्री दे, और वह उसके लिए पुत्र या पुत्रियाँ जन्म दे, तो वह स्त्री और वे बच्चे उसके स्वामी के होंगे, परन्तु वह अकेला ही बाहर जाएगा। यदि सेवक उत्तर देते हुए कहे, मैंने अपने स्वामी से, पत्नी से और बच्चों से प्रेम किया है, मैं स्वतंत्र होकर नहीं जाऊँगा, उसका स्वामी उसे परमेश्वर की कसौटी के पास लाएगा, और तब उसे द्वार पर, चौखट पर लाएगा, और उसका स्वामी सूए से उसका कान छेदेगा, और वह सदा के लिए उसकी सेवा करेगा।

यदि कोई अपनी बेटी को दासी के रूप में बेच दे, तो वह उस तरह नहीं जाएगी जैसे दासियाँ चली जाती हैं। यदि वह अपने स्वामी को प्रसन्न न करे, जिससे वह सहमत हुआ था, तो वह उसे छोड़ाएगा, लेकिन विदेशी जाति को उसे बेचने का वह स्वामी नहीं है, क्योंकि उसने इसमें विश्वासघात किया। यदि वह अपने पुत्र से उसकी सगाई करता है, तो पुत्रियों के अधिकार के अनुसार उसके साथ व्यवहार करेगा। यदि वह अपने लिए दूसरी को ले, तो आवश्यक चीजें, वस्त्र और उसकी संगति से उसे वंचित नहीं करेगा। यदि वह उसके लिए ये तीन काम नहीं करता, तो वह बिना चाँदी के मुफ्त में चली जाएगी। यदि कोई किसी को मारता है और वह मर जाता है, तो उसे मृत्युदंड दिया जाए। लेकिन वह इच्छा से नहीं, बल्कि ईश्वर ने उसके हाथों में सौंपा, तो मैं तुझे एक स्थान दूंगा जहाँ वह हत्यारा भाग सकेगा। यदि

कोई अपने पड़ोसी पर छल से हमला करके उसे मारने का प्रयास करे और शरण ले, तो मेरी वेदी से भी उसे ले जाकर मृत्युदंड दो। जो अपने पिता या अपनी माता को मारता है, उसे मृत्युदंड दिया जाए। जो अपने पिता या अपनी माता की निंदा करता है, वह मृत्यु से मरेगा। जो कोई इस्राएल के पुत्रों में से किसी को चुराए, और उसे दबाकर बेच दे, और यह उसमें पाया जाए, तो वह मृत्युदंड से मारा जाए। यदि दो पुरुष अपमान करें और पड़ोसी को पत्थर या मुट्ठी से मारें, और वह न मरे, लेकिन बिस्तर पर लेटा रहे, यदि उठकर वह आदमी छड़ी के सहारे बाहर चले, तो मारनेवाला निर्दोष होगा, केवल वह उसकी निष्क्रियता का और चिकित्सा खर्च का भुगतान करेगा। यदि कोई अपने बच्चे या अपनी दासी को छड़ी से मारे, और वह उसके हाथों से मर जाए, तो न्याय से बदला लिया जाएगा। यदि वह एक या दो दिन जीवित रहे, तो उसे दंडित न किया जाए, क्योंकि वह उसकी संपत्ति है। यदि दो पुरुष लड़ें और गर्भवती स्त्री को मारें, और उसका बच्चा बिना पूर्ण आकार के निकल जाए, तो हानि के लिए दंडित किया जाएगा, जैसा कि स्त्री का पति लगाए, वह मृत्यांकन के साथ देगा। यदि लेकिन वह आकार दिया गया हो, तो वह आत्मा के बदले आत्मा देगा। आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत, हाथ के बदले हाथ, पैर के बदले पैर। जलन के बदले जलन, घाव के बदले घाव, चोट के बदले चोट। यदि कोई अपने सेवक की आँख या अपनी दासी की आँख पर मारता है और उसे अंधा कर देता है, तो वह उनकी आँख के बदले उन्हें स्वतंत्र करके भेज देगा। यदि वह अपने नौकर का दाँत, या अपनी सेविका का दाँत तोड़ दे, तो वह उनको उनके दाँत के बदले में स्वतंत्र करके भेज देगा। यदि कोई साँड़ किसी आदमी या स्त्री को सींग मार दे और वह मर जाए, तो उस साँड़ को पत्थरों से मार दिया जाएगा, और उसका मांस नहीं खाया जाएगा, लेकिन साँड़ का मालिक निर्दोष होगा। यदि वह बैल कल से पहले और तीसरे दिन से पहले सींग मारने वाला हो, और उसके स्वामी को गवाही दी गई हो, और उसने उसे नहीं हटाया हो, लेकिन वह किसी पुरुष या स्त्री को मार डाले, तो वह बैल पत्थर मारा जाएगा, और उसका स्वामी भी मार डाला जाएगा। यदि उस पर फिरौती लगाई जाए, तो वह अपनी जान की फिरौती देगा, जितनी उस पर लगाई जाए। यदि वह पुत्र या पुत्री को सींग मारे, तो इस विधि के अनुसार उसके साथ करें। यदि साँड़ किसी बालक या दासी को सींग मारे, तो उनके स्वामी को चाँदी के तीस दो द्रख्मा दिए जाएंगे, और वह साँड़ पत्थरों से मारा जाएगा। यदि कोई गह्वा खोले या गह्वा खोदे, और उसे न ढके, और वहाँ बछड़ा या गधा गिर जाए, गह्वे का मालिक भुगतान करेगा, वह उनके मालिक को चाँदी देगा, लेकिन मरा हुआ जानवर उसका होगा। यदि किसी का साँड़ पड़ोसी के साँड़ को सींग मार दे और वह मर जाए, तो वे जीवित साँड़ को बेच देंगे और उसकी चाँदी को बाँट लेंगे, और मरे हुए साँड़ को भी बाँट लेंगे। यदि यह ज्ञात हो कि वह बैल कल से पहले और परसों से पहले

सींग मारने वाला है, और उसके स्वामी को गवाही दी गई हो, और वह उसे न हटाए, तो वह बैल के बदले बैल का भुगतान करेगा, लेकिन मरा हुआ बैल उसका होगा।

यदि कोई बछड़ा या भेड़ चुराए, और उसे वध करे या बेचे, तो वह बछड़े के बदले पाँच बछड़े भुगतान करेगा, और भेड़ के बदले चार भेड़ भुगतान करेगा।

22

यदि चोर सेंध लगाते हुए पाया जाए और मारा जाकर मर जाए, तो यह हत्या नहीं है। यदि उस पर सूर्य उदय हो जाए, तो वह दोषी है और मार डाला जाएगा, लेकिन यदि उसके पास कुछ न हो, तो उसे चोरी के बदले बेच दिया जाए। यदि चोरी की वस्तु उसके हाथ में गधे से लेकर भेड़ तक जीवित पाई जाए, तो वह उनका दुगुना भुगतान करेगा। यदि कोई किसी खेत या अंगूर के बगीचे को चराता है, और अपने पशु को दूसरे के खेत में चराने के लिए छोड़ देता है, तो वह अपने खेत की उपज के अनुसार भुगतान करेगा, और यदि वह पूरे खेत को चरा देता है, तो वह अपने खेत की सबसे अच्छी चीजें और अपने अंगूर के बगीचे की सबसे अच्छी चीजें भुगतान करेगा। यदि आग बाहर जाकर काँटों को पाए, और खलिहानों या अनाज की बालों या मैदान को जला दे, तो जिसने आग जलाई है वह भुगतान करेगा।

यदि कोई अपने पड़ोसी को चांदी या बर्तन रखने के लिए देता है, और वह आदमी के घर से चुराया जाता है, यदि चोर पाया जाता है, तो वह दुगुना भुगतान करेगा। यदि चोर नहीं पाया गया, तो घर का स्वामी परमेश्वर के सामने आएगा और शपथ लेगा कि उसने पड़ोसी की पूरी धरोहर के विषय में दुष्टता नहीं की। हर कहे गए अन्याय के अनुसार—बछड़े के विषय में, जुए वाले पशु के, भेड़ के, वस्त्र के, और सब दावा किए गए नुकसान के विषय में—जो कुछ भी हो, दोनों का न्याय परमेश्वर के सामने आएगा, और जो परमेश्वर के द्वारा दोषी ठहराया जाए, वह अपने पड़ोसी को दोगुना चुकाएगा। यदि कोई अपने पड़ोसी को कोई जानवर या बछड़ा या भेड़ या कोई पशु रखवाली के लिए दे, और वह टूट जाए या मर जाए या बंदी बना लिया जाए, और कोई न जानता हो, परमेश्वर की शपथ दोनों के बीच में होगी, कि वास्तव में उसने पड़ोसी की जमानत के विषय में किसी भी प्रकार से दुष्टता से काम नहीं किया है, और इस प्रकार उसका स्वामी इसे स्वीकार करेगा, और वह भुगतान नहीं करेगा। यदि उसके पास से चोरी हो जाए, तो वह स्वामी को भुगतान करेगा। यदि वह जंगली जानवरों द्वारा फाड़ा जाए, तो वह उसे शिकार के स्थान पर ले जाएगा, और भुगतान नहीं करेगा। यदि कोई अपने पड़ोसी से माँगे, और वह टूट जाए या मर जाए या बंदी बन जाए,

और मालिक उसके साथ न हो, तो वह भुगतान करेगा। यदि स्वामी उसके साथ हो, तो वह भुगतान नहीं करेगा, लेकिन यदि वह मजदूर हो, तो यह उसकी मजदूरी के बदले में होगा।

यदि कोई अविवाहित कुंवारी को धोखा दे और उसके साथ सो जाए, तो वह दहेज देकर उसे अपनी पत्नी बनाएगा। यदि वह इनकार करते हुए इनकार करे, और उसका पिता उसे उसको पत्नी देना न चाहे, तो वह पिता को उतनी चांदी भुगतान करेगा जितना कुंवारियों का दहेज होता है। जादूगारों को जीवित नहीं रखना। जो कोई भी पशु के साथ सोता है, उन्हें मृत्युदंड से मार डालो। जो देवताओं को बलिदान करता है, वह मृत्यु से नष्ट कर दिया जाएगा, केवल प्रभु को छोड़कर।

और तुम परदेशी को नहीं सताओगे, और न ही उसे दबाओगे, क्योंकि तुम मिस्र देश में परदेशी थे। तुम किसी भी विधवा और अनाथ को नहीं सताओगे। यदि तुम दुष्टता से उनको सताओ, और वे चिल्लाकर मेरी ओर पुकारें, तो मैं उनकी पुकार अवश्य सुनूंगा। और मैं क्रोध में क्रोधित होऊंगा, और मैं तुम्हें तलवार से मार डालूंगा, और तुम्हारी स्त्रियां विधवाएं होंगी, और तुम्हारे बच्चे अनाथ होंगे। यदि तुम अपने पास के किसी गरीब भाई को चाँदी उधार दो, तो तुम उसे दबाव में नहीं डालोगे और उस पर ब्याज नहीं लगाओगे। यदि तुम अपने पड़ोसी का वस्त्र गिरवी रखो, तो सूर्यास्त से पहले उसे उसको लौटा दोगे। क्योंकि यह उसका आवरण है, केवल यह ही उसकी गनता का वस्त्र है, वह किसमें सोएगा? इसलिए यदि वह मेरी ओर पुकारेगा, तो मैं उसकी सुनूंगा, क्योंकि मैं दयालु हूँ। तुम देवताओं को बुरा नहीं कहोगे, और अपने लोगों के शासक के बारे में बुरा नहीं बोलोगे। तू अपने खलिहान और दाखरस कुंड के पहले फलों में देर नहीं करेगा, अपने पुत्रों के पहलौठों को मुझे देगा। इस प्रकार तुम अपने बछड़े, अपनी भेड़ और अपने जुए वाले पशु के साथ करोगे। सात दिन तक वह अपनी माता के पास रहेगा, लेकिन आठवें दिन तुम उसे मुझे लौटाओगे। और तुम मेरे लिए पवित्र पुरुष होगे, और जंगली जानवरों द्वारा मारे गए मांस को नहीं खाओगे, इसे कुत्ते को फेंक दो।

23

तुम व्यर्थ बात को स्वीकार नहीं करोगे, तुम अन्यायी के साथ अन्यायी गवाह बनने के लिए सहमत नहीं होगे। तुम बुराई में अधिक लोगों के साथ नहीं होगे, तुम भीड़ के साथ नहीं जुड़ोगे कि अधिक लोगों के साथ भटको, ताकि न्याय को बिगाड़ा जाए। और तुम न्याय में गरीब पर दया नहीं करोगे। यदि तू अपने शत्रु के बैल या उसके पशु को भटकते हुए मिले, तो

उसे लौटाकर उसको वापस कर देगा। यदि तुम अपने शत्रु के पशु को उसके भार के नीचे गिरा हुआ देखो, तो तुम उसे छोड़कर नहीं गुजरोगे, परन्तु तुम उसके साथ उसे उठाने में सहायता करोगे।

तुम उसके न्याय में गरीब के निर्णय को विकृत नहीं करोगे। हर अन्यायपूर्ण शब्द से तू दूर रहेगा, निर्दोष और न्यायी को तू नहीं मारेगा, और उपहारों के कारण दुष्ट को न्यायसंगत नहीं ठहराएगा। और तुम उपहार नहीं लोगे, क्योंकि उपहार देखने वालों की आँखें अंधी कर देते हैं, और न्यायपूर्ण शब्दों को नष्ट कर देते हैं। और तुम परदेशी को नहीं सताओगे, क्योंकि तुम परदेशी की आत्मा को जानते हो, तुम स्वयं मिस्र की भूमि में परदेशी थे। छह वर्ष तुम अपनी भूमि बोओगे, और तुम उसकी उपज इकट्ठा करोगे। सातवें वर्ष में तू छुटकारा करेगा और इसे छोड़ देगा, और तेरे राष्ट्र के गरीब खाएंगे, और जो बचा रहेगा उसे जंगली जानवर खाएंगे। इसी प्रकार तू अपने अंगूर के बाग और अपने जैतून के बाग के साथ करेगा। छह दिन तू अपने काम करेगा, लेकिन सातवें दिन विश्राम होगा, ताकि तेरा बैल और तेरा जानवर विश्राम करें, और ताकि तेरी दासी का पुत्र और परदेसी ताज़ा हों। जितना कुछ मैंने तुमसे कहा है, उसे सुरक्षित रखो, और दूसरे देवताओं के नाम का स्मरण मत करो, न ही वे तुम्हारे मुख से सुने जाएं।

वर्ष में तीन बार मेरे लिए उत्सव मनाओ। बिना खमीर की रोटी के पर्व को मनाना, सात दिन तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी नए महीने के समय के अनुसार, क्योंकि उसी में तुम मिस्र से निकले थे, तुम मेरे सामने खाली हाथ दिखाई नहीं दोगे। और तू अपने कामों के पहले फलों की फसल का पर्व मनाएगा, जो तू अपने खेत में बोएगा, और वर्ष के अंत में समाप्ति का पर्व मनाएगा, जब तू अपने खेत से अपनी उपज एकत्र करेगा। वर्ष में तीन बार तुम्हारा हर पुरुष प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के सामने दिखाई देगा। जब मैं तुम्हारे सामने से राष्ट्रों को निकाल दूंगा और तुम्हारी सीमाओं को विस्तृत करूंगा, तो तुम मेरे धूप के खून को खमीर पर बलिदान नहीं करोगे, और न ही मेरे पर्व की चर्बी सुबह तक पड़ी रहेगी। तुम अपनी भूमि की प्रथम उपज के प्रथम फल अपने परमेश्वर प्रभु के घर में लाओगे, तुम मेमने को उसकी माता के दूध में नहीं उबालोगे। और देखो, मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजता हूँ, ताकि वह रास्ते में तुम्हारी रक्षा करे, ताकि वह तुम्हें उस भूमि में ले जाए, जो मैंने तुम्हारे लिए तैयार की है। अपने लिए ध्यान दो, और उसकी सुनो, और उसकी अवज्ञा मत करो, क्योंकि वह तुम्हें नहीं रोकेगा, क्योंकि मेरा नाम उस पर है। यदि तुम मेरी आवाज़ सुनो, और जो कुछ भी मैं तुझे आज्ञा करूँ वह सब तू करे, और तुम मेरी वाचा को रखो, तो तुम सब राष्ट्रों में से मेरे लिए विशेष लोग होगे, क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है, और तुम

मेरे लिए एक राजकीय याजकपद और पवित्र राष्ट्र होंगे, ये शब्द तू इस्राएल के पुत्रों से कहेगा, यदि तुम मेरी आवाज़ सुनो, और जो कुछ भी मैं तुझे कहूँ वह सब तुम करो, तो मैं तेरे शत्रुओं का शत्रु बनूँगा, और तेरे विरोधियों का विरोध करूँगा। क्योंकि मेरा दूत तेरा अगुवा होकर जाएगा, और तुझे एमोरी, हित्ती, परिज्जी, कनानी, गिर्गाशी, हिक्वी और यबूसी के पास ले जाएगा, और मैं उनको नष्ट कर दूँगा। तुम उनके देवताओं की पूजा नहीं करोगे, न ही उनकी सेवा करोगे, न ही उनके कार्यों के अनुसार करोगे, बल्कि तुम उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दोगे, और उनके स्तंभों को चकनाचूर कर दोगे। और तुम अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करोगे, और मैं तुम्हारी रोटी, तुम्हारे दाखरस और तुम्हारे जल को आशीर्वाद दूँगा, और मैं तुम्हारे बीच से बीमारी को दूर करूँगा। तुम्हारी भूमि पर कोई बांझ नहीं होगा, न ही बांझ होगी, तुम्हारे दिनों की संख्या को भरते हुए मैं पूरा करूँगा। और मैं तुम्हारे आगे भय भेजूँगा, और उन सब राष्ट्रों को चकित करूँगा जिनमें तुम प्रवेश करते हो, और तुम्हारे सब शत्रुओं को निर्वासित कर दूँगा। और मैं तुम्हारे आगे बरों को भेजूँगा, और तुम अमोरियों को, हिक्वियों को, कनानियों को और हित्तियों को अपने सामने से निकाल दोगे। मैं उनको एक वर्ष में नहीं निकालूँगा, ताकि भूमि उजाड़ न हो जाए और तुम पर भूमि के जंगली पशु अधिक न हो जाएं। मैं उन्हें तुम्हारे पास से थोड़ा-थोड़ा करके निकालूँगा, जब तक तुम बढ़ो और उस भूमि को विरासत में पाओ। और मैं तुम्हारी सीमाएं लाल समुद्र से लेकर फिलिस्तीनियों के समुद्र तक, और रेगिस्तान से लेकर महान नदी यूफ्रेट्स तक रखूँगा, और मैं उस भूमि में रहने वाले निवासियों को तुम्हारे हाथों में सौंप दूँगा, और मैं उन्हें तुम्हारे सामने से निकाल दूँगा। तुम उनसे और उनके देवताओं से वाचा नहीं करोगे। और वे तुम्हारी भूमि में नहीं बसेंगे, ताकि वे तुम्हें मेरे विरुद्ध पाप करने पर विवश न करें, क्योंकि यदि तुम उनके देवताओं की सेवा करो, तो ये तुम्हारे लिए ठोकर का पत्थर होंगे।

24

और मूसा से कहा गया, तुम और हारून, और नादाब, और अबीहू, और इस्राएल के सत्तर बुजुर्ग प्रभु के पास ऊपर जाओ, और वे दूर से प्रभु को प्रणाम करेंगे। और मूसा अकेला ईश्वर के निकट आएगा, लेकिन वे निकट नहीं आएंगे, और लोग उनके साथ ऊपर नहीं जाएंगे। और मूसा ने प्रवेश किया, और लोगों को परमेश्वर के सब वचन और विधियाँ सुनाई, और सब लोगों ने एक स्वर से उत्तर दिया, कहते हुए, सब वचन जो प्रभु ने बोले, हम करेंगे और सुनेंगे। और मूसा ने प्रभु के सब वचन लिखे, और मूसा सुबह जल्दी उठकर पहाड़ के नीचे एक वेदी बनाई, और इस्राएल के बारह कबीलों के लिए बारह पत्थर रखे। और उसने इस्राएल के पुत्रों के युवा पुरुषों को भेजा, और उन्होंने होमबलि चढ़ाई, और परमेश्वर को

मुक्ति की बलि के रूप में बछड़ों का बलिदान किया। लेकिन मूसा ने खून का आधा भाग लिया और कटोरो में डाला, और खून का आधा भाग वेदी की ओर डाला। और वाचा की पुस्तक लेकर, उसने लोगों के कानों में पढ़ा, और उन्होंने कहा, जो कुछ प्रभु ने कहा है, वह सब हम करेंगे और सुनेंगे। मूसा ने रक्त लेकर लोगों पर छिड़का, और कहा, देखो, यह उस वाचा का रक्त है, जो प्रभु ने तुम्हारे साथ इन सब वचनों के विषय में बाँधी है।

और मूसा और आरोन, और नादाब, और अबीहू, और इस्राएल की बुजुर्गों की परिषद के सत्तर लोग ऊपर गए। और मैंने वह स्थान देखा जहाँ इस्राएल के परमेश्वर खड़े थे, और उनके पैरों के नीचे नीलम की ईंट के काम जैसा था, और स्वर्ग के आकाश के समान शुद्धता में था। और इस्राएल के चुने हुए लोगों में से एक भी नष्ट नहीं हुआ, और वे परमेश्वर के स्थान पर दिखाई दिए, और उन्होंने खाया और पिया। और प्रभु ने मूसा से कहा, पहाड़ पर मेरे पास आओ और वहाँ रहो, और मैं तुम्हें पत्थर की पटियाँ दूँगा, व्यवस्था और आज्ञाएँ जो मैंने उन्हें विधान देने के लिए लिखी हैं। और मूसा उठा और यहोशू जो उसके पास खड़ा था, वे परमेश्वर के पहाड़ पर चढ़े। और उन्होंने बुजुर्गों से कहा, यहाँ चुप रहो, जब तक हम तुम्हारे पास लौटें, और देखो हारून और हूर तुम्हारे साथ हैं, अगर किसी को न्याय की जरूरत हो, तो वे उनके पास जाएँ। और मूसा और यहोशू पहाड़ पर गए, और बादल ने पहाड़ को ढक लिया। और परमेश्वर की महिमा सीनै पर्वत पर उतरी, और बादल ने उसे छः दिन तक ढका रखा, और प्रभु ने सातवें दिन बादल के बीच से मूसा को बुलाया। प्रभु की महिमा का रूप पर्वत की चोटी पर जलती हुई आग के समान था, इस्राएल की संतानों के सामने। और मूसा बादल के मध्य में प्रवेश किया, और पहाड़ पर चढ़ गया, और वहाँ पहाड़ पर चालीस दिन और चालीस रात रहा।

25

और प्रभु ने मूसा से कहा, मैंने इसराएल के पुत्रों से कहा, और सब से प्रथम फल लो, जिनके हृदय को भी उचित लगे, और तुम मेरे प्रथम फल लो। और यह वह प्रथम फल है जो तुम उनसे लो: सोना, चांदी और कांसा। और हायसिंथ, और बैंगनी, और दोगुना लाल, और कती हुई महीन मलमल, और बकरियों के बाल, और मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालें, और नीली खालें, और अविनाशी लकड़ी, और सार्डियस के पत्थर, और कंधे के टुकड़े में खुदाई के लिए पत्थर, और लंबा वस्त्र। और तुम मेरे लिए एक पवित्रस्थान बनाओगे, और मैं तुम्हारे बीच प्रकट होऊँगा। और तुम मेरे लिए उस सब के अनुसार बनाओगे जितना मैं तुम्हें पहाड़ पर दिखाता हूँ, तम्बू का नमूना और उसके सब बर्तनों का नमूना, इस प्रकार तुम बनाओगे।

और तुम अविनाशी लकड़ी से गवाही का सन्दूक बनाओगे, जिसकी लंबाई ढाई हाथ, चौड़ाई डेढ़ हाथ, और ऊंचाई डेढ़ हाथ होगी। और तू इसे शुद्ध सोने से ढकना, भीतर और बाहर तू इसे ढकना, और तू इसके लिए चारों ओर मुड़ी हुई सुनहरी मोल्डिंग्स बनाना। और तू इसके लिए चार सोने के छल्ले बनाएगा, और उन्हें चारों पक्षों पर रखेगा, दो छल्ले एक पक्ष पर, और दो छल्ले दूसरे पक्ष पर। तू अविनाशी लकड़ी के डंडे बनाएगा, और उनको सोने से मढ़ेगा। और तुम डंडों को उन छल्लों में डालोगे जो सन्दूक के किनारों में हैं, ताकि उनके द्वारा सन्दूक को उठाया जा सके। सन्दूक के छल्लों में डंडे अचल रहेंगे। और तुम उस सन्दूक में वे साक्ष्य डालोगे जो मैं तुम्हें दूँगा। और तू शुद्ध सोने का दया आसन ढकना बनाएगा, जिसकी लंबाई ढाई हाथ और चौड़ाई डेढ़ हाथ होगी। और तू दो करुब पीटे हुए सोने के बनाएगा, और तू उनको दया आसन के दोनों पक्षों पर रखेगा। एक करुब इस पक्ष से बनाया जाएगा, और एक करुब प्रायश्चित-स्थान के दूसरे पक्ष से बनाया जाएगा, और तुम दोनों करुबों को दोनों पक्षों पर बनाओगे। करुब अपने पंखों को ऊपर की ओर फैलाए हुए होंगे, अपने पंखों से दया आसन पर छाया करते हुए, और उनके चेहरे एक दूसरे की ओर होंगे; करुबों के चेहरे दया आसन की ओर होंगे। और तू mercy seat को सन्दूक के ऊपर रखेगा, और सन्दूक में उन साक्ष्यों को डालेगा जो मैं तुझे दूँगा। और मैं वहाँ से तुझे अपने आप को प्रकट करूँगा, और प्रायश्चित के ढकने के ऊपर से, दोनों करुबों के बीच में से, जो साक्ष्य के सन्दूक पर हैं, तुझ से बातें करूँगा; और जितनी आज्ञाएँ मैं इस्राएल की सन्तान के लिये तुझे दूँगा, वे सब तुझे बताऊँगा। और तू शुद्ध सोने की एक सुनहरी मेज़ बनाएगा, जिसकी लंबाई दो हाथ, चौड़ाई एक हाथ, और ऊँचाई डेढ़ हाथ होगी। और तू इसके चारों ओर सुनहरी घुमावदार मोल्डिंग्स बनाएगा, और तू इसके चारों ओर एक हथेली की चौड़ाई का मुकुट बनाएगा,

और तुम मुकुट के चारों ओर मुड़ा हुआ साँचा बनाओगे। और तू चार सोने के छल्ले बनाएगा, और तू उन चार छल्लों को उसके पैरों के चार भागों पर मुकुट के नीचे रखेगा। और अंगूठियाँ डंडों के लिए खानों में होंगी, ताकि उनमें मेज को उठाया जा सके। और तुम अविनाशी लकड़ी से डंडे बनाओगे, और तुम उन्हें शुद्ध सोने से मढ़ोगे, और उन्हीं में मेज़ उठाई जाएगी। और तू उसके कटोरे, धूपदान, अर्घपात्र और प्याले बनाएगा, जिनमें तू अर्घ्य डालेगा; तू उन्हें शुद्ध सोने से बनाएगा। और तुम मेज के ऊपर उपस्थिति की रोटियाँ मेरे सामने निरंतर रखोगे।

और तुम शुद्ध सोने से एक दीपदान बनाओगे, पीटे हुए काम से तुम दीपदान बनाओगे, उसका डंठल, और शाखाएँ, और कटोरे, और गाँठें, और कलियाँ उसी से होंगी। छः शाखाएँ पक्षों से निकलती हुई, तीन शाखाएँ दीपदान की एक तरफ से, और तीन शाखाएँ दीपदान

की दूसरी तरफ से। और तीन कटोरे बादाम के आकार के उत्कीर्ण थे, एक शाखा में गांठ और लिली के साथ, इसी प्रकार छः शाखाओं में जो दीवट से निकलती थीं। और दीवट में बादाम के आकार के चार उत्कीर्ण कटोरे थे, एक शाखा में गांठें और उसकी लिली। वह गोलक उन दो नलियों के नीचे उसमें से था, और गोलक उन चार नलियों के नीचे उसमें से था, इस प्रकार उन छः नलियों के लिए जो दीवट से निकलती थीं, और दीवट में चार कटोरे थे जो बादाम के आकार में उत्कीर्ण थे। गांठें और शाखाएं उसी में से हों, पूरा उत्कीर्ण एक शुद्ध सोने से बना हो। और तू उसके सात दीपक बनाएगा, और तू दीपकों को रखेगा, और वे एक ओर से चमकेंगे। और उसके धूपदान और उसके आधार को शुद्ध सोने से तू बनाएगा। ये सभी बर्तन एक तालान्त शुद्ध सोने के हैं। देखो, तुम उस प्रतिरूप के अनुसार बनाओगे जो तुम्हें पर्वत पर दिखाया गया था।

26

और तुम तंबू को दस पदों से बनाओगे जो बटी हुई बारीक सनी के कपड़े, और नीले, और बैंगनी, और लाल रंग के धागों से बने होंगे; करुबों के साथ बुनकर तुम उन्हें बनाओगे। एक पदों की लंबाई अट्ठाईस हाथ और चौड़ाई चार हाथ होगी, सभी पदों का माप एक जैसा होगा। पाँच पदों एक दूसरे से सटे हुए होंगे, एक दूसरे से जुड़े हुए, और पाँच पदों एक दूसरे से जुड़े हुए होंगे। और तू उनके लिए नीले फंदे बनाएगा, एक पदों के किनारे पर, एक भाग से जोड़ के लिए, और इसी प्रकार तू बाहरी पदों के किनारे पर बनाएगा, दूसरे जोड़ के लिए। तू एक पदों पर पचास अंकुश बनाएगा, और दूसरे पदों के जोड़ के भाग पर पचास अंकुश बनाएगा, जो एक दूसरे के सामने आकर प्रत्येक में मिलते हैं। और तू पचास सुनहरे छल्ले बनाएगा, और तू पदों को छल्लों से एक दूसरे से जोड़ेगा, और तंबू एक होगा। और तुम तम्बू के ऊपर आवरण के लिए रोमदार खालें बनाओगे, ग्यारह खालें तुम उनको बनाओगे। एक चमड़े की लंबाई तीस हाथ और एक चमड़े की चौड़ाई चार हाथ, यही माप ग्यारह चमड़ों का होगा। और तू पाँच खालों को एक साथ जोड़ेगा, और छः खालों को एक साथ जोड़ेगा, और तू छठी खाल को तम्बू के सामने दोगुना करेगा। और तुम एक पदों के किनारे पर, जो बीच में जोड़ के अनुसार है, पचास फंदे बनाओगे, और दूसरे जोड़नेवाली पदों के किनारे पर पचास फंदे बनाओगे।

और तू पचास कांसे के छल्ले बनाएगा, और तू छल्लों को फंदों से जोड़ेगा, और तू खालों को जोड़ेगा, और वह एक होगा। और तुम तम्बू के पदों में जो अधिक है उसे नीचे रखोगे, पदों का आधा भाग जो बचा हुआ है उसे तम्बू के पदों के अधिक भाग में ढकोगे, तम्बू

के पीछे ढकोगे। एक हाथ इस ओर से और एक हाथ उस ओर से, पर्दों की अधिक लंबाई में से, तंबू के पर्दों की लंबाई में से, तंबू की दोनों बगलों पर ढकने वाला होगा, इधर और उधर, ताकि वह ढक सके। और तू तम्बू के लिए मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालों का आवरण बनाएगा, और ऊपर से नीली खालों का आवरण बनाएगा।

और तू तंबू के खंभे अविनाशी लकड़ी से बनाएगा। दस हाथ का एक स्तंभ बनाओगे, और एक स्तंभ की चौड़ाई डेढ़ हाथ की होगी। एक स्तंभ में दो तेनोन्स होंगे, जो एक दूसरे के संगत होंगे; इस प्रकार तुम तंबू के सभी स्तंभों को बनाओगे। और तू तम्बू के लिए बीस खम्भे बनाएगा, जो उत्तर की ओर की भुजा में होंगे। और तुम बीस स्तंभों के लिए चालीस चाँदी के आधार बनाओगे, एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में, और एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में। और दक्षिण की ओर का दूसरा पक्ष, बीस स्तंभ, और उनके चालीस चाँदी के आधार, एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में, और एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में। और तम्बू के पिछले भाग में समुद्र की ओर तू छः स्तंभ बनाएगा। और तू तंबू के पिछले भाग के कोनों पर दो स्तंभ बनाएगा। और यह नीचे से बराबर होगा, उसी के अनुसार वे सिरों से एक मिलन में बराबर होंगे, इस प्रकार तुम दोनों कोनों को बनाओगे, वे बराबर हों। और आठ स्तंभ होंगे, और उनके आधार चाँदी के सोलह होंगे, एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में, और एक स्तंभ के लिए दो आधार। और तुम अविनाशी लकड़ी की छड़ें बनाओगे, तम्बू के एक भाग की एक तरफ के लिए पाँच, और तम्बू की दूसरी भुजा के खंभे के लिए पाँच छड़ें, और तम्बू की पिछली भुजा के खंभे के लिए, जो समुद्र की ओर है, पाँच छड़ें। और बीच की छड़ खंभों के बीच में एक तरफ से दूसरी तरफ तक फैली रहे। और तुम स्तंभों को सोने से मढ़ोगे, और छल्लों को सुनहरा बनाओगे, जिनमें तुम छड़ों को डालोगे, और तुम छड़ों को सोने से मढ़ोगे। और तू तंबू को उस रूप के अनुसार खड़ा करेगा जो तुझे पहाड़ पर दिखाया गया था।

और तुम एक पर्दा बनाओगे नीले, बैंगनी, और कते हुए लाल, और बुने हुए महीन मलमल से, बुने हुए काम से तुम इसे करुबों के साथ बनाओगे। और तुम इसे चार अविनाशी स्तंभों पर रखोगे जो सोने से मढ़े हुए हैं, और उनके शीर्ष सुनहरे होंगे, और उनके चार आधार चाँदी के होंगे। और तू पर्दे को खंभों पर रखेगा, और तू वहाँ पर्दे के भीतर साक्षी के संदूक को लाएगा, और पर्दा तुम्हारे लिए पवित्र और महापवित्र के बीच अलग करेगा। और तुम पर्दे से गवाही के संदूक को परम पवित्र स्थान में ढकोगे। और तू मेज़ को पर्दे के बाहर रखेगा, और दीवट को मेज़ के सामने तम्बू के दक्षिण की ओर के भाग पर रखेगा, और मेज़ को तम्बू के उत्तर की ओर के भाग पर रखेगा। और तू तम्बू के द्वार के लिए नीले, बैंगनी और लाल कते

हुए धागे और कती हुई मलमल से कढ़ाई का काम किया हुआ आवरण बनाएगा। और तुम पदों के लिए पाँच स्तंभ बनाओगे, और तुम उनको सोने से मढ़ोगे, और उनके शीर्ष सोने के होंगे, और तुम उनके लिए काँसे के पाँच आधार ढालोगे।

27

और तू अविनाशी लकड़ी से एक वेदी बनाएगा, जिसकी लंबाई पाँच हाथ और चौड़ाई पाँच हाथ होगी। वह वेदी चौकोर होगी और उसकी ऊँचाई तीन हाथ होगी। और तू चार कोनों पर सींग बनाएगा, उसी से सींग होंगे, और तू उनको कांसे से ढकेगा। और तू वेदी के लिए मुकुट बनाएगा, और उसका ढकना, और उसके कटोरे, और उसके मांस के कांटे, और उसकी अंगीठी, और उसके सब बर्तन तू कांसे के बनाएगा। और तुम उसके लिए जाली के काम की कांसे की जाली बनाओगे, और तुम उस जाली के लिए चार कांसे के छल्ले चारों पक्षों के नीचे बनाओगे। और तुम उनको वेदी की जाली के नीचे रखोगे, और जाली वेदी के आधे भाग तक होगी। और तू वेदी के लिए अविनाशी लकड़ी से डंडे बनाएगा, और उनको कांसे से मढ़ेगा। और तुम डंडों को छल्लों में डालोगे, और वे डंडे वेदी के पक्षों में रहें जब इसे उठाया जाए। खोखला और सीमलेस बनाओगे इसे, जैसा तुम्हें पहाड़ पर दिखाया गया था, उसी प्रकार बनाओगे इसे। और तुम तम्बू के लिए एक आँगन बनाओगे, दक्षिण की ओर वाले पक्ष में आँगन के पदों बटी हुई महीन मलमल के होंगे, एक पक्ष की लम्बाई सौ हाथ होगी। और उनके बीस स्तंभ, और उनके बीस कांस्य के आधार, और उनके छल्ले और चांदी के धारक। इस प्रकार पूर्व दिशा की ओर के पक्ष में सौ हाथ लंबाई के पदों थे, और उनके बीस स्तंभ, और उनके बीस कांस्य के आधार, और स्तंभों के छल्ले और धारक, और उनके आधार चांदी से मढ़े हुए थे। आँगन की चौड़ाई समुद्र की ओर पचास हाथ के पदों, उनके दस खंभे, और उनकी दस कुर्सियाँ। और दक्षिण की ओर के प्रांगण की चौड़ाई पचास हाथ के पदों, उनके दस स्तंभ, और उनके दस आधार। और एक पक्ष के पदों की ऊँचाई पंद्रह हाथ की थी, उनके तीन स्तंभ, और उनके तीन आधार। और दूसरे पक्ष के पदों की ऊँचाई पंद्रह हाथ थी, उनके स्तंभ तीन थे, और उनके आधार तीन थे। और प्रांगण के द्वार के लिए आवरण, बीस हाथ ऊँचाई का, नीले, बैंगनी, और लाल रंग के कते हुए धागे से, और बारीक कते हुए मलमल से, कढ़ाई करने वाले की विविधता के साथ, उनके चार स्तंभ, और उनके चार आधार। आँगन के सब स्तंभ चारों ओर चांदी से मढ़े हुए, और उनके शीर्ष चांदी के, और उनके आधार कांसे के। प्रांगण की लंबाई सौ हाथ, और चौड़ाई पचास हाथ, और ऊँचाई पाँच हाथ बटी हुई मलमल से बनी हो, और उनके आधार कांसे के हों। और सभी निर्माण और सभी औजार और आँगन के खूंटें कांसे के थे।

और तू इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दे, और वे तेरे लिए जैतून से बिना निचोड़ा हुआ शुद्ध कूटा हुआ तेल लें, प्रकाश के लिए जलाने को, ताकि दीपक निरंतर जलता रहे। गवाही के तम्बू में, वाचा के ऊपर के पर्दे के बाहर, हारून और उसके पुत्र इसे शाम से सुबह तक प्रभु के सामने जलाएंगे, यह तुम्हारी पीढ़ियों के लिए इस्राएल के पुत्रों से एक शाश्वत विधि है।

28

और तू अपने पास लाना अपने भाई हारून को और उसके पुत्रों को इस्राएल के पुत्रों में से, मेरे लिए पुरोहित सेवा करने के लिए - हारून, नादाब, अबीहू, एलाजार और ईतामार, हारून के पुत्र। और तू अपने भाई हारून के लिए सम्मान और महिमा के लिए पवित्र वस्त्र बनाएगा। और तू सब बुद्धिमान मन वालों से बोलना, जिनको मैंने बुद्धि और समझ की आत्मा से भरा है, और वे हारून के लिए पवित्र वस्त्र बनाएंगे, जिसमें वह मेरे लिए याजक की सेवा करेगा। और ये वे वस्त्र हैं जो वे बनाएंगे: सीनाबंद, कंधे का टुकड़ा, लंबा चोगा, बुना हुआ अंगरखा, पगड़ी और कमरबंद। वे हारून और उसके पुत्रों के लिए पवित्र वस्त्र बनाएंगे ताकि वे मेरे लिए याजक के रूप में सेवा करें। और वे सोना, नीलम, बैंगनी, लाल और महीन मलमल लेंगे। और वे मुड़े हुए महीन मलमल से कंधे का टुकड़ा बनाएंगे, जो बुनकर का बुना हुआ काम होगा। दो कंधे के टुकड़े एक दूसरे को जोड़ते हुए उसके लिए होंगे, दोनों भागों पर फिट किए हुए। और कंधे के टुकड़ों का कपड़ा जो उस पर है, उसकी बनावट के अनुसार उसी से होगा - शुद्ध सोने से, और नीले से, और बैंगनी से, और कते हुए लाल से, और बटे हुए महीन मलमल से। और तू दो पन्ने के पत्थर लेगा, और तू उनमें इस्राएल के पुत्रों के नाम उकेरेगा। छह नाम एक पत्थर पर, और शेष छह नाम दूसरे पत्थर पर उनकी पीढ़ियों के अनुसार। पत्थर की कला के काम से, मुहर की खुदाई की तरह, तू दो पत्थरों को इस्राएल के बेटों के नामों पर खोदेगा। और तू दो पत्थरों को एपोद के कंधों पर रखेगा, ये पत्थर इस्राएल के पुत्रों के लिए स्मारक के पत्थर हैं, और हारून इस्राएल के पुत्रों के नामों को प्रभु के सामने अपने दोनों कंधों पर उठाएगा, उनके विषय में स्मारक के रूप में। और तू शुद्ध सोने से कंधे के टुकड़े बनाएगा। और तुम शुद्ध सोने की दो झालरदार जंजीरें बनाओगे, जो फूलों में आपस में गुंथी हुई हों, बुनाई का काम, और तुम उन गुंथी हुई झालरदार जंजीरों को कंधे के टुकड़ों पर रखोगे, उनके कंधे के टुकड़ों के अनुसार, सामने की ओर से।

और तू न्यायों का सीनाबंद बनाएगा, जो बुनकर का काम होगा, एपोद की लय के अनुसार तू इसे सोने से, और नीले, और बैंगनी, और कते हुए लाल, और कती हुई मलमल से बनाएगा। तुम इसे चौकोर बनाओगे, यह दोगुना होगा, इसकी लंबाई एक बित्ते की, और

चौड़ाई एक बिस्ते की। और तुम उसमें पत्थरों से जड़ा हुआ चार पंक्तियों वाला कपड़ा बुनोगे, पत्थरों की पंक्ति होगी, लाल मणि, पुखराज, और पन्ना, यह पहली पंक्ति। और दूसरी पंक्ति में कोयला, नीलम और यशब थे। और तीसरी पंक्ति में लिगुरियम, अगेत और अमेथिस्ट थे। और चौथी पंक्ति में पुखराज, लहसुनिया और सुलेमानी हों, जो सोने में जड़े हुए और सोने में बंधे हुए हों, वे अपनी पंक्ति के अनुसार हों। और वे पत्थर इस्राएल के पुत्रों के बारह नामों से हों, उनके नामों के अनुसार मुहरों की उत्कीर्णन के साथ, प्रत्येक अपने नाम के अनुसार बारह कुलों के लिए हों। और तुम दैववाणी-पत्र के ऊपर गुंथी हुई झालरें बनाओगे, जंजीर जैसा काम शुद्ध सोने से। और हारून इस्राएल के पुत्रों के नाम न्याय के सीनाबंद पर अपनी छाती पर लेगा, जब वह पवित्र स्थान में प्रवेश करे, परमेश्वर के सामने स्मारक के रूप में। और तुम न्याय के सीनाबंद पर प्रकटीकरण और सत्य रखोगे, और यह हारून की छाती पर होगा, जब वह प्रभु के सामने पवित्र स्थान में प्रवेश करता है, और हारून इस्राएल के पुत्रों के न्यायों को प्रभु के सामने अपनी छाती पर निरंतर लाएगा। और तू एक संपूर्ण नीला, लंबा अधोवस्त्र बनाएगा। और उसके बीच में खुलना होगा, जिसके चारों ओर किनारा होगा, बुने हुए काम का, वह जोड़ उसके साथ बुना हुआ होगा, ताकि वह न फटे। और तुम ट्यूनिक के हेम के नीचे, नीचे की ओर, खिलते हुए अनार की तरह छोटे अनार बनाओगे नीले, बैंगनी, और लाल बुने हुए धागे और बटी हुई महीन मलमल से, ट्यूनिक के हेम के नीचे चारों ओर, उसी रूप में सुनहरे छोटे अनार, और घंटियाँ इनके बीच में चारों ओर। सुनहरे अनार के पास डोडोना और अंगरखे की झालर पर चारों ओर फूलदार। और हारून की आवाज़ सेवा करते समय सुनाई देगी, जब वह प्रभु के सामने पवित्र स्थान में प्रवेश करेगा और जब वह बाहर निकलेगा, ताकि वह न मरे। और तू शुद्ध सुनहरी पट्टिका बनाएगा, और तू उसमें मुहर की उत्कीर्णन करेगा, प्रभु की पवित्रता। और तुम इसको बटी हुई नीली डोरी पर रखोगे, और यह पगड़ी पर होगा, पगड़ी के सामने की ओर होगा। और यह हारून के माथे पर होगा, और हारून पवित्र वस्तुओं के पापों को उठाएगा, जितनी भी पवित्र वस्तुएँ इस्राएल के पुत्र पवित्र करेंगे, उनकी सभी भेंटों की पवित्र वस्तुओं के, और यह हारून के माथे पर निरंतर रहेगा ताकि वे प्रभु के सामने स्वीकार्य हों।

और अंगरखों की सजावट महीन मलमल से होगी, और तू महीन मलमल की पगड़ी बनाएगा, और कमरबंद बनाएगा जो कढ़ाई का काम होगा। और हारून के पुत्रों के लिए तू अंगरखे और कमरबंद बनाएगा, और उनके लिए पगड़ियाँ बनाएगा सम्मान और महिमा के लिए। और तू अपने भाई हारून को और उसके साथ उसके पुत्रों को उन्हें पहनाएगा, और तू उनका अभिषेक करेगा, और तू उनके हाथों को भरेगा, और तू उन्हें पवित्र करेगा, ताकि वे मेरे लिए याजक का काम करें। और तुम उनके लिए सनी के पैर-ढक्कने बनाओगे, जो उनके शरीर

की नग्नता को ढकने के लिए कमर से जांघों तक होंगे। और हारून और उसके पुत्र उनको धारण करेंगे, जब वे साक्ष्य के तंबू में प्रवेश करें, या जब वे पवित्र वेदी की सेवा करने के लिए पास आएँ, और वे अपने ऊपर पाप नहीं लाएँगे, ताकि वे न मरें। यह उसके लिए और उसके साथ उसके वंश के लिए शाश्वत विधि है।

29

और ये वे बातें हैं जो तुम उनके लिए करोगे, तुम उन्हें पवित्र करोगे, ताकि वे मेरे लिए पुजारी के रूप में सेवा करें। तुम बैलों में से एक बछड़ा लोगे, और दो निर्दोष मेढ़े लोगे। और बिना खमीर की रोटियाँ जो तेल में गूंधी गई हों, और बिना खमीर की पतली रोटियाँ जो तेल से लगाई गई हों, गेहूँ के मैदे से तू उनको बनाएगा। और तुम उन्हें एक टोकरी पर रखोगे, और तुम उन्हें टोकरी पर लाओगे, और बछड़े को, और दो मेढ़ों को। और हारून और उसके पुत्रों को साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर लाएगा, और उन्हें जल में धोएगा। और वस्त्रों को लेकर, तुम अपने भाई हारून को लंबा चोगा, कंधे का टुकड़ा, और सीनाबंद पहनाओगे, और तुम उसके लिए सीनाबंद को कंधे के टुकड़े से जोड़ोगे। और तू उसके सिर पर पगड़ी रखेगा, और पगड़ी पर पवित्र पट्टिका रखेगा। और तू अभिषेक का तेल लेगा, और इसे उसके सिर पर डालेगा, और तू उसका अभिषेक करेगा। और तुम उसके पुत्रों को लाओगे, और तुम उन्हें अंगरखे पहनाओगे। और तुम उनको पेटियों से बाँधोगे, और उनको पगड़ियाँ पहनाओगे, और उनको मेरे लिए सदा तक पुरोहिताई होगी, और तुम हारून के हाथों को और उसके पुत्रों के हाथों को पवित्र करोगे। और तू बछड़े को साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर लाएगा, और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ बछड़े के सिर पर रखेंगे, प्रभु के सामने, साक्ष्य के तम्बू के द्वार के पास। और तू बछड़े को प्रभु के सामने, साक्षी के तम्बू के द्वारों के पास वध करेगा। और तू बछड़े के रक्त में से लेगा, और अपनी अंगुली से वेदी के सींगों पर रखेगा, लेकिन शेष सब रक्त वेदी के आधार पर उड़ेलेगा। और तुम पेट पर की सारी चर्बी, जिगर की झिल्ली, दोनों गुदों और उन पर की चर्बी लेकर वेदी पर रखोगे। बछड़े का मांस, चमड़ा और गोबर को तुम शिविर के बाहर आग में जला दोगे, क्योंकि यह पाप है।

और तुम एक मेढ़ा लोगे, और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ उस मेढ़े के सिर पर रखेंगे। और तुम उसका वध करोगे, और रक्त लेकर तुम वेदी के चारों ओर डालोगे। और तुम मेढ़े को अंग-अंग करके दो भागों में काटोगे, और आंतरिक भागों को और पैरों को पानी से धोओगे, और उन्हें सिर के साथ टुकड़ों पर रखोगे। और तुम संपूर्ण मेढ़े को वेदी पर चढ़ाओगे, यह प्रभु के लिए होमबलि है, सुगन्ध की सुगन्ध के लिए, यह प्रभु के लिए धूप है। और तुम

दूसरे मेढ़े को लोगे, और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ उस मेढ़े के सिर पर रखेंगे। और तुम उसका वध करोगे, और तुम उसके रक्त को लोगे, और तुम हारून के दाहिने कान के लोब पर रखोगे, और दाहिने हाथ के सिर पर, और दाहिने पैर के सिर पर, और उसके पुत्रों के दाहिने कानों के लोब पर, और उनके दाहिने हाथों के सिरों पर, और उनके दाहिने पैरों के सिरों पर। और तू वेदी से रक्त लेगा और अभिषेक का तेल लेगा, और हारून पर तथा उसके वस्त्र पर छिड़केगा, और उसके पुत्रों पर तथा उसके पुत्रों के वस्त्रों पर उसके साथ छिड़केगा, और वह पवित्र किया जाएगा तथा उसका वस्त्र, और उसके पुत्र तथा उसके पुत्रों के वस्त्र उसके साथ। लेकिन मेढ़े के रक्त को तू वेदी के चारों ओर डालेगा। और तू मेढ़े से उसकी चर्बी, और वह चर्बी जो पेट को ढकती है, और जिगर का पिंड, और दोनों गुर्दे, और उन पर की चर्बी, और दाहिनी भुजा लेना, क्योंकि यह पूर्णता है। और तेल से बनी एक रोटी, और बिना खमीर की टोकरी से एक मैदे का केक जो प्रभु के सामने रखा गया था। और तू सब को हारून के हाथों पर और उसके पुत्रों के हाथों पर रखेगा, और तू उनको प्रभु के सामने भेंट के रूप में अलग करेगा। और तुम उन्हें उनके हाथों से लोगे, और तुम होम बलि की वेदी पर प्रभु के सामने सुगंधित सुगंध के लिए चढ़ाओगे, यह प्रभु को भेंट है। और तू पवित्रीकरण के मेढ़े से छाती को लेगा, जो हारून का है, और तू इसे प्रभु के सामने भेंट के रूप में अलग करेगा, और यह तेरे हिस्से में होगा। और तुम उस स्तन-भेंट को पवित्र करोगे, और उस उठाई हुई भेंट की भुजा को, जो अलग की गई है, और जो पूर्णता के मेढ़े में से हारून और उसके पुत्रों के लिए हटाई गई है। और यह हारून और उसके पुत्रों के लिए इस्राएल के पुत्रों की ओर से शाश्वत विधि होगी, क्योंकि यह एक भेंट है, और यह इस्राएल के पुत्रों की ओर से, इस्राएल के पुत्रों की शांति बलिदानों में से एक भेंट होगी, प्रभु के लिए एक भेंट।

और वह पवित्र वस्त्र जो हारून का है, उसके बाद उसके पुत्रों का होगा, ताकि उनमें उनका अभिषेक किया जाए और उनके हाथों को पवित्र किया जाए। सात दिन तक उसके पुत्रों में से वह याजक जो उसके स्थान पर होगा, उन्हें पहनेगा, जो साक्षी के तंबू में पवित्र स्थानों में सेवा करने के लिए प्रवेश करेगा। और तू पूर्णता के मेढ़े को लेगा और उसके मांस को पवित्र स्थान में उबालेगा। और हारून और उसके पुत्र मेढ़े का मांस और टोकरी में रखी रोटियाँ गवाही के तंबू के द्वार के पास खाएंगे। वे उन्हें खाएंगे जिनमें वे पवित्र किए गए थे, उनमें उनके हाथों को पूर्ण करने के लिए, उन्हें पवित्र करने के लिए, और विदेशी उनसे नहीं खाएगा, क्योंकि वे पवित्र हैं। यदि पूर्णता के बलिदान के मांस और रोटियों में से कुछ सुबह तक बच जाए, तो तू बचे हुए को आग में जला देगा, वह खाया नहीं जाएगा, क्योंकि वह पवित्र है।

और तुम हारून और उसके पुत्रों के लिए इस प्रकार करोगे, उन सब के अनुसार जो मैंने तुझे आज्ञा दी है; सात दिनों तक तुम उनके हाथों को पवित्र करोगे। और तू पाप के बछड़े को शुद्धिकरण के दिन चढ़ाएगा, और तू वेदी को शुद्ध करेगा जब तू उस पर इसे पवित्र करे, और तू इसका अभिषेक करेगा ताकि इसे पवित्र किया जाए। सात दिन तक तुम वेदी को शुद्ध करोगे और इसे पवित्र करोगे, और वेदी परम पवित्र होगी; जो कोई वेदी को छुएगा, वह पवित्र किया जाएगा। और ये वे चीजें हैं जो तू वेदी पर करेगा: एक वर्ष के निर्दोष मेमने, दो प्रतिदिन, वेदी पर निरंतर, निरंतर भेंट।

एक मेमने को तुम सुबह चढ़ाओगे, और दूसरे मेमने को तुम शाम को चढ़ाओगे। और एक मेमने के लिए दसवां भाग महीन आटा तेल के चौथे भाग हीन में मिलाया हुआ, और दाखरस के चौथे भाग हीन का पेय-बलिदान। और दूसरे मेमने को तुम शाम के समय करोगे, सुबह के बलिदान के अनुसार, और उसकी पेय-भेंट के अनुसार, तुम सुगंधित सुगंध की भेंट प्रभु के लिए करोगे। तुम्हारी पीढ़ियों में निरंतर बलिदान, साक्षी के तंबू के द्वार पर प्रभु के सामने, जहां मैं तुम पर अपने आप को प्रकट करूंगा, ताकि तुमसे बात करूं। और मैं वहाँ इस्राएल के पुत्रों को नियुक्त करूंगा, और अपनी महिमा में पवित्र किया जाऊंगा। और मैं गवाही के तंबू को पवित्र करूंगा, और वेदी को, और हारून और उसके पुत्रों को मैं पवित्र करूंगा, मेरे लिए याजक के रूप में सेवा करने के लिए। और मैं इस्राएल के पुत्रों में बुलाया जाऊंगा, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा। और वे जानेंगे कि मैं प्रभु हूँ, उनका देवता, जो उनको मिस्र की भूमि से निकाल लाया, उनके बीच बुलाया जाने के लिए, और उनका देवता होने के लिए।

30

और तू अविनाशी लकड़ियों से धूप की वेदी बनाएगा। और तू इसे एक हाथ लंबा और एक हाथ चौड़ा बनाएगा, यह चौकोर होगा, और दो हाथ ऊंचा होगा, इसके सींग इसी से निकले होंगे। और तुम शुद्ध सोने से उसकी जाली को, उसकी दीवारों को चारों ओर, और उसके सींगों को मढ़ोगे, और तुम उसके लिए चारों ओर सोने का बटा हुआ मुकुट बनाओगे। और तू उसके घुमावदार मुकुट के नीचे शुद्ध सोने की दो अंगूठियाँ बनाएगा, दोनों भुजाओं के दोनों पक्षों में तू उन्हें बनाएगा, और वे डंडों के लिए धारक होंगे, ताकि उनमें इसे उठाया जा सके। और तू अविनाशी लकड़ी से डंडे बनाएगा, और तू उनको सोने से मढ़ेगा। और तू इसको उस पर्दे के सामने रखेगा, जो साक्ष्यों के सन्दूक पर है, जिनमें मैं तुझे वहाँ से प्रकट होऊंगा। और हारून उस पर बारीक मिश्रित धूप जलाएगा प्रतिदिन सुबह, जब वह दीपकों की

देखभाल करता है, तब वह उस पर धूप जलाएगा। और जब अहरोन देर से दीपकों को जलाएगा, तो वह उस पर धूप जलाएगा। यह प्रभु के सामने निरंतर धूप है, उनकी पीढ़ियों के लिए सदा। और वह उस पर दूसरा धूप, भेंट, बलिदान नहीं चढ़ाएगा, और तुम उस पर पेय-भेंट नहीं डालोगे। और हारून वर्ष में एक बार उसके सींगों पर शुद्धिकरण के रक्त से प्रायश्चित्त करेगा, वह उनकी पीढ़ियों में इसे शुद्ध करेगा; यह प्रभु के लिए परम पवित्र है।

और प्रभु ने मूसा से कहा, यदि तुम इस्राएल के पुत्रों की गणना उनके निरीक्षण में लोगे, तो प्रत्येक अपनी आत्मा का मोल प्रभु को देगा, और उनके निरीक्षण में उन पर कोई पतन नहीं होगा। और यह वह है जो वे देंगे, जितने भी निरीक्षण से पार जाएंगे - दिद्राख्मा का आधा, जो पवित्र दिद्राख्मा के अनुसार है; दिद्राख्मा बीस ओबोल का होता है, और दिद्राख्मा का आधा प्रभु को चढ़ावा है। सभी बीस साल और उससे ऊपर की आयु के जांच में आने वाले लोग प्रभु को योगदान देंगे। धनवान अधिक नहीं देगा, और निर्धन कम नहीं देगा आधे दिद्राख्मा से, प्रभु को योगदान देने में, तुम्हारी आत्माओं के लिए प्रायश्चित्त करने हेतु। और तू इस्राएल के पुत्रों से योगदान की चांदी लेगा, और तू इसे साक्ष्य के तम्बू की सेवा में देगा, और यह इस्राएल के पुत्रों के लिए प्रभु के सामने स्मारक होगा, तुम्हारी आत्माओं के विषय में प्रायश्चित्त करने के लिए। और प्रभु ने मूसा से कहा, एक कांस्य का बेसिन बनाओ, और उसके लिए कांस्य का आधार, ताकि धोया जा सके, और तुम उसको साक्षी के तम्बू के बीच और वेदी के बीच रखोगे, और तुम उसमें पानी डालोगे। और हारून और उसके पुत्र उससे अपने हाथ और पैर जल से धोएंगे। जब वे साक्ष्य के तंबू में प्रवेश करें, तो वे जल से धोएंगे और नहीं मरेंगे, जब वे वेदी के पास सेवा करने और प्रभु को होमबलि चढ़ाने आएंगे। वे अपने हाथ और पैर पानी से धोएंगे, जब भी वे गवाही के तंबू में प्रवेश करें, वे पानी से धोएंगे, ताकि वे न मरें, और यह उनके लिए शाश्वत विधि होगी, उसके लिए और उसकी पीढ़ियों के लिए उसके साथ। और प्रभु ने मूसा से कहा, और तुम मसाले लो: चुना हुआ गंधरस का फूल पाँच सौ शेकेल, और सुगंधित दालचीनी इसका आधा अर्थात् दो सौ पचास, और सुगंधित सरकंडा दो सौ पचास, और पवित्र स्थान के पाँच सौ शेकेल का iris, और जैतून का तेल एक हीन। और तुम इसे पवित्र अभिषेक का तेल बनाओगे, इत्र बनाने वाले की कला से बना हुआ सुगंधित इत्र, यह पवित्र अभिषेक का तेल होगा। और तू उससे साक्ष्य के तंबू का, और साक्ष्य के तंबू के सन्दूक का, और उसके सब बर्तनों का अभिषेक करेगा, और दीपदान और उसके सब बर्तन, और धूप की वेदी, और होमबलि की वेदी और उसके सब बर्तन, और मेज और उसके सब बर्तन, और हौद। और तुम उन्हें पवित्र करोगे, और वे परम पवित्र होंगे; जो कोई उन्हें छुएगा, वह पवित्र किया जाएगा। और तू हारून और उसके पुत्रों का अभिषेक करेगा, और उन्हें पवित्र करेगा ताकि वे मेरे लिए याजक के रूप में सेवा करें। और तुम इस्राएल के

पुत्रों से कहोगे, अभिषेक का पवित्र तेल यह तुम्हारी पीढ़ियों के लिए होगा। मनुष्य के शरीर पर यह नहीं लगाया जाएगा, और इस मिश्रण के अनुसार तुम अपने लिए वैसा ही नहीं बनाओगे, यह पवित्र है, और तुम्हारे लिए पवित्रता होगी। जो कोई वैसे ही करेगा, और जो कोई उसमें से किसी विदेशी को देगा, वह अपने लोगों में से नष्ट कर दिया जाएगा।

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए मसाले ले: गंधरस, नखी, गंधबिरोजा जो सुगंधित है और पारदर्शी लोबान, सभी बराबर मात्रा में होंगे। और वे उसमें धूप बनाएंगे, जो इत्र-निर्माता का काम होगा, मिश्रित, शुद्ध और पवित्र काम। और तुम इनमें से कुछ को बारीक पीसोगे, और तुम इसे साक्ष्य के तम्बू में साक्ष्यों के सामने रखोगे, जहाँ से मैं तुम्हें वहाँ से अपने को प्रकट करूँगा; यह धूप तुम्हारे लिए परम पवित्र होगा। इस रचना के अनुसार तुम अपने लिए नहीं बनाओगे, यह तुम्हारे लिए प्रभु के लिए पवित्र होगी। जो कोई इसे वैसे ही बनाएगा ताकि उसे सूँघे, वह अपने लोगों में से नष्ट हो जाएगा।

31

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैंने नाम से बसलेल को बुलाया है, जो उरी का पुत्र और होर का पौत्र है, यहूदा के गोत्र से। और मैंने उसे दिव्य आत्मा से भर दिया - बुद्धि की, समझ की और ज्ञान की, हर काम में सोचने के लिए। और डिज़ाइन करना, सोने का काम करना, और चांदी, और कांस्य, और नीलकंठ, और बैंगनी, और बटा हुआ लाल, और पत्थर का काम, और लकड़ी की बढ़ईगिरी के कामों में, सभी कामों के अनुसार काम करना। और मैंने उसे और एलियाब को, जो अहीसामाक का पुत्र दान के गोत्र से है, दिया है, और हर समझदार हृदय को मैंने समझ दी है। और वे सब कुछ बनाएंगे जितना मैंने तुझे आज्ञा दी है: गवाही का तंबू, और वाचा का संदूक, और उस पर का प्रायश्चित का ढकना, और तंबू का साज-सामान, और वेदियाँ, और मेज़ और उसके सब बर्तन, और शुद्ध दीवट और उसके सब बर्तन और बेसिन और उसका आधार, और हाखन के सेवा के वस्त्र, और उसके पुत्रों के वस्त्र मुझे याजक के रूप में सेवा करने के लिए, और अभिषेक का तेल, और पवित्र संयोजन की धूप, सब के अनुसार जितना मैंने तुझे आदेश दिया, वे बनाएंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, और तू इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दे, यह कहते हुए, देखो, और तुम मेरे सब्त्तों को मानना, यह मेरे और तुम्हारे बीच तुम्हारी पीढ़ियों में एक चिह्न है, ताकि तुम जान लो कि मैं यहोवा हूँ जो तुम्हें पवित्र करता हूँ। और तुम सब्बाथों को रखोगे, क्योंकि यह तुम्हारे लिए प्रभु के लिए पवित्र है; जो इसे अपवित्र करेगा, वह मृत्यु से मार डाला

जाएगा; हर कोई जो इसमें काम करेगा, वह आत्मा अपने लोगों के बीच से नष्ट कर दी जाएगी। छः दिन तू कार्य करेगा, लेकिन सातवें दिन सब्बाथ है, प्रभु के लिए पवित्र विश्राम। जो कोई सातवें दिन कार्य करेगा, उसे मृत्युदंड दिया जाएगा। और इस्राएल के पुत्र सब्बाथों को मानेंगे, उनको अपनी पीढ़ियों में पालन करने के लिए। यह मेरे और इस्राएल के पुत्रों के बीच एक शाश्वत वाचा है, यह मेरे लिए एक शाश्वत चिन्ह है, क्योंकि छह दिनों में प्रभु ने आकाश और पृथ्वी को बनाया, और सातवें दिन विश्राम किया और रुक गए। और जब परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर मूसा से बात करना बंद किया, तो उसने मूसा को गवाही की दो पत्थर की पट्टियाँ दीं, जो परमेश्वर की उंगली से लिखी गई थीं।

32

और जब लोगों ने देखा कि मूसा पहाड़ से उतरने में देर कर रहा है, तो लोग हारून के पास इकट्ठा हुए, और उससे कहने लगे, उठो, और हमारे लिए देवता बनाओ, जो हमारे आगे चलेंगे, क्योंकि यह मूसा, वह आदमी जो हमें मिस्र की भूमि से निकाल लाया, हम नहीं जानते कि उसे क्या हुआ है। और हारून उनसे कहता है, अपनी स्त्रियों और पुत्रियों के कानों में जो सुनहरे कुंडल हैं, उन्हें निकालो और मेरे पास लाओ। और सभी लोगों ने अपने कानों में पहनी हुई सोने की बालियाँ उतार लीं, और उन्हें हारून के पास ले आए। और उसने उनके हाथों से वह प्राप्त किया, और उपकरण से उसे रूप दिया, और उससे ढला हुआ बछड़ा बनाया और कहा, हे इस्राएल, ये तुम्हारे देवता हैं, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाए। और आरोन ने देखकर उसके सामने एक वेदी बनाई, और आरोन ने घोषणा करते हुए कहा, कल प्रभु का पर्व है। और अगले दिन सुबह जल्दी उठकर उसने होमबलि चढ़ाई, और मेल बलिदान लाया, और लोग खाने-पीने बैठे, और वे खेलने के लिए उठे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, जा, शीघ्रता से यहाँ से नीचे उतर, क्योंकि तेरे लोगों ने पाप किया है जिन्हें तू मिस्र की भूमि से निकाल लाया था। उन्होंने उस मार्ग से जल्दी उल्लंघन किया, जिसका मैंने उन्हें आदेश दिया था, उन्होंने अपने लिए एक बछड़ा बनाया, और उसकी पूजा की, और उसके लिए बलिदान किया, और कहा, हे इस्राएल, ये तुम्हारे देवता हैं, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाए। और अब मुझे अनुमति दो, और उन पर क्रोधित होकर, मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा, और तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। और मूसा ने प्रभु परमेश्वर के सामने विनती की और कहा, हे प्रभु, क्यों अपने लोगों पर क्रोध करते हो, जिनको तुमने मिस्र की भूमि से महान शक्ति में और अपनी ऊँची भुजा से निकाला? कहीं ऐसा न हो कि मिस्रवासी यह कहें कि उसने उन्हें दुष्टता के साथ निकाला ताकि पहाड़ों में उन्हें मार डाले और पृथ्वी से

नष्ट कर दे। अपने कोप के क्रोध को रोको, और अपने लोगों की दुष्टता पर कृपालु हो जाओ। अब्राहम, इसहाक और याकूब, अपने सेवकों को याद करते हुए, जिनसे तुमने अपनी शपथ के अनुसार प्रतिज्ञा की थी, और उनसे कहा था, मैं तुम्हारे वंश को आकाश के तारों की भीड़ के समान बढ़ाऊंगा, और यह सारी भूमि जो मैंने उन्हें देने को कहा था, वे इसे सदा के लिए धारण करेंगे। और प्रभु अपने लोगों को संरक्षित करने के लिए प्रसन्न हुआ।

और मूसा मुड़ा और पर्वत से नीचे आया, और साक्षी की दो पट्टियाँ उसके हाथों में थीं, पत्थर की पट्टियाँ जो दोनों ओर से खुदी हुई थीं, इधर से और उधर से लिखी हुई थीं। और वे पट्टियाँ परमेश्वर का काम थीं, और वह लेखन परमेश्वर का लेखन था जो पट्टियों पर उत्कीर्ण था। और यहोशू ने चिल्लाते हुए लोगों का स्वर सुनकर मूसा से कहा, शिविर में युद्ध का स्वर है। और वह कहता है, यह शक्ति के साथ नेतृत्व करने वालों की आवाज़ नहीं है, न ही पराजय में नेतृत्व करने वालों की आवाज़ है, लेकिन शराब में नेतृत्व करने वालों की आवाज़ में सुनता हूँ।

और जब वह शिविर के पास पहुंचा, तो उसने बछड़े और नृत्यों को देखा, और मूसा क्रोध से भर गया और उसने अपने हाथों से दो पट्टियाँ फेंक दीं, और उन्हें पहाड़ के नीचे तोड़ दिया। और उसने उस बछड़े को लिया जो उन्होंने बनाया था, उसे आग में जलाया, और उसे बारीक पीसा, और उसे पानी में बिखेरा, और इसे इस्राएल के पुत्रों को पिलाया। और मूसा ने हारून से कहा, इन लोगों ने तुम्हारे साथ क्या किया है कि तुम उन पर इतना बड़ा पाप ले आए? और हारून ने मूसा से कहा, हे स्वामी, क्रोधित मत हो, क्योंकि तुम इन लोगों के आवेग को जानते हो। वे मुझसे कहते हैं, हमारे लिए देवता बनाओ, जो हमारे आगे चलेंगे, क्योंकि यह मूसा, यह आदमी जो हमें मिस्र से निकाल लाया, हम नहीं जानते कि उसे क्या हो गया है। और मैंने उनसे कहा, यदि किसी के पास सोने के आभूषण हैं, तो उन्हें उतार दो, और उन्होंने मुझे दिया, और मैंने आग में फेंक दिया, और यह बछड़ा निकला। और मूसा ने लोगों को देखा कि वे बिखर गए हैं, क्योंकि हारून ने उन्हें बिखेर दिया था, उनके विरोधियों के लिए हँसी का पात्र बनाकर। मूसा शिविर के द्वार पर खड़ा हुआ और कहा, कौन प्रभु की ओर है? वह मेरे पास आए। इसलिए लेवी के सब पुत्र उसके पास इकट्ठे हुए। और वह उनसे कहता है, प्रभु, इस्राएल का देवता, ये बातें कहता है: प्रत्येक व्यक्ति अपनी तलवार अपनी जांघ पर रखे, और शिविर के एक द्वार से दूसरे द्वार तक गुजरो और लौटो, और प्रत्येक व्यक्ति अपने भाई को, और प्रत्येक व्यक्ति अपने पड़ोसी को, और प्रत्येक व्यक्ति अपने निकटतम को मारे। और लेवी के पुत्रों ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने उनसे कहा था, और उस दिन लोगों में से तीन हजार पुरुष गिरे। और मूसा ने उनसे कहा, तुमने आज अपने हाथ प्रभु

को भर दिए हैं, प्रत्येक ने अपने पुत्र में या अपने भाई में, ताकि तुम पर आशीर्वाद दिया जाए।

और अगले दिन के बाद ऐसा हुआ कि मूसा ने लोगों से कहा, तुमने महान पाप किया है, और अब मैं परमेश्वर के पास ऊपर जाऊंगा, ताकि मैं तुम्हारे पाप के विषय में प्रायश्चित करूं। मूसा प्रभु के पास लौटा, और कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, इन लोगों ने महान पाप किया है, और अपने लिए सोने के देवता बनाए हैं। और अब यदि तू वास्तव में उनका पाप क्षमा करे, तो क्षमा कर; परन्तु यदि नहीं, तो मुझे अपनी उस पुस्तक से मिटा दे जो तूने लिखी है। और प्रभु ने मूसा से कहा, यदि किसी ने मेरे सामने पाप किया है, तो मैं उन्हें अपनी पुस्तक से मिटा दूंगा। अब जाओ, नीचे उतरो, और इन लोगों को उस स्थान की ओर ले चलो जो मैंने तुमसे कहा था। देखो, मेरा दूत तुम्हारे आगे चलेगा। लेकिन जिस दिन मैं उनका हिसाब लूंगा, उस दिन मैं उन पर उनके पाप का दण्ड लाऊंगा। और प्रभु ने लोगों को उस बछड़े के बनाने के विषय में मारा, जो हाखन ने बनाया था।

33

और प्रभु ने मूसा से कहा, आगे जाओ, यहाँ से ऊपर जाओ, तुम और तुम्हारे लोग, जिन्हें तुम मिस्र की भूमि से बाहर लाए, उस भूमि में जाओ, जिसके बारे में मैंने अब्राहम, इसहाक और याकूब से शपथ लेते हुए कहा था, तुम्हारे वंश को मैं यह दूंगा। और मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजूंगा, और वह एमोरी, हिती, परिज्जी, गिर्गाशी, हिक्वी, यबूसी और कनानी को निकाल देगा। और मैं तुम्हें उस भूमि में ले जाऊंगा जो दूध और शहद से बहती है, परन्तु मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगा, क्योंकि तुम हठीले लोग हो, कहीं ऐसा न हो कि मैं मार्ग में तुम्हें नष्ट कर दूँ। और यह बुरा शब्द सुनकर लोगों ने शोक में विलाप किया। और प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, तुम कठोर गर्दन वाले लोग हो, देखो, कहीं मैं तुम पर दूसरा प्रहार न लाऊँ और तुम्हें नष्ट कर दूँ। अब इसलिए अपने गौरव के वस्त्र और आभूषण उतार दो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि मैं तुम्हारे साथ क्या करूँगा। और इस्राएल के पुत्रों ने होरेब पर्वत से अपने आभूषण और वस्त्र उतारे। और मूसा ने अपना तम्बू लेकर उसे शिविर के बाहर, शिविर से दूर खड़ा किया, और वह साक्ष्य का तम्बू कहलाया, और ऐसा हुआ कि जो कोई प्रभु को खोजता था वह शिविर के बाहर के तम्बू में जाता था। जब मूसा शिविर के बाहर तंबू में प्रवेश कर रहे थे, तब सभी लोग अपने-अपने तंबू के द्वारों पर खड़े होकर देख रहे थे, और मूसा के तंबू में प्रवेश करने तक उन्हें जाते हुए देखते रहते थे। जैसे ही मूसा तंबू में प्रवेश करते, बादल का स्तंभ नीचे उतरता था, और तंबू के द्वार पर खड़ा होता था, और मूसा से बात

करता था, और वह मूसा से बोल रहा था। और सब लोगों ने बादल के स्तंभ को तंबू के द्वार पर खड़ा हुआ देखा, और सब लोग खड़े हुए, और प्रत्येक ने अपने तंबू के द्वार से प्रणाम किया। और प्रभु ने मूसा से आमने-सामने बात की, जैसे कोई अपने मित्र से बात करता है, और वह शिविर में लौट गया, लेकिन सेवक यहोशू, जो नून का पुत्र और जवान था, तम्बू से बाहर नहीं निकलता था।

और मूसा ने प्रभु से कहा, देखो, तू मुझसे कहता है, इन लोगों को ऊपर ले जाओ, लेकिन तूने मुझे नहीं बताया कि तू किसको मेरे साथ भेजेगा। लेकिन तूने मुझसे कहा था, मैं तुझे सबसे अधिक जानता हूँ, और तेरे पास मेरी कृपा है। यदि इसलिए मैंने तुम्हारे सामने कृपा पाई है, तो मुझे अपने आप को प्रकट करो, ताकि मैं तुम्हें स्पष्ट रूप से देख सकूँ, जिससे मैं तुम्हारे सामने कृपा पाया हुआ होऊँ, और ताकि मैं जान सकूँ कि यह महान राष्ट्र तुम्हारे लोग हैं। और वह कहता है, मैं स्वयं तुम्हारे आगे चलूँगा, और तुम्हें विश्राम दूँगा। और वह उससे कहता है, यदि तू स्वयं साथ नहीं चलता है, तो मुझे यहाँ से ऊपर मत ले जाना। और यह कैसे सचमुच ज्ञात होगा कि मैंने और तुम्हारे लोगों ने तुमसे कृपा पाई है, सिवाय तुम्हारे हमारे साथ यात्रा करने के? और मैं और तुम्हारे लोग उन सब राष्ट्रों से महिमामंडित होंगे, जो पृथ्वी पर हैं। और प्रभु ने मूसा से कहा, यह वचन जो तुमने कहा है, मैं करूँगा, क्योंकि तुमने मेरे सामने कृपा पाई है, और मैं तुम्हें सबसे अधिक जानता हूँ। और वह कहता है, मुझे अपने आप को प्रकट करो। और उसने कहा, मैं अपनी महिमा के साथ तुम्हारे सामने से पहले होकर निकलूँगा, और अपने नाम से, प्रभु, तुम्हारे सामने पुकारूँगा, और जिस पर मैं दया करूँ उस पर दया करूँगा, और जिस पर मैं करुणा करूँ उस पर करुणा करूँगा। और उसने कहा, तुम मेरा चेहरा नहीं देख सकोगे, क्योंकि कोई भी मनुष्य मेरा चेहरा देखकर जीवित नहीं रह सकता। और प्रभु ने कहा, देखो, मेरे पास एक स्थान है, तुम चट्टान पर खड़े होगे, जब मेरी महिमा गुजर जाए, तो मैं तुम्हें चट्टान की दरार में रखूँगा, और अपने हाथ से तुम्हें ढकूँगा, जब तक मैं गुजर न जाऊँ। और मैं अपना हाथ हटाऊँगा, और तब तुम मेरी पीठ देखोगे, लेकिन मेरा चेहरा तुम्हें नहीं दिखाई देगा।

34

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए दो पत्थर की पट्टिकाएँ तराश, जैसी पहली थीं, और पहाड़ पर मेरे पास चढ़ आ, और मैं उन पट्टिकाओं पर वे शब्द लिखूँगा जो पहली पट्टिकाओं में थे, जिन्हें तूने तोड़ दिया था। और सुबह के लिए तैयार हो जाओ, और तुम सीनै पर्वत पर चढ़ोगे, और तुम वहाँ पर्वत की चोटी पर मेरे लिए खड़े होगे। और कोई भी तुम्हारे

साथ न चढ़े, न ही पूरे पहाड़ पर दिखाई दे, और भेड़ें और बैल उस पहाड़ के पास न चरें। और उसने दो पत्थर की पट्टियाँ तराशीं, जैसे पहली थीं, और मूसा सुबह उठकर सीनै पर्वत पर चढ़ा, जैसे प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, और मूसा ने दो पत्थर की पट्टियाँ लीं। और प्रभु बादल में नीचे उतरे, और वहाँ उसके पास खड़े हुए, और प्रभु के नाम से पुकारा। और प्रभु उसके चेहरे के सामने से गुजरे, और प्रभु परमेश्वर ने पुकारा, दयालु और कृपालु, धीरजवंत और दया में प्रचुर और सत्य, और धार्मिकता को बनाए रखते हुए और हजारों पर दया करते हुए, अधर्म और अन्याय और पापों को दूर करते हुए, और दोषी को शुद्ध नहीं करेगा, पिताओं के अधर्मों को बच्चों पर और बच्चों के बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक लाते हुए। और जल्दी करके मूसा भूमि पर झुककर नमस्कार किया। और उसने कहा, अगर मैंने आपके सामने कृपा पाई है, तो मेरे प्रभु हमारे साथ चलें, क्योंकि ये लोग हठीले हैं, और आप हमारे पापों और हमारे अधर्मों को दूर करेंगे, और हम आपके होंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैं तुम्हारे सब लोगों के सामने तुम्हारे साथ एक वाचा स्थापित करता हूँ। मैं ऐसे महिमामय कार्य करूँगा जो सारी पृथ्वी पर और किसी भी राष्ट्र में कभी नहीं हुए हैं। और सब लोग, जिनके बीच तुम हो, प्रभु के कार्यों को देखेंगे, क्योंकि जो मैं तुम्हारे लिए करूँगा वह अद्भुत है। ध्यान दो, जितना भी मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, देखो मैं तुम्हारे सामने से अमोरी, कनानी, परिज्जी, हिती, हिव्वी, गिरांशी और यबूसी को निकालता हूँ। अपने लिए सावधान रहो, कि तुम कभी भी उस भूमि के निवासियों के साथ वाचा न बांधो, जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो, कहीं ऐसा न हो कि यह तुम्हारे बीच ठोकर का कारण बन जाए। तुम उनकी वेदियों को गिरा दोगे, और उनके स्तंभों को तोड़ दोगे, और उनके उपवनों को काट दोगे, और उनके देवताओं की खुदी हुई मूर्तियों को आग में जला दोगे। तुम अन्य देवताओं की पूजा मत करो, क्योंकि प्रभु परमेश्वर, जिसका नाम ईश्यालु है, एक ईश्यालु परमेश्वर है। कभी भी उन निवासियों के साथ वाचा मत बांधना जो उस भूमि पर रहते हैं, और वे अपने देवताओं के पीछे व्यभिचार करें, और अपने देवताओं को बलिदान चढ़ाएं, और तुम्हें बुलाएं, और तुम उनका खाओ, और तू उनकी बेटियों को अपने बेटों के लिए ले, और अपनी बेटियों को उनके बेटों को दे, और तेरी बेटियाँ उनके देवताओं के पीछे व्यभिचार करें, और तेरे बेटे उनके देवताओं के पीछे व्यभिचार करें। और तू अपने लिए ढाले हुए देवता नहीं बनाएगा। और तुम बिना खमीर की रोटी का पर्व मनाओगे, सात दिन तक तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, नए महीने के समय में, क्योंकि नए महीने में तुम मिस्र से निकले थे। हर वह जो गर्भ खोलता है मेरा है - सभी नर, हर बछड़े का पहलौठा और भेड़ का पहलौठा। और जुए-वाले पशु के पहलौठे को तू भेड़ से छुड़ाएगा,

परन्तु यदि तू इसको नहीं छुड़ाएगा, तो मूल्य देगा। तेरे पुत्रों के हर पहलौटे को छुड़ाएगा, तू मेरे सामने खाली हाथ नहीं दिखाई देगा।

छह दिन काम करो, लेकिन सातवें दिन विश्राम करना, बुवाई में और कटाई में विश्राम होगा। और तू मेरे लिए सप्ताहों का पर्व मनाएगा, जो गेहूं की कटाई का आरंभ है, और वर्ष के मध्य में सभा का पर्व मनाएगा। वर्ष में तीन बार तुम्हारा हर पुरुष प्रभु परमेश्वर इस्राएल के सामने उपस्थित होगा। जब मैं तुम्हारे सामने से राष्ट्रों को निकाल दूंगा और तुम्हारी सीमाओं को बढ़ाऊंगा, तब कोई भी तुम्हारी भूमि की इच्छा नहीं करेगा, जब तुम वर्ष में तीन बार अपने परमेश्वर प्रभु के सामने दिखाई देने के लिए जाओगे। तुम मेरी बलि के रक्त को खमीर के साथ वध नहीं करोगे, और फसह के पर्व की बलि सुबह तक नहीं रहेगी। अपनी भूमि के पहले फलों को तुम अपने परमेश्वर यहोवा के घर में रखोगे। तुम मेमने को उसकी माता के दूध में नहीं पकाओगे। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए ये शब्द लिख लो, क्योंकि इन्हीं शब्दों के आधार पर मैंने तुम्हारे साथ और इस्राएल के साथ वाचा बाँधी है। और मूसा वहाँ प्रभु के सामने चालीस दिन और चालीस रातें रहा, उसने रोटी नहीं खाई और पानी नहीं पिया, और उसने पट्टियों पर वाचा के ये शब्द, दस आज्ञाएँ लिखीं।

जब मूसा पर्वत से उतर रहा था, और दो पट्टियाँ मूसा के हाथों पर थीं, जब वह पर्वत से उतर रहा था, तो मूसा नहीं जानता था कि उसके चेहरे के रंग की दृष्टि महिमामंडित हो गई थी जब वह उससे बोल रहा था। और हारून और इस्राएल के सभी बुजुर्गों ने मूसा को देखा, और उसके चेहरे के रंग की दृष्टि महिमामय थी। और वे उसके निकट आने से डरे। और मूसा ने उन्हें बुलाया, और हारून और सभा के सभी शासक उसकी ओर लौट आए, और मूसा ने उनसे बात की।

और इन बातों के बाद इस्राएल के सभी पुत्र उसके पास आए। और उसने उन्हें वह सब आज्ञा दी, जो प्रभु ने सौनै पर्वत पर उसे आज्ञा दी थी। और जब वह उनसे बोलना बंद कर चुका, तो उसने अपने चेहरे पर एक आवरण रख दिया। जब मूसा प्रभु के सामने उनसे बात करने के लिए प्रवेश करता था, तो वह आवरण को बाहर जाने तक हटा देता था, और बाहर जाकर इस्राएल के सभी पुत्रों को वह सब कुछ बताता था जो प्रभु ने उसे आदेश दिया था। और इस्राएल के पुत्रों ने मूसा का चेहरा देखा, कि वह महिमामय हो गया है, और मूसा ने अपने चेहरे पर आवरण रख दिया, जब तक वह उससे बोलने के लिए प्रवेश न करे।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा को एकत्र किया, और कहा, ये वे शब्द हैं जिन्हें प्रभु ने करने के लिए कहा है। छह दिन तुम काम करोगे, लेकिन सातवें दिन विश्राम है, पवित्र सब्त, प्रभु के लिए विश्राम। जो कोई इस दिन काम करे, वह मार डाला जाए। तुम अपने सभी निवासों में सब्त के दिन आग नहीं जलाओगे, मैं प्रभु हूँ। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहा, यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी, कहते हुए, तुम उनमें से प्रभु के लिए भेंट लो, हर वह जो हृदय से स्वीकार करता है, वे प्रभु के लिए पहले फल लाएंगे: सोना, चांदी, कांसा। हाइसिंथ, बैंगनी, दोहरा बटा हुआ लाल रंग, और कती हुई बारीक मलमल, और बकरी के बाल, और मेढ़ों की खालें जो लाल रंगी हुई हों, और नीली खालें, और अविनाशी लकड़ी, और सुलैमानी के पत्थर, और खुदाई के लिए पत्थर, एपोद के लिए और लंबे वस्त्र के लिए। और जो तुम में हृदय से बुद्धिमान हैं, वे सब आकर उन सब चीजों को बनाएँ जिनकी आज्ञा प्रभु ने दी है। तंबू, और आवरण, और पर्दे, और पट्टियाँ, और छड़े, और खंभे, और गवाही का संदूक, और उसके डंडे, और उसका प्रायश्चित का ढकना, और पर्दा, और मेज़ और उसके सभी बर्तन, और प्रकाश का दीपदान और उसके सब बर्तन, और वेदी और उसके सब बर्तन, और पवित्र वस्त्र हाखन याजक के, और वे वस्त्र जिनमें वे सेवा करेंगे, और हाखन के पुत्रों के अंगरखे याजकपद के लिए, और अभिषेक का तेल, और सुगंधित धूप।

और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा मूसा के पास से बाहर चली गई। और प्रत्येक व्यक्ति वह लाया जो उनका हृदय लाया, और जितनों की आत्मा को उचित लगा, वे भेंट लाए, और उन्होंने प्रभु को साक्षी के तम्बू के सब कार्यों के लिए, और उसकी सब सेवाओं के लिए, और पवित्र के सब वस्त्रों के लिए भेंट चढ़ाई। और पुरुषों ने स्त्रियों से लाया, हर वह जिसे अपने मन में उचित लगा, मुहरें, और कान की बालियाँ, और अंगूठियाँ, और गूथी हुई जंजीरें, और कंगन, हर सोने का बर्तन लाए। और सब जितने प्रभु को सोने का योगदान लाए, और जिनके पास महीन मलमल, नीली खालें और मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालें मिलीं, वे लाए। और जो कोई भेंट लेता था, वे प्रभु को चांदी और कांसे की भेंटें लाए, और जिनके पास अविनाशी लकड़ियाँ मिलीं, वे तैयारी के सब कामों के लिए लाए। और हर बुद्धिमान स्त्री ने अपने मन और हाथों से कातकर, कती हुई चीजें लाई - नीला, बैंगनी, लाल और मलमल। और सब स्त्रियाँ, जिन्हें अपने मन में ज्ञान लगा, उन्होंने बकरी के बाल काते। और शासकों ने पन्ने के पत्थर और भरने के पत्थर कंधे के टुकड़े के लिए और सीने के पट्टे के लिए लाए। और रचनाएँ, और अभिषेक के तेल में, और धूप की रचना। और हर पुरुष और स्त्री, जिनका मन उन्हें सब कार्य करने के लिए प्रवेश करने को लाया, जितने कार्य प्रभु ने मूसा के द्वारा करने की आज्ञा दी थी, इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु को भेंट लाई। और मूसा ने इस्राएल के

पुत्रों से कहा, देखो, परमेश्वर ने नाम से बसलेल को, जो ऊरी का पुत्र, होर का पुत्र है, यहूदा के गोत्र से बुलाया है, और उसने उसे दिव्य आत्मा से भरा—ज्ञान की, समझ की, और सब चीजों के ज्ञान की। वास्तुकला के सभी कार्यों के अनुसार वास्तुकार होना, सोना और चांदी और कांस्य बनाना, और पत्थर का काम करना, और लकड़ी का काम करना, और बुद्धि के हर काम को करना। और उसने वास्तव में उसके मन में और एलियाब को, जो अहीसामाक का पुत्र था, दान की जनजाति से, सिखाने की क्षमता दी। और उसने उन्हें बुद्धि, समझ और मन से भर दिया, ताकि वे पवित्र कार्यों को समझ सकें और कर सकें, और बुने हुए तथा कढ़ाई किए हुए वस्त्रों को लाल रंग और महीन मलमल से बुन सकें, और वास्तुकला तथा कढ़ाई का हर काम कर सकें।

36

और बसलेल और एलियाब ने, और हर उस बुद्धिमान व्यक्ति ने जिसे बुद्धि और ज्ञान दिया गया था, पवित्र कर्तव्यों के अनुसार सभी कार्यों को करने के लिए समझा, उन सब के अनुसार जो प्रभु ने आदेश दिया था। और मूसा ने बसलेल और एलियाब को बुलाया, और उन सबको जिनके पास ज्ञान था, जिनको परमेश्वर ने हृदय में विद्या दी थी, और उन सबको जो स्वेच्छा से कार्यों की ओर आने की इच्छा रखते थे, ताकि उन्हें पूरा किया जाए। और उन्होंने मूसा से सब योगदान लिए जो इस्राएल के पुत्रों ने पवित्र के सब कार्यों को करने के लिए लाए थे, और वे अभी भी सुबह लाने वालों से लाई जा रही भेंटों को स्वीकार कर रहे थे। और सभी बुद्धिमान लोग आए जो पवित्र के कार्य कर रहे थे, प्रत्येक अपने कार्य के अनुसार, जो वे कर रहे थे। और उसने मूसा से कहा कि लोग उन सभी कार्यों के अनुसार बहुतायत ला रहे हैं जिन्हें करने का प्रभु ने आदेश दिया था। और मूसा ने आदेश दिया, और शिविर में घोषणा की, कहते हुए, पुरुष और स्त्री अब पवित्र स्थान के प्रथम फलों के लिए काम न करें, और लोगों को अब और चढ़ावा चढ़ाने से रोका गया। और वे कार्य उनके लिए निर्माण करने को पर्याप्त थे, और उन्होंने अधिक छोड़ दिया। और सभी बुद्धिमान कारीगरों ने पवित्र वस्त्र बनाए, जो याजक हाइन के लिए थे, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उसने कंधे का टुकड़ा सोने से, और नीले से, और बैंगनी से, और कते हुए लाल से, और बटे हुए महीन मलमल से बनाया, और सोने की पत्तियों को बाल की तरह काटा गया, ताकि उन्हें नीले, बैंगनी, कते हुए लाल और बटी हुई मलमल के साथ बुना जा सके। उन्होंने इसे बुने हुए काम के रूप में बनाया। कंधे के दोनों भागों को पकड़ने वाले टुकड़े, बुना हुआ काम जो आपस में एक दूसरे के साथ स्वयं के अनुसार गुंथा हुआ। उन्होंने इसे उसी की शैली के अनुसार सोने, नीले, बैंगनी और लाल बुने हुए धागे तथा बटी हुई महीन मलमल से बनाया, जैसा प्रभु ने

मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने दोनों पत्थरों के पत्थरों को बनाया, जो सोने से बांधे और घिरे हुए थे, और इस्राएल के पुत्रों के नामों की मुहर की तरह उकेरे और खोदे हुए थे, और उसने उन्हें एपोद के कंधों पर रखा, इस्राएल के पुत्रों के स्मारक पत्थर, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और उन्होंने सीनाबंद बनाया, जो बुना हुआ काम था, विविधता के साथ, एपोद के काम के अनुसार, सोने से, और नीले से, और बैंगनी से, और कते हुए लाल से, और बटे हुए मलमल से। उन्होंने वक्षपत्र को चौकोर और दोहरा बनाया, एक बित्ते की लंबाई और एक बित्ते की चौड़ाई, दोहरा। और उसमें पत्थरों से जड़ा हुआ कपड़ा चार पंक्तियों में बुना गया था, पत्थरों की पंक्ति: लाल मणि और पुखराज और पन्ना, यह पहली पंक्ति थी, और दूसरी पंक्ति, लाल मणि और नीलम और यशब, और तीसरी पंक्ति, लिगुरियम और अगेत और अमेथिस्ट। और चौथी पंक्ति में पुखराज, पेरोज और सुलेमानी थे, जो सोने से घिरे हुए और सोने से बंधे हुए थे। और पत्थर इस्राएल के पुत्रों के नामों से बारह थे, उनके नामों से मुहरों में खुदे हुए थे, प्रत्येक अपने नाम से बारह कुलों के लिए। और उन्होंने न्यायपेटिका पर गूंथी हुई झालरें बनाई, जो गूंथने का काम था, शुद्ध सोने से। और उन्होंने दो सुनहरे कंधे के टुकड़े बनाए, और दो सुनहरे छल्ले बनाए, और उन्होंने दोनों सुनहरे छल्लों को सीनाबंद की दोनों शुरुआतों पर रखा। और उन्होंने सोने की गूंथी हुई जंजीरें सीनाबंद के दोनों भागों के छल्लों पर रखीं। और दोनों जोड़ों में दो बुनी हुई जंजीरें लगाईं। और उन्होंने उन्हें दोनों कंधे के पट्टों पर रखा, और उन्हें एपोद के कंधों पर सामने की ओर लगाया। और उन्होंने दो सुनहरे छल्ले बनाए, और उन्होंने उन्हें सीनाबंद के शीर्ष पर दोनों पंखों पर रखा, और एपोद के पिछले भाग के शीर्ष पर भीतर से। और उन्होंने दो सुनहरे छल्ले बनाए, और उन्हें एपोद के दोनों कंधों पर, उसके नीचे की ओर, सामने की तरफ, एपोद के बुने हुए काम के जोड़ के ऊपर रखा। और उसने सीनाबंद को उसके छल्लों से एपोद के छल्लों में बांधा, जो नीले धागे से जुड़े हुए थे और एपोद के कपड़े में गूंथे हुए थे, ताकि सीनाबंद एपोद से ढीला न हो, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने कंधे के टुकड़े के नीचे अधोवस्त्र बनाया, जो बुना हुआ काम था, संपूर्ण नीला। लेकिन अधोवस्त्र का मुखद्वार मध्य में बुना हुआ और आपस में गुंथा हुआ था, जिसके चारों ओर अविनाशी किनारा था। और उन्होंने अंगरखे के किनारे पर नीचे की ओर खिलते हुए अनार के समान छोटे अनार बनाए, जो नीले, बैंगनी और लाल रंग के कते हुए धागे और बटी हुई मलमल से बने थे। और उन्होंने सुनहरी घंटियाँ बनाई, और उन्होंने घंटियों को अंगरखे की पट्टी पर चारों ओर अनारों के बीच में रखा, सोने की घंटी और अनार, वस्त्र के किनारे पर चारों ओर, सेवा करने के लिए, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने महीन मलमल के बुने हुए अंगरखे बनाए, हाखन और उसके पुत्रों के लिए। और

पगड़ियाँ महीन मलमल से, और पगड़ी महीन मलमल से, और पायजामे बटे हुए महीन मलमल से, और उनके कमरबंद महीन मलमल, नीले, बैंगनी और लाल रंग के कते हुए धागे से बने थे, कढ़ाई का काम, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने शुद्ध सोने की पवित्र भेंट, सुनहरी पट्टिका बनाई, और उस पर मुहर की तरह उत्कीर्ण अक्षरों में लिखा, प्रभु के लिए पवित्रता, और उन्होंने नीले हाशिये पर रखा, ताकि वह पगड़ी पर ऊपर से रखा जाए, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

37

और उन्होंने तंबू के लिए दस पर्दे बनाए। एक पर्दे की लंबाई अट्ठाईस हाथ थी, यह सब के लिए समान थी, और एक पर्दे की चौड़ाई चार हाथ थी। और उन्होंने नीले, बैंगनी और लाल कते हुए धागे तथा बटी हुई महीन मलमल से पर्दा बनाया, जो करुबों के बुने हुए काम का था। और उन्होंने इसे चार अविनाशी स्तंभों पर रखा जो सोने से मढ़े हुए थे, और उनके शीर्ष सोने के थे, और उनके चार आधार चाँदी के थे। और उन्होंने साक्षी के तम्बू के दरवाजे का पर्दा नीले, बैंगनी और लाल कते हुए धागे और बटी हुई मलमल से बनाया, जो करुबों के बुने हुए काम का था। और उनके पाँच स्तंभ, और छल्ले, और उनके शीर्ष, और उनके अंकुड़ों को उन्होंने सोने से मढ़ा, और उनकी पाँच कुर्सियाँ काँसे की थीं।

और उन्होंने दक्षिण की ओर का आंगन बनाया, आंगन के पर्दे बटे हुए बारीक मलमल के सौ हाथ के थे। और उनके स्तंभ बीस थे, और उनके आधार बीस थे। और उत्तर की ओर का पक्ष सौ पर सौ, और दक्षिण की ओर का पक्ष सौ पर सौ, और उनके स्तंभ बीस, और उनके आधार बीस। और समुद्र की ओर का पक्ष पचास हाथ के पर्दे, उनके दस स्तंभ, और उनके दस आधार, और पूर्व दिशा की ओर का पक्ष पचास हाथ के पर्दों वाला, पीछे की ओर पंद्रह हाथ का, और उनके स्तंभ तीन, और उनके आधार तीन, और दूसरी ओर की पीठ पर, आँगन के द्वार के इधर-उधर, पंद्रह हाथ के पर्दे थे, उनके तीन स्तंभ और उनके तीन आधार थे। तम्बू के सब पर्दे बटी हुई बारीक मलमल के थे। और उनके स्तंभों के आधार कांस्य के थे, और उनके अंकुश चाँदी के थे, और उनके शीर्ष चाँदी से मढ़े हुए थे, और स्तंभ चाँदी से मढ़े हुए थे, आंगन के सब स्तंभ। और प्रांगण के द्वार का पर्दा कढ़ाई करने वाले का काम था, जो नीले, बैंगनी और लाल कते हुए सूत और बटी हुई मलमल से बना था। इसकी लंबाई बीस हाथ थी, और ऊँचाई और चौड़ाई पाँच हाथ थी, जो प्रांगण के पर्दों से मेल खाती थी। और उनके स्तंभ चार थे, और उनके आधार चार कांस्य के थे, और उनके अंकुड़े चाँदी के थे, और उनके शीर्ष चाँदी से मढ़े हुए थे। और आँगन के चारों ओर के सब खूँटे काँसे के थे, और

वे चाँदी से मढ़े हुए थे। और यह साक्ष्य के तम्बू की व्यवस्था है, जैसा मूसा को आज्ञा दी गई थी, कि सेवा लेवियों की हो हारून याजक के पुत्र ईतामार के द्वारा।

और बसलेल जो उरी का था, यहूदा के कबीले से, उसने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और एलियाब, जो अहीसामाक का पुत्र था और दान गोत्र से था, वह बुने हुए वस्त्रों, कढ़ाई किए हुए वस्त्रों और कलात्मक कार्यों का मुख्य शिल्पकार था, जो लाल रंग और महीन मलमल से बुनाई करता था।

38

और बसलेल ने सन्दूक बनाया, और उसने इसे शुद्ध सोने से भीतर और बाहर से मढ़ा, और उसने इसके लिए सोने के चार छल्ले ढाले, दो एक पक्ष पर, और दो दूसरे पक्ष पर। डंडों के लिए चौड़ा, ताकि उसे उनके द्वारा उठाया जा सके। और उसने शुद्ध सोने से दया-आसन बनाया, जो सन्दूक के ऊपर था। और दो सुनहरे करुब, एक करुब प्रायश्चित्त आसन के एक सिरे पर, और एक करुब प्रायश्चित्त आसन के दूसरे सिरे पर, अपने पंखों से दया आसन पर छाया करते हुए। और उसने शुद्ध सोने से वह मेज़ बनाई जो सामने रखी जानी थी। और उसने इसके लिए चार छल्ले ढाले, दो एक पक्ष पर, और दो दूसरे पक्ष पर, चौड़े, ताकि उनमें डंडों से उठाया जा सके। और उसने सन्दूक के डंडे और मेज़ के डंडे बनाए, और उन्हें सोने से मढ़ा। और उसने मेज़ के बर्तन बनाए, कटोरे, धूपदान, प्याले, और अर्घपात्र, जिनमें वह अर्घ डालेगा, सोने के। और उसने सुनहरा दीपदान बनाया जो प्रकाशित करता है। ठोस तना, और छोटी नलियाँ इसके दोनों भागों से, उसकी डंडियों से अंकुर निकलते हुए, तीन इस ओर से और तीन उस ओर से, एक दूसरे के बराबर। और उनके दीपक, जो सिरों पर हैं, उनमें से अखरोट के आकार के हैं, और उनमें से कुर्सियाँ हैं, ताकि दीये उन पर हों, और सातवीं कुर्सी, जो दीपदान के सिरे पर है, ऊपर से शिखर पर, पूरी तरह ठोस सोने की है। और उस पर सात सोने के दीपक, और उसके सोने के चिमटे, और उनके सोने के पात्र। इसने खम्भों को चाँदी से मढ़ा, और खम्भे के लिए सुनहरे छल्ले ढाले, और छड़ों को सोने से मढ़ा, और पदों के खम्भों को सोने से मढ़ा, और सुनहरी कुंडियाँ बनाई। इसने तम्बू के सुनहरे छल्ले, और आँगन के छल्ले, और ऊपर से आवरण को फैलाने के लिए काँसे के छल्ले बनाए। इसने तम्बू के चाँदी के शीर्षों को ढाला, और तम्बू के द्वार के काँसे के शीर्षों को, और आँगन के द्वार को, और खम्भों के लिए चाँदी के अंकुड़े बनाए, खम्भों पर इसने उनको चाँदी से मढ़ा, इसने तम्बू की खूंटियाँ और आँगन की कांस्य खूंटियाँ बनाई। उसने कांस्य वेदी को उन कांस्य अग्नि-पात्रों से बनाया, जो उन पुरुषों के थे जिन्होंने कोरह की सभा के साथ विद्रोह किया था। इसने वेदी

के सभी बर्तन बनाए, और उसका धूपदान, और आधार, और कटोरे, और कांस्य के मांस के कांटे, उसने वेदी के लिए एक ढकना बनाया, जो जाली का काम था, जो अंगीठी के नीचे से उसके आधे भाग तक था, और उसने उस पर चार कांसे की कड़ियाँ लगाई, जो वेदी के ढकने के चारों कोनों पर थीं, जो डंडों के लिए चौड़ी थीं, ताकि उनके द्वारा वेदी को उठाया जा सके। इसने पवित्र अभिषेक का तेल बनाया, और धूप की शुद्ध रचना, जो इत्र बनाने वाले का काम था। इसने कांस्य का हौज और उसका कांस्य का आधार उन उपवास करने वाली स्त्रियों के दर्पणों से बनाया, जिन्होंने साक्षी के तम्बू के द्वारों के पास उपवास किया था, उस दिन जब उसने उसे स्थापित किया।

और उसने वह हौज बनाया, ताकि मूसा और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ और पैर उसमें धोएं, जब वे गवाही के तम्बू में प्रवेश करें, या जब वे सेवा करने के लिए वेदी के पास आएँ, वे उसमें धोते थे, जैसे प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

39

सभी सोना, जो पवित्र वस्तुओं के सभी कार्यों के लिए तैयार किया गया था, पहले फलों के सोने का था, उनकीस तोड़े और सात सौ बीस शेकेल, पवित्र शेकेल के अनुसार। और सभा के निरीक्षण किए गए पुरुषों से चाँदी की भेंट सौ तालन्त और एक हजार सात सौ पचहत्तर शेकेल थी, प्रति व्यक्ति एक द्रव्वा अर्थात् पवित्र शेकेल के अनुसार आधा शेकेल। हर वह व्यक्ति जो निरीक्षण से गुजर रहा था, बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, छह लाख में, और तीन हजार पांच सौ और पचास। और सौ तालन्त चाँदी का उपयोग तम्बू के सौ शीर्षों की ढलाई में और पर्दों के शीर्षों में हुआ, सौ शीर्षक सौ तालन्त के लिए, एक तालन्त प्रति शीर्षक, और एक हजार सात सौ पचहत्तर शेकेल से उसने स्तंभों के लिए अंकुड़े बनाए, और उनके शीर्षों को सोने से मढ़ा, और उन्हें सजाया।

और उठाने की भेंट का कांस्य सत्तर तालन्त और एक हजार पाँच सौ शेकेल था। और उन्होंने उससे साक्षी के तम्बू के द्वार के आधार बनाए, और आंगन के चारों ओर के आधारों को, और आंगन के द्वार के आधारों को, और तम्बू के खूंटियों को, और आंगन के चारों ओर के खूंटियों को, और वेदी का कांस्य का ढकना, और वेदी के सब बर्तन, और साक्षी के तम्बू के सब औजार, और इस्राएल के पुत्रों ने किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, उन्होंने वैसा ही किया। शेष चढ़ावे के सोने से उन्होंने बर्तन बनाए, जिनसे प्रभु के सामने सेवा की जाए। और जो नीला, बैंगनी और लाल रंग का कपड़ा बचा था, उससे उन्होंने हारून के

लिए सेवा के वस्त्र बनाए, ताकि वह उनमें पवित्र स्थान में सेवा करे। और वे मूसा के पास वस्त्र, तंबू, उसके बर्तन, आधार, उसकी छड़ें और स्तंभ लाए। और वेदी और उसके सब बर्तन।

और अभिषेक का तेल, और सुगंधित धूप, और शुद्ध दीवट, और उसके दीपक, जलने के दीपक, और प्रकाश का तेल, और प्रस्तुति की मेज, और उसके सभी बर्तन, और रखी हुई रोटियाँ, और पवित्र के वस्त्र, जो हाखन के हैं, और उसके पुत्रों के वस्त्र, पुरोहिती के लिए, और आँगन के पर्दे, और स्तंभ, और तम्बू के द्वार का पर्दा, और आँगन के फाटक का पर्दा, और तम्बू के सब बर्तन, और उसके सब औज़ार, और मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालें, और नीले आवरण, और शेष आवरण, और खूँटे, और साक्षी के तम्बू के कामों में लगने वाले सब औज़ार, जितने आदेश प्रभु ने मूसा को दिए, उसी प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने सब सामान बनाया। और मूसा ने सब काम देखे, और उन्होंने उनको उसी तरीके से बनाया था जैसे प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी; इस प्रकार उन्होंने उनको किया, और मूसा ने उनको आशीर्वाद दिया।

40

और प्रभु ने मूसा से कहा, पहले महीने के पहले दिन, नए चाँद पर, तुम गवाही के तंबू को स्थापित करोगे। और तुम गवाही के संदूक को रखोगे, और तुम संदूक को पर्दे से ढकोगे। और तू मेज़ को अंदर लाएगा, और उस पर भेंट की रोटी रखेगा, और दीवट को अंदर लाएगा, और उसके दीपक जलाएगा। और तू सुनहरी वेदी को धूप जलाने के लिए सन्दूक के सामने रखेगा, और तू साक्षी के तम्बू के द्वार पर पर्दे का आवरण रखेगा। और भेंटों की वेदी को तुम साक्ष्य के तम्बू के द्वारों के पास रखोगे, और तुम तंबू को चारों ओर रखोगे, और उसकी सब वस्तुओं को चारों ओर पवित्र करोगे। और तुम अभिषेक का तेल लगे, और तुम तंबू का अभिषेक करोगे, और सब कुछ जो इसमें है, और तुम इसे पवित्र करोगे, और इसके सब बर्तनों को, और यह पवित्र होगा। और तुम भेंटों की वेदी का अभिषेक करोगे, और उसके सब बर्तनों का, और तुम वेदी को पवित्र करोगे, और वेदी परम पवित्र होगी। और तू हाखन और उसके पुत्रों को साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर लाएगा, और उनको जल से धोएगा। और तुम हाखन को पवित्र वस्त्र पहनाओगे, और तुम उसका अभिषेक करोगे, और तुम उसे पवित्र करोगे, और वह मेरे लिए याजक का काम करेगा। और तुम उसके पुत्रों को लाओगे, और तुम उन्हें अंगरखे पहनाओगे। और तू उनका अभिषेक करेगा जिस तरीके से तूने उनके पिता का अभिषेक किया था, और वे मेरे लिए याजक की सेवा करेंगे, और यह होगा ताकि उनके लिए

याजकपद का अभिषेक युगानुयुग तक, उनकी पीढ़ियों तक बना रहे। और मूसा ने वह सब किया जो प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, उसने वैसा ही किया।

और ऐसा हुआ कि पहले महीने में, दूसरे वर्ष में, उनके मिस्र से निकलने के समय, नए चाँद पर तम्बू खड़ा किया गया। और मूसा ने तंबू को खड़ा किया, और राजधानियों को रखा, और छड़ों को डाला, और स्तंभों को खड़ा किया। और उसने तम्बू पर पर्दों को फैलाया, और तम्बू के आवरण को उस पर ऊपर से रखा, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और गवाहियाँ लेकर संदूक में डाला, और डंडों को संदूक के नीचे रखा। और उसने सन्दूक को तम्बू में लाया, और पर्दों का आवरण रखा, और साक्षी के सन्दूक को ढाँका, जिस रीति से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, और उसने साक्ष्य के तम्बू में मेज़ को उत्तर की ओर, तम्बू के पर्दों के बाहर रखा। और उसने उस पर भेंट की रोटियाँ प्रभु के सामने रखीं, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था। और उसने दीवट को गवाही के तम्बू में, तम्बू की दक्षिण दिशा की ओर रखा। और उसने उसके दीपक प्रभु के सामने रखे, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उसने सुनहरी वेदी को गवाही के तम्बू में पर्दों के सामने रखा, और उसने उस पर संयोजन की धूप जलाई, जैसे प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उसने भेंट की वेदी को तम्बू के द्वार के पास रखा।

गिनती

1

और प्रभु ने मूसा से सीनै के जंगल में, गवाही के तंबू में, दूसरे महीने की पहली तारीख को, दूसरे वर्ष में, उनके मित्र की भूमि से निकलने के बाद, कहा, इस्राएल की सम्पूर्ण सभा का आरंभ लो, कुल के अनुसार, उनके पूर्वजों के घरानों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिरों के अनुसार। सभी पुरुष बीस वर्ष के और उससे ऊपर के, सभी जो इस्राएल की सेना में निकलते हैं, उनको उनकी सेना के साथ गिनो, तुम और हारून उनको गिनो। और आपके साथ प्रत्येक कबीले के अनुसार शासक होंगे, वे पैतृक घरानों के अनुसार होंगे।

और ये उन पुरुषों के नाम हैं जो तुम्हारे साथ खड़े होंगे: रुबेन के लिए, एलिसूर जो शदेऊर का पुत्र है, शिमोन के, शलूमीएल पुत्र सूरीशदै का। यहूदा में, नाहशोन अम्मीनादाब का पुत्र था। इस्राएल में से, नथानेल जो सोगार का पुत्र था, ज़बूलून के, एलियाब जो हेलोन का पुत्र है, यूसुफ़ के पुत्रों में से एफ़्राईम के, एलीशामा जो अम्मीहूद का पुत्र है, मनश्शे के, गमलीएल जो फ़दासूर का पुत्र है। बिन्यामीन का अबीदान, गिदोनी का पुत्र। दान के, अखीएज़ेर अम्मीशदै का पुत्र। आशेर में से, फ़गाईएल, जो एक्रान का पुत्र है। ग़ाद के, एलीसाफ़ रागुएल का पुत्र। नफ़्ताली का अहीरे, जो ऐनान का पुत्र था। ये सभा के नामित शासक हैं, जो अपने परिवारों के अनुसार जनजातियों के और इस्राएल के सहस्रपति हैं।

और मूसा और हारून ने इन पुरुषों को लिया जो नाम से बुलाए गए थे। और उन्होंने दूसरे वर्ष के दूसरे महीने के पहले दिन में सारी सभा को एकत्र किया, और उनकी पीढ़ियों के अनुसार, उनके परिवारों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी पुरुषों को उनके सिर के अनुसार नामांकित किया गया। जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, और वे सीनै के जंगल में गिने गए।

और रुबेन के पुत्र, जो इस्राएल का प्रथमजात था, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिरों के अनुसार गिने गए, सब पुरुष बीस वर्ष के और उससे ऊपर के, सब जो सेना में जाने

योग्य थे। रूबेन के कबीले की उनकी जनगणना, छियालीस हजार पाँच सौ। शिमोन के पुत्रों के लिए, उनकी रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पैतृक घरानों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष की आयु और उससे अधिक के थे, सभी जो सेना में जाने योग्य थे, शिमोन के गोत्र से उनकी गिनती उनचास हजार तीन सौ थी।

यहूदा के पुत्रों को उनकी रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, हर वह जो सेना में जाने वाला था, यहूदा के गोत्र से उनकी गणना चौहतर हजार छः सौ थी।

इस्साकार के पुत्रों में से, उनके परिवारों के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, सभी जो सेना में जाने योग्य थे, इस्साकार के कबीले की उनकी गणना, चौवन हजार चार सौ। जबूलून के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के, हर वह जो सेना में जाने वाला था, जबूलून के कबीले से उनकी गणना, सात और पचास हजार और चार सौ।

युसुफ के पुत्रों में से एफ्राइम के पुत्रों को, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, हर वह जो सेना में जाने योग्य था, एफ्राइम के कबीले से उनकी गणना, चालीस हजार और पाँच सौ। मनश्शे के पुत्रों को, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष, बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, हर वह जो सेना में बाहर जाता है, मनश्शे के कबीले से उनकी गणना, बत्तीस हजार दो सौ। बिन्यामीन के पुत्रों को, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष के और उससे ऊपर, हर एक जो सेना में जाने वाला था, बिन्यामीन के कबीले की उनकी गणना पैंतीस हजार चार सौ थी। गाद के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों

की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, सभी जो सेना में जाने योग्य थे, उनकी गणना, गाद के जनजाति से, पैतालीस हजार छः सौ पचास।

दान के पुत्रों को उनकी रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार गिनती करते हुए, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, हर एक जो सेना में जाने योग्य था, दान कबीले की उनकी गणना, बासठ हजार सात सौ। आशेर के पुत्रों को, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, हर वह जो सेना में बाहर जाता है, आशेर जनजाति की उनकी गणना इकतालीस हजार पाँच सौ थी।

नफ्ताली के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार गिनती करते हुए, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, हर वह जो सेना में जाने योग्य था, नफ्ताली के गोत्र से उनकी जनगणना तिरपन हजार चार सौ थी।

यह वह गणना थी, जिसका निरीक्षण मूसा और हारून और इस्राएल के शासकों ने किया—बारह पुरुष, प्रत्येक कुल से एक पुरुष, पितरों के घरानों के कुल के अनुसार थे। और इस्राएल के पुत्रों की सारी गणना उनकी शक्ति के साथ बीस वर्ष और उससे ऊपर की आयु से हुई, अर्थात् इस्राएल में युद्ध के लिए निकलने वाला प्रत्येक व्यक्ति। छह सौ हजार और तीन हजार पाँच सौ पचास।

लेकिन लेवी अपने परिवार के गोत्र में से इस्राएल की संतानों में नहीं गिने गए। और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, लेवी के गोत्र की तुम गणना नहीं करोगे, और इस्राएल के पुत्रों के बीच में उनकी संख्या तुम नहीं लोगे। और तुम लेवियों को गवाही के तम्बू पर, और उसके सब बर्तनों पर, और जो कुछ उसमें है उस सब पर नियुक्त करो। वे तम्बू को और उसके सब बर्तनों को उठाएंगे, और वे उसमें सेवा करेंगे, और तम्बू के चारों ओर डेरा डालेंगे। और जब तंबू को हटाना हो, तो लेवी इसे नीचे उतारेंगे, और जब तंबू को स्थापित करना हो, तो वे इसे खड़ा करेंगे, और जो विदेशी पास आए वह मार डाला जाए। और इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे, प्रत्येक पुरुष अपने क्रम में, और प्रत्येक पुरुष अपने नेतृत्व के अनुसार, उनकी शक्ति

के साथ। परन्तु लेवी लोग साक्ष्य के तम्बू के चारों ओर सामने डेरा डालें, और इस्राएल के पुत्रों में पाप नहीं होगा। और लेवी लोग स्वयं साक्ष्य के तम्बू की रक्षा करेंगे। और इस्राएल के पुत्रों ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा और हारून को आज्ञा दी थी, उन्होंने वैसा ही किया।

2

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, प्रत्येक व्यक्ति अपने क्रम के अनुसार, अपने झंडे के अनुसार, अपने पितरों के घरों के अनुसार स्थित रहे; इस्राएल के पुत्र सामने डेरा डालें; गवाही के तम्बू के चारों ओर इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे। और जो पूर्व दिशा में पहले डेरा डालते हैं, यहूदा के शिविर की व्यवस्था अपनी शक्ति के साथ, और यहूदा के पुत्रों का शासक, नहशोन जो अमीनादाब का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षित लोग, चौहत्तर हजार छह सौ थे। और इस्राकार गोत्र के पास डेरा डालने वाले, और इस्राकार के पुत्रों का शासक, नथनेल सोगार का पुत्र। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, चार और पचास हजार और चार सौ थे। और ज़बूलून जनजाति के बगल में डेरा डालने वाले, और ज़बूलून के पुत्रों का शासक एलियाब, जो हेलोन का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, सत्तावन हजार चार सौ थे। यहूदा के शिविर से निरीक्षण किए गए सभी लोग, एक लाख अस्सी हजार छह सौ चार, अपनी शक्ति के साथ पहले निकलेंगे। रुबेन के शिविर के सेनादल दक्षिण की ओर उनकी शक्ति के साथ, और रुबेन के पुत्रों का शासक एलीसूर, जो शदेऊर का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षित लोग, छियालीस हजार पाँच सौ थे। और उसके कुल शिमोन के बगल में डेरा डालने वाले, और शिमोन के पुत्रों का शासक, शलूमीएल जो सूरीशदै का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, उनतालीस हजार तीन सौ थे। और उसके बगल में डेरा डालने वाले गाद का गोत्र, और गाद के पुत्रों का प्रधान, एलीसाफ जो रगूएल का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, पैतालीस हजार छह सौ पचास थे। रुबेन के शिविर के सब निरीक्षण किए गए, एक लाख पचास हजार चार सौ पचास, अपनी सेना के साथ दूसरे स्थान पर प्रस्थान करेंगे।

और साक्ष्य का तंबू उठाया जाएगा, और लेवियों का शिविर शिविरों के बीच में होगा। जैसे वे डेरा डालेंगे, वैसे ही वे निकलेंगे, प्रत्येक अपने नेतृत्व के अनुसार अपने स्थान पर रहते हुए। एफ्राइम के शिविर का दल समुद्र के पास अपनी सेना के साथ, और एफ्राइम के पुत्रों का प्रधान एलीशामा, जो एम्मीहूद का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग चालीस हजार पाँच सौ थे।

और मनश्शे कबीले के बगल में डेरा डालने वाले, और मनश्शे के पुत्रों का शासक, गमलीएल जो फदासूर का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, बत्तीस हजार दो सौ थे। और बिन्यामीन जनजाति के बगल में डेरा डालने वाले, और बिन्यामीन के पुत्रों का शासक, अबीदान, गिदोनी का पुत्र। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, पैंतीस हजार चार सौ थे। एफ्राइम के शिविर के सब निरीक्षण किए गए, एक लाख आठ हजार एक सौ, अपनी सेना के साथ तीसरे स्थान पर प्रस्थान करेंगे।

दान के शिविर का आदेश उत्तर की ओर अपनी सेना के साथ, और दान के पुत्रों का शासक, अहीएजेर जो अम्मीशद्वै का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षित, बासठ हजार सात सौ। और उसके बगल में डेरा डालने वाले आशेर का गोत्र, और आशेर के पुत्रों का शासक, फगीएल जो एक्रान का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षित लोग, एकतालीस हजार पाँच सौ थे। और नप्ताली गोत्र के पास डेरा डालने वाले, और नप्ताली के पुत्रों का शासक, अहीरे, जो ऐनान का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, तिरपन हजार चार सौ थे। दान के शिविर के सब निरीक्षण किए गए लोग, एक लाख सत्तावन हजार छह सौ, अपने क्रम के अनुसार अंतिम में प्रस्थान करेंगे।

यह इसराएल के पुत्रों की उनके पितरों के घरों के अनुसार गणना है, शिविरों की उनकी सेनाओं के साथ सब गणना, छह सौ हजार और तीन हजार पाँच सौ पचास। लेकिन लेवी उनमें साथ नहीं गिने गए, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और इस्राएल के पुत्रों ने वह सब किया जितना प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, इस प्रकार उन्होंने अपनी व्यवस्था के अनुसार डेरा डाला, और इस प्रकार प्रत्येक अपने कुल के अनुसार, अपने पितरों के घरानों के अनुसार साथ लगे हुए कूच किया।

3

और ये हारून और मूसा की पीढ़ियाँ हैं, उस दिन में जब प्रभु ने सीनै पर्वत पर मूसा से बात की। और ये हारून के पुत्रों के नाम हैं: पहलौठा नादाब, और अबीहू, एलाजार, और ईतामार। ये हारून के पुत्रों के नाम हैं, वे याजक जो अभिषिक्त किए गए थे, जिनके हाथों को याजक सेवा करने के लिए पूर्ण किया गया था। और नदाब और अबीहू प्रभु के सामने मर गए, जब वे प्रभु के सामने विदेशी आग चढ़ा रहे थे, सीनै के जंगल में, और उनके कोई बच्चे नहीं थे, और एलाजार और ईतामार ने अपने पिता हारून के साथ याजक का काम किया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, लेवी के गोत्र को लो, और उन्हें हारून याजक के सामने खड़ा करो, और वे उसकी सेवा करेंगे, और वे उसकी रखवाली करेंगे, और इस्राएल के पुत्रों की रखवाली साक्ष्य के तम्बू के सामने करेंगे, तम्बू के कार्यों को करने के लिए। और वे गवाही के तंबू के सब बर्तनों की रक्षा करेंगे, और इस्राएल के पुत्रों के लिए तंबू के सब कामों के अनुसार पहरा देंगे। और तू लेवियों को हारून और उसके पुत्रों को, जो याजक हैं, सौंपेगा; ये इस्राएल के पुत्रों में से मुझे उपहार के रूप में दिए गए हैं। और तुम हारून और उसके पुत्रों को साक्ष्य के तम्बू पर नियुक्त करोगे, और वे अपने पुरोहित पद की रक्षा करेंगे, और वेदी से संबंधित सब कुछ, और पर्दे के भीतर की सब बातें; और जो विदेशी छुएगा वह मर जाएगा। और प्रभु ने मूसा से कहा, और देखो, मैंने इस्राएल के पुत्रों के बीच से लेवियों को लिया है, उन सब पहलौठों के बदले में जो गर्भ को खोलते हैं, इस्राएल के पुत्रों में से; वे उनका छुटकारा होंगे, और लेवी मेरे होंगे। मेरे लिए हर पहलौठा है, क्योंकि जिस दिन मैंने मित्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, मैंने इस्राएल में हर पहलौठे को अपने लिए पवित्र किया, मनुष्य से लेकर पशु तक वे मेरे होंगे, मैं प्रभु हूँ।

और प्रभु ने मूसा से सैनी के जंगल में कहा, लेवी के पुत्रों को उनके पितरों के घरों के अनुसार और उनके कुलों के अनुसार गिनो; हर एक पुरुष को जो एक महीने का और उससे अधिक आयु का हो, उनको गिनो। और मूसा और हारून ने प्रभु की आवाज के माध्यम से उनका निरीक्षण किया, जिस तरीके से प्रभु ने उनको आदेश दिया था।

और ये लेवी के पुत्र थे उनके नामों से: गेदसोन, काअथ, और मेरारी। और ये गेशोन के पुत्रों के नाम उनके कुलों के अनुसार हैं: लोबेनी और शिमी। और कहात के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: अग्राम और इसाकार, हेब्रोन और उज्जीएल। और मेरारी के पुत्र उनके कुलों के अनुसार, मूली और मूशी, ये लेवियों के कुल हैं उनके पितरों के घरानों के अनुसार। गेदसोन को लोबेनी के लोग, और शिमेई के लोग, ये गेदसोन के लोग हैं। उनकी गणना सभी पुरुषों की संख्या के अनुसार एक महीने की उम्र से और उससे ऊपर, उनकी गणना, सात हजार पांच सौ थी। और गेदसोन के पुत्र तम्बू के पीछे समुद्र के पास डेरा डालेंगे। और गेदसोन के लोगों के परिवारों के घर का शासक, दाएल का पुत्र एलिसाफ था। और गेदसोन के पुत्रों का पहरा गवाही के तंबू में था, तंबू और आवरण, और गवाही के तंबू के द्वार का आवरण, और आँगन के पर्दे, और आँगन के द्वार का पर्दा जो तम्बू पर था, और उसके सब कार्यों के बचे हुए भाग।

कोहाथ के: अग्राम का कुल एक, और इसाकार का कुल एक, और हेब्रोन का कुल एक, और उज्जीएल का कुल एक। ये कोहाथ के कुल हैं, संख्या के अनुसार। प्रत्येक पुरुष

जो एक महीने का और उससे अधिक आयु का हो, आठ हजार छह सौ, जो पवित्र स्थान की रक्षा करते थे। कहात के पुत्रों के कुल तम्बू की दक्षिण दिशा में डेरा डालेंगे। और कोहाथ के कुलों के पितरों के घराने का प्रधान एलीसाफान था, जो उज्जीएल का पुत्र था।

और उनका पहरा संदूक, और मेज, और दीवट, और वेदियाँ, और पवित्र स्थान के बर्तन जिनसे वे सेवा करते हैं, और आवरण, और उनके सब काम थे। और लेवियों के शासकों पर शासक, एलाज़ार जो हाखन याजक का पुत्र था, पवित्र वस्तुओं के पहरेदारों की रक्षा करने के लिए नियुक्त किया गया था। मेरारी के मूली कुल और मूसी कुल, ये मेरारी के कुल हैं। उनकी गणना संख्या के अनुसार, एक महीने और उससे अधिक आयु का हर पुरुष, छह हजार पचास। और मेरारी के लोगों के पितरों के घराने का शासक, अबीहैल का पुत्र सूरीएल, तम्बू की बगल में उत्तर की ओर डेरा डालेगा। मेरारी के पुत्रों के पहरे की गणना: तम्बू के शीर्ष, उसके बेंड़े, उसके खम्भे, उसके आधार, उनके सब बर्तन, और उनके काम। और आंगन के स्तंभों को चारों ओर, और उनके आधारों को, और खूंटों को, और उनकी रस्सियों को।

वे जो साक्षी के तम्बू के सामने पूर्व दिशा से डेरा डालते हैं, मूसा और हाखन और उसके पुत्र, इस्राएल के पुत्रों की रक्षा के लिए पवित्र स्थान की रक्षा करते हुए, और परदेशी जो छूएगा, वह मर जाएगा। लेवियों की सम्पूर्ण गणना, जिनकी गणना मूसा और हाखन ने प्रभु की आज्ञा से उनके कुलों के अनुसार की, अर्थात् एक महीने और उससे अधिक आयु के सभी पुरुष, बाईस हजार थे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों में से एक महीने और उससे अधिक आयु के हर पहलौठे नर की जांच करो, और नाम से उनकी संख्या लो। और तू लेवियों को मेरे लिए लेगा, मैं प्रभु हूँ, इस्राएल के पुत्रों के सब पहलौठों के स्थान पर, और लेवियों के मवेशी इस्राएल के पुत्रों के मवेशियों के सब पहलौठों के स्थान पर। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों में हर पहलौठे का दौरा किया, जिस तरीके से प्रभु ने आदेश दिया था। और सभी पहलौठे नर, जो एक महीने और उससे अधिक आयु के थे, नाम के अनुसार गिनती में आए, उनकी जनगणना के अनुसार बाईस हजार दो सौ तिहत्तर हुए। और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के सब पहलौठे पुत्रों के बदले में लेवियों को ले लो, और उनके पशुओं के बदले में लेवियों के पशु, और लेवी मेरे होंगे, मैं प्रभु हूँ। और तीन सौ तिहत्तर की छुड़ौती, जो लेवियों से अधिक थे, इस्राएल के पुत्रों के पहलौठों में से, और तुम प्रति सिर पाँच शेकेल लोगे, पवित्र दिद्राखा के अनुसार, शेकेल के बीस ओबोल। और तुम चाँदी हाखन और उसके पुत्रों को दोगे, उनमें से अधिक होने वालों की छुड़ौती। और मूसा ने उन अधिक लोगों की फिरौती की

चांदी ली, जो लेवियों के छुटकारे में थे। इसराएल के पुत्रों के प्रथमजातों में से उसने चाँदी ली, एक हजार तीन सौ पैसठ शेकेल, पवित्र शेकेल के अनुसार। और मूसा ने उन अधिक लोगों की छुड़ौती हारून और उसके पुत्रों को दी, प्रभु की आवाज़ के द्वारा, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

4

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, लेवी के पुत्रों के बीच से कहात के पुत्रों की गणना लो, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, पच्चीस वर्ष से लेकर पचास वर्ष तक, हर वह जो प्रवेश करता है सेवा करने के लिए, साक्ष्य के तम्बू में सब कार्य करने के लिए।

और ये कहात के पुत्रों के काम साक्ष्य के तंबू में हैं, परम पवित्र। और हारून और उसके पुत्र प्रवेश करेंगे जब शिविर हटाया जाएगा, और वे ढकने वाले पर्दे को उतारेंगे, और उससे साक्षी के संदूक को ढकेंगे, और वे इस पर नीले चमड़े का आवरण रखेंगे, और वे इस पर ऊपर से संपूर्ण नीला वस्त्र फैलाएंगे, और वे डंडों को डालेंगे।

और उस मेज़ पर जो सामने रखी हुई है, वे उस पर पूर्णतः बैंगनी वस्त्र बिछाएंगे, और कटोरे, और धूपदान, और प्याले, और अर्घपात्र जिनमें वह अर्घ डालता है, और वह रोटियाँ जो निरंतर उस पर रहेंगी। और वे उस पर लाल वस्त्र बिछाएंगे, और उसे नीले चमड़े के आवरण से ढकेंगे, और उसके डंडों को उसमें डालेंगे। और वे नीला वस्त्र लेंगे और प्रकाश देनेवाले दीपक को और उसके दीपकों को और उसके चिमटों को और उसके डालने के पात्रों को और तेल के सब पात्रों को, जिनसे वे उनमें सेवा करते हैं, ढकेंगे। और वे इसे और इसके सभी बर्तनों को नीले चमड़े के आवरण में डालेंगे, और इसे डंडों पर रखेंगे। और सुनहरी वेदी पर वे नीला वस्त्र ढकेंगे, और वे इसे नीले चमड़े के आवरण से ढकेंगे, और वे इसके डंडे लगाएंगे।

और वे सभी सेवा के बर्तनों को लेंगे, जिनसे वे पवित्र स्थानों में सेवा करते हैं, और उन्हें नीले वस्त्र में डालेंगे, और उन्हें नीले चमड़े के आवरण से ढकेंगे, और उन्हें डंडों पर रखेंगे। और वह आवरण को वेदी पर रखेगा, और वे उसे पूर्णतः बैंगनी वस्त्र से ढकेंगे। और वे उस पर सभी बर्तन रखेंगे जिनसे वे उस पर उनमें सेवा करते हैं, और अग्निपात्र, और मांस के काँटे, और कटोरे, और ढकने वाला, और वेदी के सभी बर्तन, और वे उस पर नीला चमड़े का ढकना

डालेंगे, और वे उसके डंडे डालेंगे, और वे बैंगनी वस्त्र लेंगे, और वे हौद और उसके आधार को ढकेंगे, और वे उसे नीले चमड़े के ढकने में डालेंगे, और वे डंडों पर रखेंगे। और हारून और उसके पुत्र पवित्र वस्तुओं को ढकने का काम पूरा करेंगे, और सभी पवित्र बर्तनों को, जब शिविर को उठाया जाए, और इसके बाद कहात के पुत्र उठाने के लिए प्रवेश करेंगे, और वे पवित्र वस्तुओं को नहीं छुएंगे, ताकि वे मर न जाएं, ये वस्तुएं कहात के पुत्र साक्ष्य के तंबू में उठाएंगे।

निरीक्षक एलियाज़र, जो पुजारी आरोन का पुत्र है, प्रकाश का तेल, और संयोजन की धूप, और दैनिक बलिदान, और अभिषेक का तेल, संपूर्ण तंबू का निरीक्षण, और जो कुछ इसमें है पवित्र स्थान में, सभी कार्यों में।

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, कहात कबीले के लोगों को लेवियों के बीच से नष्ट मत करो। यह उनके लिए करो, और वे जीवित रहेंगे और नहीं मरेंगे, जब वे परम पवित्र वस्तुओं के पास आएंगे, तो हारून और उसके पुत्र पास आएंगे, और वे उनमें से प्रत्येक को उसके कार्य के अनुसार नियुक्त करेंगे। और वे अचानक पवित्र वस्तुओं को देखने के लिए प्रवेश न करें, अन्यथा वे मर जाएंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, गेदसोन के पुत्रों की गणना आरंभ करो, और इन्हें उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार गिनो। पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, उन सभी की जाँच करो जो प्रवेश करते हैं सेवा करने के लिए, गवाही के तम्बू में अपना काम करने के लिए। यह गेदसोन के लोगों की सेवकाई है, सेवा करना और उठाना। और वह तम्बू की खालें उठाएगा, और साक्ष्य के तम्बू को, और उसके आवरण को, और नीले रंग के आवरण को जो उसके ऊपर है, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार के आवरण को, और आँगन के पर्दे, जो साक्ष्य के तम्बू पर हैं, और शेष वस्तुएँ, और सभी सेवा के बर्तन जिनसे वे सेवा करते हैं, उन्हें वे बनाएँगे। हारून और उसके पुत्रों के मुख के अनुसार गेदसोन के पुत्रों की सेवकाई होगी, उनकी सब सेवकाई के अनुसार और उनके सब कार्यों के अनुसार, और तुम उन्हें नाम से निरीक्षण करोगे, सब जो उनके द्वारा तैयार किया जाता है। यह गेदसोन के पुत्रों की सेवकाई गवाही के तम्बू में है, और उनका पहरा याजक आरोन के पुत्र इथामार के हाथ में है।

मेरारी के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार गिनो। पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक उनका निरीक्षण करो, वे सब जो

साक्षी के तम्बू के कार्यों की सेवा करने के लिए प्रवेश करते हैं। और ये उन लोगों की रक्षा-व्यवस्थाएँ हैं जो साक्षी के तम्बू में अपने सभी कार्यों के अनुसार इन्हें उठाते हैं: तम्बू के शीर्ष, छड़ें, उसके स्तम्भ, उसके आधार, आवरण, उनके आधार, उनके स्तम्भ, और तम्बू के द्वार का आवरण। और आंगन के चारों ओर के स्तंभों को, और उनके आधारों को, और आंगन के द्वार के पदों के स्तंभों को, और उनके आधारों को, और उनकी खूंटियों को, और उनकी रस्सियों को, और उनके सब बर्तनों को, और उनकी सेवा की सब वस्तुओं को, नामों से गिनो, और उनके द्वारा उठाई जाने वाली रखवाली के सब बर्तनों को। यह मरारी के पुत्रों के लोगों की सेवा है, उनके सब कार्यों में, साक्षी के तम्बू में, हारून याजक के पुत्र ईतामार के हाथ में।

और मूसा, हारून और इस्राएल के शासकों ने कहात के पुत्रों का निरीक्षण किया, उनके कुलों के अनुसार और उनके पितरों के घरानों के अनुसार। से पाँच और बीस वर्ष पुराना और ऊपर तक पचास वर्ष पुराना, सब और उनकी गणना उनके कुलों के अनुसार हुई, दो हजार सात सौ पचास। यह काहाथ के लोगों की गणना है, सभी जो साक्ष्य के तम्बू में सेवा करते हैं, जैसा कि मूसा और हारून ने प्रभु की आज्ञा से, मूसा के द्वारा गिना।

और गेदसोन के पुत्रों की गिनती उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार की गई, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, हर वह व्यक्ति जो गवाही के तम्बू में सेवा करने और कार्य करने के लिए प्रवेश करता है। और उनकी गणना उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, दो हजार छह सौ तीस हुई। यह गणना लोगों के गेदसोन के पुत्रों का, सब सेवा करने वाला में तम्बू का साक्षी का, जिनको गिना मूसा और हारून के द्वारा आवाज़ का प्रभु का

मरारी के पुत्रों के लोग भी उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार गिने गए, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, हर वह व्यक्ति जो साक्ष्य के तम्बू के कार्यों की सेवा करने के लिए प्रवेश करता है। और उनकी गणना उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, तीन हजार दो सौ हुई। यह मरारी के पुत्रों की गणना है, जिन्हें मूसा और हारून ने प्रभु की आज्ञा से, मूसा के द्वारा गिना। सभी निरीक्षण किए गए, जिनका निरीक्षण मूसा और हारून और इस्राएल के शासकों ने लेवियों का किया, उनके कुलों और उनके पितरों के घरानों के अनुसार, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, हर वह व्यक्ति जो कामों के काम में प्रवेश करता है, और वे काम जो गवाही के तंबू में उठाए जाते हैं। और गिने गए लोग आठ हजार पांच सौ अस्सी हुए। प्रभु की आवाज़ के माध्यम से मूसा के हाथ में उनकी देखभाल की गई, प्रत्येक पुरुष को उनके कार्यों

के अनुसार, और उन चीजों के अनुसार जो वे उठाते हैं, और वे गिने गए, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था।

5

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो कि वे शिविर से सब कोढ़ियों को, सब स्राव वालों को, और सब अशुद्ध लोगों को बाहर भेज दें। पुरुष से लेकर स्त्री तक, उन्हें शिविर के बाहर भेज दो, और वे अपने शिविरों को अपवित्र नहीं करेंगे, जिनमें मैं उनके बीच निवास करता हूँ। और इस्राएल के पुत्रों ने इस प्रकार किया, और उन्होंने उनको शिविर के बाहर भेजा, जैसा प्रभु ने मूसा से कहा था, इस प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने किया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, कहते हुए: पुरुष या स्त्री, जो कोई भी सभी मानवीय पापों में से कोई पाप करे, और जानबूझकर अनदेखा करे और अपराध करे, तो वह आत्मा दोषी है। वह उस पाप को स्वीकार करेगा जो उसने किया था, और अपराध का मूल भाग वापस देगा, और उसका पांचवां हिस्सा उस पर जोड़ेगा, और जिसके विरुद्ध उसने अपराध किया था उसे वापस देगा। यदि उस आदमी का कोई बदला लेने वाला न हो, ताकि उसे वह अपराध लौटाया जाए, तो वह अपराध जो लौटाया जाता है, प्रभु को दिया जाएगा और याजक का होगा, प्रायश्चित के मेढ़े के अतिरिक्त, जिसके द्वारा उसके लिए प्रायश्चित किया जाएगा।

और इस्राएल के पुत्रों में सब पवित्र चीजों के अनुसार सभी प्रथम फल, जितने वे प्रभु को लाएं, याजक के लिए होंगे। और प्रत्येक की पवित्र की गई वस्तुएँ उसकी होंगी, और जो पुरुष पुजारी को देगा, वह उसका होगा।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोल, और तू उनसे कहेगा, यदि किसी पुरुष की स्त्री भटक जाए, और तिरस्कार करके उसे अनदेखा करे, और यदि कोई उसके साथ बीज के बिस्तर पर सोए, और यह उसके पति की आँखों से छिपा रहे, और उसने छिपाया, और वह अपवित्र हो गई हो, और उसके साथ कोई गवाह नहीं था, और वह पकड़ी नहीं गई हो, और उस पर ईर्ष्या की आत्मा आए, और वह अपनी पत्नी से ईर्ष्या करे, और वह अपवित्र हो गई हो, या उस पर ईर्ष्या की आत्मा आए, और वह अपनी पत्नी से ईर्ष्या करे, और वह अपवित्र न हुई हो, और वह पुरुष अपनी स्त्री को पुजारी के पास ले जाएगा, और उसके विषय में भेंट लाएगा, एपा का दसवां भाग जौ का आटा, वह उस पर तेल नहीं डालेगा, और

न उस पर लोबान रखेगा, क्योंकि यह ईर्ष्या का बलिदान है, स्मरण का बलिदान, जो पाप को याद दिलाता है।

और पुजारी उसे लाएगा, और उसे प्रभु के सामने खड़ा करेगा। और याजक शुद्ध जीवित जल को मिट्टी के पात्र में लेगा, और साक्षी के तम्बू की फर्श पर की भूमि को लेकर याजक उस जल में डालेगा। और पुजारी उस स्त्री को प्रभु के सामने खड़ा करेगा, और उस स्त्री के सिर को खोलेगा, और उसके हाथों पर स्मरण का बलिदान, ईर्ष्या का बलिदान देगा, लेकिन पुजारी के हाथ में इस शापित फटकार का पानी होगा। और पुजारी उसे शपथ दिलाएगा, और स्त्री से कहेगा, यदि कोई तेरे साथ नहीं सोया है, यदि तूने अपने पति के अधीन अशुद्ध होकर अपराध नहीं किया है, तो तू इस शापित परीक्षा के जल से निर्दोष है। यदि किन्तु तू विवाहित होते हुए उल्लंघन किया है, या अपवित्र की गई है, और तेरे पति के अतिरिक्त किसी अन्य ने तुझे अपनी शय्या दी है, और याजक इस शाप की शपथों में स्त्री को शपथ दिलाएगा, और याजक स्त्री से कहेगा, प्रभु तुझे तेरे लोगों के बीच में शाप और शपथ में डाले, जब प्रभु तेरी जांघ को गिरा दे और तेरे पेट को सुजा दे। और यह शापित पानी तेरे पेट में प्रवेश करेगा, पेट को फुलाने के लिए और तेरी जांघ को गिराने के लिए, और स्त्री कहेगी, हो जाए, हो जाए।

और पुजारी इन शापों को पुस्तक में लिखेगा, और शाप के कड़वे जल में मिटा देगा। और वह स्त्री को फटकार का शापित जल पिलाएगा, और फटकार का शापित जल उसमें प्रवेश करेगा।

और पुजारी स्त्री के हाथ से ईर्ष्या का बलिदान लेगा, और उस बलिदान को प्रभु के सामने रखेगा, और उसे वेदी की ओर लाएगा। और पुजारी बलिदान में से उसका स्मारक भाग लेगा, और उसे वेदी पर चढ़ाएगा, और इसके बाद वह स्त्री को जल पिलाएगा। और ऐसा होगा कि यदि वह अपवित्र है और यह बात उसके पति से छिपी रह जाए, और शापित फटकार का जल उसमें प्रवेश करेगा, तो उसका पेट फूल जाएगा और उसकी जांघ गिर जाएगी, और वह स्त्री अपने लोगों के बीच शाप बन जाएगी। यदि वह स्त्री अशुद्ध नहीं हुई हो, और शुद्ध हो, तो वह निर्दोष होगी और संतान उत्पन्न करेगी। यह ईर्ष्या का कानून है, जब कोई विवाहित स्त्री भटक जाए और अपवित्र हो जाए। या वह पुरुष जिस पर यदि ईर्ष्या की भावना आ जाए और वह अपनी पत्नी से ईर्ष्या करे, और अपनी पत्नी को प्रभु के सामने खड़ा करे, तो पुजारी उसके लिए यह सम्पूर्ण विधि पूरी करेगा। और वह पुरुष पाप से निर्दोष होगा, और वह स्त्री अपना पाप लेगी।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, और तुम उनसे कहोगे, कोई पुरुष या स्त्री, जो प्रभु के लिए पवित्रता की प्रतिज्ञा करने हेतु बहुत बड़ी प्रतिज्ञा करे, वह शराब और मादक पेय से शुद्ध रहेगा, और शराब का सिरका और मादक पेय का सिरका नहीं पिएगा, और जो कुछ अंगूर से उत्पन्न होता है नहीं पिएगा, और ताजा अंगूर और किशमिश नहीं खाएगा, अपनी मन्नत के सब दिनों में। अंगूर की बेल से जितनी भी चीजें बनती हैं, दाखरस से लेकर अंगूर की खाल और अंगूर के बीज तक, शुद्धिकरण के सभी दिनों में वह नहीं खाएगा। उस्तरा उसके सिर पर नहीं आएगा, जब तक वे दिन पूरे न हों जितने उसने प्रभु से मन्नत मानी थी। वह पवित्र होगा, अपने सिर के सभी बालों को बढ़ाते हुए प्रभु की मन्नत के सभी दिनों में। किसी भी मृत व्यक्ति के पास वह प्रवेश नहीं करेगा, न पिता के पास और न माता के पास। और भाई और बहन के लिए, वह उनके मरने पर उनके द्वारा अशुद्ध नहीं होगा, क्योंकि परमेश्वर की उसकी प्रतिज्ञा उसके सिर पर है।

उसकी प्रार्थना के सब दिनों में वह प्रभु के लिए पवित्र होगा। यदि कोई उसके पास अचानक मर जाए, तो तुरंत उसकी मन्नत का सिर अशुद्ध हो जाएगा, और जिस दिन वह शुद्ध किया जाए, उस सातवें दिन वह अपना सिर मुंडवाएगा। और आठवें दिन वह दो कबूतर या कबूतरों के दो बच्चे गवाही के तंबू के द्वार पर पुजारी के पास लाएगा।

और पुजारी पाप के लिए एक और होमबलि के लिए एक चढ़ाएगा, और पुजारी उसके लिए प्रायश्चित्त करेगा जो उसने आत्मा के विषय में पाप किया, और उस दिन उसके सिर को पवित्र करेगा, जो प्रभु के लिए पवित्र किया गया था, मन्नत के दिनों को और वह एक वर्ष का मेमना अपराध बलि के लिए लाएगा, और वे पूर्व के दिन निरर्थक हो जाएंगे, क्योंकि उसकी मन्नत का सिर अशुद्ध हो गया था।

और यह उस व्यक्ति का नियम है जिसने मन्नत मानी है: जिस दिन वह अपनी मन्नत के दिन पूरे करे, वह स्वयं साक्षी के तम्बू के द्वार पर लाएगा। और वह अपना उपहार प्रभु को लाएगा: होम बलि के लिए एक वर्ष का एक निर्दोष मेमना, और पाप के लिए एक वर्ष की एक निर्दोष मेमना, और उद्धार के लिए एक निर्दोष मेढ़ा। और बिना खमीर की टोकरी, महीन आटे की रोटियाँ जो तेल में मिलाई गई हों, और बिना खमीर की पतली रोटियाँ जो तेल से लगाई गई हों, और उनका बलिदान, और उनकी पेय-बलि। और याजक प्रभु के सामने लाएगा, और उसके पाप के विषय में करेगा, और उसका होम बलि चढ़ाएगा। और वह मेढ़े

को प्रभु के लिए मोक्ष का बलिदान बनाएगा, बिना खमीर की रोटी की टोकरी पर, और याजक उसका बलिदान और उसका पेय-बलि चढ़ाएगा। और मन्त करने वाला साक्ष्य के तम्बू के द्वारों के पास अपनी मन्त के सिर को मुंडवाएगा, और बालों को उस आग पर रखेगा, जो मुक्ति के बलिदान के नीचे है।

और याजक मेढ़े से उबली हुई भुजा, टोकरी से एक बिना खमीर की रोटी, और एक बिना खमीर का चपटा रोटी लेगा, और मन्त करने वाले के हाथों पर रखेगा, उसके अपनी मन्त के अनुसार मुंडवाने के बाद। और पुजारी उनको प्रभु के सामने आच्छादन के रूप में लाएगा, यह पुजारी के लिए पवित्र होगा, छाती की भेंट और भुजा की उठाने की भेंट के साथ, और इसके बाद मन्त करने वाला दाखरस पीएगा। यह उस व्यक्ति का कानून है जिसने प्रार्थना की है, जो प्रभु को अपना उपहार प्रतिज्ञा के विषय में प्रभु को देने की प्रतिज्ञा करे, उसके अतिरिक्त जो उसका हाथ पा सके, उसकी प्रतिज्ञा की शक्ति के अनुसार, जो उसने शुद्धता के कानून के अनुसार प्रतिज्ञा की हो।

और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून और उसके पुत्रों से बोलो, कहते हुए, इस प्रकार तुम इस्राएल के पुत्रों को आशीर्वाद दोगे, उनसे कहते हुए, प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें। प्रभु अपना चेहरा तुम पर चमकाए, और तुम पर दया करे। प्रभु अपना चेहरा तुम पर उठाए, और तुम्हें शांति दे। और वे मेरा नाम इस्राएल के पुत्रों पर रखेंगे, और मैं प्रभु उन्हें आशीर्वाद दूंगा।

7

और ऐसा हुआ कि जिस दिन मूसा ने तंबू को खड़ा करने का काम पूरा किया, उसने उसका अभिषेक किया और उसे पवित्र किया, और उसके सब बर्तनों का, और वेदी का, और उसके सब बर्तनों का अभिषेक किया और उन्हें पवित्र किया। और इस्राएल के शासकों ने भेंट चढ़ाई, उनके पूर्वजों के घरानों के बारह शासक, ये कबीलों के शासक, ये निरीक्षण के लिए नियुक्त थे। और उन्होंने अपना उपहार प्रभु के सामने लाया, छः ढकी हुई गाड़ियाँ और बारह बैल, दो प्रधानों से एक गाड़ी, और प्रत्येक से एक बछड़ा, और उन्होंने तम्बू के सामने लाया। और प्रभु ने मूसा से कहा, उनसे ले लो, और वे साक्षी के तम्बू की सेवकाई के कार्यों के लिए होंगे, और तुम उन्हें लेवियों को दोगे, प्रत्येक को उसकी सेवकाई के अनुसार। और मूसा ने गाड़ियाँ और बैल लेकर उन्हें लेवियों को दिया। और उसने दो गाड़ियाँ और चार बैल गेदसोन के पुत्रों को उनकी सेवा के अनुसार दिए। और चार गाड़ियाँ और आठ बैल मरारी के पुत्रों को

उनकी सेवाओं के अनुसार दिए, अहरोन याजक के पुत्र ईतामार के द्वारा। और काथ के पुत्रों को नहीं दिया, क्योंकि उनके पास पवित्र स्थान की सेवा की वस्तुएं हैं, जिन्हें वे कंधों पर उठाएंगे।

और शासकों ने वेदी के समर्पण के लिए भेंट चढ़ाई, उस दिन जब उसका अभिषेक किया गया था, और शासकों ने अपने उपहार वेदी के सामने चढ़ाए। और प्रभु ने मूसा से कहा, एक शासक प्रतिदिन, एक शासक प्रतिदिन वेदी के समर्पण के लिए अपने उपहार लाएंगे।

और जो पहले दिन में अपना उपहार चढ़ा रहा था, वह नहशोन था, अमीनादाब का पुत्र, यहूदा के गोत्र का प्रधान। और उसने अपना उपहार लाया: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का प्याला, सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए, बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में। और मोक्ष बलिदान के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच वर्षीय मेमने, यह नहशोन की भेंट थी जो अमीनादाब का पुत्र था।

दूसरे दिन, नथानेल, जो सोगार का पुत्र और इस्साकार जनजाति का शासक था, लाया। और उसने अपना उपहार लाया: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। बैलों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ; यह सोगार के पुत्र नथनएल की भेंट थी।

तीसरे दिन ज़बूलून के पुत्रों का शासक एलियाब, हेलोन का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए थे बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के

लिए। और उद्धार बलिदान के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच वर्षीय मेमने, यह खेलोन के पुत्र एलियाब की भेंट थी।

चाथे दिन रुबेन के पुत्रों का शासक, एलीसूर जो शदेऊर का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए, एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए। और उद्धार के बलिदान के लिए दो गायें, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह शदेऊर के पुत्र एलीसूर की भेंट थी।

पाँचवें दिन शिमोन के पुत्रों का शासक, सूरीशदै का पुत्र शलूमीएल। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिश्रित मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस शेकेल का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह सूरीसदै के पुत्र सलामिएल की भेंट थी।

छठे दिन गाद के पुत्रों का शासक, रागुएल का पुत्र एलियासाफ। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए थे बलिदान के लिए। धूपदान एक, दस सोने का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ; यह रागूएल के पुत्र एलीसाफ की भेंट थी।

सातवें दिन एफ्राइम के पुत्रों का शासक, एलीशामा अम्मीहूद का पुत्र। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा

पाप के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह अम्मीहूद के पुत्र एलीशामा की भेंट थी।

आठवें दिन मनश्शे के पुत्रों का शासक गमलीएल, फदस्सूर का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए, और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ। यह फदासूर के पुत्र गमलीएल की भेंट थी।

नवें दिन बिन्यामीन के पुत्रों का शासक अबीदान, जो गिदोनी का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का, पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए, बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह गिदोनी के पुत्र अबीदान की भेंट थी।

दसवें दिन दान के पुत्रों का शासक, अम्मीशहै का पुत्र अहीएजेर। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए थे बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह अम्मीशहै के पुत्र अहीएजेर की भेंट थी।

ग्यारहवें दिन आशेर के पुत्रों का शासक, एक्रान का पुत्र फागेएल। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। धूपदान एक, दस सोने का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में। और

उद्धार बलिदान के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच वर्षीय मेमने, यह एखरान के पुत्र फगेएल की भेंट थी।

बारहवें दिन नप्ताली के पुत्रों का शासक, ऐनान का पुत्र अहीरे। उसका उपहार: एक चांदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चांदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। धूपदान एक, दस सोने का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ। यह ऐनान के पुत्र अखीरे की भेंट थी।

यह वेदी का समर्पण उस दिन जब इसका अभिषेक किया गया, इस्राएल के पुत्रों के शासकों की ओर से: चाँदी के बारह कटोरे, चाँदी के बारह प्याले, सोने के बारह धूपदान। तीस और सौ शेकेल का एक कटोरा, और सत्तर शेकेल का एक प्याला, बर्तनों की सारी चांदी, दो हजार और चार सौ शेकेल, पवित्र शेकेल के अनुसार। बारह सुनहरे धूपदान धूप से भरे हुए थे, धूपदानों का सारा सोना एक सौ बीस शेकेल था। सब गायें जो होम बलि के लिए थीं, बारह बछड़े, बारह मेढ़े, बारह एक वर्ष के मेमने, और उनके अन्नबलि, और उनके अर्घ, और पाप बलि के लिए बकरियों में से बारह बकरे। शांति बलिदान के लिए सब गायें: चौबीस बछिया, साठ मेढ़े, साठ एक वर्षीय बकरे, साठ एक वर्षीय निर्दोष मेमने। यह वेदी का समर्पण था, उसके हाथों को भरने के बाद और उसका अभिषेक करने के बाद।

जब मूसा गवाही के तम्बू में उससे बात करने के लिए प्रवेश कर रहा था, तो उसने प्रभु की आवाज़ सुनी जो उससे दया आसन के ऊपर से बोल रही थी, जो गवाही के सन्दूक पर है, दो करुबों के बीच, और वह उससे बोल रहा था।

8

और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून से कहो, और तुम उससे कहोगे, जब भी तुम दीपकों को स्थापित करो, दीपदान के सामने की ओर से सातों दीपक प्रकाश देंगे। और अहरोन ने ऐसा ही किया, दीपक के सामने की ओर से उसके दीपकों को लटकाया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और यह दीपस्तंभ का निर्माण था, ठोस, सुनहरा, उसका डंठल, और

उसकी कुमुदिनी, संपूर्ण ठोस, उस रूप के अनुसार जो प्रभु ने मूसा को दिखाया था, इस प्रकार उसने दीपस्तंभ बनाया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, लेवियों को इस्राएल के पुत्रों के बीच से लो, और उन्हें शुद्ध करो। और इस प्रकार तू उनका शुद्धिकरण करेगा, तू उन पर शुद्धिकरण का जल छिड़केगा, और उनके सारे शरीर पर उस्तरा फिरेगा, और वे अपने वस्त्र धोएंगे, और वे शुद्ध होंगे।

और वे मवेशियों में से एक बछड़ा लेंगे, और इसके साथ बलिदान के लिए तेल में मिलाया हुआ मैदा, और मवेशियों में से एक वर्ष का बछड़ा तू पाप बलि के लिए लेगा। और तू लेवियों को साक्ष्य के तम्बू के सामने लाएगा, और तू इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा को इकट्ठा करेगा। और तुम लेवियों को प्रभु के सामने लाओगे, और इस्राएल के पुत्र अपने हाथ लेवियों पर रखेंगे, और हारून लेवियों को इस्राएल के पुत्रों में से प्रभु के सामने भेंट के रूप में अलग करेगा, और वे प्रभु के कामों को करने के लिए होंगे। और लेवी लोग बछड़ों के सिरों पर अपने हाथ रखेंगे, और तू एक को पापबलि के लिए और एक को प्रभु के लिए होमबलि में चढ़ाएगा, उनके लिए प्रायश्चित्त करने के लिए।

और तू लेवियों को प्रभु के सामने, और हारून के सामने, और उसके पुत्रों के सामने खड़ा करेगा, और तू उनको प्रभु के सामने भेंट के रूप में अर्पित करेगा। और तू लेवियों को इस्राएल के पुत्रों के बीच से पृथक करेगा, और वे मेरे होंगे। और इन बातों के बाद लेवी गवाही के तंबू के कामों को करने के लिए प्रवेश करेंगे, और तुम उन्हें शुद्ध करोगे, और तुम उन्हें प्रभु के सामने अर्पित करोगे। क्योंकि ये भेंट के रूप में मुझे दिए गए हैं इस्राएल के पुत्रों के बीच से, सब गर्भ खोलने वाले पहलौठों के बदले, इस्राएल के सब पुत्रों में से मैंने उन्हें अपने लिए लिया है। क्योंकि इस्राएल के पुत्रों में हर पहलौठा, मनुष्यों से लेकर पशुओं तक, मेरा है, जिस दिन मैंने मिश्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, मैंने उन्हें अपने लिए पवित्र किया। और मैंने इस्राएल के पुत्रों के सभी पहलौठों के बदले में लेवियों को ले लिया। और मैंने लेवियों को हारून और उसके पुत्रों को भेंट के रूप में दिया, इस्राएल के पुत्रों के बीच से, ताकि वे इस्राएल के पुत्रों के कामों को गवाही के तम्बू में करें, और इस्राएल के पुत्रों के लिए प्रायश्चित्त करें, और इस्राएल के पुत्रों में कोई पवित्र वस्तुओं के निकट आने वाला न हो।

और मूसा और हारून और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा ने लेवियों के साथ वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा को लेवियों के विषय में आज्ञा दी थी, इस प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने उनके साथ किया। और लेवियों ने स्वयं को शुद्ध किया, और उन्होंने अपने वस्त्र धोए, और

हारून ने उन्हें प्रभु के सामने भेंट के रूप में चढ़ाया, और हारून ने उन्हें शुद्ध करने के लिए उनके विषय में प्रायश्चित्त किया। और इन बातों के बाद लेवी प्रवेश किए अपनी सेवा करने के लिए गवाही के तंबू में हारून के सामने, और उसके पुत्रों के सामने, जैसा प्रभु ने मूसा को लेवियों के विषय में आज्ञा दी थी, वैसा ही उन्होंने उनके साथ किया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, यह लेवियों के विषय में है, पच्चीस वर्ष और उससे अधिक आयु से, वे साक्ष्य के तम्बू में कार्य करने के लिए प्रवेश करेंगे। और पचास वर्ष की आयु से वह सेवकाई से अलग हो जाएगा, और वह अब काम नहीं करेगा। और उसका भाई गवाही के तंबू में सेवा करेगा, पहरे की रखवाली करने के लिए, परन्तु काम नहीं करेगा; इस प्रकार तुम लेवियों के साथ उनके पहरो में करोगे।

9

और प्रभु ने मूसा से सीनै के जंगल में दूसरे वर्ष में, उनके मिश्र की भूमि से निकलने के बाद, पहले महीने में कहा, मैंने कहा, और इस्राएल के पुत्र पास्का को उसके निर्धारित समय के अनुसार मनाएं। पहले महीने के चौदहवें दिन शाम की ओर, तुम इसे समयों के अनुसार, उसके नियम के अनुसार, और उसकी व्याख्या के अनुसार करोगे। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से कहा कि महीने के चौदहवें दिन के आरंभ में सीनै के जंगल में फसह मनाएं। जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, वैसा ही इस्राएल के पुत्रों ने किया।

और वे पुरुष आए जो मनुष्य की आत्मा के कारण अशुद्ध थे, और वे उस दिन फसह करने में सक्षम नहीं थे, और वे उसी दिन मूसा और हारून के सामने आए, और उन पुरुषों ने उससे कहा, हम मनुष्य के प्राण के कारण अशुद्ध हैं, तो क्या इसलिए हम इस्राएल के पुत्रों के बीच में प्रभु को उसके समय के अनुसार भेंट चढ़ाने से चूक जाएं? और मूसा ने उनसे कहा, यहाँ खड़े रहो, और मैं सुनूँगा कि प्रभु तुम्हारे विषय में क्या आदेश देगा। और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, कहते हुए: कोई भी मनुष्य जो मनुष्य की आत्मा पर अशुद्ध हो जाए, या तुमसे दूर मार्ग में हो, या तुम्हारी पीढ़ियों में हो, वह प्रभु के लिए फसह को दूसरे महीने के चौदहवें दिन में करेगा। वे इसे शाम की ओर करेंगे, बेखमीरी रोटी और कड़वी जड़ी-बूटियों के साथ वे इसे खाएंगे। वे उसमें से सुबह तक कुछ नहीं छोड़ेंगे, और उसकी कोई हड्डी नहीं तोड़ेंगे; फसह के नियम के अनुसार वे इसे करेंगे। और जो आदमी शुद्ध है और दूर के रास्ते में नहीं है, और फसह करने में विफल रहता है, तो वह आत्मा अपने लोगों में से नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि उसने प्रभु को भेंट उसके निर्धारित समय के अनुसार नहीं चढ़ाई; वह

आदमी अपना पाप भोगेगा। यदि तुम्हारी भूमि में कोई परदेशी तुम्हारे पास आए, और प्रभु के लिए फसह करे, फसह के नियम के अनुसार और उसकी व्यवस्था के अनुसार इसे करेगा, तो एक ही नियम तुम्हारे लिए और परदेशी के लिए और भूमि के देशी के लिए होगा।

और जिस दिन तंबू खड़ा किया गया, बादल ने तंबू को, गवाही के घर को ढक लिया, और शाम को तंबू के ऊपर आग का रूप सुबह तक रहा। इस प्रकार निरंतर हो रहा था: वह बादल दिन में उसे ढकता था, और रात में आग का रूप दिखाई देता था। और जब वह बादल तंबू से ऊपर गया, और इसके बाद इस्राएल के पुत्रों ने प्रस्थान किया, और जिस स्थान पर वह बादल खड़ा हुआ, वहाँ इस्राएल के पुत्रों ने डेरा डाला। प्रभु के आदेश के माध्यम से इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे, और प्रभु के आदेश के माध्यम से वे प्रस्थान करेंगे। सभी दिनों में जिनमें बादल तंबू पर छाया करता है, इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे। और जब बादल तम्बू के ऊपर अधिक दिनों तक ठहरा रहता है, तो इस्राएल के पुत्र परमेश्वर की रखवाली करेंगे, और वे प्रस्थान नहीं करेंगे। और ऐसा होगा कि जब बादल कई दिनों तक तंबू को ढके रहेगा, तो प्रभु की आवाज के कारण वे डेरा डालेंगे, और प्रभु के आदेश के कारण वे प्रस्थान करेंगे। और ऐसा होगा कि जब बादल शाम से सुबह तक रहेगा, और सुबह में बादल ऊपर उठेगा, तो वे दिन हो या रात प्रस्थान करेंगे। महीने के दिनों में बादल के बढ़ते रहने पर, जो उस पर छाया करता था, इस्राएल के पुत्र डेरा डाले रहेंगे और प्रस्थान नहीं करेंगे। क्योंकि प्रभु की आज्ञा के कारण वे प्रस्थान करेंगे, उन्होंने प्रभु की रक्षा को मूसा के हाथ में प्रभु की आज्ञा के द्वारा रखा।

10

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए चाँदी की दो तुरहियाँ बना, पीटे हुए तुम उन्हें बनाओगे, और वे तुम्हारे लिए सभा को बुलाने और शिविरों को उठाने के लिए होंगे। और तुम उनमें बजाओगे, और सारी सभा साक्ष्य के तंबू के द्वार पर इकट्ठी की जाएगी। यदि केवल एक तुरही बजाई जाए, तो इस्राएल के सब शासक नेता तुम्हारे पास आएंगे। और तुम संकेत की तुरही बजाओगे, और वे निकल जाएंगे जो पूर्व में डेरा डाले हुए हैं। और तुम दूसरा संकेत बजाओगे, और दक्षिण में डेरा डाले हुए शिविर प्रस्थान करेंगे, और तुम तीसरा संकेत बजाओगे, और समुद्र के पास डेरा डाले हुए शिविर प्रस्थान करेंगे, और तुम चौथा संकेत बजाओगे, और उत्तर की ओर डेरा डाले हुए शिविर प्रस्थान करेंगे। वे अपने प्रस्थान के समय संकेत से तुरही बजाएंगे। और जब तुम सभा को इकट्ठा करो, तो तुरही बजाओगे, परन्तु विशेष संकेत के साथ नहीं। और हारून के पुत्र जो पुजारी हैं, तुरहियाँ बजाएंगे, और यह

तुम्हारे लिए तुम्हारी पीढ़ियों तक शाश्वत विधि होगी। यदि तुम अपनी भूमि में युद्ध के लिए अपने विरोधियों के विरुद्ध जो तुम्हारा सामना कर रहे हैं बाहर जाओ, और तुम तुरहियाँ बजाओ, तो तुम प्रभु के सामने स्मरण किए जाओगे, और तुम अपने शत्रुओं से बचाए जाओगे। और तुम्हारे आनंद के दिनों में, और तुम्हारे त्योहारों में, और तुम्हारे नए चाँद के दिनों में, तुम होमबलि पर तुरहियाँ बजाओगे, और तुम्हारे मेल बलिदानों पर, और यह तुम्हारे परमेश्वर के सामने तुम्हारे लिए स्मरण होगा; मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ।

और ऐसा हुआ कि दूसरे वर्ष के दूसरे महीने की बीसवीं तारीख को, बादल साक्ष्य के तंबू से ऊपर उठ गया। और इस्राएल के पुत्र अपने प्रावधानों के साथ सीनै के रेगिस्तान में निकले, और बादल पारान के रेगिस्तान में ठहर गया। और उन्होंने प्रभु की आवाज़ के कारण मूसा के हाथ में पहले प्रस्थान किया।

और यहूदा के पुत्रों के शिविर की व्यवस्था अपनी सेना के साथ पहले उठी, और उनकी सेना के ऊपर अम्मीनादाब का पुत्र नहशोन था। और इस्राकार के पुत्रों की जनजाति की सेना पर, सोगार का पुत्र नथनेल। और जबूलून के पुत्रों के कबीले की सेना पर एलियाब, जो हेलोन का पुत्र था। और वे तंबू को गिराएंगे, और गेदसोन के पुत्र और मेरारी के पुत्र, जो तंबू को उठाते हैं, कूच करेंगे।

और रूबेन के शिविर की व्यवस्था अपनी सेना के साथ कूच कर गई, और उनकी सेना के ऊपर शदेऊर का पुत्र एलिसूर था। और शिमोन के पुत्रों के गोत्र की सेना के ऊपर, सूरीसदाई का पुत्र सलामिएल। और गाद के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर रगूएल का पुत्र एलीसाफ़ था। और काहात के पुत्र पवित्र वस्तुओं को उठाकर निकलेंगे, और जब तक वे पहुँच न जाएँ, तब तक वे तंबू को खड़ा करेंगे। और एफ़्रैम के शिविर की व्यवस्था अपनी सेना के साथ निकलेगी, और उनकी सेना पर एलीशामा, जो अम्मीहूद का पुत्र है।

और मनश्शे के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर, फदस्सूर का पुत्र गमलीएल। और बिन्यामीन के पुत्रों के गोत्र की सेना पर अबीदान, जो गिदोनी का पुत्र था। और दान के पुत्रों के शिविर का क्रम निकलेगा, सब शिविरों में अंतिम, अपनी शक्ति के साथ, और उनकी शक्ति के ऊपर अहीएजेर होगा जो अम्मीशहै का पुत्र है। और आशेर के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर, एकान का पुत्र फगेएल। और नप्ताली के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर ऐनान का पुत्र अहीरा। ये इस्राएल के पुत्रों की सेनाएँ हैं, और वे अपनी शक्ति के साथ निकल पड़े।

और मूसा ने होबाब से, जो रागुएल मिद्यानी का पुत्र और मूसा का ससुर था, कहा, हम उस स्थान की ओर प्रस्थान कर रहे हैं जिसके विषय में प्रभु ने कहा, यह मैं तुम्हें दूंगा। हमारे साथ चलो, और हम तुम्हारे साथ भलाई करेंगे, क्योंकि प्रभु ने इस्राएल के विषय में अच्छी बातें कही हैं। और उसने उससे कहा, मैं नहीं जाऊंगा, लेकिन मैं अपनी भूमि में और अपनी पीढ़ी में जाऊंगा। और उसने कहा, हमें मत छोड़ो, क्योंकि तुम हमारे साथ रेगिस्तान में थे, और तुम हममें एक बुजुर्ग होगे। और यदि तुम हमारे साथ चलोगे, तो जितनी भी अच्छी चीजें प्रभु हमें देंगे, वे सब तुम्हें भी मिलेंगी, और हम तुम्हारे साथ अच्छा करेंगे।

और वे प्रभु के पहाड़ से तीन दिन के मार्ग पर निकले, और प्रभु की वाचा का संदूक उनसे पहले तीन दिन के मार्ग पर आगे गया ताकि उनके लिए विश्राम स्थल खोज सके। और ऐसा हुआ कि जब संदूक को हटाया जाता था, तो मूसा ने कहा, हे प्रभु, जागो, और तुम्हारे शत्रु तितर-बितर हों, तुमसे घृणा करने वाले सब भाग जाएं। और विश्राम के समय उसने कहा, हे प्रभु, लौट आओ इस्राएल के हजारों और लाखों के पास। और बादल दिन में उन पर छाया करता रहा, जब वे शिविर से निकल रहे थे।

11

और लोग प्रभु के सामने बुरी तरह बुड़बुड़ा रहे थे, और प्रभु ने सुना, और क्रोध से क्रोधित हुए, और उनमें प्रभु की ओर से आग प्रज्वलित हुई, और उसने शिविर के कुछ भाग को निगल लिया। और लोग मूसा की ओर चिल्लाए, और मूसा ने प्रभु से प्रार्थना की, और आग बंद हो गई। और उस स्थान का नाम दहन रखा गया, क्योंकि प्रभु की ओर से उनमें आग प्रज्वलित हुई थी। और मिश्रित भीड़ जो उनके बीच थी, उसने तीव्र इच्छा की, और बैठकर रोए इस्राएल के पुत्र भी, और उन्होंने कहा, कौन हमें मांस खिलाएगा? हमने उन मछलियों को याद किया, जिन्हें हमने मिस्र में मुफ्त में खाया था। और खीरे, और खरबूजे, और हरी प्याज, और प्याज, और लहसुन। अब हमारी आत्मा सूख गई है, हमारी आँखों में मन्ना के सिवाय कुछ नहीं है। लेकिन मन्ना धनिये के बीज जैसा है, और उसका रूप बर्फ के समान है। और लोग यात्रा कर रहे थे, और उन्होंने एकत्र किया, और उसे चक्की में पीसा, और ओखली में रगड़ा, और उसे बर्तन में उबाला, और उससे रोटियाँ बनाई, और उसका स्वाद तेल के केक जैसा था। और जब रात को शिविर पर ओस गिरती थी, तो उस पर मन्ना उतरता था।

और मूसा ने उन्हें उनके कुलों के अनुसार रोते हुए सुना, प्रत्येक अपने द्वार पर, और प्रभु अत्यधिक क्रोध में क्रोधित हुए, और मूसा के सामने यह बुरा था। और मूसा ने प्रभु से कहा, तूने अपने सेवक के साथ दुर्व्यवहार क्यों किया, और मैंने तेरे सामने कृपा क्यों नहीं पाई, कि तूने इन लोगों का भार मुझ पर रख दिया? क्या मैंने इन सब लोगों को गर्भ में धारण किया, या मैंने उन्हें जन्म दिया? फिर तुम मुझसे क्यों कहते हो, इसे अपनी गोद में ले लो, जैसे धाय दूध पीते बच्चे को उठाती है, उस भूमि तक जिसकी शपथ तुमने उनके पिताओं से खाई थी? मुझे इन सब लोगों को देने के लिए मांस कहाँ से मिले? क्योंकि वे मेरे सामने रोते हैं और कहते हैं, हमें मांस दो ताकि हम खाएं। मैं अकेला इन लोगों को सहन नहीं कर सकूंगा, क्योंकि यह वचन मुझे भारी है। यदि तू मुझसे ऐसा व्यवहार करता है, तो मुझे मार डाल, यदि मुझ पर तेरी कृपा है, ताकि मैं अपना कष्ट न देखूँ।

और प्रभु ने मूसा से कहा, मेरे लिए इस्राएल के बुजुर्गों में से सत्तर पुरुषों को इकट्ठा करो, जिनको तुम स्वयं जानते हो कि ये लोगों के बुजुर्ग और लेखक हैं, और तुम उनको साक्ष्य के तंबू की ओर लाओगे, और वे वहाँ तुम्हारे साथ खड़े होंगे। और मैं नीचे आऊंगा और वहाँ तुम्हारे साथ बोलूंगा, और मैं तुम पर जो आत्मा है उसमें से हटाऊंगा और उन पर रखूंगा, और वे तुम्हारे साथ लोगों के भार में सहायता करेंगे, और तुम अकेले स्वयं नहीं सहोगे। और तुम लोगों से कहोगे, कल के लिए अपने आप को पवित्र करो, और तुम मांस खाओगे, क्योंकि तुमने प्रभु के सामने रोते हुए कहा था, कौन हमें मांस खिलाएगा? क्योंकि मिस्र में हमारे लिए अच्छा था, और प्रभु तुम्हें मांस खाने के लिए देंगे, और तुम मांस खाओगे। तुम एक दिन नहीं खाओगे, न दो, न पाँच दिन, न दस दिन, न बीस दिन, तुम एक महीने के दिनों तक खाओगे, जब तक कि वह तुम्हारी नासिकाओं से बाहर न निकल जाए, और यह तुम्हारे लिए घृणा का कारण होगा, क्योंकि तुमने प्रभु की अवज्ञा की, जो तुम्हारे बीच में है, और तुमने उसके सामने रोते हुए कहा, हम मिस्र से क्यों निकले? और मूसा ने कहा, छह सौ हजार पैदल सैनिक हैं वे लोग जिनके बीच मैं हूँ, और तूने कहा कि मैं उन्हें खाने के लिए मांस दूंगा और वे एक महीने तक खाएंगे। क्या भेड़ें और गायें उनके लिए वध की जाएंगी, और यह उनके लिए पर्याप्त होगा? या समुद्र की सारी मछलियाँ उनके लिए इकट्ठा की जाएंगी, और यह उनके लिए पर्याप्त होगा? और प्रभु ने मूसा से कहा, क्या प्रभु का हाथ पर्याप्त नहीं होगा? अब तुम जान जाओगे कि मेरा वचन तुम्हें पकड़ लेगा या नहीं।

और मूसा बाहर गया, और उसने लोगों से प्रभु के वचन कहे, और उसने लोगों के बुजुर्गों में से सत्तर पुरुषों को इकट्ठा किया, और उसने उन्हें तम्बू के चारों ओर खड़ा किया। और प्रभु बादल में नीचे आए, और उनसे बोले, और उन पर जो आत्मा था उसमें से ले लिया,

और उसे सत्तर प्राचीन पुरुषों पर रखा। और जब आत्मा उन पर विश्राम किया, तो उन्होंने भविष्यवाणी की, और फिर ऐसा नहीं किया। और दो पुरुष शिविर में छोड़ दिए गए, एक का नाम एल्दाद था, और दूसरे का नाम मेदाद था, और उन पर आत्मा विश्राम किया, और ये पंजीकृत लोगों में से थे, और वे तम्बू की ओर नहीं आए, और उन्होंने शिविर में भविष्यवाणी की। और वह युवा पुरुष दौड़कर आया, और मूसा को सूचना दी, और कहा, एल्दाद और मेदाद शिविर में भविष्यवाणी कर रहे हैं। और नून के पुत्र यहोशू ने, जो मूसा के पास खड़ा था और चुना हुआ था, उत्तर देते हुए कहा, हे स्वामी मूसा, उन्हें रोकिए। और मूसा ने उससे कहा, क्या तुम मेरे लिए ईर्ष्या करते हो? और कौन दे कि प्रभु के सब लोग भविष्यवक्ता हों, जब प्रभु अपना आत्मा उन पर दे! और मूसा शिविर में गया, वह और इस्राएल के बुजुर्ग।

और प्रभु से एक आत्मा निकली, और समुद्र से बटेरों को पार लाई, और शिविर पर डाल दिया, यहाँ से एक दिन की दूरी तक, और यहाँ से एक दिन की दूरी तक, शिविर के चारों ओर, पृथ्वी से लगभग दो हाथ ऊँचाई तक। और लोग उठकर पूरे दिन, और पूरी रात, और अगले पूरे दिन बटेरें इकट्ठा करते रहे, जिसने सबसे कम इकट्ठा किया उसने दस माप इकट्ठा किए, और उन्होंने अपने लिए शिविर के चारों ओर उन्हें सुखाया। मांस अभी उनके दांतों में ही था, इससे पहले कि वह समाप्त हो, और प्रभु लोगों पर क्रोधित हुए, और प्रभु ने लोगों को अत्यधिक महान प्रहार से मारा। और उस स्थान का नाम इच्छा की कब्रें रखा गया, क्योंकि वहाँ उन लोगों को दफनाया गया जो इच्छा करते थे। इच्छाओं की कब्रों से लोगों ने असेरोथ की ओर प्रस्थान किया, और लोग असेरोथ में रहे।

12

और मरियम और हारून ने मूसा के विरुद्ध बात की, उस इथियोपियाई स्त्री के कारण जिसे मूसा ने लिया था, क्योंकि उसने एक इथियोपियाई स्त्री को लिया था। और उन्होंने कहा, क्या प्रभु ने केवल मूसा से ही बात की है? क्या उसने हमसे भी बात नहीं की? और प्रभु ने सुना। और मूसा नामक व्यक्ति पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों की तुलना में अत्यंत विनम्र था। और प्रभु ने तुरंत मूसा, हारून और मरियम से कहा, तुम तीनों साक्ष्य के तंबू में आओ। और वे तीनों साक्ष्य के तम्बू में गए, और प्रभु बादल के स्तंभ में नीचे आए, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर खड़े हुए, और हारून और मरियम बुलाए गए, और दोनों बाहर गए। और उसने उनसे कहा, मेरे शब्द सुनो, यदि तुम्हारा कोई भविष्यवक्ता प्रभु के लिए होता है, तो मैं दर्शन में उसे जाना जाऊंगा, और नींद में मैं उससे बोलूंगा। मेरा सेवक मूसा ऐसा नहीं है, वह मेरे सम्पूर्ण घर में विश्वासयोग्य है। मुख से मुख मैं उससे बोलूंगा, प्रत्यक्ष रूप में, और

पहेलियों द्वारा नहीं, और उसने प्रभु की महिमा देखी है, तो फिर तुम मेरे सेवक मूसा के विरुद्ध बोलने से क्यों नहीं डरे? और प्रभु का क्रोध उन पर भड़का, और वह चला गया। और वह बादल तम्बू से हट गया, और देखो, मरियम बर्फ के समान कोढ़ से ग्रस्त थी, और हारून ने मरियम की ओर देखा, और देखो, वह कोढ़ से ग्रस्त थी। और आरोन ने मूसा से कहा, मैं विनती करता हूँ प्रभु, हम पर पाप न लगाएं, क्योंकि हमने अज्ञानता में किया है, जिसके अनुसार हमने पाप किया है। ऐसा न हो कि वह मृत्यु के समान बन जाए, जैसे माता के गर्भ से निकलता हुआ गर्भपात, और उसके मांस का आधा भाग खा जाता है। और मूसा ने प्रभु की ओर चिल्लाकर कहा, हे परमेश्वर, मैं आपसे विनती करता हूँ, उसे चंगा कर दीजिए। और प्रभु ने मूसा से कहा, यदि उसके पिता ने उसके चेहरे पर थूका होता तो क्या वह सात दिन तक शर्मिंदा नहीं रहती? उसे सात दिन तक शिविर के बाहर रखा जाए, और उसके बाद वह प्रवेश करेगी।

और मरियम सात दिनों तक शिविर के बाहर अलग रखी गई, और लोग तब तक आगे नहीं बढ़े जब तक मरियम शुद्ध नहीं हो गई।

और इन बातों के बाद लोग अशेरोथ से निकले, और पारान के जंगल में डेरा डाला।

13

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए पुरुषों को भेज, और वे कनानियों की उस भूमि की जासूसी करें, जो मैं इस्राएल के पुत्रों को अधिकार में देता हूँ। तुम उनमें से प्रत्येक गोत्र से एक-एक पुरुष, उनके पितरों के कुलों के अनुसार, भेजोगे—उनमें से सभी नेता।

और मूसा ने उनको पारान के जंगल से प्रभु की आवाज़ के द्वारा भेजा, ये सब इस्राएल के पुत्रों के नेता पुरुष थे। और ये रूबेन जनजाति के उनके नाम हैं, शमूएल जो जक्कूर का पुत्र था। शिमोन के कबीले का, शाफात जो सूरी का पुत्र था। यहूदा के गोत्र का कालेब, यपुने का पुत्र। इसाकार के कबीले से, इगाल जो यूसुफ का पुत्र था। एफ्राइम के कबीले का, औसे नून का पुत्र। बिन्यामीन के जनजाति से, पलती जो राफू का पुत्र था। जबूलून के कबीले से, गुदीएल जो सूदी का पुत्र था। यूसुफ के कबीले से, मनश्शे के पुत्रों में से, गद्दी जो सूसी का पुत्र था। दान के कबीले का, अम्मीएल गमल्ली का पुत्र। आशेर की जनजाति से, सथौर जो मीकाएल का पुत्र है। नफ्ताली के कबीले से, नाबी जो शब्बै का पुत्र था। गाद के

कबीले का, गुदीएल, माकी का पुत्र। ये उन पुरुषों के नाम हैं जिनको मूसा ने भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा था, और मूसा ने नून के पुत्र औसे का नाम यहोशू रखा।

और मूसा ने उन्हें कनान की भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा, और उनसे कहा, इस रेगिस्तान से होकर चढ़ो, और तुम पहाड़ पर चढ़ोगे, और तुम देखोगे कि भूमि कैसी है, और वे लोग जो इस पर बसे हुए हैं, क्या वे मजबूत हैं या कमजोर, या क्या वे थोड़े हैं या अनेक। और वह भूमि कैसी है जिस पर वे लोग बसे हुए हैं, अच्छी है या बुरी, और वे नगर कैसे हैं जिनमें ये लोग निवास करते हैं, क्या वे दीवारों वाले हैं या बिना दीवारों वाले। और यह भूमि कैसी है, उपजाऊ या बंजर, यदि इसमें वृक्ष हैं, या नहीं, और धैर्य रखते हुए तुम भूमि के फलों को प्राप्त करोगे। और वे दिन, वसंत के दिन, अंगूर के अग्रदूत थे।

और ऊपर जाकर उन्होंने सीन के रेगिस्तान से लेकर रहोब तक, हमात में प्रवेश करते हुए, भूमि की जासूसी की। और वे रेगिस्तान के अनुसार ऊपर गए, और वे हेब्रोन तक चले गए, और वहाँ अहीमान, और शोशै, और तल्मै, अनाक की पीढ़ियाँ थीं, और हेब्रोन मिस्र के तानीस से सात वर्ष पहले बनाया गया था। और वे अंगूरों के गुच्छे की घाटी तक आए, और उन्होंने उसकी जासूसी की, और उन्होंने वहाँ से एक डाली काटी जिस पर अंगूर का एक गुच्छा था, और उन्होंने उसे डंडों पर उठाया, और अनार तथा अंजीर भी लिए। और उन्होंने उस स्थान का नाम अंगूर के गुच्छे की घाटी रखा, क्योंकि इजराइल के पुत्रों ने वहाँ से अंगूर का गुच्छा काटा था। और वे चालीस दिनों के बाद उस भूमि की खोज करके वहाँ से लौट गए।

और जाकर वे मूसा और हारून के पास तथा इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण सभा के पास आए, पारान के जंगल में कादेश में, और उन्होंने उनको और सम्पूर्ण सभा को उत्तर दिया, और भूमि का फल दिखाया। और उन्होंने उसको बताया, और कहा, हम उस भूमि में आए जहाँ तूने हमको भेजा था, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है, और यह उसका फल है। लेकिन वह राष्ट्र जो वहाँ निवास करता है साहसी है, और नगर अत्यधिक बड़े, दुर्गयुक्त और दीवारों वाले हैं, और हमने वहाँ अनाक की पीढ़ी को देखा है। और अमालेक दक्षिण की भूमि में निवास करता है, और हित्ती, और हिव्वी, और यबूसी, और एमोरी पहाड़ी प्रदेश में निवास करते हैं, और कनानी समुद्र के पास, और यर्डन नदी के पास निवास करते हैं। और कालेब ने मूसा के सामने लोगों को शांत किया, और उससे कहा, नहीं, बल्कि हम ऊपर जाकर चढ़ाई करेंगे, और हम उस पर अधिकार कर लेंगे, क्योंकि हम उनके विरुद्ध सक्षम होंगे। और वे लोग जो उसके साथ ऊपर गए थे, उन्होंने कहा, हम ऊपर नहीं जाएंगे, क्योंकि हम उस राष्ट्र के विरुद्ध जाने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि वह हमसे अधिक मजबूत है। और उन्होंने इस्राएल के

पुत्रों के पास उस पृथ्वी के बारे में आश्चर्यजनक बात लाई जिसकी उन्होंने जासूसी की थी, कहते हुए, जिस भूमि में से हम जासूसी करने के लिए गुजरे, वह भूमि अपने निवासियों को निगल जाने वाली है, और सब लोग जिन्हें हमने उसमें देखा, वे बहुत बड़े आकार के पुरुष हैं। और वहाँ हमने दानवों को देखा था, और हम उनके सामने टिड्डियों जैसे थे, लेकिन हम वास्तव में उनके सामने ऐसे ही थे।

14

और पूरी सभा ने आवाज़ उठाई, और लोग उस पूरी रात रोते रहे। और इस्राएल के सब पुत्र मूसा और हारून पर बड़बड़ा रहे थे, और सारी सभा ने उनसे कहा, काश हम मिस्र की भूमि में मर गए होते, या इस जंगल में मर गए होते, और प्रभु हमें इस भूमि में क्यों ले जा रहे हैं युद्ध में गिरने के लिए? हमारी स्त्रियाँ और बच्चे लूट में चले जाएंगे, इसलिए अब मिस्र लौट जाना बेहतर है। और उन्होंने एक दूसरे से कहा, हम एक नेता चुनें और मिस्र लौट चलें। और मूसा और हारून इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा के सामने मुँह के बल गिर पड़े।

यहोशू जो नून का था, और कालेब जो यपुन्ने का था, जिन्होंने उस भूमि का भेद लिया था, उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहा, वह भूमि जिसे हमने खोजा है, बहुत ही अच्छी है। यदि प्रभु हमें चुनता है, तो वह हमें इस भूमि में लाएगा और इसे हमें देगा, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है। लेकिन प्रभु से विद्रोही मत बनो, और तुम पृथ्वी के लोगों से मत डरो, क्योंकि वे तुम्हारे लिए भोजन हैं, उनका समय उनसे दूर हो गया है, और प्रभु हममें है, उनसे मत डरो।

और सारी मण्डली ने कहा कि उन्हें पत्थरों से मार दिया जाए, और प्रभु की महिमा बादल में साक्षी के तम्बू पर इस्राएल के सब पुत्रों को प्रकट हुई। और प्रभु ने मूसा से कहा, कब तक ये लोग मुझे उकसाते रहेंगे; और कब तक वे मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे उन सब चिन्हों के बावजूद, जो मैंने उनके बीच किए हैं? मैं उन्हें मृत्यु से मारूंगा, और उन्हें नष्ट कर दूंगा, और तुम्हें और तुम्हारे पिता के घर को एक महान राष्ट्र बनाऊंगा, और इससे कहीं अधिक। और मूसा ने प्रभु से कहा, और मिस्र सुनेगा कि तूने अपनी शक्ति से इन लोगों को उनके बीच से निकाल लाया। लेकिन इस पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी लोगों ने सुना है कि तुम इन लोगों में प्रभु हो, जो आँखों से आँखें मिलाकर दिखाई देते हो प्रभु, और तुम्हारा बादल उनके ऊपर खड़ा है, और तुम बादल के स्तंभ में दिन के समय उनसे पहले चलते हो, और आग के स्तंभ में रात के समय। और तुम इस लोगों को एक आदमी की तरह नष्ट कर

दोगे, और जितने राष्ट्रों ने तुम्हारा नाम सुना है वे कहेंगे, इसलिए कि प्रभु सक्षम नहीं था इस लोगों को उस भूमि में लाने के लिए जिसकी उसने उनसे शपथ खाई थी, उसने उन्हें जंगल में नष्ट कर दिया। और अब हे प्रभु, तेरी शक्ति ऊंची की जाए, जिस प्रकार तूने कहा था, यह कहते हुए, प्रभु धैर्यवान है, दया में प्रचुर है, और सत्य है, जो अधर्म और अन्याय और पाप को दूर करता है, और शुद्धिकरण से दोषी को शुद्ध नहीं करेगा, पिताओं के पापों को बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक लौटाता है। इस लोगों के पाप को अपनी महान दया के अनुसार क्षमा करो, जैसे कि तुम मिस्र से लेकर अब तक उन पर कृपालु रहे हो।

और प्रभु ने मूसा से कहा, मैं तुम्हारे वचन के अनुसार उनके प्रति कृपालु हूँ। लेकिन मैं जीवित हूँ और मेरा नाम जीवित है, और प्रभु की महिमा सारी पृथ्वी को भर देगी। क्योंकि सभी पुरुष जो मेरी महिमा को देख रहे थे, और वे चिह्न जो मैंने मिस्र में और जंगल में किए, और उन्होंने मुझे यह दसवीं बार परखा, और उन्होंने मेरी आवाज़ नहीं सुनी, वास्तव में वे उस भूमि को नहीं देखेंगे, जिसके लिए मैंने उनके पिताओं से शपथ खाई थी, लेकिन उनके बच्चे जो यहाँ मेरे साथ हैं, जितने अच्छे और बुरे को नहीं जानते, सभी छोटे और अनुभवहीन, इनको मैं वह भूमि दूँगा। लेकिन वे सब जिन्होंने मुझे क्रोधित किया है, वे इसे नहीं देखेंगे। लेकिन मेरा सेवक कालेब, क्योंकि उसमें दूसरी आत्मा है और उसने मेरा अनुसरण किया है, मैं उसे उस भूमि में लाऊंगा जिसमें वह प्रवेश कर चुका है, और उसका वंश उसे विरासत में पाएगा। अमालेक और कनानी घाटी में निवास करते हैं, कल तुम पीछे मुड़ो और प्रस्थान करो जंगल की ओर, लाल सागर के मार्ग से।

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, कब तक इस दुष्ट सभा को सहूँ? इस्राएल के पुत्रों की बड़बड़ाहट, जो वे मेरे सामने तुम्हारे विषय में बड़बड़ाते हैं, मैंने सुन ली है। मैंने उनसे कहा, जीवित हूँ मैं, प्रभु कहते हैं, निश्चय ही जिस रीति से तुमने मेरे कानों में बोला है, उसी प्रकार मैं तुम्हारे साथ करूँगा। इस जंगल में तुम्हारे शरीर गिरेंगे, और तुम्हारी सारी गिनती, और तुम्हारे गिने गए बीस साल और उससे ऊपर की उम्र के, जितने भी मुझ पर बड़बड़ाए। यदि तुम उस भूमि में प्रवेश करोगे जिस पर मैंने तुम्हें बसाने के लिए अपना हाथ फैलाया था, तो केवल यपुने का पुत्र कालेब और नून का पुत्र यहोशू ही प्रवेश करेंगे। और वे बच्चे, जिनके बारे में तुमने कहा था कि वे लूट में होंगे, मैं उन्हें उस भूमि में लाऊंगा, और वे उस भूमि को विरासत में पाएंगे, जिससे तुम दूर हो गए थे। और तुम्हारे अंग इस जंगल में गिरेंगे। लेकिन तुम्हारे पुत्र चालीस वर्ष तक मरुभूमि में भटकते रहेंगे, और तुम्हारे व्यभिचार का भार उठाएंगे, जब तक कि तुम्हारे शरीर मरुभूमि में नष्ट नहीं हो जाते। दिनों की संख्या के अनुसार जितने तुमने भूमि की जासूसी की, चालीस दिन, एक दिन प्रति वर्ष, तुम अपने पापों को चालीस वर्ष तक

भोगोगे, और तुम मेरे कोप के क्रोध को जानोगे। मैं प्रभु ने बोला, निश्चय मैं इस दुष्ट सभा के साथ, जो मेरे विरुद्ध एकत्रित हुई है, ऐसा ही करूँगा; इस जंगल में वे नष्ट हो जाएंगे, और वहाँ वे मर जाएंगे।

और वे लोग जिन्हें मूसा ने भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा था, आकर उन्होंने सभा के सामने उस भूमि के विषय में बुरे शब्द लाने के लिए उसके विरुद्ध बड़बड़ाए, और वे लोग जिन्होंने पृथ्वी के विषय में बुरा बोला था, प्रभु के सामने महामारी में मर गए। और यहोशू जो नून का पुत्र था और कालेब जो यपुन्ने का पुत्र था, वे उन मनुष्यों में से जीवित रहे जो उस भूमि की जासूसी करने गए थे। और मूसा ने ये शब्द इस्राएल के सब पुत्रों से कहे, और लोगों ने बहुत शोक किया।

और सुबह जल्दी उठकर वे पहाड़ की चोटी पर चढ़ गए, यह कहते हुए, देखो, हम उस स्थान पर चढ़ेंगे जो प्रभु ने कहा था, क्योंकि हमने पाप किया है। और मूसा ने कहा, तुम प्रभु के वचन का उल्लंघन क्यों करते हो? यह तुम्हारे लिए समृद्ध नहीं होगा। ऊपर मत जाओ, क्योंकि प्रभु तुम्हारे साथ नहीं है, और तुम अपने शत्रुओं के सामने गिरोगे। क्योंकि अमालेकी और कनानी वहाँ तुम्हारे सामने हैं, और तुम तलवार से गिरोगे, इसलिए कि तुम प्रभु की अवज्ञा करते हुए मुड़ गए, और प्रभु तुम्हारे साथ नहीं होंगे। और जबरदस्ती करके वे पर्वत के शिखर पर चढ़ गए, लेकिन प्रभु की वाचा का सन्दूक और मूसा शिविर से नहीं हिले। और अमालेक और कनानी जो उस पहाड़ में रहता था, नीचे आया, और उन्होंने उनको मोड़ा, और उनको होर्मा तक काट डाला, और शिविर में लौट गए।

15

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो जो तुम्हारे निवास की है, जिसे मैं तुम्हें देता हूँ, और तुम प्रभु के लिए होम करोगे, संपूर्ण होम या बलिदान, मन्त को पूर्ण करने के लिए, या स्वैच्छिक बलि के रूप में, या अपने त्योहारों में प्रभु के लिए सुगंधित सुवास उत्पन्न करने के लिए, चाहे वह बैलों से हो या भेड़ों से। और जो अपना उपहार प्रभु को लाता है, वह मैदे का बलिदान लाएगा, एषा का दसवां भाग तेल में मिलाया हुआ, हिन के चौथाई भाग में। और दाखरस का चौथा हिन पेय-बलि के लिए तुम होम-बलि पर या बलिदान पर करोगे, एक मेमने के लिए तुम इतना करोगे, यह भेंट प्रभु के लिए सुगन्धित सुगंध होगी। और मेढ़े के लिए, जब भी तुम उसे होमबलि में या बलिदान में करो, तुम मैदे का बलिदान करोगे - दो दशमांश तेल

में मिला हुआ, एक हीन का तीसरा भाग, और तुम दाखरस का तीसरा हीन पेय-बलि के रूप में प्रभु को सुगन्धित सुगंध के लिए चढ़ाओगे।

यदि तुम बैलों में से प्रभु के लिए होमबलि या बलिदान चढ़ाओ, मन्त को पूरा करने के लिए, या मेल-बलि के लिए, और वह बछड़े के लिए महीन आटे का बलिदान लाएगा, तीन दशांश जो तेल में मिला हुआ हो, आधा हीन। और शराब को पेय-बलि में, आधा हीन का, बलि के रूप में सुगन्धित गंध प्रभु के लिए।

इस प्रकार तुम एक बछड़े के लिए, या एक मेढ़े के लिए, या भेड़ों में से एक मेमने के लिए, या बकरियों में से एक के लिए करोगे। जिस संख्या के अनुसार यदि तुम करोगे, उसी प्रकार तुम प्रत्येक के साथ करोगे, उनकी संख्या के अनुसार।

हर देशी-जन्मा व्यक्ति इस प्रकार ऐसी भेंटें चढ़ाएगा जो प्रभु के लिए सुगंध की खुशबू हों। यदि कोई परदेशी तुम्हारी भूमि में तुम्हारे बीच आकर रहे, या जो तुम्हारी पीढ़ियों में तुम्हारे बीच होगा, और प्रभु को सुगन्धित भेंट चढ़ाएगा, तो जिस रीति से तुम करते हो, उसी प्रकार सभा भी प्रभु को करेगी।

एक ही कानून तुम्हारे लिए और उन प्रवासियों के लिए होगा जो तुम्हारे बीच निवास करते हैं, यह तुम्हारी पीढ़ियों के लिए शाश्वत कानून है, जैसे तुम हो, वैसे ही वह प्रवासी भी प्रभु के सामने होगा। एक कानून होगा और एक अधिकार होगा तुम्हारे लिए और उस परदेशी के लिए जो तुम्हारे बीच निवास कर रहा है।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहना, जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो जिसमें मैं तुम्हें ला रहा हूँ, और ऐसा होगा कि जब तुम पृथ्वी की रोटियों में से खाओगे, तो तुम प्रभु के लिए एक भेंट, एक योगदान अलग करोगे, अपने आटे का पहला फल। रोटी को तुम भेंट के रूप में अलग करोगे, जैसे खलिहान से भेंट अलग की जाती है, इसी प्रकार तुम इसे अलग करोगे। तुम्हारे आटे के पहले फल की भेंट तुम प्रभु को अपनी पीढ़ियों में दोगे।

जब भी तुम अपराध करो और इन सब आदेशों का पालन न करो, जो प्रभु ने मूसा से कहे थे, जैसा प्रभु ने तुम्हें मूसा के हाथ में आदेश दिया, उस दिन से जब प्रभु ने तुम्हें आदेश दिया और उससे आगे तुम्हारी पीढ़ियों में, और यदि यह सभा की आँखों से अनजाने में हो

जाए, तो सारी सभा बैलों में से एक निर्दोष बछड़ा प्रभु के लिए सुवासित सुगंध के होमबलि में चढ़ाएगी, और इसका बलिदान और इसका अर्घ्य व्यवस्था के अनुसार, और पाप के लिए बकरियों में से एक बकरा चढ़ाएगी। और याजक इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा के लिए प्रायश्चित्त करेगा, और उन्हें क्षमा किया जाएगा, क्योंकि यह अनजाने में हुआ है, और उन्होंने अपने पाप के लिए प्रभु के सामने प्रभु को अपनी भेंट और चढ़ावा लाए हैं, अपने अनजाने पापों के लिए। और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा को क्षमा किया जाएगा, और उस परदेशी को भी जो तुम्हारे बीच रहता है, क्योंकि सब लोगों से यह अनजाने में हुआ।

यदि कोई एक व्यक्ति अनजाने में पाप करे, तो वह पाप के लिए एक वर्ष की बकरी लाएगा। और याजक उस आत्मा के विषय में प्रायश्चित्त करेगा जिसने अनजाने में पाप किया है, और जो प्रभु के सामने अनजाने में पाप किया है, उसके विषय में प्रायश्चित्त करने के लिए। देशी को और परदेशी को जो इस्राएल के पुत्रों में निवास करता है, उनके लिए एक ही विधि होगी, जो यदि अनजाने में कोई काम करे।

और जो आत्मा अहंकार के हाथ में करता है, चाहे मूल निवासियों में से हो या परदेशियों में से, यह परमेश्वर को क्रोधित करता है, वह आत्मा अपने लोगों में से नष्ट की जाएगी। क्योंकि उसने प्रभु के वचन को तुच्छ जाना और उसकी आज्ञाओं को तोड़ डाला, वह प्राण पूर्णतः नष्ट किया जाएगा, उसका पाप उसमें रहेगा।

और इस्राएल के पुत्र जंगल में थे, और उन्होंने सब्त के दिन लकड़ी एकत्र करते हुए एक पुरुष को पाया। और जिन्होंने उसे लकड़ी एकत्र करते हुए पाया था, वे उसे सब्त के दिन मूसा और हारून के पास, और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा के पास लाए। और उन्होंने उसको कारागार में रखा, क्योंकि उन्होंने निर्णय नहीं किया था कि उसके साथ क्या करें। और प्रभु ने मूसा से कहा, वह आदमी मृत्यु से मार डाला जाए, सारी सभा उसे पत्थरों से पत्थर मारे। और सारी सभा उसे शिविर के बाहर ले गई, और सारी सभा ने उसे शिविर के बाहर पत्थरों से मार डाला, जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, और वे अपने लिए अपने वस्त्रों के कोनों पर झालर बनाएं अपनी पीढ़ियों में, और तुम झालर के कोनों पर नीला धागा रखोगे। और यह तुम्हारी झालरों में होगा, और तुम उन्हें देखोगे, और तुम प्रभु की सब आज्ञाओं को याद करोगे, और तुम उन्हें करोगे, और तुम अपने विचारों के पीछे और अपनी आँखों के पीछे नहीं भटकोगे जिनके पीछे तुम व्यभिचार करते हो, ताकि तुम

याद करो और मेरी सब आज्ञाओं को करो। और तुम अपने परमेश्वर के लिए पवित्र होगे। मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, जो तुम्हें मित्र की भूमि से बाहर लाया, तुम्हारा ईश्वर होने के लिए, मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ।

16

और कोरह ने बोला, जो इज़हार का पुत्र था, जो काहात का पुत्र था, जो लेवी का पुत्र था, और दातान और अबीराम, जो एलीआब के पुत्र थे, और ओन, जो फेलेत का पुत्र था, जो रुबेन का पुत्र था, और वे मूसा के सामने उठ खड़े हुए, और इस्राएल के पुत्रों में से पचास और दो सौ पुरुष, जो सभा के नेता थे, परिषद में बुलाए गए थे, और प्रसिद्ध पुरुष थे। वे मूसा और हारून के विरुद्ध एकत्रित हुए, और उन्होंने कहा, यह तुम्हारे लिए पर्याप्त है, क्योंकि सारी सभा, सभी पवित्र हैं, और उनमें प्रभु है, तो फिर तुम प्रभु की सभा के ऊपर क्यों उठते हो? और मूसा ने सुनकर मुँह के बल गिर पड़ा। और उसने कोरह और उसकी सारी सभा से कहा, परमेश्वर ने देखा है और जान लिया है कि कौन उसके हैं और कौन पवित्र हैं, और उन्हें अपने पास लाया है, और जिनको उसने अपने लिए चुना है, उन्हें अपने पास लाया है। यह करो, तुम अपने लिए धूपदान ले लो, कोरह और उसकी सारी सभा, और उन पर आग रखो, और कल प्रभु के सामने उन पर धूप रखो, और वह पुरुष जिसे प्रभु ने चुना है, यह पवित्र होगा। हे लेवी के पुत्रों, यह तुम्हारे लिए पर्याप्त हो। और मूसा ने कोरह से कहा, हे लेवी के पुत्रों, मेरी सुनो। क्या यह तुम्हारे लिए छोटी बात है कि इस्राएल के परमेश्वर ने तुम्हें इस्राएल की सभा से अलग किया और तुम्हें अपने पास लाया ताकि प्रभु के तम्बू की सेवाओं को करो और तम्बू के सामने उपस्थित होकर उनकी सेवा करो? और उसने तुम्हें और तुम्हारे सभी भाइयों को, लेवी के पुत्रों को, अपने साथ जीत लिया, और तुम याजक के रूप में सेवा करने की भी खोज करते हो? इस प्रकार तुम और तुम्हारी सारी सभा जो परमेश्वर की ओर एकत्रित हुई है, और हारून कौन है कि तुम उसके विरुद्ध बड़बड़ाते हो?

और मूसा ने दाथान और अबीराम को, जो एलियाब के पुत्र थे, बुलाने के लिए भेजा, और उन्होंने कहा, हम नहीं जाएंगे। क्या यह छोटी बात है कि तुम हमें दूध और शहद बहती भूमि में लाए, हमें रेगिस्तान में मारने के लिए, कि तुम हम पर शासन करते हो? क्या तुम शासक हो? और क्या तुम हमें उस भूमि में लाए जहाँ दूध और शहद बहता है, और क्या तुमने हमें खेत और अंगूर के बाग विरासत में दिए? क्या तुम उन लोगों की आँखें निकाल लोगे? हम ऊपर नहीं जाएंगे। और मूसा बहुत दुःखी हुआ, और प्रभु से कहा, उनके बलिदान पर ध्यान मत दो, मैंने उनमें से किसी की कोई वांछनीय वस्तु नहीं ली है, और न ही मैंने उनमें

से किसी के साथ अन्याय किया है। और मूसा ने कोरह से कहा, अपनी सभा को पवित्र करो, और तुम और हारून और वे कल प्रभु के सामने तैयार रहो, और प्रत्येक व्यक्ति अपना धूपदान ले, और उन पर धूप रखे, और प्रभु के सामने प्रत्येक अपना धूपदान लाए—ढाई सौ धूपदान—और तुम और हारून भी प्रत्येक अपना धूपदान लाओ।

और प्रत्येक ने अपना धूपदान लिया, और उन्होंने उन पर आग रखी, और उन पर धूप डाला, और मूसा और हारून साक्ष्य के तम्बू के द्वारों के पास खड़े हुए। और कोरह ने अपनी सारी सभा को साक्ष्य के तम्बू के दरवाजे पर उनके विरुद्ध इकट्ठा किया, और प्रभु की महिमा सारी सभा को दिखाई दी। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, इस सभा के बीच से अलग हो जाओ, और मैं उन्हें एकबारगी नष्ट कर दूंगा। और वे अपने चेहरे के बल गिरे, और उन्होंने कहा, हे परमेश्वर, आत्माओं और सब शरीर के परमेश्वर, यदि एक मनुष्य ने पाप किया है, तो क्या सारी सभा पर प्रभु का क्रोध होगा? और प्रभु ने मूसा से कहा, सभा से कहो, कोरह की सभा के चारों ओर से हट जाओ।

और मूसा उठा, और दातान और अबीराम की ओर गया, और इस्राएल के सब बुजुर्ग उसके साथ गए। और उसने सभा से कहा, इन कठोर मनुष्यों के तंबुओं से अलग हो जाओ, और जो कुछ उनका है उसे मत छूओ, कहीं ऐसा न हो कि तुम उनके सब पापों में उनके साथ नष्ट हो जाओ। और वे कोरह के तम्बू के चारों ओर से हट गए, और दातान और अबीराम निकले, और अपने तम्बुओं के द्वारों पर खड़े थे, और उनकी स्त्रियाँ, और उनके बच्चे, और उनका सामान।

और मूसा ने कहा, इससे तुम जानोगे कि प्रभु ने मुझे ये सब काम करने के लिए भेजा है, कि ये मेरी ओर से नहीं है। यदि ये सब मनुष्यों की मृत्यु के अनुसार मरेंगे, यदि सब मनुष्यों के निरीक्षण के अनुसार उनका दर्शन होगा, तो प्रभु ने मुझे नहीं भेजा है। लेकिन प्रभु दर्शन में दिखाएगा, और पृथ्वी अपना मुँह खोलकर उनको निगल लेगी, और उनके घरों को, और उनके तम्बुओं को, और जो कुछ उनके पास है सब कुछ, और वे जीवित अधोलोक में उतर जाएंगे, और तुम जानोगे कि इन लोगों ने प्रभु को क्रोधित किया।

जैसे ही वह ये सब शब्द बोलना बंद हुआ, उनके नीचे की भूमि फट गई। और धरती खुल गई, और उसने उन्हें निगल लिया, और उनके घरों को, और सब लोगों को जो कोरह के साथ थे, और उनके पशुओं को। और वे नीचे चले गए, और जितने उनके जीवित थे अधोलोक में, और पृथ्वी ने उनको ढक दिया, और वे सभा के बीच से नष्ट हो गए। और सब

इस्राएली जो उनके चारों ओर थे, उनकी आवाज़ से भाग गए, यह कहते हुए कि कहीं भूमि हमें भी निगल न ले। और आग प्रभु से निकली, और उसने उन पचास और दो सौ पुरुषों को निगल लिया जो धूप अर्पित कर रहे थे।

17

और प्रभु ने मूसा से कहा, और हारून याजक के पुत्र एलाज़ार से कहो, जले हुआओं के बीच से कांस्य के धूपदान उठा लो, और इस पराई आग को वहाँ बिखेर दो, क्योंकि इन पापियों ने अपने प्राणों की कीमत पर इन धूपदानों को पवित्र किया था। और उन्हें पीटी हुई चादरें बनाओ, वेदी के लिए आवरण, क्योंकि वे प्रभु के सामने चढ़ाए गए और पवित्र किए गए, और वे इस्राएल के पुत्रों के लिए एक निशान बन गए। और एलाज़ार ने, जो हारून पुजारी का पुत्र था, उन कांस्य की अंगीठियों को लिया जो जले हुए लोगों ने चढ़ाई थीं, और उन्हें वेदी के आवरण के रूप में लगाया। इस्राएल के पुत्रों के लिए स्मारक, ताकि कोई विदेशी, जो हारून के वंश से नहीं है, प्रभु के सामने धूप चढ़ाने न आए, और वह कोरह और उसकी सभा के समान न हो, जैसा प्रभु ने मूसा के द्वारा उससे कहा था।

और इस्राएल के पुत्रों ने अगले दिन मूसा और हारून के विरुद्ध बड़बड़ाते हुए कहा, तुमने प्रभु के लोगों को मार डाला है। और ऐसा हुआ कि जब सभा मूसा और हारून के विरुद्ध एकत्र हो रही थी, और वे गवाही के तम्बू की ओर दौड़े, तो बादल ने उसे ढक लिया, और प्रभु की महिमा प्रकट हुई। और मूसा और हारून गवाही के तम्बू के सामने प्रवेश किए। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, इस मण्डली के बीच से निकल जाओ, और मैं उन्हें तुरंत नष्ट कर दूंगा, और वे अपने मुख के बल गिर पड़े। और मूसा ने हारून से कहा, धूपदान लो, और उस पर वेदी से आग रखो, और उस पर धूप डालो, और शीघ्रता से शिविर में ले जाओ, और उनके लिए प्रायश्चित्त करो, क्योंकि प्रभु के मुख से क्रोध निकला है, लोगों को नष्ट करना आरंभ हो गया है। और हारून ने वैसा ही लिया जैसा मूसा ने उससे कहा था, और वह सभा में दौड़ा, और पहले से ही लोगों में विनाश शुरू हो चुका था, और उसने धूप डाला और लोगों के लिए प्रायश्चित्त किया। और वह मृतकों और जीवितों के बीच में खड़ा हुआ, और महामारी रुक गई। और विपत्ति में मरने वाले चौदह हजार सात सौ हो गए, कोरह के कारण मरने वालों के अलावा। और हारून मूसा के पास साक्षी के तम्बू के द्वार पर लौटा, और विपत्ति रुक गई।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो और उनमें से छड़ी लो—पितरों के घरानों के अनुसार उनके सभी शासकों में से एक छड़ी, उनके पितरों के घरानों के अनुसार बारह छड़ियाँ—और प्रत्येक का नाम उसकी छड़ी पर लिखो। और हारून का नाम लेवी की छड़ी पर लिखो, क्योंकि एक छड़ी है, उनके पूर्वजों के घर के गोत्र के अनुसार वे देंगे। और तू उन्हें साक्ष्य के तम्बू में, साक्ष्य के सामने रखेगा, जहाँ मैं तुझ पर अपने आप को प्रकट करूँगा। और वह मनुष्य होगा जिसको मैं चुनूँगा, उसकी छड़ी अंकुरित होगी, और मैं इस्राएल के पुत्रों की वह बड़बड़ाहट को अपने से हटा दूँगा, जो वे तुम पर बड़बड़ाते हैं।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से बात की, और उनके सभी शासकों ने उसे छड़ी दी, प्रत्येक शासक को एक छड़ी, शासक के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, बारह छड़ियाँ, और हारून की छड़ी उनकी छड़ियों के बीच में थी। और मूसा ने छड़ियों को प्रभु के सामने साक्षी के तम्बू में रखा। और अगले दिन ऐसा हुआ कि मूसा और हारून गवाही के तम्बू में प्रवेश किए, और देखो, हारून की छड़ी लेवी के घराने के लिए अंकुरित हुई थी, और उसने अंकुर निकाला, और फूल खिले, और बादाम उत्पन्न हुए। और मूसा ने प्रभु के सामने से सब छड़ियाँ इस्राएल के सब पुत्रों के पास लाया, और उन्होंने देखा, और प्रत्येक ने अपनी छड़ी ली।

और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून की छड़ी को गवाहियों के सामने संरक्षण में रख दे, अवज्ञाकारी पुत्रों के लिए निशानी, और उनकी बड़बड़ाहट मुझसे बंद हो जाए, और वे न मरें। और मूसा और हारून ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था। और इस्राएल के पुत्रों ने मूसा से कहा, देखो, हम नष्ट हो गए हैं, हम नाश हो गए हैं, हम विनष्ट हो गए हैं। हर वह जो प्रभु के तम्बू को छूता है, मरता है, क्या अंत तक हम मरते रहेंगे?

18

और प्रभु ने हारून से कहा, तुम और तुम्हारे पुत्र और तुम्हारे पिता का घर पवित्र चीजों के पापों को उठाओगे, और तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे याजकपद के पापों को उठाओगे। और अपने भाइयों को, लेवी जनजाति को, अपने पिता के लोगों को, अपने पास लाओ, और वे तुमसे जुड़ें, और वे तुम्हारी सेवा करें, और तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे साथ गवाही के तम्बू के सामने रहें। और वे तुम्हारे रक्षकों को रखेंगे, और तम्बू के रक्षकों को। सिवाय पवित्र बर्तनों की ओर, और वेदी की ओर वे नहीं आएंगे, और वे नहीं मरेंगे और न ये और न तुम। और वे तुम्हारे साथ जोड़े जाएंगे, और वे गवाही के तंबू की रक्षा करेंगे, तंबू की सभी सेवाओं के

अनुसार, और कोई विदेशी तुम्हारे पास नहीं आएगा। और तुम पवित्र वस्तुओं के पहरेदारों को और वेदी के पहरेदारों को रखोगे, और इस्राएल के पुत्रों में क्रोध नहीं होगा। और मैंने तुम्हारे भाइयों, लेवियों को इस्राएल के पुत्रों के बीच से लिया है, जो प्रभु को दिया गया उपहार है, साक्षी के तम्बू की सेवा करने के लिए। और तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे साथ अपने पुरोहिती की रक्षा करोगे, वेदी की सब रीतियों के अनुसार और पदों के भीतर, और तुम्हारे पुरोहिती की सेवाओं के उपहार की सेवा करोगे, और जो विदेशी पास आएगा वह मर जाएगा।

और प्रभु ने हारून से कहा, और देखो, मैंने तुम्हें इस्राएल के पुत्रों द्वारा मेरे लिए पवित्र किए गए सब चीजों के प्रथम फलों का संरक्षण दिया है, मैंने उन्हें तुम्हें सम्मान के रूप में दिया है, और तुम्हारे पुत्रों को तुम्हारे साथ, शाश्वत विधि के रूप में। और यह तुम्हें पवित्र किए गए पवित्र भेंटों में से मिलेगा, उनके सब दानों से, और उनके सब बलिदानों से, और उनके सब अपराध-बलियों से, और उनके सब पापों से, जितने वे मुझे सब पवित्र वस्तुओं में से लौटाते हैं, यह तुझे और तेरे पुत्रों को मिलेगा। पवित्र स्थान में तुम उन्हें खाओगे, हर पुरुष उन्हें खाएगा, तुम और तुम्हारे पुत्र, वे तुम्हारे लिए पवित्र होंगे।

और यह तुम्हें इस्राएल के पुत्रों के सब चढ़ावों में से उनके उपहारों का प्रथम फल होगा, मैंने उन्हें तुझे और तेरे साथ तेरे पुत्रों और तेरी पुत्रियों को दिया है, यह शाश्वत विधि है, तेरे घर में हर शुद्ध व्यक्ति उन्हें खाएगा।

तेल के सब प्रथम फल, और दाखरस के सब प्रथम फल, अनाज के उनके प्रथम फल, जितने भी वे प्रभु को दें, वे सब मैंने तुझे दिए हैं। पहले फल, जो उनकी भूमि में हैं, जितने वे प्रभु के पास लाएं, वे तेरे होंगे। तेरे घर में हर शुद्ध व्यक्ति उन्हें खाएगा।

इस्राएल के पुत्रों में हर समर्पित वस्तु तुम्हारी होगी। और हर गर्भ खोलने वाला सब मांस में से, जितने वे प्रभु को अर्पित करते हैं, मनुष्य से लेकर पशु तक, तेरा होगा, लेकिन मनुष्यों के पहलौठे फिरौती से छुड़ाए जाएंगे, और अशुद्ध पशुओं के पहलौठे तू छुड़ाएगा। और उसका छुटकारा, एक महीने की उम्र से, मूल्यांकन पाँच शेकेल है, पवित्र शेकेल के अनुसार जो बीस ओबोल है। सिवाय बछड़ों, भेड़ों और बकरियों के पहलौठों को तू नहीं छुड़ाएगा, वे पवित्र हैं, और उनका खून तू वेदी पर डालेगा, और चर्बी को तू सुगंधित भेंट के रूप में प्रभु को चढ़ाएगा।

और मांस तुम्हारा होगा, जैसे लहराने की भेंट की छाती और दाहिनी भुजा तुम्हारी होगी। पवित्र चीजों की हर भेंट, जितनी भी इस्राएल के पुत्र प्रभु को अलग करें, मैंने तुझे और तेरे पुत्रों और तेरी पुत्रियों को तेरे साथ दी है, यह शाश्वत विधि है। यह प्रभु के सामने शाश्वत नमक की वाचा है, तुझे और तेरे साथ तेरे वंश को।

और प्रभु ने हारून से कहा, तुम उनकी भूमि में विरासत नहीं पाओगे, और तुम्हें उनमें कोई हिस्सा नहीं होगा, क्योंकि मैं तुम्हारा हिस्सा हूँ और इस्राएल के पुत्रों के बीच तुम्हारी विरासत हूँ।

और लेवी के पुत्रों को देखो, मैंने इस्राएल में हर दसवां भाग उत्तराधिकार में दिया है, उनकी सेवाओं के बदले में, जितनी वे साक्षी के तम्बू में सेवा करते हैं। और इस्राएल के पुत्र अब साक्ष्य के तंबू में नहीं आएंगे, ताकि प्राणघातक पाप न ले लें। और लेवी स्वयं साक्षी के तम्बू की सेवा करेगा, और वे अपने पापों को लेंगे, यह उनकी पीढ़ियों के लिए शाश्वत विधि है, और इस्राएल के पुत्रों के बीच वे विरासत नहीं पाएंगे। क्योंकि इस्राएल के पुत्रों के दशमांश, जितने भी वे प्रभु के लिए अलग करें, वह भेंट मैंने लेवियों को विरासत में दी है, इसलिए मैंने उनसे कहा है कि इस्राएल के पुत्रों के बीच वे विरासत नहीं पाएंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, और तुम लेवियों से बोलोगे और उनसे कहोगे, यदि तुम इस्राएल के पुत्रों से दशमांश लो, जो मैंने तुम्हें उनसे भाग्य में दिया है, तो तुम उसमें से प्रभु के लिए भेंट अलग करोगे, दशमांश का दशमांश। और तुम्हारा योगदान तुम्हें अनाज के समान गिना जाएगा जो खलिहान से आता है, और योगदान के समान जो दाखरस कुंड से आता है। इस प्रकार तुम उन्हें अलग करोगे, और तुम भी प्रभु की सब भेंटों में से, अपने सब दशमांशों में से, जितने तुम इस्राएल के पुत्रों से प्राप्त करो, उनमें से प्रभु के लिए एक भेंट हारून याजक को दोगे। अपने सब उपहारों में से तुम प्रभु के लिए भेंट अलग करोगे, या सब पहले फलों में से उसकी पवित्र की हुई वस्तु अलग करोगे। और तुम उनसे कहोगे, जब भी तुम उसमें से पहला फल हटाओ, तो यह लेवियों के लिए खलिहान की उपज के समान और दाखरस कुंड की उपज के समान गिना जाएगा। और तुम इसे हर जगह खाओगे, तुम और तुम्हारे घर के लोग, क्योंकि यह तुम्हारा पुरस्कार है तुम्हारी उन सेवाओं के बदले जो साक्षी के तम्बू में हैं। और तुम लोग इसके माध्यम से पाप नहीं लोगे, क्योंकि तुम लोग उसके प्रथम फल को ले लो, और इस्राएल के पुत्रों की पवित्र चीजों को अपवित्र नहीं करोगे, ताकि तुम लोग न मरो।

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, यह कानून का विधान है, जितने आदेश प्रभु ने दिए, कहते हुए, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और वे तुम्हारे पास एक लाल निर्दोष बछिया लाएं, जिसमें कोई दोष न हो, और जिस पर कभी जुआ न रखा गया हो। और तुम उसे पुजारी एलाज़ार को दोगे, और वे उसे शिविर के बाहर एक शुद्ध स्थान में ले जाएंगे, और वे उसके सामने उसका वध करेंगे। और एलाज़ार उसके रक्त में से लेगा, और गवाही के तम्बू के सामने उसके रक्त में से सात बार छिड़केगा। और वे इसे उसके सामने जलाएंगे, और इसकी त्वचा और इसका मांस और इसका रक्त इसके गोबर के साथ जलाया जाएगा। और पुजारी देवदार की लकड़ी, जूफा और लाल रंग लेगा, और वे इन्हें बछिया की जलती हुई आग के बीच में डालेंगे।

और पुजारी अपने वस्त्र धोएगा, और अपने शरीर को जल से नहाएगा, और इन बातों के बाद शिविर में प्रवेश करेगा, और पुजारी संध्या तक अशुद्ध रहेगा। और जो उसे जलाए वह अपने वस्त्र धोएगा, और अपना शरीर स्नान करेगा, और सांझ तक अशुद्ध रहेगा। और एक शुद्ध पुरुष बछिया की राख इकट्ठा करेगा और उसे शिविर के बाहर एक शुद्ध स्थान में रखेगा, और यह इस्राएल के पुत्रों की सभा के लिए संरक्षित रहेगा; छिड़काव का जल शुद्धिकरण है। और जो बछिया की राख एकत्र करेगा, वह अपने वस्त्र धोएगा और संध्या तक अशुद्ध रहेगा, और यह इस्राएल के पुत्रों के लिए और उनके बीच निवास करने वाले परदेशियों के लिए शाश्वत विधि होगी।

जो कोई किसी मृत मनुष्य की आत्मा को छूएगा, वह सात दिन तक अशुद्ध रहेगा। यह तीसरे दिन और सातवें दिन शुद्ध किया जाएगा, और शुद्ध होगा, लेकिन यदि तीसरे दिन और सातवें दिन शुद्ध नहीं किया जाए, तो शुद्ध नहीं होगा। जो कोई भी मनुष्य की मृत आत्मा को छूता है, यदि वह मर जाता है और शुद्ध नहीं किया जाता है, तो उसने प्रभु के तंबू को अशुद्ध किया है। वह आत्मा इस्राएल से नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि शुद्धिकरण का जल उस पर छिड़का नहीं गया था। वह अशुद्ध है; उसकी अशुद्धता अभी भी उसमें है। और यह कानून है, यदि कोई आदमी घर में मरता है, तो हर वह जो घर में प्रवेश करता है, और जितने घर में हैं, सात दिन तक अशुद्ध होंगे। और हर खुला हुआ बर्तन जिस पर कोई बंधन नहीं बांधा गया है, वह अशुद्ध है। और जो कोई मैदान में किसी घायल व्यक्ति को या मृत को या मानव हड्डी को या कब्र को छूएगा, वह सात दिन तक अशुद्ध रहेगा।

और वे अशुद्ध व्यक्ति के लिए शुद्धिकरण की जली हुई राख से लेंगे, और उस पर जीवित जल एक पात्र में डालेंगे। और वह जूफा लेगा, और एक शुद्ध पुरुष उसे जल में

डुबोएगा, और वह घर पर, बर्तनों पर, उन सभी प्राणियों पर जो वहाँ हों, मानव हड्डी को छूने वाले पर, घायल पर, मृत पर, या कब्र पर छिड़केगा। और शुद्ध व्यक्ति अशुद्ध व्यक्ति पर तीसरे दिन और सातवें दिन छिड़केगा, और वह सातवें दिन शुद्ध किया जाएगा, और वह अपने वस्त्र धोएगा, और जल से नहाएगा, और संध्या तक अशुद्ध रहेगा। और जो मनुष्य अपवित्र हो जाए और शुद्ध न किया जाए, वह प्राण सभा के बीच में से नष्ट किया जाएगा, क्योंकि उसने प्रभु की पवित्र वस्तुओं को अपवित्र किया, क्योंकि छिड़काव का जल उस पर छिड़का नहीं गया, वह अशुद्ध है। और यह तुम्हारे लिए शाश्वत विधि होगी, और जो शुद्धिकरण का जल छिड़कता है, वह अपने वस्त्र धोएगा, और जो शुद्धिकरण के जल को छूता है, वह संध्या तक अशुद्ध रहेगा। और जो कुछ भी अशुद्ध व्यक्ति छुएगा, वह अशुद्ध होगा, और जो प्राणी उसे छुएगा, वह शाम तक अशुद्ध रहेगा।

20

और इस्राएल के पुत्र, सारी मण्डली, सीन के जंगल में आए, पहले महीने में, और लोग कादेश में रहे, और वहाँ मिरियम की मृत्यु हो गई, और वहाँ दफनाई गई। और सभा के लिए पानी नहीं था, और वे मूसा और हारून के विरुद्ध एकत्रित हुए। और लोगों ने मूसा से झगड़ा किया, कहते हुए, काश हम अपने भाइयों के विनाश में प्रभु के सामने मर गए होते। और आपने प्रभु की सभा को इस रेगिस्तान में क्यों लाया, हमें और हमारे पशुओं को मारने के लिए? और यह क्यों? आपने हमें मिस्र से निकालकर इस बुरे स्थान पर लाए, यह स्थान जहाँ न बोया जाता है, न अंजीर के पेड़ हैं, न अंगूर की बेलें हैं, न अनार हैं, न पीने को पानी है।

और मूसा और हारून सभा के सामने से साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर आए, और मुँह के बल गिरे, और प्रभु की महिमा उन्हें दिखाई दी। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपनी छड़ी लो, और तुम तथा तुम्हारा भाई हारून सभा को इकट्ठा करो, और उनके सामने चट्टान से बोलो, और वह अपना जल देगी, और तुम उनके लिए चट्टान से जल निकालोगे, और सभा को और उनके पशुओं को पिलाओगे। और मूसा ने वह छड़ी ली जो प्रभु के सामने थी, जैसा प्रभु ने आज्ञा दी थी। और मूसा और हारून ने सभा को चट्टान के सामने एकत्रित किया, और उनसे कहा, हे अवज्ञाकारियों, मेरी सुनो, क्या हम इस चट्टान से तुम्हारे लिए पानी नहीं निकालेंगे? और मूसा ने अपना हाथ उठाकर चट्टान को छड़ी से दो बार मारा, और बहुत पानी निकला, और समुदाय ने पिया, और उनके पशुओं ने भी। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, क्योंकि तुमने इस्राएल के पुत्रों के सामने मुझे पवित्र करने में विश्वास नहीं किया, इस कारण तुम इस

सभा को उस भूमि में नहीं ले जाओगे जो मैंने उन्हें दी है। यह विवाद का जल है, क्योंकि इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने निन्दा की, और वह उनमें पवित्र किया गया।

और मूसा ने कादेश से एदोम के राजा के पास दूत भेजे, यह कहते हुए, तुम्हारा भाई इस्राएल यह कहता है, तुम उस सब कष्ट को जानते हो जो हमें मिला। और हमारे पिता मिस्र गए, और हम मिस्र में अधिक दिनों तक रहे, और मिस्रियों ने हमारे साथ और हमारे पिताओं के साथ दुर्व्यवहार किया। और हमने प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने हमारी आवाज़ सुनी, और एक दूत भेजकर उसने हमें मिस्र से निकाला, और अब हम कादेश शहर में हैं, जो तुम्हारी सीमा के एक भाग में है। हम तुम्हारी भूमि से होकर गुजरेंगे, हम खेतों से नहीं गुजरेंगे, न ही अंगूर के बागों से, न ही हम तुम्हारे गढ़ों से पानी पीएंगे, हम शाही मार्ग पर चलेंगे, हम न दाएं मुड़ेंगे न बाएं, जब तक हम तुम्हारी सीमाओं को पार न कर लें। और एदोम ने उससे कहा, तू मेरे द्वारा नहीं गुजरेगा, यदि ऐसा नहीं है, तो मैं युद्ध में तुझसे मिलने निकलूंगा। और इस्राएल के पुत्र उससे कहते हैं, हम पहाड़ के पास से गुजरेंगे, और यदि मैं और मेरे पशु तेरा पानी पीएं, तो मैं तुझे मूल्य दूंगा, लेकिन यह कोई बड़ी बात नहीं है, हम पहाड़ के पास से गुजरेंगे। लेकिन उसने कहा, तुम मेरे माध्यम से पार नहीं करोगे, और एदोम भारी भीड़ में और मजबूत हाथ में उससे मिलने के लिए निकला। और एदोम ने इस्राएल को अपनी सीमाओं से होकर जाने की अनुमति देना नहीं चाहा, और इस्राएल उससे मुड़ गया। और वे कादेश से प्रस्थान किए, और इस्राएल के पुत्र, सारी सभा, होर पर्वत पर आए।

और प्रभु ने मूसा और हारून से होर पर्वत पर एदोम की भूमि की सीमाओं पर कहा, हारून को उसके लोगों में मिला दिया जाए, क्योंकि तुम उस भूमि में प्रवेश नहीं करोगे जो मैंने इस्राएल के पुत्रों को दी है, क्योंकि तुमने मुझे अपमान के जल पर क्रोधित किया। हारून को लो, और एलाज़ार उसके पुत्र को, और उनको होर पहाड़ पर ले जाओ, सारी सभा के सामने। और हारून का वस्त्र उतारो, और उसके पुत्र एलाज़ार को पहनाओ, और हारून वहाँ मर जाए। और मूसा ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, और उसे होर पर्वत पर ले गया, सारी सभा के सामने। और उसने हारून के वस्त्र उतारे, और उन्हें उसके पुत्र एलाज़ार को पहनाया, और हारून पहाड़ की चोटी पर मर गया, और मूसा और एलाज़ार पहाड़ से नीचे आए। और समस्त सभा ने देखा कि हारून मर गया, और समस्त इस्राएल के घराने ने हारून के लिए तीस दिन रोया।

और कनानी राजा अराद ने, जो मरुभूमि में निवास करता था, सुना कि इस्राएल अथारेइन के मार्ग से आया, और उसने इस्राएल से युद्ध किया, और उनमें से कुछ को बंदी बनाकर लूट लिया। और इस्राएल ने प्रभु से प्रतिज्ञा की और कहा, यदि तुम इन लोगों को मेरे नियंत्रण में सौंप दो, तो मैं उन्हें और उनके शहरों को पूर्णतः नष्ट कर दूंगा। और प्रभु ने इस्राएल की आवाज सुनी, और कनानी को उसके अधीन कर दिया, और उसे तथा उसके नगरों को समर्पित किया, और उन्होंने उस स्थान का नाम शापित रखा।

और होर पहाड़ से प्रस्थान करके लाल समुद्र के मार्ग पर, उन्होंने एदोम की भूमि को घेरा, और लोग मार्ग में निराश हो गए। और लोगों ने भगवान के विरुद्ध और मूसा के विरुद्ध बोला, कहते हुए, तुमने हमें मिस्र से क्यों निकाला? क्या हमें जंगल में मारने के लिए? क्योंकि यहाँ न रोटी है, न पानी, और हमारी आत्मा इस बेकार रोटी से घृणा करती है। और प्रभु ने लोगों में विषैले साँप भेजे, और उन्होंने लोगों को काटा, और इस्राएल के पुत्रों में से बहुत से लोग मर गए। और लोग मूसा के पास आए और कहने लगे, हमने पाप किया है, क्योंकि हमने प्रभु के विरुद्ध और तुम्हारे विरुद्ध बोला है। इसलिए प्रभु से प्रार्थना करो, और वह हम से इस सर्प को दूर कर दें। और मूसा ने लोगों के बारे में प्रभु से प्रार्थना की, और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए एक सर्प बना, और उसे एक निशान पर रख, और ऐसा होगा कि यदि सर्प किसी मनुष्य को काटे, तो वह जो काटा गया है, उसे देखकर जीवित रहेगा। और मूसा ने एक कांस्य साँप बनाया, और उसे एक चिह्न पर स्थापित किया, और ऐसा हुआ कि जब कोई साँप किसी मनुष्य को काटता था, और वह कांस्य साँप को देखता था, तो वह जीवित रह जाता था।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रस्थान किया, और ओबोत में डेरा डाला। और ओबोथ से प्रस्थान करके, उन्होंने अखलगै में डेरा डाला, जो पार के जंगल में है, जो मोआब के सामने है, सूर्य की पूर्व दिशा में। और वहाँ से वे प्रस्थान किए, और उन्होंने ज़ारेद घाटी में डेरा डाला। और वहाँ से प्रस्थान करके उन्होंने अनोन के पार जंगल में डेरा डाला, जो एमोरियों की सीमाओं से फैला हुआ है, क्योंकि अनोन मोआब की सीमा है, मोआब और एमोरी के बीच। इसलिए पुस्तक में कहा गया है, प्रभु के युद्ध ने ज़ाहाब को प्रज्वलित किया, और अनोन के नालों को। और उसने उन नालों को एर में बसाने के लिए नियुक्त किया, और यह मोआब की सीमाओं से जुड़ा हुआ है।

और वहाँ से वह कुआँ, यह वह कुआँ है जिसके बारे में प्रभु ने मूसा से कहा, लोगों को इकट्ठा करो, और मैं उन्हें पीने के लिए पानी दूँगा। तब इसराएल ने कुएं पर यह गीत गाया,

उसके लिए कुआं आरंभ करो, शासकों ने इसे खोदा, राष्ट्रों के राजाओं ने इसे उनके राज्य में काटा, उनके शासन करने के समय। और कुएं से मन्थनाईन में, और मन्थनाईन से नालिएल में, और नालिएल से बामोथ में, और बामोथ से यानिन में, जो मोआब के मैदान में है, खोदे हुए शिखर से, जो जंगल की ओर देखता है।

और मूसा ने एमोरियों के राजा सीहोन के पास बुजुर्गों को शांतिपूर्ण शब्दों के साथ भेजा, यह कहते हुए, हम तुम्हारी भूमि से होकर गुजरेंगे, हम रास्ते पर चलेंगे, हम न खेत की ओर मुड़ेंगे, न अंगूर के बाग की ओर, हम तुम्हारे कुएं से पानी नहीं पीएंगे, हम शाही रास्ते से जाएंगे, जब तक हम तुम्हारी सीमाओं को पार न कर लें। और सीहोन ने इस्राएल को अपनी सीमाओं से होकर गुजरने की अनुमति नहीं दी, और सीहोन ने अपने सभी लोगों को इकट्ठा किया, और इस्राएल से युद्ध करने के लिए रेगिस्तान में निकला, और याहस में आया, और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए व्यवस्थित हुआ। और इस्राएल ने उसे तलवार से मार डाला, और उसकी भूमि पर अर्नोन से याब्बोक तक, अम्मोनियों की सीमा तक कब्जा कर लिया, क्योंकि याजेर अम्मोनियों की सीमा थी। और इस्राएल ने इन सब शहरों को ले लिया, और इस्राएल एमोरियों के सब शहरों में, हेशबोन में, और इसके सब सीमावर्ती शहरों में बस गया। हेशबोन एमोरियों के राजा सीहोन का नगर है, और उसने पहले मोआब के राजा से युद्ध किया, और उन्होंने अरोएर से अर्नोन तक उसकी सारी भूमि ले ली। इसके कारण पहलेली सुलझाने वाले कहेंगे, हेशबोन में आओ, ताकि सीहोन का नगर बनाया जाए और तैयार किया जाए। क्योंकि हेशबोन से आग निकली, सीहोन के नगर से लौ निकली, और मोआब तक सब कुछ निगल लिया, और अर्नोन के स्तंभों को निगल लिया। हे मोआब, तुझ पर शोक! कर्मोश के लोग नष्ट हो गए। उनके पुत्रों को बचाए जाने के लिए सौंप दिया गया, और उनकी पुत्रियाँ एमोरियों के राजा सीहोन की बंदी बना दी गईं। और उनका बीज नष्ट हो जाएगा, हेशबोन से दैबोन तक, और स्त्रियों ने मोआब पर आग और भी भड़का दी।

और इस्राएल एमोरियों के सभी शहरों में बस गया। और मूसा ने याजेर की जासूसी करने के लिए भेजा, और उन्होंने उसे और उसके गाँवों को पकड़ लिया, और वहाँ निवास करने वाले एमोरी को निकाल दिया। और लौटकर, वे बाशान के रास्ते पर चढ़ गए, और बाशान का राजा ओग उनसे मिलने के लिए निकला, और उसके सब लोग युद्ध के लिए एद्रेई में आए। और प्रभु ने मूसा से कहा, उससे मत डरो, क्योंकि मैंने उसे तेरे हाथों में दे दिया है, और उसके सब लोगों को, और उसकी सारी भूमि को, और तू उसके साथ वैसा ही करेगा जैसा तूने एमोरियों के राजा सीहोन के साथ किया था, जो हेशबोन में रहता था। और उसे

और उसके पुत्रों को और उसके सब लोगों को मारा, यहाँ तक कि उसका कोई जीवित नहीं छोड़ा, और उन्होंने उसकी भूमि को विरासत में लिया।

22

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रस्थान करके मोआब के पश्चिम में, यर्दन के पास, यरीहो के सामने डेरा डाला। और बालाक, जो सिप्पोर का पुत्र था, ने देखा कि इस्राएल ने अमोरी के साथ जो कुछ किया था। और मोआब लोगों से बहुत डर गया क्योंकि वे बहुत थे, और मोआब इस्राएल के पुत्रों के सामने से घृणा करने लगा। और मोआब ने मिद्यान की परिषद से कहा, अब यह सभा हमारे चारों ओर की सब चीजों को चाट लेगी, जैसे बछड़ा मैदान से हरी घास को चाट लेता है। और बालाक, जो सिप्पोर का पुत्र था, उस समय मोआब का राजा था। और उसने राजदूतों को बलाम के पास भेजा, जो बओर का पुत्र था और पतोर में रहता था, जो उसके लोगों की भूमि की नदी पर स्थित है, उसे बुलाने के लिए, यह कहते हुए, देखो, एक जाति मिस्र से निकल आई है, और देखो, उन्होंने धरती की सतह को ढक लिया है, और वे मेरे निकट बसे हुए हैं। और अब यहाँ आओ और मेरे लिए इन लोगों को शाप दो, क्योंकि यह हम से अधिक मजबूत है, यदि हम उन्हें मार सकें, तो मैं उन्हें इस भूमि से निकाल दूँगा, क्योंकि मैं जानता हूँ कि जिन्हें तुम आशीर्वाद देते हो, वे आशीर्वादित होते हैं, और जिन्हें तुम शाप देते हो, वे शापित होते हैं। और मोआब की परिषद गई, और मिद्यान की परिषद गई, और उनके हाथों में भविष्यवाणी थी, और वे बिलाम के पास आए, और उन्होंने उसे बालाक के वचन बोले। और उसने उनसे कहा, आज रात यहाँ ठहरो, और मैं तुम्हें वे बातें बताऊँगा जो प्रभु मुझसे कहेंगे, और मोआब के शासक बिलाम के पास रहे।

और परमेश्वर बिलाम के पास आया और उससे कहा, ये लोग तेरे पास क्यों आए हैं? और बलाम ने परमेश्वर से कहा, बालाक, जो सिप्पोर का पुत्र और मोआब का राजा है, उसने उन्हें मेरे पास यह कहते हुए भेजा है, देखो, एक लोग मिस्र से निकल आए हैं, और उन्होंने पृथ्वी की दृष्टि को ढक दिया है, और यह मेरे पास बैठे हुए हैं, और अब आओ, मेरे लिए उन्हें शाप दो, यदि ऐसा हो तो मैं उन्हें मारने में सक्षम होऊँगा, और मैं उन्हें पृथ्वी से निकाल दूँगा। और भगवान ने बालाम से कहा, तुम उनके साथ नहीं जाओगे, और न ही उन लोगों को शाप दोगे, क्योंकि वे धन्य हैं। और सुबह उठकर बिलाम ने बालाक के शासकों से कहा, अपने स्वामी के पास लौट जाओ, परमेश्वर मुझे तुम्हारे साथ जाने नहीं दे रहा है। और मोआब के शासक उठकर बालाक के पास आए, और कहा, बिलाम हमारे साथ जाना नहीं चाहता।

और बालाक ने फिर से और अधिक शासकों को भेजा, जो इनसे अधिक सम्मानित थे। और वे बिलाम के पास आए, और उससे कहते हैं, सिप्पोर का पुत्र बालाक यह कहता है: मैं तुझसे विनती करता हूँ कि मेरे पास आने में संकोच न करना। मैं तुम्हें सम्मानपूर्वक सम्मान दूंगा, और जो कुछ भी तुम कहोगे वह मैं तुम्हारे लिए करूंगा, और यहाँ आओ और मेरे लिए इन लोगों को शाप दो। और बिलाम ने उत्तर दिया और बालाक के शासकों से कहा, यदि बालाक मुझे अपना घर चांदी और सोने से भरा हुआ भी दे दे, तो भी मैं प्रभु परमेश्वर के वचन का उल्लंघन करके अपने मन से छोटा या बड़ा कुछ भी नहीं कर सकूंगा। और अब तुम भी इस रात यहाँ ठहरो, और मैं जानूँगा कि प्रभु मुझसे और क्या कहेंगे। और परमेश्वर रात में बिलाम के पास आया, और उससे कहा, यदि ये लोग तुझे बुलाने के लिए उपस्थित हैं, तो उठकर उनके साथ जा, लेकिन जो वचन मैं तुझसे कहूँगा, वही तू करना।

और बिलाम सुबह उठकर, उसने अपनी गधी पर काठी लगाई, और मोआब के शासकों के साथ गया। और परमेश्वर क्रोध में क्रोधित हुआ क्योंकि वह गया, और परमेश्वर का दूत उसका विरोध करने के लिए उठा, और वह अपनी गधी पर सवार था, और उसके दो सेवक उसके साथ थे। और गधी ने परमेश्वर के दूत को मार्ग में सामने खड़े देखा, और उसके हाथ में खींची हुई तलवार को देखा, तो गधी मार्ग से मुड़कर मैदान में चली गई, और उसने गधी को अपनी छड़ी से मारा ताकि उसे मार्ग पर वापस ले आए।

और परमेश्वर का दूत अंगूर के बाग की नालियों में खड़ा हुआ, एक ओर बाड़ और दूसरी ओर बाड़। और गधी ने परमेश्वर के दूत को देखकर अपने आप को दीवार की ओर दबाया, और बिलाम के पैर को दीवार से कुचल दिया, और उसने फिर उसे मारा।

और परमेश्वर के दूत ने आगे बढ़कर एक संकीर्ण स्थान पर खड़ा हो गया, जहाँ दाहिनी ओर या बायीं ओर मुड़ना संभव नहीं था। और गधी ने परमेश्वर के दूत को देखकर, बिलाम के नीचे बैठ गई, और बिलाम क्रोधित हुआ, और उसने गधी को छड़ी से मारा। और परमेश्वर ने गधी का मुख खोला, और वह बिलाम से कहती है, मैंने तुझसे क्या किया है, कि तूने मुझे यह तीसरी बार मारा है? और बिलाम ने गधी से कहा, तूने मेरा उपहास किया है, और यदि मेरे हाथ में तलवार होती तो मैं अभी तक तुझे छेद देता। और गधी बिलाम से कहती है, क्या मैं तुम्हारी वह गधी नहीं हूँ जिस पर तुम अपनी युवावस्था से लेकर आज के दिन तक सवार होते रहे हो? क्या मैंने कभी तुच्छ समझकर तुम्हारे साथ ऐसा किया है? और उसने कहा, नहीं। और परमेश्वर ने बिलाम की आँखें खोल दीं, और वह प्रभु के दूत को मार्ग में विरोध में खड़ा हुआ देखता है, और उसके हाथ में खींची हुई तलवार देखता है, और झुककर उसके

सामने दण्डवत किया। और परमेश्वर के दूत ने उससे कहा, तूने अपनी गंधी को तीसरी बार क्यों मारा? देखो, मैं तेरा विरोध करने आया हूँ, क्योंकि तेरा मार्ग मेरे सामने उचित नहीं था, और गंधी ने मुझे देखकर तीसरी बार मुझसे मुड़ गई। और अगर वह नहीं मुड़ी होती, तो अब मैं तुम्हें तो मार डालता, लेकिन उसे बचा लेता। और बिलाम ने प्रभु के दूत से कहा, मैंने पाप किया है, क्योंकि मैं नहीं जानता था कि तू मुझसे मिलने के लिए रास्ते में विरोध कर रहा था, और अब यदि तुझे यह पर्याप्त नहीं है, तो मैं लौट जाऊंगा। और परमेश्वर के दूत ने बिलाम से कहा, इन मनुष्यों के साथ जाओ, परन्तु जो वचन मैं तुमसे कहूँ, केवल वही बोलना। और बिलाम बालाक के हाकिमों के साथ चला गया।

और बालाक ने सुनकर कि बिलाम आया है, वह उससे मिलने के लिए मोआब के नगर को निकला, जो अनौन की सीमाओं पर है, जो सीमाओं के छोर पर है। और बालाक ने बिलाम से कहा, क्या मैंने तुम्हें बुलाने के लिए तुम्हारे पास नहीं भेजा था? तुम मेरे पास क्यों नहीं आए? क्या सचमुच मैं तुम्हें सम्मानित नहीं कर सकूंगा? और बिलाम ने बालाक से कहा, देखो, मैं अब तुम्हारे पास आया हूँ, क्या मैं कुछ बोलने में सक्षम होऊंगा? जो शब्द परमेश्वर मेरे मुँह में डालेगा, वही मैं बोलूंगा। और बिलाम बालाक के साथ गया, और वे बाहरी इलाकों के शहरों में आए। और बालाक ने भेड़ें और बछड़े बलि किए, और बिलाम को और उसके साथ के शासकों को भेजा। और सुबह हुई, और बालाक बिलाम को लेकर उसे बाल के स्तंभ पर ले गया, और वहाँ से उसे लोगों का कुछ भाग दिखाया।

23

और बिलाम ने बालाक से कहा, मेरे लिए यहाँ सात वेदियाँ बनाओ, और मेरे लिए यहाँ सात बछड़े और सात मेढ़े तैयार करो। और बालाक ने वैसा ही किया जैसा बिलाम ने उसको कहा था, और उसने वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया। और बिलाम ने बालाक से कहा, अपने बलिदान के पास खड़ा रह, और मैं जाऊंगा कि देखूँ यदि परमेश्वर मुझसे मिलने आएगा, और जो वचन वह मुझे दिखाएगा, वह मैं तुझे बताऊंगा। और बालाक अपने बलिदान के पास खड़ा रहा। और बिलाम परमेश्वर से पूछने गया, और सीधा गया, और परमेश्वर बिलाम को प्रकट हुआ, और उससे कहा, बिलाम, मैंने सात वेदियाँ तैयार की हैं, और वेदी पर बछड़ा और मेढ़ा चढ़ाया है। और परमेश्वर ने बिलाम के मुख में शब्द डाला, और बालाक की ओर मुड़कर कहा, इस प्रकार तुम बोलोगे। और वह उसकी ओर मुड़ा, और वह अपने होमबलियों के पास खड़ा था, और मोआब के सब शासक उसके साथ थे, और परमेश्वर का आत्मा उस पर आया। और उसने अपना दृष्टान्त लेकर कहा,

मेसोपोटामिया से मोआब के राजा बालाक ने मुझे पूर्व के पहाड़ों से बुलाया, यह कहते हुए, आओ, मेरे लिए याकूब को शाप दो, और आओ, मेरे लिए इस्राएल को शाप दो। मैं उसे क्या आशीर्वाद दूँ जिसे प्रभु आशीर्वाद नहीं देता? या मैं उसे क्या शाप दूँ जिसे परमेश्वर शाप नहीं देता? क्योंकि मैं पहाड़ों के शिखर से उसे देखूँगा, और पहाड़ियों से उसका निरीक्षण करूँगा। देखो, ये लोग अकेले निवास करेंगे, और राष्ट्रों में इन्हें नहीं गिना जाएगा। किसने याकूब के वंश को पूर्ण किया है, और कौन इस्राएल के कुलों को गिनेगा? मेरी आत्मा धर्मियों की आत्माओं में मरे, और मेरा वंश इनके वंश के समान हो।

और बालाक ने बिलाम से कहा, तूने मेरे साथ क्या किया है? मैंने तुझे अपने शत्रुओं को शाप देने के लिए बुलाया था, और देखो, तूने आशीर्वाद दिया है। और बिलाम ने बालाक से कहा, क्या जो कुछ भी परमेश्वर मेरे मुँह में डालेगा, उसी को मैं बोलने के लिए नहीं रखूँगा? और बालाक ने उससे कहा, अभी मेरे साथ एक दूसरे स्थान पर आओ जहाँ से तुम उसे नहीं देखोगे, लेकिन उसका कुछ भाग देखोगे, सबको नहीं देखोगे, और वहाँ से मेरे लिए उसे शाप दो।

और उसने उसको तराशे हुए पहाड़ के शिखर पर स्थित खेत की प्रहरी मीनार में ले गया, और वहाँ सात वेदियाँ बनाई, और वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया। और बिलाम ने बालाक से कहा, अपने बलिदानों के पास खड़ा रह, मैं परमेश्वर से पूछने जाऊँगा। और परमेश्वर बिलाम से मिले, और उन्होंने उसके मुँह में वचन डाला, और कहा, बालाक के पास लौट जा, और ये बातें बोलना। और वह उसकी ओर मुड़ा, और वह अपने होमबलि पर खड़ा था, और मोआब के सब शासक उसके साथ थे, और बालाक ने उससे कहा, प्रभु ने क्या कहा? और उसने अपना दृष्टांत लेकर कहा, उठ बालाक, और सुन, कान लगा, हे सिप्पोर के पुत्र। परमेश्वर मनुष्य के समान नहीं है कि झूठ बोले, न मनुष्य के पुत्र के समान कि धमकाया जाए। क्या उसने कहा और नहीं करेगा? क्या वह बोलेगा और उसे पूरा नहीं करेगा? देखो, मैंने आशीर्वाद देने का कार्य उठाया है, मैं आशीर्वाद दूँगा, और मैं पीछे नहीं हटूँगा। याकूब में परिश्रम नहीं होगा, न इस्राएल में कष्ट देखा जाएगा। प्रभु उसका ईश्वर उसके साथ है, शासकों की महिमा उसमें है। परमेश्वर ने उसे मिस्र से बाहर निकाला; उसके लिए यह एक सींग वाले पशु की महिमा के समान है। क्योंकि याकूब में भविष्यवाणी नहीं है, न इस्राएल में भविष्यवाणी है। समय के अनुसार याकूब को और इस्राएल को कहा जाएगा कि परमेश्वर क्या पूरा करेगा। देखो, ये लोग शावक की तरह उठेंगे, और सिंह की तरह गर्व करेंगे। वे तब तक नहीं सोएंगे जब तक शिकार नहीं खा लें, और घायलों का रक्त नहीं पी लें।

और बालाक ने बालाम से कहा, न तो शाप देकर उसे मेरे लिए शाप दो, और न ही आशीर्वाद देते हुए उसे आशीर्वाद दो। और बिलाम ने उत्तर देते हुए बालाक से कहा, क्या मैंने तुमसे यह कहते हुए नहीं बोला था कि जो वचन परमेश्वर बोले, वही मैं करूँगा? और बालाक ने बिलाम से कहा, यहाँ आ, मैं तुझे दूरे स्थान पर ले जाऊँ, यदि यह परमेश्वर को प्रसन्न हो, और वहाँ से मेरे लिए उसे शाप दे। और बालाक बालाम को फोगोर के शिखर पर ले गया, जो जंगल की ओर फैला हुआ है। और बलाम ने बालाक से कहा, मेरे लिए यहाँ सात वेदियाँ बनाओ, और मेरे लिए यहाँ सात बछड़े और सात मेढ़े तैयार करो। और बालाक ने वैसा ही किया जैसा बिलाम ने उसको कहा था, और वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया।

24

और बिलाम ने देखा कि प्रभु के सामने इस्राएल को आशीर्वाद देना अच्छा है, तो वह अपनी आदत के अनुसार शकुनों से मिलने नहीं गया, और उसने अपना चेहरा रेगिस्तान की ओर फेर दिया। और बिलाम ने अपनी आँखें उठाकर इस्राएल को कुलों के अनुसार डेरा डाले हुए देखा, और परमेश्वर का आत्मा उस पर आया। और अपना दृष्टान्त उठाकर उसने कहा, बिलाम, बोर का पुत्र, कहता है; वह मनुष्य कहता है जो सचमुच देखता है वह कहता है कि शक्तिशाली के शब्द सुनता हुआ, जिसने ईश्वर का दर्शन नींद में देखा, उसके नेत्र खोले गए थे। हे याकूब, तेरे घर कितने सुंदर हैं, हे इस्राएल, तेरे तंबू कितने सुंदर हैं! जैसे छाया करती हुई घाटियाँ, और जैसे नदी के किनारे बगीचे, और जैसे तम्बू जो प्रभु ने खड़े किए, और जैसे जल के पास देवदार। एक आदमी उसके बीज से निकलेगा, और अनेक राष्ट्रों पर शासन करेगा, और गोग का राज्य ऊँचा किया जाएगा, और उसका राज्य बढ़ेगा। भगवान उसे मिस्र से बाहर ले गए, जैसे एक सींग वाले की महिमा उसके साथ है। वह अपने शत्रु राष्ट्रों को खाएगा, और उनके मोटे भागों का मज्जा चूसेगा, और अपने तीरों से शत्रु को मार गिराएगा। लेटकर उसने शेर की तरह विश्राम किया, और शावक की तरह; कौन उसे उठाएगा? जो तुझे आशीर्वाद देते हैं, वे आशीर्वादित हैं, और जो तुझे शाप देते हैं, वे शापित हैं।

और बालाक बिलाम पर क्रोधित हुआ, और उसने अपने हाथों से ताली बजाई, और बालाक ने बिलाम से कहा, मैंने तुम्हें अपने शत्रु को शाप देने के लिए बुलाया था, और देखो, तुमने तीसरी बार आशीर्वाद दिया है। अब इसलिए अपने स्थान को भाग जा, मैंने कहा था कि मैं तुझे सम्मान दूँगा, और अब प्रभु ने तुझे महिमा से वंचित कर दिया है। और बिलाम ने बालाक से कहा, क्या मैंने तेरे दूतों से भी, जिन्हें तूने मेरे पास भेजा था, यह नहीं कहा था,

यदि बालाक मुझे अपना घर चाँदी और सोने से भरा हुआ दे, तो भी मैं प्रभु के वचन का उल्लंघन करके अपनी ओर से कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं कर सकूँगा; जो कुछ परमेश्वर कहेगा, वही मैं कहूँगा। और अब देखो, मैं अपने स्थान को लौट रहा हूँ, आओ, मैं तुम्हें सलाह दूँगा कि ये लोग अंतिम दिनों में तुम्हारे लोगों के साथ क्या करेंगे।

और उसने अपना दृष्टान्त प्रस्तुत करते हुए कहा,

बिलाम, बओर का पुत्र, कहता है; वह मनुष्य जो सचमुच देखता है, कहता है; जो परमेश्वर के वचन सुनता है, जो परमप्रधान से ज्ञान जानता है, और जिसने नींद में परमेश्वर का दर्शन देखा है, उसकी आँखें खोली गई हैं। मैं उसे दिखाऊँगा, और अभी नहीं, मैं आशीर्वाद दूँगा, और पास नहीं आता है, याकूब से एक तारा उदय होगा, इस्राएल से एक मनुष्य उठेगा, और वह मोआब के नेताओं को चकनाचूर करेगा, और वह सेठ के सब पुत्रों को लूटेगा। और एदोम विरासत होगा, और एसाव का शत्रु उसकी विरासत होगा, और इस्राएल ने शक्ति में कार्य किया। और याकूब से कोई उठेगा, और नगर से बचे हुए को नष्ट कर देगा। और अमालेक को देखकर, और अपना दृष्टान्त उठाकर, उसने कहा, अमालेक जातियों का आरम्भ है, और उनका वंश नष्ट हो जाएगा। और केनी को देखकर और अपना दृष्टान्त लेकर, उसने कहा, तुम्हारा निवास मजबूत है, और यदि तुम चट्टान में अपना घोंसला बनाओ, और यदि बेओर को चालाकी का घोंसला मिल जाए, तो अशशूरी तुझे बंदी बना लेंगे। और ओग को देखकर, और अपना दृष्टान्त प्रस्तुत करके, उसने कहा, हाय हाय, कौन जीवित रहेगा, जब परमेश्वर ये बातें करेगा? और कित्तियों के हाथ से निकलेगा, और वे अशशूर को सताएंगे, और वे इब्रियों को सताएंगे, और वे सब एकमत से नष्ट हो जाएंगे। और उठकर बिलाम अपने स्थान को लौट गया, और बालाक भी अपने स्थान को चला गया।

25

और इस्राएल सतेईन में ठहरा, और लोग मोआब की बेटियों के साथ व्यभिचार करके अपवित्र हो गए। और उन्होंने उनको उनकी मूर्तियों के बलिदानों में बुलाया, और लोगों ने उनके बलिदानों को खाया, और उन्होंने उनकी मूर्तियों को प्रणाम किया। और इस्राएल ने बाल पोर की सेवा की, और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुए। और प्रभु ने मूसा से कहा, लोगों के सभी नेताओं को ले लो, और उन्हें सूरज के सामने प्रभु के लिए उदाहरण बनाओ, और प्रभु का क्रोध इस्राएल से हट जाएगा। और मूसा ने इस्राएल की जनजातियों से कहा, प्रत्येक व्यक्ति अपने संबंधी को मार डाले जो बाल पोर के लिए दीक्षित हुआ था।

और देखो, इस्राएल के पुत्रों में से एक मनुष्य आया और अपने भाई को मिद्यानी स्त्री के पास ले गया, मूसा के सामने और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा के सामने, और वे साक्षी के तम्बू के द्वार के पास रो रहे थे। और जब फीनहास ने, जो एलाज़ार का पुत्र था, जो हारून पुरोहित का पुत्र था, देखा, तो वह सभा के बीच से उठा, और हाथ में रस्सी कोड़ा लेकर, वह इस्राएली आदमी के पीछे भट्ठी में दाखिल हुआ, और उसने दोनों को भेद दिया, उस इस्राएली आदमी को और उस स्त्री को उसके गर्भ के द्वारा, और इस्राएल के पुत्रों से विपत्ति रुक गई। और महामारी में मरने वाले चौबीस हजार हुए।

और प्रभु ने मूसा से कहा, फीनहास, जो एलाज़ार का पुत्र था, जो हारून याजक का पुत्र था, उसने इस्राएल के पुत्रों से मेरा क्रोध शांत किया, क्योंकि उसने उनके बीच मेरे उत्साह का उत्साह दिखाया, और मैंने अपने उत्साह में इस्राएल के पुत्रों को नष्ट नहीं किया। इस प्रकार मैंने कहा, देखो, मैं उसको शांति की वाचा देता हूँ। और यह उसके लिए और उसके बाद उसके वंश के लिए शाश्वत पुरोहिती की वाचा होगी, क्योंकि वह अपने परमेश्वर के लिए उत्साही था, और उसने इस्राएल के पुत्रों के लिए प्रायश्चित्त किया। और उस इस्राएली आदमी का नाम, जो मिद्यानी स्त्री के साथ मारा गया था, जिम्री था, जो सालमोन का पुत्र और शिमोन के परिवार के घराने का शासक था। और मारी गई मिद्यानी स्त्री का नाम खासबी था, जो सूर की पुत्री थी, ओम्मोथ राष्ट्र का शासक, मिद्यान के परिवार के घराने का।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, मिद्यानियों के प्रति शत्रुतापूर्ण बनो और उन्हें मारो, क्योंकि वे तुम्हारे प्रति छल में शत्रुता रखते हैं, जितना वे तुम्हें फोगोर के कारण छल करते हैं, और खासबी के कारण, जो मिद्यान के शासक की पुत्री और उनकी बहन थी, जो फोगोर के कारण प्रहार के दिन मारी गई थी।

26

और प्रहार के बाद ऐसा हुआ कि प्रभु ने मूसा और पुजारी एलाज़ार से कहा, इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण सभा की गणना आरंभ करो, बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, वे सब जो इस्राएल में युद्ध के लिए जाते हैं।

और मूसा और पुजारी एलाज़ार ने मोआब के अराबोथ में यर्दन के पास यरीहो के सामने कहा बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया, और इस्राएल के पुत्र जो मिस्र से निकल गए थे, रुबेन इस्राएल का पहलौठा था, और

रुबेन के पुत्र हनोक थे, और हनोक के लोग, फल्लू के लोग। हेज़रोन को असरोनेई के लोग, खर्मी को खर्मी के लोग। ये रुबेन के लोग थे, और उनकी गिनती तैंतालीस हजार सात सौ तीस हुई।

और फल्लू का पुत्र एलियाब था। और एलियाब के पुत्र नमूएल, दातान और अबीरोन थे। ये सभा के बुलाए गए लोग थे, ये वे हैं जो कोरह की सभा में मूसा और हारून के विरुद्ध प्रभु के विद्रोह में उठे थे। और धरती ने अपना मुँह खोलकर उनको और कोरह को निगल लिया, उसकी सभा की मृत्यु में, जब आग ने पचास और दो सौ को भस्म किया, और वे एक चिन्ह बन गए। लेकिन कोरह के पुत्र नहीं मरे।

और शिमोन के पुत्र, शिमोन के पुत्रों का कुल: नमूएल से नमूएली कुल, यामीन से यामीनी कुल, याकीन से याकीनी कुल, जेरह के लिए लोग, जेरही; शाऊल के लिए लोग, शाऊली। ये शिमोन के कुल थे उनकी जनगणना से, बाईस हजार दो सौ।

यहूदा के बेटे एर और ओनान थे, और एर और ओनान कनान की भूमि में मर गए। और यहूदा के पुत्र उनके कुलों के अनुसार बने: शीलौह के लिए, शेलोनी लोग; फारेस के लिए, फारेसी लोग; जेरह के लिए, जेरही लोग। और फारेस के पुत्र बने: हेस्नोन के लिए असरोनी लोग, यामून के लिए यामूनी लोग। ये यहूदा के लोग हैं उनकी गणना के अनुसार, छिहत्तर हजार पाँच सौ।

और इस्साकार के पुत्र उनके कुलों के अनुसार, तोला को, तोलाई का कुल, फुआ को, फुआई का कुल, यासूब को यासूबी लोग, सामराम को सामरामी लोग। ये इस्साकार के कुल थे, उनकी गणना के अनुसार चौंसठ हजार चार सौ।

जेबूलून के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: सेरेद को, सेरेदी लोग; अल्लोन को, अल्लोनी लोग; अल्लेल को, अल्लेली लोग। ये जेबूलून के लोग उनकी गणना से साठ हजार पाँच सौ थे।

गाद के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: सापोन को, सापोनी लोग; अग्गी को, अग्गी लोग; सूनी को, सूनी लोग; अज़ेने को, अज़ेने के लोग, अद्दि को, अद्दि के लोग, अरोद को, अरोआदी लोग; अरीएल को, अरीएली लोग। ये गाद के पुत्रों के कुल थे, उनकी जनगणना के अनुसार चौवालीस हजार पाँच सौ।

आशेर के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: यामीन से यामीनी कुल, येसू से येसूई कुल, बरिया से बरियाई कुल। कोबेर को कोबेरी के लोग, मेल्खिएल को मेल्खिएली के लोग। और आशेर की पुत्री का नाम सारै था। ये आशेर के लोग उनकी गणना से तैंतालीस हजार चार सौ थे।

यूसुफ के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: मनश्शे और एप्रैम।

मनश्शे के पुत्र: माखीर को माखीरी लोग, और माखीर ने गिलाद को जन्म दिया; गिलाद को गिलादी लोग। और ये गिलाद के पुत्र थे: अहीएजेर से अहीएजेरी लोग, खेलेग से खेलेगी लोग। एस्त्रिएल को, एस्त्रिएली लोग, शेकेम को, सुखेमी लोग, सिमाएर को, सिमाएरी के लोग, और ओफेर को, ओफेरी के लोग। और सलपाद को, जो ओफेर का पुत्र था, उसके कोई पुत्र नहीं हुए, बल्कि केवल पुत्रियाँ थीं, और सलपाद की पुत्रियों के नाम ये हैं: माला, नोआ, एगला, मेलखा और थेरसा। ये मनश्शे के लोग थे उनकी गणना से, बावन हजार सात सौ।

और ये एफ्राइम के पुत्र हैं: सुथाला के, सुथालान लोग; तानाख के, तानाखी लोग। ये शूतेलह के पुत्र हैं: एदेन को, एदेन के लोग। ये एफ्राइम के लोग उनकी गणना से, बत्तीस हजार पाँच सौ, ये यूसुफ के पुत्रों के लोग उनके कुलों के अनुसार।

बिन्यामीन के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: बेला से बेलाई कुल, अशबेल से अशबेली कुल, अहीराम से अहीरामी कुल।

सोफान को, सोफानेस के लोग। और बाले के पुत्र अदार और नोएमान हुए, अदार के लिए अदारी का कुल, और नोएमान के लिए नोएमानी का कुल। ये बिन्यामीन के पुत्र थे उनके कुलों के अनुसार, उनकी गणना से पैतीस हज़ार पाँच सौ।

और दान के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: शूहाम को, शूहामियों का कुल; ये दान के कुल उनके कुलों के अनुसार हैं। शूहामियों के सभी लोग उनकी गणना के अनुसार चौंसठ हजार चार सौ थे।

नफताली के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: असीएल से असीएली कुल, गौनी से गौनी कुल। येसेर को येसेरी लोग, शेल्लेम को शेल्लेमी लोग। ये नफताली के लोग उनकी गणना

से, चालीस हजार तीन सौ।

यह इस्राएल के पुत्रों की गणना है: छः लाख एक हजार सात सौ तीस।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इनको भूमि विभाजित की जाएगी, नामों की संख्या के अनुसार विरासत में लेने के लिए। अधिक लोगों को तुम विरासत बढ़ाओगे, और कम लोगों को तुम उनकी विरासत घटाओगे। प्रत्येक को, जैसे वे गिने गए थे, उनकी विरासत दी जाएगी। चिट्ठियों के माध्यम से वह भूमि नामों के अनुसार विभाजित की जाएगी, अपने पैतृक कुलों के अनुसार वे विरासत में पाएंगे। चिट्ठी से तुम उनकी विरासत को अनेक और थोड़ों के बीच विभाजित करोगे।

और लेवी के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: गेदसोन को, गेदसोनी कुल; काअथ को, काअथी कुल; मेरारी को, मेरारी कुल। ये लेवी के पुत्रों के कुल हैं: लोबेनी का कुल, हेब्रोन का कुल, कोरे का कुल, और मूसी का कुल, और काहत ने अग्राम को जन्म दिया। और उसकी पत्नी का नाम योकाबेद था, जो लेवी की पुत्री थी, जिसने इनको लेवी से मिस्र में जन्म दिया, और उसने अग्राम से हारून और मूसा को जन्म दिया, और मरियम को जो उनकी बहन थी। और अहरोन के नादाब, अबीहू, एलाजार और ईतामार हुए। और नदाब और अबीहू मर गए जब उन्होंने प्रभु के सामने पराई आग चढ़ाई सौने के निर्जन स्थान में। और उनकी गणना से तेईस हजार हुए, सब पुरुष एक महीने के और उससे ऊपर के, क्योंकि वे इस्राएल के पुत्रों के बीच में साथ नहीं गिने गए थे, क्योंकि उनको इस्राएल के पुत्रों के बीच में भाग नहीं दिया जाता था।

और यह मूसा और पुजारी एलाजार की गणना थी, जिन्होंने इस्राएल के पुत्रों की जांच की अराबोथ मोआब में, यर्डन के पास यरीहो के अनुसार। और इनमें उन लोगों में से कोई आदमी नहीं था जिनका निरीक्षण मूसा और हारून द्वारा किया गया था, जब उन्होंने इस्राएल के पुत्रों का सौने के रेगिस्तान में निरीक्षण किया था। क्योंकि प्रभु ने उनसे कहा था कि वे रेगिस्तान में मृत्यु से मरेंगे, और उनमें से एक भी नहीं बचा, सिवाय कालेब जो यपुन्ने का पुत्र था, और यहोशू जो नून का पुत्र था।

और सलपाद की बेटियाँ, जो ओफेर का पुत्र था, जो गलाद का पुत्र था, जो माखीर का पुत्र था, मनश्शे के लोगों में से, यूसुफ के पुत्रों में से, पास आईं, और उनके नाम ये थे: माला, नोआ, एगला, मेलखा और थेरसा। और मूसा के सामने, याजक एलाजार के सामने, शासकों के सामने, और साक्षी के तम्बू के द्वार पर सारी सभा के सामने खड़े होकर, वे कहते हैं, हमारे पिता जंगल में मर गए, और वह प्रभु के सामने कोरह की सभा में एकत्रित हुई मण्डली के बीच नहीं थे, क्योंकि वह अपने पाप के कारण मरे, और उनके कोई पुत्र नहीं हुए। हमारे पिता का नाम उनके लोगों के बीच से मिटाया न जाए, क्योंकि उनका कोई पुत्र नहीं है। हमें हमारे पिता के भाइयों के बीच में सम्पत्ति दीजिए। और मूसा ने उनका न्याय प्रभु के सामने लाया।

और प्रभु ने मूसा से बात की, कहो, सलपाद की बेटियों ने सही कहा है। तुम उन्हें उनके पिता के भाइयों के बीच विरासत का अधिकार दोगे, और तुम उनके पिता का हिस्सा उन्हें दोगे। और तुम इस्राएल के पुत्रों से बोलोगे। कहते हुए, यदि कोई आदमी मर जाता है और उसका कोई पुत्र नहीं है, तो तुम उसकी विरासत उसकी बेटी को स्थानांतरित करोगे। यदि उसकी पुत्री न हो, तो आप विरासत उसके भाई को देंगे। यदि उसके भाई न हों, तो तुम वह विरासत उसके पिता के भाई को दोगे। यदि उसके पिता के भाई न हों, तो तुम उसके कबीले के सबसे निकट के रिश्तेदार को विरासत दोगे, ताकि वह उसकी विरासत का उत्तराधिकारी हो, और यह इस्राएल के पुत्रों के लिए न्याय का विधान होगा, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी।

और प्रभु ने मूसा से कहा, यरदन के पार के इस नबो पहाड़ पर चढ़ जाओ, और कनान की भूमि को देखो, जो मैं इस्राएल के पुत्रों को अधिकार में देता हूँ। और तुम इसे देखोगे, और तुम भी अपने लोगों में जोड़े जाओगे, जैसा तुम्हारा भाई हारून होर पर्वत में जोड़ा गया था। क्योंकि तुमने मरुभूमि सीन में मेरे वचन का उल्लंघन किया, जब सभा विरोध कर रही थी, मुझे पवित्र करने के लिए, तुमने उनके सामने जल पर मुझे पवित्र नहीं किया, यह कादेश में मरुभूमि सीन का विवाद का जल है। और मूसा ने प्रभु से कहा, प्रभु, जो आत्माओं और समस्त मांस का परमेश्वर है, इस सभा पर एक मनुष्य को नियुक्त करे। जो कोई उनके आगे बाहर जाएगा, और जो कोई उनके आगे अंदर आएगा, और जो कोई उन्हें बाहर ले जाएगा, और जो कोई उन्हें अंदर ले आएगा, और प्रभु की सभा उन भेड़ों के समान नहीं होगी जिनका कोई चरवाहा नहीं है। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने पास यहोशू को ले, जो नून का पुत्र है, एक ऐसा मनुष्य जिसमें आत्मा है, और तू अपने हाथ उस पर रखना। और तू उसे एलाज़ार याजक के सामने खड़ा करेगा, और तू उसे सारी मण्डली के सामने आज्ञा देगा, और तू उसके

विषय में उनके सामने आज़ा देगा। और तुम अपनी महिमा उसे दोगे, ताकि इस्राएल के पुत्र उसकी सुनें। और वह एलाज़ार पुजारी के सामने खड़ा होगा, और वे उससे प्रभु के सामने उरीम का निर्णय पूछेंगे, उसके मुँह पर वे निकलेंगे, और उसके मुँह पर वे प्रवेश करेंगे, वह और इस्राएल के पुत्र एक मत से, और सारी सभा।

और मूसा ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसको आज़ा दी थी, और यहोशू को लेकर उसको एलाज़ार याजक के सामने और सारी मण्डली के सामने खड़ा किया, और उसने अपने हाथ उस पर रखे, और उसे स्थापित किया जैसा कि प्रभु ने मूसा को आज़ा दी थी।

28

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों को आज़ा दो, और तुम उनसे कहोगे, मेरे उपहार, मेरे दान, मेरी भेंटें जो सुगंध की महक के लिए हैं, तुम मेरे पर्वों में मुझे चढ़ाने के लिए सुरक्षित रखोगे। और तुम उनसे कहोगे, ये वे भेंटें हैं जितनी तुम प्रभु को लाओगे: एक वर्ष के निर्दोष मेमने, दो प्रतिदिन, होमबलि के लिए निरंतर। तू एक मेमने को सुबह में करेगा, और दूसरे मेमने को शाम की ओर करेगा।

और तुम एफा के दसवें भाग का महीन आटा हिन के चौथे भाग के तेल में मिश्रित करके बलिदान बनाओगे। निरंतर होमबलि, जो सौनै पर्वत पर चढ़ाया गया, प्रभु के लिए सुगंध की सुवास के रूप में। और एक मेमने के लिए उसका पेय-बलिदान एक हिन का चौथा भाग होगा, पवित्र स्थान में तू प्रभु को मादक पेय का पेय-बलिदान डालेगा, और दूसरे मेमने को तुम शाम के समय चढ़ाओगे, उसके अन्नबलि और उसके पेय-बलि के अनुसार तुम करोगे, प्रभु के लिए सुगंधित सुवास के रूप में। और सब्बाथ के दिन तुम दो एक वर्ष के निर्दोष मेमने, और तेल में मिश्रित मैदे के दो दशांश बलिदान के लिए और पेय-बलि चढ़ाना। सब्बातों का होमबलि सब्बातों में निरंतर होमबलि के साथ, और उसका पेय-बलि।

और नए चाँद के दिनों में तुम प्रभु को होमबलि चढ़ाओगे: मवेशियों में से दो बछड़े, और एक मेढ़ा, एक वर्ष के सात निर्दोष मेमने। तीन दशमांश मैदा जो तेल में मिलाया गया हो एक बछड़े के लिए, और दो दशमांश मैदा जो तेल में मिलाया गया हो एक मेढ़े के लिए, दसवां भाग मैदा तेल में मिलाया हुआ एक मेमने के लिए, बलिदान, सुगंध की भेंट प्रभु को। उनका पेय-बलि एक बछड़े के लिए आधा हीन होगा, और एक मेढ़े के लिए तीसरा हीन

होगा। और एक मेमने के लिए चौथा हीन दाखरस होगा, यह होम-बलि वर्ष के महीनों में महीने-दर-महीने चढ़ाया जाएगा।

और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में प्रभु को, निरन्तर होमबलि के साथ चढ़ाया जाएगा, और उसका पेय-बलि भी।

और पहले महीने के चौदहवें दिन को प्रभु का पास्का। और इस महीने के पंद्रहवें दिन त्योहार है, सात दिन तक बिना खमीर की रोटी खाना। और पहला दिन तुम्हारे लिए पवित्र सभा का दिन कहलाएगा, तुम कोई दासता का काम नहीं करोगे। और तुम प्रभु को जलाने की बलि के रूप में चढ़ावा लाओगे: मवेशियों में से दो बछड़े, एक मेढ़ा, एक वर्ष के सात मेमने, जो तुम्हारे लिए निर्दोष होंगे। और उनका अन्नबलि तेल में मिलाया हुआ मैदा हो, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश। दशमांश-दशमांश तू एक-एक मेमने के लिए करेगा, सातों मेमनों के लिए। और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में, तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए, सुबह की निरंतर होम बलि को छोड़कर, जो नियमित होम बलि है। ये चीजें इन के अनुसार तुम सात दिनों तक प्रतिदिन करोगे, यह उपहार और भेंट प्रभु के लिए सुगंधित खुशबू है, निरंतर होमबलि के साथ तुम उसका पेय-बलि चढ़ाओगे। और सातवाँ दिन तुम्हारे लिए पवित्र कहलाएगा, तुम इसमें कोई दासता का काम नहीं करोगे।

और नए फलों के दिन, जब आप सप्ताहों के प्रभु को नया बलिदान चढ़ाएं, तो वह आपके लिए पवित्र सभा होगी, आप कोई दासता का काम नहीं करेंगे। और तुम प्रभु को सुगंध की खुशबू के लिए होमबलि चढ़ाओगे: मवेशियों में से दो बछड़े, एक मेढ़ा, और एक वर्ष के सात निर्दोष मेमने। उनका बलिदान तेल में मिला हुआ मैदा हो, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश। दसवाँ-दसवाँ एक-एक मेमने के लिए, सातों मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए, तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए, निरंतर होमबलि के अलावा, और तुम उनका बलिदान मुझे चढ़ाओगे, वे तुम्हारे लिए निर्दोष होंगे, और उनके अर्घ भी।

29

और सातवें महीने में, महीने के पहले दिन, तुम्हारे लिए पवित्र सभा होगी, तुम कोई दासता का काम नहीं करोगे, यह तुम्हारे लिए तुरही फूंकने का दिन होगा। और तुम प्रभु को

सुगंधित सुगंध के लिए होम-बलि चढ़ाओगे: मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और एक वर्ष के सात निर्दोष मेमने। उनका बलिदान तेल में मिला हुआ महीन आटा हो, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश, दसवां भाग प्रत्येक मेमने के लिए, सातों मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में, तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए, नए चाँद की होम बलियों के सिवाय, और उनके बलिदान, और उनकी पेय बलियाँ, और निरंतर होम बलि, और उनके बलिदान और उनकी पेय बलियाँ उनकी व्याख्या के अनुसार, प्रभु के लिए सुवास की सुगंध में।

और इस महीने की दसवीं तारीख को तुम्हारे लिए पवित्र सभा बुलाई जाएगी, और तुम अपनी आत्माओं को कष्ट दोगे, और कोई भी काम नहीं करोगे। और तुम प्रभु को सुगंध की खुशबू के लिए होमबलि चढ़ाओगे, प्रभु को बलि, मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष के सात मेमने, वे तुम्हारे लिए निर्दोष होंगे। उनका बलिदान तेल में मिलाया हुआ मैदा होगा - एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश, दशमांश-दशमांश प्रत्येक एक मेमने के लिए, सातों मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए, तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त करने हेतु, प्रायश्चित्त के पाप बलि के अतिरिक्त, और नित्य होमबलि, उसका अन्नबलि, और उसका अर्घ्य विधि के अनुसार, सुगंधित सुवास के लिए, प्रभु को भेंट।

और इस सातवें महीने के पंद्रहवें दिन तुम्हारे लिए पवित्र सभा होगी, तुम कोई दासता का काम नहीं करोगे, और तुम प्रभु के लिए सात दिन तक इस पर्व को मनाओगे। और तुम पहले दिन प्रभु को सुगंध की भेंट के रूप में होमबलि चढ़ाओगे: बैलों में से तेरह बछड़े, दो मेढ़े, एक वर्ष के चौदह मेमने, ये सब निर्दोष होंगे। उनके बलिदान तेल में मिलाया हुआ महीन आटा, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, तेरह बछड़ों के लिए, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश, दो मेढ़ों के लिए, एक-एक मेमने के लिए दसवां भाग, चौदह मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ्य।

और दूसरे दिन बारह बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्ष के निर्दोष मेमने। उनका बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ्य।

तीसरे दिन ग्यारह बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्षीय निर्दोष भेमें। उनका बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और भेमें के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

चौथे दिन दस बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्षीय निर्दोष भेमें। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों के लिए और मेढ़ों के लिए और भेमें के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

पाँचवें दिन नौ बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्ष के निर्दोष भेमें। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और भेमें के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, उस निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

छठे दिन आठ बछड़े, दो मेढ़े, एक वर्ष के चौदह निर्दोष भेमें। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और भेमें के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

सातवें दिन सात बछड़े, दो मेढ़े, एक वर्ष के चौदह निर्दोष भेमें। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और भेमें के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ। और आठवें दिन तुम्हारे लिए समापन सभा होगी, तुम इसमें कोई दासता का काम नहीं करोगे। और तुम प्रभु के लिए सुगंध की भेंट के रूप में होमबलि चढ़ाओगे: एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और सात एक वर्ष के निर्दोष भेमें। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़े को और मेढ़े को और भेमें को उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्यवस्था के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

ये चीजें तुम प्रभु के लिए अपने त्योहारों में करोगे, तुम्हारी प्रार्थनाओं, तुम्हारे स्वैच्छिक चढ़ावों, तुम्हारे होमबलि, तुम्हारे बलिदानों, तुम्हारे अर्घ और तुम्हारे मंगल बलिदानों के

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से वह सब कुछ कहा जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के कुलों के शासकों से कहा, यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी। जो आदमी प्रभु को मन्त माने, या शपथ खाए, या अपनी आत्मा के विषय में कोई संकल्प करे, वह अपने वचन को भ्रष्ट नहीं करेगा; जो कुछ उसके मुँह से निकले, वह सब करेगा। यदि कोई स्त्री अपने पिता के घर में अपनी युवावस्था में प्रभु को मन्त माने, या कोई समझौता बाँधे, और उसका पिता उसकी प्रार्थनाएँ सुनेगा, और उसकी बाध्यताएँ जो उसने अपनी आत्मा के अनुसार निर्धारित की हैं, और उसका पिता उसके बारे में चुप रहेगा, और उसकी सभी प्रार्थनाएँ खड़ी रहेंगी, और सभी बाध्यताएँ जो उसने अपनी आत्मा के अनुसार निर्धारित की हैं, उसके लिए बनी रहेंगी। यदि उसका पिता इनकार करते हुए इनकार करे, जिस भी दिन वह उसकी सब प्रार्थनाएँ और वह बाध्यताएँ सुने, जो उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित की थीं, वे खड़ी नहीं होंगी, और प्रभु उसे शुद्ध करेगा, क्योंकि उसके पिता ने इनकार किया।

यदि वह किसी पुरुष की हो जाती है, और उसकी प्रार्थनाएँ उस पर हों, उसके होंठों के भेद के अनुसार, जिन्हें उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित किया हो, और उसका पति सुने, और जिस दिन सुने उस दिन उसके प्रति चुप रहे, तो इस प्रकार उसकी सब प्रार्थनाएँ खड़ी रहेंगी, और उसके संकल्प जो उसने अपनी आत्मा के अनुसार निर्धारित किए हैं, वे खड़े रहेंगे। यदि उसका पति जिस दिन सुने उसी दिन इनकार करते हुए इनकार कर दे, तो उसकी सब प्रार्थनाएँ और वे दायित्व जो उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित किए थे, बने नहीं रहेंगे, क्योंकि उसके पति ने उससे इनकार किया, और प्रभु उसे शुद्ध करेगा।

और विधवा तथा निकाली गई स्त्री की प्रार्थना, जितनी भी वह अपनी आत्मा के अनुसार मानेगी, वे उसके लिए बनी रहेंगी। यदि उसके पति के घर में उसकी मन्त हो, या उसकी आत्मा के विरुद्ध शपथ के साथ संकल्प हो, और उसका पति सुनेगा, और इस पर चुप रहेगा, और इसे मना नहीं करेगा, तो उसकी सभी प्रार्थनाएँ और उसके सभी दायित्व जो उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित किए हैं, उसके विरुद्ध खड़े रहेंगे। यदि उसका पति जिस दिन सुनता है उसी दिन उसे रद्द कर देता है, तो जो कुछ भी उसके होंठों से निकला है उसकी प्रार्थनाओं के अनुसार, और उसकी आत्मा पर बाध्यताओं के अनुसार, वह उसके लिए

स्थिर नहीं रहेगा, उसके पति ने उसे रद्द कर दिया है, और प्रभु उसे शुद्ध करेगा। हर प्रार्थना और हर शपथ का बंधन जो आत्मा को हानि पहुँचाए, उसका पुरुष उसे स्थापित करेगा, और उसका पुरुष उसे हटाएगा। यदि वह चुप रहते हुए दिन-प्रतिदिन चुप रहेगा, तो वह उसकी सभी प्रार्थनाओं को और उस पर की गई बाध्यताओं को स्थापित करेगा, क्योंकि जिस दिन उसने सुना उस दिन वह चुप रहा। यदि उसका पति उसे सुनने के दिन के बाद उसे रद्द कर देता है, तो वह अपना पाप स्वयं लेगा। ये वे विधियाँ हैं जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी, पुरुष और उसकी स्त्री के बीच, और पिता और पुत्री के बीच जब वह युवावस्था में पिता के घर में हो।

31

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों का प्रतिशोध मिद्यानियों से लो, और अंत में तुम अपने लोगों के साथ जोड़ दिए जाओगे। और मूसा ने लोगों से कहा, अपने में से पुरुषों को हथियारबंद करो, और प्रभु के सामने मिद्यान पर युद्ध-पंक्ति में खड़े हो जाओ, ताकि प्रभु की ओर से मिद्यान को बदला दिया जाए। हर कबीले से हजार, हर कबीले से हजार, इस्राएल के पुत्रों के सभी कबीलों में से, युद्ध के लिए भेजो। और इस्राएल के हजारों में से प्रत्येक कुल से एक हजार गिने गए, बारह हजार युद्ध के लिए हथियारबंद। और मूसा ने उन्हें भेजा, प्रत्येक गोत्र से हजार, प्रत्येक गोत्र से हजार उनकी सेना के साथ, और फीनहास को जो एलाजार का पुत्र था, जो हारून याजक का पुत्र था, और पवित्र बर्तन, और संकेतों की तुरहियाँ उनके हाथों में थीं।

और वे मिद्यान के विरुद्ध युद्ध में खड़े हुए, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, और उन्होंने सभी पुरुषों को मार डाला। और उन्होंने मिद्यान के राजाओं को उनके घायलों के साथ मारा, और एवी को, और रेकेम को, और सूर को, और हूर को, और रेबा को—मिद्यान के पाँच राजाओं को, और बओर के पुत्र बिलाम को भी तलवार से उनके घायलों के साथ मारा। और उन्होंने मिद्यान की स्त्रियों को, उनके सामान को, उनके पशुओं को, उनकी सब संपत्ति को, और उनकी शक्ति को लूटा। और उन्होंने उनकी बस्तियों में स्थित उनके सभी शहरों को और उनके खेतों को आग में जला दिया। और उन्होंने उनकी सारी लूट ली, और उनका सारा लूट का माल मनुष्य से लेकर पशु तक लिया। और वे मूसा के पास और एलाजार याजक के पास, और इस्राएल के सब पुत्रों के पास, बंदियों को, लूट को, और लूट के माल को शिविर में अराबोथ मोआब में लाए, जो यर्डन के किनारे यरीहो के सामने है। और मूसा और याजक एलाजार और सभा के सब शासक उनसे मिलने के लिए छावनी के बाहर गए। और मूसा उन निरीक्षकों पर क्रोधित हुआ जो सेना के सहस्रपति और शतपति थे और युद्ध की पंक्ति से आ

रहे थे। और मूसा ने उनसे कहा, तुमने हर मादा को क्यों बचाया? ये इस्राएल के पुत्रों के लिए बलाम के वचन के अनुसार थीं, जो प्रभु के वचन से हटाने और उसकी अनदेखी करने के लिए फोगोर के कारण थीं, और प्रभु की सभा में महामारी आई। और अब सब लूट में से हर पुरुष को मार डालो, और हर उस स्त्री को जो पुरुष के बिस्तर को जानती है, मार डालो। और उन सभी महिलाओं को, जो पुरुष के बिस्तर को नहीं जानतीं, जीवित बचाओ। और तुम सात दिन तक शिविर के बाहर डेरा डालो, हर वह जिसने किसी को मार डाला और जो मारे गए को छूता है, वह तीसरे दिन और सातवें दिन शुद्ध किया जाएगा, तुम और तुम्हारे बंदी। और हर आवरण, हर चमड़े का बर्तन, बकरी की खाल से बना हर सामान और हर लकड़ी का बर्तन तुम शुद्ध करोगे।

और एलाजार याजक ने युद्ध की पंक्ति से लौटने वाले सेना के पुरुषों से कहा, यह व्यवस्था का विधान है जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। सिवाय सोने के और चांदी के और कांसे और लोहे और सीसे और टिन के, हर वह चीज़ जो आग में से गुज़रेगी, वह शुद्ध की जाएगी, लेकिन शुद्धिकरण के पानी से शुद्ध की जाएगी, और जितनी भी चीज़ें आग में से न गुज़रें, वे पानी में से गुज़रेंगी। और सातवें दिन वस्त्र धोना, और तुम शुद्ध किए जाओगे, और इसके बाद तुम शिविर में प्रवेश करोगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, बंधुआई की लूट का मुख्य हिस्सा लो, मनुष्य से लेकर पशु तक, तुम और पुजारी एलाज़ार और सभा के परिवारों के शासक। और तुम लूट के माल को योद्धाओं के बीच विभाजित करोगे जो युद्ध में गए थे, और सारी सभा के बीच। और तुम प्रभु के लिए उन योद्धाओं से जो युद्ध पंक्ति में गए थे, पाँच सौ में से एक आत्मा अलग करोगे - मनुष्यों से, पशुओं से, बैलों से, भेड़ों से और गधों से। और तुम उनके आधे हिस्से से लोगे। और तुम एलाजार याजक को प्रभु के पहले फल दोगे। और इस्राएल के पुत्रों के आधे हिस्से में से तुम पचास में से एक को लोगे - मनुष्यों में से, बैलों में से, भेड़ों में से, गधों में से, और सभी पशुओं में से, और उन्हें उन लेवियों को दोगे जो प्रभु के तम्बू में पहरे की रक्षा करते हैं।

और मूसा और एलाज़ार पुजारी ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और लूट के माल का अधिशेष जो योद्धा पुरुषों ने लूटा था, भेड़ों में से छह सौ पचहत्तर हजार था। और बहतर हजार गायें, और गधे, इकसठ हजार, और स्त्रियों में से जो पुरुष के बिस्तर को नहीं जानती थीं, उनकी आत्माएं, सब आत्माएं, बत्तीस हजार थीं। और आधा भाग उनका जो युद्ध में गए थे, भेड़ों की संख्या से तीन सौ तीस हजार और सात हजार पाँच सौ हुआ। और प्रभु को भेड़ों में से छह सौ पचहत्तर मिले। और बैल, छत्तीस हजार, और प्रभु का अंश,

बहतर। और गधे तीस हजार पाँच सौ थे, और प्रभु का भाग एकसठ था। और मनुष्यों की आत्माएं सोलह हजार थीं, और उनमें से प्रभु के लिए बत्तीस आत्माएं थीं।

और मूसा ने परमेश्वर की भेंट का अंत प्रभु को एलाज़ार याजक को दिया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, इस्राएल के पुत्रों के आधे भाग से, जिसे मूसा ने योद्धाओं से अलग किया था। और सभा की भेड़ों में से आधा हिस्सा तीन लाख सैंतीस हजार पाँच सौ हुआ। और गायें, छत्तीस हजार, गधे, तीस हजार पाँच सौ, और मनुष्यों की आत्माएं, सोलह हजार। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के आधे भाग में से पचास में से एक, मनुष्यों में से और पशुओं में से लिया, और उन्हें लेवियों को दिया जो प्रभु के तम्बू का पहरा रखते थे, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और सेना के हजारों के विभागों में नियुक्त किए गए सब लोग मूसा के पास आए, हजारों के सेनापति और सैकड़ों के सेनापति, और उन्होंने मूसा से कहा, आपके सेवकों ने हमारे साथ के योद्धा पुरुषों की गिनती ली है, और उनमें से एक भी गायब नहीं हुआ है। और हमने प्रभु को वह भेंट चढ़ाई है जो प्रत्येक व्यक्ति ने पाई - सोने का बर्तन, कंगन, पायल, अंगूठी, बाजूबंद और हार - प्रभु के सामने हमारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए। और मूसा और याजक एलाज़ार ने उनसे सोना लिया, प्रत्येक बना हुआ बर्तन। और सब सोना जो भेंट के रूप में प्रभु को चढ़ाया गया, वह सहस्रपतियों और शतपतियों से सोलह हजार सात सौ पचास शेकेल हुआ। और योद्धाओं में से प्रत्येक ने अपने लिए लूटपाट की। और मूसा और याजक एलाज़ार ने सहस्रपतियों और शतपतियों से सोना लिया, और उसे साक्ष्य के तम्बू में लाए, जो इस्राएल के पुत्रों का स्मारक था प्रभु के सामने।

32

और रुबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों के पास पशुओं की बहुत बड़ी भीड़ थी, और उन्होंने याज़ेर की भूमि और गिलाद की भूमि को देखा, और वह स्थान पशुओं के लिए उपयुक्त स्थान था। और रुबेन के पुत्र और गाद के पुत्र पास आकर मूसा से और याजक एलाज़ार से और सभा के शासकों से कहने लगे, अतारोथ, और दैबोन, और याज़ेर, और निमरा, और हेशबोन, और एलाले, और सेबामा, और नबो, और बैयान। वह भूमि जो प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने सौंपी है, पशुपालन की भूमि है, और तुम्हारे बच्चों के पास पशु हैं। और उन्होंने कहा, अगर हमने आपके सामने कृपा पाई है, तो यह भूमि आपके सेवकों को अधिकार में दी जाए, और हमें यर्दन पार मत कराइए।

और मूसा ने गाद के पुत्रों और रुबेन के पुत्रों से कहा, तुम्हारे भाई युद्ध में जा रहे हैं, और तुम यहाँ बैठोगे? और तुम इस्राएल के पुत्रों के मन को क्यों विकृत करते हो कि वे उस भूमि में पार न करें जो प्रभु उन्हें देता है? क्या तुम्हारे पिताओं ने ऐसा नहीं किया था, जब मैंने उन्हें कादेश बनें से भूमि को समझने के लिए भेजा था? और वे अंगूरों के गुच्छे की घाटी में गए, और उन्होंने भूमि को देखा, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों के हृदय को फेर दिया, ताकि वे उस भूमि में प्रवेश न करें, जो प्रभु ने उन्हें दी थी। और प्रभु उस दिन क्रोध में क्रोधित हुए, और शपथ ली, कहते हुए, यदि ये लोग जो मिस्र से ऊपर आए, बीस वर्ष की आयु और उससे अधिक के, जो अच्छे और बुरे को जानते हैं, उस भूमि को देखेंगे जिसकी मैंने अब्राहम और इसहाक और याकूब को शपथ ली थी, नहीं, क्योंकि उन्होंने मेरे पीछे अनुसरण नहीं किया,

सिवाय कालेब के, जो यिफुन्ने का पुत्र था और अलग किया गया था, और नून के पुत्र यहोशू के, क्योंकि उन्होंने प्रभु का अनुसरण किया। और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुआ, और उसने उनको जंगल में चालीस वर्ष तक बिखेर दिया, जब तक कि वह सारी पीढ़ी नष्ट नहीं हो गई, जो प्रभु के सामने बुराई करती थी। देखो, तुम अपने पिताओं की जगह पर उठ खड़े हुए हो, पापी मनुष्यों का विनाश, इस्राएल पर प्रभु के कोप के क्रोध को अभी भी और बढ़ाने के लिए। क्योंकि तुम उससे लौट जाओगे और उसे फिर से रेगिस्तान में छोड़ दोगे, और तुम इस पूरी सभा के विरुद्ध अधर्म करोगे।

और वे उसके पास आए, और कह रहे थे, हम यहाँ अपने मवेशियों के लिए भेड़ों के बाड़े बनाएंगे, और अपने परिवारों के लिए शहर बनाएंगे। और हम स्वयं को शस्त्र से सुसज्जित करके इस्राएल के पुत्रों से पहले अग्रिम पहरों में रहेंगे, जब तक कि हम उन्हें उनके अपने स्थान पर न पहुँचा दें, और हमारा सामान दीवारों वाले नगरों में रहेगा, क्योंकि भूमि में निवास करने वालों के कारण। हम अपने घरों को तब तक नहीं लौटेंगे जब तक इस्राएल के पुत्र, प्रत्येक अपनी विरासत में, विभाजित नहीं हो जाते। और हम अब उनमें यर्दन के पार और उससे आगे विरासत नहीं पाएंगे, क्योंकि हमने यर्दन के पार पूर्व में अपनी विरासत प्राप्त कर ली है।

और मूसा ने उनसे कहा, यदि तुम इस वचन के अनुसार करो, यदि तुम प्रभु के सामने युद्ध के लिए हथियारबंद हो जाओ, और तुम्हारा हर सशस्त्र व्यक्ति प्रभु के सामने यर्दन को पार करेगा, जब तक कि उसका शत्रु उसके सामने से नष्ट न हो जाए। और वह भूमि प्रभु के सामने अधीन कर ली जाए, और इसके बाद तुम लौटोगे, और तुम प्रभु के सामने और इस्राएल के सामने निर्दोष होगे, और यह भूमि प्रभु के सामने तुम्हारे अधिकार में होगी। यदि

तुम ऐसा नहीं करोगे, तो तुम प्रभु के सामने पाप करोगे, और तुम अपना पाप जानोगे जब बुराईयाँ तुम्हें पकड़ लेंगी। और तुम अपने लिए अपने सामान के लिए शहर बनाओगे, और अपने मवेशियों के लिए खेत बनाओगे, और जो तुम्हारे मुंह से निकलता है वह करोगे।

और रुबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों ने मूसा से कहा, आपके सेवक वैसे ही करेंगे जैसा हमारा प्रभु आज्ञा देता है। हमारा सामान, हमारी स्त्रियाँ और हमारे सभी पशु गिलाद के शहरों में होंगे। व्याकरण सुधार: लेकिन तुम्हारे सभी बच्चे सशस्त्र और व्यवस्थित होकर प्रभु के सामने युद्ध में पार करेंगे, जिस तरीके से प्रभु कहता है।

और मूसा ने उनके लिए एलाज़ार पुजारी को, और नून के पुत्र यहोशू को, और इस्राएल के कुलों के पितरों के शासकों को नियुक्त किया। और मूसा ने उनसे कहा, यदि रुबेन के पुत्र और गाद के पुत्र तुम्हारे साथ यर्डन पार करें, सब प्रभु के सामने युद्ध के लिए हथियारबंद होकर, और तुम अपने सामने की भूमि को अधीन कर लो, तो तुम उन्हें गिलाद की भूमि अधिकार में दोगे। यदि वे तुम्हारे साथ सशस्त्र होकर प्रभु के सामने युद्ध में पार नहीं करें, तो तुम उनका सामान, उनकी स्त्रियों, और उनके पशुओं को तुमसे पहले कनान की भूमि में पार कराओगे, और वे तुम्हारे बीच कनान की भूमि में साथ उत्तराधिकार प्राप्त करेंगे। और रुबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों ने उत्तर देते हुए कहा, जितना प्रभु सेवकों से कहता है, हम वैसे ही करेंगे। हम प्रभु के सामने सशस्त्र होकर कनान की भूमि में पार करेंगे, और तुम हमें यर्डन के पार कब्ज़ा दोगे।

और मूसा ने गाद के पुत्रों को, और रुबेन के पुत्रों को, और यूसुफ के पुत्रों के मनश्शे के आधे गोत्र को, एमोरियों के राजा सीहोन का राज्य, और बाशान के राजा ओग का राज्य, भूमि और उसकी सीमाओं के साथ नगरों को, चारों ओर की भूमि के नगरों को दिया। और गाद के पुत्रों ने दाइबोन, अतारोथ और अरोएर का निर्माण किया। और सोफार, और याज़ेर, और उन्होंने उन्हें ऊँचा किया, और नामराम, और बैथारान, किलेबंद शहर, और भेड़ों के खेत। और रुबेन के पुत्रों ने हेशबोन, एलाले और किर्यातैम को बनाया। और बेएलमेओन को, जो घिरे हुए थे, और सेबामा को, और उन्होंने उन शहरों के नाम रखे उनके अपने नामों के अनुसार, जिन्हें उन्होंने बनाया था। और माखीर का पुत्र, जो मनश्शे का पुत्र था, गिलाद को गया और उसे ले लिया, और उसमें रहनेवाले अमोरी को नष्ट कर दिया। और मूसा ने गिलाद को मनश्शे के पुत्र माखीर को दिया, और वह वहाँ बस गया। और मनश्शे का याईर गया और उसने उनकी बस्तियाँ ले लीं और उसने उनका नाम याईर की बस्तियाँ रखा। और नबाऊ

गया, और उसने काअथ और उसके गाँवों को लिया, और उसने उनका नाम अपने नाम से नाबोथ रखा।

33

और ये इस्राएल के पुत्रों के पड़ाव हैं, जैसे वे मिस्र की भूमि से अपनी शक्ति के साथ मूसा और हारून के हाथ में निकले। और मूसा ने प्रभु के वचन के द्वारा उनके प्रस्थान और उनके पड़ाव लिखे, और ये उनकी यात्रा के पड़ाव हैं। वे रामेसे से पहले महीने के पंद्रहवें दिन को प्रस्थान किए, फसह के अगले दिन इस्राएल के पुत्र ऊंचे हाथ से सब मिस्रियों के सामने निकले। और मिस्रवासी अपने सभी मृतकों को दफना रहे थे जिनको प्रभु ने मारा था, मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को, और प्रभु ने उनके देवताओं में प्रतिशोध किया। और इस्राएल के पुत्रों ने रामसेस से प्रस्थान करके सुक्कोत में डेरा डाला। और सुक्कोत से प्रस्थान करके, उन्होंने बूथान में डेरा डाला, जो निर्जन प्रदेश का एक भाग है। और उन्होंने बूथान से प्रस्थान किया, और एडरोथ के मुख पर डेरा डाला, जो बेएलसेप्फोन के सामने है, और मादोलू के सामने डेरा डाला। और वे ऐरोथ के सामने से प्रस्थान किए, और समुद्र के मध्य को पार करके जंगल में गए, और वे जंगल के माध्यम से तीन दिन का मार्ग गए, और उन्होंने पिक्रियाइस में डेरा डाला। और वे कड़वे जल से निकल गए, और एलीम में आए, और एलीम में जल के बारह झरने थे, और खजूर के पेड़ों के सत्तर तने थे, और उन्होंने वहाँ जल के पास डेरा डाला। और वे एलीम से प्रस्थान किए, और उन्होंने लाल समुद्र के पास डेरा डाला। और वे लाल समुद्र से प्रस्थान किए, और सीन के मरुस्थल में डेरा डाला।

और वे सीन के जंगल से निकल गए, और रफाका में डेरा डाला। और वे रेफाका से प्रस्थान करके ऐलूस में डेरा डाले। और वे ऐलूस से प्रस्थान किए और राफिदीन में डेरा डाले, और वहाँ लोगों के पीने के लिए पानी नहीं था। और वे राफिदीन से प्रस्थान किए, और उन्होंने सीनै के जंगल में डेरा डाला। और वे सीनै के जंगल से प्रस्थान किए, और इच्छा की कब्रों में डेरा डाला। और वे इच्छा के स्मारकों से प्रस्थान कर गए, और उन्होंने असेरोथ में डेरा डाला। और वे असेरोथ से प्रस्थान किए, और रथामा में डेरा डाला।

और वे रथामा से प्रस्थान किए, और रेम्मोन फारेस में डेरा डाला। और वे रिम्मोन फारेस से प्रस्थान किए, और लबोना में डेरा डाला। और वे लेबोना से प्रस्थान किए, और रेस्सान में डेरा डाला। और वे रेस्सान से प्रस्थान करके माकेल्लाथ में डेरा डाले। और वे माकेल्लाथ से प्रस्थान किए, और साफार में डेरा डाले। और वे शाफर से प्रस्थान किए, और खरादाथ में डेरा

डाला। और वे खरदाथ से प्रस्थान करके मकेलोथ में डेरा डाले। और वे माकेलोथ से प्रस्थान किए, और कताअथ में डेरा डाले। और वे कताअथ से प्रस्थान करके तारथ में डेरा डाले। और वे तारथ से प्रस्थान किए, और मथेक्का में डेरा डाला। और वे माथेक्का से प्रस्थान करके सेल्मोना में डेरा डाले। और वे सेल्मोना से प्रस्थान किए, और मासूख्थ में डेरा डाला। और वे मासूख्थ से प्रस्थान किए, और बनायाह में डेरा डाला। और वे बनाया से प्रस्थान किए और गदगाद पर्वत में डेरा डाला।

और वे गदगाद के पहाड़ से प्रस्थान करके एतेबाथा में डेरा डाले। और वे एतेबाथा से प्रस्थान किए, और एब्रोना में डेरा डाला। और वे एब्रोना से प्रस्थान किए, और एसियोन गाबेर में डेरा डाले। और वे एज़ियोन गेबेर से प्रस्थान किए, और सीन के मरुस्थल में डेरा डाला, और सीन के मरुस्थल से प्रस्थान किए, और पारान के मरुस्थल में डेरा डाला, यह कादेश है। और वे कादेश से प्रस्थान किए, और होर पर्वत में डेरा डाले जो एदोम की भूमि के पास था।

और अहरोन याजक प्रभु की आज्ञा से ऊपर गया, और वहाँ इस्राएल के पुत्रों के मिस्र की भूमि से प्रस्थान के चालीसवें वर्ष में, पाँचवें महीने के पहले दिन, मर गया। और आरोन एक सौ तेईस वर्ष का था, जब वह होर पहाड़ पर मर रहा था। और कनानी राजा अराद ने सुना, और यह कनान की भूमि में रहता था, जब इस्राएल के पुत्र प्रवेश कर रहे थे, और वे होर पहाड़ से प्रस्थान करके सेल्मोना में डेरा डाले। और वे सेल्मोना से प्रस्थान करके फिनो में डेरा डाले। और वे फिनो से प्रस्थान किए, और ओबोथ में डेरा डाला।

और वे ओबोथ से प्रस्थान किए, और उन्होंने गाई में डेरा डाला, जो मोआब की सीमाओं के पार था। और वे गाई से प्रस्थान किए, और दीबोन गाद में डेरा डाला। और वे दैबोन गाद से प्रस्थान करके गेल्मोन देब्लाथैम में डेरा डाले। और वे गेलमोन देबलाथाइम से प्रस्थान किए, और उन्होंने अबारीम के पहाड़ों पर, नाबाऊ के सामने, डेरा डाला। और वे अबारीम के पहाड़ों से प्रस्थान किए, और मोआब के पश्चिम में, यर्दन पर यरीहो के सामने डेरा डाला। और उन्होंने यर्दन के पास ऐसीमोथ से लेकर बेलसा तक, जो मोआब के पश्चिम में है, डेरा डाला।

और प्रभु ने मोआब के मैदानों में यर्दन के किनारे यरीहो के सामने मूसा से कहा इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, तुम यरदन को पार करके कनान की भूमि में जा रहे हो। और तुम उन सभी निवासियों को नष्ट कर दोगे जो तुम्हारे सामने उस भूमि में

रहते हैं, और तुम उनके निगरानी स्थलों को हटा दोगे, और उनकी सभी ढली हुई मूर्तियों को तुम नष्ट कर दोगे, और उनके सभी स्तंभों को तुम हटा दोगे। और तुम उस भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों को नष्ट कर दोगे, और तुम उसमें बस जाओगे, क्योंकि मैंने वह भूमि तुम्हें चिट्ठी डालकर दी है। और तुम उनकी भूमि को चिट्ठी द्वारा अपने कुलों के अनुसार विरासत में प्राप्त करोगे। जिनकी संख्या अधिक है, उनके लिए तुम अधिकार बढ़ाओगे, और जिनकी संख्या कम है, उनके लिए तुम अधिकार घटाओगे। जिसका नाम जहाँ निकलेगा, वहाँ उसका भाग होगा। अपने पितरों के कुलों के अनुसार तुम विरासत में प्राप्त करोगे। यदि तुम उन निवासियों को नष्ट नहीं करोगे जो पृथ्वी पर तुम्हारे सामने हैं, तो जिनको तुम उनमें से छोड़ोगे, वे तुम्हारी आँखों में कांटे और तुम्हारी बाजुओं में तीर होंगे, और वे तुम्हारे शत्रु होंगे उस पृथ्वी पर जहाँ तुम निवास करोगे। और जैसे मैंने उनके साथ करने का निर्णय किया था, वैसे ही मैं तुम्हारे साथ करूँगा।

34

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो, और उनसे कहो, तुम कनान की भूमि में प्रवेश कर रहे हो, यह तुम्हारे लिए विरासत होगी, कनान की भूमि उसकी सीमाओं के साथ। और तुम्हारा दक्षिण की ओर का पक्ष सीन के रेगिस्तान से एदोम से लगा हुआ तक होगा, और तुम्हारी दक्षिण की सीमाएँ खारे समुद्र के पूर्वी भाग से होंगी। और सीमाएँ तुम्हें दक्षिण से अक्रब्बीम की चढ़ाई की ओर घेरेंगी, और एन्नाक से होकर गुजरेंगी, और उसका निकास दक्षिण कादेश बर्ने की ओर होगा, और अराद की बस्ती में निकलेगी, और असेमोना से होकर गुजरेगी। और यह असेमोना से मिस्त्र की धारा तक सीमाओं को घेरेंगी, और निकास समुद्र होगा। और समुद्र की सीमाएँ तुम्हारे लिए होंगी, महान समुद्र सीमा निर्धारित करेगा, यह तुम्हारे लिए समुद्र की सीमाएँ होंगी।

और यह तुम्हारी उत्तर दिशा की सीमाएँ होंगी: महान समुद्र से तुम अपने लिए पर्वत तक माप लो। और पहाड़ से पहाड़ तक तुम उनके लिए मापोगे, जो हमता में प्रवेश करते हैं, और उसका निकास सारादाक की सीमाएँ होंगी। और सीमाएँ देफ्रोना से बाहर जाएंगी, और उसका निकास अर्सेनाइन होगा, यह तुम्हारे लिए उत्तर से सीमाएँ होंगी। और सीमा सेफेफामार से बेला तक पूर्व की ओर झरनों पर नीचे जाएगी, और सीमा बेला से किन्नेरेत सागर की पीठ पर पूर्व की ओर नीचे जाएगी। और सीमा सेफामार से बेला तक पूर्व की ओर झरनों तक नीचे जाएगी, और सीमा बेला से खिन्नेरेत सागर की पीठ पर पूर्व की ओर नीचे

जाएगी। और सीमाएं यरदन तक नीचे आएंगी, और निकास नमकीन समुद्र होगा, यह तुम्हारे लिए भूमि होगी और इसकी सीमाएं चारों ओर होंगी।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दी, कहते हुए, यह वह भूमि है जिसे तुम चिट्ठी द्वारा विरासत में प्राप्त करोगे, जिस रीति से प्रभु ने आज्ञा दी है कि उसे नौ गोत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र को दिया जाए। क्योंकि रुबेन के पुत्रों के गोत्र ने, और गाद के पुत्रों के गोत्र ने अपने पितरों के घरानों के अनुसार, और मनश्शे के आधे गोत्र ने अपनी चिट्ठियाँ प्राप्त कर लीं। दो जनजातियों और आधी जनजाति ने यरदन के पार, यरीहो के पास, दक्षिण से पूर्व की ओर अपने भाग प्राप्त किए।

और प्रभु ने मूसा से कहा, ये पुरुषों के नाम हैं, जो तुम्हें भूमि विरासत में देंगे: एलीआज़ार याजक और नून का पुत्र यहोशू। और तुम प्रत्येक कबीले से एक शासक लोगे, जो तुम्हें भूमि विरासत में दिलाएगा।

और ये यहूदा जनजाति के पुरुषों के नाम हैं, कालेब जो यपुन्ने का पुत्र है। शिमोन की जनजाति के, शलूमीएल जो सेमियूद का पुत्र है। बिन्यामीन की जनजाति से, एलदाद जो कसलोन का पुत्र है, दान के कबीले का शासक बकखीर, एग्ली का पुत्र। यूसुफ के पुत्रों में से, मनश्शे के पुत्रों के गोत्र का शासक अनीएल, जो सौफी का पुत्र था। एफ्राइम के पुत्रों की जनजाति का शासक कमूएल, सबाथान का पुत्र। ज़बूलून की जनजाति का शासक एलीसाफान, फ़ारनाख़ का पुत्र। इसाकार के पुत्रों के कबीले का शासक फाल्तिएल, ओज़ा का पुत्र। आशेर के पुत्रों की जनजाति का शासक अखिओर, सलेमी का पुत्र। नेफ्थाली कबीले का शासक फदाएल, जो इयामिऊद का पुत्र था।

प्रभु ने इन्हें आदेश दिया कि इस्राएल के पुत्रों को कनान की भूमि में विभाजित करें।

35

और प्रभु ने मोआब के पश्चिम में, यरदन के पास, यरीहो के सामने मूसा से कहा इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो, और वे अपने कब्जे के भागों में से लेवियों को निवास करने के लिए नगर देंगे, और नगरों के चारों ओर के उपनगर भी लेवियों को देंगे। और उनके लिए वे शहर निवास करने के लिए होंगे, और उनके घरे उनके मवेशियों के लिए और उनके सब चौपायों के लिए होंगे। और जो नगर तुम लेवियों को दोगे, उनके आस-पास की भूमि नगर की दीवार

से बाहर चारों ओर दो हजार हाथ होगी। और तुम नगर के बाहर पूर्व की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ मापोगे, और दक्षिण की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ, और समुद्र की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ, और उत्तर की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ, और नगर इसके मध्य में तुम्हारे लिए होगा, और नगरों की सीमाएँ। और तुम लेवियों को शहर दोगे, छह शरण-स्थानों के शहर जो तुम हत्यारे को वहाँ भागने के लिए दोगे, और इनके अलावा बयालीस शहर। तुम सभी शहर लेवियों को दोगे, अड़तालीस शहर, ये और उनके उपनगर। और जो शहर तुम इजराइल के पुत्रों के कब्जे से दोगे, जिनके पास बहुत है उनसे बहुत, और जिनके पास कम है उनसे कम, प्रत्येक अपनी विरासत के अनुसार जो वे विरासत में लेंगे, वे अपने शहरों में से लेवियों को देंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, तुम यरदन को पार करके कनान की भूमि में जा रहे हो। और तुम अपने लिए शहरों को अलग करोगे, जो तुम्हारे लिए शरण स्थान होंगे, वहाँ हत्यारे के भागने के लिए, हर वह जिसने किसी आत्मा को अनजाने में मारा हो। और वे शहर तुम्हारे लिए खून का बदला लेने वाले से शरणस्थान होंगे, और हत्यारा तब तक नहीं मरेगा जब तक वह न्याय के लिए सभा के सामने खड़ा न हो। और जो शहर आप देंगे, वे छह शहर आपके लिए शरण स्थान होंगे। तीन शहर यरदन के पार दोगे, और तीन शहर कनान की भूमि में दोगे।

यह शरण इस्राएल के पुत्रों के लिए, और अजनबी के लिए, और तुम्हारे बीच रहने वाले प्रवासी के लिए होगी, ये नगर शरण के लिए होंगे, वहाँ भागने के लिए हर उस व्यक्ति के लिए जो अनजाने में किसी आत्मा को मार डाले।

यदि कोई लोहे के बर्तन से उसे मारे, और वह मर जाए, तो वह हत्यारा है; उस हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए। यदि कोई हाथ में पत्थर लेकर, जिससे मृत्यु हो सकती है, किसी को मारे और वह मर जाए, तो वह हत्यारा है; उस हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए। यदि कोई लकड़ी के बर्तन से, जो हाथ में है और जिससे कोई मर सकता है, किसी को मारे और वह मर जाए, तो वह हत्यारा है; उस हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए।

रक्त का बदला लेने वाला, यह हत्यारे को मार डालेगा, जब यह उससे मिलेगा, यह उसे मार डालेगा। यदि कोई शत्रुता के कारण उसे धक्का दे, और घात लगाकर उस पर कोई वस्तु फेंके, और वह मर जाए, या यदि क्रोध के कारण उसने उसे हाथ से मारा, और वह मर

जाए, तो मारने वाले को मृत्युदंड दिया जाए, वह हत्यारा है। हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए। रक्त का बदला लेने वाला हत्यारे को उससे मिलने पर मार डालेगा।

यदि किन्तु अचानक, बिना शत्रुता के उसे धक्का दे दे, या उस पर कोई वस्तु फेंक दे, बिना घात के, या किसी भी पत्थर से, जिससे वह मर सकता है, बिना जाने हुए, और वह उस पर गिर जाए, और वह मर जाए, लेकिन वह उसका शत्रु नहीं था, और न ही उसे हानि पहुँचाने की कोशिश कर रहा था, और सभा मारने वाले और रक्त का बदला लेने वाले के बीच इन न्यायों के अनुसार न्याय करेगी। और सभा हत्यारे को खून के बदला लेने वाले से छुड़ाएगी, और सभा उसे उसके शरण के शहर में लौटाएगी जहाँ वह भागा था, और वह वहाँ तब तक रहेगा जब तक महान याजक मर न जाए, जिसका अभिषेक पवित्र तेल से किया गया था।

यदि हत्यारा उस नगर की सीमाओं से निकल जाए जहाँ वह भाग गया था और यदि खून का बदला लेने वाला उसे उसके शरण नगर की सीमाओं के बाहर पाए, और खून का बदला लेने वाला उस हत्यारे को मार डाले, तो वह दोषी नहीं है। क्योंकि शरण के शहर में वह तब तक निवास करे जब तक महान पुजारी मर न जाए, और महान पुजारी के मरने के बाद, हत्यारा अपने कब्जे की भूमि में लौटेगा।

और यह तुम्हारे लिए तुम्हारी सभी बस्तियों में तुम्हारी पीढ़ियों तक न्याय का विधान होगा। जो कोई किसी आत्मा को मारे, गवाहों के आधार पर तुम उस हत्यारे को मार डालोगे, और एक गवाह किसी आत्मा को मृत्यु के लिए गवाही नहीं देगा। और तुम हत्यारे से जीवन की फिरौती नहीं लोगे जो मृत्युदंड का दोषी है, क्योंकि उसे मृत्यु से मार डाला जाएगा। तुम लोग शरण-नगरों में भागने के लिए फिरौती नहीं लोगे, ताकि भूमि पर फिर से बसा जा सके, जब तक कि महायाजक की मृत्यु न हो जाए। और तुम उस भूमि की हत्या मत करना जिसमें तुम निवास करते हो, क्योंकि यह रक्त भूमि की हत्या करता है, और भूमि का प्रायश्चित्त उस रक्त से नहीं किया जाएगा जो उस पर बहाया गया था, बल्कि बहाने वाले के रक्त से। और तुम उस भूमि को अपवित्र नहीं करोगे जिस पर तुम निवास करते हो, जिस पर मैं तुम में निवास करता हूँ, क्योंकि मैं प्रभु हूँ जो इस्राएल के पुत्रों के बीच निवास करता हूँ।

और गिलाद के पुत्रों के कबीले के शासक, जो माकीर का पुत्र और मनश्शे का पुत्र था, यूसुफ के पुत्रों के कबीले से आए, और उन्होंने मूसा के सामने, और एलाजार याजक के सामने, और इस्राएल के पुत्रों के पितरों के घरों के शासकों के सामने बात की। और उन्होंने कहा, प्रभु ने हमारे स्वामी को आज्ञा दी कि चिट्ठी द्वारा इस्राएल के पुत्रों को विरासत की भूमि दें, और प्रभु ने स्वामी को आज्ञा दी कि हमारे भाई सलपाद की विरासत उसकी पुत्रियों को दें। और वे इस्राएल के पुत्रों के किसी एक गोत्र की स्त्रियाँ होंगी, और उनकी चिट्ठी हमारे पिताओं के अधिकार से हटा ली जाएगी, और उस गोत्र की विरासत में जोड़ दी जाएगी जिसकी वे स्त्रियाँ होंगी, और हमारी विरासत की चिट्ठी से हटा ली जाएगी। यदि इस्राएल के पुत्रों की मुक्ति हो जाए, तो उनका उत्तराधिकार उस गोत्र के उत्तराधिकार में जोड़ा जाएगा जिसमें वे पत्नियाँ बनेंगी, और हमारे परिवार के गोत्र के उत्तराधिकार से उनका उत्तराधिकार हटाया जाएगा।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को प्रभु के आदेश के माध्यम से आदेश दिया, कहते हुए, इस प्रकार यूसुफ के पुत्रों का गोत्र कहता है। यह वह वचन है जो प्रभु ने सलपाद की पुत्रियों को आज्ञा दी, कहते हुए, जहाँ उनके सामने यह प्रसन्न करे, वे स्त्रियाँ हों, परन्तु उनके पिता के लोगों में से ही वे स्त्रियाँ हों। और इस्राएल के पुत्रों की विरासत एक गोत्र से दूसरे गोत्र में स्थानांतरित नहीं की जाएगी, क्योंकि इस्राएल के पुत्र अपने परिवार के गोत्र की विरासत को दृढ़ता से पकड़े रहेंगे। और इस्राएल के पुत्रों के गोत्रों में से विरासत प्राप्त करने वाली प्रत्येक पुत्री, अपने पिता के लोगों में से किसी एक की पत्नी होगी, ताकि इस्राएल के पुत्र प्रत्येक अपनी पैतृक विरासत को प्राप्त करें। और भाग्य एक जनजाति से दूसरी जनजाति को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा, लेकिन इस्राएल के पुत्र प्रत्येक अपनी विरासत में बने रहेंगे।

जिस प्रकार प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, उसी प्रकार सलपाद की पुत्रियों ने किया। और तिस्रा और होग्ला और मिल्का और नोआ और माला, सलपाद की पुत्रियाँ, अपने चचेरे भाइयों को बनीं। मनश्शे के लोगों में से, जो यूसुफ के पुत्र थे, वे स्त्रियाँ बनीं, और उनकी विरासत उनके पिता के कुल पर आई। ये वे आज्ञाएँ, विधियाँ और न्याय हैं, जो प्रभु ने मूसा के हाथ में मोआब के पश्चिम में यरदन के पास यरीहो के सामने आज्ञा दी थी।

व्यवस्थाविवरण

1

ये वे शब्द हैं जो मूसा ने यर्दन के पार जंगल में, पश्चिम की ओर, लाल सागर के पास, पारान, तोफेल, लोबोन, औलोन और काताखूसेआ के बीच सभी इस्त्राएल से कहे थे। होरेब से सेईर पर्वत होते हुए कादेश बनें तक ग्यारह दिन का मार्ग है। और ऐसा हुआ कि चालीसवें वर्ष के ग्यारहवें महीने के पहले दिन, मूसा ने इस्त्राएल के सब पुत्रों से बात की, उन सब बातों के अनुसार जो प्रभु ने उसे उनके लिए आज्ञा दी थी, मारने के बाद सीहोन एमोरियों का राजा जो हेशबोन में रहा, और ओग बाशान का राजा जो अशतारोत और एद्रेई में रहा, यर्दन के पार मोआब की भूमि में, मूसा ने इस व्यवस्था को समझाना आरम्भ किया, कहते हुए, प्रभु हमारे ईश्वर ने होरेब में हमसे कहा, इस पर्वत पर निवास करना तुम्हारे लिए पर्याप्त हो। मुड़ो और प्रस्थान करो तुम, और एमोरियों के पर्वत में प्रवेश करो, और अराबा के सब पड़ोसियों की ओर, पर्वत में और मैदान में, और दक्षिण की ओर, और कनानियों की भूमि के तट पर, और अन्ति-लिबानोन से लेकर महान नदी तक, यूफ्रेटीस नदी तक। देखो, उसने तुम्हारे सामने यह भूमि सौंप दी है, प्रवेश करके इस भूमि पर अधिकार करो, जिसे देने की मैंने तुम्हारे पिताओं अब्राहम, इसहाक और याकूब से शपथ खाई थी, उनको और उनके साथ उनके वंश को।

और मैंने उस समय तुमसे कहा था, मैं अकेला तुम्हें सहन नहीं कर सकूंगा। प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने तुम्हें बढ़ाया, और देखो आज तुम स्वर्ग के तारों के समान बहुतायत में हो। प्रभु, आपके पिताओं का ईश्वर, आपको हजार गुना बढ़ाए जैसे आप हैं, और आपको आशीर्वाद दे जैसा उसने आपसे कहा था। मैं अकेले तुम्हारे परिश्रम और तुम्हारी नींव और तुम्हारे विवादों को कैसे सहन कर सकूंगा? अपने लिए बुद्धिमान, जानकार और समझदार पुरुषों को अपनी जनजातियों में से चुनो, और मैं उन्हें तुम्हारे ऊपर तुम्हारे नेता नियुक्त करूंगा। और तुमने मुझे उत्तर दिया और कहा, जो वचन तूने बोला है उसे करना अच्छा है। और मैंने तुम में से बुद्धिमान और जानकार और समझदार पुरुषों को लिया, और उनको तुम पर हजारों के सेनापति, और सैकड़ों के सेनापति, और पचासों के सेनापति, और दसों के सेनापति, और तुम्हारे न्यायाधीशों के लिए अधिकारी नियुक्त किया। और मैंने उस समय तुम्हारे न्यायाधीशों को आज्ञा दी, तुम्हारे भाइयों के बीच सुनो, और मनुष्य और भाई और उसके परदेशी के बीच न्यायपूर्वक न्याय करो। तुम न्याय में किसी का पक्षपात नहीं करोगे, छोटे और बड़े दोनों का समान रूप से न्याय करोगे, तुम किसी मनुष्य का पक्षपात नहीं दिखाओगे,

क्योंकि न्याय परमेश्वर का है, और जो मामला तुम्हारे लिए कठिन हो, उसे तुम मेरे पास लाओगे, और मैं उसे सुनूंगा। और मैंने उस समय तुम्हें वे सब वचन बताए जिन्हें तुम्हें करना है।

और होरेब से प्रस्थान करके हम उस सब महान और भयानक रेगिस्तान से होकर गए, जो तुमने देखा था, एमोरियों के पर्वत के मार्ग से, जैसा हमारे परमेश्वर प्रभु ने हमें आज्ञा दी थी, और हम कादेश बनें तक आए। और मैंने तुमसे कहा, तुम अमोरियों के पहाड़ तक आ गए हो, जो हमारा प्रभु देवता तुम्हें देता है। देखो, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हारे सामने यह भूमि तुम्हें सौंप दी है, ऊपर जाकर उस पर अधिकार करो जिस रीति से प्रभु तुम्हारे पितरों के परमेश्वर ने तुमसे कहा है, मत डरो और न निराश हो। और तुम सब मेरे पास आए, और तुमने कहा, हम अपने पुरुषों को पहले भेजें, और वे हमारे लिए उस भूमि की जासूसी करें, और वे हमें उत्तर दें कि किस मार्ग से हम ऊपर जाएंगे, और किन नगरों में हम प्रवेश करेंगे। और यह वचन मेरे सामने अच्छा लगा, और मैंने तुम में से बारह पुरुष लिए, प्रत्येक गोत्र से एक पुरुष। और मुड़कर वे पहाड़ पर चढ़ गए, और अंगूर के गुच्छे की घाटी तक आए, और उन्होंने उसकी जासूसी की। और उन्होंने अपने हाथों में पृथ्वी के फल से लिया, और तुम्हारे पास लाए, और कहा, अच्छी है वह भूमि जो प्रभु हमारा देवता हमें देता है।

और तुम ऊपर जाना नहीं चाहते थे, लेकिन तुमने हमारे परमेश्वर प्रभु के वचन की अवज्ञा की। और तुम अपने तंबुओं में बड़बड़ाए, और तुमने कहा, प्रभु हमसे नफरत करता है, इसलिए वह हमें मिस्र की भूमि से निकाल लाया, ताकि हमें एमोरियों के हाथों में सौंप दे और हमें नष्ट कर दे। हम कहाँ जा रहे हैं? लेकिन तुम्हारे भाइयों ने तुम्हारा हृदय फेर दिया, यह कहते हुए, एक महान और विशाल राष्ट्र जो हमसे अधिक शक्तिशाली है, और महान तथा किलेबंद नगर जो स्वर्ग तक पहुँचते हैं, और हमने वहाँ दानवों के पुत्रों को भी देखा है। और मैंने तुमसे कहा, भयभीत मत होओ, न ही उनसे डरो। प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, जो तुम्हारे आगे-आगे चल रहा है, वह स्वयं तुम्हारे साथ मिलकर उनसे युद्ध करेगा, ठीक उसी प्रकार जैसा उसने तुम्हारे लिए मिस्र देश में किया था, और इस जंगल में भी जिसे तुमने देखा है, एमोरियों के पर्वत के मार्ग में, जैसे प्रभु ने तुम्हें सँभाला है। तुम्हारा ईश्वर, जैसे कोई मनुष्य अपने पुत्र को पोषण करता है, उसी प्रकार सब मार्गों में जो तुम चले, जब तक तुम इस स्थान में नहीं आए।

और इस शब्द में आपने हमारे प्रभु परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया, जो तुम्हारे आगे रास्ते में जाता है तुम्हारे लिए स्थान चुनने को, रात में आग में तुम्हारा मार्गदर्शन करते हुए, तुम्हें

वह रास्ता दिखाते हुए जिस पर तुम चलते हो, और दिन में बादल में।

और प्रभु ने तुम्हारे शब्दों की आवाज़ सुनी, और क्रोधित होकर शपथ ली, कहते हुए, यदि इन पुरुषों में से कोई इस अच्छी भूमि को देखेगा, जिसकी मैंने उनके पिताओं से शपथ ली थी, सिवाय कालेब, यफुन्ने का पुत्र, यह उसे देखेगा, और इसे मैं वह भूमि दूंगा जिस पर वह चढ़ा, और उसके पुत्रों को भी, क्योंकि वह प्रभु के प्रति समर्पित रहा। और प्रभु मुझ पर तुम्हारे कारण क्रोधित हुआ, कहते हुए, तुम भी वहाँ प्रवेश नहीं करोगे। यहोशू, नून का पुत्र, जो तुम्हारे पास खड़ा है, वह वहाँ प्रवेश करेगा। उसे मजबूत करो, क्योंकि वही इस्राएल को उसे विरासत में देगा। और हर युवा बच्चा जो आज अच्छे या बुरे को नहीं जानता, वे वहाँ प्रवेश करेंगे, और मैं उन्हें यह दूंगा, और वे इसे विरासत में पाएँगे। और तुमने मुड़कर रेगिस्तान में डेरा डाला, लाल समुद्र के रास्ते पर।

और तुमने उत्तर दिया और कहा, हमने अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पाप किया है। हम ऊपर जाकर युद्ध करेंगे, उन सब के अनुसार जो हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमें आज्ञा दी है। और प्रत्येक ने अपने सैनिक बर्तन उठाए, और इकट्ठे होकर तुम पहाड़ पर चढ़ने लगे। और प्रभु ने मुझसे कहा, मैंने उनसे कहा, तुम ऊपर नहीं जाओगे और न ही तुम युद्ध करोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ नहीं हूँ, और तुम अपने शत्रुओं के सामने कुचले जाओगे। और मैंने तुमसे कहा, और तुमने मेरी नहीं सुनी, और तुमने प्रभु के वचन का उल्लंघन किया, और उल्लंघन करके तुम पर्वत पर चढ़ गए। और वह अमोरी जो उस पहाड़ में रहता था, तुमसे मिलने के लिए निकला, और उसने तुम्हारा पीछा किया जैसे मधुमक्खियाँ करती हैं, और उसने तुम्हें सेईर से होमा तक घायल किया। और तुम हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने बैठकर रोए, और प्रभु ने तुम्हारी आवाज़ नहीं सुनी, न ही तुम पर ध्यान दिया।

और तुम कादेश में बहुत दिनों तक बैठे रहे, जितने दिन तुम कभी बैठे थे।

2

और मुड़कर हम रेगिस्तान में प्रस्थान किए, लाल समुद्र का रास्ता, जिस तरीके से प्रभु ने मुझसे बात की थी, और हमने सेईर पहाड़ को बहुत दिनों तक घेरा। और प्रभु ने मुझसे कहा, तुम्हें इस पर्वत की परिक्रमा करना पर्याप्त हो चुका है, इसलिए अब उत्तर की ओर मुड़ो। और लोगों को आज्ञा दे, तुम अपने भाइयों एसाव के पुत्रों की सीमाओं से होकर पार करो, जो सेईर में निवास करते हैं, और वे तुमसे डरेंगे, और वे तुमसे अत्यधिक सावधान रहेंगे।

उनसे युद्ध मत करो, क्योंकि मैं तुम्हें उनकी भूमि से एक पैर रखने की जगह भी नहीं दूंगा, क्योंकि मैंने एसाव के पुत्रों को विरासत में सेईर का पहाड़ दिया है। चाँदी से भोजन उनसे खरीदो और खाओ, और पानी भी माप से उनसे चाँदी देकर लो और पीओ। क्योंकि प्रभु हमारे परमेश्वर ने तुम्हारे हाथों के हर काम में तुम्हें आशीर्वाद दिया, जानो कि तुम उस महान और भयानक रेगिस्तान से कैसे गुजरे, देखो चालीस वर्ष तक प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ रहा, तुम्हें किसी चीज़ की कमी नहीं हुई।

और हम अपने भाइयों, एसाव के पुत्रों के पास से गुजरे, जो सेईर में रहते थे, अराबा के मार्ग के पास से, ऐलोन से और गेसिओन गाबेर से, और लौटकर हम मोआब के निर्जन मार्ग से गुजरे। और प्रभु ने मुझसे कहा, मोआबियों के प्रति शत्रुतापूर्ण मत होना, और उनके साथ युद्ध में मत जुड़ना, क्योंकि मैं उनकी भूमि से तुम्हें विरासत में कुछ नहीं दूँगा, क्योंकि मैंने लोत के पुत्रों को अरोएर विरासत में दिया है। ओम्मिन लोग पहले उस पर बसे हुए थे, एक महान और विशाल और शक्तिशाली राष्ट्र, जैसे अनाकीम लोग। रपाईम माने जाएंगे और ये भी, जैसे अनाकीम, और मोआबी उन्हें एमीम बुलाते हैं। और सेईर में होरी लोग पहले रहते थे, और एसाव के पुत्रों ने उनको नष्ट किया, और उनको अपने सामने से नष्ट कर दिया। और उनके स्थान पर बस गए, जिस तरीके से इस्राएल ने अपनी विरासत की भूमि के साथ किया, जो प्रभु ने उनको दी है। अब इसलिए उठो और तुम प्रस्थान करो, और ज़ारेत घाटी को पार करो।

और वे दिन जो हमने कादेश बर्ने से यात्रा की जब तक हम जारेत घाटी को पार नहीं कर गए, अड़तीस वर्ष थे, जब तक कि योद्धा पुरुषों की सारी पीढ़ी शिविर से मरते हुए नष्ट नहीं हो गई, जैसा कि प्रभु ने शपथ ली थी परमेश्वर उन्हें। और परमेश्वर का हाथ उन पर था कि उन्हें शिविर के बीच से नष्ट कर दे, जब तक वे नष्ट नहीं हो गए।

और ऐसा हुआ कि जब सब योद्धा पुरुष लोगों के बीच से मरते हुए गिर गए, तो बोला प्रभु ने मुझसे कहा, तुम आज सीमाओं को पार करोगे। मोआब अरोएर, और तुम अम्मोन के पुत्रों के निकट आओगे, उनके प्रति शत्रुतापूर्ण मत होना, और न ही उनके साथ युद्ध में संलग्न होना, क्योंकि मैं अम्मोन के पुत्रों की भूमि से तुम्हें विरासत में नहीं दूँगा, क्योंकि मैंने इसे लूत के पुत्रों को विरासत में दिया है। यह भूमि रेफाईम की गिनी जाएगी, क्योंकि उस पर पहले रेफाईम निवास करते थे और अम्मोनी उन्हें जोखोम्मीन बुलाते हैं। एक महान और विशाल राष्ट्र जो तुमसे अधिक शक्तिशाली था, जैसे एनाकीम भी थे, और प्रभु ने उनको उनके सामने नष्ट कर दिया, और उन्होंने विरासत में प्राप्त किया और उनकी जगह बस गए, आज के दिन

तक। जैसा उन्होंने एसाव के पुत्रों के साथ किया जो सेईर में निवास करते थे, जिस तरीके से उन्होंने होरियों को उनके सामने से नष्ट किया, और उन्हें विरासत में प्राप्त किया, और उनके स्थान पर बस गए इस दिन तक। और एउआइओइ जो असेदोथ में गाज़ा तक निवास करते थे, और कप्पादोकियाई जो कप्पादोकिया से निकले थे, उन्होंने उनको नष्ट किया, और उनके स्थान पर बस गए।

अब इसलिए उठो और प्रस्थान करो, और तुम अनॉन घाटी को पार करो। देखो, मैंने तुम्हारे हाथों में हेशबोन के राजा सीहोन अमोरी को और उसकी भूमि को दे दिया है। विरासत में लेना आरंभ करो, इस दिन उससे युद्ध करो। आरंभ करो कि सभी राष्ट्रों के चेहरों पर, जो आकाश के नीचे हैं, तुम्हारा कंपन और तुम्हारा भय डालो, जो तुम्हारा नाम सुनकर व्याकुल हो जाएंगे और तुम्हारे चेहरे से पीड़ाएं भोगेंगे।

और मैंने केदेमोथ के निर्जन स्थान से हेशबोन के राजा सीहोन के पास शांतिपूर्ण शब्दों के साथ दूत भेजे, यह कहते हुए मैं तुम्हारी भूमि से होकर गुजरूंगा, रास्ते में चलूंगा, न दाएं मुड़ूंगा न बाएं। भोजन चाँदी के बदले तुम मुझे दोगे और मैं खाऊँगा, और पानी चाँदी के बदले तुम मुझे दोगे और मैं पीऊँगा, केवल इसलिए कि मैं पैदल से गुजर जाऊँगा। जैसा एसाव के पुत्रों ने, जो सेईर में निवास करते हैं, और मोआबियों ने, जो अरोएर में निवास करते हैं, मेरे साथ किया, जब तक मैं यर्दन को पार करके उस भूमि में प्रवेश न कर लूं, जो हमारा प्रभु परमेश्वर हमें देता है। और हेशबोन का राजा सीहोन हमें अपने देश से होकर जाने देने के लिए तैयार नहीं हुआ, क्योंकि हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसकी आत्मा को कठोर कर दिया और उसके हृदय को मजबूत कर दिया, ताकि वह तुम्हारे हाथों में सौंप दिया जाए, जैसा कि आज के दिन है।

और प्रभु ने मुझसे कहा, देखो, मैंने तुम्हारे सामने सीहोन को, हेशबोन के राजा को, अमोरी को, और उसकी भूमि को सौंपना शुरू कर दिया है, और उसकी भूमि को विरासत में लेना शुरू करो। और हेशबोन का राजा सीहोन हमसे मिलने के लिए निकला, वह और उसके सब लोग, याहस में युद्ध के लिए। और हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसको हमारे सामने सौंप दिया, और हमने उसको और उसके पुत्रों को और उसके सब लोगों को मारा। और हमने उस समय उसके सभी शहरों पर कब्जा किया, और हमने हर शहर को पूरी तरह नष्ट कर दिया, और उनकी स्त्रियों और उनके बच्चों को भी, हमने किसी को जीवित नहीं छोड़ा। सिवाय पशुओं के, जिन्हें हमने लूटा, और शहरों की लूट हमने ली। अरोएर से, जो अनॉन की धारा के किनारे पर है, और उस नगर से जो घाटी में स्थित था, और गिलाद के पहाड़ तक, कोई नगर नहीं था

जो हमसे बच गया। प्रभु हमारे परमेश्वर ने सब को हमारे हाथों में सौंप दिया। सिवाय अम्मोन के पुत्रों के निकट, हम नहीं पहुंचे - न याब्बोक धारा से सटे सभी स्थानों पर, और न पहाड़ी प्रदेश के शहरों में, जैसा हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमें आज्ञा दी थी।

3

और मुड़कर, हम बाशान के रास्ते पर चढ़ गए, और बाशान का राजा ओग हमसे मिलने निकला, वह और उसके सब लोग युद्ध के लिए एट्रैम में। और प्रभु ने मुझसे कहा, उससे मत डर, क्योंकि मैंने उसे तेरे हाथों में दे दिया है, और उसके सब लोगों को, और उसकी सारी भूमि को, और तू उसके साथ वैसा ही करेगा, जैसा तूने एमोरियों के राजा सीहोन के साथ किया था, जो हेशबोन में रहता था। और हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसे हमारे हाथों में सौंप दिया, और ओग को जो बाशान का राजा था, और उसके सब लोगों को, और हमने उसे मारा, यहाँ तक कि उसका कोई वंशज नहीं छोड़ा।

और हमने उस समय उसके सभी शहरों को अधिकार में कर लिया। कोई भी शहर नहीं था जो हमने उनसे नहीं लिया—साठ शहर, बाशान में राजा ओग के अर्गोब के सभी क्षेत्र। सभी नगर दुर्गयुक्त थे, दीवारें ऊँची थीं, द्वार और छड़ें थीं, सिवाय फरिज्जियों के उन नगरों के जो अत्यधिक अनेक थे। हमने नष्ट कर दिया, जैसे हमने हेशबोन के राजा सीहोन के साथ किया था, और हमने सभी नगरों को एक के बाद एक नष्ट कर दिया, और स्त्रियों को और बच्चों को। और हमने सभी पशुओं और शहरों की लूट को अपने लिए ले लिया।

और हमने उस समय में दो एमोरी राजाओं के हाथों से वह भूमि ली, जो यर्डन के पार अनोन की धारा से लेकर हेमोन तक थे। फ़ोनीशियाई लोग हेमोन को सानिओर कहते हैं, और अमोरी ने इसे सानीर नाम दिया। मिसोर के सब शहर, और सारा गिलाद, और सारा बाशान एलखा और एद्राइम तक, ओग के राज्य के शहर जो बाशान में थे। क्योंकि बाशान का राजा ओग रपाइम में से बचा हुआ था। देखो, उसका बिस्तर लोहे का था। देखो, यह अम्मोन के पुत्रों के क्षेत्र में है। इसकी लंबाई नौ हाथ और चौड़ाई चार हाथ है, एक आदमी के हाथ के अनुसार। और हमने उस भूमि को उस समय में विरासत में पाया, अरोएर से, जो अनोन नाले के किनारे पर है, और गिलाद पहाड़ का आधा भाग, और उसके शहर मैंने रूबेन और गाद को दिए। और गिलाद का शेष भाग, और ओग का सम्पूर्ण बाशान राज्य मैंने मनश्शे के आधे गोत्र को दिया, और अर्गोब का सम्पूर्ण आसपास का क्षेत्र, वह सम्पूर्ण बाशान रपाइम की भूमि गिना जाएगा। और याईर, जो मनश्शे का पुत्र था, ने अर्गोब का

सम्पूर्ण क्षेत्र गर्गसी और माखाथी की सीमाओं तक ले लिया, और उसने उन्हें अपने नाम पर बाशान थाउओथ याएईर नाम दिया, जो आज के दिन तक है। और मैंने माखीर को गिलाद दिया। और रुबेन और गाद को मैंने गिलाद से लेकर अनोन नदी तक दिया है, नदी के बीच की सीमा बनाकर, और यब्बोक नदी तक, जो अम्मोन के पुत्रों की सीमा है। और अरबा और यर्दन महानरेथ की सीमा, और अरबा के समुद्र तक, नमक के समुद्र के द्वारा असेदोथ के नीचे फासगा पूर्व में।

और मैंने उस समय तुम्हें आज्ञा दी, कहते हुए, प्रभु तुम्हारे देवता ने तुम्हें यह भूमि विरासत में दी है, हथियारबंद होकर अपने भाइयों, इस्राएल के पुत्रों के सामने आगे जाओ, हर सक्षम व्यक्ति। सिवाय तुम्हारी महिलाओं और तुम्हारे बच्चों और तुम्हारे पशुओं के, मैं जानता हूँ कि तुम्हारे पास बहुत पशु हैं, वे तुम्हारे उन नगरों में निवास करें जो मैंने तुम्हें दिए हैं, जब तक प्रभु विश्राम न दे दें। तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे भाइयों को भी, जैसे तुमको, विश्राम दे और ये लोग भी उस भूमि को विरासत में पाएं जो प्रभु हमारा ईश्वर उनको यर्दन के पार देता है, और तुम प्रत्येक अपनी विरासत में लौटोगे जो मैंने तुमको दी है।

और उस समय में मैंने यहोशू को आज्ञा दी, कहते हुए, तुम्हारी आँखों ने सब कुछ देखा है जो हमारे प्रभु परमेश्वर ने इन दो राजाओं के साथ किया, इसी प्रकार हमारा प्रभु परमेश्वर उन सब राज्यों के साथ करेगा जिनमें तुम वहाँ पार कर रहे हो। तुम उनसे नहीं डरोगे, क्योंकि प्रभु हमारा परमेश्वर स्वयं तुम्हारे लिए लड़ेगा।

और मैंने उस समय प्रभु से विनती की, कहते हुए, प्रभु परमेश्वर, आपने अपने सेवक को अपनी शक्ति, और अपना सामर्थ्य, और अपना पराक्रमी हाथ, और अपनी ऊँची भुजा दिखाना आरम्भ किया है, क्योंकि स्वर्ग में या पृथ्वी पर ऐसा कौन परमेश्वर है, जो वैसे काम करेगा जैसे आपने किए हैं, और आपकी शक्ति के अनुसार? पार करके इसलिए मैं उस अच्छी भूमि को देखूंगा जो यर्दन के पार है, इस अच्छे पर्वत को और एंटी-लेबनान को।

और प्रभु ने तुम्हारे कारण मुझे अनदेखा किया, और मेरी नहीं सुनी, और प्रभु ने मुझसे कहा, तुझे यह पर्याप्त हो, इस बात को फिर मत कहना। तराशे गए शिखर पर ऊपर जाओ, और अपनी आँखों से समुद्र और उत्तर और दक्षिण और पूर्व की ओर देखो, और अपनी आँखों से देखो, क्योंकि तुम इस यर्दन को पार नहीं करोगे। और यहोशू को आज्ञा दो और उसे मजबूत करो और उसे प्रोत्साहित करो, क्योंकि यह इन लोगों के सामने पार करेगा, और यह

उन्हें वह सारी भूमि विरासत में देगा जो तुमने देखी है। और हम फोगोर के घर के निकट घाटी में बैठे।

4

और अब हे इस्राएल, उन विधियों और न्यायों को सुनो जो मैं आज तुम्हें करने के लिए सिखाता हूँ, ताकि तुम जीवित रहो और बहुगुणित हो जाओ, और प्रवेश करके उस भूमि को विरासत में पाओ जो प्रभु, तुम्हारे पिताओं का परमेश्वर, तुम्हें देता है। तुम उस वचन में नहीं जोड़ोगे जो मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, और न उसमें से कुछ हटाओगे। हमारे प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को मानो, जितनी मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ। तुम्हारी आँखों ने वह सब देखा है जो प्रभु हमारे परमेश्वर ने बाल पेओर को किया, क्योंकि हर एक मनुष्य जो बाल पेओर के पीछे गया, उसको प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हारे बीच से नष्ट कर दिया। लेकिन तुम जो अपने प्रभु परमेश्वर से चिपके हुए हो, आज सब जीवित हो।

देखो, मैंने तुम्हें विधियाँ और न्याय दिखाए हैं जैसा प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी, कि इस प्रकार करना उस भूमि में जिसमें तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो उसे उत्तराधिकार में लेने के लिए। और तुम इन्हें रखोगे और करोगे, क्योंकि यह तुम्हारा ज्ञान और तुम्हारी समझ सब राष्ट्रों के सामने है, जो भी इन सब विधियों को सुनेंगे, और वे कहेंगे, देखो, यह महान राष्ट्र बुद्धिमान और ज्ञानी लोग हैं। क्योंकि कौन सी महान राष्ट्र है, जिसके पास उसका देवता उनके निकट आता है, जैसे हमारा प्रभु देवता हमारे पास है, सब में जब भी हम उसे पुकारते हैं? और कौन सा राष्ट्र महान है, जिसके पास ऐसी विधियाँ और न्यायपूर्ण निर्णय हैं, जो इस संपूर्ण व्यवस्था के अनुसार हैं, जिसे मैं आज तुम्हारे सामने दे रहा हूँ?

अपने लिए ध्यान दो, और अपनी आत्मा की अत्यधिक रक्षा करो, उन सब शब्दों को मत भूलो जिन्हें तुम्हारी आँखों ने देखा है, और वे तुम्हारे जीवन के सब दिनों में तुम्हारे हृदय से दूर न हों, और तुम अपने पुत्रों और अपने पुत्रों के पुत्रों को सिखाओगे, उस दिन के बारे में जब तुम होरेब में सभा के दिन हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने खड़े हुए थे, जब उन्होंने कहा प्रभु ने मुझसे कहा, मेरे पास लोगों को इकट्ठा करो, और वे मेरे वचन सुनें, ताकि वे मुझसे डरना सीखें उन सब दिनों में जो वे पृथ्वी पर जीवित रहें, और वे अपने पुत्रों को सिखाएंगे। और तुम पास आए और पहाड़ के पास खड़े हुए, और पहाड़ स्वर्ग तक आग से जल रहा था, अंधकार, घोर अंधकार, तूफान। और प्रभु ने तुमसे आग के बीच से शब्दों की आवाज़ में बात की, जिसे तुमने सुना, और तुमने कोई रूप नहीं देखा, केवल आवाज़ सुनी। और उसने तुम्हें अपनी

वाचा की घोषणा की, जो उसने तुम्हें मानने की आज्ञा दी थी, अर्थात् दस वचन, और उसने उन्हें दो पत्थर की पटियाओं पर लिख दिया।

और उस समय प्रभु ने मुझे आज्ञा दी कि मैं तुम्हें विधियाँ और न्याय सिखाऊँ, ताकि तुम उन्हें उस भूमि पर करो, जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो और जिसे तुम वहाँ उत्तराधिकार में लोगे। और तुम अपनी आत्माओं को अत्यधिक सुरक्षित रखोगे, क्योंकि तुमने उस दिन कोई समानता नहीं देखी जब प्रभु ने होरेब में पर्वत पर आग के बीच से तुमसे बात की थी। तुम अधर्म मत करो और अपने लिए कोई खुदी हुई मूर्ति, कोई समानता, पुरुष या स्त्री की कोई प्रतिमा मत बनाओ। पृथ्वी पर रहने वाले सभी पशुओं की समानता, आकाश के नीचे उड़ने वाले सभी पंखों वाले पक्षियों की समानता, हर रेंगने वाले जीव की सादृश्य जो पृथ्वी पर रेंगता है, हर मछली की सादृश्य जो पृथ्वी के नीचे जल में हैं। और ऐसा न हो कि तुम स्वर्ग की ओर देखकर, और सूर्य और चंद्रमा और तारों को, और स्वर्ग की सारी सृष्टि को देखकर, भटककर उनकी पूजा करो और उनकी सेवा करो, जिन्हें प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने स्वर्ग के नीचे की सब जातियों को सौंपा है। लेकिन परमेश्वर ने तुम्हें लिया, और तुम्हें मिस्र की भूमि से, लोहे की भट्टी से, मिस्र से निकाला, ताकि तुम उसके लिए निज भाग के लोग हो, जैसा कि आज के दिन में है।

और प्रभु परमेश्वर तुम्हारे कहे गए शब्दों के कारण मुझ पर क्रोधित हुए, और उन्होंने शपथ ली कि मैं इस जॉर्डन को पार नहीं करूंगा, और उस भूमि में प्रवेश नहीं करूंगा, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है। मैं इस भूमि में मर रहा हूँ, और मैं इस यर्दन को पार नहीं कर रहा हूँ, लेकिन तुम पार कर रहे हो, और तुम इस अच्छी भूमि को विरासत में पाओगे। अपने प्रति सावधान रहो, कि तुम प्रभु हमारे परमेश्वर की वाचा को न भूलो, जो उसने तुम्हारे साथ बाँधी थी, और अधर्म करके अपने लिए किसी खुदी हुई मूर्ति की प्रतिमा न बनाओ, जिसकी आज्ञा प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें दी है। क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर भस्म करने वाली आग है, एक ईर्ष्यालु ईश्वर।

यदि तुम पुत्रों को जन्म दो और तुम्हारे पुत्रों के पुत्रों को, और तुम पृथ्वी पर देर तक रहो, और तुम अधर्म करो, और तुम किसी भी चीज़ की खुदी हुई प्रतिमा बनाओ, और तुम प्रभु के सामने बुराई करो तुम्हारे ईश्वर को क्रोधित करने पर, मैं आज तुम्हें स्वर्ग और पृथ्वी की गवाही देता हूँ कि तुम उस पृथ्वी से विनाश में नष्ट हो जाओगे, जिसमें तुम यर्दन पार करके वहाँ विरासत में लेने जा रहे हो। तुम उस पर लम्बे समय तक नहीं रहोगे, बल्कि पूर्णतः नष्ट हो जाओगे। और प्रभु तुम्हें सब राष्ट्रों में बिखेर देगा, और तुम सब राष्ट्रों में संख्या में थोड़े रह

जाओगे, जिनमें प्रभु तुम्हें वहाँ ले जाएगा। और तुम वहाँ अन्य देवताओं की सेवा करोगे, जो मनुष्यों के हाथों के कर्म हैं, लकड़ी और पत्थर, जो न देखते हैं, न सुनते हैं, न खाते हैं, और न सूँघते हैं। और तुम वहाँ अपने प्रभु परमेश्वर को खोजोगे, और तुम उसे पाओगे जब तुम उसे अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से अपने कष्ट में खोजोगे। और अंतिम दिनों में ये सब शब्द तुझे पाएंगे, और तू अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौटेगा, और तू उसकी आवाज़ सुनेगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर दयालु है, वह तुम्हें नहीं त्यागेगा, और न तुम्हें नष्ट करेगा, वह तुम्हारे पितरों की वाचा को नहीं भूलेगा, जिसकी शपथ प्रभु ने उनको दी थी।

पूर्व के दिनों के बारे में पूछो, जो तुमसे पहले हुए थे, उस दिन से जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर मनुष्य को सृजा, और आकाश के एक छोर से आकाश के दूसरे छोर तक, क्या इस महान वचन के अनुसार कुछ हुआ है, क्या ऐसा कुछ सुना गया है, क्या किसी राष्ट्र ने आवाज़ सुनी है जीवित परमेश्वर के आग के बीच से बोलने को, जिस प्रकार तूने सुना है और जीवित रहा, क्या कभी परमेश्वर ने परीक्षा की कि वे प्रवेश करके अपने लिए एक राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र के बीच से निकालें - परीक्षाओं द्वारा, चिह्नों द्वारा, आश्चर्यों द्वारा, युद्ध द्वारा, शक्तिशाली हाथ द्वारा, ऊँची भुजा द्वारा, और महान दर्शनों द्वारा - उन सब के अनुसार जो हमारे प्रभु परमेश्वर ने मिस्र में तुम्हारे सामने, तुम्हारे देखते हुए किया? ताकि तुम जान सको कि प्रभु तुम्हारा ईश्वर, यही ईश्वर है, और उसके सिवाय कोई और नहीं है। स्वर्ग से उसकी आवाज़ सुनाई दी तुमको अनुशासित करने के लिए, और पृथ्वी पर उसने तुमको अपनी महान आग दिखाई, और तुमने उसके वचन आग के बीच से सुने।

क्योंकि उसने तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम किया, इसलिए उसने उनके बाद उनके वंश को अर्थात् तुम्हें चुना, और वह स्वयं अपनी महान शक्ति से तुम्हें मिस्र से निकाल लाया, बड़े और तुमसे अधिक शक्तिशाली राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से नष्ट करना, तुम्हें उनकी भूमि में लाना और तुम्हें वह विरासत में देना, जैसे आज तुम्हारे पास है।

और आज तुम जानोगे, और मन फिराओगे, कि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, यह परमेश्वर ऊपर स्वर्ग में और नीचे पृथ्वी पर है, और उसके सिवाय अब कोई नहीं है। और उसकी आज्ञाओं और उसकी विधियों को मानो, जितनी मैं आज तुम्हें देता हूँ, ताकि तुम्हारा और तुम्हारे बाद तुम्हारे पुत्रों का भला हो, और ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा परमेश्वर प्रभु तुम्हें सदा के लिए देता है। तब मूसा ने यर्दन के पार पूर्व दिशा में तीन नगर अलग किए, वहाँ वह हत्यारा भाग सकता है जो अपने पड़ोसी की हत्या कर दे बिना जाने, और यह वह है जो उससे कल से पहले और परसों से घृणा नहीं करता था, और वह इन नगरों में से किसी एक में

शरण लेगा, और जीवित रहेगा। बोसोर को जंगल में, मैदानी भूमि में, रुबेन को; और रामोथ को गिलाद में, गाद को; और गौलोन को बाशान में, मनश्शे को।

यह वह विधान है, जो मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के सामने रखा था। ये वे गवाहियाँ, और वे विधियाँ, और वे न्याय हैं, जितने मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से बोले, जब वे मिस्र की भूमि से निकले थे। यर्दन के पार, घाटी में, फोगोर के घर के निकट, एमोरियों के राजा सीहोन की भूमि में, जो हेशबोन में निवास करता था, जिसे मूसा और इस्राएल के पुत्रों ने मारा, जब वे मिस्र की भूमि से निकले थे। और उन्होंने उसकी भूमि विरासत में ली, और ओग राजा की भूमि बाशान की, अमोरियों के दो राजाओं की, जो यर्दन के पार सूर्य की पूर्व दिशा में थे, अरोएर से, जो अनौन धारा के किनारे पर है, और सीहोन के पहाड़ पर, जो हेमोन है, यर्दन के पार पूर्व दिशा में, असेदोथ तक का सारा अरबा क्षेत्र, जो तराशा हुआ है।

5

और मूसा ने सब इस्राएल को बुलाया और उनसे कहा, हे इस्राएल, सुनो उन विधियों और निर्णयों को जितने मैं आज तुम्हारे कानों में बोलता हूँ, और तुम उन्हें सीखोगे और उनका पालन करोगे। प्रभु, तुम्हारे परमेश्वर ने होरेब में तुम्हारे साथ वाचा बाँधी। प्रभु ने यह वाचा तुम्हारे पिताओं के साथ नहीं बनाई, बल्कि तुम्हारे साथ, तुम सभी जो आज यहाँ जीवित हो। प्रभु ने पहाड़ पर आग के बीच से तुमसे आमने-सामने बात की। और मैं उस समय प्रभु और तुम्हारे बीच में खड़ा था, ताकि तुम्हें प्रभु के वचन घोषित करूँ, क्योंकि तुम आग के चेहरे से डर गए थे, और तुम पर्वत पर नहीं चढ़े, कहते हुए मैं प्रभु हूँ, तुम्हारा ईश्वर, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से बाहर लाया।

मेरे सामने तुम्हारे लिए अन्य देवता नहीं होंगे।

तुम अपने लिए कोई मूर्ति नहीं बनाओगे, और न ही किसी चीज़ की समानता बनाओगे, जो ऊपर आकाश में हैं, और जो नीचे पृथ्वी पर हैं, और जो पृथ्वी के नीचे जल में हैं। तुम उनकी पूजा नहीं करोगे, और न ही उनकी सेवा करोगे, क्योंकि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ, एक ईर्ष्यालु परमेश्वर, जो पिताओं के पापों का दण्ड बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक उन पर देता है जो मुझसे घृणा करते हैं। और हजारों पर दया करता हुआ जो मुझसे प्रेम करते हैं, और जो मेरी आज्ञाओं को मानते हैं। तू अपने परमेश्वर प्रभु का नाम व्यर्थ में नहीं

लेगा, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर उसको निर्दोष नहीं ठहराएगा जो उसका नाम व्यर्थ में लेता है।

सब्त के दिन की रक्षा करो और इसे पवित्र रखो, जिस प्रकार तुम्हारे परमेश्वर प्रभु ने तुम्हें आज्ञा दी है। छह दिनों तक काम करो और तुम अपने सभी काम पूरे करोगे। परन्तु सातवें दिन तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए विश्राम का दिन है, उस दिन तुम कोई काम नहीं करोगे—न तुम, न तुम्हारा बेटा, न तुम्हारी बेटी, न तुम्हारा दास, न तुम्हारी दासी, न तुम्हारा बैल, न तुम्हारा पशु, न तुम्हारा कोई पशु, और न वह परदेशी जो तुम्हारे बीच रहता है, ताकि तुम्हारा दास, तुम्हारी दासी और तुम्हारा पशु विश्राम पाए, जैसे तुम पाते हो। और तुम याद करोगे कि तुम मिस्र की भूमि में सेवक थे, और प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें वहाँ से शक्तिशाली हाथ और ऊँची भुजा से बाहर निकाला, इस कारण प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें आदेश दिया कि सब्त के दिन को मानो और उसे पवित्र करो। अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करो, जिस प्रकार तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें आदेश दिया है, ताकि तुम्हारा भला हो, और ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें देता है। तू हत्या नहीं करेगा। तुम व्यभिचार नहीं करोगे। तुम चोरी नहीं करोगे। तुम अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही नहीं दोगे। तुम अपने पड़ोसी की पत्नी की इच्छा नहीं करोगे, तुम अपने पड़ोसी के घर की इच्छा नहीं करोगे, न उसके खेत की, न उसके बच्चे की, न उसकी दासी की, न उसके बैल की, न उसके जुए वाले पशु की, न उसके किसी पशुधन की, न उन सब चीज़ों की जो तुम्हारे पड़ोसी की हैं।

ये वचन प्रभु ने तुम्हारी सारी सभा से पहाड़ पर आग के बीच से, अंधकार, घोर अंधकार, तूफान और महान आवाज़ में बोले, और उसने और कुछ नहीं जोड़ा, और उन्हें दो पत्थर की पट्टियों पर लिखा, और मुझे दिया। और ऐसा हुआ कि जब तुमने आग के बीच से आवाज़ सुनी, और पहाड़ आग से जल रहा था, तो तुम सब अपने कुलों के अगुवे और अपनी बुजुर्गों की सभा मेरे पास आए, और तुम कह रहे थे, देखो, प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमें अपनी महिमा दिखाई, और हमने आग के बीच से उनकी आवाज़ सुनी। इस दिन हमने देखा कि परमेश्वर मनुष्य से बोलेंगा, और वह जीवित रहेगा। और अब हम न मरें, क्योंकि यह महान आग हमें नष्ट कर देगी, यदि हम अपने परमेश्वर प्रभु का स्वर फिर सुनें, तो हम मर जाएंगे। कौन सा प्राणी है जिसने जीवित परमेश्वर की आवाज़ सुनी हो, जो आग के बीच से बोल रहा था, जैसे हमने सुनी, और जीवित रहा हो? तुम पास आओ, और सुनो वह सब जो प्रभु हमारा परमेश्वर कहे, और तुम हमें वह सब बताओगे जो प्रभु हमारा परमेश्वर तुमसे कहेगा, और हम सुनेंगे और करेंगे।

और प्रभु ने तुम्हारे शब्दों की आवाज़ सुनी जो तुम मुझसे बोल रहे थे, और प्रभु ने मुझसे कहा, मैंने इन लोगों के शब्दों की आवाज़ सुनी जो कुछ उन्होंने तुझसे कहा, सही ढंग से सब कुछ जो उन्होंने कहा। कौन देगा कि उनका हृदय उनमें इस प्रकार हो, ताकि वे मुझसे डरें और मेरी सभी आज्ञाओं को सब दिन मानें, ताकि उनका और उनके पुत्रों का युगों तक भला हो? जाओ, मैंने उनसे कहा, तुम अपने घरों को लौट जाओ। लेकिन तू उसके साथ मेरे पास खड़ा रह, और मैं तुझसे वे आज्ञाएँ और विधियाँ और न्याय कहूँगा जो तू उन्हें सिखाएगा, और वे उस भूमि में इस प्रकार करें जो मैं उन्हें उत्तराधिकार में देता हूँ। और तुम उसी तरीके से करने का पालन करोगे जैसा तुम्हें प्रभु तुम्हारे देवता ने आज्ञा दी है, तुम न दाहिनी ओर मुड़ोगे और न बाईं ओर, उस सब मार्ग के अनुसार जिसकी आज्ञा तुम्हें प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने चलने के लिए दी है, ताकि वह तुम्हें विश्राम दे, और तुम्हारा भला हो, और तुम उस भूमि पर दीर्घायु हो जिसे तुम उत्तराधिकार में पाओगे।

6

और ये वे आज्ञाएँ और विधियाँ और न्याय हैं जो प्रभु हमारे परमेश्वर ने तुम्हें सिखाने की आज्ञा दी कि तुम उस भूमि में इस प्रकार करो, जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो, वहाँ उसे उत्तराधिकार में लेने के लिए। ताकि तुम अपने प्रभु परमेश्वर से डरो, उसकी सब विधियों और आज्ञाओं को मानो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारे पुत्रों के पुत्र, अपने जीवन के सब दिनों में, ताकि तुम दीर्घायु हो।

और सुनो इस्राएल, और पालन करो ताकि तुम्हारा भला हो, और ताकि तुम बहुत अधिक बढ़ो, जैसा कि प्रभु, तुम्हारे पिताओं के देवता ने कहा था कि तुम्हें वह भूमि देंगे जिसमें दूध और शहद बहता है। और ये विधियाँ और निर्णय हैं, जितने प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों को जंगल में आदेश दिया, जब वे मिस्र की भूमि से निकल गए थे। सुनो इस्राएल, प्रभु हमारा परमेश्वर, प्रभु एक है। और तुम अपने प्रभु परमेश्वर से अपने संपूर्ण मन से, और अपने संपूर्ण प्राण से, और अपनी संपूर्ण शक्ति से प्रेम करोगे। और ये शब्द जो मैं तुम्हें आज आज्ञा करता हूँ, तुम्हारे हृदय में और तुम्हारी आत्मा में होंगे। और तू अपने पुत्रों को इन्हें सिखाएगा, और तू इनके विषय में बात करेगा घर में बैठते समय, रास्ते में चलते समय, लेटते समय और उठते समय। और तू उनको अपने हाथ पर निशान के रूप में बांधेगा, और वह तेरी आंखों के सामने अटल रहेगा। और तुम उन्हें अपने घरों के चौखटों पर और अपने द्वारों पर लिखोगे।

और ऐसा होगा जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उस भूमि में लाए जिसकी उसने तेरे पितरों अब्राहम, इसहाक और याकूब को शपथ खाई थी, कि तुझे बड़े और अच्छे नगर दे जो तूने नहीं बनाए थे। घर जो सब अच्छी चीजों से भरे हुए हैं जिन्हें तुमने नहीं भरा, कुंड जो खोदे गए हैं जिन्हें तुमने नहीं खोदा, अंगूर के बाग और जैतून के बाग जिन्हें तुमने नहीं लगाया, और खाकर और तृप्त होकर, अपने लिए सावधान रहो कि तुम मत भूलो प्रभु तेरे परमेश्वर का, जो तुझे मिश्र की भूमि से, गुलामी के घर से बाहर लाया। प्रभु अपने परमेश्वर से तुम डरोगे, और केवल उसी की सेवा करोगे, और उससे चिपके रहोगे, और उसके नाम पर शपथ खाओगे।

तुम अपने चारों ओर के राष्ट्रों के दूसरे देवताओं के पीछे मत जाओ, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, जो तुम्हारे बीच में है, ईश्यालु परमेश्वर है, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम पर क्रोध में क्रोधित होकर तुम्हें पृथ्वी के चेहरे से नष्ट कर दे।

तुम अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा नहीं लोगे, जिस प्रकार तुमने परीक्षा में परीक्षा ली थी। रक्षा करते हुए तू अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को, साक्ष्यों को और विधियों को रखेगा, जितनी उसने तुझे आज्ञा दी है। और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने प्रसन्न और अच्छा करोगे, ताकि तुम्हारा भला हो, और तुम प्रवेश करो और उस अच्छी भूमि का उत्तराधिकार पाओ, जिसकी शपथ प्रभु ने तुम्हारे पिताओं से खाई थी। तुम्हारे सभी शत्रुओं को तुम्हारे सामने से बाहर निकालना, जैसा प्रभु ने कहा था।

और ऐसा होगा जब तेरा पुत्र कल तुझसे पूछे, यह कहते हुए, वे साक्ष्य, विधियाँ और न्याय क्या हैं, जो प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमें आज्ञा दी हैं? और तुम अपने पुत्र से कहोगे, हम फिरौन के सेवक थे मिश्र की भूमि में, और प्रभु ने हमें वहाँ से शक्तिशाली हाथ से और ऊँची भुजा से निकाला। और प्रभु ने मिश्र में फिरौन के सामने और उसके घर में हमारे सामने महान और भयानक चिन्ह और चमत्कार दिखाए, और उसने हमें वहाँ से निकाल लाया ताकि हमें यह भूमि दे, जिसे देने की उसने हमारे पिताओं से शपथ खाई थी। और प्रभु ने हमें आज्ञा दी कि हम इन सब विधियों को मानें, और अपने परमेश्वर प्रभु से डरें, ताकि हमारा सब दिन भला हो, और हम जीवित रहें जैसे आज भी हैं। और हमें दया मिलेगी, यदि हम इन सब आज्ञाओं को अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पालन करें, जैसा उसने हमें आज्ञा दी है।

यदि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उस भूमि में लाता है, जिसमें तुम वहाँ प्रवेश करके उसे अधिकार करने जा रहे हो, और तुम्हारे सामने से महान राष्ट्रों को—हिती, गिरांशी, एमोरी, कनानी, परिज्जी, हिक्वी और यबूसी—सात राष्ट्रों को, जो अनेक और तुमसे अधिक शक्तिशाली हैं, निकाल देता है, और तुम्हारा प्रभु परमेश्वर उनको तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उनको मारोगे, तुम उनको पूर्ण विनाश से नष्ट करोगे, तुम उनके साथ वाचा नहीं बनाओगे, और न तुम उन पर दया करोगे। न ही तुम उनसे विवाह संबंध बनाओगे, न तुम अपनी बेटी उसके बेटे को दोगे, और न उसकी बेटी को अपने बेटे के लिए लोगे। क्योंकि वह तुम्हारे पुत्र को मुझसे भटका देगा, और वह अन्य देवताओं की सेवा करेगा, और प्रभु तुम पर क्रोध में क्रोधित होगा, और तुम्हें शीघ्र नष्ट कर देगा। लेकिन तुम उनके साथ इस प्रकार करोगे: तुम उनकी वेदियों को गिराओगे, और उनके स्तंभों को तोड़ोगे, और उनके पवित्र वृक्षों को काटोगे, और उनके देवताओं की खुदी हुई मूर्तियों को आग से जलाओगे। क्योंकि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए पवित्र लोग हो, और प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें चुना है कि तुम उसके लिए एक विशेष लोग बनो, उन सब राष्ट्रों में से जो पृथ्वी के चेहरे पर हैं।

यह नहीं कि तुम सब राष्ट्रों से संख्या में अधिक हो, इसलिए प्रभु ने तुम्हें चुना, और प्रभु ने तुम्हें चुना; क्योंकि तुम सब राष्ट्रों से थोड़े हो। लेकिन प्रभु के तुम्हें प्रेम करने के कारण और तुम्हारे पिताओं से की गई शपथ को निभाते हुए, प्रभु ने तुम्हें शक्तिशाली हाथ से बाहर निकाला और प्रभु ने तुम्हें गुलामी के घर से, मिस्र के राजा फ़िरौन के हाथ से छुड़ाया। और तू जानेगा कि प्रभु तेरा परमेश्वर, यह परमेश्वर है, विश्वासयोग्य परमेश्वर है, जो अपनी वाचा और दया की रक्षा करता है उनके लिए जो उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं की रक्षा करते हैं, हजार पीढ़ियों तक। और वह घृणा करने वालों को उनके चेहरे के अनुसार नष्ट करने के लिए बदला देता है, और वह घृणा करने वालों के प्रति विलंब नहीं करेगा, वह उनके चेहरे के अनुसार उन्हें बदला देगा।

और तू इन आज्ञाओं, विधियों और न्यायों को रखेगा, जितने मैं आज तुझे करने की आज्ञा देता हूँ। और ऐसा होगा कि जब तुम इन विधियों को सुनोगे, और इनका पालन करोगे और इन्हें करोगे, तो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे लिए उस वाचा और दया की रक्षा करेगा, जिसकी उसने तुम्हारे पितरों से शपथ खाई थी। और वह तुमसे प्रेम करेगा, और तुम्हें आशीर्वाद देगा, और तुम्हें बढ़ाएगा, और तुम्हारे गर्भ की संतान को आशीर्वाद देगा, और तुम्हारी पृथ्वी के फल को, तुम्हारे अनाज को, और तुम्हारे दाखरस को, और तुम्हारे तेल को, तुम्हारे मवेशियों के झुंड को, और तुम्हारी भेड़ों के रेवड़ को उस पृथ्वी पर, जिसके विषय में प्रभु ने तुम्हारे पितरों से शपथ खाई थी कि तुम्हें देगा। तू सब राष्ट्रों से धन्य होगा, तुम में कोई

बांझ नहीं होगा, न ही बांझ, और न ही तेरे पशुओं में। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुमसे सब बीमारी हटाएगा, और मिस्र के सब बुरे रोग जो तुमने देखे और जितने तुमने जाने, वह तुम पर नहीं रखेगा, और उन्हें उन सब पर रखेगा जो तुमसे घृणा करते हैं।

और तू उन सब राष्ट्रों की लूट खाएगा जो प्रभु तेरा देवता तुझे देता है, तेरी आँख उन पर दया नहीं करेगी और तू उनके देवताओं की सेवा नहीं करेगा क्योंकि यह तेरे लिए ठोकर है

यदि तुम अपने मन में कहो कि यह राष्ट्र मुझसे बहुत बड़ा है, तो मैं उन्हें कैसे नष्ट कर सकूंगा? तुम उनसे नहीं डरोगे, तुम स्मरण करोगे कि तुम्हारे प्रभु देव ने फिरौन और सभी मिस्रियों के साथ क्या किया था। वे महान परीक्षाएँ जिन्हें तुम्हारी आँखों ने देखा, वे चिन्ह और वे महान चमत्कार, वह शक्तिशाली हाथ और वह ऊँची भुजा, जैसे प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें निकाला, वैसे ही प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उन सब जातियों के साथ करेगा जिनसे तुम उनके सामने डरते हो। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उनमें बरों को भेजेगा, जब तक कि तुमसे बचे हुए और छिपे हुए लोग नष्ट न हो जाएँ। तुम उनके सामने घायल नहीं होओगे, क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे साथ है, जो महान और शक्तिशाली ईश्वर है। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर इन राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से थोड़ा-थोड़ा करके नष्ट करेगा, तुम उन्हें शीघ्रता से नष्ट नहीं कर सकोगे, ताकि भूमि निर्जन न हो जाए, और जंगली पशु तुम पर बढ़ न जाएँ। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उनको तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उनको महान विनाश से नष्ट करोगे, जब तक तुम उनको पूर्णतः नष्ट न कर दो, और वह उनके राजाओं को तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उस स्थान से उनका नाम मिटा दोगे, तुम्हारे सामने कोई खड़ा नहीं होगा, जब तक तुम उन्हें पूरी तरह नष्ट नहीं कर दो।

उनके देवताओं की उकेरी हुई मूर्तियों को तुम आग से जलाओगे, तुम चाँदी की इच्छा नहीं करोगे, और न ही उनसे सोना अपने लिए लोगे, कहीं तुम इसके द्वारा ठोकर न खाओ, क्योंकि यह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित वस्तु है। और तुम अपने घर में कोई घृणित वस्तु नहीं लाओगे, और तुम इसके समान शापित हो जाओगे। तुम इससे अत्यधिक घृणा करोगे, और इस घृणित वस्तु से घृणा करोगे, क्योंकि यह शापित है।

8

सभी आज्ञाएँ जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, उन्हें तुम पालन करोगे, ताकि तुम जीवित रहो और बढ़ो, और उस भूमि में प्रवेश करो और उसे उत्तराधिकार में पाओ, जिसकी शपथ प्रभु

तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हारे पितरों से ली थी। और तुम याद करोगे पूरा वह रास्ता, जिससे प्रभु तुम्हारे देवता ने तुम्हें रेगिस्तान में ले जाया, ताकि वह तुम्हें नम्र करे और तुम्हारी परीक्षा ले, और यह जाना जाए कि तुम्हारे हृदय में क्या है, कि तुम उसकी आज्ञाओं का पालन करोगे या नहीं। और उसने तुम्हें कष्ट दिया, और तुम्हें भूखा रखा, और तुम्हें मन्ना खिलाया, जिसे तुम्हारे पिता नहीं जानते थे, ताकि वह तुम्हें घोषित करे कि मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीएगा, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर वचन से मनुष्य जीएगा। तुम्हारे वस्त्र तुमसे पुराने नहीं हुए, तुम्हारे जूते तुमसे घिसे नहीं, तुम्हारे पैर कठोर नहीं हुए, देखो चालीस वर्ष।

और तुम अपने हृदय से जानोगे कि जैसे कोई मनुष्य अपने पुत्र को अनुशासित करता है, वैसे ही प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें अनुशासित करेगा। और तू अपने परमेश्वर प्रभु की आज्ञाओं को मानना, उसके मार्गों पर चलना, और उससे डरना।

क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें एक अच्छी और विशाल भूमि में ले जाएगा, जहाँ जल की धाराएँ हैं, और गहराइयों से निकलते हुए झरने मैदानों और पहाड़ों से होकर बहते हैं। भूमि गेहूँ और जौ की, अंगूर की बेलें, अंजीर के पेड़, अनार, जैतून के तेल और शहद की भूमि, वह भूमि जिस पर तुम अपनी रोटी गरीबी के साथ नहीं खाओगे, और उस पर तुम्हें किसी चीज की कमी नहीं होगी, वह भूमि जिसके पत्थर लोहे के हैं, और जिसके पहाड़ों से तुम कांस्य का खनन करोगे।

और तुम खाओगे और तृप्त होगे, और तुम प्रभु अपने परमेश्वर को उस अच्छी भूमि के लिए आशीर्वाद दोगे जो उसने तुम्हें दी है। अपने लिए सावधान रहो कि तुम प्रभु अपने परमेश्वर को न भूलो, उसकी आज्ञाओं, न्यायों और विधियों का पालन न करने के द्वारा, जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ। खाकर और तृप्त होकर, और अच्छे घर बनाकर और उनमें बसकर, और तुम्हारे बैल और तुम्हारी भेड़ें तुम्हारे लिए बढ़ाई जाएँ, चांदी और सोना तुम्हारे लिए बढ़ाया जाए, और जितना कुछ तुम्हारे पास होगा वह सब तुम्हारे लिए बढ़ाया जाए, तू हृदय में घमंड करे, और प्रभु अपने परमेश्वर को भूल जाए, जो तुझे मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से निकाल लाया, उसका जो तुम्हें उस महान और भयानक जंगल से ले गया, जहाँ काटने वाले सर्प थे, और बिच्छू थे, और प्यास थी, जहाँ पानी नहीं था, उसका जो तुम्हारे लिए तीखी चट्टान से पानी का झरना निकाला। उसके जो तुझे जंगल में मन्ना खिलाया, जिसे न तू जानता था और न तेरे पुरखा जानते थे, ताकि वह तुझे दीन करे और तुझे परखे और तेरे अंतिम दिनों में तेरा भला करे। अपने हृदय में यह मत कहो कि मेरी शक्ति और मेरे हाथ के सामर्थ्य ने मुझे यह महान बल दिया है। और तुम अपने परमेश्वर प्रभु को याद करोगे, क्योंकि

वह तुम्हें सामर्थ्य प्राप्त करने की शक्ति देता है, और ताकि वह अपनी वाचा को स्थापित करे जो प्रभु ने तुम्हारे पितरों से शपथ ली थी, जैसे आज है।

और ऐसा होगा यदि तुम विस्मृति में पड़कर अपने प्रभु परमेश्वर को भूल जाओ, और अन्य देवताओं के पीछे चलो, और उनकी सेवा करो, और उन्हें प्रणाम करो, तो मैं आज तुम्हें स्वर्ग और पृथ्वी को साक्षी मानकर गवाही देता हूँ, कि तुम निश्चित रूप से नष्ट हो जाओगे। जैसे प्रभु परमेश्वर तुम्हारे सामने अन्य शेष राष्ट्रों को नष्ट करता है, वैसे ही तुम भी नष्ट हो जाओगे, क्योंकि तुमने प्रभु अपने परमेश्वर की आवाज़ नहीं सुनी।

9

सुनो इसराएल, तुम आज यर्दन को पार कर रहे हो, उन महान राष्ट्रों में प्रवेश करने और उन्हें विरासत में लेने के लिए जो तुमसे अधिक मजबूत हैं, और उन महान तथा किलेबंद शहरों को जो स्वर्ग तक पहुँचते हैं। एक महान, विशाल और लंबे लोग, अनाक के पुत्र, जिन्हें तुम जानते हो, और तुमने सुना है, अनाक के पुत्रों के सामने कौन खड़ा हो सकेगा? और आज तुम जानोगे कि प्रभु तुम्हारा देवता यह तुम्हारे आगे जाएगा, वह भस्म करने वाली आग है, यह उन्हें नष्ट करेगा, और यह उन्हें तुम्हारे सामने से हटा देगा, और उन्हें शीघ्रता से नष्ट करेगा, जैसे प्रभु ने तुमसे कहा था। अपने हृदय में यह मत कहना कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर इन जातियों को तेरे सामने से नष्ट कर दे, तब यह कहते हुए कि मेरी धार्मिकता के कारण प्रभु ने मुझे इस अच्छी भूमि का उत्तराधिकारी बनाने के लिए लाया है। तुम्हारी धार्मिकता के कारण नहीं, और न ही तुम्हारे हृदय की पवित्रता के कारण तुम उनकी भूमि को विरासत में लेने के लिए प्रवेश कर रहे हो, बल्कि इन राष्ट्रों की दुष्टता के कारण प्रभु उन्हें तुम्हारे सामने से नष्ट कर देंगे, और इसलिए कि वह उस वाचा को स्थापित करें, जिसकी शपथ प्रभु ने हमारे पितरों अब्राहम, इसहाक और याकूब से ली थी।

और आज तुम जानोगे कि तुम्हारे प्रभु देवता तुम्हें यह अच्छी भूमि विरासत में लेने के लिए तुम्हारी धार्मिकताओं के कारण नहीं दे रहे हैं, क्योंकि तुम हठीले लोग हो। याद रखो, मत भूलो कि तुमने जंगल में अपने प्रभु परमेश्वर को कितना क्रोधित किया, उस दिन से जब तुम मिश्र से निकले और इस स्थान पर आए, तुम प्रभु की अवज्ञा करते रहे।

और होरेब में आपने प्रभु को उकसाया, और प्रभु आप पर क्रोधित हुए आपको नष्ट करने के लिए। जब मैं पर्वत पर पत्थर की पट्टियाँ लेने के लिए चढ़ रहा था, वाचा की

पट्टियाँ जो प्रभु ने तुम्हारे साथ बनाई थीं, तो मैं पर्वत पर चालीस दिन और चालीस रातें रहा, मैंने रोटी नहीं खाई और पानी नहीं पिया। और प्रभु ने मुझे दो पत्थर की पट्टियाँ दीं जो परमेश्वर की उंगली से लिखी हुई थीं, और उन पर वे सब शब्द लिखे हुए थे जो प्रभु ने पहाड़ पर सभा के दिन तुमसे बोले थे। और चालीस दिन और चालीस रात के बाद प्रभु ने मुझे पत्थर की दो पट्टियाँ दीं, वाचा की पट्टियाँ। और प्रभु ने मुझसे कहा, उठो, यहाँ से शीघ्रता से नीचे जाओ, क्योंकि तुम्हारे लोगों ने, जिन्हें तुम मिस्र की भूमि से निकाल लाए, अधर्म किया है। उन्होंने उस मार्ग से शीघ्रता से उल्लंघन किया जिसकी मैंने उन्हें आज्ञा दी थी, और उन्होंने अपने लिए एक ढली हुई मूर्ति बनाई।

और प्रभु ने मुझसे कहा, मैंने तुमसे एक बार और दो बार कहा है, मैंने इन लोगों को देखा है, और देखो, ये हठीले लोग हैं। और अब मुझे उन्हें नष्ट करने की अनुमति दो, और मैं उनका नाम आकाश के नीचे से मिटा दूंगा, और तुझे एक बड़ा और मजबूत राष्ट्र बनाऊंगा, जो इससे बहुत अधिक होगा। और लौटकर, मैं पहाड़ से उतरा, और पहाड़ आग से स्वर्ण तक जल रहा था, और साक्ष्यों की दो पट्टियाँ मेरे दोनों हाथों पर थीं। और यह देखकर कि तुमने अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पाप किया, और तुमने अपने लिए ढली हुई मूर्ति बनाई, और उस मार्ग से हट गए जिसे प्रभु ने तुम्हें चलने की आज्ञा दी थी, और दोनों पट्टियों को पकड़कर, मैंने उन्हें अपने दोनों हाथों से फेंका, और तुम्हारे सामने तोड़ दिया। और मैंने प्रभु के सामने दूसरी बार प्रार्थना की, जैसे पहले भी की थी, चालीस दिन और चालीस रातें, न रोटी खाई और न पानी पिया, तुम्हारे उन सब पापों के विषय में जो तुमने किए थे, प्रभु परमेश्वर के सामने बुराई करके उसे क्रोधित करने के लिए। और मैं क्रोध और कोप के कारण भयभीत हूँ, क्योंकि प्रभु तुम पर भड़काया गया था तुम्हें नष्ट करने के लिए, और प्रभु ने मेरी सुनी इस समय में भी। और आरोन पर क्रोध किया गया था उसे नष्ट करने के लिए, और मैंने आरोन के विषय में भी उस समय प्रार्थना की। और तुम्हारे पाप को, जो तुमने किया था, वह बछड़ा, मैंने उसे लिया और उसे आग में जलाया, और मैंने उसे बहुत अधिक कुचलते हुए पीसा जब तक वह बारीक न हो गया, और वह धूल के समान हो गया, और मैंने उस धूल को उस धारा में फेंक दिया जो पहाड़ से नीचे उतर रही थी।

और जलाने में, और परीक्षा में, और इच्छा की कब्रों में तुमने प्रभु को उकसाया था। और जब प्रभु ने तुम्हें कादेश बर्ने से बाहर भेजा, यह कहते हुए, ऊपर जाओ और उस भूमि पर अधिकार करो जो मैं तुम्हें देता हूँ, तो तुमने अपने परमेश्वर प्रभु के वचन की अवज्ञा की, और तुमने उस पर विश्वास नहीं किया, और तुमने उसकी आवाज़ नहीं सुनी। तुम प्रभु की अवज्ञा करते रहे उस दिन से जब वह तुम्हें ज्ञात हुआ। और मैंने प्रभु के सामने चालीस दिन और

चालीस रातें प्रार्थना की, जितनी मैंने प्रार्थना की, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें नष्ट करने के लिए कहा था। और मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की, और मैंने कहा, हे प्रभु, देवताओं के राजा, अपने लोगों को और अपने भाग को पूर्णतः नष्ट मत करो, जिन्हें तुमने छुड़ाया, जिन्हें तुमने मित्र की भूमि से अपनी महान शक्ति में, और अपने बलवान हाथ में, और अपनी ऊँची भुजा में निकाला। इब्राहीम, इसहाक और याकूब को याद करो, जो तुम्हारे सेवक थे, जिनसे तुमने अपनी शपथ ली थी। इन लोगों की कठोरता, अधर्म के कामों और उनके पापों पर ध्यान मत दो। कहीं ऐसा न हो कि उस भूमि के निवासी जहाँ से तुमने हमें बाहर निकाला था, यह कहें कि प्रभु उन्हें उस भूमि में लाने में सक्षम नहीं थे जिसका उन्होंने उनसे वादा किया था, और उनसे घृणा करने के कारण उन्हें जंगल में मारने के लिए बाहर निकाल लाए। और ये तुम्हारे लोग और तुम्हारा भाग हैं, जिन्हें तुमने मित्र की भूमि से अपनी महान शक्ति में, और अपने बलवान हाथ में, और अपनी ऊँची भुजा में निकाला।

10

उस समय में प्रभु ने मुझसे कहा, अपने लिए दो पत्थर की पट्टिकाएँ तराश, जैसे पहली थीं, और पहाड़ पर मेरे पास चढ़ आ, और अपने लिए लकड़ी का एक सन्दूक बना। और तुम उन शब्दों को पट्टियों पर लिखोगे जो पहली पट्टियों में थे जिन्हें तुमने तोड़ा था, और तुम उन्हें सन्दूक में रखोगे। और मैंने अविनाशी लकड़ी से एक सन्दूक बनाया, और मैंने पत्थर की पट्टियों को पहली जैसी तराशा, और मैं पहाड़ पर चढ़ा और दो पट्टियाँ मेरे हाथों में थीं। और उसने पट्टिकाओं पर पहले लेखन के अनुसार वे दस वचन लिखे, जो प्रभु ने पहाड़ पर आग के बीच से तुमसे कहे थे, और प्रभु ने उन्हें मुझे दिया। और लौटकर मैं पर्वत से नीचे गया, और मैंने पट्टियाँ को उस सन्दूक में डाला जो मैंने बनाया था, और वे वहाँ थीं, जैसा प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी। और इस्राएल के पुत्रों ने याकीम के पुत्रों के बेरोत से मिसादै की ओर प्रस्थान किया, वहाँ हारून मरा, और वहाँ दफनाया गया, और उसके पुत्र एलाजार ने उसके स्थान पर पुरोहित का कार्य किया। वहाँ से वे गदगाद को प्रस्थान किए, और गदगाद से एतेबाथा को, जो जल की धाराओं की भूमि थी।

उस समय में प्रभु ने लेवी कुल को अलग किया, प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाने के लिए, प्रभु के सामने खड़े होने के लिए, सेवा करने और उसके नाम पर प्रार्थना करने के लिए, इस दिन तक। इसके कारण लेवियों को उनके भाइयों में भाग और हिस्सा नहीं है, प्रभु स्वयं उनका हिस्सा है, जैसा उसने उनसे कहा था। और मैं चालीस दिन और चालीस रात पहाड़ पर खड़ा रहा। और प्रभु ने मेरी सुनी और इस समय में, और प्रभु ने तुम्हें नष्ट करना नहीं चाहा।

और प्रभु ने मुझसे कहा, जाओ, इन लोगों के आगे निकलो, और वे उस भूमि में प्रवेश करें और उस पर अधिकार करें, जिसे देने की मैंने उनके पितरों से शपथ खाई थी।

और अब, हे इस्राएल, प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुमसे क्या माँगता है, सिवाय इसके कि तुम प्रभु अपने परमेश्वर से डरो, और उसके सब मार्गों में चलो, और उससे प्रेम करो, और प्रभु अपने परमेश्वर की सेवा अपने संपूर्ण हृदय से और अपने संपूर्ण प्राण से करो? प्रभु अपने परमेश्वर की आज्ञाओं को और उसकी विधियों को, जितनी मैं आज तुझे आज्ञा देता हूँ, मानना, ताकि तेरा भला हो, देखो, तुम्हारे प्रभु परमेश्वर का स्वर्ग और स्वर्गों का स्वर्ग, पृथ्वी और जो कुछ भी इसमें है, सब कुछ। परन्तु तुम्हारे पितरों को प्रभु ने प्रेम करने के लिए चुना, और उनके साथ उनके वंश को, अर्थात् तुमको, सब राष्ट्रों में से चुना, जैसा आज के दिन है। और तुम अपने हृदय की कठोरता का खतना करोगे, और अपनी गर्दन को कठोर नहीं करोगे। क्योंकि तुम्हारा प्रभु परमेश्वर, यह देवताओं का परमेश्वर है, और प्रभुओं का प्रभु है, वह महान, शक्तिशाली और भयानक परमेश्वर है, जो किसी का पक्षपात नहीं करता, और न ही कोई उपहार लेता है। परदेशी, अनाथ और विधवा के लिए न्याय करता है, और परदेशी से प्रेम करता है, उसे रोटी और वस्त्र देता है। और तुम परदेशी से प्रेम करोगे, क्योंकि तुम मिस्र की भूमि में परदेशी थे।

तुम प्रभु अपने ईश्वर से डरोगे, और उसकी सेवा करोगे, और उससे चिपके रहोगे, और उसके नाम पर शपथ लोगे। यह तुम्हारा घमंड है, और यह तुम्हारा परमेश्वर है, जिसने तुम में ये महान और महिमामय काम किए, जो तुम्हारी आँखों ने देखे। सत्तर आत्माओं के साथ तुम्हारे पिता मिस्र गए थे, लेकिन अब प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें आकाश के तारों के समान अनगिनत बना दिया है।

11

और तू अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करेगा, और उसकी रक्षाओं को, उसकी विधियों को, उसकी आज्ञाओं को और उसके न्यायों को सब दिन मानेगा। और तुम आज जान लोगे कि तुम्हारे वे बच्चे नहीं, जो न जानते हैं और न ही जिन्होंने तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की शिक्षा और उसके महान कार्यों को देखा है, और न शक्तिशाली हाथ और ऊँची भुजा को, और उसके चिह्न, और उसके आश्चर्य, जितने उसने मिस्र के बीच में फिरौन मिस्र के राजा के सामने किए, और उसकी सारी भूमि में, और उसने मिस्रियों की शक्ति के साथ, उनके रथों के साथ, उनके घोड़ों के साथ, और उनकी सेना के साथ क्या किया, जब लाल समुद्र का पानी उनके चेहरों

पर बह गया जब वे तुम्हारा पीछा कर रहे थे, और प्रभु ने उन्हें आज के दिन तक नष्ट कर दिया। और जितना कुछ उसने हमारे लिए जंगल में किया जब तक तुम इस स्थान में नहीं आए, और जो कुछ उसने दाथान और अबीरोन के साथ किया, जो एलियाब के पुत्र थे, जो रुबेन का पुत्र था, जिनको भूमि ने अपना मुँह खोलकर निगल लिया, और उनके घरों को, और उनके तम्बुओं को, और उनकी सारी संपत्ति को जो उनके साथ थी, सारे इस्राएल के बीच में। क्योंकि तुम्हारी आँखों ने प्रभु के सभी महान कार्यों को देखा है, जो उसने आज तुम्हारे बीच किए हैं।

और तुम उसकी सब आज्ञाओं को मानोगे जितनी मैं आज तुम्हें देता हूँ, ताकि तुम जीवित रहो, और बढ़ो, और प्रवेश करके उस भूमि को विरासत में पाओ जिसमें तुम यर्दन को पार करके वहाँ उसे विरासत में पाने जा रहे हो। ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जिसे देने की प्रभु ने तुम्हारे पितरों और उनके साथ उनके वंश को शपथ ली थी, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है। क्योंकि वह भूमि जिसमें तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो उसे विरासत में लेने के लिए, वह मित्र की भूमि जैसी नहीं है, जहाँ से तुम वहाँ से निकल आए हो, जहाँ जब वे बीज बोते हैं, और अपने पैरों से सींचते हैं, जैसे सब्जियों का बगीचा। वह भूमि जिसमें तुम वहाँ प्रवेश करते हो उसे विरासत में लेने के लिए, पहाड़ी और मैदानी भूमि है, जो स्वर्ग की वर्षा से पानी पीती है। भूमि, जिसे प्रभु तुम्हारा ईश्वर निरंतर देखरेख करता है, प्रभु तुम्हारे ईश्वर की आँखें इस पर वर्ष के आरंभ से लेकर वर्ष के समापन तक रहती हैं।

यदि तुम सचमुच उन सब आज्ञाओं को सुनो जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, कि तुम अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करो और अपने संपूर्ण हृदय और संपूर्ण आत्मा से उसकी सेवा करो, और वह तुम्हारी भूमि को मौसम के अनुसार प्रारंभिक और देर से वर्षा देगा, और तुम अपना अनाज, अपना दाखरस, और अपना तेल एकत्र करोगे। और वह तुम्हारे खेतों में तुम्हारे पशुओं के लिए चारा देगा, और तुम खाकर तृप्त हो जाओगे। अपने लिए सावधान रहो कि तुम्हारा हृदय मोटा न हो जाए, और तुम भटक जाओ, और अन्य देवताओं की सेवा करो, और उनकी पूजा करो और प्रभु तुम पर क्रोधित होकर क्रोध में आकाश को बंद कर देगा, और वर्षा नहीं होगी, और भूमि अपना फल नहीं देगी, और तुम उस अच्छी भूमि से शीघ्र नष्ट हो जाओगे जो प्रभु ने तुम्हें दी है।

और तुम इन शब्दों को अपने हृदय में और अपनी आत्मा में डालोगे, और तुम उन्हें अपने हाथ पर चिह्न के रूप में बांधोगे, और यह तुम्हारी आँखों के सामने अटल रहेगा। और तुम अपने बच्चों को उन्हें बोलना सिखाओगे, जब तुम घर में बैठे हो, और जब तुम रास्ते में

जा रहे हो, और जब तुम सो रहे हो, और जब तुम उठ रहे हो। और तुम उन्हें अपने घरों के द्वारचौखटों पर और अपने द्वारों पर लिखोगे। ताकि तुम दीर्घायु हो, और तुम्हारे पुत्रों के दिन उस पृथ्वी पर हों, जिसे देने की शपथ प्रभु ने तुम्हारे पितरों से उन्हें खाई थी, जैसे स्वर्ग के दिन पृथ्वी पर। और ऐसा होगा यदि तुम सुनकर इन सब आज्ञाओं को सुनो जो मैं आज तुम्हें करने की आज्ञा देता हूँ, प्रभु हमारे परमेश्वर से प्रेम करने को, और उसके सब मार्गों में चलने को, और उससे चिपके रहने को, और प्रभु इन सब राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से निकाल देंगे, और तुम बड़े और मजबूत राष्ट्रों को, जो तुमसे अधिक हैं, विरासत में पाओगे। हर वह स्थान जहाँ तुम्हारे पैर का निशान पड़ेगा, वह तुम्हारा होगा, रेगिस्तान से और अन्तिलिबानुस से, और मेलास नदी से, यूफ्रेट्स नदी से, और पश्चिम के समुद्र तक तुम्हारी सीमाएँ होंगी। तुम्हारे सामने कोई भी खड़ा नहीं होगा, और तुम्हारे प्रभु परमेश्वर तुम्हारा भय और तुम्हारा आतंक उस सारी पृथ्वी पर डालेंगे जिस पर तुम पैर रखोगे, जैसा उन्होंने तुमसे कहा था।

देखो, मैं आज तुम्हारे सामने आशीर्वाद और श्राप देता हूँ। आशीर्वाद, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को सुनो, जितनी मैं आज तुम्हें देता हूँ, और श्राप, यदि तुम अपने ईश्वर प्रभु की आज्ञाओं को नहीं सुनोगे, जितनी मैं तुम्हें आज आज्ञा देता हूँ, और उस मार्ग से भटक जाओगे जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी, और जाकर अन्य देवताओं की सेवा करोगे, जिन्हें तुम नहीं जानते। और ऐसा होगा कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उस भूमि में लाए, जिसमें तू वहाँ अधिकार करने के लिए पार कर रहा है, तो तू गरिज़ीम पर्वत पर आशीर्वाद देगा और गैबाल पर्वत पर शाप देगा। क्या ये यरदन के पार नहीं हैं, सूर्य के पश्चिम की ओर के मार्ग के पीछे, कनान की भूमि में, जो पश्चिम में निवास करता है, गोलगोल के निकट, ऊँचे बांज के पास? तुम यरदन को पार कर रहे हो, प्रवेश करके उस भूमि को विरासत में लेने के लिए, जो प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में सब दिनों के लिए देता है, और तुम इसमें निवास करोगे।

और तुम उसकी सब आज्ञाओं को मानने के लिए सावधान रहोगे, और इन न्यायों को, जितने मैं आज तुम्हारे सामने देता हूँ।

12

और ये आदेश और निर्णय हैं, जिन्हें तुम उस भूमि में पालन करोगे, जो प्रभु, तुम्हारे पिताओं का परमेश्वर, तुम्हें विरासत में देता है, उन सब दिनों में जो तुम भूमि पर जीते हो। विनाश के साथ तुम उन सभी स्थानों को नष्ट कर दोगे जिनमें उन्होंने वहाँ अपने देवताओं की सेवा की, जिन्हें तुम विरासत में पाओगे - ऊँचे पहाड़ों पर, टीलों पर, और घने वृक्षों के नीचे।

और तुम उनकी वेदियों को नष्ट करोगे, और उनके स्तंभों को तोड़ोगे, और उनके वृक्षों को काटोगे, और उनके देवताओं की मूर्तियों को आग में जलाओगे, और उनका नाम उस स्थान से नष्ट करोगे। तुम अपने परमेश्वर प्रभु के साथ इस प्रकार नहीं करोगे। लेकिन उस स्थान में जिसे प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे नगरों में से किसी एक में चुनेगा, वहाँ अपना नाम रखने और बुलाए जाने के लिए, तुम खोजोगे और वहाँ आओगे। और तुम वहाँ अपने होमबलि, और अपने बलिदान, और अपने पहले फल, और अपनी प्रार्थनाएँ, और अपने स्वैच्छिक भेंट, और अपने समझौते, अपने बैलों के पहलौठे, और अपनी भेड़ों के पहलौठे लाओगे। और तुम वहाँ अपने प्रभु परमेश्वर के सामने खाओगे, और तुम उन सब पर आनंदित होओगे जिन पर तुमने हाथ रखा है, तुम और तुम्हारे घराने, जैसे तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें आशीर्वाद दिया है।

तुम वह सब नहीं करोगे जो हम यहाँ आज करते हैं, प्रत्येक अपनी दृष्टि में जो उचित है। क्योंकि तुम अब तक उस विश्राम में और उस विरासत में नहीं आए हो, जो प्रभु हमारा देवता तुम्हें देता है। और तुम यर्दन को पार करोगे और उस भूमि पर निवास करोगे जो प्रभु हमारा देवता तुम्हें विरासत के रूप में दे रहा है, और वह तुम्हें तुम्हारे चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम देगा, और तुम सुरक्षा के साथ निवास करोगे। और वह स्थान होगा जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम बुलाने के लिए चुनेगा, वहाँ तुम वह सब कुछ लाओगे जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ: तुम्हारी होमबलि, तुम्हारे बलिदान, तुम्हारे दशमांश, तुम्हारे हाथों के प्रथम फल, और तुम्हारी सब चुनी हुई भेंटें जो तुम प्रभु अपने परमेश्वर को मन्नत करोगे। और तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने आनंदित होओगे, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारी पुत्रियाँ, और तुम्हारे सेवक, और तुम्हारी दासियाँ, और वह लेवी जो तुम्हारे फाटकों पर है, क्योंकि उसका तुम्हारे साथ कोई भाग या हिस्सा नहीं है। अपने लिए ध्यान दो, कि तुम अपनी होम बलि हर उस स्थान पर मत चढ़ाओ जहाँ तुम देखो। लेकिन उस स्थान में जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे कबीलों में से एक में चुनेगा, वहाँ तुम अपने होमबलि लाओगे, और वहाँ तुम वह सब करोगे जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ। लेकिन तुम अपनी सब इच्छा के अनुसार बलि करोगे, और अपने परमेश्वर प्रभु के आशीर्वाद के अनुसार मांस खाओगे जो उसने तुम्हें सब नगरों में दिया था, अशुद्ध और शुद्ध दोनों एक साथ इसे खाएंगे, जैसे हिरन या मृग। केवल रक्त मत खाना, उसे भूमि पर जल के समान बहा देना।

तुम अपने शहरों में अपने अनाज का दसवां भाग, और अपनी शराब, और अपना तेल, अपने बैलों के पहलौठे, और अपनी भेड़ों के पहलौठे, और सब प्रार्थनाएँ जितनी तुम मन्नत करो, और अपने वचन, और अपने हाथों के पहले फल नहीं खा सकोगे। लेकिन तुम इसे अपने परमेश्वर प्रभु के सामने उस स्थान में खाओगे, जिसे तुम्हारा परमेश्वर प्रभु चुनेगा, तुम

और तुम्हारा पुत्र, और तुम्हारी पुत्री, तुम्हारा सेवक, और तुम्हारी दासी, और वह परदेशी जो तुम्हारे नगरों में है, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने उन सब बातों पर आनन्दित होओगे जिन पर तुम अपना हाथ लगाओगे।

अपने लिए ध्यान रखो कि तुम लेवी को न त्यागो, उस सारे समय में जितना तुम पृथ्वी पर जीवित रहो।

यदि प्रभु तेरा ईश्वर तेरी सीमाओं को विस्तृत करे, जैसे उसने तुझसे कहा था, और तू कहे, मैं माँस खाऊँगा, यदि तेरी आत्मा माँस खाने की इच्छा करे, तो तू अपनी आत्मा की सम्पूर्ण इच्छा से माँस खा सकता है। यदि वह स्थान जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम बुलाने के लिए चुने, तुमसे दूर हो, तो तुम अपने बैलों और भेड़ों में से, जो परमेश्वर तुम्हें दे, उस रीति से बलिदान करोगे जैसी मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, और अपने नगरों में अपने प्राण की इच्छा के अनुसार खाओगे। जैसे हिरण और मृग खाया जाता है, वैसे ही तुम इसे खाओगे, तुममें अशुद्ध और शुद्ध दोनों समान रूप से खाएंगे। दृढ़ता से ध्यान दो कि रक्त न खाओ, क्योंकि रक्त उसका प्राण है, प्राण मांस के साथ नहीं खाया जाएगा। तुम इसे नहीं खाओगे, इसे भूमि पर जल की तरह बहाओगे। तुम इसे नहीं खाओगे, ताकि तुम्हारा और तुम्हारे बाद तुम्हारे पुत्रों का भला हो, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने अच्छा और प्रसन्न करने वाला काम करोगे। सिवाय तुम्हारी पवित्र चीजों के, यदि वे तुम्हें प्राप्त हों, और तुम्हारी प्रार्थनाओं को लेकर तुम उस स्थान पर आओगे जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर चुनेगा ताकि वहाँ उसके नाम की आराधना हो। और तू अपने होमबलि चढ़ाएगा, मांस को अपने प्रभु परमेश्वर की वेदी पर चढ़ाएगा, लेकिन अपने बलिदानों का रक्त अपने प्रभु परमेश्वर की वेदी के आधार पर उंडेलेगा, और मांस को खाएगा। रक्षा करो और सुनो, और तुम उन सब शब्दों को मानोगे जो मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, ताकि तुम्हारा और तुम्हारे पुत्रों का युगों तक भला हो, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने वह करो जो प्रसन्न करने वाला और अच्छा है।

यदि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उन राष्ट्रों को नष्ट कर दे जिनकी भूमि का उत्तराधिकार लेने के लिए तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो, और वह उन्हें तुम्हारे सामने से नष्ट कर दे, और तुम उस भूमि पर अधिकार कर लो और उनकी भूमि में निवास करो, अपने लिए सावधान रहो कि तुम उनका अनुसरण करने की खोज न करो, उनके तुम्हारे सामने से पूरी तरह नष्ट हो जाने के बाद, यह कहते हुए, ये राष्ट्र अपने देवताओं की सेवा कैसे करते हैं? मैं भी वैसे ही करूँगा। तुम अपने परमेश्वर के साथ इस प्रकार नहीं करोगे, क्योंकि प्रभु की घृणित बातें जिनसे उसने

घृणा की, उन्होंने अपने देवताओं के लिए कीं, क्योंकि वे अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों को अपने देवताओं के लिए आग में जलाते हैं।

13

हर शब्द जो मैं आज तुम्हें आदेश देता हूँ, इसे तुम पालन करोगे, तुम इसमें कुछ नहीं जोड़ोगे, और न ही इससे कुछ हटाओगे।

यदि तुझमें कोई भविष्यवक्ता या स्वप्न देखने वाला उठे, और तुझे कोई चिन्ह या चमत्कार दे, और वह निशानी या चमत्कार जो उसने तुमसे कहा था घटित हो जाए, और वह कहे, आओ हम जाएं और दूसरे देवताओं की सेवा करें जिन्हें तुम नहीं जानते। तुम उस भविष्यवक्ता के शब्दों को या उस स्वप्न देखने वाले के स्वप्न को नहीं सुनोगे, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारी परीक्षा ले रहा है, यह जानने के लिए कि क्या तुम अपने परमेश्वर से अपने संपूर्ण हृदय और अपनी संपूर्ण आत्मा से प्रेम करते हो। अपने परमेश्वर प्रभु के पीछे चलो, और उसका भय मानो, और उसकी वाणी सुनो, और उससे जुड़े रहो। और वह भविष्यवक्ता या वह स्वप्न देखने वाला मार डाला जाएगा, क्योंकि उसने तुम्हें प्रभु तुम्हारे परमेश्वर से भटकाने के लिए बोला, जो तुम्हें मिस्र देश से बाहर लाया, जिसने तुम्हें दासता से छुड़ाया, तुम्हें उस मार्ग से हटाने के लिए जिस पर चलने की आज्ञा प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें दी थी, और तुम अपने बीच से दुष्ट को नष्ट कर दोगे।

यदि तुम्हारा भाई जो तुम्हारे पिता से है या तुम्हारी माता से है, या तुम्हारा पुत्र, या तुम्हारी पुत्री, या तुम्हारी स्त्री जो तुम्हारी गोद में है, या तुम्हारी आत्मा के बराबर मित्र तुम्हें गुप्त रूप से उकसाए, यह कहते हुए, चलो और अन्य देवताओं की सेवा करें, जिन्हें न तुम जानते थे और न तुम्हारे पिता, उन राष्ट्रों के देवताओं से जो तुम्हारे चारों ओर हैं, जो तुझसे निकट हैं या तुझसे दूर हैं, पृथ्वी के एक छोर से पृथ्वी के दूसरे छोर तक, तू उससे सहमत नहीं होगा, और उसकी नहीं सुनेगा, और तेरी आँख उस पर दया नहीं करेगी, तू उस पर इच्छा नहीं करेगा, और न ही तू उसे ढकेगा। घोषणा करते हुए तू उसके बारे में घोषणा करेगा, और तेरे हाथ पहले उसको मारने के लिए उस पर होंगे, और सब लोगों के हाथ अंत में। और वे उसे पत्थरों से मारेंगे, और वह मर जाएगा, क्योंकि उसने तुझे प्रभु तेरे परमेश्वर से, जो तुझे मिस्र देश से, गुलामी के घर से निकाल लाया, हटाने की कोशिश की। और समस्त इस्राएल सुनकर डरेगा, और तुम्हारे बीच इस बुरे वचन के अनुसार फिर नहीं करेगा।

यदि तुम अपने उन नगरों में से किसी एक में सुनो, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें वहाँ निवास करने के लिए देता है, यह कहते हुए तुम्हारे बीच से अधर्मी पुरुष बाहर गए, और उन्होंने अपनी भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों को भटका दिया, यह कहते हुए, चलो और अन्य देवताओं की सेवा करें, जिन्हें तुम नहीं जानते थे। और तनाव और प्रश्न, और तुम अत्यधिक खोजोगे, और देखो, वह वचन स्पष्ट रूप से सत्य है, यह घृणित कार्य तुम्हारे बीच हो गया है, नष्ट करते हुए तुम उस भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों को तलवार से हत्या करके नष्ट करोगे, तुम उसे और उसमें की सभी चीजों को शाप से शापित करोगे। और तू उसकी सब लूट को उसकी गलियों में इकट्ठा करेगा, और उस शहर को आग में जलाएगा, और उसकी सब लूट को सब लोगों के साथ अपने परमेश्वर प्रभु के सामने जलाएगा, और वह सदा के लिए निर्जन रहेगा, वह फिर कभी नहीं बनाया जाएगा। और तुम्हारे हाथ में समर्पित वस्तु से कुछ भी नहीं जोड़ा जाएगा, ताकि प्रभु अपने क्रोध के कोप से मुड़ जाएं, और तुम्हें दया दें, और तुम पर दया करें, और तुम्हें बढ़ाएं, जिस रीति से उन्होंने तुम्हारे पितरों से शपथ खाई थी, यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु की आवाज़ सुनो, उसके आदेशों की रक्षा करो, जितने मैं आज तुम्हें आदेश देता हूँ, अपने परमेश्वर प्रभु के सामने अच्छा और प्रसन्न करने वाला करो।

14

तुम अपने प्रभु परमेश्वर के पुत्र हो, तुम किसी मृतक के लिए अपनी आँखों के बीच गंजापन नहीं रखोगे। क्योंकि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए पवित्र लोग हो, और तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें चुना है कि तुम पृथ्वी के समस्त राष्ट्रों में से उसकी बहुमूल्य निधि बनो। तुम किसी भी घृणित वस्तु को नहीं खाओगे। ये वे पशु हैं जो तुम खाओगे: बैलों में से बछड़ा, और भेड़ों में से मेमना, और बकरियों में से बकरी का बच्चा। हिरण, गज़ेल, पाइगार्ड, ओरिक्स और जिराफ़। हर वह पशु जो खुर को विभाजित करता है, और दो खुरों के पंजे रखता है, और पशुओं में जुगाली करता है, इन्हें तुम खाओगे। और तुम इन्हें नहीं खाओगे जो जुगाली करते हैं और जिनके खुर विभाजित होते हैं और जिनके पंजे होते हैं - ऊंट, खरगोश और चट्टानी बिज्जू, क्योंकि ये जुगाली तो करते हैं परन्तु खुर विभाजित नहीं करते, ये तुम्हारे लिए अशुद्ध हैं। और सूअर, क्योंकि यह खुर को विभाजित करता है और खुर के पंजों को विभाजित करता है, और यह जुगाली नहीं करता है, यह तुम्हारे लिए अशुद्ध है। उनके मांस से तुम नहीं खाओगे, उनके शवों को नहीं छुओगे।

और तुम पानी में रहने वाले सभी जीवों में से उन्हें खाओगे जिनके पंख और शल्क हैं। और जितनों के पंख और शल्क नहीं हैं, उन सबको तुम नहीं खाओगे; वे तुम्हारे लिए अशुद्ध हैं। हर शुद्ध पक्षी को तुम खाओगे। और तुम इन्हें उनमें से नहीं खाओगे: उकाब को, और गिद्ध को, और मछलीमार को, और गिद्ध, और चील, और उसके समान, और गौरैया, और उल्लू, और सीगल, और बगुला, और हंस, और आइबिस, और जलकाग, और बाज, और उसके समान पक्षी, और हुदहुद, और रात्रि कौआ, और पेलिकन, और प्लोवर, और उसके समान, और बैंगनी जल मुर्गी, और चमगादड़। सब पक्षियों की रेंगने वाली चीजें तुम्हारे लिए अशुद्ध हैं, तुम उनमें से नहीं खाओगे। हर शुद्ध पक्षी को तुम खा सकते हो। हर मृत शरीर मत खाओ, वह तुम्हारे शहरों में रहने वाले परदेशी को दिया जाएगा और वह खाएगा, या तुम उसे किसी विदेशी को दे दोगे, क्योंकि तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए पवित्र लोग हो। मेमने को उसकी माता के दूध में मत उबालो।

तुम अपने बीज की सारी उपज का दशमांश दोगे, अपने खेत की उपज का वर्ष दर वर्ष। और तू इसे उस स्थान में खाएगा, जहाँ प्रभु तेरा परमेश्वर अपना नाम बुलाए जाने के लिए चुनेगा, वहाँ तू अपने अनाज का, अपने दाखरस का, और अपने तेल का दशमांश, अपने बैलों के और अपनी भेड़ों के पहलूँठे लाएगा, ताकि तू सब दिन प्रभु अपने परमेश्वर से डरना सीखे। यदि वह मार्ग तुम्हारे से दूर हो जाए, और तुम उन्हें चढ़ाने में सक्षम न हो, क्योंकि वह स्थान तुम्हारे से दूर है जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम वहाँ पुकारे जाने के लिए चुनेगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद देगा, और तू उन्हें चाँदी के बदले बेचेगा, और तू चाँदी को अपने हाथों में लेगा, और तू उस स्थान पर जाएगा जिसे प्रभु तेरा परमेश्वर चुनेगा। और तुम चाँदी दोगे उस सब पर जो कुछ तुम्हारी आत्मा इच्छा करे, बैल पर या भेड़ पर, या दाखरस पर या मादक पेय पर, या मादक पेय पर, या उस सब पर जो कुछ तुम्हारी आत्मा इच्छा करे, और तुम वहाँ अपने परमेश्वर प्रभु के सामने खाओगे, और तुम और तुम्हारा घराना आनन्दित होगा। और तुम्हारे नगरों में रहने वाला लेवी, क्योंकि उसको तुम्हारे साथ कोई हिस्सा और न कोई भाग्य है।

तीन वर्षों के बाद तुम अपनी उपज का सम्पूर्ण दशमांश बाहर लाओगे, उस वर्ष में तुम इसे अपने शहरों में रखोगे। और लेवी आएगा, क्योंकि उसके पास तेरे साथ न हिस्सा है न भाग्य, और परदेशी और अनाथ और विधवा जो तेरे शहरों में हैं, और वे खाएंगे और तृप्त होंगे, ताकि प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उन सब कामों में आशीर्वाद दे जो तू करे।

सात वर्षों में तू मुक्ति प्रदान करेगा। और इस प्रकार मुक्ति का आदेश है, तुम अपना हर ऋण छोड़ दोगे जो तुम्हारा पड़ोसी तुम पर बकाया रखता है, और तुम अपने भाई से मांग नहीं करोगे, क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की मुक्ति घोषित की गई है। विदेशी से तुम उतना मांगोगे जितना तुम्हारा उसके पास हो, लेकिन अपने भाई के ऋण को तुम माफ करोगे। क्योंकि तुझमें कोई कमी वाला नहीं होगा, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उस भूमि में आशीष देगा, जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे भाग्य से उत्तराधिकार में लेने के लिए देता है।

यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को ध्यान से सुनो और इन सब आदेशों का पालन करो तथा उन्हें पूरा करो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर ने तुम्हें आशीर्वाद दिया है, जैसा उसने तुमसे कहा था, और तुम बहुत राष्ट्रों को उधार दोगे, लेकिन तुम उधार नहीं लोगे, और तुम बहुत राष्ट्रों पर शासन करोगे, लेकिन वे तुम पर शासन नहीं करेंगे।

यदि तेरे नगरों में से किसी एक नगर में, उस भूमि में जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे देता है, तेरे भाइयों में से कोई अभावग्रस्त हो जाए, तो तू अपने हृदय को कठोर नहीं करेगा, और न ही अपने जरूरतमंद भाई से अपना हाथ बंद करेगा। तू अपने हाथ उसके लिए अवश्य खोलेगा, और उसे ऋण देगा जितना उसे आवश्यकता है, क्योंकि वह आवश्यकता में है। अपने लिए सावधान रहो कि तुम्हारे हृदय में कोई छिपा हुआ अधर्म का विचार न आए, यह कहते हुए कि सातवाँ वर्ष, मुक्ति का वर्ष निकट आ रहा है, और तुम्हारी आँख अपने जरूरतमंद भाई के प्रति बुरी हो जाए, और तुम उसे न दो, और वह तुम्हारे विरुद्ध प्रभु से पुकारे, और तुममें बड़ा पाप हो जाए। तुम उसे अवश्य दोगे, और उसे उधार दोगे जितना उसे आवश्यकता है, क्योंकि वह जरूरतमंद है, और तुम अपने हृदय में दुखी नहीं होगे जब तुम उसे दोगे, क्योंकि इस वचन के कारण प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें तुम्हारे सब कामों में और सब में जहाँ तुम अपना हाथ लगाओगे, आशीर्वाद देगा। क्योंकि तुम्हारी भूमि से जरूरतमंद कभी समाप्त नहीं होंगे, इसलिए मैं तुम्हें यह आज्ञा देता हूँ: तुम अपने हाथ अपने गरीब भाई और अपनी भूमि पर रहने वाले जरूरतमंद के लिए अवश्य खोलोगे।

यदि तुम्हारा इब्री भाई या इब्री बहन तुम्हें बेचा जाए, तो वह छः वर्ष तुम्हारी सेवा करेगा, और सातवें वर्ष तुम उसे अपने पास से स्वतंत्र करके भेज दोगे। जब तुम उसे अपने पास से स्वतंत्र करके भेजो, तो उसे खाली हाथ नहीं भेजोगे। तू उसे अपनी भेड़ों में से, अपने अनाज में से, और अपने दाखरस में से प्रावधान देगा, जैसे प्रभु तेरे परमेश्वर ने तुझे आशीष दी है, वैसे ही तू उसे देगा।

और तुम याद करोगे कि तुम मित्र की भूमि में सेवक थे, और प्रभु तुम्हारे देवता ने तुम्हें वहाँ से छुड़ाया, इसी कारण मैं तुम्हें इस वचन को करने की आज्ञा देता हूँ। यदि वह तुमसे कहे, मैं तुम्हारे पास से नहीं जाऊंगा, क्योंकि उसने तुम्हें और तुम्हारे घर से प्रेम किया है, क्योंकि तुम्हारे पास उसके लिए अच्छा है। और तू सुई लेगा, और तू उसके कान को दरवाजे की ओर छेदेगा, और वह तेरे लिए सदा का सेवक होगा, और तेरी दासी के साथ भी तू ऐसा ही करेगा। तुम्हारे सामने कठोर नहीं होगा जब उन्हें तुम्हारे पास से स्वतंत्र भेजा जाए, क्योंकि उसने छह वर्ष तक किराए के मजदूर की वार्षिक मजदूरी के बराबर तुम्हारी सेवा की है, और प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें उन सब कामों में आशीर्वाद देगा जो तुम करोगे।

हर पहलौठा जो तुम्हारे बैलों में और तुम्हारी भेड़ों में जन्म ले, उन नरों को तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए पवित्र करोगे। तुम अपने पहलौठे बछड़े से काम नहीं करोगे, और तुम अपनी भेड़ों के पहलौठों को नहीं कतारोगे। प्रभु के सामने तू इसे वर्ष दर वर्ष उस स्थान में खाएगा, जो प्रभु तेरा देवता चुनेगा, तू और तेरा घर। यदि उसमें कोई दोष हो, लंगड़ा या अंधा, कोई बुरा दोष, तो तुम इसे अपने प्रभु परमेश्वर को बलिदान नहीं करोगे।

तुम अपने शहरों में इसे खाओगे, तुम में जो अशुद्ध है और जो शुद्ध है वह भी उसी प्रकार खाएगा जैसे हिरण या मृग। सिवाय रक्त के, तुम नहीं खाओगे; तुम इसे भूमि पर पानी की तरह डालोगे।

16

नए अन्न के महीने की रक्षा करना, और तुम अपने परमेश्वर यहोवा के लिए फसह मनाओगे, क्योंकि नए अन्न के महीने में तुम रात को मित्र से निकले थे। और तू अपने परमेश्वर प्रभु के लिए फसह का बलिदान भेड़ों और बैलों से उस स्थान पर करेगा, जिसे तेरा परमेश्वर प्रभु चुनेगा, ताकि वहाँ उसका नाम पुकारा जाए। तुम उस पर खमीर नहीं खाओगे, सात दिन तुम उस पर बिना खमीर की रोटी, कष्ट की रोटी खाओगे, क्योंकि तुम जल्दी में मित्र से निकले थे, ताकि तुम अपने जीवन के सभी दिनों में मित्र की भूमि से अपने प्रस्थान के दिन को याद रखो। तुम्हारी सभी सीमाओं में सात दिनों तक तुम्हें खमीर नहीं दिखाई देगा, और जो मांस तुम पहले दिन की शाम को बलिदान करो, वह सुबह तक नहीं रहेगा। तुम अपने किसी भी शहर में, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है, पासओवर का बलिदान नहीं कर सकोगे। लेकिन उस जगह में जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर चुनेगा, अपना नाम वहाँ बुलाए जाने के लिए, वहाँ तुम फसह का बलिदान शाम को सूर्यास्त के समय करोगे, उस समय में

जब तुम मिस्र से निकले थे। और तू उबालेगा और भूनेगा और उस स्थान में खाएगा, जो प्रभु तेरा परमेश्वर चुनेगा, और तू सुबह में लौटेगा और अपने घर आएगा। छह दिन तक तू बिना खमीर की रोटी खाएगा, और सातवें दिन प्रभु तेरे परमेश्वर के लिए समापन पर्व होगा। तू उस दिन कोई काम नहीं करेगा, सिवाय उसके जो प्राण के लिए किया जाना आवश्यक है।

तुम अपने लिए सात सप्ताह गिनोगे, जब तुम फसल पर दरांती लगाना शुरू करो, तब तुम सात सप्ताह गिनना शुरू करोगे। और तू अपने परमेश्वर प्रभु के लिए सप्ताहों का पर्व मनाएगा, जैसे तेरा हाथ सामर्थ्य रखता है, जितना तेरा परमेश्वर प्रभु देता है।

और तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने आनन्दित होओगे, तुम और तुम्हारा पुत्र, और तुम्हारी पुत्री, तुम्हारा सेवक, और तुम्हारी दासी, और लेवी, और परदेशी, और अनाथ, और विधवा जो तुम में रहती है, उस स्थान में, जिसे तुम्हारा प्रभु परमेश्वर चुने, कि वहाँ उसका नाम पुकारा जाए।

और तू स्मरण करेगा कि तू मिस्र देश में दास था, और तू इन आज्ञाओं की रक्षा करेगा और इनका पालन करेगा। तम्बुओं का पर्व तू अपने लिए सात दिन मनाएगा, जब तू अपने खलिहान से और अपने दाखरस कुण्ड से इकट्ठा करे। और तुम अपने त्योहार में आनंदित होगे, तुम और तुम्हारा पुत्र, और तुम्हारी पुत्री, तुम्हारा सेवक, और तुम्हारी दासी, और लेवी, और परदेशी, और अनाथ, और विधवा जो तुम्हारे नगरों में रहती है। सात दिन तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए उस स्थान में पर्व मनाओगे, जिसे तुम्हारा परमेश्वर प्रभु चुने। यदि तुम्हारा परमेश्वर प्रभु तुम्हारी सब उपज में और तुम्हारे हाथों के हर काम में तुम्हें आशीर्वाद दे, तो तुम आनंदित होगे।

वर्ष में तीन बार तुम्हारा हर पुरुष तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के सामने उस स्थान पर दिखाई देगा, जिसे प्रभु चुनेगा - बिना खमीर की रोटी के पर्व में, सप्ताहों के पर्व में, और तम्बुओं के पर्व में। तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने खाली हाथ दिखाई नहीं दोगे। प्रत्येक व्यक्ति अपने हाथों की शक्ति के अनुसार, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के आशीर्वाद के अनुसार जो उसने तुम्हें दिया है।

न्यायाधीश और अधिकारी तुम अपने लिए अपने शहरों में नियुक्त करोगे, जो प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें तुम्हारे कुलों के अनुसार देता है, और वे लोगों का न्यायपूर्ण न्याय करेंगे। वे न्याय से नहीं मुड़ते, न ही उपहार लेंगे, क्योंकि उपहार बुद्धिमानों की आँखें अंधी कर देता

है, और न्यायियों के शब्दों को हटा देता है। न्यायपूर्वक न्यायपूर्ण का अनुसरण करो, ताकि तुम जीवित रहो, और प्रवेश करके उस भूमि के उत्तराधिकारी बनो जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है।

तू अपने लिए अपने परमेश्वर की वेदी के पास कोई पवित्र वन या पेड़ नहीं रोपेगा, और न ही अपने लिए कुछ बनाएगा। तू अपने लिए स्तंभ स्थापित नहीं करेगा, जिससे तेरे प्रभु ईश्वर ने घृणा की।

17

तू अपने प्रभु परमेश्वर के लिए ऐसे बछड़े या भेड़ का बलिदान नहीं करेगा, जिसमें कोई दोष हो, कोई बुरी बात हो, क्योंकि यह तेरे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित है।

यदि तुम्हारे किसी एक शहर में, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है, कोई पुरुष या स्त्री पाया गया जो प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के सामने बुराई करेगा, उसकी वाचा को तोड़ने के लिए, और आकर वे अन्य देवताओं की सेवा करें, और उनको प्रणाम करें, सूर्य को, या चंद्रमा को, या आकाश के संसार की सभी चीजों को, जिनका तुमको आदेश नहीं दिया गया, और तुम्हें सूचित किया जाए और तुम बहुत सावधानी से खोज करो, और देखो, सचमुच यह बात हुई है, यह घृणित कार्य इस्राएल में हुआ है, और तुम उस आदमी को या उस स्त्री को बाहर लाओगे, और तुम उन्हें पत्थरों से पत्थरवाह करोगे, और वे मर जाएंगे। दो या तीन गवाहों पर वह मरेगा, मरने वाला एक गवाह पर नहीं मरेगा। और गवाहों का हाथ सबसे पहले उसे मार डालने के लिए उस पर होगा, और लोगों का हाथ अंत में, और तुम बुराई को अपने बीच से निकाल दोगे।

यदि तुम्हारे लिए न्याय में कोई शब्द असंभव हो जाए—रक्त और रक्त के बीच, और न्याय और न्याय के बीच, और स्पर्श और स्पर्श के बीच, और विवाद और विवाद के बीच—तुम्हारे नगरों में न्याय के शब्द, तो उठकर तुम उस स्थान पर चढ़ोगे जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर वहाँ चुने। और तुम लेवी पुजारियों के पास जाओगे, और उस न्यायाधीश के पास जो उन दिनों में होगा, और खोज करके वे तुम्हें निर्णय सुनाएंगे। और तुम उस बात के अनुसार करोगे जो वे तुम्हें उस स्थान से बताएं, जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर चुने, और तुम सब कुछ करने का ध्यान रखोगे जो तुम्हें विधि द्वारा निर्धारित किया जाए। कानून के अनुसार और निर्णय के

अनुसार जो वे तुमसे कहें, तुम वैसा ही करोगे, तुम उस वचन से दाहिने या बाएँ नहीं मुड़ोगे जो वे तुम्हें बताएँ।

और वह आदमी जो अहंकार में ऐसा करे कि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के नाम पर सेवा करने के लिए खड़े याजक की, या उन दिनों में जो न्यायाधीश हो उसकी आज्ञा न माने, तो वह आदमी मार डाला जाएगा, और तुम इस्राएल में से बुराई को दूर करोगे। और सब लोग सुनकर डरेंगे, और फिर अधर्म नहीं करेंगे।

यदि तू उस भूमि में प्रवेश करे जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे देता है, और तू उसे विरासत में पाए, और उस पर निवास करे, और तू कहे, मैं अपने ऊपर एक शासक नियुक्त करूँगा, जैसा कि मेरे चारों ओर के अन्य राष्ट्रों में है, नियुक्त करते हुए तुम अपने ऊपर एक शासक नियुक्त करोगे, जिसे प्रभु देवता चुनेगा, अपने भाइयों में से तुम अपने ऊपर शासक नियुक्त करोगे। तुम अपने ऊपर किसी विदेशी मनुष्य को नियुक्त करने में सक्षम नहीं होगे, क्योंकि वह तुम्हारा भाई नहीं है। क्योंकि वह अपने लिए घोड़े नहीं बढ़ाएगा, और न ही वह लोगों को मिस्र में लौटाएगा, ताकि वह अपने लिए घोड़े न बढ़ाए, और प्रभु ने कहा, तुम इस रास्ते पर फिर नहीं लौटोगे। और वह अपने लिए अनेक स्त्रियाँ नहीं रखेगा, ताकि उसका हृदय भटक न जाए, और वह अपने लिए चाँदी और सोना अत्यधिक नहीं बढ़ाएगा।

और जब वह अपने शासन पर बैठे, तो वह अपने लिए इस व्यवस्थाविवरण को एक पुस्तक में लेवीय याजकों से लिखवाएगा। और यह उसके साथ रहेगा, और वह अपने जीवन के सभी दिनों में इसे पढ़ेगा, ताकि वह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर से डरना सीखे, और इन सभी आज्ञाओं को मानना और इन विधियों का पालन करना सीखे। ताकि उसका हृदय उसके भाइयों से ऊपर न उठे, ताकि वह आज्ञाओं से दाएं या बाएँ न भटके, ताकि वह अपने शासन में लंबे दिन रहे, वह और उसके पुत्र इस्राएल के पुत्रों में।

18

पुजारियों और लेवियों को, अर्थात् लेवी के पूरे कबीले को, इस्राएल के साथ कोई हिस्सा या भाग्य नहीं मिलेगा। प्रभु की बलि उनका भाग्य है, वे उसे खाएंगे। भाग उनको उनके भाइयों में नहीं होगा, प्रभु स्वयं उसका भाग है, जैसा उसने उसको कहा था। और यह पुजारियों का निर्णय है, जो लोगों से, बलिदान करने वालों से, बलिदान के संबंध में है - चाहे बछड़ा हो, चाहे भेड़ - और तुम पुजारी को भुजा दोगे, और गाल, और आमाशय। और

तुम अपने अनाज के पहले फल, और अपनी शराब, और अपने तेल, और अपनी भेड़ों की ऊन की कतरन के पहले फल उसे दोगे। क्योंकि प्रभु ने उसको तुम्हारे सब कबीलों में से चुना है, कि वह प्रभु परमेश्वर के सामने खड़ा हो, सेवा करे और उसके नाम पर आशीर्वाद दे, वह और उसके पुत्र इस्राएल के पुत्रों में।

यदि लेवी इस्राएल के सभी पुत्रों के नगरों में से किसी एक नगर से आता है, जहाँ वह स्वयं निवास करता है, जैसा कि उसकी आत्मा इच्छा करती है, उस स्थान में जो वह चुनेगा, वह अपने परमेश्वर प्रभु के नाम में सेवा करेगा, जैसे उसके सब भाई लेवी जो वहाँ तेरे परमेश्वर प्रभु के सामने खड़े हैं। विभाजित भाग खाएगा, परिवार के अनुसार बिक्री को छोड़कर। यदि तुम उस भूमि में प्रवेश करो जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है, तो तुम उन जातियों के घृणित कार्यों के अनुसार करना नहीं सीखोगे।

तुम में अग्नि द्वारा अपने पुत्र और अपनी पुत्री को शुद्ध करने वाला, भविष्यवाणी करने वाला, शकुन देखने वाला, और पक्षियों से शकुन देखने वाला, जादू-टोने करने वाला नहीं पाया जाएगा। मंत्र गाते हुए, ओझा, और शकुन का व्याख्याकार, मृतकों से पूछताछ करते हुए। क्योंकि जो कोई ये काम करता है वह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित है, इन्हीं घृणित कर्मों के कारण प्रभु उन्हें तुम्हारे सामने से नष्ट कर देगा। तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पूर्ण होगे। क्योंकि ये जातियाँ, जिन्हें तुम बेदखल करते हो, शकुन और भविष्यवाणियों को सुनती हैं, परन्तु तुम्हारे परमेश्वर प्रभु ने तुम्हें ऐसा नहीं दिया है।

प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से एक नबी को, मेरे जैसा, तुम्हारे लिए उठाएगा, उसकी तुम सुनोगे। उन सभी के अनुसार जितना तुमने अपने परमेश्वर प्रभु से होरेब में सभा के दिन माँगा था, कहते हुए, हम अपने परमेश्वर प्रभु की आवाज़ को फिर नहीं सुनेंगे, और इस महान आग को हम फिर नहीं देखेंगे, ताकि हम न मरें। और प्रभु ने मुझसे कहा, जो कुछ उन्होंने तुमसे कहा है, वह सब सही है। मैं उनके भाइयों में से उनके लिए एक नबी खड़ा करूँगा, जैसे तुम, और मैं उसके मुँह में अपने वचन डालूँगा, और वह उनसे वह सब कुछ कहेगा जो मैं उसे आज्ञा दूँगा। और जो आदमी उस भविष्यवक्ता की बातें नहीं सुनेगा जो मेरे नाम पर बोलेगा, मैं उससे बदला लूँगा। सिवाय उस भविष्यवक्ता के जो मेरे नाम पर अधर्मपूर्वक वह शब्द बोले जिसे बोलने की मैंने आज्ञा नहीं दी, और जो अन्य देवताओं के नाम में बोले, वह भविष्यवक्ता मर जाएगा। यदि तू अपने हृदय में कहे, हम कैसे जानेंगे वह वचन जो प्रभु ने नहीं बोला? जो कुछ भी वह भविष्यवक्ता प्रभु के नाम से बोले, और वह न

हो, और न घटित हो, तो यह वह वचन है जो प्रभु ने नहीं बोला; उस भविष्यवक्ता ने अधर्म से बोला है, तुम उससे नहीं डरोगे।

19

यदि प्रभु तुम्हारा ईश्वर उन राष्ट्रों को नष्ट कर दे, जिनकी भूमि वह ईश्वर तुम्हें देता है, और तुम उन पर अधिकार कर लो, और तुम उनके नगरों में और उनके घरों में निवास करो, तीन शहर तुम अपने लिए अलग करोगे अपनी भूमि के बीच में, जो प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हें देता है। अपने लिए मार्ग पर विचार करो, और अपनी भूमि की सीमाओं को तीन भागों में विभाजित करो, जो तुम्हारा प्रभु देवता तुम्हें वितरित करता है, और यह प्रत्येक हत्यारे के लिए शरणस्थान होगा। यह हत्यारे के लिए आदेश होगा, जो वहाँ निर्वासन में जाएगा और जीवित रहेगा, जो अपने पड़ोसी को अनजाने में मारता है, और जो उससे पहले से घृणा नहीं करता था। और यदि कोई अपने पड़ोसी के साथ जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने जाए, और लकड़ी काटते समय कुल्हाड़ी से उसका हाथ फिसल जाए, और लोहा पेड़ से गिरकर पड़ोसी को लग जाए, और वह मर जाए, तो यह व्यक्ति इन नगरों में से किसी एक में शरण लेगा, और जीवित रहेगा। ताकि रक्त का बदला लेने वाला हत्यारे का पीछा न करे, क्योंकि उसका हृदय गर्म हो गया है, और यदि रास्ता लंबा हो तो वह उसे पकड़ ले और उसकी आत्मा को मार डाले, और इसके लिए मृत्यु का निर्णय नहीं है, क्योंकि वह उससे न तो कल से पहले घृणा करता था और न ही परसों से पहले। इसलिए मैं तुम्हें यह आज्ञा देता हूँ कि तीन नगर अपने लिए अलग करो।

यदि प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारी सीमाओं को बढ़ाए, जिस रीति से उसने तुम्हारे पिताओं से शपथ खाई थी, और प्रभु तुम्हें वह सारी भूमि दे जो उसने तुम्हारे पिताओं को देने के लिए कहा था यदि तुम इन सब आज्ञाओं को मानो जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, प्रभु अपने परमेश्वर से प्रेम करो, उसके सब मार्गों पर सदा चलो, तो तुम अपने लिए इन तीन नगरों के अतिरिक्त तीन और नगर जोड़ोगे। और निर्दोष का रक्त उस भूमि में नहीं बहाया जाएगा, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है, और तुम रक्त के दोषी नहीं होगे।

यदि तुझमें कोई मनुष्य हो जो अपने पड़ोसी से घृणा करता हो, और उसकी घात लगाए, और उस पर चढ़ाई करे, और उसकी आत्मा को मारे, और वह मर जाए, और वह इन नगरों में से किसी एक में भाग जाए, और उसके शहर की बुजुर्गों की परिषद भेजेगी, और वे उसे वहाँ से ले लेंगे, और उसे खून के बदला लेने वालों के हाथों में सौंप देंगे, और वह मर

जाएगा। तुम्हारी आँख उस पर दया नहीं करेगी, और तुम निर्दोष के रक्त को इजराइल से शुद्ध करोगे, और तुम्हारे लिए अच्छा होगा।

तुम अपने पड़ोसी की सीमाओं को नहीं हटाओगे, जो तुम्हारे पिताओं ने उस विरासत में खड़ी की थीं, जो तुमने उस भूमि में विरासत में पाई है, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें चिट्ठी द्वारा देता है। एक साक्षी किसी मनुष्य के विरुद्ध किसी भी अन्याय, किसी भी पाप के लिए गवाही देने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। दो या तीन साक्षियों की गवाही पर ही हर बात स्थापित होगी। यदि कोई अन्यायी साक्षी किसी मनुष्य के विरुद्ध खड़ा हो, उस पर अधर्म का आरोप लगाते हुए, और वे दो लोग खड़े होंगे जिनके बीच विवाद है, प्रभु के सामने, और याजकों के सामने, और न्यायाधीशों के सामने, जो उन दिनों में होंगे। और न्यायाधीशों को सटीक रूप से जांच करनी चाहिए, और देखो, अन्यायी गवाह ने अन्यायी गवाही दी, वह अपने भाई के विरुद्ध खड़ा हुआ। और तुम उसके साथ वैसा ही करोगे जैसा उसने अपने भाई के विरुद्ध दुष्टता से करने की योजना बनाई थी, और तुम अपने बीच से बुराई को निकाल दोगे। और शेष लोग सुनकर डरेंगे, और वे फिर कभी यह बुरा काम तुम्हारे बीच नहीं करेंगे। तेरी आँख उस पर दया नहीं करेगी, आत्मा के बदले आत्मा, आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत, हाथ के बदले हाथ, पैर के बदले पैर।

20

यदि तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध में जाओ, और घोड़े, सवार और तुमसे अधिक लोग देखो, तो उनसे भय मत करना, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ है, जो तुम्हें मित्र की भूमि से निकाल लाया। और ऐसा होगा कि जब तुम युद्ध के निकट पहुँचो, तो पुजारी पास आकर लोगों से बोलेगा। और वह उनसे कहेगा, सुनो इस्राएल, तुम आज अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध में जा रहे हो। तुम्हारा हृदय कमजोर न होने पाए, मत डरो, न टूटो, और न उनके सामने से मुड़ो। क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर जो तुम्हारे आगे जा रहा है, तुम्हारे साथ है, तुम्हारे शत्रुओं से तुम्हारे साथ लड़ने के लिए और तुम्हें बचाने के लिए।

और लेखक लोगों से कहेंगे, कौन है वह आदमी जिसने नया घर बनाया है और उसे समर्पित नहीं किया है? वह जाए और अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मर जाए और कोई दूसरा आदमी उसे समर्पित करे। और कौन है वह आदमी जिसने अंगूर का बगीचा लगाया, और उससे आनंदित नहीं हुआ? वह जाए और अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मर जाए, और कोई दूसरा आदमी उससे आनंदित होगा। और कौन

है वह आदमी जिसने किसी स्त्री से सगाई की है, और उसे नहीं लिया है? वह जाए और अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मर जाए, और कोई दूसरा आदमी उसे ले ले। और लेखक लोगों से बोलना जारी रखेंगे, और वे कहेंगे, कौन है वह मनुष्य जो हृदय से डरता और कायर है? वह जाए और अपने घर लौट जाए, ताकि वह अपने भाई के हृदय को कायर न बनाए, जैसे उसका अपना है। और ऐसा होगा जब लेखक लोगों से बोलना बंद करेंगे, और वे सेना के शासकों को नियुक्त करेंगे जो लोगों का नेतृत्व करेंगे।

यदि तुम किसी नगर के पास उनसे युद्ध करने जाओ, तो उनको शांति के साथ बुलाओ। यदि वे तुम्हें शांतिपूर्ण उत्तर देंगे और तुम्हारे लिए खोलेंगे, तो सब लोग जो इसमें पाए गए हैं, तुम्हें कर देने वाले और तुम्हारे अधीन होंगे। परन्तु यदि वे तुम्हारी आज्ञा न मानें, और तुम्हारे विरुद्ध युद्ध करें, तो तुम उसे घेरा डालोगे, जब तक प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उसे तुम्हारे हाथों में न सौंप दे, और तुम उसके हर पुरुष को तलवार से मार डालोगे। स्त्रियों और सामान को छोड़कर, सब पशु और जो कुछ शहर में हो, और सारा सामान तुम अपने लिए लूटोगे, और अपने शत्रुओं की सारी लूट खाओगे, जो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें देता है। इस प्रकार तुम सब दूर के शहरों के साथ करोगे जो तुमसे बहुत दूर हैं, इन जातियों के शहरों में से नहीं, जिनकी भूमि प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे विरासत में देता है। तुम किसी भी सांस लेने वाले को जीवित नहीं रखोगे, लेकिन तुम उन्हें श्राप के लिए समर्पित करोगे, हिली को, और एमोरी को, और कनानी को, और परिज्जी को, और हिक्वी को, और यबूसी को, और गिराशी को, जिस तरीके से तुम्हारे प्रभु देवता ने तुम्हें आज्ञा दी है। ताकि वे तुम्हें अपने सब घृणित कार्य करना न सिखाएं, जो उन्होंने अपने देवताओं के लिए किए, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने पाप करो।

यदि तुम किसी एक नगर को अनेक दिनों तक घेरा डालकर उसके विरुद्ध युद्ध करो ताकि उसे अधिकार में ले सको, तो तुम उसके वृक्षों को नष्ट नहीं करोगे, उन पर कुल्हाड़ी नहीं चलाओगे, बल्कि उनसे फल खाओगे, परन्तु उन्हें काटोगे नहीं, क्योंकि क्या खेत का वृक्ष मनुष्य है कि तुम्हारे सामने से घेराबंदी में प्रवेश करे? लेकिन जिस पेड़ के बारे में तुम जानते हो कि वह फलदार नहीं है, उसे तुम नष्ट करोगे और काट डालोगे, और उस शहर के विरुद्ध घेराबंदी के काम बनाओगे जो तुमसे युद्ध करता है, जब तक वह आत्मसमर्पण न कर दे।

यदि उस भूमि में कोई घायल व्यक्ति पाया जाए, जो प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें विरासत में देता है, मैदान में गिरा हुआ, और वे उस मारने वाले को नहीं जानते हों तुम्हारी बुजुर्गों की परिषद और तुम्हारे न्यायाधीश बाहर जाएंगे, और वे मारे गए व्यक्ति के चारों ओर के नगरों की दूरी मापेंगे। और वह शहर जो घायल आदमी के पड़ोस में होगा, और उस शहर की बुजुर्गों की परिषद मवेशियों में से एक बछिया लेगी, जिससे काम नहीं कराया गया है, और जिसने जुआ नहीं खींचा है, और उस शहर की बुजुर्गों की परिषद एक बछिया को एक कठोर घाटी में ले जाएगी, जिसमें न तो काम किया गया है और न ही बोया गया है, और वे उस बछिया की गर्दन घाटी में तोड़ेंगे। और लेवी पुजारी पास आएंगे, क्योंकि प्रभु परमेश्वर ने उन्हें अपने सामने खड़े होने और अपने नाम पर आशीर्वाद देने के लिए चुना है, और उनके निर्णय पर हर विवाद और हर मामला निर्भर करेगा। और उस नगर की बुजुर्गों की सारी परिषद, जो घायल व्यक्ति के पास आ रहे हैं, वे उस बछिया के सिर पर अपने हाथ धोएंगे जिसकी गर्दन घाटी में तोड़ी गई थी। और उत्तर देते हुए वे कहेंगे, हमारे हाथों ने यह रक्त नहीं बहाया, और हमारी आँखों ने नहीं देखा है। हे प्रभु, अपने लोग इस्राएल के प्रति कृपालु हो जाओ, जिन्हें तुमने छुड़ाया है, ताकि तुम्हारे लोग इस्राएल में निर्दोष का रक्त न हो, और उनके लिए रक्त का प्रायश्चित्त किया जाए। तू निर्दोष रक्त को अपने में से निकालोगे, यदि तू वह करेगा जो तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के सामने अच्छा और प्रसन्न करने वाला है।

यदि तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध के लिए निकलो, और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उन्हें तुम्हारे हाथों में सौंप दे, और तुम उनकी लूट को लूटो और यदि तुम लूट में एक सुंदर रूप वाली स्त्री को देखो, और तुम उसकी इच्छा करो, और तुम उसे अपने लिए पत्नी के रूप में ले लो, और तू उसे अपने घर के भीतर लाएगा, और तू उसके सिर को मुंडाएगा, और तू उसके नाखून काटेगा, और तुम उससे बंदी के वस्त्र हटाओगे, और वह तुम्हारे घर में बैठेगी, और वह एक महीने तक अपने पिता और माता के लिए रोएगी, और इसके बाद तुम उसके पास जाओगे और उसके साथ रहोगे, और वह तुम्हारी पत्नी होगी।

और ऐसा होगा कि अगर तू उसे नहीं चाहता, तो तू उसे स्वतंत्र भेज देगा, और वह चांदी के लिए बिक्री में नहीं बेची जाएगी, तू उसे तुच्छ नहीं समझेगा, क्योंकि तूने उसे नम्र किया है।

यदि किसी आदमी की दो पत्नियां हों, एक प्रिय और एक घृणित, और प्रिय तथा घृणित दोनों उसके लिए संतान उत्पन्न करें, और घृणित की संतान पहलौठा पुत्र हो, और जिस दिन वह अपने पुत्रों को अपनी संपत्ति विरासत में बाँटेगा, वह प्रिय पत्नी के पुत्र को

पहलौठा बनाने में सक्षम नहीं होगा, घृणित पत्नी के पहलौठे पुत्र की अनदेखी करके। लेकिन वह घृणा की गई स्त्री के पहलौठे पुत्र को स्वीकार करेगा और उसे उन सब वस्तुओं में से दोगुना हिस्सा देगा जो उसके पास पाई जाएं, क्योंकि यह उसकी संतानों का आरंभ है, और इसी को पहलौठे का अधिकार प्राप्त है। यदि किसी का पुत्र अवज्ञाकारी और उद्वंड हो, जो अपने पिता की आवाज और अपनी माता की आवाज नहीं मानता, और वे उसे अनुशासित करें, और वह उनकी न सुने, और उसके पिता और उसकी माता उसे पकड़कर, उसे उसके शहर के बुजुर्गों की परिषद के पास और उस स्थान के द्वार पर ले जाएंगे, और वे अपने शहर के पुरुषों से कहेंगे, हमारा यह बेटा अवज्ञा करता है और भड़काता है, हमारी आवाज नहीं सुनता है, सिक्का काटने वाला है और शराब अत्यधिक पीता है। और उसके शहर के पुरुष उसे पथरों से मारेंगे, और वह मरेगा, और तुम अपने में से बुराई को निकाल दोगे, और शेष लोग सुनकर डरेंगे।

यदि किसी में कोई पाप हो जाए, जिसका निर्णय मृत्यु हो, और वह मर जाए, और तुम उसे पेड़ पर लटकाओ, उसका शरीर पेड़ पर नहीं सोएगा, लेकिन उसी दिन तुम उसे दफन करोगे, क्योंकि पेड़ पर लटकने वाला हर व्यक्ति परमेश्वर द्वारा शापित है, और तुम उस भूमि को अपवित्र नहीं करोगे, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है।

22

अपने भाई के बछड़े या उसकी भेड़ को रास्ते में भटकते हुए देखकर उनकी अनदेखी मत करो, तुम उन्हें अपने भाई के पास लौटाओगे और उसे वापस दोगे। यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे पास न आए और तुम उसे न जानते हो, तो तुम उसे अपने घर के अंदर इकट्ठा करोगे, और वह तुम्हारे साथ तब तक रहेगा जब तक तुम्हारा भाई उन्हें खोजे, और तुम उसे लौटा दोगे। इस प्रकार तुम उसके गधे के साथ करोगे, और इस प्रकार तुम उसके वस्त्र के साथ करोगे, और इस प्रकार तुम अपने भाई की सभी खोई हुई वस्तुओं के साथ करोगे, जो उससे नष्ट हो जाएं और तुम्हें मिल जाएं; तुम उन्हें अनदेखा नहीं कर सकोगे। तुम अपने भाई के गधे या उसके बछड़े को रास्ते में गिरा हुआ देखकर उनकी अनदेखी मत करो, तुम उसके साथ मिलकर उन्हें अवश्य उठाओगे।

स्त्री पुरुष के वस्त्र न पहने, और न ही पुरुष स्त्री के वस्त्र पहने, क्योंकि जो कोई ऐसा करता है वह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित है। यदि तुम रास्ते में या किसी पेड़ पर या भूमि पर अपने सामने पक्षियों के घोंसले में बच्चों या अंडों को पाओ, और माता बच्चों पर या

अंडों पर बैठी हो, तो तुम माता को बच्चों के साथ नहीं लोगे। तुम माँ को भेज दोगे, लेकिन बच्चों को अपने लिए ले लोगे, ताकि तुम्हारा भला हो और तुम दीर्घायु हो जाओ।

यदि तुम नया घर बनाओगे, तो तुम अपनी छत पर मुंडेर बनाओगे, और तुम अपने घर में हत्या नहीं करोगे, यदि कोई उससे गिर जाए। तुम अपने अंगूर के बाग में भिन्न बीज नहीं बोओगे, ताकि उपज और वह बीज जो तुम बोओ, अपने अंगूर के बाग की उपज के साथ पवित्र न हो जाए। तुम बछड़े और गधे को एक साथ जोतकर हल नहीं चलाओगे। तुम नकली वस्त्र नहीं पहनोगे, ऊन और सन एक साथ। तुम अपने वस्त्रों के चार किनारों पर अपने लिए मुड़े हुए बनाओगे, जिन्हें यदि तुम ओढ़ो।

यदि कोई पत्नी ले और उसके साथ रहे, और उससे घृणा करे, और वह इस पर बहाने के शब्द रख दे, और उसका नाम बदनाम करे, और कहे, मैंने इस स्त्री को लिया, और जब मैं उसके पास गया, तो मैंने उसका कौमार्य नहीं पाया, और बच्ची के पिता और माता, बच्ची के कुंवारीपन का प्रमाण लेकर, द्वार पर बुजुर्गों की परिषद के पास लाएंगे। और बच्ची का पिता परिषद से कहेगा, मैंने अपनी इस बेटी को इस आदमी को पत्नी के रूप में दिया था, और उसने उससे घृणा की अब यह उस पर बहाने के शब्द लगाता है, कहता हुआ कि मैंने तेरी बेटी में कुंवारीपन नहीं पाया, और ये मेरी बेटी के कुंवारीपन के चिन्ह हैं। और वे शहर की बुजुर्गों की परिषद के सामने कपड़ा फैलाएंगे। और उस शहर की परिषद उस आदमी को लेगी, और वे उसे शिक्षा देंगे। और वे उसे सौ शेकेल जुर्माना करेंगे, और युवा स्त्री के पिता को देंगे, क्योंकि उसने इस्राएली कुंवारी पर बुरा नाम लगाया, और वह उसकी पत्नी होगी, वह उसे जीवन भर त्यागने में सक्षम नहीं होगा।

यदि किन्तु यह बात सत्य हो जाए, और युवती में कौमार्य न पाया जाए, और वे उस युवा स्त्री को उसके पिता के घर के दरवाजों पर बाहर लाएंगे, और वे उसे पथरों से पथराव करेंगे, और वह मर जाएगी, क्योंकि उसने इस्राएल के पुत्रों में मूर्खता की है, अपने पिता के घर में व्यभिचार करके, और तुम अपने बीच से बुराई को दूर करोगे।

यदि कोई आदमी किसी विवाहित स्त्री के साथ सोता हुआ पाया जाए, तो तुम दोनों को मार डालना, उस आदमी को जो स्त्री के साथ सोया था, और उस स्त्री को भी, और तुम इस्राएल से बुराई को निकाल दोगे। यदि कोई कुमारी बालिका किसी पुरुष से सगाई की हुई हो, और कोई मनुष्य उसे नगर में पाकर उसके साथ सो जाए, तुम दोनों को उनके शहर के द्वार पर बाहर लाओगे, और उन्हें पथरों से पथराव किया जाएगा, और वे मरेंगे, युवा स्त्री को,

क्योंकि उसने शहर में नहीं चिल्लाया, और आदमी को, क्योंकि उसने पड़ोसी की स्त्री को अपमानित किया, और तुम अपने बीच से बुराई को हटा दोगे। यदि कोई आदमी मैदान में मंगेतर लड़की को पाता है और बलात्कार करके उसके साथ सोता है, तो तुम केवल उसके साथ सोनेवाले को मारोगे। और युवा स्त्री को मृत्यु का पाप नहीं है, जैसे यदि कोई मनुष्य अपने पड़ोसी पर उठे और उसकी आत्मा को मार डाले, इस प्रकार यह मामला है। क्योंकि खेत में उसने उसे पाया, मंगेतर युवा स्त्री चिल्लाई, और उसकी मदद करने वाला कोई नहीं था।

यदि कोई उस कुंवारी लड़की को पाता है, जिसकी सगाई नहीं हुई है, और उसके साथ बलात्कार करके सोता है, और पकड़ा जाता है, वह पुरुष जो उसके साथ सोया है, युवा स्त्री के पिता को पचास चांदी के दो द्राख्मा देगा, और वह उसकी पत्नी होगी। जिसके बदले में उसने उसे अपमानित किया, वह उसे सारे समय तक भेजने में सक्षम नहीं होगा।

23

कोई आदमी अपने पिता की पत्नी को नहीं लेगा, और अपने पिता का आवरण प्रकट नहीं करेगा।

कुचले हुए अंडकोष वाला या काटा हुआ व्यक्ति प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा।
वेश्या से कोई प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा।

अम्मोनी और मोआबी प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा, और दसवीं पीढ़ी तक प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा, और युग तक, इसलिए कि उन्होंने तुम्हें रोटी और पानी के साथ रास्ते में नहीं मिले, जब तुम मिस्र से निकल रहे थे, और इसलिए कि उन्होंने तुम्हें शाप देने के लिए मेसोपोटामिया से बओर के पुत्र बिलाम को किराये पर लिया। और प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने बिलाम को सुनना नहीं चाहा, और प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने शापों को आशीर्वाद में बदल दिया, क्योंकि प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने तुमसे प्रेम किया। तुम उनको शांतिपूर्ण और लाभदायक बातें अपने सभी दिनों में युग तक संबोधित नहीं करोगे। तू इदूमी से घृणा मत करना, क्योंकि वह तेरा भाई है; तू मिस्री से घृणा मत करना, क्योंकि तू उसकी भूमि में परदेशी बना था। पुत्र, यदि उनको जन्म लें, तीसरी पीढ़ी में प्रभु की सभा में प्रवेश करेंगे।

यदि तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध डेरा डालने के लिए बाहर जाओ, तो तुम हर बुरे वचन से बचे रहोगे। यदि तुम में कोई आदमी हो जो अपने रात के स्राव से शुद्ध नहीं होगा, तो वह शिविर के बाहर निकलेगा, और शिविर में प्रवेश नहीं करेगा। और शाम की ओर वह अपने शरीर को पानी से नहलाएगा, और सूरज के अस्त हो जाने पर वह शिविर में प्रवेश करेगा। और शिविर के बाहर तुम्हारे लिए एक स्थान होगा, और तुम वहाँ बाहर जाओगे। और एक खूंदी तेरी पट्टी पर होगी, और जब तू बाहर बैठे, तो तू उससे खोदेगा, और लाकर तू अपनी गंदगी को ढकेगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे शिविर में चलता है ताकि तुम्हें छुड़ाए और तुम्हारे शत्रु को तुम्हारे सामने सौंप दे, इसलिए तुम्हारा शिविर पवित्र होगा, और तुम में किसी बात की अश्लीलता नहीं देखी जाएगी, नहीं तो वह तुम से फिर जाएगा।

तुम उस बच्चे को उसके स्वामी को नहीं सौंपोगे, जो उसके स्वामी से तुम्हारे पास सौंपा गया है। वह तुम्हारे साथ निवास करेगा, वह तुम में निवास करेगा जहाँ उसे अच्छा लगे, तुम उसे कष्ट नहीं दोगे। इस्राएल की पुत्रियों में से कोई वेश्या नहीं होगी, और इस्राएल के पुत्रों में से कोई वेश्यावृत्ति करने वाला नहीं होगा, इस्राएल की पुत्रियों में से कोई दीक्षा देने वाली नहीं होगी, और इस्राएल के पुत्रों में से कोई दीक्षा लेने वाला नहीं होगा। तुम वेश्या की मजदूरी, और न कुत्ते का बदला अपने परमेश्वर प्रभु के घर में किसी मन्त के लिए लाओगे, क्योंकि ये दोनों तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के लिए घृणित हैं।

तुम अपने भाई को चाँदी का ब्याज, भोजन का ब्याज, और किसी भी वस्तु का ब्याज नहीं लोगे, जो तुम उधार दो। विदेशी को तू ब्याज पर उधार देगा, लेकिन अपने भाई को तू ब्याज पर उधार नहीं देगा, ताकि प्रभु तेरा देवता तुझे आशीर्वाद दे तेरे सब कामों में उस पृथ्वी पर, जिसमें तू वहाँ प्रवेश कर रहा है उसे विरासत में लेने के लिए।

यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर से कोई मन्त मानो, तो उसे पूरा करने में विलम्ब मत करना, क्योंकि तुम्हारा प्रभु परमेश्वर निश्चय ही तुमसे इसकी खोज करेगा, और यह तुममें पाप होगा। यदि तुम प्रार्थना करना नहीं चाहते, तो तुममें पाप नहीं है। जो बातें तुम्हारे होठों से निकलें, उन्हें तुम पूरा करना, और जैसी मन्त तुमने प्रभु परमेश्वर को मानी है, वैसी ही भेंट देना, जो तुमने अपने मुँह से कही है।

यदि तुम अपने पड़ोसी की फसल में प्रवेश करो, और तुम अपने हाथों में बालें इकट्ठा करो, तो तुम अपने पड़ोसी की फसल पर हंसिया नहीं रखोगे। यदि तुम अपने पड़ोसी के

अंगूर के बाग में प्रवेश करो, तो अंगूर खाओ जितना तुम्हारी आत्मा भर जाए, लेकिन बर्तन में मत डालो।

24

यदि कोई पत्नी लेता है और उसके साथ रहता है, और ऐसा होगा कि यदि वह उसके सामने कृपा नहीं पाती, क्योंकि उसने उसमें कोई शर्मनाक बात पाई, और वह उसे तलाक की पुस्तक लिखेगा, और उसके हाथों में देगा, और उसे अपने घर से भेजेगा, और चली जाकर दूसरे पुरुष की हो जाती है और वह अंतिम आदमी उससे नफरत करेगा, और उसे तलाक की पुस्तक लिखेगा, और उसके हाथों में देगा, और उसे अपने घर से भेज देगा, और वह अंतिम आदमी मरेगा, जिसने उसे अपनी पत्नी के रूप में लिया था, वह पहला पुरुष जिसने उसे भेजा था, लौटकर उसे अपनी पत्नी के रूप में लेने में सक्षम नहीं होगा, उसके अशुद्ध होने के बाद, क्योंकि यह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के सामने घृणित है, और तुम उस भूमि को अशुद्ध नहीं करोगे, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है।

यदि कोई हाल ही में पत्नी ले, तो वह युद्ध में नहीं जाएगा, और उस पर कोई भी काम नहीं लगाया जाएगा। वह अपने घर में निर्दोष होगा, एक वर्ष तक अपनी पत्नी को खुश करेगा जिसे उसने लिया था।

तुम चक्की गिरवी नहीं रखोगे, और न ऊपरी चक्की, क्योंकि यह आत्मा को गिरवी रखता है। यदि कोई मनुष्य इस्त्राएल के पुत्रों में से अपने भाइयों में से किसी की आत्मा को चुराते हुए पकड़ा जाए, और उसे दबाकर बेच दे, तो वह चोर मर जाएगा, और तुम बुरे को अपने में से निकाल दोगे। अपने लिए कुछ के संक्रमण में सावधान रहो, अत्यधिक सावधानी से उस सम्पूर्ण नियम के अनुसार करना जो लेवी पुजारी तुम्हें बताएं, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, वैसा ही करने में सावधान रहो। याद करो कि तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने मरियम के साथ रास्ते में क्या किया, जब तुम लोग मिस्र से निकल रहे थे।

यदि तुम्हारे पड़ोसी पर कोई ऋण हो, कुछ भी ऋण हो, तो तुम उसकी गिरवी लेने के लिए उसके घर में प्रवेश नहीं करोगे। तू बाहर खड़ा होगा, और वह आदमी जिसके पास तेरा ऋण है, वह तेरे लिए गिरवी बाहर लाएगा। यदि वह आदमी गरीब हो जाए, तो तुम उसकी गिरवी में नहीं लेटोगे। तू सूर्यास्त से पहले उसकी गिरवी लौटा देगा, और वह अपने वस्त्र में सोएगा, और वह तुझे आशीर्वाद देगा, और यह तेरे परमेश्वर प्रभु के सामने तेरे लिए दया

होगी। तुम गरीब और जरूरतमंद की मजदूरी में गलत नहीं करोगे, चाहे वे तुम्हारे भाइयों में से हों या तुम्हारे नगरों में रहने वाले परदेशियों में से हों। उसी दिन तुम उसका वेतन लौटाओगे, सूरज उस पर अस्त नहीं होगा, क्योंकि वह गरीब है, और उसमें आशा रखता है, और वह तुम्हारे विरुद्ध प्रभु की ओर चिल्लाएगा, और तुममें पाप होगा। पिता बच्चों के लिए नहीं मरेंगे, और पुत्र पिताओं के लिए नहीं मरेंगे; प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वयं के पाप में मरेगा। तू परदेशी, अनाथ और विधवा के न्याय को नहीं बिगाड़ेगा तू विधवा के वस्त्र को गिरवी के रूप में नहीं लेगा, और तू याद रखेगा कि तू मित्र की भूमि में सेवक था, और प्रभु तेरे देवता ने तुझे वहाँ से छुड़ाया, इस कारण मैं तुझे इस वचन को पूरा करने की आज्ञा देता हूँ।

यदि तुम अपने खेत में फसल काटो और अपने खेत में एक पूला भूल जाओ, तो तुम इसे लेने के लिए वापस नहीं लौटोगे। यह परदेसी, अनाथ और विधवा के लिए होगा, ताकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे हाथों के सब कामों में तुम्हें आशीर्वाद दे। यदि तुम जैतून चुनो, तो तुम अपने पीछे बचे हुए को इकट्ठा करने के लिए वापस नहीं लौटोगे, वह परदेशी, अनाथ और विधवा के लिए होगा, और तुम याद करोगे कि तुम मित्र की भूमि में दास थे, इसी कारण मैं तुम्हें यह वचन पूरा करने की आज्ञा देता हूँ। यदि तुम अपने अंगूर के बाग को काटो, तो तुम उसे फिर से नहीं बीनोगे; जो तुम्हारे पीछे रह जाए, वह परदेसी, अनाथ और विधवा के लिए होगा। और तुम याद करोगे कि तुम मित्र की भूमि में सेवक थे, इसलिए मैं तुम्हें यह वचन पूरा करने की आज्ञा देता हूँ।

25

यदि मनुष्यों के बीच विवाद हो जाए, और वे न्याय के लिए आएँ, और न्याय करें, और न्यायी को निर्दोष ठहराएँ, और अधर्मी को दोषी ठहराएँ, और ऐसा होगा, यदि वह दुष्ट प्रहारों के योग्य हो, तो तुम उसे न्यायाधीशों के सामने भेजोगे, और वे उसके अधर्म के अनुसार उसे उनके सामने कोड़े मारेंगे। और वे उसे चालीस कोड़े मारेंगे, इससे अधिक नहीं मारेंगे; यदि तू इन प्रहारों से अधिक कोड़े मारे, तो तेरा भाई तेरे सामने अपमानित होगा। दाने कूटते हुए बैल को मुखबंद नहीं करोगे।

यदि भाई एक साथ रहते हैं और उनमें से एक मर जाता है, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी, तो मृतक की पत्नी बाहर किसी अन्य पुरुष से विवाह नहीं करेगी। उसके पति का भाई उसके पास आएगा और उसे अपनी पत्नी के रूप में लेगा और उसके साथ रहेगा। और

जो बच्चा वह जन्म देगी, वह मृत व्यक्ति के नाम से स्थापित किया जाएगा, और उसका नाम इस्राएल से नहीं मिटाया जाएगा।

यदि वह पुरुष अपने भाई की स्त्री को लेना नहीं चाहता है, तो वह स्त्री द्वार पर बुजुर्गों की सभा के पास जाएगी, और कहेगी, मेरे पति का भाई इस्राएल में अपने भाई का नाम खड़ा करना नहीं चाहता है, मेरे पति के भाई ने इच्छा नहीं की। और उसके शहर की परिषद उसे बुलाएगी, और वे उससे कहेंगे, और खड़े होकर वह कहे, मैं उसे लेना नहीं चाहता, और उसके भाई की पत्नी बुजुर्गों की परिषद के सामने आकर, उसके पैर से उसकी एक जूती उतारेगी, और उसके मुँह पर थूकेगी, और उत्तर देकर कहेगी, इस प्रकार उस आदमी के साथ किया जाएगा, जो इस्राएल में अपने भाई का घर नहीं बनाएगा। और इस्राएल में उसका नाम यह रखा जाएगा: उस व्यक्ति का घर जिसने जूता खोला।

यदि लोग आपस में लड़ें, एक आदमी अपने भाई के साथ, और उनमें से एक की स्त्री अपने पति को मारने वाले के हाथ से छुड़ाने के लिए आए, और हाथ फैलाकर उसके अंडकोष पकड़ ले, तू हाथ काटेगा, तेरी आँख इस पर दया नहीं करेगी।

तेरी थैली में दो तरह के बाट नहीं होने चाहिए, बड़ा या छोटा। तुम्हारे घर में दो माप नहीं होंगे, बड़ा या छोटा। तुम्हारे पास सच्चा और न्यायपूर्ण वजन होगा, और तुम्हारे पास सच्चा और न्यायपूर्ण माप होगा, ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है। क्योंकि तेरे परमेश्वर प्रभु के लिए घृणित है हर वह जो इन को करता है, हर वह जो अन्याय करता है।

याद करो कि अमालेक ने तुम्हारे साथ रास्ते में कितना कुछ किया, जब तुम मिस्र की धरती से निकल रहे थे। कैसे उसने तुम्हारा रास्ते में विरोध किया, और तुम्हारे पिछले भाग को काट दिया, उन थके हुए लोगों को जो तुम्हारे पीछे थे, जबकि तुम भूखे और थके हुए थे, और उसने भगवान से नहीं डरा। और ऐसा होगा कि जब प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उस भूमि में तुम्हारे चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दे, जो भूमि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उत्तराधिकार में लेने के लिए देता है, तब तुम अमालेक का नाम आकाश के नीचे से मिटा दोगे, और इसे मत भूलना।

और ऐसा होगा कि यदि तू उस भूमि में प्रवेश करे, जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे विरासत में देता है, और तू उस पर अधिकार कर ले और उसमें निवास करने लगे और तू अपनी पृथ्वी के फलों का पहला फल लेगा, जो प्रभु तेरा देवता तुझे देता है, और तू टोकरी में डालेगा, और तू उस स्थान में जाएगा, जो प्रभु तेरा देवता अपना नाम वहाँ बुलाए जाने के लिए चुनेगा। और तुम उस पुजारी के पास आओगे जो उन दिनों में होगा, और तुम उससे कहोगे, मैं आज प्रभु मेरे परमेश्वर के सामने घोषणा करता हूँ, कि मैं उस भूमि में प्रवेश कर चुका हूँ, जिसे देने की प्रभु ने हमारे पिताओं से शपथ ली थी। और याज्ञक तुम्हारे हाथों से टोकरी लेगा, और उसे तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की वेदी के सामने रखेगा। और उत्तर देते हुए वह तेरे प्रभु परमेश्वर के सामने कहेगा, मेरे पिता ने सीरिया को त्याग दिया, और मिस्र में गया, और वहाँ थोड़ी संख्या में रहा, और वहाँ एक बड़ी जाति और बहुत भीड़ बन गया। और मिस्रवासियों ने हमारे साथ दुर्व्यवहार किया, और हमें अपमानित किया, और हम पर कठोर काम लाद दिए। और हमने अपने प्रभु परमेश्वर की ओर पुकारा, और प्रभु ने हमारी आवाज़ सुनी, और उन्होंने हमारा अपमान देखा, और हमारा परिश्रम देखा, और हमारा उत्पीड़न देखा। और प्रभु हमें मिस्र से बाहर ले गए, स्वयं अपनी महान शक्ति में, और शक्तिशाली हाथ में, और ऊँची भुजा में, और महान दर्शनों में, और चिन्हों में, और चमत्कारों में। और वह हमें इस स्थान में लाया, और हमें यह भूमि दी, यह भूमि जो दूध और शहद से बहती है। और अब देखो, मैं उस पृथ्वी की उपज का पहला फल लाया हूँ, जो तूने मुझे दी है, हे प्रभु, वह भूमि जिसमें दूध और शहद बहता है, और तुम इसे अपने परमेश्वर प्रभु के सामने रखोगे, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने दंडवत करोगे। और तू उन सब अच्छी चीज़ों में आनंदित होगा जो प्रभु तेरे परमेश्वर ने तुझे दी हैं, और तेरा घर, और लेवी, और वह परदेशी जो तेरे बीच में है।

यदि तुम तीसरे वर्ष में अपनी उपज का हर दशमांश देना पूरा कर लो, तो वह दूसरा दशमांश तुम लेवी को और परदेशी को और अनाथ को और विधवा को दोगे, और वे तुम्हारे नगरों में खाएंगे, और वे आनंदित होंगे।

और तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने कहोगे, मैंने अपने घर से पवित्र चीज़ें हटा दी हैं, और मैंने उन्हें लेवी को और परदेशी को और अनाथ को और विधवा को दे दिया है, उन सब आज्ञाओं के अनुसार जो तुमने मुझे दी थीं। मैंने तुम्हारी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया, और न ही मैं भूला हूँ। और मैंने अपने दर्द में उनसे नहीं खाया, मैंने उनसे अशुद्ध के लिए फल नहीं लिया, मैंने उनसे मृतक को नहीं दिया, मैंने प्रभु हमारे परमेश्वर की आवाज़ की आज्ञा मानी, मैंने वैसा ही किया जैसा आपने मुझे आज्ञा दी। अपने पवित्र घर से, स्वर्ग से नीचे देखो, और

अपने लोगों इस्राएल को आशीर्वाद दो, और उस भूमि को भी जो तुमने उन्हें दी है, जैसा तुमने हमारे पिताओं से शपथ ली थी, कि हमें वह भूमि दोगे जिसमें दूध और शहद बहता है।

इस दिन प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें सब विधियों और न्यायों को करने की आज्ञा दी, और तुम उन्हें अपने संपूर्ण हृदय से और अपने संपूर्ण आत्मा से रखोगे और करोगे। तुमने आज परमेश्वर को अपना परमेश्वर होने के लिए चुना है, और उसके सभी मार्गों पर चलने के लिए, और विधियों और न्यायों को मानने के लिए, और उसकी वाणी का पालन करने के लिए। और प्रभु ने आज तुम्हें चुना है कि तुम उसके लिए विशेष लोग बनो, जैसा उसने कहा था, उसकी आज्ञाओं की रक्षा करने के लिए। और तुम सब राष्ट्रों से ऊपर होगे, जैसा उसने तुम्हें प्रसिद्ध और गौरव और महिमामय बनाया, तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए पवित्र लोग होगे, जैसा उसने कहा था।

27

और मूसा और इस्राएल की बुजुर्गों की परिषद ने आदेश दिया, कहते हुए, इन सब आदेशों को मानो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ। और जिस दिन तुम यरदन को पार करके उस भूमि में जाओगे, जो प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें देता है, तुम अपने लिए बड़े पत्थर खड़े करोगे, और तुम उन्हें पलस्तर से पलस्तर करोगे। और तुम इन पत्थरों पर इस नियम के सब शब्दों को लिखोगे, जब तुम यरदन को पार करो, जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो, जो प्रभु तुम्हारे पिताओं का देवता तुम्हें देता है, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है, जिस तरीके से प्रभु तुम्हारे पिताओं के देवता ने तुमसे कहा था। और ऐसा होगा कि जब तुम यरदन को पार करो, तो तुम इन पत्थरों को खड़ा करोगे जिनकी मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ, गैबाल पहाड़ पर, और तुम उन्हें पलस्तर से पलस्तर करोगे। और तू वहाँ अपने परमेश्वर प्रभु के लिए एक वेदी बनाएगा, पत्थरों की वेदी, तू उस पर लोहा नहीं लगाएगा, पूर्ण पत्थरों से तुम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए वेदी बनाओगे, और उस पर अपने प्रभु परमेश्वर के लिए होमबलि चढ़ाओगे। और तू वहाँ मुक्ति का बलिदान चढ़ाएगा, और खाएगा, और तृप्त होगा, और अपने परमेश्वर प्रभु के सामने आनंदित होगा। और तुम इन पत्थरों पर इस सारे कानून को बहुत स्पष्ट रूप से लिखोगे।

और मूसा और लेवी पुजारियों ने सब इस्राएल से कहा, चुप रहो और सुनो, हे इस्राएल, इस दिन तुम प्रभु अपने परमेश्वर के लोग बन गए हो, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु

के स्वर को सुनोगे, और उसके सब आदेशों को मानोगे, और उसकी विधियों को, जितनी मैं आज तुम्हें आदेश देता हूँ।

और मूसा ने उस दिन लोगों को आज्ञा दी, कहते हुए ये यर्दन को पार करके गरिज़ीम पहाड़ पर लोगों को आशीर्वाद देने के लिए खड़े होंगे: शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, यूसुफ, और बिन्यामीन। और ये गैबाल पहाड़ पर शाप के लिए खड़े होंगे: रूबेन, गाद, और आशेर, जबूलून, दान, और नप्ताली।

और लेवी सारे इस्त्राएल को ऊँची आवाज़ में उत्तर देते हुए कहेंगे शापित है वह मनुष्य जो खुदी हुई और ढली हुई मूर्ति बनाएगा, जो प्रभु के लिए घृणित है, कारीगरों के हाथों का काम, और उसे गुप्त स्थान में रखेगा, और सब लोग उत्तर देते हुए कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पिता या अपनी माता का अपमान करता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पड़ोसी की सीमाओं को बदलता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अंधे को रास्ते में भटकाता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो परदेशी, अनाथ और विधवा का न्याय मोड़ देगा, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पिता की स्त्री के साथ सोता है, क्योंकि उसने अपने पिता का आवरण उजागर किया है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो किसी पशु के साथ सोता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पिता या माता की बहन के साथ सोता है। और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपनी बहू के साथ सोता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपनी पत्नी की बहन के साथ सोता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पड़ोसी को छल से मारता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो निर्दोष रक्त की आत्मा को मारने के लिए उपहार लेगा, और सब लोग कहेंगे, ऐसा हो। शापित है वह हर मनुष्य जो इस व्यवस्था के सब वचनों पर बना नहीं रहता उन्हें पूरा करने के लिए, और सब लोग कहेंगे, आमीन।

28

और ऐसा होगा कि यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर की आवाज़ को ध्यान से सुनो, और इन सब आज्ञाओं को मानो और पूरा करो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, तो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें पृथ्वी की सब जातियों से ऊपर रखेगा, और ये सब आशीर्वाद तुझ पर आएंगे और तुझे पाएंगे, यदि तू अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को सुने। धन्य हो तुम नगर में, और धन्य हो तुम

खेत में। धन्य है तुम्हारे गर्भ की संतान, और तुम्हारी पृथ्वी की उपज, और तुम्हारे बैलों के झुंड, और तुम्हारी भेड़ों के रेवड़। धन्य हैं तेरे भंडार और तेरे बच्चे हुए भाग। धन्य हो तुम अपने आने में, और धन्य हो तुम अपने जाने में।

प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे शत्रुओं को जो तुम्हारा विरोध करते हैं, तुम्हारे सामने टूटे हुए सौंप दे। वे एक मार्ग से तुम्हारी ओर निकलेंगे, और सात मार्गों से तुम्हारे सामने से भागेंगे। प्रभु तुम पर आशीर्वाद भेजे, तुम्हारे भण्डार घरों में और उस सब पर जिस पर तुम अपना हाथ रखो, उस पृथ्वी पर जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है। प्रभु तुम्हें अपने लिए एक पवित्र लोग के रूप में उठाएगा, जैसा कि उसने तुम्हारे पिताओं से शपथ खाई थी, यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु की आवाज़ सुनो, और उसके सभी मार्गों में चलो, और पृथ्वी के सब राष्ट्र तुझे देखेंगे, कि प्रभु का नाम तुझ पर पुकारा गया है, और वे तुझसे डरेंगे। और प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे अच्छी चीजों में बढ़ाएगा - तेरे गर्भ के वंशजों में, और तेरे पशुओं के वंशजों में, और तेरी भूमि की उपज में, उस भूमि पर जिसे देने की शपथ प्रभु ने तेरे पितरों से तेरे लिए खाई थी।

प्रभु तुझे अपना अच्छा खजाना, स्वर्ग को खोलेगा, तेरी भूमि पर समय पर वर्षा देने के लिए, तेरे हाथों के सब कार्यों को आशीर्वाद देने के लिए, और तू बहुत राष्ट्रों को उधार देगा, परन्तु तू उधार नहीं लेगा। और तू बहुत राष्ट्रों पर शासन करेगा, परन्तु वे तुझ पर शासन नहीं करेंगे। तेरा प्रभु ईश्वर तुझे सिर बनाएगा, पूँछ नहीं, और तू तब ऊपर होगा, नीचे नहीं होगा, यदि तू अपने प्रभु ईश्वर की आवाज़ सुनेगा, जितनी आज्ञाएँ मैं आज तुझे देता हूँ उन्हें पालन करना। तुम उन सब आदेशों से, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, न तो दाएं और न बाएं मुड़कर, अन्य देवताओं के पीछे जाकर उनकी सेवा करने के लिए उल्लंघन नहीं करोगे।

और ऐसा होगा यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को नहीं सुनो, उसके सब आदेशों को रखने के लिए जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, तो ये सब शाप तुम पर आएंगे और तुम्हें पकड़ लेंगे। शापित हो तुम शहर में, और शापित हो तुम खेत में। शापित हैं तुम्हारे भंडार, और तुम्हारे अवशेष। शापित हैं तुम्हारे गर्भ की संतान, और तुम्हारी पृथ्वी की उपज, तुम्हारे मवेशियों के झुंड, और तुम्हारी भेड़ों के रेवड़। शापित हो तुम अपने प्रवेश करने में, और शापित हो तुम अपने बाहर जाने में।

प्रभु तुम पर कमी और क्षय और नाश भेजेगा, उन सब पर जिन पर तुम अपना हाथ लगाओगे, जब तक वह तुम्हें नष्ट न कर दे, और जब तक वह तुम्हें शीघ्रता से नष्ट न कर दे, तुम्हारे बुरे कर्मों के कारण, क्योंकि तुमने मुझे छोड़ दिया। प्रभु तुममें मृत्यु को चिपका देगा,

जब तक वह तुम्हें उस पृथ्वी से पूरी तरह नष्ट न कर दे, जिसमें तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो उसे विरासत में लेने के लिए। प्रभु तुझे कठिनाई में, और बुखार में, और कंपकंपी में, और सूजन में, और झुलसाहट में, और पीलिया में मारेगा, और वे तुझे तब तक पीछा करेंगे जब तक वे तुझे नष्ट न कर दें। और तुम्हारे सिर के ऊपर का आकाश कांस्य होगा, और तुम्हारे नीचे की भूमि लोहा होगी। तुम्हारा प्रभु ईश्वर तुम्हारी पृथ्वी की वर्षा को धूल बना दे, और स्वर्ग से धूल नीचे आएगी, जब तक वह तुम्हें नष्ट न कर दे, और जब तक वह तुम्हें शीघ्रता से नष्ट न कर दे। प्रभु तुझे तेरे शत्रुओं के सामने पराजित करे, तू एक मार्ग से उनकी ओर निकलेगा, और सात मार्गों से उनके मुख से भागेगा, और तू पृथ्वी के सब राज्यों में बिखराव होगा। और तुम्हारे मृत पक्षियों आकाश के और पशुओं पृथ्वी के भोजन होंगे, और कोई डराने वाला नहीं होगा। प्रभु तुम्हें मिस्री फोड़े से मारेगा, गुदा में, और जंगली खुजली से, और खारिश से, ताकि तुम ठीक न हो सको। प्रभु तुम्हें पागलपन से, अंधेपन से और मन के उन्माद से मारेंगे। और तू दोपहर में टटोलता रहेगा, जैसे कोई अंधा अंधकार में टटोलता है, और तेरे मार्ग समृद्ध नहीं होंगे, और तू तब अन्याय सहता रहेगा, और सब दिन लूटा जाता रहेगा, और कोई सहायता करने वाला नहीं होगा।

तुम पत्नी लोगे, और दूसरा पुरुष उसे रखेगा; तुम घर बनाओगे, और उसमें निवास नहीं करोगे; तुम अंगूर का बाग लगाओगे, और उसे काटोगे नहीं। तुम्हारा बछड़ा तुम्हारे सामने वध किया गया, और तुम उसे नहीं खाओगे, तुम्हारा गधा तुमसे छीन लिया गया, और वह तुम्हें लौटाया नहीं जाएगा, तुम्हारी भेड़ें तुम्हारे शत्रुओं को दे दी गई हैं, और तुम्हें कोई मदद करने वाला नहीं होगा। तुम्हारे पुत्र और तुम्हारी पुत्रियाँ दूसरे राष्ट्र को दे दी गई हैं, और तुम्हारी आँखें उनकी ओर असफल होती हुई देखेंगी, तुम्हारा हाथ प्रबल नहीं होगा। तुम्हारी भूमि की उपज और तुम्हारे सारे परिश्रम को वह राष्ट्र खा जाएगा जिसे तुम नहीं जानते, और तुम सब दिनों तक अन्याय सहते हुए और कुचले हुए रहोगे। और तू अपने नेत्रों के दर्शनों के कारण पागल हो जाएगा, जो तू देखेगा।

प्रभु तुम्हें दुष्ट फोड़े से मारेगा, घुटनों पर और पिंडलियों पर, ताकि तुम तलवे से लेकर सिर के शिखर तक चंगे न हो सको।

प्रभु तुम्हें और तुम्हारे शासकों को, जिन्हें तुम अपने ऊपर नियुक्त करोगे, उस राष्ट्र में ले जाए जिसे न तुम जानते हो और न तुम्हारे पिता जानते थे, और वहाँ तुम लकड़ी और पत्थर के अन्य देवताओं की सेवा करोगे। और तुम वहाँ पहेली, दृष्टान्त और कथा में होंगे उन सब राष्ट्रों में, जहाँ प्रभु तुम्हें ले जाएगा।

तुम मैदान में बहुत बीज ले जाओगे, और थोड़ा अंदर लाओगे, क्योंकि टिट्टी उसे खा जाएगी। अंगूर का बाग तुम लगाओगे और उसमें काम करोगे, परन्तु दाखरस नहीं पीओगे और न ही उससे आनंदित होओगे, क्योंकि कीड़ा उन्हें खा जाएगा। जैतून के पेड़ तुम्हारी सभी सीमाओं में होंगे, और तेल से तुम अभिषेक नहीं करोगे, क्योंकि तुम्हारा जैतून का पेड़ झड़ जाएगा। बेटे और बेटियाँ तुम जन्म दोगे, और वे नहीं रहेंगे, क्योंकि वे कैद में चले जाएंगे। तुम्हारी सभी लकड़ी की चीजें और तुम्हारी भूमि की उपज को जंग नष्ट कर देगा। वह परदेशी जो तुझमें है, ऊपर से ऊपर चढ़ेगा, लेकिन तू नीचे से नीचे उतरेगा। यह तुझे उधार देगा, लेकिन तू इसे उधार नहीं देगा, यह सिर होगा, लेकिन तू पूँछ होगा।

और ये सब शाप तुझ पर आएंगे, और तेरा पीछा करेंगे, और तुझे पकड़ेंगे, जब तक वह तुझे नष्ट न कर दे, और जब तक वह तुझे नष्ट न कर दे, क्योंकि तूने प्रभु अपने परमेश्वर की वाणी नहीं सुनी, और उसके आदेशों और विधियों को नहीं माना जो उसने तुझे दिए थे। और तुझमें संकेत होंगे, और तेरे वंश में आश्चर्य युग के अंत तक होंगे। इसके बदले में कि तूने अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा आनन्द और भले मन से सब वस्तुओं की बहुतायत के कारण नहीं की।

और तू अपने शत्रुओं की सेवा करेगा, जिन्हें प्रभु तुझ पर भेजेगा, भूख में, और प्यास में, और गनगता में, और सब चीजों की कमी में, और वह तेरी गर्दन पर लोहे का जुआ रखेगा, जब तक वह तुझे नष्ट न कर दे। प्रभु तुम पर एक राष्ट्र को दूर से, पृथ्वी के अंत से लाएगा, बाज़ के हमले की तरह, एक ऐसा राष्ट्र जिसकी आवाज़ तुम नहीं सुनोगे। निर्लज्ज राष्ट्र, जो बूढ़े के चेहरे का सम्मान नहीं करेगा और युवा पर दया नहीं करेगा। और वह तुम्हारे पशुओं की संतान और तुम्हारी भूमि की उपज को खा जाएगा, ताकि तुम्हें अनाज, दाखरस, तेल, तुम्हारे बैलों के झुंड और तुम्हारी भेड़ों के झुंड न छोड़े, जब तक वह तुम्हें नष्ट न कर दे। और वह तुम्हें तुम्हारे शहरों में नष्ट कर देगा, जब तक कि वे ऊंची और मजबूत दीवारों नष्ट न हो जाएं, जिन पर तुम भरोसा करते हो, तुम्हारी सारी भूमि में, और वह तुम्हें तुम्हारे उन शहरों में कष्ट देगा, जो तुम्हें दिए गए थे। और तू अपने गर्भ की संतान को खाएगा, अपने पुत्रों और पुत्रियों का मांस, जितने तुझे दिए गए, अपने संकट में और अपने क्लेश में, जो तेरा शत्रु तुझे देगा।

तुममें जो कोमल और अत्यधिक नाजुक व्यक्ति है, वह अपने भाई को, अपनी गोद में रहने वाली पत्नी को, और अपने बच्चे हुए बच्चों को, जो बच्चे रहेंगे, ईर्ष्या की दृष्टि से देखेगा। उसे, ताकि वह अपने बच्चों के मांस में से किसी को भी एक टुकड़ा न दे, जिन्हें वह खाएगा,

क्योंकि तुम्हारे संकट और तुम्हारे क्लेश में उसके पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा, जो तुम्हारे शत्रु तुम्हारे सभी नगरों में तुम्हें देगे।

और वह कोमल और सुकुमार स्त्री जो तुम्हारे बीच में है, जिसके पैर ने कभी पृथ्वी पर चलने का अनुभव नहीं लिया सुकुमारता और कोमलता के कारण, वह अपनी आँखों से ईर्ष्या करेगी अपने पति से जो उसकी गोद में है, और अपने पुत्र और अपनी पुत्री से, और उसकी जेब जो उसकी जाँघों के बीच से निकली है, और उसका बच्चा जिसे वह जन्म देगी, वह उन्हें खा जाएगी क्योंकि सब चीजों की कमी के कारण गुप्त रूप से तेरी संकटता में, और तेरे क्लेश में, जो तेरा शत्रु तुझे तेरे नगरों में देगा। यदि तुम इस कानून के सब शब्दों को, जो इस पुस्तक में लिखे हुए हैं, मानने के लिए नहीं सुनोगे, और इस सम्मानित और अद्भुत नाम से, अर्थात् प्रभु तुम्हारे परमेश्वर से, नहीं डरोगे। और प्रभु तुम्हारे प्रहारों को और तुम्हारे वंश के प्रहारों को विलक्षण बनाएगा, महान और अद्भुत प्रहार, और दुष्ट तथा स्थायी रोग। और वह मिस्र की वह सारी बुरी पीड़ा लौटाएगा, जिससे तुम उनके सामने से बचे थे, और वे तुमसे चिपक जाएंगे। और प्रभु तुम पर हर बीमारी और हर मार को जो नहीं लिखी हुई है, और हर उसे जो इस व्यवस्था की पुस्तक में लिखा हुआ है, लाएगा, जब तक कि वह तुम्हें नष्ट न कर दे। और तुम थोड़ी संख्या में छोड़ दिए जाओगे, जबकि तुम आकाश के तारों की तरह असंख्य थे, क्योंकि तुमने अपने प्रभु परमेश्वर की वाणी नहीं सुनी।

और जैसे प्रभु तुम पर प्रसन्न हुआ तुम्हारा भला करने और तुम्हें बढ़ाने में, उसी प्रकार प्रभु तुम पर प्रसन्न होगा तुम्हें नष्ट करने में, और तुम शीघ्रता से उस पृथ्वी से उखाड़ दिए जाओगे जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो उसे उत्तराधिकार में लेने के लिए। और प्रभु तेरा ईश्वर तुझे पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक सब राष्ट्रों में बिखेर देगा, और तू वहाँ अन्य देवताओं की, लकड़ी और पत्थर की, सेवा करेगा, जिन पर न तूने और न तेरे पिताओं ने विश्वास किया था। लेकिन उन राष्ट्रों में भी तुम्हें विश्राम नहीं मिलेगा, न तुम्हारे पैर के तलवे को ठहराव होगा, और प्रभु तुम्हें वहाँ एक अवज्ञाकारी हृदय देगा, और असफल होते नेत्र, और क्षीण होती आत्मा। और तुम्हारा जीवन तुम्हारी आँखों के सामने लटकता रहेगा, और तुम दिन और रात डरोगे, और तुम अपने जीवन पर विश्वास नहीं करोगे। सुबह तुम कहोगे, कैसे शाम हो जाए, और शाम को तुम कहोगे, कैसे सुबह हो जाए, तुम्हारे हृदय के डर से जिससे तुम डरोगे, और तुम्हारी आँखों के दर्शनों से जो तुम देखोगे। और प्रभु तुम्हें जहाजों में मिस्र वापस ले जाएगा, उस मार्ग से जिसके बारे में मैंने कहा था कि तुम उसे फिर कभी नहीं देखोगे, और वहाँ तुम अपने शत्रुओं को दासों और दासियों के रूप में बेचे जाओगे, और कोई खरीदने वाला नहीं होगा।

ये वाचा के शब्द हैं, जिन्हें प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी कि इस्राएल के पुत्रों के लिए मोआब की भूमि में स्थापित करे, उस वाचा के अतिरिक्त जो उसने उनके साथ होरेब में बनाई थी।

29

और मूसा ने इस्राएल के सब पुत्रों को बुलाया, और उनसे कहा, तुमने सब कुछ देखा है जो प्रभु ने मिस्र की भूमि में तुम्हारे सामने फिरौन और उसके सेवकों और उसकी सारी भूमि के साथ किया, वे महान परीक्षाएँ जिन्हें तुम्हारी आँखों ने देखा है, वे चिन्ह और वे महान आश्चर्य। और प्रभु ईश्वर ने तुम्हें आज के दिन तक जानने के लिए हृदय, देखने के लिए आँखें, और सुनने के लिए कान नहीं दिए। और उसने तुम्हें चालीस वर्ष तक रेगिस्तान में ले जाया, तुम्हारे कपड़े पुराने नहीं हुए, और तुम्हारे जूते तुम्हारे पैरों से नहीं घिसे। रोटी तुमने नहीं खाई, दाखरस और मादक पेय तुमने नहीं पिया, ताकि तुम जान सको कि मैं तुम्हारा प्रभु परमेश्वर हूँ। और तुम इस स्थान तक आए, और हेशबोन का राजा सीहोन और बाशान का राजा ओग युद्ध में हमसे मिलने निकले। और हमने उनको मारा, और हमने उनकी भूमि ली, और मैंने उसे विरासत में रूबेन को, और गाद को, और मनश्शे के आधे कबीले को दिया। और तुम इस वाचा के सब शब्दों को मानने के लिए रखोगे, ताकि तुम सब कुछ समझो जो तुम करोगे।

तुम सब आज अपने प्रभु परमेश्वर के सामने खड़े हो, तुम्हारे जनजातियों के मुख्य लोग, और तुम्हारी बुजुर्गों की परिषद, और तुम्हारे न्यायाधीश, और तुम्हारे अधिकारी, इस्राएल का हर पुरुष, तुम्हारी स्त्रियाँ, और तुम्हारी संतान और वह परदेशी जो तुम्हारे शिविर के बीच में हैं, तुम्हारे लकड़हारे से लेकर तुम्हारे पानी भरने वाले तक, तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की वाचा में और उसके शापों में सम्मिलित होना, जो तेरा परमेश्वर यहोवा आज तेरे साथ स्थापित करता है। ताकि वह तुझे अपने लिए एक लोग के रूप में स्थापित करे, और वह तेरा परमेश्वर होगा, जिस रीति से उसने तुझसे कहा, और जिस रीति से उसने तेरे पितरों इब्राहीम और इसहाक और याकूब से शपथ खाई। और मैं यह वाचा और यह शाप केवल तुम्हारे लिए ही स्थापित नहीं करता हूँ, लेकिन उनके साथ भी जो आज यहाँ तुम्हारे साथ प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के सामने हैं, और उनके साथ भी जो आज यहाँ तुम्हारे साथ नहीं हैं।

क्योंकि तुम जानते हो कि हम मिस्र की भूमि में कैसे बसे, और जैसे हम उन राष्ट्रों के बीच से गुजरे जिनसे तुम गुजरे। और उनकी घृणित वस्तुओं और उनकी मूर्तियों को देखो - लकड़ी और पत्थर, चाँदी और सोना, जो उनके पास हैं। कहीं तुम में कोई पुरुष, या स्त्री, या

कुल, या जनजाति न हो, जिसका मन तुम्हारे प्रभु परमेश्वर से मुड़कर उन राष्ट्रों के देवताओं की सेवा करने को गया हो, कहीं तुम में कोई ऐसी जड़ न हो जो पित्त और कड़वाहट में ऊपर उगती हो, और ऐसा होगा कि अगर वह इस शाप के शब्दों को सुनेगा, और अपने हृदय में अपने आप से कहेगा, मेरे लिए पवित्रता हो, क्योंकि मैं अपने हृदय के भटकाव में चलूंगा, ताकि पापी निष्पाप को नष्ट न करे। परमेश्वर उसके प्रति कृपालु होने की इच्छा नहीं करेगा, बल्कि तब प्रभु का क्रोध और उसका जोश उस मनुष्य में प्रज्वलित होगा, और इस वाचा के सब शाप, जो इस पुस्तक में लिखे गए हैं, उसमें चिपकेंगे, और प्रभु उसका नाम आकाश के नीचे से मिटा देगा। और प्रभु उसे इस्राएल के सभी पुत्रों में से बुराई के लिए अलग करेगा, इस नियम की पुस्तक में लिखे हुए वाचा के सभी शापों के अनुसार।

और दूसरी पीढ़ी, तुम्हारे पुत्र जो तुम्हारे बाद उठेंगे, और वह विदेशी जो दूर देश से आएगा, वे उस पृथ्वी के प्रहार और उसके रोग देखेंगे जो प्रभु ने उस पर भेजे। दिव्य गंधक और नमक से जली हुई, उसकी सारी भूमि न बोई जाएगी, न उगेगी, और न ही उस पर कोई हरियाली उठेगी। जैसे सदोम और अमोरा, अदमा और सबोर्डम उलट दिए गए थे, जिन्हें प्रभु ने क्रोध और कोप में उलट दिया था, और सब राष्ट्र कहेंगे, प्रभु ने इस भूमि के साथ ऐसा क्यों किया? यह महान क्रोध का कोप क्या है? और वे कहेंगे कि उन्होंने अपने पितरों के परमेश्वर प्रभु की वाचा को छोड़ दिया, जो उसने उनके पितरों के साथ बनाई थी, जब वह उन्हें मिस्र की भूमि से निकाल लाया था। और जाकर उन्होंने अन्य देवताओं की सेवा की, जिन्हें वे नहीं जानते थे, और न ही उसने उन्हें बांटा था। और प्रभु उस भूमि पर क्रोध में क्रोधित हुआ, ताकि उस पर वे सब शाप लाए जाएं जो इस व्यवस्था की पुस्तक में लिखे हुए हैं। और प्रभु ने उनको उनकी भूमि से क्रोध और कोप और अत्यधिक महान प्रकोप में हटाया, और उनको दूसरी भूमि में निकाला जैसे अब।

छिपी हुई बातें हमारे प्रभु परमेश्वर की हैं, लेकिन प्रकट बातें हमारे और हमारे बच्चों के लिए सदा तक हैं, ताकि इस व्यवस्था के सभी वचनों का पालन किया जाए। छिपी हुई बातें हमारे प्रभु परमेश्वर की हैं, लेकिन प्रकट बातें हमारे और हमारे बच्चों के लिए सदा के लिए हैं, ताकि इस व्यवस्था के सब वचनों को पूरा करें।

30

और ऐसा होगा कि जब तुम पर ये सब शब्द आएंगे, वह आशीर्वाद और वह शाप, जो मैंने तुम्हारे सामने दिया था; और तुम अपने हृदय में ग्रहण करोगे उन सब जातियों में, जहाँ

प्रभु तुम्हें तितर-बितर करे, और तुम अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौटोगे, और उसकी आवाज़ सुनोगे, उन सब बातों के अनुसार जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ, अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से। और प्रभु तुम्हारे पापों को चंगा करेगा, और तुम पर दया करेगा, और फिर तुम्हें सब राष्ट्रों से इकट्ठा करेगा, जिनमें प्रभु ने तुम्हें वहाँ तितर-बितर किया था। यदि तुम्हारा बिखराव स्वर्ग के एक छोर से दूसरे छोर तक हो, तो वहाँ से प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें इकट्ठा करेगा, और वहाँ से प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें ले लेगा। और तेरा परमेश्वर तुझे वहाँ से उस भूमि में लाएगा जो तेरे पितरों ने विरासत में पाई थी, और तू उसे विरासत में पाएगा, और वह तेरा भला करेगा, और वह तुझे तेरे पितरों से अधिक संख्या में करेगा। और प्रभु तुम्हारे हृदय को और तुम्हारे वंश के हृदय को पूरी तरह से शुद्ध करेगा, ताकि तुम प्रभु अपने परमेश्वर से अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से प्रेम करो, ताकि तुम जीवित रहो।

और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर ये शाप तुम्हारे शत्रुओं पर देगा, और उन पर जो तुमसे घृणा करते हैं, जिन्होंने तुम्हें सताया। और तू लौटोगा और अपने परमेश्वर प्रभु की वाणी सुनेगा, और उसकी आज्ञाओं को मानेगा, जितनी मैं आज तुझे आज्ञा देता हूँ। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद देगा तुम्हारे हाथों के हर काम में, तुम्हारी गर्भ के वंशजों में, तुम्हारे पशुओं के वंशजों में, और तुम्हारी भूमि की उपज में, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम पर अच्छी बातों के लिए आनन्दित होने को लौटोगा, जैसे वह तुम्हारे पितरों पर आनन्दित हुआ था। यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु की वाणी सुनो, उसकी आज्ञाओं को मानो, और उसकी विधियों को, और उसके न्यायों को जो इस व्यवस्था की पुस्तक में लिखे हैं, यदि तुम अपने संपूर्ण हृदय से और अपने संपूर्ण प्राण से अपने परमेश्वर प्रभु की ओर लौटो। क्योंकि यह आज्ञा जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, न तो बहुत कठिन है और न ही तुमसे दूर है। यह स्वर्ग में ऊपर नहीं है, यह कहते हुए कि कौन हमारे लिए स्वर्ग में चढ़ेगा, और हमारे लिए इसे लेगा, और इसे सुनकर हम इसे करेंगे? न ही यह समुद्र के पार है, यह कहते हुए कि कौन हमारे लिए समुद्र के पार जाएगा, और हमारे लिए इसे लाएगा, और हमारे लिए इसे सुनने योग्य बनाएगा, और हम इसे करेंगे? वह वचन तुम्हारे अत्यंत निकट है—तुम्हारे मुख में, तुम्हारे हृदय में, और तुम्हारे हाथों में इसे करने के लिए।

देखो, मैंने आज तुम्हारे सामने जीवन और मृत्यु, अच्छाई और बुराई रखी है। यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को सुनो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, कि अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करो, उसके सब मार्गों पर चलो, और उसकी विधियों और उसके न्यायों को मानो, तो तुम जीवित रहोगे, और बहुत हो जाओगे, और तुम्हारा प्रभु परमेश्वर उस सारी भूमि में तुम्हें आशीष देगा, जिसमें तुम अधिकार करने के लिए प्रवेश कर रहे हो। और अगर तुम्हारा हृदय

हट जाए, और तुम न सुनो, और भटककर तुम अन्य देवताओं की पूजा करो और उनकी सेवा करो, मैं आज तुम्हें घोषणा करता हूँ कि तुम विनाश में नष्ट हो जाओगे, और उस पृथ्वी पर दीर्घायु नहीं होगा, जिसे विरासत में लेने के लिए तुम यर्दन को पार करके वहाँ जा रहे हो।

मैं आज तुम्हें स्वर्ग और पृथ्वी को साक्षी मानकर गवाही देता हूँ, मैंने तुम्हारे सामने जीवन और मृत्यु, आशीर्वाद और शाप रखा है, तुम जीवन को चुनो, ताकि तुम और तुम्हारा वंश जीवित रहे। अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करना, उसकी आवाज़ सुनना, और उससे चिपके रहना, क्योंकि यही तुम्हारा जीवन है और तुम्हारे दिनों की लंबाई है, उस पृथ्वी पर निवास करना जिसे प्रभु ने तुम्हारे पितरों अब्राहम, इसहाक और याकूब को देने की शपथ ली थी।

31

और मूसा ने इस्राएल के सब पुत्रों से ये सब वचन कहना समाप्त किया। और उसने उनसे कहा, मैं आज सौ बीस वर्ष का हूँ, मैं अब प्रवेश करने और बाहर जाने में सक्षम नहीं रहूँगा, और प्रभु ने मुझसे कहा, तुम इस यर्दन को पार नहीं करोगे। प्रभु तुम्हारा परमेश्वर जो तुम्हारे आगे जा रहा है, वही इन जातियों को तुम्हारे सामने से नष्ट कर देगा, और तुम उन पर अधिकार कर लोगे, और यहोशू तुम्हारे आगे जाएगा, जैसा प्रभु ने कहा है। और प्रभु तुम्हारा ईश्वर उनके साथ वैसे ही करेगा जैसे उसने सीहोन और ओग, अमोरियों के दो राजाओं के साथ किया, जो यर्दन के पार थे, और उनकी भूमि के साथ, जैसे उसने उन्हें नष्ट कर दिया था। और प्रभु ने उन्हें तुम्हें सौंप दिया, और तुम उनके साथ वैसे ही करोगे जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी। साहसी और मजबूत बनो, मत डरो, न निराश हो, और न ही उनके सामने भयभीत हो, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर जो तुम्हारे साथ तुममें आगे जा रहा है, वह न तो तुम्हें छोड़ेगा और न ही तुम्हें त्यागेगा। और मूसा ने यहोशू को बुलाया और सब इस्राएल के सामने उससे कहा, साहसी और मजबूत हो, क्योंकि तू इस लोगों के सामने उस भूमि में प्रवेश करेगा जो प्रभु ने तुम्हारे पिताओं को देने की शपथ खाई थी, और तू उनको वह विरासत में देगा। और प्रभु जो तुम्हारे साथ यात्रा करता है, वह तुम्हें नहीं छोड़ेगा, और न ही तुम्हें त्यागेगा, मत डरो, और न कायर बनो।

और मूसा ने इस कानून के शब्दों को पुस्तक में लिखा, और उसे लेवी के पुत्रों अर्थात् उन पुजारियों को दिया जो प्रभु की वाचा के संदूक को उठाते हैं, और इस्राएल के पुत्रों के बुजुर्गों को दिया।

और मूसा ने उस दिन उनको आज्ञा दी, कहते हुए, सात वर्ष के बाद, मुक्ति के वर्ष के समय में, तम्बुओं के पर्व में जब सब इस्राएल तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के सामने दिखाई देने के लिए साथ यात्रा करे, उस स्थान में जो प्रभु चुनेगा, तुम इस व्यवस्था को सब इस्राएल के सामने उनके कानों में पढ़ोगे। लोगों को, पुरुषों को, स्त्रियों को, संतानों को और तुम्हारे नगरों में रहने वाले परदेशी को एकत्रित करके, ताकि वे सुनें और ताकि वे तुम्हारे प्रभु परमेश्वर का भय करना सीखें, और वे इस व्यवस्था के सब वचनों को करना सुनें। और उनके पुत्र जो नहीं जानते, वे सुनें और सीखें कि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु से कैसे डरना है, उन सभी दिनों में जितने वे उस पृथ्वी पर जीते हैं, जिसे विरासत में लेने के लिए तुम यर्दन को वहाँ पार कर रहे हो।

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, तुम्हारी मृत्यु के दिन पास आ गए हैं, यहोशू को बुलाओ, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर खड़े हो जाओ, और मैं उसे आज्ञा दूंगा। और मूसा और यहोशू साक्ष्य के तम्बू में गए, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर खड़े हुए। और प्रभु बादल में नीचे आए, और साक्षी के तम्बू के द्वार के पास खड़े हुए, और बादल का स्तंभ साक्षी के तम्बू के द्वार के पास खड़ा हुआ। और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, तुम अपने पिताओं के साथ सो जाओगे, और उठकर यह लोग उस भूमि के पराए देवताओं के पीछे व्यभिचार करेंगे, जिसमें यह प्रवेश कर रहे हैं, और वे मुझे छोड़ देंगे, और मेरी वाचा को तोड़ देंगे, जो मैंने उनके साथ स्थापित की है। और मैं उस दिन उन पर क्रोध में क्रोधित होऊंगा, और मैं उन्हें छोड़ दूंगा, और मैं अपना मुख उनसे फेर लूंगा, और वह भक्षण का ग्रास हो जाएगा, और अनेक बुराइयां और क्लेश उसे प्राप्त होंगे, और वह उस दिन कहेगा, क्योंकि प्रभु मेरा परमेश्वर मुझ में नहीं है, इसलिए ये बुराइयां मुझे प्राप्त हुईं। मैं उस दिन उनसे अपना मुख मोड़ लूंगा, उन सब बुराइयों के कारण जो उन्होंने कीं, क्योंकि वे पराए देवताओं की ओर मुड़ गए।

और अब इस गीत के शब्दों को लिखो, और इसे इस्राएल के पुत्रों को सिखाओ, और इसे उनके मुँह में डालो, ताकि यह गीत मेरे सामने इस्राएल के पुत्रों में गवाही देता हुआ हो जाए। क्योंकि मैं उनको उस अच्छी भूमि में लाऊंगा जिसके बारे में मैंने उनके पिताओं से शपथ खाई थी कि उनको वह भूमि दूंगा जो दूध और शहद से बहती है, और वे खाएंगे, और भर जाने पर वे तृप्त होंगे, और वे विदेशी देवताओं की ओर मुड़ेंगे, और उनकी सेवा करेंगे, और वे मुझे क्रोधित करेंगे, और वे मेरी वाचा को तोड़ेंगे। और यह गीत उनके सामने साक्षी देते हुए प्रतिस्थापित किया जाएगा, क्योंकि यह उनके मुख से और उनके वंश के मुख से नहीं भुलाया जाएगा, क्योंकि मैं उनकी दुष्टता को जानता हूँ, जो वे आज यहाँ करते हैं, इससे पहले कि मैं उनको उस अच्छी भूमि में लाऊँ, जिसकी शपथ मैंने उनके पितरों को खाई थी।

और मूसा ने उस दिन यह गीत लिखा, और इस्राएल के पुत्रों को इसे सिखाया। और यहोशू को आज्ञा दी, और कहा, साहसी और बलवान हो, क्योंकि तू इस्राएल के पुत्रों को उस भूमि में ले जाएगा, जिसकी शपथ प्रभु ने उनसे खाई थी, और वह तेरे साथ होगा।

जब मूसा ने इस कानून के सभी शब्दों को पुस्तक में अंत तक लिखना पूरा किया, और उसने लेवियों को, जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाते हैं, आज्ञा दी, कहते हुए, इस कानून की पुस्तक को लेकर, इसे अपने परमेश्वर प्रभु की वाचा के सन्दूक की बगल में रखोगे, और वह वहाँ तुम्हारे लिए गवाही के रूप में होगी। क्योंकि मैं तुम्हारा उकसावा जानता हूँ, और तुम्हारी कठोर गर्दन को भी, क्योंकि अभी भी जब मैं आज तुम्हारे साथ जीवित हूँ, तुम परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करते रहे हो, तो मेरी मृत्यु के बाद कैसे नहीं करोगे? अपने जनजाति नेताओं, अपने बुजुर्गों, अपने न्यायाधीशों और अपने अधिकारियों को मेरे पास एकत्र करो, ताकि मैं उनके कानों में ये सब शब्द बोलूँ, और मैं उन्हें स्वर्ग और पृथ्वी की गवाही दूँ। मैं जानता हूँ कि मेरी मृत्यु के बाद तुम अधर्म से अधर्म करोगे, और उस मार्ग से मुड़ जाओगे जिसकी मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी, और अंतिम दिनों में तुम्हें बुराइयाँ मिलेंगी, क्योंकि तुम प्रभु के सामने बुरा करोगे और अपने हाथों के कामों से उसे क्रोधित करोगे।

और मूसा ने सारी सभा के कानों में इस गीत के शब्द अंत तक बोले।

32

हे स्वर्ग, ध्यान दो और मैं बोलूंगा, और पृथ्वी मेरे मुख के शब्द सुने। मेरा कथन वर्षा के समान प्रतीक्षित हो, और मेरे शब्द ओस के समान अवतरित हों, जैसे घास पर वर्षा, और जैसे घास पर हिमपात। क्योंकि मैंने प्रभु के नाम को पुकारा, हमारे परमेश्वर को महानता दो। परमेश्वर, उसके कार्य सत्य हैं, और उसके सब मार्ग न्याय हैं, परमेश्वर विश्वासयोग्य है, और कोई अन्याय नहीं है, प्रभु धर्मी और पवित्र है। उन्होंने पाप किया, वे उसके बच्चे नहीं हैं, निंदनीय हैं, टेढ़ी और भ्रष्ट पीढ़ी। क्या ये चीजें तुम प्रभु को चुकाते हो? क्या इस प्रकार के लोग मूर्ख हैं और बुद्धिमान नहीं? क्या वह तुम्हारा पिता नहीं है जिसने तुम्हें अर्जित किया और तुम्हें बनाया और तुम्हें रचा? प्राचीन युग के दिनों को याद करो, पीढ़ी-दर-पीढ़ी के वर्षों को समझो। अपने पिता से पूछो और वह तुम्हें बताएगा, अपने बुजुर्गों से पूछो और वे तुम्हें बताएंगे।

जब परम उच्च ने राष्ट्रों को विभाजित किया, जैसे आदम के पुत्रों को बिखेरा, तो उसने राष्ट्रों की सीमाएं परमेश्वर के दूतों की संख्या के अनुसार स्थापित कीं। और प्रभु का भाग उसके लोग याकूब हुए, उसकी विरासत का नापा हुआ हिस्सा इस्राएल है। उसने उसे जंगल में बनाए रखा, जलती गर्मी की प्यास में, जलहीन भूमि में, उसने उसे घेरा और उसे अनुशासित किया, और उसे संरक्षित किया, जैसे आँख की पुतली को। जैसे चील अपने घोंसले को ढकती है, और अपने बच्चों के ऊपर लालायित होती है, अपने पंख फैलाकर उसने उनको स्वीकार किया, और उनको अपनी पीठ पर उठाया। प्रभु अकेले उन्हें ले जा रहे थे, उनके साथ कोई विदेशी देवता नहीं था। उसने उन्हें पृथ्वी की शक्ति पर चढ़ाया, उसने उन्हें खेतों की उपज खिलाई, उन्होंने चट्टान से शहद चूसा, और ठोस चट्टान से तेल। बैलों का मक्खन, और भेड़ों का दुध, मेमनों और मेढ़ों की चर्बी के साथ, सांडों के पुत्रों और बकरों के साथ, गेहूँ के गुदों की चर्बी के साथ, और अंगूर का खून - उसने दाखरस पिया। और याकूब ने खाया और भर गया, और प्रिय ने लात मारी, वह मोटा हुआ, मोटा हुआ, चौड़ा हुआ, और उसने परमेश्वर को त्याग दिया जिसने उसे बनाया, और वह अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर से दूर हो गया।

उन्होंने मुझे विदेशी देवताओं से उकसाया, उनके घृणित कर्मों से उन्होंने मुझे क्रोधित किया। उन्होंने दुष्टात्माओं को बलिदान किया, और परमेश्वर को नहीं, उन देवताओं को जिनको वे नहीं जानते थे, जो नए और हाल के आए हैं, जिनको उनके पिता नहीं जानते थे। परमेश्वर को, जिसने तुम्हें उत्पन्न किया, तुमने त्याग दिया, और तुमने उस परमेश्वर को भुला दिया जो तुम्हारा पालन-पोषण करता है।

और प्रभु ने देखा, और ईर्ष्या की, और अपने पुत्रों और पुत्रियों के क्रोध के कारण क्रोधित हुआ। और उसने कहा, मैं अपना चेहरा उनसे फेर लूंगा, और दिखाऊंगा कि अंतिम दिनों में उनका क्या होगा, क्योंकि यह एक विकृत पीढ़ी है, ऐसे पुत्र जिनमें विश्वास नहीं है।

उन्होंने मुझे ऐसे पर ईर्ष्या के लिए उकसाया जो ईश्वर नहीं है, उन्होंने मुझे अपनी मूर्तियों से क्रोधित किया, और मैं उन्हें ऐसे पर ईर्ष्या के लिए उकसाऊंगा जो राष्ट्र नहीं है, एक मूर्ख राष्ट्र पर मैं उन्हें क्रोधित करूंगा। क्योंकि मेरे क्रोध से आग प्रज्वलित हो गई है, यह नीचे अधोलोक तक जलेगी, यह भूमि और उसकी उपज को भक्षण करेगी, यह पहाड़ों की नींव को प्रज्वलित करेगी। मैं उन पर बुराइयाँ इकट्ठा करूंगा, और अपने तीर उन पर लड़ने में खर्च करूंगा। अकाल से नष्ट होते हुए और पक्षियों द्वारा खाए जाने से, और असाध्य पीठ खिंचाव से, मैं उनके विरुद्ध जंगली जानवरों के दांत भेजूंगा, क्रोध के साथ भूमि पर घसीटने वालों

के। बाहर से तलवार उन्हें निःसंतान कर देगी, और भंडारघरों से भय, युवा पुरुष कुंवारी के साथ, दूध पीता बच्चा बूढ़े के साथ। मैंने कहा, मैं उन्हें तितर-बितर कर दूंगा, और मनुष्यों में से उनका स्मारक मिटा दूंगा। यदि शत्रुओं के क्रोध के कारण नहीं होता, ताकि वे लम्बा न करें, ताकि विरोधी मिलकर आक्रमण न करें, और वे यह न कहें कि हमारा हाथ ऊँचा है, और प्रभु ने नहीं, बल्कि हमने यह सब किया।

राष्ट्र ने परामर्श खो दिया है, और उनमें ज्ञान नहीं है। उन्होंने समझने का प्रयास नहीं किया, आने वाले समय में इन बातों को स्वीकार करें। कैसे एक हजार का पीछा करेगा, और दो दस हजार को हटाएंगे, यदि परमेश्वर ने उनको नहीं बेचा, और प्रभु ने उनको नहीं सौंपा? क्योंकि उनके देवता हमारे ईश्वर जैसे नहीं हैं, लेकिन हमारे शत्रु मूर्ख हैं। क्योंकि उनकी अंगूर की बेल सदोम की अंगूर की बेल से है, और उनकी शाखा गमोरा से है, उनका अंगूर पित्त का अंगूर है, कड़वाहट का गुच्छा उनके लिए है। उनकी दाखरस अजगरों का क्रोध है, और नागों का असाध्य क्रोध। क्या ये चीजें मेरे पास एकत्रित नहीं की गई हैं, और मेरे खजानों में मुहरबंद नहीं की गई हैं? प्रतिशोध के दिन मैं चुकाऊंगा, जब उनका पैर लड़खड़ाएगा, क्योंकि विनाश का दिन उनके निकट है, और जो तैयार है वह तुम्हारे लिए उपस्थित है। क्योंकि प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा, और अपने दासों पर दया करेगा, क्योंकि उसने उनको कमजोर देखा, और वे थके हुए और निढाल हो गए थे। और प्रभु ने कहा, कहाँ हैं उनके देवता, जिन पर उन्होंने विश्वास किया था? जिनके बलिदानों की चर्बीं तुम खाते थे, और जिनके अधों का दाखमधु तुम पीते थे; वे उठें और तुम्हारी सहायता करें और तुम्हारे रक्षक बनें। देखो देखो कि मैं हूँ, और मेरे सिवाय कोई देवता नहीं है, मैं मार डालता हूँ और जिलाता हूँ, मैं घायल करता हूँ और मैं चंगा करता हूँ, और कोई नहीं है जो मेरे हाथों से छुड़ाए। क्योंकि मैं अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाऊंगा, और अपने दाहिने हाथ की शपथ लूंगा, और कहूंगा, मैं सदा के लिए जीवित हूँ, क्योंकि मैं अपनी तलवार को बिजली की तरह तेज करूंगा, और मेरा हाथ न्याय को पकड़ेगा, और मैं शत्रुओं को दंड लौटाऊंगा, और जो मुझसे घृणा करते हैं उन्हें मैं बदला दूंगा। मैं अपने तीरों को खून से मतवाला करूंगा, और मेरी तलवार घायलों के खून से तथा शत्रु शासकों के सिर की बंदी से मांस खाएगी।

हे स्वर्गों, उसके साथ आनन्दित हो, और परमेश्वर के सब दूत उसको नमन करें, हे राष्ट्रो, उसके लोगों के साथ आनन्दित हो, और परमेश्वर के सब पुत्र उसमें बलवान हों, क्योंकि उसके पुत्रों के रक्त का बदला लिया जाता है, और वह बदला लेगा और शत्रुओं को दण्ड देगा, और घृणा करने वालों को बदला देगा, और प्रभु अपने लोगों की भूमि को शुद्ध करेगा।

और मूसा ने उस दिन यह गीत लिखा और इसे इस्राएल के पुत्रों को सिखाया, और मूसा ने प्रवेश किया और इस व्यवस्था के सब वचन लोगों के कानों में सुनाए, वह स्वयं और नून का पुत्र यहोशू। और मूसा ने सब इस्राएल से बोलना पूर्ण किया। और उन्होंने उनसे कहा, इन सब शब्दों पर हृदय से ध्यान दो, जिनकी मैं आज तुम्हें गवाही देता हूँ, जिनकी आज्ञा तुम अपने पुत्रों को दोगे, कि इस व्यवस्था के सब शब्दों की रक्षा करें और उनका पालन करें। क्योंकि यह वचन तुम्हारे लिए खाली नहीं है, क्योंकि यह तुम्हारा जीवन है, और इस वचन के कारण तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु होगे, जिसमें तुम यर्दन पार करके वहाँ विरासत में लेने जा रहे हो। और प्रभु ने इस दिन मूसा से कहा, अबारीम पहाड़ पर चढ़ जाओ, यह नाबारु पहाड़ है जो मोआब की भूमि में यरीहो के सामने है, और कनान की भूमि को देखो, जो मैं इस्राएल के पुत्रों को देता हूँ। और उस पहाड़ पर मरो जिस पर तुम वहाँ चढ़ते हो, और अपने लोगों से जुड़ जाओ, जिस तरह से तुम्हारा भाई हारुन होर पहाड़ पर मरा, और अपने लोगों से जुड़ गया। क्योंकि तुमने इस्राएल के पुत्रों के बीच कादेश में, सीन के जंगल में, विवाद के जल पर मेरे वचन की अवज्ञा की, इसलिए कि तुमने इस्राएल के पुत्रों के बीच मुझे पवित्र नहीं किया। तुम सामने उस भूमि को देखोगे, और वहाँ प्रवेश नहीं करोगे।

33

और यह वह आशीर्वाद था जो मूसा, परमेश्वर के मनुष्य ने, इस्राएल के पुत्रों को अपनी मृत्यु से पहले दिया। और उसने कहा, प्रभु सीनै से आया है, और सेईर से हमारे सामने प्रकट हुआ, और फारान पर्वत से शीघ्रता की, कादेश की असंख्य सेना के साथ, उसके दाहिने ओर से उसके दूत उसके साथ हैं। और उसने अपने लोगों को बख्शा, और सभी जो तुम्हारे हाथों द्वारा पवित्र किए गए हैं, और ये तुम्हारे अधीन हैं, और उसने उसके शब्दों को स्वीकार किया वह कानून जो मूसा ने हमें आदेश दिया, याकूब की सभाओं के लिए विरासत है। और प्रिय में शासक होगा, जब लोगों के शासक इस्राएल के कुलों के साथ एकत्रित किए जाएंगे। रुबेन जीवित रहे और न मरे, और संख्या में बहुत हो।

और यह यहूदा है, हे प्रभु, यहूदा की आवाज़ सुनो, और तुम उसके लोगों में आओ। उसके हाथ उसके लिए न्याय करेंगे, और तुम शत्रुओं से सहायक होगे।

और लेवी से कहा, लेवी को उसके स्पष्ट चिन्ह दो, और उसका सत्य उस पवित्र पुरुष को दो, जिसको उन्होंने परीक्षा में परखा, जिसकी उन्होंने विवाद के जल पर निन्दा की। जो अपने पिता और माता से कहता है, मैंने तुझे नहीं देखा, और जिसने अपने भाइयों को नहीं

पहचाना, और अपने पुत्रों को त्याग दिया, उसने तेरे वचनों को रखा, और तेरी वाचा का पालन किया। वे याकूब को तुम्हारे विधियों की घोषणा करेंगे और इस्राएल को तुम्हारा कानून सिखाएंगे, वे तुम्हारे क्रोध में निरंतर तुम्हारी वेदी पर धूप चढ़ाएंगे। हे प्रभु, उसकी शक्ति को आशीर्वाद दो और उसके हाथों के कार्यों को स्वीकार करो। उन शत्रुओं की कमर को चकनाचूर कर दो जो उसके विरुद्ध उठ खड़े हुए हैं, और जो उससे घृणा करते हैं वे न उठें। और बेंजामिन को कहा गया, प्रभु का प्रिय विश्वास करते हुए निवास करेगा, और परमेश्वर सब दिन उस पर छाया करता है, और उसके कंधों के बीच उसने विश्राम दिया।

और यूसुफ को उसने कहा, प्रभु के आशीर्वाद से उसकी भूमि हो, स्वर्ग की ऋतुओं से और ओस से, और नीचे से गहराइयों के झरनों से, और उपज के समय के अनुसार, सूर्य के मार्गों के अनुसार, और महीनों के संयोजनों से, पहाड़ों के शिखर से आरंभ, और सदा बहने वाली पहाड़ियों के शिखर से, और पृथ्वी की परिपूर्णता की घड़ी के अनुसार, और जो झाड़ी में दिखाई दिए, उनको स्वीकार्य आशीर्वाद यूसुफ के सिर पर आएँ, और उनके भाइयों के बीच महिमामंडित किए गए के शिखर पर। पहलौठे बैल की सुंदरता उसकी है, एक सींग वाले के सींग उसके सींग हैं, उनसे वह राष्ट्रों को एक साथ भेदेगा, पृथ्वी के छोर तक, ये एप्रैम के दस हजार हैं, और ये मनश्शे के हजार हैं। और ज़बूलून से कहा, हे ज़बूलून, तुम अपने प्रस्थान में आनंदित हो, और इस्साकार अपने तंबुओं में। राष्ट्र नष्ट कर देंगे, और तुम वहाँ पुकारोगे, और तुम वहाँ न्याय का बलिदान चढ़ाओगे, क्योंकि समुद्र का धन तुम्हें पोषण देगा, और तटवर्ती निवासियों का व्यापार भी।

और गाद से कहा, धन्य है वह जो गाद को विस्तृत करता है; वह सिंह के समान विश्राम करता है, भुजा और शासक को कुचलकर। और उसने अपना पहला फल देखा, क्योंकि वहाँ शासकों की भूमि विभाजित की गई थी, जो लोगों के नेताओं के साथ एकत्रित हुए थे। प्रभु ने धार्मिकता को पूरा किया, और इस्राएल के साथ अपना न्याय किया।

और दान से कहा, दान सिंह का शावक है, और बाशान से कूदेगा। और नफताली से कहा, नफताली स्वीकार्य चीजों की परिपूर्णता है, और प्रभु से आशीर्वाद से भरा जाए, समुद्र और दक्षिण को विरासत में पाएगा। और आशेर को कहा गया, आशेर बच्चों से धन्य है, और वह अपने भाइयों को स्वीकार्य होगा, वह अपने पैर को तेल में डुबोएगा। लोहा और कांसा उसका जूता होगा, जैसे तुम्हारे दिन, वैसी तुम्हारी ताकत।

प्रिय के देवता के समान कोई नहीं है, जो स्वर्ग पर पदार्पण करते हुए तुम्हारा सहायक है, और आकाश का भव्य है। और परमेश्वर का आरंभ तुझे ढकेगा, और शाश्वत भुजाओं की शक्ति द्वारा, और वह तेरे चेहरे से शत्रु को निकालेगा, कहता हुआ, नष्ट हो जाओ। और इस्राएल विश्वास करते हुए निवास करेगा, याकूब की पृथ्वी पर अकेला, अनाज और दाखरस पर, और स्वर्ग तुम्हें ओस से बादलयुक्त होगा। धन्य है तू इस्राएल, कौन है तेरे समान, ऐसे लोग जो प्रभु द्वारा बचाए जाते हैं? तेरा सहायक तेरी रक्षा करेगा, और तलवार तेरा घमंड है, और तेरे शत्रु तुझसे झूठ बोलेंगे, और तू उनकी गर्दन पर चढ़ेगा।

34

और मूसा अराबोथ मोआब से नाबाऊ पहाड़ पर, फासगा की चोटी पर गया, जो यरीहो के सामने है, और प्रभु ने उसको गिलाद से दान तक सारी भूमि दिखाई। और नप्ताली की सारी भूमि, और एप्रैम की सारी भूमि, और मनश्शे, और यहूदा की सारी भूमि अंतिम समुद्र तक, और रेगिस्तान, और यरीहो के आसपास के क्षेत्र, खजूर के पेड़ों का शहर, सोअर तक। और प्रभु ने मूसा से कहा, यह वह भूमि है जिसकी मैंने अब्राहम और इसहाक और याकूब से शपथ खाई थी, यह कहते हुए कि मैं इसे तुम्हारे वंश को दूंगा, और मैंने इसे तुम्हारी आँखों को दिखाया है, परन्तु तुम वहाँ प्रवेश नहीं करोगे।

और मूसा, जो प्रभु के सेवक थे, मोआब की भूमि में प्रभु के वचन के द्वारा मृत्यु को प्राप्त हुए। और उन्होंने उसे गै में फोगोर के घर के निकट दफनाया, और आज के दिन तक किसी ने भी उसका दफन नहीं देखा। Moses सौ बीस वर्ष के थे जब वे मरे, उनकी आँखें धुंधली नहीं हुई थीं, और न ही उनके कछुए नष्ट हुए थे।

और इस्राएल के पुत्रों ने मोआब के अराबोथ में, यर्दन के पास, यरीहो के सामने, मूसा के लिए तीस दिन रोए, और मूसा के शोक और विलाप के दिन पूर्ण हुए। और यहोशू, जो नून का पुत्र था, समझ की आत्मा से भर गया था, क्योंकि मूसा ने अपने हाथ उस पर रखे थे, और इस्राएल के पुत्रों ने उसकी सुनी, और उन्होंने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और इस्राएल में फिर कभी मूसा जैसा भविष्यवक्ता नहीं उठा, जिसे प्रभु ने आम्ने-सामने जाना। सब चिह्नों और आश्चर्यों में, जिन्हें प्रभु ने उसे मिस्र की भूमि में फिरौन के पास,

और उसके सेवकों के पास, और उसकी सारी भूमि में करने के लिए भेजा था, वे महान चमत्कार और वह शक्तिशाली हाथ, जो मूसा ने समस्त इस्राएल के सामने किया।

यहोशू

1

और ऐसा हुआ कि मूसा की मृत्यु के बाद, प्रभु ने मूसा के सहायक, नून के पुत्र यहोशू से कहा, मूसा मेरा सहायक मर गया है। अब इसलिए उठकर, तुम और ये सब लोग जॉर्डन को पार करो उस भूमि में, जो मैं उनको देता हूँ। हर वह स्थान जिस पर तुम अपने पैरों के तलवे से पैर रखोगे, मैं तुम्हें दूंगा, जिस तरह मैंने मूसा से कहा था। वह रेगिस्तान और एंटी लेबनान, महान नदी यूफ्रेट्स तक, और सूर्यास्त की ओर सबसे दूर के समुद्र तक, तुम्हारी सीमाएं होंगी। तुम्हारे जीवन के सभी दिनों में कोई मनुष्य तुम्हारे सामने नहीं खड़ा होगा, और जैसे मैं मूसा के साथ था, वैसे ही मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, और मैं तुम्हें न त्यागूंगा और न तुम्हें छोड़ूंगा। मजबूत और साहसी बनो, क्योंकि तुम इन लोगों को वह भूमि बाँटोगे, जिसे मैंने तुम्हारे पूर्वजों को देने की शपथ खाई थी। इसलिए मजबूत और साहसी बनो, उसे रखने और करने के लिए जैसा मेरे सेवक मूसा ने तुम्हें आदेश दिया था, और तुम उससे न दाहिने मुड़ना और न बाएं, ताकि जो कुछ भी तुम करो उसमें तुम समृद्ध हो। और यह व्यवस्था की पुस्तक तुम्हारे मुख से अलग नहीं होगी, और तुम इसमें दिन और रात ध्यान करोगे, ताकि तुम सब लिखी हुई बातों को करना जान सको, तब तुम समृद्ध होगे, और अपने मार्गों को समृद्ध करोगे, और तब तुम समझोगे। देखो, मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मजबूत और साहसी बनो, भयभीत मत हो और न डरो, क्योंकि तुम्हारे प्रभु परमेश्वर तुम्हारे साथ हैं, जहाँ कहीं भी तुम जाओ। और यहोशू ने लोगों के लिपिकों को आज्ञा दी, कहते हुए, शिविर के मध्य में लोगों के बीच प्रवेश करो, और लोगों को आदेश दो, यह कहते हुए, रसद तैयार करो, क्योंकि अभी तीन दिन हैं और तुम इस यर्डन को पार करोगे, प्रवेश करके उस भूमि को अधिकार में लेने के लिए, जो प्रभु, तुम्हारे पिताओं का परमेश्वर, तुम्हें देता है।

और यहोशू ने रुबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्र से कहा, याद करो वह वचन जो मूसा, प्रभु के सेवक ने, तुम्हें आज्ञा दी थी, कहते हुए, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें विश्राम दिया है, और तुम्हें यह भूमि दी है। तुम्हारी स्त्रियाँ और तुम्हारे बच्चे और तुम्हारे पशु उस भूमि में निवास करें जो तुम्हें दी गई, लेकिन तुम सुसज्जित होकर अपने भाइयों से पहले पार करोगे, सब बलवान, और तुम उनकी सहायता करोगे। जब तक प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हारे भाइयों को विश्राम न दे दे, जैसे तुम्हें भी दिया है, और वे भी उस भूमि का अधिकार प्राप्त कर लें, जो प्रभु हमारा परमेश्वर उन्हें देता है, तब तुम में से प्रत्येक अपनी उस विरासत की ओर लौट

जाएगा, जो मूसा ने तुम्हें यर्डन के पार पूर्व दिशा में दी थी। और यहोशू को उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, जितना भी तू हमें आज्ञा देगा, हम सब करेंगे, और जिस किसी स्थान पर तू हमें भेजेगा, हम जाएंगे। जितना सब हमने मूसा का सुना है, उसके अनुसार हम तुम्हारा भी सुनेंगे, बशर्ते कि प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हारे साथ हो, जैसे वह मूसा के साथ था। वह आदमी जो तुम्हारी अवज्ञा करे, और जो कोई तुम्हारे शब्दों को न सुने जैसे कि यदि तुम उसे आदेश दो, वह मरे, लेकिन तुम मजबूत और साहसी बनो।

2

और यहोशू, जो नून का पुत्र था, ने शितीम से दो युवा पुरुषों को जासूसी करने के लिए भेजा और कहा, जाओ और भूमि तथा यरीहो को देखो। और वे दो युवा पुरुष जाकर यरीहो में प्रवेश किए और एक वेश्या स्त्री के घर में गए, जिसका नाम राहाब था, और वहाँ ठहरे।

और यरीहो के राजा को यह रिपोर्ट किया गया, कहते हुए कि इस्राएल के पुत्रों में से पुरुष भूमि की जासूसी करने के लिए यहाँ प्रवेश किए हैं। और यरीहो के राजा ने भेजा और राहाब से कहा, उन पुरुषों को बाहर निकाल जो तेरे घर में रात को प्रवेश किए हैं, क्योंकि वे भूमि की जासूसी करने आए हैं। और महिला ने दो पुरुषों को लेकर उनको छिपाया, और उनसे कहा, पुरुष मेरे पास आए हैं, जैसे ही द्वार अंधेरे में बंद हो रहा था और वे पुरुष बाहर चले गए, मैं नहीं जानता कि वे कहाँ गए हैं। उनका पीछा करो, शायद तुम उन्हें पकड़ लो। लेकिन यह उनको छत पर ले गई, और उनको सन के भूसे में छिपाया जो छत पर ढेर लगाया गया था। और पुरुषों ने यर्डन के घाटों की ओर जाने वाले मार्ग पर उनका पीछा किया, और फाटक बंद कर दिया गया।

और ऐसा हुआ कि जब पीछा करने वाले उनके पीछे निकल गए, और इससे पहले कि वे सो जाते, वह उनके पास छत पर चढ़ गई। और उसने उनसे कहा, मैं जानता हूँ कि प्रभु ने तुम्हें यह भूमि दी है, क्योंकि तुम्हारा भय हम पर गिर गया है। हमने सुना है कि प्रभु देव ने तुम्हारे सामने से लाल समुद्र को सुखा दिया था, जब तुम मिस्र की भूमि से निकले थे, और उन्होंने एमोरियों के दो राजाओं सीहोन और ओग के साथ क्या किया, जो यर्डन के पार थे, जिनको तुमने नष्ट कर दिया था। और यह सुनकर हमारे हृदय चकित हो गए, और तुम्हारे मुख के कारण हममें से किसी में भी अब आत्मा नहीं रही, क्योंकि प्रभु तुम्हारे देवता, ऊपर स्वर्ग में और नीचे पृथ्वी पर देवता हैं। और अब मुझे प्रभु परमेश्वर की शपथ दो, कि जैसे मैं तुम पर

दया करता हूँ, वैसे ही तुम भी मेरे पिता के घर पर दया करो, और मेरे पिता के घर को जीवित बचाओ, मेरी माता को, और मेरे भाइयों को, और मेरे पूरे घर को, और जो कुछ भी उनके पास है, और मेरी आत्मा को मृत्यु से छुड़ाओगे।

और उन पुरुषों ने उससे कहा, हमारा प्राण तुम्हारे बदले मृत्यु में जाए, और उसने कहा, जब प्रभु तुम्हें वह नगर सौंप दे, तो तुम मुझ पर दया और सत्य दिखाना। और उसने उन्हें खिड़की के माध्यम से नीचे उतारा। और उसने उनसे कहा, पहाड़ी इलाके में चले जाओ, ताकि पीछा करने वाले तुमसे न मिलें, और वहाँ तीन दिन तक छिपे रहो जब तक पीछा करने वाले तुम्हारे पीछे से लौट न जाएँ, और इसके बाद तुम अपने रास्ते पर चले जाना।

और उन पुरुषों ने उससे कहा, हम तुम्हारी इस शपथ से निर्दोष हैं। देखो, हम नगर के एक भाग में प्रवेश कर रहे हैं, और तू यह चिह्न रखेगी, इस लाल रस्सी को तू उस खिड़की में लटकाएगी जिससे तूने हमें उतारा था, और अपने पिता, अपनी माता, अपने भाइयों और अपने पिता के सारे घर को तू अपने घर में अपने पास इकट्ठा करेगी। और ऐसा होगा कि जो कोई भी तुम्हारे घर के द्वार से बाहर निकलेगा, वह स्वयं दोषी होगा, लेकिन हम तुम्हारी इस शपथ से निर्दोष होंगे, और जितने भी तुम्हारे साथ तुम्हारे घर में होंगे, हम दोषी होंगे। यदि कोई हमें गलत करेगा या हमारे इन शब्दों को प्रकट करेगा, तो हम तुम्हारी इस शपथ से निर्दोष होंगे। और उसने उनसे कहा, तुम्हारे शब्द के अनुसार ऐसा हो, और उसने उन्हें भेज दिया, और वे चले गए। और वे पहाड़ी देश में आए, और वहाँ तीन दिन रहे, और पीछा करने वालों ने सब रास्ते खोजे, परन्तु उन्हें नहीं पाया।

और वे दो युवा पुरुष लौटे, और पहाड़ से नीचे आए, और यहोशू नून के पुत्र के पास गए, और उन्होंने उसे वे सब घटनाएँ सुनाई जो उनके साथ घटी थीं। और उन्होंने यहोशू से कहा कि प्रभु ने सारी भूमि हमारे हाथ में सौंप दी है, और उस भूमि में निवास करने वाले सब लोग हमसे भयभीत हो गए हैं।

3

और यहोशू सुबह सवेरे उठा, और शित्तीम से प्रस्थान किया, और वे यर्दन तक आए, और पार करने से पहले वहाँ ठहरे। और ऐसा हुआ कि तीन दिन के बाद शास्त्री शिविर के बीच से होकर गए और उन्होंने लोगों को आज्ञा दी, यह कहते हुए, जब तुम हमारे प्रभु परमेश्वर की वाचा के सन्दूक को और हमारे याजकों और लेवियों को उसे उठाते हुए देखो, तो

तुम अपने स्थानों से प्रस्थान करो और उसके पीछे चलो। लेकिन तुम्हारे और उसके बीच दूरी होनी चाहिए, जितनी दो हजार हाथ, तुम खड़े रहोगे, इसके पास मत आना, ताकि तुम उस रास्ते को जान सको जिस पर तुम चलोगे, क्योंकि तुमने यह रास्ता कल और परसों से नहीं लिया है।

और यहोशू ने लोगों से कहा, कल के लिए स्वयं को शुद्ध करो, क्योंकि कल प्रभु तुम्हारे बीच अद्भुत कार्य करेंगे। और यहोशू ने याजकों से कहा, प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाओ, और लोगों के आगे चलो। और याजकों ने प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाया, और लोगों के आगे चले। और प्रभु ने यहोशू से कहा, इस दिन मैं तुम्हें सब इस्राएल के पुत्रों के सामने ऊँचा करना आरंभ करता हूँ, ताकि वे जानें कि जैसे मैं मूसा के साथ था, वैसे ही मैं तुम्हारे साथ भी रहूँगा। और अब उन पुजारियों को आज्ञा दो जो वाचा के सन्दूक को उठाते हैं, यह कहते हुए कि जैसे ही तुम यर्डन के जल के किनारे पर प्रवेश करो, तो यर्डन में खड़े हो जाओ।

और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, यहाँ आओ और हमारे परमेश्वर प्रभु का वचन सुनो। इससे तुम जानोगे कि परमेश्वर तुम्हारे बीच जीवित है, और वह हमारे सामने से कनानी, हिती, परिज्जी, हिक्वी, एमोरी, गिर्गाशी और यबूसी को नष्ट कर देगा। देखो, सारी पृथ्वी के प्रभु की वाचा का सन्दूक यर्डन को पार कर रहा है। तुम अपने लिए बारह पुरुष चुनो इस्राएल के पुत्रों में से, प्रत्येक कबीले से एक। और ऐसा होगा कि जब उन पुजारियों के पैर, जो सारी पृथ्वी के प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाए हुए हैं, यर्डन के जल में विश्राम करेंगे, तो यर्डन का जल रुक जाएगा, और वह जल जो ऊपर से नीचे आ रहा है, ठहर जाएगा।

और लोग अपने तंबुओं से यर्डन पार करने के लिए प्रस्थान किए, और पुजारियों ने प्रभु की वाचा के सन्दूक को लोगों के आगे उठाया। जैसे ही पुजारी जो वाचा के सन्दूक को उठाए हुए थे यर्डन में प्रवेश कर रहे थे, और जब प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाने वाले पुजारियों के पैर यर्डन के पानी के एक भाग में डुबोए गए, तब यर्डन अपने पूरे किनारे तक भरा हुआ था, जैसे गेहूँ की कटाई के दिनों में होता है, और ऊपर से उतरता हुआ पानी खड़ा हो गया, एक जमा हुआ ढेर बन गया जो करियथियारीम के भाग तक बहुत दूर खड़ा रहा, लेकिन नीचे उतरने वाला पानी अराबा के समुद्र में, नमक के समुद्र में उतर गया, अंत तक समाप्त हो गया, और लोग यरीहो के सामने खड़े थे। और वे याजक जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाए हुए थे, यर्डन के बीच में सूखी भूमि पर खड़े रहे, और इस्राएल के सब लोग सूखी भूमि पर से होकर पार उतरते रहे, जब तक सब लोग यर्डन को पार न कर चुके।

और जब सब लोग यर्दन को पार कर चुके, तब प्रभु ने यहोशू से कहा, लोगों में से पुरुषों को लिया, प्रत्येक कुल से एक, उन्हें आदेश दो, और यरदन के बीच से बारह तैयार पत्थर उठा लो, और इन्हें अपने साथ ले जाते हुए, इन्हें अपने शिविर में रखो, जहाँ तुम वहाँ रात को डेरा डालो।

और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों में से बारह प्रतिष्ठित पुरुषों को बुलाया, प्रत्येक गोत्र से एक, उसने उनसे कहा, मेरे सामने प्रभु के मुख के आगे यरदन के बीच में आओ, और वहाँ से प्रत्येक व्यक्ति एक पत्थर उठाकर अपने कंधों पर रखे, इस्राएल के बारह गोत्रों की संख्या के अनुसार। ताकि ये तुम्हारे लिए सदा के लिए एक निशानी के रूप में पड़े रहें, ताकि जब कल तुम्हारा पुत्र तुमसे पूछे, ये पत्थर हमारे लिए क्या हैं? और तुम अपने पुत्र को बताओगे, यह कहते हुए कि यरदन नदी सारी पृथ्वी के प्रभु की वाचा के सन्दूक के सामने से रुक गई, जब वह उसे पार कर रहा था, और ये पत्थर तुम्हारे लिए इस्राएल के पुत्रों के लिए युगों तक स्मारक होंगे।

और इस्राएल के पुत्रों ने इस प्रकार किया, जैसा प्रभु ने यहोशू को आज्ञा दी थी, और यर्दन के बीच से बारह पत्थर उठाकर, जैसा प्रभु ने यहोशू को इस्राएल के पुत्रों के पार करने की समाप्ति पर आदेश दिया था, और उन्हें अपने साथ शिविर में ले गए, और वहाँ रखा। यहोशू ने यर्दन में बारह अन्य पत्थर भी स्थापित किए, उस स्थान पर जो उन पुजारियों के पैरों के नीचे था जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठा रहे थे, और वे आज के दिन तक वहाँ हैं।

पुजारी जो वाचा के सन्दूक को उठा रहे थे, यर्दन में तब तक खड़े रहे जब तक यहोशू ने वह सब पूरा नहीं कर लिया जो प्रभु ने लोगों को घोषित करने की आज्ञा दी थी, और लोगों ने जल्दी की और पार कर गए। और ऐसा हुआ कि जब सब लोग पार कर चुके, तो प्रभु की वाचा का सन्दूक और पत्थर उनके सामने पार हुए। और रुबेन के पुत्रों ने, और गाद के पुत्रों ने, और मनश्शे के आधे गोत्र ने इस्राएल के पुत्रों के सामने तैयार होकर पार किया, जैसे मूसा ने उनको आदेश दिया था। चालीस हजार युद्ध के लिए तैयार सैनिकों ने प्रभु के सामने यरीहो नगर के विरुद्ध युद्ध के लिए पार किया। उस दिन प्रभु ने यहोशू को सम्पूर्ण इस्राएल जाति के सामने बढ़ाया, और वे उससे डरते थे, जैसे मूसा से, जितने समय तक वह जीवित रहा।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उन पुजारियों को आज्ञा दो जो प्रभु की साक्षी की वाचा के सन्दूक को उठाते हैं, कि वे यर्दन से बाहर निकलें। और यहोशू ने पुजारियों को आदेश दिया, कहते हुए, यर्दन से निकल आओ। और ऐसा हुआ कि जब पुजारी जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाए हुए थे, यर्दन से निकले और उन्होंने अपने पैर धरती पर रखे, तो यर्दन का पानी अपनी जगह पर लौट आया और वह वैसे ही बहने लगा जैसे कल और परसों पूरे किनारे में बहता था।

और वे लोग पहले महीने की दसवीं तारीख को यर्दन से ऊपर गए, और इस्राएल के पुत्रों ने गिलगल में यरीहो के पूर्व की ओर डेरा डाला। और इन बारह पत्थरों को, जो यर्दन से लिए गए थे, यहोशू ने गिलगल में स्थापित किया। कहते हुए, जब तुम्हारे पुत्र तुमसे पूछें, ये पत्थर क्या हैं? अपने पुत्रों को घोषणा करो कि इस्राएल ने इस यर्दन को सूखी भूमि पर पार किया। जब हमारे प्रभु परमेश्वर ने यर्दन के जल को उनके सामने से सूखा दिया, जब तक वे पार न कर गए, ठीक वैसे ही जैसे हमारे प्रभु परमेश्वर ने लाल समुद्र को किया था, जिसे हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे सामने सूखा दिया था, जब तक हम पार न कर गए, ताकि पृथ्वी के सब राष्ट्र जानें कि प्रभु की शक्ति मजबूत है, और ताकि तुम हमारे प्रभु परमेश्वर की हर काम में पूजा करो।

5

और ऐसा हुआ कि जब एमोरियों के राजाओं ने, जो यर्दन के पार थे, और फोनीशिया के राजाओं ने, जो समुद्र के पास थे, सुना कि प्रभु परमेश्वर ने यर्दन नदी को इस्राएल के पुत्रों के सामने से सूखा दिया था जब वे पार कर रहे थे, तो उनके मन पिघल गए, और वे भयभीत हो गए, और इस्राएल के पुत्रों के सामने उनमें कोई विवेक नहीं रहा।

और इस समय प्रभु ने यहोशू से कहा, अपने लिए तीक्ष्ण धार की चट्टान से पत्थर की तलवारें बनाओ, और बैठकर इस्राएल के पुत्रों का दूसरी बार खतना करो। और यहोशू ने पत्थर की तेज तलवारें बनाई, और उसने इस्राएल के पुत्रों का खतना उस स्थान पर किया जो खलड़ियों का टीला कहलाता था। जिस तरीके से यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों को शुद्ध किया, जितने कभी रास्ते में हुए थे, और जितने कभी खतनारहित थे जो मिस्र से निकल गए थे, यहोशू ने इन सभी का खतना किया, क्योंकि इस्राएल चालीस और दो वर्ष मबदारितिद्त के जंगल में भटकता रहा। इसलिए मिस्र की भूमि से निकले हुए योद्धाओं में से अधिकांश खतनारहित थे, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा की थी, जिनके लिए उसने ठहराया

था कि वे उस भूमि को न देखें, जिसे देने की शपथ प्रभु ने उनके पितरों से खाई थी—वह भूमि जो दूध और मधु से बहती है। इसके बजाय उसने उनके पुत्रों को प्रतिस्थापित किया, जिनका यहोशू ने खतना किया, क्योंकि वे रास्ते में खतनारहित पैदा हुए थे। खतना किए जाने के बाद, वे वहाँ शिविर में बैठे हुए शांत रहे जब तक कि वे स्वस्थ नहीं हो गए। और प्रभु ने यहोशू, नून के पुत्र से कहा, आज के दिन मैंने मिस्र की निंदा तुमसे हटा दी, और उसने उस स्थान का नाम गिलगाल रखा।

और इस्राएल के पुत्रों ने महीने के चौदहवें दिन को संध्या से यरीहो के पश्चिम में, यर्दन के पार, मैदान में फसल मनाया। और उन्होंने पृथ्वी के अनाज से बिना खमीर की रोटी और नया अनाज खाया। इस दिन मन्ना समाप्त हो गया, जब उन्होंने पृथ्वी के अनाज को खा लिया, और इस्राएल के पुत्रों के लिए अब मन्ना नहीं रहा, लेकिन उन्होंने उस वर्ष खजूर के पेड़ों की भूमि की फसल काटी।

और ऐसा हुआ जब यहोशू यरीहो में था, तो उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर एक आदमी को अपने सामने खड़ा देखा, और उसके हाथ में तलवार खिंची हुई थी। यहोशू पास आया और उससे पूछा, क्या तू हमारा है, या शत्रुओं का? लेकिन उसने उससे कहा, मैं प्रभु की सेना का सेनापति हूँ, अब आया हूँ। और यहोशू अपने मुँह के बल भूमि पर गिर गया, और उससे कहा, हे स्वामी, आप अपने सेवक को क्या आज्ञा देते हैं? और प्रभु का सेनापति यहोशू से कहता है, अपने पैरों से जूता खोल दो, क्योंकि जिस स्थान पर तुम अब खड़े हो, वह पवित्र है।

6

और यरीहो बंद और दृढ़ किया हुआ था, और कोई भी उसमें से बाहर नहीं जा रहा था, और न ही कोई प्रवेश कर रहा था। और प्रभु ने यहोशू से कहा, देखो, मैं यरीहो को तुम्हारे नियंत्रण में सौंपता हूँ, और उसके राजा को जो इसमें है, जो बल में शक्तिशाली हैं। लेकिन तू उन योद्धाओं को इसके चारों ओर खड़ा कर दे। और ऐसा होगा कि जब तुम तुरही बजाओगे, तो सब लोग एक साथ चिल्लाएंगे, और जब वे चिल्लाएंगे तो शहर की दीवारें अपने आप गिर जाएंगी, और सब लोग दौड़ते हुए प्रत्येक सामने से शहर में प्रवेश करेंगे।

और यहोशू, जो नून का पुत्र था, पुजारियों के पास गया। और उसने उनसे कहते हुए कहा, लोगों को आज्ञा दो कि वे घूमें और शहर को घेरें, और योद्धा हथियारबंद होकर प्रभु के

सामने चलें। और सात पुजारी जो सात पवित्र तुरहियाँ रखते हैं, वे इसी प्रकार प्रभु के सामने से होकर जाएँ, और जोर से बजाएँ, और प्रभु की वाचा का सन्दूक पीछे-पीछे आए। लेकिन योद्धा आगे चलें, और याजक प्रभु की वाचा के सन्दूक के पीछे तुरही बजाते हुए चलें। लेकिन यहोशू ने लोगों को आदेश दिया, कहते हुए, मत चिल्लाओ, और न कोई तुम्हारी आवाज़ सुने, जब तक वह स्वयं चिल्लाने के लिए दिन की घोषणा न करे, और तब तुम चिल्लाओगे। और परमेश्वर की वाचा का सन्दूक चारों ओर घूमकर तुरंत शिविर में चला गया, और वहाँ सोया।

और दूसरे दिन यहोशू सुबह उठा, और याजकों ने प्रभु की वाचा का सन्दूक उठाया। और सात याजक सात तुरहियाँ लेकर प्रभु के सामने आगे जा रहे थे, और इनके बाद योद्धा प्रवेश कर रहे थे, और शेष भीड़ प्रभु की वाचा के सन्दूक के पीछे थी। और पुजारियों ने तुरहियाँ बजाई, और शेष सारी भीड़ ने शहर को छह बार निकट से घेरा, और फिर से शिविर में चली गई, इस प्रकार छह दिनों तक किया।

और सातवें दिन वे भोर में उठे, और उस दिन शहर के चारों ओर सात बार घूमे। और सातवें चक्कर में ऐसा हुआ कि पुजारियों ने नरसिंगा बजाया, और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, चिल्लाओ, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें वह नगर सौंप दिया है। और यह शहर शापित होगा, यह और सब कुछ जो इसमें है, प्रभु सबाओत के लिए, सिवाय राहाब वेश्या के - उसे बचाओ, और सब कुछ जो उसके घर में है। लेकिन तुम समर्पित वस्तु से बहुत सावधान रहना, कहीं ऐसा न हो कि विचार करके तुम स्वयं समर्पित वस्तु में से ले लो, और इस्राएल के पुत्रों के शिविर को शापित बना दो, और हमें नष्ट कर दो। और हर चांदी या सोना, या कांसा या लोहा, प्रभु के लिए पवित्र होगा, और प्रभु के खजाने में लाया जाएगा।

और पुजारियों ने तुरहियाँ बजाई, और जब लोगों ने तुरहियों की आवाज़ सुनी, तो सभी लोगों ने एक साथ एक महान और शक्तिशाली युद्ध घोष के साथ चिल्लाया, और चारों ओर की सारी दीवार गिर गई, और सभी लोग शहर में चढ़ गए। और यहोशू ने उसे समर्पित किया, और जितने शहर में थे, पुरुष से लेकर स्त्री तक, युवा पुरुष से लेकर वृद्ध पुरुष तक, और बछड़े और जूआ वाले पशु तक, तलवार की धार से।

और यहोशू ने उन दो युवा पुरुषों से जिन्होंने जासूसी की थी कहा, उस स्त्री के घर में प्रवेश करो, और उसे वहाँ से बाहर लाओ, और जो कुछ उसके पास है। और वे दो युवा पुरुष जिन्होंने शहर की जासूसी की थी, उस स्त्री के घर में गए और राहाब वेश्या को, उसके पिता

को, उसकी माता को, उसके भाइयों को, उसके रिश्तेदारों को और जो कुछ भी उसका था सब कुछ बाहर लाए, और उन्हें इस्राएल के शिविर के बाहर ठहराया। और शहर को आग में जला दिया गया, उसमें की सभी चीजों के साथ, सिवाय चांदी, सोना, कांसा और लोहे के, जिन्हें प्रभु के खजाने में लाया जाना था।

और यहोशू ने राहाब वेश्या को और उसके सब पैतृक घर को जीवित बचाया, और उसे इस्राएल में बसाया आज के दिन तक, क्योंकि उसने उन जासूसों को छिपाया था, जिनको यहोशू ने यरीहो की जासूसी करने के लिए भेजा था। और यहोशू ने उस दिन प्रभु के सामने शपथ दिलाई, शापित है वह मनुष्य जो उस नगर को फिर से बनाएगा; वह अपने पहलौठे की कीमत पर उसकी नींव रखेगा, और अपने सबसे छोटे की कीमत पर उसके द्वार लगाएगा। और बेतेल के ऊज्जान ने ऐसा ही किया; अपने पहलौठे अबीरोन की कीमत पर उसने नींव रखी, और अपने सबसे छोटे बचे पुत्र की कीमत पर उसके द्वार लगाए।

और प्रभु यहोशू के साथ था, और उसका नाम सारी भूमि में फैल गया।

7

और इस्राएल के पुत्रों ने महान अपराध किया, और समर्पित वस्तु में से अपने लिए ले लिया, और आखार ने, जो खर्मी का पुत्र था, जो जम्ब्री का पुत्र था, जो जारा का पुत्र था, यहूदा के गोत्र से, समर्पित वस्तु में से ले लिया, और प्रभु इस्राएल के पुत्रों पर क्रोध से क्रोधित हुए।

और यहोशू ने पुरुषों को गाई में भेजा, जो बेतेल के पास है, यह कहते हुए कि गाई की जासूसी करो। और पुरुष ऊपर गए और उन्होंने गाई की जासूसी की। और वे यहोशू के पास लौटे, और उन्होंने उससे कहा, सब लोग ऊपर न जाएं, लेकिन लगभग दो हजार या तीन हजार पुरुष ऊपर जाएं और शहर को घेर लें। सब लोगों को वहां मत ले जाओ, क्योंकि वे थोड़े हैं। और लगभग तीन हजार पुरुष ऊपर गए, और वे गाई के पुरुषों के सामने से भाग गए। और गै के पुरुषों ने उनमें से छत्तीस पुरुषों को मार डाला, और उन्होंने द्वार से उनका पीछा किया, और ढलान पर उन्हें कुचल दिया, और लोगों का हृदय भयभीत हो गया, और वह पानी जैसा हो गया।

और यहोशू ने अपने वस्त्र फाड़े, और यहोशू भूमि पर मुँह के बल प्रभु के सामने संध्या तक गिरा रहा, वह और इस्राएल के प्राचीन, और उन्होंने अपने सिरों पर धूल डाली। और यहोशू ने कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, आपके सेवक ने इस लोगों को यर्दन पार क्यों लाया, उन्हें अमोरियों के हाथ सौंपने के लिए, हमें नष्ट करने के लिए? और यदि हम यर्दन के पास ही रहे होते और बसे होते। और मैं क्या कहूँगा, चूंकि इस्राएल ने अपने शत्रु के सामने गर्दन फेर ली है? और जब कनानी और उस भूमि में निवास करने वाले सब लोग यह सुनेंगे, तो वे हमें घेर लेंगे और हमें भूमि से नष्ट कर देंगे, और तब तू अपने महान नाम का क्या करेगा?

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उठो, तुम यह क्यों अपने मुँह के बल गिरे हो? लोगों ने पाप किया है और उस वाचा का उल्लंघन किया है जो मैंने उनके साथ स्थापित की थी, उन्होंने समर्पित वस्तु से चुराकर अपने बर्तनों में डाल दिया। और इस्राएल के पुत्र अपने शत्रुओं के सामने खड़े नहीं हो सकेंगे, वे अपने शत्रुओं के सामने अपनी गर्दन मोड़ेंगे, क्योंकि वे श्रापित हो गए हैं, मैं फिर तुम्हारे साथ नहीं रहूँगा, यदि तुम अपने बीच से उस श्रापित वस्तु को नहीं हटाओगे। उठकर लोगों को पवित्र करो, और कहो कि कल पवित्र किया जाए, ये बातें प्रभु इस्राएल का परमेश्वर कहता है, शापित वस्तु तुम में है, तुम अपने शत्रुओं के सामने खड़े नहीं हो सकोगे, जब तक तुम शापित वस्तु को अपने में से हटा नहीं दोगे। और तुम सब सुबह में अपने कुलों के अनुसार एकत्रित किए जाओगे, और जो कुल प्रभु दिखाए, उसे तुम वंशों के अनुसार लाओगे, और जो वंश प्रभु दिखाए, उसे तुम घर के अनुसार लाओगे, और जो घर प्रभु ग्रहण करे, उसे तुम पुरुष के अनुसार लाओगे। और जो दिखाया जाएगा, वह आग में जलाया जाएगा, और सब कुछ जो उसका है, क्योंकि उसने प्रभु की वाचा का उल्लंघन किया, और इस्राएल में अधर्म किया।

और यहोशू सवेरे उठा, और लोगों को कुलों के अनुसार लाया, और यहूदा का कुल दिखाया गया। और वह कुलों के अनुसार लाया गया, और ज़राई कुल दिखाया गया। और वह पुरुष के अनुसार लाया गया, और आखार दिखाया गया, जो ज़म्री का पुत्र था, जो ज़ारा का पुत्र था।

और यहोशू ने आखार से कहा, आज इस्राएल के प्रभु परमेश्वर को महिमा दो, और स्वीकारोक्ति करो, और मुझे बताओ कि तुमने क्या किया है, और मुझसे मत छिपाओ। और आखार ने यहोशू को उत्तर दिया और कहा, सचमुच मैंने इस्राएल के परमेश्वर प्रभु के सामने पाप किया है, मैंने यह और यह किया है। मैंने लूट में एक विविध गंगा वस्त्र देखा, और चांदी

के दो सौ दो द्रख्मा, और पचास दो द्रख्मों की एक सुनहरी जीभ, और उनके बारे में विचार करके मैंने उन्हें ले लिया, और देखो वे मेरे तंबू में छिपाए गए हैं, और चांदी उनके नीचे छिपाई गई है। और यहोशू ने दूतों को भेजा, और वे शिविर में तम्बू की ओर दौड़े, और ये चीजें उसके तम्बू में छिपी हुई थीं, और चांदी उनके नीचे थी। और उन्होंने उनको तंबू से बाहर लाया, और यहोशू और इस्राएल के बुजुर्गों के पास लाया, और उनको प्रभु के सामने रखा।

और यहोशू ने जेरह के पुत्र आखार को लिया और उसे आखोर घाटी में ले गया, और उसके पुत्रों को, और उसकी पुत्रियों को, और उसके बछड़ों को, और उसके जूए वाले पशुओं को, और उसकी सब भेड़ों को, और उसके तम्बू को, और उसकी सब सम्पत्तियों को; और सब लोग उसके साथ थे, और उन्हें एमेकाखोर में ले गया। और यहोशू ने आखार से कहा, तूने हमें क्यों नष्ट किया? प्रभु तुझे नष्ट करे जैसे आज। और सब इस्राएल ने उसे पत्थरों से पत्थर मारा, और उसके ऊपर पत्थरों का एक बड़ा ढेर खड़ा किया, और प्रभु का क्रोध और कोप बंद हो गया। इस कारण उसने उस स्थान का नाम एमेकाखोर रखा जो आज के दिन तक है।

8

और प्रभु ने यहोशू से कहा, मत डरो, और न ही भयभीत हो। अपने साथ सभी योद्धा पुरुषों को लो, और उठकर गाई को चढ़ो। देखो, मैंने गाई के राजा को और उसकी भूमि को तुम्हारे हाथों में दे दिया है। और तू गै के साथ वैसा ही करेगा जैसा तूने यरीहो के साथ किया था, और उसके राजा के साथ, और मवेशियों की लूट को अपने लिए लूटेगा, और अपने लिए शहर के पीछे घात लगा।

और यहोशू और सब योद्धा लोग उठे ताकि गाई को जाएं। और यहोशू ने तीस हजार बलवान पुरुषों को चुना और उन्हें रात में भेजा। और उसने उनको आदेश दिया, कहते हुए, तुम शहर के पीछे घात लगाओ, शहर से दूर मत रहो, और तुम सब तैयार रहोगे। और मैं और वे सब जो मेरे साथ हैं, शहर के पास आएंगे, और जब गै में रहने वाले हमसे मिलने निकलेंगे, ठीक जैसे हाल ही में हुआ था, तो हम उनके सामने से भागेंगे। और जब वे हमारे पीछे बाहर आएंगे, तो हम उन्हें शहर से दूर खींच लेंगे, और वे कहेंगे, ये हमारे सामने से भाग रहे हैं, जिस तरह पहले भी भागे थे। लेकिन तुम घात से उठोगे और शहर में जाओगे। इस शब्द के अनुसार तुम करोगे, देखो मैंने तुम्हें आदेश दिया है। और यहोशू ने उन्हें भेजा, और वे घात में गए, और वे बेतेल और गाई के बीच, गाई के समुद्र की ओर से बैठे।

और यहोशू सुबह जल्दी उठकर लोगों का निरीक्षण किया, और वह और बुजुर्ग लोगों के आगे गाई पर चढ़ गए। और सभी लोग जो योद्धा थे, उसके साथ ऊपर गए, और चलते हुए शहर के सामने पूर्व से आए। और शहर की घात समुद्र से थी। और ऐसा हुआ कि जब गै के राजा ने देखा, तो उसने जल्दी की और उनसे मिलने के लिए सीधे युद्ध में निकला, वह स्वयं और उसके साथ के सब लोग, और वह स्वयं नहीं जानता था कि शहर के पीछे उसके लिए घात लगाई गई है। और उसने देखा, और यहोशू और इस्राएल उनके सामने से पीछे हट गए। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों का पीछा किया, और वे शहर से हट गए। गै में कोई नहीं बचा जो इस्राएल का पीछा करने नहीं गया, और उन्होंने शहर को खुला छोड़ दिया, और इस्राएल का पीछा किया।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, अपने हाथ में जो भाला है उसे नगर की ओर फैलाओ, क्योंकि मैंने उसे तुम्हारे हाथों में सौंप दिया है, और घात लगाए हुए लोग शीघ्रता से अपने स्थान से उठ खड़े होंगे। और यहोशू ने अपने हाथ में भाला लेकर नगर की ओर फैलाया, और घात लगाने वाले अपनी जगह से तेजी से खड़े हुए, और जब उसने हाथ फैलाया तो बाहर निकले, और शहर में प्रवेश किए, और उसे कब्जा कर लिया, और जल्दी करके शहर को आग में जला दिया। और गै के निवासियों ने अपने पीछे चारों ओर देखा, और उन्होंने शहर से आकाश में धुआँ चढ़ते हुए देखा, और अब उनके पास इधर या उधर भागने के लिए कोई जगह नहीं थी। और यहोशू और सब इस्राएल ने देखा कि घात ने शहर को ले लिया, और कि शहर का धुआँ आकाश में चढ़ गया, और मुड़कर, उन्होंने गाई के पुरुषों को मारा। और ये शहर से मिलने के लिए निकल गए, और वे शिविर के बीच में खाली हो गए, ये यहाँ से और ये यहाँ से, और उन्होंने उन्हें तब तक मारा जब तक उनमें से कोई बचा हुआ और भागा हुआ नहीं रह गया। और उन्होंने गै के राजा को जीवित पकड़ा, और उसे यहोशू के पास लाए।

और जब इस्राएल के पुत्रों ने गै में, मैदानों में, और उतराई के पहाड़ पर सब को मारना बंद कर दिया, जहाँ उन्होंने उनका अंत तक पीछा किया था, तब यहोशू गै को लौटा, और उसे तलवार की धार से मारा। और उस दिन में गिरे हुए लोग पुरुष से लेकर स्त्री तक बारह हजार थे, जो सब गाई के निवासी थे। शहर में पड़ी लूट की चीजों को छोड़कर, इस्राएल के पुत्रों ने जो कुछ भी लूटा वह अपने लिए रख लिया, प्रभु के आदेश के अनुसार, जिस प्रकार प्रभु ने यहोशू को आदेश दिया था।

और यहोशू ने शहर को आग में जलाया, उसे हमेशा के लिए एक निर्जन ढेर बना दिया, आज के दिन तक। और उसने गै के राजा को जुड़वां पेड़ पर लटकाया, और वह शाम

तक पेड़ पर था, और सूरज डूबते समय यहोशू ने आदेश दिया, और उन्होंने उसके शरीर को पेड़ से उतारा, और इसे गड्ढे में फेंका, और उसके लिए पत्थरों का ढेर खड़ा किया, आज के दिन तक।

9

और जब एमोरियों के राजाओं ने सुना, जो यर्डन के पार थे, जो पहाड़ी प्रदेश में थे, और जो मैदानी प्रदेश में थे, और जो महान समुद्र के सभी तटीय क्षेत्रों में थे, और जो अन्ति-लिबानोन की ओर थे, और हिती, और कनानी, और परिज्जी, और हिक्वी, और एमोरी, और गिर्गाशी, और यबूसी,

वे सब एक साथ यहोशू और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध करने के लिए इकट्ठे हुए।

और गिबोन में रहने वालों ने सुना कि प्रभु ने यरीहो और गाई के साथ जो कुछ किया था। और उन्होंने वास्तव में स्वयं चालाकी के साथ ऐसा किया, और आकर उन्होंने भोजन एकत्र किया और तैयारी की, और अपने कंधों पर पुराने बोरें लेकर, और शराब की पुरानी और फटी हुई बंधी हुई मशकें लेकर, और उनके जूतों के खोखले भाग, और उनकी चप्पलें पुरानी और उनके पैरों में पैबंद लगी हुई थीं, और उनके वस्त्र उनके ऊपर घिसे हुए थे, और उनकी रसद की रोटी सूखी और फफूंदी लगी और टुकड़े-टुकड़े हुई थी।

और वे यहोशू के पास इस्राएल के शिविर में गिलगाल आए, और उन्होंने यहोशू और इस्राएल से कहा, हम दूर देश से आए हैं, और अब हमारे साथ वाचा बाँधिए। और इस्राएल के पुत्रों ने हिक्वी से कहा, देखो, कहीं तुम हमारे बीच में तो नहीं रहते हो, और हम तुम्हारे साथ वाचा कैसे बनाएं? और उन्होंने यहोशू से कहा, हम आपके सेवक हैं। और यहोशू ने उनसे कहा, तुम कहाँ से हो, और कहाँ से आए हो? और उन्होंने कहा, आपके सेवक आपके परमेश्वर प्रभु के नाम में बहुत दूर की पृथ्वी से आए हैं, क्योंकि हमने उसके नाम के बारे में सुना है, और जो कुछ उसने मिश्र में किया, और जितना उसने एमोरियों के राजाओं के साथ किया, जो यर्डन के पार थे, एमोरियों के राजा सीहोन के साथ, और बाशाान के राजा ओग के साथ, जो अशतारोत में और एट्रेई में रहता था। और सुनकर हमारे बुजुर्गों ने और हमारी भूमि में रहने वाले सभी लोगों ने हमसे कहा, अपने मार्ग के लिए रसद लो, और उनसे मिलने जाओ, और उनसे कहो, हम तुम्हारे सेवक हैं, और अब हमारे साथ वाचा बाँधो। ये रोटियाँ - हमने इन्हें गर्म अवस्था में उस दिन प्रदान किया था जब हम तुम्हारे पास आने के लिए निकले थे, लेकिन

अब ये सूख गई हैं और खराब हो गई हैं। और ये दाखरस की मशकें जिन्हें हमने नई भरी थीं, और ये फट गई हैं, और हमारे वस्त्र और हमारे जूते बहुत लंबे मार्ग से अत्यधिक घिस गए हैं।

और शासकों ने उनके प्रावधान को ले लिया, और प्रभु से नहीं पूछा। और यहोशू ने उनके साथ शांति की, और उनके साथ उन्हें बचाने की वाचा बाँधी, और सभा के शासकों ने उन्हें शपथ दिलाई।

और ऐसा हुआ कि तीन दिन बाद उनके साथ वाचा बाँधने के बाद, उन्होंने सुना कि वे उनके पास के हैं, और कि वे उनके बीच में निवास करते हैं। और इस्राएल के पुत्र प्रस्थान किए, और वे अपने नगरों में आए; और उनके नगर गिबोन और कपीरा और बेरोत, और यारीन के नगर थे। और इस्राएल के पुत्रों ने उनसे युद्ध नहीं किया, क्योंकि सब शासकों ने इस्राएल के परमेश्वर प्रभु की शपथ उन्हें दी थी, और सारी सभा शासकों पर बड़बड़ाई।

और शासकों ने सारी सभा से कहा, हमने उनसे इस्राएल के परमेश्वर प्रभु की शपथ खाई है, और अब हम उन्हें छू नहीं सकेंगे। यह हम करेंगे, हम उन्हें जीवित पकड़ेंगे और उन्हें संरक्षित करेंगे, और उस शपथ के कारण जो हमने उनसे ली है, हमारे विरुद्ध कोई क्रोध नहीं होगा। वे जीवित रहेंगे, और सभी सभा के लिए लकड़हारे और पानी ढोने वाले होंगे, जैसे शासकों ने उनसे कहा था।

और यहोशू ने उन्हें एक साथ बुलाया, और उनसे कहा, तुमने मुझे क्यों धोखा दिया, यह कहते हुए कि हम तुमसे बहुत दूर हैं, जबकि तुम हमारे बीच रहने वालों के पड़ोसी हो? और अब तुम शापित हो, तुम्हारे बीच से दास, लकड़हारा और पानी ढोने वाला कभी समाप्त नहीं होगा, मेरे और मेरे भगवान के लिए। और उन्होंने यहोशू को उत्तर देते हुए कहा, हमें यह बताया गया था कि प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने अपने सेवक मूसा को आदेश दिया था कि तुम्हें यह भूमि दे दी जाए और हमें तथा इस भूमि पर रहने वाले सभी लोगों को तुम्हारे सामने से नष्ट कर दिया जाए। हम तुम्हारे सामने अपने प्राणों के लिए बहुत भयभीत हो गए थे, इसलिए हमने यह काम किया। और अब देखो, हम तुम्हारे अधीन हैं, जैसा तुम्हें प्रसन्न करता है और जैसा तुम्हें उचित लगता है, हमारे साथ करो।

और उन्होंने उनके साथ ऐसा ही किया, और यहोशू ने उस दिन उनको इस्राएल के पुत्रों के हाथों से छुड़ाया, और उन्होंने उनको नहीं मारा। और यहोशू ने उस दिन उनको सारी मण्डली के लिए और परमेश्वर की वेदी के लिए लकड़हारे और पानी ढोने वाले नियुक्त

किया, इसलिए गिबोन के निवासी आज के दिन तक परमेश्वर की वेदी के लिए लकड़हारे और पानी ढोने वाले बने रहे, और उस स्थान के लिए जिसे प्रभु चुने।

10

जब यरूशलेम के राजा अदोनिबेजेक ने सुना कि यहोशू ने गाई को ले लिया और उसे नष्ट कर दिया, जिस तरीके से उन्होंने यरीहो और उसके राजा के साथ किया था, उसी प्रकार उन्होंने गाई और उसके राजा के साथ भी किया, और यह कि गिबोन में रहने वाले यहोशू और इस्राएल की ओर भाग गए थे, और वे उनसे बहुत डर गए, क्योंकि वह जानता था कि गिबोन एक बड़ा शहर था, राजधानी शहरों में से एक के समान, और उसके सभी पुरुष शक्तिशाली थे। और यरूशलेम के राजा अदोनिबेजेक ने हेब्रोन के राजा एलाम की ओर, और यारमूत के राजा फिदोन की ओर, और लाकीश के राजा यिफ्ताह की ओर, और ओदोल्लाम के राजा दाबेईन की ओर भेजा, यह कहते हुए, आओ, मेरे पास ऊपर आओ और मेरी सहायता करो, और हम गिबोन से युद्ध करें, क्योंकि उन्होंने यहोशू और इस्राएल के पुत्रों के साथ संधि कर ली है। और यबूसियों के पाँच राजा ऊपर गए - यरूशलेम का राजा, हेब्रोन का राजा, यिमोंत का राजा, लाकीश का राजा और ओदोल्लाम का राजा, वे और उनके सब लोग। और उन्होंने गिबोन को घेर लिया और उस पर घेराबंदी की।

और गिबोन में रहने वालों ने गिलगाल में इस्राएल के शिविर में यहोशू के पास भेजा, यह कहते हुए, अपने सेवकों से अपना हाथ मत हटाओ, शीघ्रता से हमारे पास आओ, और हमारी सहायता करो, और हमें छुड़ाओ, क्योंकि एमोरियों के सब राजा जो पहाड़ी प्रदेश में रहते हैं, हमारे विरुद्ध इकट्ठे हुए हैं। और यहोशू गिलगाल से ऊपर गया, वह और उसके साथ सभी योद्धा लोग, सभी शक्ति में सक्षम।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उनसे मत डरो, क्योंकि मैंने उन्हें तुम्हारे हाथों में सौंप दिया है, उनमें से कोई भी तुम्हारे सामने नहीं बचेगा।

और चूंकि यहोशू अचानक उन पर आ गया, उसने पूरी रात गिलगाल से यात्रा की। और प्रभु ने उन्हें इस्राएल के पुत्रों के सामने से भ्रमित किया, और प्रभु ने उन्हें गिबोन में महान कुचलने से कुचला, और उन्होंने बेथ होरोन की चढ़ाई के रास्ते पर उनका पीछा किया, और उन्हें अजेका तक और मक्केदा तक काटते रहे। और जब वे इस्राएल के पुत्रों के सामने से होरोनीम की उतराई पर भाग रहे थे, तब प्रभु ने आकाश से अजेका तक उन पर ओले के

पत्थर बरसाए, और जो ओले के पत्थरों से मरे वे उनसे अधिक थे जिनको इस्राएल के पुत्रों ने युद्ध में तलवार से मारा था।

तब यहोशू ने प्रभु से बात की, उस दिन जब परमेश्वर ने एमोरी को इस्राएल के अधीन कर दिया, जब उसने उन्हें गिबोन में कुचल दिया, और वे इस्राएल के पुत्रों के सामने से कुचल दिए गए, और यहोशू ने कहा, सूरज गिबोन के ऊपर ठहर जाए, और चंद्रमा ऐयालोन की घाटी के ऊपर। और सूरज और चाँद खड़े हो गए, जब तक भगवान ने उनके दुश्मनों से बचाव किया, और सूरज आकाश के बीच में खड़ा रहा, वह पश्चिम की ओर नहीं बढ़ा एक दिन के अंत तक। और ऐसा दिन न पहले हुआ था और न बाद में, जब परमेश्वर ने मनुष्य की सुनी हो, क्योंकि प्रभु ने इस्राएल के साथ मिलकर युद्ध किया। और ये पाँच राजा भागे, और वे मक्केदा की गुफा में छिप गए। और यहोशू को यह रिपोर्ट किया गया, कहते हुए, वे पाँच राजा मक्केदा की गुफा में छिपे हुए पाए गए हैं। और यहोशू ने कहा, गुफा के मुँह पर पत्थर लुढ़काओ, और उन पर पहरा देने के लिए पुरुषों को नियुक्त करो। लेकिन आप मत रुकिए, अपने शत्रुओं का पीछा करते हुए उनके पिछले भाग को पकड़ लीजिए, और उन्हें अपने नगरों में प्रवेश करने की अनुमति मत दीजिए, क्योंकि हमारे प्रभु परमेश्वर ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया है। और ऐसा हुआ कि जब यहोशू और इस्राएल के सब पुत्रों ने उनको बहुत बड़ा संहार करते हुए अंत तक मारा, तब जो बचे हुए थे वे दृढ़ नगरों में बच गए।

और सब लोग सुरक्षित यहोशू के पास मक्केदा में लौट गए, और इस्राएल के पुत्रों में से किसी ने भी अपनी जीभ से गुराहट नहीं की।

और यहोशू ने कहा, गुफा को खोलो और इन पाँच राजाओं को गुफा से बाहर लाओ। और उन्होंने पाँच राजाओं को गुफा से बाहर निकाला - यरूशलैम के राजा को, हेब्रोन के राजा को, यरीमोत के राजा को, लाकीश के राजा को, और ओदोल्लाम के राजा को। और जब उन्होंने उनको यहोशू के पास बाहर लाया, तो यहोशू ने सब इस्राएल को और युद्ध के आरंभ करने वालों को जो उसके साथ जा रहे थे, बुलाया, और उनसे कहा, आगे जाओ और अपने पैर उनकी गर्दनों पर रखो, और पास आकर उन्होंने अपने पैर उनकी गर्दनों पर रखे। और यहोशू ने उनसे कहा, उनसे मत डरो, न ही निराश हो, साहसी और मजबूत बनो, क्योंकि प्रभु तुम्हारे सभी शत्रुओं के साथ ऐसा ही करेगा, जिनके विरुद्ध तुम लड़ते हो। और यहोशू ने उनको मारा और उनको पाँच लकड़ियों पर लटकाया, और वे लकड़ियों पर शाम तक लटकते रहे। और सूर्यास्त के समय ऐसा हुआ कि यहोशू ने आज्ञा दी, और उन्होंने उन्हें

लकड़ियों से उतारा, और उन्हें उस गुफा में फेंक दिया जिसमें वे भागे थे, और उन्होंने गुफा पर पत्थर लुढ़का दिए जो आज के दिन तक हैं।

और उस दिन उन्होंने मक्केदा को ले लिया, और तलवार की धार से उसे मार डाला, और हर साँस लेने वाली चीज़ को जो उसमें थी पूरी तरह नष्ट कर दिया, और उसमें कोई भी बचा हुआ या भागा हुआ नहीं छोड़ा गया, और उन्होंने मक्केदा के राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उन्होंने यरीहो के राजा के साथ किया था।

और यहोशू और सब इस्राएल उसके साथ मक्केदा से लिब्ना को गए, और लिब्ना को घेरा किया। और प्रभु ने इसे इस्राएल के हाथों में सौंप दिया, और उन्होंने इसे और इसके राजा को ले लिया, और उन्होंने इसे तलवार की धार से मार डाला, और इसमें हर साँस लेने वाले को, और इसमें कोई बचा हुआ या भागा हुआ नहीं छोड़ा गया, और उन्होंने इसके राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उन्होंने यरीहो के राजा के साथ किया था।

और यहोशू और सब इस्राएल उसके साथ लिब्ना से लाकीश को गए, और उसे घेरा, और उसे घेरा किया। और प्रभु ने लाकीश को इस्राएल के हाथों में सौंप दिया। और दूसरे दिन उसे ले लिया, और तलवार की धार से उसका संहार किया, और उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिस तरह लिब्ना के साथ किया था। तब गेजेर का राजा एलाम लाकीश की मदद करने के लिए ऊपर गया, और यहोशू ने उसको तलवार की धार से मारा, और उसके लोगों को भी, यहाँ तक कि उनमें से कोई बचा हुआ या भागा हुआ नहीं छोड़ा गया।

और यहोशू और समस्त इस्राएल उसके साथ लाकीश से ओदोल्लाम को चला गया, और उसे घेर लिया और उस पर आक्रमण किया। और प्रभु ने उसे इस्राएल के हाथ में सौंप दिया, और उन्होंने उसे उसी दिन ले लिया, और उसे तलवार की धार से मार डाला, और हर साँस लेने वाले प्राणी को विनाश में मार डाला, जिस तरीके से उन्होंने लाकीश के साथ किया था।

और यहोशू और सब इस्राएल उसके साथ हेब्रोन में गया, और उसे घेर लिया। और उन्होंने उसे तलवार की धार से मारा, और हर साँस लेने वाला प्राणी जो उसमें था, कोई नहीं बचा, जिस तरह उन्होंने ओदोल्लाम के साथ किया था, उन्होंने उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, और जो कुछ उसमें था।

और यहोशू और सब इस्राएल दबीर को लौटे, और उसे घेरकर बैठे। उन्होंने उसे, उसके राजा को और उसके गाँवों को ले लिया, और उसे तलवार की धार से मारा, और उन्होंने उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, और इसमें हर साँस लेने वाले को, और उन्होंने इसमें किसी को भी जीवित नहीं छोड़ा; जिस तरीके से उन्होंने हेब्रोन और उसके राजा के साथ किया था, उसी प्रकार उन्होंने दबीर और उसके राजा के साथ किया।

और यहोशू ने पहाड़ी भूमि की, और नेगेव की, और मैदान की, और असेदोथ की, और उसके राजाओं को मारा, उन्होंने उनमें से कोई बचा हुआ नहीं छोड़ा, और जीवन की साँस लेने वाले सब को नष्ट कर दिया, जिस तरीके से प्रभु, इस्राएल के देवता ने आज्ञा दी थी। कादेश बर्ने से गाज़ा तक, सम्पूर्ण गोशेन से गिबोन तक। और यहोशू ने उनके सब राजाओं को और उनकी भूमि को एक ही बार में मारा, क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा इस्राएल के लिए लड़ा।

11

जैसे ही असोर के राजा याबीस ने सुना, उसने मारोन के राजा योबाब के पास, और सुमोओन के राजा के पास, और अज़ीफ के राजा के पास भेजा। और महान सीदोन के राजाओं की ओर, पहाड़ी प्रदेश में और केनेरोथ के सामने अराबा में, और मैदान में, और फेनाएदोर में, और पूर्व से तटीय कनानियों में, और तटीय एमोरियों में, और हितियों, और पेरिज्जियों, और यबूसियों को जो पर्वत में थे, और हिक्वियों को, और उनको जो हेमोन के नीचे मस्सूमा की भूमि में थे। और वे और उनके राजा उनके साथ निकले, संख्या में समुद्र की रेत के समान, और बहुत अधिक घोड़े और रथ। और सब राजा स्वयं एकत्र हुए और एक साथ आए, और मारोन के जल के पास डेरा डाला इस्राएल से युद्ध करने के लिए।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उनके चेहरे से मत डरो, क्योंकि कल इसी समय मैं उन्हें इस्राएल के सामने पराजित करके सौंप दूँगा। तुम उनके घोड़ों की कंडरा काटोगे और उनके रथों को आग में जला दोगे। और यहोशू आया और सब योद्धा लोग उन पर मारोन के जल पर अचानक आ गए, और वे पहाड़ी प्रदेश में उन पर टूट पड़े। और प्रभु ने उनको इस्राएल के अधीन सौंप दिया, और उनको काटते हुए महान सीदोन तक, और मासेरोन तक, और पूर्व की ओर मास्सोख के मैदानों तक पीछा किया, और उनको तब तक काट डाला जब तक उनमें से कोई बचा हुआ नहीं छोड़ा गया। और यहोशू ने उनके साथ वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, उनके घोड़ों की नसों काटीं और उनके रथों को आग से जला दिया।

और यहोशू उस समय लौटा, और हासोर को पकड़ लिया, और उसके राजा को भी, और हासोर पहले इन सब राज्यों पर शासन करता था। और उन्होंने इसमें हर साँस लेने वाले को तलवार से मार डाला, और सबको पूरी तरह नष्ट कर दिया, और इसमें कोई साँस लेने वाला नहीं छोड़ा गया, और हासोर को आग में जला दिया। और यहोशू ने राज्यों के सब शहर और उनके राजाओं को ले लिया, और उन्हें तलवार की धार से मार डाला, और उन्हें नष्ट कर दिया, जिस तरीके से प्रभु के सेवक मूसा ने आज्ञा दी थी। लेकिन इसराइल ने सभी किलेबंद शहरों को नहीं जलाया, सिवाय हासोर के, केवल उसे ही इसराइल ने जलाया। और इस्राएल के पुत्रों ने उसकी सारी लूट अपने लिए ले ली, लेकिन उन सभी को तलवार की धार से नष्ट कर दिया, जब तक उन्होंने उनको नष्ट नहीं कर दिया। उन्होंने उनमें से कोई भी साँस लेने वाला प्राणी नहीं छोड़ा। जिस तरीके से प्रभु ने अपने सेवक मूसा को आदेश दिया, और मूसा ने वैसे ही यहोशू को आदेश दिया, और यहोशू ने इस प्रकार किया। उसने उन सब बातों में से कुछ भी उल्लंघन नहीं किया जो मूसा ने उसको आदेश दिया था।

और यहोशू ने सारी पहाड़ी भूमि, और सारी नेगेव की भूमि, और सारी गोशेन की भूमि, और मैदानी भूमि, और पश्चिम की ओर की भूमि, और इस्राएल का पर्वत, और नीची भूमि ली। पहाड़ की ओर चेलखा पहाड़ से, और जो सेईर की ओर चढ़ता है, और बालगाद तक, और हेमोन पहाड़ के नीचे लबानोन के मैदान, और उनके सभी राजाओं को पकड़ा, और नष्ट किया, और मार डाला। और यहोशू ने इन राजाओं के विरुद्ध अधिक दिनों तक युद्ध किया।

और ऐसा कोई शहर नहीं था, जो इस्राएल ने नहीं लिया, सब कुछ उन्होंने युद्ध में लिया। क्योंकि प्रभु के कारण ही ऐसा हुआ कि उनका हृदय मजबूत हो गया ताकि वे इस्राएल के विरुद्ध युद्ध में आएँ, ताकि वे नष्ट किए जाएँ, ताकि उन पर दया न की जाए, बल्कि ताकि वे नष्ट किए जाएँ, जिस प्रकार प्रभु ने मूसा से कहा था।

और यहोशू उस समय आया, और उसने पहाड़ी प्रदेश से अनाकियों को नष्ट किया, हेब्रोन से, और दबीर से, और अनाबोथ से, और सारे यहूदा से उनके नगरों के साथ, और यहोशू ने उनको नष्ट कर दिया। इस्राएल के पुत्रों में से अनाकियों में से कोई नहीं छोड़ा गया था, लेकिन केवल गाज़ा में, गत में और अशदोद में छोड़ा गया था।

और यहोशू ने सारी भूमि ले ली, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, और यहोशू ने उसे इस्राएल को विरासत में दिया, उनके गोत्रों के अनुसार विभाजन में, और भूमि को युद्ध से विश्राम मिला।

12

और ये पृथ्वी के राजा थे, जिन्हें इस्राएल के पुत्रों ने मारा, और उनकी भूमि को विरासत में लिया, यर्दन के पार, सूर्योदय की ओर से, अर्नोन की घाटी से लेकर हेमोन पर्वत तक, और पूर्व से सम्पूर्ण अराबा की भूमि। सीहोन, अमोरियों का राजा, जो हेशबोन में निवास करता था, अर्नोन से शासन करता था, जो घाटी में है, घाटी के एक भाग के अनुसार, और गिलाद का आधा भाग यब्बोक तक, अम्मोन के पुत्रों की सीमाएं। और अराबा से किन्नेरेत सागर तक पूर्व की ओर, और अराबा सागर तक, अर्थात् लवण सागर, पूर्व से बेत-यशीमोट के मार्ग के अनुसार, तेमान से असेदोत पिसगा के नीचे तक। और बाशान का राजा ओग दानवों में से बचा हुआ था, जो अश्तारोट और एट्रेई में रहता था, हेमोन पहाड़ से और सेक्काई से शासक, और सभी बाशान गेर्गेंसी की सीमाओं तक, और माखी, और आधा गिलाद सीहोन राजा हेशबोन की सीमाओं तक। मूसा, प्रभु के सेवक, और इस्राएल के पुत्रों ने उन्हें मारा, और मूसा ने उसे रुबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्र को विरासत में दिया।

और ये एमोरियों के वे राजा हैं जिन्हें यहोशू और इस्राएल के पुत्रों ने यर्दन के पार, बालगाद समुद्र के पास लबानोन के मैदान में, और खेलखा पहाड़ तक जो सेईर की ओर चढ़ता है, मारा, और यहोशू ने उसे इस्राएल के गोत्रों को उनकी चिट्ठी के अनुसार विरासत में लेने के लिए दिया। पहाड़ में, और मैदान में, और अराबा में, और असेदोथ में, और जंगल में, और नेगेव में, हिती, और एमोरी, और कनानी, और परिज्जी, और हिक्वी, और यबूसी।

यरीहो के राजा को, और गाई के राजा को, जो बेतेल के पास है, यरूशलेम का राजा, हेब्रोन का राजा, यरीमूत का राजा, लाकीश का राजा, एलाम का राजा, गेजेर का राजा, दबीर का राजा, गादेर का राजा, राजा हेर्माथ, राजा अदेर, लिब्ना का राजा, ओदोल्लाम का राजा, राजा गया। राजा तफौत, राजा ओफेर, अरोक का राजा ओफेक, राजा असोम, राजा सिमोन, राजा मामब्रोथ, राजा अजिफ, कादेश का राजा, ज़ह्हाक का राजा, मारेदोथ का राजा, कार्मेल का राजा इएकोम, ओदोल्लाम का राजा फेन्नेआदोर का, गेड़ का राजा गलीलिया का। तिसर्ता का राजा, ये सब राजा उनकी हैं।

13

और यहोशू बुजुर्ग था, दिनों में आगे बढ़ा हुआ, और प्रभु ने यहोशू से कहा, तू दिनों में आगे बढ़ गया है, और बहुत सी भूमि विरासत के लिए बची हुई है। और यह भूमि छोड़ी गई

थी - फिलिस्तीम की सीमाएं, गशूरी और कनानी। निर्जन भूमि से जो मिस्र के सामने है, एक्रोन की सीमाओं तक, कनानियों के बाईं ओर से, यह फिलिस्तीनों के पाँच प्रांतों में गिना जाता है: गाज़ा वाले को, और अशदोद वाले को, और अश्कलोन वाले को, और गत वाले को, और एक्रोन वाले को, और एवाई वाले को। तेमान से और कनान की सारी भूमि गाज़ा के सामने, और सीदोन की अपेक्ष तक, अमोरियों की सीमाओं तक, और गालियथ फिलिस्तीम की सारी भूमि, और सारा लबानोन सूर्योदय से, गिलगाल से हेमोन पर्वत के नीचे से हमत के प्रवेश द्वार तक, सभी जो पहाड़ी प्रदेश में निवास करते हैं, लेबानोन से लेकर मासेरेथ मेम्फोमाइम तक। सभी सीदोनियों को, मैं उन्हें इस्राएल के सामने से नष्ट कर दूँगा, लेकिन तुम उसे इस्राएल को चिट्ठी द्वारा विरासत में बाँट दो, जिस प्रकार मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी।

और अब इस भूमि को नौ जनजातियों और मनश्शे की आधी जनजाति को विरासत में विभाजित करो। यर्दन से महान समुद्र तक सूर्यास्त की ओर तुम इसे दोगे, महान समुद्र सीमा बनाएगा। दो जनजातियों को और आधी जनजाति मनश्शे को, रूबेन को और गाद को मूसा ने यर्दन के पार, सूर्य की पूर्व दिशा में दिया; उसको मूसा ने, जो प्रभु का सेवक था, दिया है। अरोएर से, जो अर्नोन की धारा के किनारे पर है, और उस शहर को जो घाटी के बीच में है, और सारे मिसोर को मेदबा से, सीहोन राजा के सब शहर, जो अमोरियों का राजा था और हेशबोन में शासन करता था, अम्मोन के पुत्रों की सीमाओं तक, और गलादीतिस, और गेसिरी की सीमाएं, और माखाती, सम्पूर्ण हेमोन पर्वत, और सम्पूर्ण बासानीतिन अखा तक, बाशान में ओग का सम्पूर्ण राज्य, जो अश्तारोत और एद्रेई में राज्य करता था, यह दानवों में से बचा हुआ था, और मूसा ने उसको मारा, और नष्ट कर दिया। और इस्राएल के पुत्रों ने गशूरी को, माकाती को, और कनानी को पूरी तरह से नष्ट नहीं किया, और गशूरी का राजा और माकाती इस्राएल के पुत्रों के बीच आज के दिन तक निवास करते रहे।

लेवी के जनजाति को छोड़कर किसी को विरासत नहीं दी गई, यहोवा इस्राएल का परमेश्वर, यही उनकी विरासत है, जैसा यहोवा ने उनसे कहा था, और यह वह विभाजन है, जो मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को अराबोथ मोआब में यर्दन के पार यरीहो के अनुसार विभाजित किया।

और मूसा ने रूबेन जनजाति को उनके कुलों के अनुसार दिया। और उनकी सीमाएं अरोएर से हुईं, जो अर्नोन की घाटी के सामने है, और वह शहर जो अर्नोन की घाटी में है, और सारा मीसोर, हेशबोन तक, और सब शहर जो मिसोर में हैं, और दैबोन, और बामोथ बाल, और मेएलबोथ का घर, और बाशान, और बामोथ, और मेफाअत, और किरियथैम, और

सेबामा, और सेरादा, और सियोन एनाब के पहाड़ में, और बैथफोगोर, और असेदोथ फासगा, और बैत्थासेनोथ, और मिसोर के सभी शहर, और अमोरियों के राजा सीहोन का सम्पूर्ण राज्य, जिसे मूसा ने मारा था—उसे और मिदियान के नेताओं को, और एवी को, और रेकेम को, और सूर को, और हूर को, और रेबा को जो सिय्योन का शासक और मारा गया था, और सिय्योन के निवासियों को।

और उन्होंने बेओर के पुत्र बालाम भविष्यवक्ता को युद्ध में मार डाला।

और रुबेन की सीमाएं यर्डन की सीमा तक हुईं, यह रुबेन के पुत्रों का विरासत उनके कुलों के अनुसार था, उनके नगर और उनके खेत।

और मूसा ने गाद के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार दिया। और उनकी सीमाएँ याज़ेर, गिलाद के सब नगर, और अम्मोन के पुत्रों की आधी भूमि अराबा तक हुईं, जो अराद के सामने है। और हेशबोन से अराबोथ तक, मिस्पा के अनुसार, और बोतानीम, और माअन से दीबोन की सीमाओं तक, और एनादोम, ओथारगाई, बाइन्थानाब्रा, सोक्खोथा, साफान और हेशबोन के राजा सीहोन का शेष राज्य, और यॉर्डन पूर्व से यॉर्डन के पार खिन्नेरेथ सागर के भाग तक सीमा बनाएगा। यह गाद के पुत्रों की विरासत उनके कुलों के अनुसार और उनके नगरों के अनुसार है। उनके कुलों के अनुसार वे अपने शत्रुओं के सामने गर्दन लौटाएंगे, क्योंकि उनके कुलों के अनुसार उनके नगर हुए और उनके खेत।

और मूसा ने मनश्शे के आधे कबीले को उनके कुलों के अनुसार दिया। और उनकी सीमाएँ माअन से हुईं, और बाशान का सारा राज्य, और बाशान के राजा ओग का सारा राज्य, और यार्ईर के सब गाँव जो बाशान में हैं, साठ नगर। और गिलाद का आधा भाग, और अश्तारोत में, और एट्रेई में ओग के राज्य के नगर जो बाशान में थे, माकीर के पुत्रों को जो मनश्शे के पुत्र थे, और माकीर के आधे पुत्रों को जो मनश्शे के पुत्र थे, उनके कुलों के अनुसार दिए गए। ये वे हैं जिनको मूसा ने यरदन के पार अराबोथ मोआब में, यरदन के पार यरीहो के पूर्व में विरासत में दिया।

14

और ये वे हैं जिन्होंने इस्राएल के पुत्रों को कनान की भूमि में विरासत बांटी, जिनको एलाजार याजक, और नून के पुत्र यहोशू, और इस्राएल के पुत्रों के गोत्रों के पितरों के

शासकों ने विरासत बांटी। चिट्ठियों के अनुसार उन्होंने विरासत में पाया, जिस तरीके से प्रभु ने यहोशू के हाथ में आज्ञा दी थी नौ कबीलों को, और आधे कबीले को। यर्दन के पार से। और लेवियों को उनमें कोई हिस्सा नहीं दिया, क्योंकि यूसुफ के पुत्र दो कबीले थे, मनश्शे और एप्रैम, और लेवियों को भूमि में कोई हिस्सा नहीं दिया गया, बल्कि केवल निवास करने के लिए नगर, और उनके पशुओं के लिए अलग किए गए स्थान, और उनके पशु। जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, उसी प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने किया, और भूमि को विभाजित किया।

और यहूदा के पुत्र गिलगाल में यहोशू के पास आए, और यपुन्ने के पुत्र कालेब कनिज्जी ने उससे कहा, तू उस वचन को जानता है जो प्रभु ने परमेश्वर के जन मूसा से कादेश बर्ने में मेरे और तेरे विषय में कहा था। मैं चालीस वर्ष का था जब परमेश्वर के सेवक मूसा ने मुझे कादेश बर्ने से भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा, और मैंने उसे उसके मन के अनुसार उत्तर दिया। मेरे भाई जो मेरे साथ ऊपर गए थे, उन्होंने लोगों का हृदय बदल दिया, लेकिन मैं अपने प्रभु परमेश्वर का अनुसरण करने के लिए पूरी तरह दृढ़ था। और मूसा ने उस दिन शपथ ली, कहते हुए, जिस भूमि पर तुमने कदम रखा, वह तुम्हें और तुम्हारे बच्चों को सदा के लिए विरासत में मिलेगी, क्योंकि तुम हमारे प्रभु परमेश्वर का अनुसरण करने के लिए समर्पित हुए। और अब प्रभु ने मुझे उसी तरीके से पोषित किया जैसा उसने कहा था, यह पैंतालीसवाँ वर्ष है जब से प्रभु ने यह वचन मूसा से कहा था, और इस्राएल जंगल में गया, और अब देखो मैं आज पचासी वर्ष का हूँ। मैं आज भी उतना ही मजबूत हूँ, जैसे तब था जब मूसा ने मुझे भेजा था, वैसे ही मैं अब भी युद्ध में जाने और लौटने के लिए मजबूत हूँ। और अब मैं तुमसे यह पहाड़ मांगता हूँ, जैसा कि प्रभु ने उस दिन कहा था, क्योंकि तुमने उस दिन यह वचन सुना था। अब वहाँ अनाकी हैं, दृढ़ और बड़े नगर हैं, यदि प्रभु मेरे साथ है, तो मैं उन्हें नष्ट कर दूंगा, जिस तरह से प्रभु ने मुझसे कहा था।

और यहोशू ने उसे आशीर्वाद दिया, और हेब्रोन को कालेब को, जो यपुन्ने का पुत्र और कनज का पुत्र था, विरासत में दिया। इस कारण हेब्रोन यपुन्ने के पुत्र कालेब कनिज्जी को विरासत में मिला आज के दिन तक, क्योंकि उसने प्रभु इस्राएल के परमेश्वर की आज्ञा का अनुसरण किया। हेब्रोन का नाम पहले अर्गोब नगर था, यह अनाकियों की राजधानी था, और भूमि युद्ध से विश्राम पा गई।

और यहूदा जनजाति की सीमाएँ उनके कुलों के अनुसार इदूमिया की सीमाओं से, सीन के जंगल से कादेश तक दक्षिण की ओर हुई।

और उनकी सीमाएं दक्षिण से नमक के समुद्र के उस भाग तक हुई, उस पहाड़ी से जो दक्षिण की ओर जाती है। और यह अक्रब्बीम की चढ़ाई के सामने से गुजरती है, और सेना के चारों ओर घूमती है, और दक्षिण से कादेश बर्ने की ओर चढ़ती है, और हेस्नोन से होकर निकलती है, और अद्धार की ओर चढ़ती है, और कादेश के पश्चिम की ओर निकलती है। और सेल्मोना पर निकलता है, और मिस्र की घाटी तक बहता है, और सीमाओं का निकास समुद्र पर होगा, यह दक्षिण से उनकी सीमाएं हैं।

और पूर्व की ओर से सीमाएँ यर्दन तक सम्पूर्ण नमकीन समुद्र हैं। और उनकी सीमाएँ उत्तर की ओर से, और समुद्र की पर्वत-श्रेणी से और यर्दन के भाग से हैं। यह सीमा बेथग्लाम तक चढ़ती है, और उत्तर से बेथाराबा तक गुजरती है, और सीमा रुबेन के पुत्र बाइओन के पत्थर तक चढ़ती है। और सीमा अखोर की घाटी के चौथे भाग पर चढ़ती है, और गिलगाल पर उतरती है, जो अदुम्मीम की चढ़ाई के सामने है, जो घाटी के दक्षिण में है, और सूर्य के झरने के जल तक बहती है, और उसका निकास रोगेल का झरना होगा। और सीमा हिन्नोम की घाटी की ओर ऊपर जाती है, यबूसी की पीठ पर दक्षिण से, यह यरुशलेम है, और सीमा पहाड़ के शिखर पर से होकर निकलती है, जो हिन्नोम की घाटी के सामने समुद्र की ओर है, जो उत्तर में रपाईम की भूमि के भाग से है। और सीमा पहाड़ के शिखर से नफ्तो के जल स्रोत तक निकलती है, और एक्रोन पहाड़ में निकलती है, और सीमा बाल तक ले जाएगी, यह यारीम नगर है। और सीमा बाल से समुद्र की ओर घूमेगी, और अस्सार पहाड़ में उत्तर से याहरीन शहर की पीठ पर से गुजरेगी, यह खसलोन है, और सूर्य के शहर की ओर नीचे उतरेगी, और दक्षिण की ओर गुजरेगी। और सीमा एक्रोन की पीठ के अनुसार उत्तर की ओर बहती है, और सीमाएं सुक्कोथ में निकलेंगी, और सीमाएं दक्षिण की ओर गुजरेगी, और लिब्ना की ओर निकलेगी, और सीमाओं का निकास समुद्र पर होगा। और उनकी सीमाएँ समुद्र से, वह महान समुद्र सीमा निर्धारित करेगा। ये यहूदा के पुत्रों की सीमाएँ हैं, उनके कुलों के अनुसार चारों ओर।

और परमेश्वर की आज्ञा के द्वारा यिफुन्ने के पुत्र कालेब को यहूदा के पुत्रों के बीच में एक भाग दिया गया, और यहोशू ने उसको अनाक की राजधानी अबॉक नगर दिया, यह हेब्रोन है। और कालेब, यपुन्ने के पुत्र ने, वहाँ से अनाक के तीन पुत्रों को नष्ट किया: शशै

और तल्लै और अहीमन को। और कालेब वहाँ से दबीर के निवासियों पर चढ़ गया, परन्तु दबीर का नाम पहले किर्यत-सेपेर था।

और कालेब ने कहा, जो लेखों के शहर को ले लेगा और उसे नष्ट कर देगा और उस पर अधिकार कर लेगा, मैं उसे अपनी बेटी अकसा को पत्नी के रूप में दूंगा। और गोथोनिएल ने, जो केनेज का पुत्र और कालेब का भाई था, उसे ले लिया, और उसने उसे अपनी पुत्री अकसा को पत्नी के रूप में दिया। और ऐसा हुआ कि जब वह बाहर जा रही थी, तो उसने उसे सलाह दी, कहते हुए, मैं अपने पिता से खेत मांगूंगी, और वह गधे से चिल्लाई, और कालेब ने उससे कहा, तुम्हें क्या है? और उसने उससे कहा, मुझे आशीर्वाद दो, क्योंकि तुमने मुझे नेगेव की भूमि दी है, मुझे बोथानिस दो। और उसने उसे ऊपरी गोनाथला और निचला गोनाथला दिया।

यह यहूदा के पुत्रों के कबीले की विरासत है। उनके नगर यहूदा के पुत्रों के गोत्र की ओर, एदोम की सीमाओं पर, जंगल में थे, और बैसीलील, और आरा, और हसोर। और इकाम, और रेगमा, और अरौएल। और कादेश, और असोरिओनाइन, और माइनाम, और बलमाना, और उनके गाँव, और Asheron के शहर, यह Hazor है, और सीन, और सलमा, और मोलादा। और सेरी, और बाफलथ, और खोलासेओला, और बेरशेबा, और उनके गाँव, और उनके खेत, बाला, और बाकोक, और असोम, और एल्बौदाद, और बेथेल, और होर्मा। और ज़िक्लग, और माखारिम, और सेथेन्नक, और लाबोस, और साले, और एरोमोथ, उत्तीस शहर, और उनके गाँव।

मैदान में अश्ताओल, और सोरा, और एश्ताओल। और सिला, और खींचा, और इलुथोथ, और दाई, और यिर्मूथ, और ओदोल्लाम, और मेम्ब्रा, और साओखो, और इयाज़ेका। और सकारिम, और गादेरा, और उसकी बस्तियाँ, चौदह नगर, और उनके गाँव। सेनेह, अदासान और मगदलगद, और दलद, और मसफा, और इयाखरेएल। और बासेदोथ, और इदेआदालेआ, और Chabra, और Maches, और Maachos, और गेदोर, और बगदिएल, और नोमान, और माखेदान, सोलह शहर, और उनके गाँव, लिब्नाह, इथाक और एनोक, और इयाना, और नासिब। और केइलाम, और अकिएज़ी, और केज़िब, और बाथेसार, और ऐलोम, दस शहर, और उनके गाँव, एक्रोन, और उसके गाँव, और उनके खेत, एक्रोन से गेम्ना तक, और सब जो असेदोथ के पड़ोस में हैं, और उनके गाँव, असिएदोथ और उसके गाँव और उसके खेत, गाज़ा और उसके गाँव और उसके खेत मिस्र की नदी तक, और महान समुद्र इसे विभाजित करता है।

और पहाड़ी देश में शमीर, और येतेर, और सोको, और बहता हुआ, और लेखों का शहर, यह दबीर है, और अनोन, और एस, और मान, और ऐसम, और गोसेम, और हालू, और हन्ना, और गीलोम, ग्यारह शहर, और उनके गाँव, ऐरेम, और रेम्ना, और सोमा, और जेमैन, और बैथाखू, और फाकूआ, और Euma, और Arbok शहर, यह Hebron है, और Sorath, नौ शहर, और उनके खेत। माओन, और कार्मेल, और जीफ, और युत्ता, और जारिएल, और अरिकाम, और जकनाइम, और गिबा, और तिम्ना, नौ नगर, और उनके गाँव, ऐलौआ, और बेथ्सूर, और गेद्दोन, और मगारोथ, और बेथानाम, और थेकूम, छह शहर, और उनके गाँव, किरियथ बाल, यह यारीम नगर, और सोथेबा, दो नगर, और उनके खेत। और बद्गोईस, और थराबाम, और ऐनोन। और आइओखिओज़ा, और नाफ़लाज़ोन, और सादोन के शहर, और आर्कादिस, सात शहर, और उनके गाँव।

और यबूसी यरूशलेम में निवास करता था, और यहूदा के पुत्र उन्हें नष्ट करने में सक्षम नहीं थे, और यबूसी यरूशलेम में आज के दिन तक निवास करते रहे।

16

और यूसुफ के पुत्रों की सीमाएँ यर्दन से, जो यरीहो के पास है, पूर्व की ओर से हुई, और यरीहो से पहाड़ी प्रदेश में, जंगल में होते हुए, बेतेल लूज़ा तक जाएगी। और बेथेल में निकलेगा, और अहातरथी की सीमाओं पर से गुजरेगा। और यह समुद्र पर अप्तालिम की सीमाओं से होते हुए नीचे के बेथोरोन की सीमाओं तक गुजरेगा, और उनका निकास समुद्र पर होगा। और यूसुफ के पुत्रों, एप्रैम और मनश्शे ने विरासत में पाया।

और एफ़्राईम के पुत्रों की सीमाएँ उनके कुलों के अनुसार हुई, और उनकी विरासत की सीमाएँ पूर्व से अतारोथ और एरोक से लेकर ऊपरी बेथोरोन तक, और गजारा तक हुई। और सीमाएं समुद्र पर इकास्मोन में आएंगी, उत्तर से गर्म, पूर्व की ओर थेनासा में घूमेगी, और सेल्लेस, और पूर्व से इयानोका में गुजरेगी। और माखो में, और अतारोथ, और उनके गाँव, और यरीहो पर आएगा, और यर्दन पर निकलेगा। और कन्न से सीमाएं समुद्र की ओर खेलकाना तक जाएंगी, और उनका निकास समुद्र पर होगा, यह एफ़्राईम कबीले की विरासत उनके कुलों के अनुसार है।

और वे शहर जो एफ़्राइम के पुत्रों के लिए मनश्शे के पुत्रों की विरासत के बीच अलग किए गए थे, सब शहर और उनके गाँव। और एफ़्राईम ने गाज़ेर में निवास करने वाले कनानी

को नष्ट नहीं किया, और कनानी एफ्राईम में इस दिन तक निवास करता रहा, जब तक मिस्र का राजा फिरौन ऊपर नहीं गया, और उसने उसे ले लिया, और उसे आग में जला दिया, और कनानियों को, और फरिज्जियों को, और गाज़ेर में निवास करने वालों को मार डाला, और फिरौन ने उसे अपनी बेटी को दहेज़ में दिया।

17

और मनश्शे के पुत्रों की जनजाति की सीमाएं हुईं, क्योंकि यह यूसुफ का पहलौठा था, माखीर मनश्शे का पहलौठा, गिलाद का पिता, क्योंकि वह योद्धा पुरुष था, गिलाद में और बाशान में। और मनश्शे के शेष पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार मिला - इएज़ी के पुत्रों को, और केलेज़ के पुत्रों को, और इएज़िएल के पुत्रों को, और सुखेम के पुत्रों को, और सुमारिम के पुत्रों को, और ओफेर के पुत्रों को; ये पुरुष उनके कुलों के अनुसार थे।

और सलपाद को, जो हेफेर का पुत्र था, उसके कोई पुत्र नहीं थे, लेकिन पुत्रियाँ थीं, और सलपाद की पुत्रियों के नाम ये हैं: माला, नोआ, एगला, मिल्का और तिसा। और वे एलीआज़र पुजारी के सामने, यहोशू के सामने, और शासकों के सामने खड़ी हुईं, और कहा, परमेश्वर ने मूसा के द्वारा आज्ञा दी थी कि हमें हमारे भाइयों के बीच विरासत दी जाए, और प्रभु की आज्ञा से उन्हें उनके पिता के भाइयों में हिस्सा दिया गया। और उनकी रस्सी अनास्सा से गिर गई, और लाबेक का मैदान गिलाद की भूमि से, जो यर्डन के पार है, क्योंकि मनस्से के बेटों की बेटियों ने अपने भाइयों के बीच में हिस्सा विरासत में पाया, और गिलाद की भूमि शेष मनस्से के बेटों को मिली।

और मनश्शे के पुत्रों की सीमाएँ देलहनत तक हुईं, जो अनत के पुत्रों के सामने है, और यह यामीन और यस्सीब की सीमाओं पर होते हुए तफ्थोथ के स्रोत तक जाती है। मनश्शे का होगा, और तफेत मनश्शे की सीमाओं पर एप्रैम के पुत्रों का होगा। और सीमाएं चारान की घाटी पर दक्षिण की ओर नीचे आंगी, जारिएल की घाटी के अनुसार, एफ्राइम का बांज वृक्ष मनश्शे के शहर के बीच में, और मनश्शे की सीमाएं उत्तर में नाले की ओर, और उसका निकास समुद्र होगा। दक्षिण से एफ्राइम को, और उत्तर में मनश्शे को, और समुद्र उनकी सीमा होगी, और वे उत्तर में आशेर से मिलेंगे, और पूर्व से इस्साकार से। और मनश्शे को इस्साकार में और आशेर में बैतान और उनके गाँव होंगे, और दोर के निवासी और उसके गाँव, और मगिदो के निवासी और उसके गाँव, और माफेता का तीसरा भाग और उसके गाँव।

और मनश्शे के पुत्र इन नगरों को नष्ट करने में सक्षम नहीं थे, और कनानी इस भूमि में निवास करने लगा। और ऐसा हुआ कि जब इस्राएल के पुत्र प्रबल हो गए, तो उन्होंने कनानियों को अधीन बना लिया, लेकिन उन्हें पूरी तरह से नष्ट नहीं किया।

यूसुफ के पुत्रों ने यहोशू को उत्तर दिया और कहा, तुमने हमें एक ही भाग और एक ही नापी हुई जमीन क्यों दी? मैं तो बहुत बड़ी जनसंख्या वाला हूँ, और परमेश्वर ने मुझे आशीर्वाद दिया है। और यहोशू ने उनसे कहा, यदि तुम बहुत लोग हो, तो वन में जाओ और अपने लिए साफ करो, यदि एप्रैम का पहाड़ तुम्हें तंग करता है। और उन्होंने कहा, एफ्राईम का पहाड़ हमें प्रसन्न नहीं करता है, और चुने हुए घोड़े और लोहा उस कनानी के पास है जो उसमें निवास करता है, बेथशान में और उसके गांवों में, यिजेरल की घाटी में। और यहोशू ने यूसुफ के पुत्रों से कहा, यदि तुम बहुत लोग हो और तुम्हारे पास महान शक्ति है, तो तुम्हें एक भाग्य नहीं मिलेगा, वह घना जंगल तुम्हारा होगा, क्योंकि वह घना जंगल है और तुम उसे साफ करोगे, और वह तुम्हारा होगा। और जब तुम कनानी को पूरी तरह नष्ट कर दोगे, यद्यपि उसके पास चुने हुए घोड़े हैं, तुम उस पर प्रबल होते हो।

18

और इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण सभा शीलो में एकत्रित हुई, और उन्होंने वहाँ साक्ष्य का तम्बू लगाया, और भूमि उनके द्वारा अधीन कर ली गई।

और इस्राएल के पुत्र जो छोड़ दिए गए थे, जिन्होंने विरासत में नहीं पाया था, सात कबीले थे। और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, कब तक तुम उस भूमि को विरासत में लेने से थकते रहोगे, जो हमारे देवता प्रभु ने दी है? अपने में से प्रत्येक जनजाति से तीन पुरुष दो, और वे उठकर भूमि में होकर जाएं, और मेरे सामने इसका वर्णन करें, जैसा कि इसे बांटना आवश्यक होगा। और वे उसके पास गए, और उसने उन्हें सात भागों में विभाजित किया, यहूदा दक्षिण से उनकी सीमा पर खड़ा होगा, और यूसुफ के पुत्र उत्तर से उनकी सीमा पर खड़े होंगे। तुम भूमि को सात भागों में विभाजित करो, और यहाँ मेरे पास लाओ, और मैं तुम्हारे लिए हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने चिट्ठी निकालूंगा। नहीं, क्योंकि लेवी के पुत्रों का तुममें कोई हिस्सा नहीं है, क्योंकि प्रभु की पुरोहिती उसका हिस्सा है, और गाद और रूबेन और मनश्शे के आधे गोत्र ने अपनी विरासत यर्दन के पार पूर्व में ले ली थी, जो प्रभु के सेवक मूसा ने उनको दी थी।

और पुरुष उठकर चले गए, और यहोशू ने उन पुरुषों को जो भूमि का सर्वेक्षण करने जा रहे थे, आज्ञा दी और कहा, जाओ और भूमि का सर्वेक्षण करो, और मेरे पास आओ, और यहाँ मैं तुम्हारे लिए शीलो में प्रभु के सामने चिट्ठी निकालूंगा। और वे गए और उन्होंने भूमि को पार किया, और उन्होंने उसे देखा, और उन्होंने नगरों के अनुसार सात भागों में उसे पुस्तक में लिखा, और वे यहोशू के पास लाए। और यहोशू ने शीलो में प्रभु के सामने उनके लिए चिट्ठी डाली।

और बिन्यामीन जनजाति की चिट्ठी उनके कुलों के अनुसार पहले निकली, और उनकी चिट्ठी की सीमाएं यहूदा के पुत्रों और यूसुफ के पुत्रों के बीच निकलीं।

और उनकी सीमाएं उत्तर से हुई, यर्दन से सीमाएं यरीहो के पीछे से उत्तर की ओर ऊपर जाएंगी, और पहाड़ पर समुद्र की ओर ऊपर जाएंगी, और उसका निकास मबदारितिस बैथोन होगा। और सीमाएं वहाँ से लूज़ा की पीठ पर से गुजरेंगी, उसके दक्षिण से, यह बेथेल है, और सीमाएं माअतारोब ओरेख से उस पहाड़ी प्रदेश पर उतरेंगी, जो दक्षिण की ओर बेथोरोन के नीचे है।

और सीमाएं गुजरेंगी और उस भाग पर से गुजरेंगी जो समुद्र की ओर देखता है, दक्षिण से, पहाड़ से बेथ होरोन के सामने दक्षिण में, और उसका निकास किरयत बाल में होगा, यह किरयत यारीम है, यहूदा के पुत्रों का शहर, यह समुद्र की ओर का भाग है।

और दक्षिण की ओर का भाग किरयत बाल के भाग से है, और सीमा गासिन में से होकर नफ्तो के जल स्रोत तक जाएगी। और सीमाएं एक भाग पर उतरेंगी, यह सोन्नाम घाटी के सामने है, जो उत्तर से रफाइन के एमेक भाग से है, और गाइएन्ना दक्षिण से येबूसै की पीठ पर उतरेगी, रोगेल के स्रोत पर उतरेगी, और यह बैथशेमेश के स्रोत पर से होकर जाएगी, और गलीलोथ पर से होकर निकलेगी, जो ऐथामीन की चढ़ाई के सामने है, और यह रुबेन के पुत्रों के बायोन के पत्थर पर उतरेगी। और यह उत्तर से बैथाराबा की पीठ के अनुसार गुजरेगा, और उत्तर से समुद्र की पीठ की सीमाओं पर उतरेगा। और सीमाओं का निकास नमक के समुद्र की पहाड़ी पर उत्तर में यर्दन के भाग की ओर दक्षिण से होगा, ये सीमाएं दक्षिण से हैं।

और यरदन पूर्व की ओर से सीमा बनाएगा, यह बिन्यामीन के पुत्रों की विरासत है, उसकी सीमाएं चारों ओर कुलों के अनुसार।

और बिन्यामीन के पुत्रों के शहर उनके कुलों के अनुसार थे: यरीहो, और बेथेगै, और अमेकासिस, और बैथाबारा, और साराई, और बेसाना। और Aien, और Phara, और Ephrathah, और कारफा, और केफीरा, और मोनी, और गिबा, बारह शहर, और उनके गाँव, गिबियोन, रामाह और बेरोत, और मास्सेमा, और मिरोन, और अमोके, और फिरा, और कफान, और नाकान, और ज़ेलेकान, और थारीला। और यबूस, जो यरूशलेम है, और गबाओथ, यारीम - तेरह नगर और उनके गाँव। यह बिन्यामीन के पुत्रों का विरासत उनके कुलों के अनुसार है।

19

और शिमोन के पुत्रों की दूसरी चिट्ठी निकली, और उनकी विरासत यहूदा के पुत्रों की चिट्ठियों के बीच में हुई। और उनकी चिट्ठी बेरशेबा, समाआ और कलादाम हुई। और असौला, और बोला, और जेसन, और एथौला, और योजनाएं, और होर्मा, और सिकेलाक, और बैथमाखेरेब, और सारसुसिन, और बथारोथ, और उनके खेत, तेरह शहर, और उनके गाँव। एरेम्मोन, और थालखा, और येथेर, और असान, चार नगर और उनके गाँव, उनके शहरों के चारों ओर बालेक तक जाते हुए, बामेथ, दक्षिण की ओर, यह शिमोन के पुत्रों के कबीले की विरासत है, उनके कुलों के अनुसार। यहूदा की चिट्ठी में से शिमोन के पुत्रों के गोत्र की विरासत थी, क्योंकि यहूदा के पुत्रों का हिस्सा उनके हिस्से से बड़ा हो गया था, और शिमोन के पुत्रों ने उनकी चिट्ठी के बीच में विरासत पाई।

और तीसरी चिट्ठी जबूलून के लिए उनके कुलों के अनुसार निकली, उनकी विरासत की सीमाएं एसेदेकगोला होंगी, उनकी सीमाएं, वह समुद्र और मागेल्दा, और बैथाराबा पर मिलेगा उस घाटी में, जो येकमान के सामने है। और सेहूक से पूर्व की विपरीत दिशा से बेथशेमेश से खासेलोथैथ की सीमाओं पर लौटा, और दाबीरोथ से होकर गुजरेगा, और फंगै पर चढ़ेगा। और वहाँ से विपरीत दिशा से पूर्व की ओर घूमकर गेबेरे पर, कतासेम शहर पर जाएगा, और रिम्मोना माथाराओज़ा से होकर गुजरेगा। और सीमाएँ उत्तर की ओर हमात तक घूमेंगी, और उनका निकास ज़िफ्रोन पर होगा, और कतानाथ, और नबाअल, और सुमोओन, और यरीहो, और बैथमान। यह जबूलून के पुत्रों की जनजाति की विरासत है उनके कुलों के अनुसार, नगर और उनके गाँव।

और इस्साकार के लिए चौथी चिट्ठी निकली। और उनकी सीमाएँ इयाज़ेल, खासालोथ और सूनाम हुई, और अगिन, और सियोना, और रीरोथ, और अनाखेरेथ। और

दबीरोन, और किशोन, और रेबेस। और रेम्मास, और इएओन, और तोम्मान, और ऐमारेक, और बेरसाफेस। और सीमाएँ गैथबोर पर मिलेंगी, और सालिम पर समुद्र की ओर, और बेथशेमेश, और उसकी सीमाओं का अंतिम छोर यर्दन होगा। यह इस्साकार के पुत्रों के गोत्र की विरासत उनके कुलों के अनुसार है, उनके नगर और उनके गाँव।

और पाँचवीं चिट्ठी आशेर के लिए उनके कुलों के अनुसार निकली। और उनकी सीमाएँ एक्सेलेकेथ, अलेफ, बैथोक और केआफ हुईं। और एलिमेलेक, और अम्मीएल, और माअसा, और यह समुद्र के पास कार्मेल से मिलेगा, और सिय्योन से, और लाबनात से। और वह सूर्य के पूर्व से और बैथगेनेथ से लौटेगा, और जबूलून और एकगै से मिलेगा, और उत्तर की ओर फ़थाएल, और साफ़थैबैथमे की सीमाओं में प्रवेश करेगा, और इनाएल, और खोबामासोमेल में से गुज़रेगा। और एल्बोन, और राहाब, और एमेमाओन, और कान्थान महान सीदोन तक। और सीमा रामाह को लौटेगी, और मासफ़स्सात के झरने तक, और तूरियों की, और सीमा यासिफ़ पर लौटेगी, और उसका निकास समुद्र होगा, और अपोलेब, और एखोज़ोब, और आख़ोब, और अफेक, और रहाऊ। यह आशेर के पुत्रों के गोत्र की विरासत उनके कुलों के अनुसार है, नगर और उनके गाँव।

और नेफ़्थाली को छठी चिट्ठी निकली। और उनकी सीमाएँ मूलांम, और मोला, और बेसेमीन, और अमें, और नाबोक, और इएफ़्थामाई, दोदाम तक हुईं, और उसके निकास यर्दन हुए। और सीमा अथ्थाबोर में समुद्र की ओर लौटेगी, और वहाँ से याकाना को पार करेगी, और दक्षिण से जबूलून से मिलेगी, और आशेर समुद्र की ओर मिलेगा, और यर्दन सूर्योदय की ओर से।

और टायरियों के किलेबंद शहर, टायर, और ओमाथादाकेथ, और केनेरेथ, और अरमैथ, और अराएल, और हासोर, और जार, और अस्सारियों, और असोर का स्रोत, और केरोए, और मेगालाअरिम, और बैथ्थामे, और थेस्सामुस। यह नप्ताली के पुत्रों के गोत्र की विरासत है।

और दान को सातवीं चिट्ठी मिली, और उनकी सीमाएँ सारथ, और असा, और सम्मौस के नगर हुए। और सलामिस, और अम्मोन, और सिलाथा, और उसने तिम्ना और एक्रोन लिया, और अल्काथा, और बेगेथोन, और गेबीलान। और अज़ोर, और बनाइबकात, और गेथ्रेम्मोन। और समुद्र से हिएराकोन की सीमा, जोप्पा के पड़ोस में। यह दान के पुत्रों के कबीले की विरासत है उनके कुलों के अनुसार, उनके नगर और उनके गाँव।

और दान के पुत्र गए और उन्होंने लाकीश से युद्ध किया, और उसे पकड़ लिया, और उसे तलवार की धार से मारा, और उसमें बस गए और उन्होंने उसका नाम लसेनदान रखा।

और वे अपनी सीमा के अनुसार भूमि पर अधिकार करने गए, और इस्राएल के पुत्रों ने नून के पुत्र यहोशू को उनमें विरासत दी। भगवान के आदेश के माध्यम से, उन्होंने उसको वह शहर दिया जो उसने मांगा था, थम्नासाराख, जो एफ्राइम के पहाड़ में है, और उसने शहर को बनाया और उसमें रहा।

ये वे विभाजन हैं जो एलाज़ार याजक, नून के पुत्र यहोशू, और इस्राएल के गोत्रों में परिवारों के शासकों ने शीलो में प्रभु के सामने, गवाही के तम्बू के दरवाज़ों के पास, चिट्ठियों के अनुसार विरासत में दिए, और वे भूमि में प्रवेश करने गए।

20

और प्रभु ने यहोशू से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, शरण के नगर दो, जिनके बारे में मैंने तुमसे मूसा के द्वारा कहा था। शरण हत्यारे के लिए जिसने अनजाने में किसी आत्मा को मार दिया, और ये शहर तुम्हारे लिए शरण होंगे, और हत्यारा खून का बदला लेने वाले के द्वारा नहीं मरेगा, जब तक वह सभा के सामने न्याय के लिए खड़ा न हो। और उसने कादेश को गलील में नप्ताली के पहाड़ में, और शेकेम को एप्राइम के पहाड़ में, और अबीक शहर को, जो हेब्रोन है, यहूदा के पहाड़ में अलग किया।

और यर्दन के पार उसने रुबेन के गोत्र से मैदान में जंगल में बोसोर दिया, और गाद के गोत्र से गिलाद में अरेमोथ, और मनश्शे के गोत्र से बाशान में गौलोन।

ये वे शहर हैं जो इस्राएल के पुत्रों और उनके बीच रहने वाले परदेशी के लिए नामित किए गए हैं, ताकि हर वह व्यक्ति जो अनजाने में किसी की आत्मा को मारे, वहाँ शरण ले सके, ताकि वह खून का बदला लेने वाले के हाथ से न मरे, जब तक वह सभा के सामने न्याय के लिए खड़ा न हो।

21

और लेवी के पुत्रों के मुख्य पिता एलाज़ार याजक के पास आए, और नून के पुत्र यहोशू के पास, और इस्राएल की जनजातियों के परिवारों के मुख्य नेताओं के पास। और उन्होंने शीलोह में, कनान की भूमि में, उनसे कहा, प्रभु ने मूसा के द्वारा आज्ञा दी थी कि हमें रहने के लिए नगर और हमारे पशुओं के लिए चरागाह दिए जाएं। और इस्राएल के पुत्रों ने लेवियों को प्रभु की आज्ञा के द्वारा विरासत में बाँटने में शहर और उनकी चरागाहें दीं।

और कहात के लोगों के लिए चिट्ठी निकली, और हारून के पुत्रों के लिए जो याजक और लेवी थे, यहूदा के गोत्र से और शिमोन के गोत्र से और बिन्यामीन के गोत्र से चिट्ठी द्वारा तेरह नगर मिले।

और कहात के शेष पुत्रों को एप्रेम की जनजाति से और दान की जनजाति से और मनश्शे की आधी जनजाति से चिट्ठी द्वारा दस नगर दिए गए।

और गेदसोन के पुत्रों को इसाकार की जनजाति से और आशेर की जनजाति से और नप्ताली की जनजाति से और मनश्शे की आधी जनजाति से बाशान में, तेरह नगर दिए गए।

और मरारी के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार रुबेन के गोत्र से और गाद के गोत्र से और जबूलून के गोत्र से चिट्ठी द्वारा बारह नगर दिए गए।

और इस्राएल के पुत्रों ने लेवियों को नगर और उनकी चरागाहें दीं, जिस प्रकार प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, चिट्ठी डालकर।

और यहूदा के पुत्रों के गोत्र ने और शिमोन के पुत्रों के गोत्र ने और बिन्यामीन के पुत्रों के गोत्र से ये नगर दिए, और उन्हें पुकारा गया। हारून के पुत्रों को, जो लेवी के पुत्रों में से कहात के लोगों से थे, क्योंकि इनको चिट्ठी मिली। और उन्हें किरयथअर्बा दिया, जो अनाकियों की राजधानी है, यह हेब्रोन है यहूदा के पहाड़ में, और उसके चारों ओर की चरागाहें, और शहर के खेतों और उसके गाँवों को यहोशू ने यपुन्ने के पुत्र कालेब के पुत्रों को अधिकार में दिया।

और हारून के पुत्रों को दिया हत्यारे के लिए शरण का शहर, हेब्रोन, और इसके साथ अलग किए गए भाग, और लेमना, और इसके पास अलग किए गए भाग, और ऐलोम, और इसके लिए अलग किए गए स्थान, और तेमा, और इसके लिए अलग किए गए स्थान, और हँसी, और इसके अलग किए हुए भाग, और दबीर, और इसके अलग किए हुए भाग, और

आसा और इसके अलग किए गए भाग, और तानू और इसके अलग किए गए भाग, और बेथ शेमेश और इसके अलग किए गए भाग, नौ नगर इन दो कबीलों से। और बिन्यामीन के जनजाति से, गिबोन को, और इसके अलग किए गए भागों को, और गत को, और इसके अलग किए गए भागों को, और अनाथोथ और इसके लिए अलग किए गए क्षेत्र, और गामाला और इसके लिए अलग किए गए क्षेत्र, चार शहर। आरोन के पुजारी बेटों के सब शहर तेरह थे।

और काहाथ के पुत्रों के लोगों को, लेवियों को, जो काहाथ के पुत्रों में से शेष रह गए थे, उनके पुजारियों का शहर एप्रैम के कुल से मिला, और उन्होंने उनको शरण का शहर दिया, हत्यारे का शहर, अर्थात् शकेम और इसके अलग किए गए भाग, और गाज़ारा और इसके आस-पास के भाग, और इसके अलग किए गए भाग। और बेथ होरोन, और जो नगर इसके लिए अलग किए गए थे, चार नगर। और दान की जनजाति से, एल्कोथाइम और इसके अलग किए हुए भाग, और गेथेदान और इसके अलग किए हुए भाग, और ऐयालोन और इसके अलग किए गए क्षेत्र, और गेथेरेम्मोन और इसके अलग किए गए क्षेत्र, चार नगर। और मनश्शे के आधे कुल से तानाक और इसकी चराइयाँ, और इबाथा और इसकी चराइयाँ, दो नगर। सभी शहर दस थे, और इनके साथ अलग की गई भूमि, कहात के बेटों के बचे हुए लोगों के लिए।

और गेदसोन के पुत्रों को, जो लेवी थे, मनश्शे के आधे गोत्र से हत्यारों के लिए अलग किए गए नगर दिए गए: बासान में गौलोन और उसकी चराइयाँ, और बोसोरा और उसकी चराइयाँ, दो नगर। और इस्साकार के जनजाति से, किशोन और इसके अलग किए हुए भाग, और देब्बा और इसके अलग किए हुए भाग, और रेम्मथ, और इसके अलग किए गए, और लेखों का स्रोत, और इसके अलग किए गए, चार नगर। और आशेर के गोत्र से बसेल्लाथ और इसके अलग किए गए भाग, और दब्बोन और इसके अलग किए गए भाग, और खेलकत और इसके अलग किए हुए क्षेत्र, और राहब और इसके अलग किए हुए क्षेत्र, चार शहर। और नफ्ताली की जनजाति से, हत्यारे के लिए अलग किया हुआ शहर, गलील में कादेश और इसके अलग किए हुए स्थान, और हम्मोथ और इसके अलग किए हुए स्थान, और कर्तान और इसके अलग किए हुए स्थान - तीन शहर। गेदसोन के सब शहर उनके कुलों के अनुसार, तेरह शहर।

और मरारी के पुत्रों के लोगों को, शेष लेवियों को, जबूलून के गोत्र से, माआन और उसकी चरागाहें, और कादेश और उसकी चरागाहें, और ज़िल्लाह, और उसकी चरागाह

भूमि, तीन नगर। और यर्दन के परे, यरीहो के अनुसार, रुबेन के जनजाति से, हत्यारे के शरण का शहर, जंगल में बोसोर, मिसो, और उसकी चरागाहें, और याज़ेर, और उसकी चरागाहें। और डेकमोन और उसकी चरागाह भूमि और माफा और उसकी चरागाह भूमि, चार शहर। और गाद की जनजाति से, हत्यारे के लिए शरण का नगर, और गिलाद में रामोत और उसकी चरागाह भूमि, कामिन और उसकी चरागाह भूमि, और हेशबोन और उसकी चरागाह भूमि, और याज़ेर और उसकी चरागाह भूमि, सब मिलाकर चार नगर। मरारी के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार, जो लेवी के गोत्र से शेष रह गए थे, सब नगर दिए गए, और सीमाएं बारह नगर हुईं।

लेवियों के सब नगर इस्राएल के पुत्रों के अधिकार के बीच में, अड़तालीस नगर, और उनकी चरागाहें। इन शहरों के चारों ओर, शहर और शहर के चारों ओर की चरागाह भूमि इन सभी शहरों को।

और प्रभु ने इस्राएल को वह सारी भूमि दी, जिसे देने की उसने उनके पिताओं से शपथ खाई थी, और उन्होंने उसे विरासत में पाया, और वे उसमें बस गए। और प्रभु ने उन्हें चारों ओर से विश्राम दिया, जैसा उसने उनके पिताओं से शपथ खाई थी। उनके सभी शत्रुओं में से कोई भी उनके सामने नहीं टिक सका। प्रभु ने उनके सभी शत्रुओं को उनके हाथों में सौंप दिया। प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों से जो सभी अच्छे वचन बोले थे, उन सभी में से एक भी असफल नहीं हुआ, सभी पूरे हुए।

22

तब यहोशू ने रुबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे कबीले को बुलाया। और उसने उनसे कहा, तुमने सब कुछ सुना है जो मूसा, प्रभु के सेवक ने, तुम्हें आदेश दिया था, और तुमने मेरी आवाज़ की आज्ञा मानी है उन सब बातों के अनुसार जो उसने तुम्हें आदेश दिया था। तुमने अपने भाइयों को इन अधिक दिनों तक आज के दिन तक नहीं छोड़ा है, तुमने अपने परमेश्वर प्रभु की आज्ञा का पालन किया है। अब प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमारे भाइयों को विश्राम दिया है, जैसा उसने उनसे कहा था, इसलिए अब मुड़कर अपने घरों में और अपनी अधिकार की भूमि में जाओ, जो मूसा ने तुम्हें यर्दन के पार दी थी। लेकिन अत्यधिक सावधानी से उन आज्ञाओं और उस नियम का पालन करो, जिसे करने की आज्ञा प्रभु के सेवक मूसा ने हमें दी थी: प्रभु हमारे परमेश्वर से प्रेम करना, उसके सभी मार्गों पर चलना, उसकी आज्ञाओं का पालन करना, उससे लगे रहना, और अपने संपूर्ण मन और

अपनी संपूर्ण आत्मा से उसकी सेवा करना। और यहोशू ने उन्हें आशीर्वाद दिया, और उन्हें भेजा, और वे अपने घरों को चले गए।

और मनश्शे के आधे गोत्र को मूसा ने बाशान में दिया, और आधे को यहोशू ने उसके भाइयों के साथ यर्दन के पार समुद्र की ओर दिया, और जब यहोशू ने उन्हें उनके घरों को भेजा और उन्हें आशीर्वाद दिया। और वे बहुत धन के साथ अपने घरों को चले गए, और बहुत अधिक पशु, और चांदी, और सोना, और लोहा, और बहुत वस्त्र, उन्होंने अपने भाइयों के साथ शत्रुओं की लूट बांटी।

और रुबेन के पुत्र, और गाद के पुत्र, और मनश्शे के आधे गोत्र, इस्राएल के पुत्रों से कनान देश के शीलो में से गिलाद देश को गए, जो उनके अधिकार की भूमि थी, जिसे उन्होंने मूसा के हाथ द्वारा प्रभु की आज्ञा से विरासत में पाया था।

और वे यर्दन के गिलाद में आए, जो कनान की भूमि में है, और रुबेन के पुत्रों ने, और गाद के पुत्रों ने, और मनश्शे के आधे गोत्र ने वहाँ यर्दन पर एक वेदी बनाई, देखने के लिए एक बड़ी वेदी।

और इस्राएल के पुत्रों ने सुना कि कहा जा रहा है, देखो, रुबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र ने कनान की भूमि की सीमाओं पर, गिलाद में, यरदन के पार, इस्राएल के पुत्रों की ओर एक वेदी बनाई है। और इस्राएल के सब पुत्र शीलो में एकत्र हुए, ताकि ऊपर जाकर उनके विरुद्ध युद्ध करें।

और इस्राएल के पुत्रों ने रुबेन के पुत्रों की ओर और गाद के पुत्रों की ओर और मनश्शे के आधे गोत्र के पुत्रों की ओर गिलाद की भूमि में भेजा, फीनहास को जो एलाजार का पुत्र था, जो अहरोन महायाजक का पुत्र था। और दस शासक उसके साथ, प्रत्येक परिवार के घर से एक शासक इस्राएल की सभी जनजातियों में से, ये पैतृक घरों के शासक इस्राएल के हजारों के सेनापति हैं। और वे रुबेन के पुत्रों के पास, और गाद के पुत्रों के पास, और मनश्शे के आधे गोत्र के पास गिलाद की भूमि में आए, और उनसे बोले, कहते हुए, प्रभु की सारी सभा यह कहती है: यह कैसा अपराध है जो तुमने इस्राएल के परमेश्वर के सामने किया है, कि आज प्रभु से मुड़कर अपने लिए वेदी बनाई, और प्रभु से धर्मत्यागी बन गए? क्या हमारे लिए फोगोर का पाप छोटा था, कि हम उससे आज के दिन तक शुद्ध नहीं किए गए; और प्रभु की सभा में विपत्ति आई। और तुम आज प्रभु से मुड़ गए हो, और यदि तुम आज प्रभु से

दूर हो जाओ, तो कल सब इस्राएल पर क्रोध होगा। और अब यदि तुम्हारे अधिकार की भूमि छोटी है, तो प्रभु के अधिकार की भूमि में पार करो, जहाँ प्रभु का तम्बू निवास करता है, और हम में विरासत में लो, और परमेश्वर से विद्रोही मत बनो, और तुम प्रभु से मत भटको, इस कारण कि तुम हमारे परमेश्वर प्रभु की वेदी के बाहर वेदी बनाओ। क्या ज़ेरह के पुत्र आखार ने समर्पित वस्तु के विषय में अपराध नहीं किया, और इस्राएल की सारी सभा पर क्रोध आया? और वह अकेला अपने पाप में नहीं मरा।

और रुबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र ने उत्तर दिया और इस्राएल के सेनापतियों से कहते हुए बोले, वह परमेश्वर, परमेश्वर प्रभु है, और वह परमेश्वर, परमेश्वर स्वयं जानता है, और इस्राएल स्वयं जानेगा, यदि हमने विद्रोह में प्रभु के सामने अपराध किया है, तो वह हमें इस दिन न बचाए। और यदि हमने अपने लिए वेदी बनाई, ताकि हम अपने परमेश्वर प्रभु से हट जाएं, ताकि हम उस पर होमबलि का बलिदान चढ़ाएं, ताकि हम उस पर मेलबलि का बलिदान करें, तो प्रभु इसकी खोज करेगा।

लेकिन हमने यह सावधानी के शब्द के कारण किया, यह कहते हुए कि कहीं कल तुम्हारे बच्चे हमारे बच्चों से न कहें, तुम्हें इस्राएल के परमेश्वर प्रभु से क्या लेना? और प्रभु ने हमारे और तुम्हारे बीच यर्दन को सीमा बनाया, और तुम्हें प्रभु में कोई भाग नहीं है, और तुम्हारे पुत्र हमारे पुत्रों को अलग कर देंगे, ताकि वे प्रभु की पूजा न करें। और हमने कहा कि इस प्रकार करना है, इस वेदी का निर्माण करना भेंटों के कारण नहीं और न ही बलिदानों के कारण, लेकिन यह हमारे और तुम्हारे बीच, और हमारे बाद हमारी पीढ़ियों के बीच गवाही हो, ताकि हम प्रभु की सेवा उसके सामने अपनी भेंटों में और अपने बलिदानों में और अपनी शांति भेंटों के बलिदानों में करें, और तुम्हारे बच्चे कल हमारे बच्चों से न कहें, तुम्हें प्रभु में कोई हिस्सा नहीं है। और हमने कहा, यदि कभी ऐसा हो कि वे हमसे या हमारी आने वाली पीढ़ियों से कल बोलें, और वे कहें, देखो प्रभु की वेदी की समानता, जो हमारे पिताओं ने बनाई थी—न भेंटों के लिए और न बलिदानों के लिए, बल्कि यह तुम्हारे और हमारे बीच, और हमारे पुत्रों के बीच गवाही है। ऐसा न हो कि हम आज के दिन प्रभु से मुड़ें और प्रभु से हट जाएं, ताकि हम फल की भेंटों, बलिदानों, सलामीस और उद्धार के बलिदान के लिए वेदी बनाएं, सिवाय प्रभु की उस वेदी के जो उसके तम्बू के सामने है।

और जब फीनहास याजक और इस्राएल की सभा के सब शासकों ने, जो उसके साथ थे, वे शब्द सुने जो रुबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र ने बोले, तो वे प्रसन्न हुए। और फीनहास पुजारी ने रुबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे

गोत्र से कहा, आज हमने जान लिया है कि प्रभु हमारे साथ हैं, क्योंकि तुमने प्रभु के सामने कोई अपराध नहीं किया है, और तुमने इस्राएल के पुत्रों को प्रभु के हाथ से छुड़ाया है। और फीनहास पुजारी और शासक रूबेन के पुत्रों से और गाद के पुत्रों से और मनश्शे के आधे गोत्र से गिलाद से कनान भूमि में इस्राएल के पुत्रों के पास लौटे, और उन्होंने उनको उत्तर दिया। और इस्राएल के पुत्रों को यह बात अच्छी लगी, और इस्राएल के पुत्रों ने बातचीत की, और इस्राएल के पुत्रों के परमेश्वर को धन्यवाद दिया, और कहा कि अब उनके विरुद्ध युद्ध करने के लिए नहीं जाएंगे ताकि रूबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र की भूमि को नष्ट करें, और वे उस पर बसे रहे।

और यहोशू ने रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्र की वेदी को नाम दिया, और कहा कि यह उनके बीच गवाही है कि प्रभु उनका परमेश्वर है।

23

और ऐसा हुआ कि बहुत दिनों के बाद, जब प्रभु ने इस्राएल को उसके चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दिया, और यहोशू बूढ़ा हो गया और उसकी आयु बढ़ गई। और यहोशू ने इस्राएल के सब पुत्रों को और उनके बुजुर्गों की परिषद को और उनके शासकों को और उनके न्यायाधीशों को और उनके लेखकों को एक साथ बुलाया, और उनसे कहा, मैं बूढ़ा हो गया हूँ और दिनों में आगे बढ़ गया हूँ, तुमने देखा है कि हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे सामने से इन सब राष्ट्रों के साथ क्या किया, क्योंकि तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हारे लिए युद्ध किया। देखो कि मैंने तुम्हें ये बचे हुए राष्ट्रों को तुम्हारे कुलों की विरासत में डाल दिया है, यर्डन से लेकर सभी राष्ट्रों को, जिन्हें मैंने नष्ट कर दिया, और महान समुद्र से सूर्यास्त की ओर सीमा होगी।

लेकिन प्रभु हमारा परमेश्वर यह उनको हमारे सामने से नष्ट कर देगा, जब तक वे नष्ट न हो जाएं, और वह उनके पास जंगली पशुओं को भेजेगा, जब तक वह उनको और उनके राजाओं को तुम्हारे सामने से नष्ट न कर दे, और तुम उनकी भूमि पर अधिकार कर लोगे, जैसा प्रभु हमारे परमेश्वर ने तुमसे कहा था। इसलिए बहुत दृढ़ रहो कि मूसा की व्यवस्था की पुस्तक में लिखी हुई सब बातों का पालन करो और उन पर चलो, ताकि तुम दाहिने या बाएं न मुड़ो, ताकि तुम इन शेष छोड़े गए राष्ट्रों में प्रवेश न करो, और उनके देवताओं के नाम तुम्हारे बीच न लिए जाएं, न तुम उनकी सेवा करो, और न तुम उनकी पूजा करो, लेकिन तुम प्रभु हमारे परमेश्वर से चिपके रहोगे, जैसे तुमने इस दिन तक किया है। और प्रभु तुम्हारे सामने

से बड़े और मजबूत राष्ट्रों को नष्ट करेगा, और आज के दिन तक हमारे सामने कोई नहीं खड़ा हुआ। तुममें से एक ने हजार को खदेड़ा, क्योंकि प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हारे लिए लड़ा, जैसे उसने हमसे कहा था।

और अत्यधिक सावधानी से हमारे प्रभु परमेश्वर से प्रेम करने की रक्षा करो। यदि तुम मुड़ जाओ और इन बचे हुए जातियों से जो तुम्हारे साथ हैं जुड़ो, और उनसे विवाह करो, और उनके साथ मिल जाओ और वे तुम्हारे साथ, तुम जानते हो कि प्रभु इन राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से नष्ट करने में और नहीं जोड़ेंगे, और वे तुम्हारे लिए फंदे बन जाएंगे, और ठोकर के पत्थर बन जाएंगे, और तुम्हारी एड़ियों में कीलें बन जाएंगे, और तुम्हारी आँखों में तीर बन जाएंगे, जब तक तुम इस अच्छी भूमि से नष्ट नहीं हो जाओ जो तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें दी है।

मैं लेकिन उस रास्ते को जाऊंगा, जैसा कि पृथ्वी पर सब जाते हैं, और तुम अपने हृदय और अपनी आत्मा से जानोगे, क्योंकि उन सब वचनों में से एक भी वचन नहीं गिरा, जो प्रभु हमारे देवता ने हमसे संबंधित सब बातों के विषय में कहा था, उनमें से एक भी असफल नहीं हुआ। और जिस प्रकार प्रभु ने तुम्हारे लिए जो सब अच्छे वचन बोले थे, वे सब हमारे पास पूरे हुए हैं, उसी प्रकार प्रभु परमेश्वर तुम पर सब बुरे वचन भी लाएगा, जब तक कि वह तुम्हें इस अच्छी भूमि से नष्ट न कर दे, जो प्रभु ने तुम्हें दी है। जब तुम हमारे परमेश्वर प्रभु की वाचा का उल्लंघन करो, जो उसने हमें आज्ञा दी थी, और जाकर अन्य देवताओं की सेवा करो और उन्हें प्रणाम करो।

24

और यहोशू ने इस्राएल के सब गोत्रों को शीलो में इकट्ठा किया, और उनके बुजुर्गों और उनके लिपिकों और उनके न्यायाधीशों को बुलाया, और उनको परमेश्वर के सामने खड़ा किया।

और यहोशू ने सब लोगों से कहा, प्रभु इस्राएल का परमेश्वर ये बातें कहता है: नदी के पार तुम्हारे पिता आरंभ से बसे थे, तेरह जो अब्राहम का पिता था और नाहोर का पिता था, और उन्होंने दूसरे देवताओं की सेवा की। और मैंने तुम्हारे पिता अब्राहम को नदी के पार से लिया, और मैंने उसे सारी भूमि में ले जाया, और मैंने उसके वंश को बढ़ाया, और मैंने उसे इसहाक दिया। और इसहाक को याकूब और एसाव दिए, और मैंने एसाव को सेईर पहाड़ विरासत में लेने के लिए दिया, और याकूब और उसके पुत्र मिस्र में गए, और वहाँ एक बड़ा

और बहुत और शक्तिशाली राष्ट्र बन गए, और मिस्त्रियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। और मैंने मिस्त्र को उन निशानियों से मारा जो मैंने उनमें किया। और इन चीजों के बाद उसने हमारे पिताओं को मिस्त्र से बाहर निकाला, और आप लाल समुद्र में प्रवेश किए, और मिस्त्रवासियों ने हमारे पिताओं का स्थों और घोड़ों के साथ लाल समुद्र में पीछा किया। और हम प्रभु की ओर चिल्लाए, और उसने हमारे और मिस्त्रियों के बीच बादल और अंधकार दिया, और उन पर समुद्र लाया, और उन्हें ढक दिया, और तुम्हारी आँखों ने देखा जितना प्रभु ने मिस्त्र की भूमि में किया, और तुम जंगल में अधिक दिन थे।

और उसने हमें यर्डन के पार रहने वाले अमोरियों की भूमि में लाया, और प्रभु ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया, और तुमने उनकी भूमि को विरासत में लिया, और तुमने उन्हें अपने सामने से नष्ट कर दिया।

और बालाक, जो जिप्पोर का पुत्र और मोआब का राजा था, उठा और उसने इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध किया, और दूत भेजकर उसने बिलाम को हमें श्राप देने के लिए बुलाया। और प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें नष्ट करना नहीं चाहा, और उसने हमें आशीर्वादों से आशीर्वाद दिया, और हमें उनके हाथों से छुड़ाया, और उन्हें सौंप दिया। और तुमने यर्डन को पार किया और तुम यरीहो में आए और हमारे विरुद्ध लड़े यरीहो में निवास करने वाले अमोरी और कनानी और परिज्जी और हिक्वी और यबूसी और हित्ती और गिर्गाशी और प्रभु ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया। और मैंने तुम्हारे आगे बर्आ भेजा, और उसने हमारे सामने से अमोरियों के बारह राजाओं को भगा दिया, न तुम्हारी तलवार से और न तुम्हारे धनुष से।

और उसने तुम्हें वह भूमि दी जिस पर तुमने परिश्रम नहीं किया, और वे नगर जो तुमने नहीं बनाए, और तुम उनमें बस गए, और अंगूर के बाग और जैतून के बाग जो तुमने नहीं लगाए, तुम खाते हो।

और अब प्रभु से डरो, और सीधार्ई तथा धार्मिकता में उसकी सेवा करो, और उन विदेशी देवताओं को हटा दो, जिनकी सेवा हमारे पिताओं ने नदी के पार और मिस्त्र में की थी, और प्रभु की सेवा करो। यदि तुम्हें प्रभु की सेवा करना प्रसन्न नहीं करता, तो आज अपने लिए चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे, चाहे तुम्हारे पिताओं के देवताओं की, जो नदी के पार में हैं, चाहे अमोरियों के देवताओं की, जिनकी पृथ्वी पर तुम निवास करते हो, लेकिन मैं और मेरा घर प्रभु की सेवा करेंगे, क्योंकि वह पवित्र है।

और लोगों ने उत्तर देते हुए कहा, हमसे ऐसा न हो कि हम प्रभु को छोड़कर अन्य देवताओं की सेवा करें। प्रभु हमारा परमेश्वर, वही परमेश्वर है, उसी ने हमें और हमारे पिताओं को मित्र से निकाला, और उसी ने हमें उस सारे मार्ग में जिस पर हम चले, और उन सब जातियों में जिनके बीच से हम निकले, हमारी रक्षा की। और प्रभु ने एमोरी को और उन सब राष्ट्रों को जो भूमि में निवास करते थे, हमारे सामने से निकाल दिया, लेकिन हम भी प्रभु की सेवा करेंगे, क्योंकि यह हमारा परमेश्वर है।

और यहोशू ने लोगों से कहा, तुम प्रभु की सेवा करने में सक्षम नहीं हो, क्योंकि परमेश्वर पवित्र है, और यह ईर्ष्यालु है, यह तुम्हारे पापों और तुम्हारे अधर्म के कार्यों को नहीं छोड़ेगा। जब तुम प्रभु को त्याग दोगे और अन्य देवताओं की सेवा करोगे, तो वह आकर तुम्हें हानि पहुँचाएगा और तुम्हें नष्ट कर देगा, उसके बदले में जो उसने तुम्हारे साथ अच्छा किया। और लोगों ने यहोशू से कहा, नहीं, लेकिन हम प्रभु की सेवा करेंगे।

और यहोशू ने लोगों से कहा, तुम अपने विरुद्ध गवाह हो, कि तुमने प्रभु को चुना है उसकी सेवा करने के लिए। और अब उन विदेशी देवताओं को हटाओ जो तुममें हैं, और अपने हृदय को इस्राएल के प्रभु परमेश्वर की ओर सीधा करो। और लोगों ने यहोशू से कहा, हम प्रभु की सेवा करेंगे और उनकी आवाज़ सुनेंगे।

और यहोशू ने उस दिन लोगों के साथ वाचा बाँधी, और उसने उनको शीलो में इस्राएल के परमेश्वर के तम्बू के सामने व्यवस्था और न्याय दिया। और उसने ये शब्द परमेश्वर के कानूनों की पुस्तक में लिखे, और एक बड़ा पत्थर लिया, और यहोशू ने उसे प्रभु के सामने बांज वृक्ष के नीचे स्थापित किया। और यहोशू ने लोगों से कहा, देखो, यह पत्थर तुम्हारे बीच गवाही के लिए होगा, क्योंकि इसने प्रभु द्वारा इससे कही गई सब बातें सुनी हैं, जो उसने आज तुमसे कहीं, और यह तुम्हारे बीच अंतिम दिनों में गवाही के लिए होगा, जब तुम मेरे प्रभु परमेश्वर के साथ झूठा व्यवहार करोगे। और यहोशू ने लोगों को भेजा, और प्रत्येक अपने स्थान पर चला गया। और इस्राएल ने प्रभु की सेवा की यहोशू के सब दिनों में, और बुजुर्गों के सब दिनों में जिन्होंने यहोशू के बाद समय को लम्बा किया, और जिन्होंने प्रभु के सब कामों को देखा जो उसने इस्राएल के लिए किए।

और उन बातों के बाद ऐसा हुआ कि यहोशू, जो नून का पुत्र और प्रभु का दास था, सौ दस वर्ष की आयु में मर गया। और उन्होंने उसको उसके हिस्से की सीमाओं में दफनाया, थम्नासारख में, एग्रैम के पहाड़ में, गिलाद के पहाड़ के उत्तर से।

और यूसुफ की हड्डियाँ इस्राएल के पुत्रों ने मिस्र से लाई, और उन्हें शकेम में दफनाया, उस खेत के भाग में जो याकूब ने शकेम में निवास करने वाले अमोरियों से सौ भेड़ के बच्चों के बदले अधिग्रहण किया था, और उसे यूसुफ को भाग में दिया था।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि हारून का पुत्र एलियाज़र जो महायाजक था, मर गया, और उसे गिबा में दफनाया गया जो उसके पुत्र फिनहास को एप्रैम के पहाड़ी क्षेत्र में दिया गया था।